

॥ प्रथमाष्टकम् ॥

अ नीरुहेति तादृशैरक्षैश्च बंधनात्परतस्त
नैहोतं ब्रह्म। गतां ब्रह्मैव वदन्ति पुस्ति क्री॥१॥ प्रज
मिषु कृतिमिवी बद्ध दृष्टिरथो मुखं दुर्द नलि ॥
खितं शास्त्रं पुत्रं दत्तं पात्रं तू॥

[illegible]

अ॥ रि॥ द॥ सं॥ धि॥ यं॥ घृ॥ ता॥ वी॥ ता॥ धं॥ ता॥ रु॥ ते॥ न॥ वि॥ वा॥ व॥ रु॥ ए॥ न॥ तं॥
 व॥ धो॥ रु॥ तं॥ स्मृ॥ शा॥ के॥ तं॥ बृ॥ हं॥ तं॥ आ॥ शा॥ धे॥ इ॥ ति॥ क॥ वी॥ इ॥ ति॥ न॥ तं॥
 वा॥ व॥ रु॥ ए॥ उ॥ वि॥ आ॥ तो॥ उ॥ क॥ हं॥ य॥ द॥ हं॥ द॥ धा॥ त॥ इ॥ ति॥ आप॥ न॥ तं॥
 आ॥ धि॥ ना॥ य॥ द्वा॥ री॥ इ॥ धं॥ इ॥ व॥ त्या॥ ए॥ इ॥ ति॥ द्र॥ व॥ तं॥ धा॥ ए॥ धि॥ न॥ तं॥
 नी॥ इ॥ ति॥ उ॥ रु॥ भु॥ जा॥ व॥ न॥ स्य॥ तं॥ अ॥ धि॥ ना॥ उ॥ रु॥ दं॥ स॥ स॥ न॥ तं॥
 रा॥ वी॥ र॥ य॥ धि॥ य॥ धि॥ स्य॥ व॥ न॥ तं॥ गि॥ रु॥ द॥ न॥ तं॥ वा॥ क॥ व॥
 ना॥ स॥ त्या॥ वृ॥ क॥ व॥ हं॥ धि॥ आ॥ या॥ तं॥ रु॥ द्र॥ व॥ तं॥ नी॥ इ॥ ति॥ रु॥ द्र॥ व॥ तं॥ नी॥ इ॥ ति॥
 या॥ हि॥ वि॥ त्रं॥ ना॥ नो॥ इ॥ ति॥ वि॥ त्रं॥ ना॥ नो॥ इ॥ ति॥ ना॥ नो॥ इ॥ ति॥ ना॥ नो॥ इ॥ ति॥
 स॥ ना॥ घृ॥ ता॥ स॥ धि॥ य॥ इ॥ धि॥ तं॥ वि॥ प्र॥ ज॥ तं॥ उ॥ न॥ व॥ तं॥

स्य। सोमः पाः। पिब। गोदाः। इति। विवतः। सुदः। अथ। तो। अंतमानां। विद्याम।
मतां। मा। नः। अति। रव्यः। आ। गहि। परा। इति। विशा। असृतं। इंद्र। पृष्ठ। विपः।
तं। यः। ते। सखि। न्यः। आ। वर। उत। ब्रवन्तु। नः। निदः। निः। अन्यतः। दितः। आ।
रधानाः। इंद्र। इत्युत। वः। १॥ इत। नः। सु। नगान्। आ। वो। वेयः। दस्म। इति।
रूपाम। इति। इंद्रस्य। शर्मणि। आ। इंद्र। आ। वः। नर। यः। शः। श्रियः। नः।
मादनं। पतयतु। मंदयतु। सखं। अस्य। पीत्वा। शतक्रतो इति शतक्रतो। धि।
नः। वृत्राणां। अभवः। प्र। आवः। वाजेषु। वाजिनो। तं। त्वो। वाजेषु। वाजि।
नं। वाजयामः। शतक्रतो इति शतक्रतो। धनानां। इंद्रमातये। यः। रा। इति।
यः। वनिः। महान्। सुपायः। सुन्वतः। सखा। तस्मै। इंद्राय। गायताम। ॥
आ। तु। आ। इतानि। सोदत। इंद्रं। अति। प्र। गायतु। सखायः। स्तोमं। वा।
हमः। पुरु। तमं। पुरुषां। ॥

परि। सु० ग्रथितं। तत्। आ० अदरित्यदः॥ १५॥ अ० वा० महा इति। पाजं सो इति। अचुके इति। द्यावा त्वा
मा० मदतां। इन्द्रा० कर्मन्। वा० वृत्रं। आ० शयानं। सिरासु० महः। वज्र०ण० सिस्विपः। वराजं। वा० इन्द्रा० नयः।
द्यान्। अवः। वृत्। तिष्ठ। वात० स्या० सु० युजः। वहिष्ठा० नयः। ते। कायः। उग्राना० मेदिना० दात० वृत्र० हनं।
पा० यै० तत० च। वज्र०। वा० सूरः। हरितः। रम्यः। वृत्। नर० त० चक्रं। एत० नः। ना० अयं। इन्द्रा० प्र० अस्या० पा
रा० नव० ति० ना० स्या० ना० अपि० कर्त०। अव० र्त० यः। अय० न्यून० वा० नः। अस्याः। इन्द्रा० दुः० हन० याः। पा० हि० वा०
जि० वः। दुः० इन्द्रा० त०। अ० नी० के० घानः। वा० जा० न० रथ्यः। अश्व० बुध्मान० इषे० यं० धि० श्रव० से० सू० द० न०।
ये० मा० सा० ते०। अ० स्म० त०। सु० म० तिः। वि० द० स० त०। वा० ज० प्र० महः। सं० इषे० वर० त०। आ० नः। न० ज० म० घ०

३॥ स्रियायाः ॥ ५॥ अधः प्रजले तरणिः ॥ ममनु ॥ प्ररोचि ॥ अस्याः ॥ उषसं ॥ न ॥ सूरः ॥ इंदुः ॥ येनिः ॥
 आष्टा ॥ स्व ॥ इंदुहवैः ॥ सुवेण ॥ सिधन् ॥ जुरणा ॥ अत्रि ॥ क्षम ॥ सु ॥ इध्मा ॥ यत ॥ वन ॥ धितिः ॥ अपस्यात् ॥
 स्तरः ॥ अधरे ॥ परि ॥ रोधना ॥ गोः ॥ यत ॥ ह ॥ प्र ॥ नासि ॥ रुध्वा ॥ अत्र ॥ दूर ॥ अनर्विन्ने ॥ पशु ॥ इधे ॥ उग ॥
 या ॥ अष्टा ॥ महः ॥ दिवः ॥ आदः ॥ हरी ॥ इति ॥ इह ॥ पुम ॥ सह ॥ अत्रि ॥ योक्षनः ॥ उम ॥ हरि ॥ यत ॥ ते ॥ मंदिन ॥
 धुलन् ॥ वृधे ॥ गो ॥ रत्नसं ॥ अदि ॥ निः ॥ वाताय ॥ च ॥ आयुसं ॥ प्रति ॥ वर्तयुः ॥ गोः ॥ दिवः ॥ अत्रमाने ॥ उप ॥ नी ॥
 त ॥ कन्वा ॥ ऊसाय ॥ यत्र ॥ पुरु ॥ फुता ॥ वृचन् ॥ शुभं ॥ अनंतैः ॥ परि ॥ यासि ॥ वृधे ॥ पुरा ॥ यत ॥ सूरः ॥ तम ॥
 सः ॥ अपि ॥ इते ॥ तं ॥ अदि ॥ वः ॥ फलि ॥ गं ॥ हितिं ॥ अस्या ॥ शुलस्य ॥ दित् ॥ परि ॥ हितं ॥ यत ॥ उज्ज ॥ दिवः ॥

१८७
वत्। गोष्ठ। अर्थः। मंहिष्ठाः। ते। सधु० मा। दः। स्पाम॥ २६॥ इति अष्टमोऽध्यायः समाप्तः॥

॥ श्रीरसुः॥ संवत् १७५५ वर्षे शाके १६७७ प्रवर्तमाने नाइपदमासे चक्षपदे अश्व

वास्या तीथौ शुक्रवासरेशी पत्रननगरे मोटजा तीथपं म्यागणे शसुतयं म्या अं विकेन लिखितं

दने श्री लक्ष्मी नोथी

स्नेहि चामि रस न दंत सही श्री शु नं न व कु क

१ वे हरि साक्षी नीपोषी

श्वेताक्षनीपोषी श्रीमि नव-२। ३५
ता-३११

श्वेताक्षनीपोषी

सि रिवे तं दवे स द्द निरां स वी द मां नत्ता उ
सं वत १ २० ना व र मे जे न्नु दी रे र वि
पठ ना र थं द वे के स व ती मे च म् वा न न्ना
पि द्द ति

नो। वसुनां। इत्यति। इन्द्रः। पंच। क्षितानां। इन्द्रः। विश्वतः। परि। हवीं। महे। जनेभ्यः। अस्माकं। अस्तु।
केवलः॥१४॥ आ। इन्द्र। सानसिं। रयिं। सन्निवृत्तं। सुदा० सहं। वर्षिष्णुं। जतये। नर। नि। येन। सु।
ष्टि० हत्वया। नि। वृत्रा। रुणक्षमहे। वा० नतासः। नि। अर्वता। इन्द्र। वा० नतासः। आ। वयं। वज्रं।
यना। ददीमहि। जयेम। सं। युधि। स्पृधः। वयं। शूरेभिः। अस्मृ० निः। इन्द्र। वयां। युजा। वयं। सससा
म। एतन्मृतः। महान्। इन्द्रः। परः। वा० उ। महि० वं। अस्तु। वज्रिणे। द्यौः। न। प्रथिना। अवः॥१५॥ सं०
उहे। वा। ये। आशत। नरः। तोकस्य। सनितौ। विप्रसः। वा। धिया० यवः। यः। ऊक्षिः। सोम० पातम
। ससुद्रः। इव। पिबते। उर्वीः। आपः। नाकाऊर्ध्वः। एव। हि। अस्या। सृष्टता। वि० रशी। गो० मती।

चरंतं। परि। तस्युषः। रोवते। रोवना। दिवि। कुंजंति। अस्या। काम्या। हरी इति। वि० पक्षसा। रथे। शोणा।
 धूस्र इति। उ० वाहसा। केउं। कृण्वन्। अकेतवे। पेशः। मया। अपेशसे। सं। उषत्० मिः। अजायथा
 । आत्। अह। स्वभां। अउ। उनः। गर्भ० वं। आ० इरिर। दक्षनाः। नाम। युजियं। वीउ। वित्। आरु
 ननु० मिः। उहा। वित्। इंद। वक्रि० मिः। अविदः। उस्वियाः। अउ। ॥ देव० यंतः। यथा। मतिं। अ
 च। विदत्० वसुं। गिर। महां। अनुमत्। सुतं। इंद्रेण। सं। हि। दक्षसे। सं० उग्मानः। अविद्युषा। मं
 इति। समान० वर्वसा। अनुवद्यैः। अनिर्ह० मिः। मुखः। सहस्वत्। अर्वति। गणैः। इंद्रस्य। काम्यैः।
 अतः। परि० ज्मत्। आ। गृहि। दिवः। वा। रोवनात्। अधि। सं। अस्मिन्। कुंजते। गिरः। इतः। वा। मा

ज्ञानं। वाद्याणां। इंद्रं। सोमं। सन्ना। सुता। सः। द्या। नः। योगे। आ। सुवत्। सः। सुवे। सः। सुवे० ध्यां। गमत्। त
 जेनिः। आ। सः। नः। द्यम्। सं० स्वे। न। दृष्टवते। हरी इति। समत्० सु। नार्त्रवः। सुत० ए० सुतः। सुताः।
 इमे। सुवत्। द्यंति। वीतये। सोमं। सः। दधि० आ। नारः। ए० वं। सुतम्। पीतये। सुवः। दृष्टः। अजा
 यथाः। इंद्रं। ज्यैष्ठ्याय। सुकृतो इति सु० कृतो। आ। नः। वि० नः। आ। नः। सोमं। सः। इंद्रं। गिर्वत्।
 । नः। ते। सु० वे० तसे। वां। स्तोमाः। अवीदृक्षन्। वां। उक्ता। शतकृतो इति शत० कृतो। वां। वदं०
 नः। गिरः। अक्षित० नतिः। सुनेत्। इमं। वाजं। इंद्रः। सहस्रिणं। द्यस्मिन्। विश्वाभि। पौंस्या। माः।
 नः। मन्त्राः। अग्निः। रुद्रः। तन्ननां। इंद्रं। गिर्वत्। इमानः। द्यवत्। वधं० ए० सु० जेति। बुध्ना। असुषे

२ एवाह्य०

मही। पक्वा। शरवा। न। दाशुष। एव। हि। ते। वि० नृतयः। ऊनयः। इ० द। मा० वते। सुघः। वित्। सं
निः। दाशुषे। का म्या। स्तोमः। उक्कं। वा। शं स्या। इ० द्राय। सोम० पीतये। ॥ ६ ॥ इ० द। आ। इ० हि। म० क्रि।
अंधसः। विश्वे० निः। सोम० पर्व० निः। महान्। अ० नि० छिः। उ० ज० स्या। आ। ई। ए० नं। सु० ज० त। सु० ते। मं० दि०। इ०
द्राय। मं० दि० ने। च० क्रि०। वि० श्वानि। च० क्र० ये। म० र्व०। सु० शि० प्र। मं० दि० निः। स्तोमे० निः। वि० श्व० च० ष० ए०। स० वा
। ए० ष। स० व० ने० षु। आ। अ० स्मृ० यं। इ० द। ते। गिरः। प्र० ति० वा०। उ० त०। अ० ह० सु० त०। अ० जो० षाः। वृ० ष० नं। पा० तं। मं०
वो० द० य०। वि० त्रं। अ० वा० क०। रा० धः। इ० द। व० र० णं। अ० स० त०। इ० त०। ते। वि० श्व०। प्र० नु०। ॥ ७ ॥ अ० स्मृ० न०। सु० त० त्र० वा०
द० य०। इ० द। रा० ये। र० न० स्व० तः। उ० वि० ष्क० म०। य० श० स्व० तः। स० गो० म० त०। इ० द। वा० ज० व० त०। अ० स्मे० द० ति०। ॥ ८ ॥

अदः। वृहत्। विश्व०। आयुः। धेहि। अक्षितं। अस्मेदति। धेहि। अदः। वृहत्। कर्म। सहस्र०। सातमं। इंद्र।
 ताः। रथिनीः। इषः। वसोः। इंद्र। वसु०। पतिं। गीः। रश्मिः। शृणुतः। रुग्मियं। होमं। गंतारं। जतये। सुते०।
 सुते। नि०। उ०। कमे। वृहत्। वृहते। आ। अरिः। इत०। इंद्र। य। शुषं। अर्धति॥१४॥ गार्धति। वा। गायत्रिणः।
 अर्धति। अर्कः। अर्किणः। ब्रह्माणः। वा। शतक्रतो इति शत० क्रतो॥ उत्त०। वंशं। वृ०। येमिरे। यत्त०। सा
 नोः। सातुं। आ। अरुहत्। अरि। अस्पृष्ट। कर्वी। तत्। इंद्रः। अर्थं। वेतति। यूथेन। वृक्षिः। एजति। युद्ध।
 हि। केशिना। हरी इति। हर्षणा। कक्ष्य०। प्रा। अर्थ। नः। इंद्र। सोम०। पाः। गिरां। उप०। सुति। चरा। आ। इं
 हि। स्तोमात्। अति। स्वर। अति। शृणीहि। आ। रुच। ब्रह्म। च। नः। वसा इति। सद्यो। इंद्र। यज्ञं। वा। वर्धय।

उक्तं। इन्द्राय। शंस्ये। वर्धनं। पुरुनिः। शसिधे। शक्रः। यथा। सुतेषु। नः। ररणतः। सुखेषु। च। तं। इतर। सु
 खिन्वे। इमहे। तं। राये। तं। सुवीर्ये। सः। शक्रः। उत। नः। शक्रतः। इन्द्रः। वसु। दयमानः। ॥ १५ ॥ सुदि
 वतं। सुनिः। श्रजं। इन्द्र। वा० दातं। इतर। यशः। गवां। अप। वृजं। वृधि। रुणुष। राधः। अद्रि० वः। नहि।
 वा। रोदसी इति। उमे इति। क्रुघायमाणं। इवतः। जेषः। स्वः। श्वतीः। अपः। सागाः। अस्मन्मं। धूउ
 हि। आशुत० कर्मा। शुधि। हवं। उ। धित। दुधिषु। मे। गिरः। इन्द्र। स्तोमं। इमं। मम। रुष। युजः। धित। अ
 तरं। विम। हि। वा। वृषन्० तमं। वाजेषु। हवन्० युतं। वृषन्० तमस्य। हमहे। कृतिं। सहस्र० सात
 मां। आ। उ। नः। इन्द्र। कौशिक। मंदसानः। सुतं। पिव। नम्यं। आयुः। प्रासु। तिरु। रुधि। सहस्र० मां।

कृषिः। पतिः। शिर्वणः। गिरः। इमाः। नवंबु। विस्वतः। इव० आद्यं। अत्र। इवयः। जुष्टः। नवंबु। जुष्टयः।
 ॥ २८ ॥ इन्द्रं विष्वाः। अवीवृधन्। सुमुद्र० व्यवसं। गिरः। रथि० तमं। रथिनां। वाजानां। सत्० पतिं। पतिं।
 सरये। ते। इन्द्रावाजिनः। मा। नैम। शवसुः। पुते। वां। अत्रि। प्र। नो० उमः। जेतारं। अपरा० जितं। पु
 दीः। इन्द्रस्य। रातयः। न। वि। दस्यंति। नतयः। यदिवाजस्य। गो० मतः। स्तो० न्यः। मंहते। मद्यं। पुगं
 । सिंदुः। सुवा। कविः। अमित० उजाः। अजायत। इन्द्रः। विश्वस्य। कर्मणः। धर्ता। वज्री। पुरु० सुतः। वां
 वलस्य। गो० मतः। अप। अवः। अद्रि० वः। बिलं। वां। देवाः। अविश्रुषः। उज्यमानासः। आविषुः। तवा
 अहं। सुरः। राति० निः। प्रति। आयं। सिधुं। आ० वदन्। उप। अतिष्ठंत। शिर्वणः। विडुः। ते। तस्य। क्लार

वः॥ मायाभिः॥ इन्द्रा मायिनं॥ वं॥ सुलं॥ अवा॥ अतिरः॥ मेधिगः॥ तेषां॥ अवा॥ सि॥ उर॥ तिर॥ इन्द्रा॥ ईशा
 ने॥ उज्जसा॥ अनि॥ स्तोमाः॥ अतृषत॥ सहस्रं॥ यस्य॥ रातयः॥ उत॥ वा॥ संति॥ नृदसीः॥ २१॥ ॥ ॥
 अर्द्धः॥ ॥ अग्निं॥ दृतं॥ वृणीमाहु॥ होतारं॥ विश्वं वेदसं॥ अस्य॥ यज्ञस्य॥ सु० क्रु०॥ अग्निं॥ अ
 ग्निं॥ हवीम० निः॥ सदा॥ हवंत॥ विश्वतिं॥ हव्य० वाहं॥ पुरु० प्रियं॥ अग्ने॥ देवान्॥ इहा॥ आ॥ वृहा॥ जज्ञान्
 ॥ वृक्त० बर्हिषि॥ अग्निं॥ होता॥ नृः॥ ईशः॥ तान्॥ उवाच॥ वि॥ बोधय॥ यत्॥ अग्ने॥ यासि॥ दृत्यं॥ देवैः
 आ॥ ससि॥ बर्हिषि॥ घृतं॥ आहवन्॥ दीदि० वः॥ प्रति॥ स्म॥ रिषतः॥ इहा॥ अग्ने॥ वं॥ रक्षस्विनः॥ अग्निना
 ॥ अग्निः॥ सस्॥ इध्यते॥ कविः॥ इह० पतिः॥ युवा॥ हव्य० वाद्॥ जुज० अ० स्यः॥ २२॥ कविं॥ अग्निं॥ उपा॥

सुहि। सत्य० धर्माणं। अधरे। देवं। अमीव० चातनं। यः। वां। अग्ने। हविः। रपतिः। इतं। देव। सपयति। त
स्य। स्मा। प्र० अविता भव। यः। अग्निं। देव० वीतये। हविष्मान्। आ० विवा सति। तस्मै। पावक। मृज
य। सः। नः। पावक। दीदि० वः। अग्ने। देवान्। इह। आ। वह। उप। युजं। हविः। व। नः। सः। नः। स्त
वीनः। आ। नृ। गायत्रिण। नवीयसा। रयिं। वीर० वती। इषं। अग्ने। सुक्रेण। शोचिषा। विश्वा
भिः। देवहृति० निः। इमं। स्तोमं। जुषुस्व। नः। शश। सु० समिधः। नः। आ। वह। देवान्। अग्ने। ह
विष्मते। होतरिति। पावक। यक्षि। व। मधु० संतं। तदु० नपात। युजं। देवेषु। नः। कवे। अद्य।
सुपुहि। वीतये। नराशंसं। इह। प्रियं। अस्मिन्। युजे। उप। कये। मधु० जिह्वं। हविः। रक्तं। अग्ने।

सुख० तमे । रथे । देवान् । इलितः । आ । वह । अस्मि । होता । मनुः । रहितः । स्तुणीत । बहिः । आ । उपक
 । घृत० । पृष्ठं । मनीषिणः । यत्र । अमृतस्य । वक्ष्णं । वि । अयंतां । कृत० । वधः । वारः । देवीः । असुश्रुतः
 । अद्य । नूनं । वा । यष्टवे । श्रद्धा । न कोषसा । सु० । पेत्रासा । अस्मिन् । याज्ञ । उप । कृये । इदं । नः । बहिः ।
 आ० । सदे । ता । सु० । जिक्वौ । उप । कृये । होतार । दैव्या । कवी । इति । यज्ञानः । यज्ञताम्र । इमं । इजा
 सरस्वती । मही । तिस्रः । देवीः । मयः । शुक्ल । बहिः । सीदं । अस्मिन् । इह । वष्टारं । अयिद्यं । वि
 श्व० । रूपं । उप । कृये । नै । अव । सृज । वनस्यते । देवेभ्यः । हविः । प्रादातः । असु । वेतनं । स्वाहा ।
 यज्ञं । कृणोत न । इन्द्राय । यज्ञनः । गृहे । तत्र । देवान् । उप । कृये । श्रद्धा । आ । एभिः । अग्ने । इवः ।

देव । २

गिरः। विष्टेभिः। सोमं पीतये। देवेभिः। याहि। यक्षि। व। आ। वा। कणाः। अहृषत। शृणंति। विप्र। ते।
 धियः। देवेभिः। अग्ने। आ। गहि। इन्द्रवायू इति। वृहस्पतिं। मित्रा। अग्निं। वृषणं। नगं। आदित्या
 न्। मासतं। गुणं। प्रावः। त्रियंते। इन्द्रवः। मयराः। मादयिस्त्ववः। इन्द्राः। मध्वः। वसू० सदः। ईलते।
 त्वा। अवस्यवः। कणासः। वृक्क० बर्हिषः। हविष्मंतः। अरु० रुतः। घृत० पृष्ठाः। मनः। रयुजः। ये। वा
 । वहंति। वक्रयः। आ। देवान्। सोमं पीतये॥ २६॥ तान्। यजत्रान्। कृत० वृधः। अग्ने। पत्नी० वत्तः।
 नधि। मध्वः। सु० जिह्वा। पृथ्व्याये। यजत्राः। ये। ईर्द्याः। ते। त। पिवंतु। जिह्वया। मध्वोः। अग्ने। वष
 ट्० कृति। आकां। स्वयंस्य। रोचनान्। विद्यान्। देवान्। वषः। रवधः। विप्रः। होता। इहा वरुति। वि

श्वेतिः। सोमं। मधु। अग्ने। इंद्रेण। वायुना। पिव। मित्रस्य। धर्मं। निः। तं। होता। मरुः। इति। अग्ने।
 द्याजिषु। सीदसि। सः। इमं। नः। अधुरं। यज। युक्ता। हि। अरुषीः। रथे। हरितः। देव। रोहितः। तानिः।
 देवान्। इह। आ। वह॥ २५॥ इंद्रा। सोमं। पिव। कुरुना। आ। वा। विशंतु। इंदेवः। ममरासः। तत्०३
 कसः। मरुतः। पिवत। कुरुना। पात्रान्। यजस्। पुनीतन्। यूयं। हि। स्वा। सु० दानवः। अति। यज्ञं
 । यणा। हि। नः। आवः। नेष्टुरिति। पिव। कुरुना। वं। हि। रत्न० धः। असि। नसादय। योनिषु। त्रिषु। परि
 । भूष। पिव। कुरुना। ब्राह्मणात्। इन्द्रा। राधसः। पिव। सोमं। कुरुना। अत। तवा। इत्। हि। सरयं। असु
 ते। सुवं। दक्षं। धृत० वृत्ता। मित्रावरुणा। दुः। शदने। कुरुना। यूयं। आशायेति॥ २६॥ प्रविणः। शदाः

१०
 ।प्रविणमः । याव० हस्तासः । अधुरे । यज्ञेषु । देवं । ईजते । प्रविणः । शदाः । ददातु । नः । वसूनि । यानि । शृ
ण्वार । देवेषु । ता । वनामहे । प्रविणः । शदाः । पिपीषति । जुहोता । प्र । वा । तिष्ठत । नेक्षात् । ऊ० । निः । इ
ष्टतः । यत् । वा । उरीयस् । ऊ० । निः । प्रविणः । शदः । यजामहे । अध । स्मानः । ददिः । नवा । अश्विना । पिव
तं । मधु । दीर्घग्री । इतिदीदि० । अग्नी । शुवि० । वता । ऊ० । ना । यज्ञ० । वाहसा । गार्ह० । पत्येन । सत्या । ऊ० । ना
यज्ञ० । नीः । असि । देवान् । देव० । यते । यज्ञ॥ २५॥ आ । वा । वहंतु । हरयः । वृषण । सोम० । पीतये । इंद्र ।
वा । स्वर० । वदसः । इमा । क्षनाः । पुत० । सुवः । हरी । इति । इह । उप । वदतः । इंद्र । सुख० । तमे । २६॥ इंद्र ।
प्रातः । हवामहे । इंद्र । प्र० । यति । अधुरे । इंद्र । सोमस्य । पीतये । उप । नः । सुतं । आ । गहि । हरि० । निः ।
 १०

इन्द्र। के। गो० निः। सुतो। हि। वा। हे। वा। महे। सः। इमं। नः। सोमं। आ। गृहि। उप। इदं। सर्वतं। सुतं। गो
 रः। न। वृषितः। पिव। वृषण। इमे। सोम। सः। इन्द्रवः। सुतासः। अधि। बृहिषि। तान्। इन्द्र। सहसे। पिव।
 अयं। ते। सोमः। अग्रियः। रुदि० स्पृक्। असु। शं० तमः। अथ। सोमं। सुतं। पिव। विश्वं। इत। सर्वतं
 सुतं। इन्द्रः। मदाय। गच्छति। वृत्र० हा। सोम० पीतये। कामं। आ। वृण। गोनिः। अथैः। शतक्रतो
 इति। शत० क्रतो। सत्वाम। वा। सु० आध्यः। ॥ ३ ॥ इन्द्रावरुणयोः। अहं। सं० राजोः। अवः। आ। वृणे। ना।
 नः। मृजातः। इन्द्रो। गंतारा। हि। स्त्रः। अवसे। हवं। विप्रस्य। मा० वतः। धर्तार। वर्षणीनां। अत्रु०
 कामं। तप्यिष्यां। इन्द्रावरुणा। रायः। आ। ता। वा। नेदिषं। इमहे। युवाऊ। हि। शचीनां। युवाऊ।

समन्तः ६

सु० मृती नां । चु याम । वा ज० दा त्रां । इंद्र । सह स्र० दा त्रां । वरुण । वां स्मी नां । क्रु वः । भु वति । उ द्यः ॥ वर ॥
तयोः । इ त । अ व सा । द यं । सु ने म । नि वा धी सु हि । स्मा त । उ त । पु० र च नं । इंद्र वरुण । वां । अ हं । ऊ वे । वि
त्रा य । रा ध स । अ स्मा न् । सु । जि सु र्वः । कृ तं । इंद्र वरुण । उ उ । वां । सि सौ सं ती ष्ठ । धी ष्ठ । आ । अ स्म नो ।
ना मी । य च तं । प्र । वां । अ भे उ । सु० सु तिः । इंद्र वरुण । यां । ऊ वे । यां । कृ ध ये इ ति । स ध० सु तिं ॥ वर ॥
सो मा नं । स्व रं । सु हि । व स्र णः । प ते । क क्षी वं तं । यः । अ ग्नि जः । यः । रे वा न् । यः । अ मी व० हा । व सु
० वि त् । सु ष्टि० व र्ध नः । सः । नः । सि स क्रु । यः । उ रः । मा नः । शं सः । अ र रु षः । धु र्तिः । प्र ण कृ । म र्त्य स्य ।
र क्ष । नः । व स्र णः । प ते । सः । य । वी रः । न । रि ष्य ति । यं । इंद्र । व स्र णः । प तिः । सो मः । हि नो ति । म र्त्यं । वां ॥

तं। ब्रह्मणः। पते। सोमः। इंद्रः। वामन्यी। दक्षिणा। पात्र। अहसः॥ वध॥ सदसः। पति। अर्जुतं। प्रियं। इंद्र
स्य। काम्यं। सुनि। मेधा। अयासिषं। यस्मात्। कृते। ना। सिधति। यत्तः। विपः। रचितः। चनासः। धीना। यो
गं। इवति। आत्। कक्षेति। हवि। रक्षति। प्राचं। क्षणेति। अधुरं। होत्रा। देव। गृति। नरा। शंसं।
सु। धृष्टमं। अपत्रं। सप्रथः। यतमं। दिवः। ना। सद्य। मरवसं॥ वप॥ पति। त्यं। चारुं। अधुरं। गो०
पीयाय। प्राह्वयसे। मरुत० निः। अग्ने। आ। गहि। नहि। देवः। ना। मर्त्यः। महः। तर्वा। कर्वं। पुरः।
नये। महः। रजसः। विदुः। विश्वे। देवासः। अक्रहः। नये। उया। अर्क। आरु। अनाधृष्टासः।
उजसा। नये। शुजा। घोर। वर्षसः। सु। क्षत्रासः। शिवा। दसः॥ वध॥ नये। नार्कस्य। अधि। रोचने। दि

वि। देवासः। आसत। ॥ ये। ईश्वरं। यंति। पर्वतान्। तिरः। सुसुदं। अर्षदं। ॥ आये। त्वंति। रविमंनि
 ॥ तिरः। सुसुदं। उजसा। ॥ अग्नि। वा। पूर्व० पीतये। सृजामि। सोमं। मधु। ॥ ॥ ॥ प्रथमोक्षयः समाप्त
 ॥ ॥ अयं। देवाय। जन्मान। स्तोमः। विप्रैः। आसया। अकारि। रन्ध्रतमः। ये। ईश्वरं। वचः
 युजा। तत्तुः। मनसा। हरीति। शमीनिः। यज्ञं। आनात। तक्षन्। नासत्याभ्यां। परि० व्यानं। सु० रं
 । रथं। तक्षन्। धेनुं। सबः। श्रुद्यां। युवाना। पितरा। पुनरिति। सत्य० मंत्राः। क्रुञ्च० यवः। क्रुञ्चवः। वि
 षी। अकृत। सं। वः। मदासः। अग्नत। इंद्रेण। वा। मरुवता। आदित्येनिः। च। राज० निः। ॥ ॥ उत। त्पं
 वमसं। नवं। बहुः। देवस्य। निः। शक्तं। अकर्तृ। वचरः। पुनरिति। ते। नः। रत्नानि। धत्तन। त्रिः। आ।

रातयः॥विश्वे॥मर्म॥अत॥हव॥हव॥हव॥सु०दानवः॥इंद्रेण॥सहसा॥युजा॥मानः॥दुःशंसः॥इ
 शत॥विश्वान॥देवान॥हवामहे॥मरुतः॥सोम०पीतये॥उग्राः॥हि॥ष्टि०मातरः॥ए॥जयतां॥इव
 ॥तनूवः॥मरुतां॥एति॥धु०य॥यत्॥अने॥याथन॥नरः॥हस्करा॥वि०द्यतः॥परि॥अतः॥
 ज्ञाताः॥अव०नः॥मरुतः॥मृ०य०नः॥आ॥सु०प०वि०वर्हिष॥आ०ष्टो॥धु०रु०दिवः॥
 आ॥अ०ज्ञान०यथा॥पु०ष्टा॥सु०षा॥राजा०न॥आ०ष्टो०ः॥अप०य०हं॥गु०हा॥हितं॥अवि०दत्॥वि०
 वर्हिष॥उतो०प्रति॥सः॥म०द्यं॥इंद्र०भिः॥म०द्र॥यु०क्ता॥अ०नु०से०सि०धत्॥गो०भिः॥यव०न॥वर्त्त०ष
 र॥ए॥अ०व०यः॥य०ति॥अ०ध०भिः॥जा०म०यः॥अ०ध०रि०य०तां॥मु०व०तीः॥म०धु०ना॥प०यः॥अ०ध०यः॥याः॥

उप। सूर्ये। यामिः। वा। सूर्यः। सह। ताः। नः। हिवंउ। अधरं। अपः। देवीः। उप। कये। यत्र। गार्वः। पिबंति
 । नः। मिधुंभ्यः। कर्वी। हविः। अ२० सु। अंतः। अष्टते। अ२० सु। मे३ जं। अपां। उत। प्र० शं सूर्ये। देवाः।
 नवत। वाजिनः। अ२० सु। मे। सोमः। अबुवीत। अंतः। विश्वानि। मे३ ज्ञा। अग्निं। व। विश्व० शं उवां। आ
 पः। व। विश्व० शं उमानः। पुरा। निदः। अ३ देषः। हस्तायाः। दधे। नम० नतास्य। ते। वयं। उत। अ३ गोम्।
 तव। अवसा। स३ दीनं। रायः। आ० रा३ न। ख॥ नहि। ते। क्षत्रं। नां सहः। न। मन्त्रं। वयः। वन। अमी३
 ति। पतयंतः। आपुः। न। इमाः। आपः। अ३ नि० मिषं। वरंतीः। न। ये। वातस्य। प्र० मिनंति। अ३ न्वं। अ३
 न्वे। राजा। वरुणः। वनस्य। न३ र्वम्। सूर्यं। दे३ दते। वत० द३ रः। नीवीनाः। स्तुः। उपरि। बुध्नः। एषां३

नेषजीः॥१॥आपः॥एणीत॥नेषजं॥वरुणं॥तवे॥मम॥ज्योक्॥व॥स्ययी॥दृशे॥इहे॥आपः॥प्र॥वहत्॥
यत्॥किं॥चा॥दुः॥इतं॥मयि॥यत्॥वा॥अहं॥अनि॥दु॥शेह॥यत्॥वा॥शेपे॥उत॥अरुतं॥आपः॥अथ
॥अनु॥अवारिषं॥रसेन॥सं॥अग॥स्महि॥पय॥स्वात्॥अग्रे॥आ॥गहि॥तं॥मा॥सं॥सृज॥वर्चसा॥सं॥
मा॥अग्रे॥वर्चसा॥सृज॥सम्॥प्र॥जया॥सं॥आद्युषा॥विद्यः॥मे॥अस्य॥देवाः॥इन्द्रः॥विद्यात्॥स
ह॥ऋषि॥भिः॥१॥श॥कस्य॥तुनं॥कृतमस्य॥अमृतानां॥मनामहे॥वारु॥देवस्य॥नाम॥कः॥नः॥म
ह्यै॥अदितये॥उनः॥दात्॥पितरं॥व॥दृशेयं॥मातरं॥व॥अग्नेः॥वयं॥प्रथमस्य॥अमृतानां॥मना
महे॥वारु॥देवस्य॥नाम॥सः॥नः॥मह्यै॥अदितये॥उनः॥दात्॥पितरं॥व॥दृशेयं॥मातरं॥व॥अ

मि।ज्ञा।देव।सदितः।ईशानं।वायूणां।सदा।अवन्।नागं।ईमह।यः।वित्।हि।त।इवा।अगः।शशाश्वतः।
।पुरा।निदः।अदेषः।हस्तायाः।दधे।अगं०नक्तस्य।ते।वयं।उत्।अशोम।तव।अवसा।पूर्वनिं।रायः।
आ०राज्ञः॥३॥नहि।ते।क्षत्रं।नासहः।नामन्कं।वयः।वन।अमीइति।पुतयंतः।आपुः।ना।इमाः।
अपः।अनि०मिषं।वरंतीः।नाये।वातस्य।प्र०मिनंति।अत्रं।अबुधे।राजा।वरुणः।वनस्य।ऊर्ध्व
।सूपं।ददते।सुत०दक्षः।नीवीनाः।सुः।उपरि।बुधः।एषां।अस्मेइति।अंतः।नि०हिताः।केतवः।
स्फरितिस्फः।उरुं।हि।राजा।वरुणः।वकारं।सूर्याय।पैथां।अनु०एतवै।अंइति।आपदे।पादा।प्र
ति०क्षतवे।अकः।उत।अप०वक्ता।द्वदय०विधः।वित्।वातं।ते।राऊन्।निषजः।सहस्रं।उर्वी

गनीरा। सु० मतिः। ते। अस्तु। बाधस्व। हरे। निःशक्तिं। पुराचैः। कृतं। चित्। एनः। वासुसुग्धि। अस्म
त्। अमी इति। यो। कृताः। नि० हितासः। उवा। नक्तं। ददशे। ऊहा। चित्। दिवा। इयुः। अदञ्चानि। व
रुणस्य। वृत्तानि। वि० वाकशत। सु० दमाः। नक्तं। एति। ॥४॥ तत्। वा। व्याप्ति। वृत्तानां। वंदमानः। तत्।
आ। शास्त्रे। यजमानः। हविःशक्तिः। अहेनमानः। वरुण। इह। बोधि। उरु० शंस। मानः। आयुः।
प्रामोषीः। तत्। इत्। नक्तं। तत्। दिवा। मह्यं। आजुः। तत्। अयं। केतः। हृदः। आ। वि। वष्टे। शुनः। शोपः
। यं। अकृत्। एनीतः। स॥ अस्मान्। राजा। वरुणः। सुमोक्तु। शुनः। शोपः। हि। अकृत्। एनीतः।
विष्ट। आदित्यं। दु० पदेषु। वृद्धः। अवा। एनं। राजा। वरुणः। समुज्यात्। विवात्। अदञ्चः। वि। सुमो

१
कुः पात्रात् अवे ते हेतः वरुण नमः शनिः अवे यज्ञेभिः ईमहे हविः शनिः क्षयन् अस्मन् अस्मन्
प्रवेत इति प्रवेतः राजन् एनांसि शिश्रुः कृतानि उत् उत्तमं वरुण पात्रो अस्मन् अवे
अधमं वि मध्यमं अथय अथ वयं आदित्य वते तवा अनागसः अदित यस्याम ॥ १५ ॥ यत्
वित् हि ते विना यथा प्रादेव वरुण व्रतं मिनीमसि द्यवि द्यवि मानः वक्षय हनवे जि
हीलानस्य रीरधः मा कृणानस्य मन्यवे वि मृलीकाय ते मनः रथीः अश्वे न संदितं गा
ः शनिः वरुण सीमहि परा हि मे वि मन्यवः पतंति वस्यः इष्टये वयः न वसतीः उप
कदा क्वत्र प्रियं नरे आ वरुणं करामाह मृलीकाय वरुण वक्षसं ॥ १६ ॥ तत् इत्त समानं ॥

२ धृत

आज्ञाते इति। वेनेता। न। प्र। सुवतः। धृत० वृताय। दा। शुषे। वेदायः। वीनां। पदं। अंतरिक्षेण। पततां। वेदा
नावः। ससुद्रियः। वेदा। मासः। वृतः। वादशा। प्रजा० वृतः। वेदायः। उप० जायते। वेदा। वातस्य। वृत्तं नि
उरोः। रुषस्य। वृहतः। वेदाये। अधि० आसते। नि। ससादा। धृत० वृतः। वरुणः। पुस्त्यासु। आ। मास
० राज्याय। सु० कर्तुः। ॥ १॥ अतः। विश्वानि। अद्भुता। विक्रिवात्। अति। पश्यति। कृतानि। या। वा। क
वी। सः। नः। विश्वाहा। सु० कर्तुः। आदित्यः। सु० पथा। कर्तुः। प्र। नः। आद्यं। वि। तारिषत्। विव्रता
शपिं। हिरण्यं। वरुणः। वस्तु। निः। शनिजं। परि। स्मृताः। नि। सेदिरे। न। यं। दिशंति। दिशवः। न।
दुष्काणः। जनातां। देवं। अति० मातयः। वृत। यः। मातृषेष्टु। आ। यज्ञः। वृके। असीमि। आ। अ

ना

स्माकं। उदरेषु। आ॥१६॥ परा। मे। यंति। धीतयः। गावः। न। गव्यूतीः। अत्र। इच्छंतीः। उरु० वक्षसं। सं। उ।
 वाचावहे। उतः। यतः। मे। मधु। आ० नृतं। होता। इव। रुदसे। प्रियं। दर्शो। उ। विश्व० दर्शितं। दर्शो। रथं।
 अधि। रुमि। एताः। जुषत। मे। गिरः। इमं। मे। वरुण। श्रुधि। हवं। अद्य। च। मृजय। वा। अवस्फः॥
 आ। वके। व। विश्वस्य। मेधिर। दिवः। वाग्मः। वा। राजसि। सः। द्यामनि। प्रति। श्रुधि। उत्। उत्० तमं।
 सुसुधि। नः। वि। पात्रां। मध्यमं। वृत। अव। अधमा। इनि। जीवासा॥१७॥ वसिष्ठ। हि। मियेध्व। वस्रा।
 णि। ऊर्जी। पते। नि। नः। होता। वरेण्यः। सदा। यविष्ठ। मन्म० निः। अग्ने। दिवित्मता। ववः। आ। हि। स्म।
 सूनवे। पिता। आपिः। यजति। आपये। सर्वा। सर्वो। वरुण॥ आ। नः। बर्हिः। रिशादसः। वरुणः॥

मित्रः। अयमासीदनु। मनुष्ययथा। श्वी। होतः। अस्मानः। मंदस्व। सख्यस्य। वाइमाः। अंइति।
 सु। अग्निः। गिरः॥ १०॥ वाश्वता। तना। देवं० देवं। यजामहे। वेइति। इतः। क्लयते। हविः। प्रियः। नः।
 असु। विव्यतिः। होता। मंडः। वरेण्यः। प्रियाः। सु० अग्रयः। वयं। सु० अग्रयः। हि। वायं। देवासः।
 दधिरे। च। न। सु० अग्रयः। मनामहे। अथो। नुः। उन्नयेषां। अष्टत। मर्त्यानां। मिथः। संतु। प्र० शीस्त
 यः। विश्वेभिः। अग्ने। अग्निः। मि० निः। इमे। यज्ञं। इदं। वचः। वनः॥ ११॥ सहसः। योहोइति॥ १२॥ ॥
 अर्द्धः॥ ॥ ३३ अश्वी। न। वा। चार० वंते। वंदध्वे। अग्निं। नमः। शनिः। सं० राजंते। अध्वराणां। सः।
 धानः। सुतुः। शर्वसा। पृथु० प्रगामा। सु० वोवः। मीद्वार। अस्माकं। वनूयात। सः। नः। इरात। वा० शास्तात।

नि। मर्गात्। अघ०। याः। पाहि। सदा। इत्। विश्व०। आयुः। इमे। जंइति। सु। वे। अस्माकं। सनि। गायत्रं। नव्यां सं।
अग्ने। दोवेषु। प्रावोवः। आ। नः। नज। परमेषु। आ। वाजेषु। मध्यमेषु। शिद्ध। वस्त्वः। अंतमस्य॥ २२॥ वि॥
०। नका। असि। विव्रनानोइति विव्र०। नानो। सिंधोः। जमौ। उपा। का। आ। सद्यः। दाशुषे। हूरसि। ये।
अग्ने। एत०। सु। मर्त्ये। अवाः। वाजेषु। यं। जुनाः। सः। यंता। शश्वतीः। इषः। नर्किः। अस्य। सहत्य। पंरि॥
०। ता। कयस्य। धित्। वाजः। अस्ति। श्रवाय्यः। सः। वाजं। विश्व०। वर्षणिः। अर्वत्०। मिः। असु। तरुता॥
। विप्रेभिः। असु। सनित्ता। जरा०। बोधातत्। विविहि। विशे०। विशेभ्यश्चियाय। स्तोमं। रुद्राय। हवी॥
कं॥ २३॥ सः। नः। महान्। अनि०। मानः। धूम०। क०। पु०। रु०। चंद्रः। धियो। वाजाय। हिवत्। सः। रेवान्

व। विष्णुपतिः। दैव्यः। कुतः। शृणोतु। नः। उक्तेः। अग्निः। दृष्टं। नमः। महत्। नमः। नमः। अग्नी
कर्मः। नमः। युवन्मः। नमः। अग्नि। नमः। यजामा देवान्। यदि। शक्रवाम। मा। ज्ञायसः। शंसो
आ। वृद्धि। देवाः। ॥ १४ ॥ यत्र। यावा। पृथु० बुध्नः। नृध्वः। नवति। सोतवे। उत्तरखलपसुतातां। अवा
इत। ऊंइति। इंद्र। जलुलः। यत्र। वौड्व। जयता। अधि० सवन्मा। क्षता। ॥ यत्र। नारी। अप० यवे
उप० यवे। च। शिद्धते। ॥ यत्र। मंथा। वि० वध्नते। रश्मीन्। यमितवैड्व। ॥ यत्र। चित्। हि। वं।
गृहे० गृहे। उत्तरखलक। युज्यसे। इह। कर्मन्तमं। वद। जयतां इव। इंद्रुभिः। ॥ १५ ॥ उत्त। स्म।
ते। वनस्पते। वातः। वि। वाति। अयं। इत। अथोइति। इंद्राय। पातवे। सुत। सोमं। उत्तरखल। अ

यजीइत्या० यजी॥ वाज० सा तमा॥ ता॥ हि॥ उच्चा॥ वि० जर्तः॥ हरीइवेति हरीइव॥ अंक्षंसि॥ वसता॥ ता॥ नः॥
अ॥ वनस्पतीइति॥ रुधौ॥ रुधेनिः॥ सोऽ० निः॥ इन्द्राय॥ मधु० मत्॥ सुतं॥ उत्॥ निष्ठं॥ चमोः॥ रते॥ सोमं॥
पवित्रे॥ आ॥ सृज॥ नि॥ धेहि॥ गोः॥ अधि॥ वधि॥ रद्द॥ न॥ सत्य॥ सोम० पाः॥ अनाशास्ताः॥ इव॥ स्मसि॥ न॥ शंसय
गोषु॥ अश्वेषु॥ शुघ्रिषु॥ सहस्रेषु॥ उवि० मघ॥ निषिन्॥ वाजानां॥ पते॥ शची० वः॥ तवा॥ दंसना॥ न॥ नि॥ स्वा
पय॥ मिथु० दृशा॥ सुस्ता॥ अबुधमानेइति॥ न॥ ससंतु॥ त्याः॥ अरातयः॥ बोधे० उ॥ शूर॥ रातयः॥ न॥ सां
इन्द्र॥ गर्दभं॥ मृणा॥ उवंतं॥ पापाया॥ असुया॥ न॥ पताति॥ कुण्डूणाया॥ दुरं॥ वातः॥ वनात्॥ अधि॥ न॥ सर्वं
परि० क्रोशं॥ जहि॥ जंनय॥ सस॥ दाम्ब॥ न॥ र॥ आ॥ व॥ इन्द्रं॥ किंचि॥ यथा॥ वाज० यंतः॥ शत० क

ॐ मं हि धं सि चि इ डं निः । शतं वा यः । शुचीनां सहस्रं वा । सं आ शिरां । आ इत्ता मंडति । निमं ।
 नारीयते । सं यत् । मदीय । शुभ्रिणे । एना । हि । अस्म । उदरे । समुद्रः । न । व्यवः । दाध । अयं । मंडति । ता ।
 सं । अतसि । कपोतः । इव । गर्भं । धि । ववः । तत् । चित् । नः । अहसे । स्तोत्रं । राक्षनां । पते । गिरीहः । वीराय
 स्य । ते । वि । नृतिः । असु । स्तुता । ॥ १८ ॥ ऊर्ध्वः । तिष्ठ । नः । ऊतये । अस्मिन् । वाजे । शतक्रतो इति शतं
 क्रतो । सं । अन्येषु । ब्रुवावहे । योगे । योगे । तवः । शतरं । वाजे । वाजे । हवामहे । सर्वायः । इन्द्रं । ऊतये ।
 आ । श्व । ममत् । यदि । अवत् । सहस्रिणी निः । उति । निः । वाजे निः । उप । नः । हवी । अत्र । पुनस्य । उक्
 सः । ऊवे । उवि । प्रति । नरं । यं । ते । पर्व । पिता । ऊवे । तं । वा । वयं । विश्वं । वार । आ । शास्महे । पुरु

हृत। सरवे। वसो इति। उरिष्ट० न्य॥ ॥ १५ ॥ अस्माकं। विप्रिणीनां। सोम० पाः। सोम० पात्री। सरवे। वज्रिन्।
 सखा० नां। तथा। तत्। असु। सोम० पाः। सरवे। वज्रिन्। तथा। कृणु। यथा। ते। उश्मसि। इष्टये। रेवतीः। नः॥
 सुध० मादे। इंद्रे। संतु। उवि० वाजाः। क्षु० मंतः। द्यामिः। मदेम। आ। घ। वा० वान्। तमना। आसः। स्तो० न्य
 ॥ धृ० सो इति। इयानः। कृणोः। अक्षं। नाचक्र्योः। आ। यत्। उवः। शत० कृतो इति शत० कृतो। आ। कामं। उ
 रिष्टाणां। कृणोः। अक्षं। ना। शवीमिः॥ ३० ॥ शश्वत्। इंद्रे। षोडश्वत्० निः। जिगाय। नानदत्० निः। शश्व
 सत्० निः। धनानि। सः। नः॥ हिरण्य० रथं। दंसना० वान्। सः। नः। सनिता। सनाय। सः। नः॥ अद्वात्। आ
 ॥ अश्विनौ। अश्व० वत्या। इषा। द्यातं। शवीरया। गो० मत्। दस्त्रा। हिरण्य० वत्। समानपयो। जनः॥ हि।

वा। रथः। दस्रो। अर्मत्यः। समुद्रे। अश्विना। इयते। नि। अघ्नस्य। सुवर्नि। वक्रं। रथस्य। येमधुः। परि। द्यां
 । अन्यत्। इयते। कः। ते। उषः। कध० प्रिये। जुजे। मर्तः। अमर्त्ये। कान्तुसे। विना० वरि। वयं। वि० अम
 त्महि। आ। अन्तात्। आ। पुराकात्। अश्वे। न। वि० अरुषि। वं। त्येनिः। आ। गृहि। वाजेनिः। दुहितः। दिवः।
 अस्मेइति। रयिं। नि। धारय॥ व॥ अग्ने॥ प्रथुमः। अंगिराः। रुषिः। देवः। देवानां। अन्नवः। शिवः। स
 र्वा। तव। व्रते। कवयः। विघ्नना० अ० पसः। अजायंत। मरुतः। अर्जत० रुष्टयः। अंगिरः। रतमः। कविः।
 देवानां। परि। नृषसि। व्रतं। वि० वः। विश्वस्मै। सुवनाय। मेधिरः। द्वि० माता। शुशुः। कतिक्षा। चित्र। आव
 वे। मातरि० अने। आविः। नव। सुक्रतु० या। विवस्वते। अरेजेतां। रोदसीइति। हो० वर्ये। असघ्नोः। ना

वमनेप्रथमो१

रां अयं जः । म हः । व सो इति । वं । अग्ने । मन वे । द्यां । अवा शायः । उरुर वसे । सु० कृते । सुकृत्० तरः । आत्रेण
 । यत् । पित्रोः । सुचसे । परि । आ । वा । पूर्वी । अनयन् । आ । अपरं । पुनरिति । वं । अग्ने । वृषभः । उष्टि० वर्धनः ।
 उद्यत्० सुवे । न वसि । श्वायः । यः । आ० ऊति । परि । वेद । चषट्० कृति । एक० आद्युः । अग्ने । विशः । आ
 ० विवा ससि । ३२॥ वं । अग्ने । वृजिन० वर्तनि । नरं । सकर्मन् । पिपृषि । विदथे । वि० वर्षणे । यः । श्वर० सप्तमः ।
 परि० तक्मो । धने । दध्रे निः । चित् । सं० कृता । हंसि । नूयसः । वं । तं । अग्ने । अष्टत० वे । उत्त० तमे । मन्त्री । दक्ष
 सि । श्ववसे । दिवे० दिवो । यः । तृष्टाणः । उन्नयाय । जन्मने । मयः । कृणोषि । प्रयः । आ । वा । सु० कृते । वं ।
 नः । अग्ने । सनये । धनानां । युना सं । कासं । अगृहि । स्तूयानः । रुधाम । कर्म । अपसा । नवेन । देवैः । द्या

ब्रह्म अग्नेय

वा॒ष्टि॒वी॒र॒ति॒।॒प्र॒।॒अ॒व॒त॒स॒।॒न॒।॒०॒।॒पि॒त्रो॒।॒उ॒प॒०॒स्त्री॒।॒आ॒।॒दे॒वः॒।॒दे॒वे॒षु॒।॒अ॒न॒व॒घ॒।॒जा॒य॒विः॒।॒त॒व॒०॒क्ष॒त॒।
 बो॒धि॒।॒प्र॒०॒म॒तिः॒।॒वा॒।॒का॒र॒वे॒।॒वां॒।॒क॒न्या॒ण॒।॒व॒सु॒।॒वि॒श्वं॒।॒आ॒।॒ज॒पि॒षे॒।॒वां॒।॒अ॒ग्ने॒।॒प्र॒०॒म॒तिः॒।॒वां॒।॒पि॒त्रो॒।॒अ॒ग्नि॒।॒न॒।
 वां॒।॒य॒यः॒।॒र॒क्ष॒त॒।॒त॒व॒।॒जा॒म॒यः॒।॒व॒यं॒।॒सं॒।॒वा॒।॒रा॒यः॒।॒ना॒ति॒नः॒।॒सं॒।॒स॒ह॒स्रि॒णः॒।॒सु॒०॒वी॒रं॒।॒यं॒ति॒।॒अ॒त॒०॒पां॒।
 अ॒दी॒न्य॒॥॒३॒॥॒वां॒।॒अ॒ग्ने॒।॒प्र॒थ॒मं॒।॒आ॒युं॒।॒आ॒य॒वे॒।॒दे॒वाः॒।॒अ॒रु॒ण॒व॒न॒।॒न॒ऊ॒ष॒स्य॒।॒वि॒श्व॒प॒ति॒।॒इ॒जां॒।॒ऊ॒ष॒ण॒व॒
 न॒।॒म॒नु॒ष॒स्य॒।॒जा॒स॒नी॒।॒पि॒त्रः॒।॒य॒त॒।॒पु॒त्रः॒।॒म॒म॒क॒स्य॒।॒जा॒य॒ते॒।॒त॒व॒।॒दे॒व॒।॒पा॒यु॒०॒तिः॒।॒म॒द्यो॒नः॒।॒र॒क्ष॒।॒त॒व॒
 :॒।॒वा॒।॒व॒ं॒घ॒।॒ना॒ता॒।॒तो॒क॒स्य॒।॒त॒न॒ये॒।॒ग॒र्वा॒।॒अ॒ग्नि॒।॒अ॒नि॒०॒मे॒घं॒।॒र॒क्ष॒मा॒णः॒।॒त॒व॒।॒व॒ते॒।॒वां॒।॒अ॒ग्ने॒।॒य॒ज्य॒वे॒।॒पा॒युः॒
 अं॒त॒रः॒।॒अ॒नि॒षं॒गा॒य॒।॒व॒उः॒।॒अ॒रु॒ः॒।॒इ॒ध॒मे॒।॒यः॒।॒रा॒त॒०॒ह॒व्यः॒।॒अ॒ष्ट॒का॒य॒।॒क्ष॒य॒स॒।॒की॒रेः॒।॒चि॒त्र॒।॒मं॒त्रं॒।॒स॒

ब्रह्म अग्नेय

नसा। वनोषि। तम्। वं। अग्ने। उरु०। नंसाय। वाघते। स्या हम्। यत्। रेक्तः। पुरम्। वनोषि। तत्। आधस्य। चित्।
 प्र० मतिः। उच्यसे। पिता। प्र। पाकं। शास्त्रि। प्र। दिनाः। विदुः। प्रतरः। वं। अग्ने। प्रयत्त० दक्षिणं। नरं। वर्म०
 व। स्मृतं। परि। पासि। विश्वतः। स्वा दु० रुद्रा। यः। वसतौ। स्योन० चत्। जीव० याजं। यजेते। सः। उप० मा
 दिवः। वध॥ इमां। अग्ने। शरणिं। मीष्टुषः। नः। इमं। अधानं। यं। अगां। दुरात्। आपिः। पिता। प्र० मति
 ॥ सोम्यानां। नृ सिः। असि। रुषि० चत्। मर्त्यानां। मनुष्यत्। अग्ने। अंगिरस्वत्। अंगिरः। यत्। यति० वत्।
 सदनं। पूर्व० वत्। श्रुवे। अश्व। याहि। आ। वह। दैव्यं। जने। आ। सादय। नहिषि। यक्षिः। व। प्रियं। पुनेन। अ
 ग्ने। इल्लणा। वृधस्व। शक्ती। वा। यत्। ते। चत्। म। विहा। वा। उत। पाने। षि। अग्नि। वस्यः। अस्मान्। सं। नः।

सृजु। सु० मत्पा। वाज० वत्पा॥ ३५॥ इन्द्रस्य। उ। वीर्याणि। प्र। वोच० यानि। चकार। पृथुमानि। वज्री। अहन्।
 अहिं। अत्र। अपः। ततर्द्द। प्रावक्षणाः। अनितर। पर्वतानां। अहन्। अहिं। पर्वत। शिशिराणां। उष्ट। अस्मै
 । वज्रं। सूर्यो। ततर्द्द। वाश्वाः। इव। धेनवः। स्पंदमानाः। अंजः। सुमुद्रं। अवा। जमुः। आपः। वृष० यमराः। अ।
 वृणीत। सोमं। त्रि० कंडुकैश्च। अपिबत। सुतस्य। आ। सायकं। मव० वा। अदत्त। वज्रं। अहन्। एनं। प्रथम० जा
 म्। अहीनाम्। यत। इन्द्र। अहन्। प्रथम० जाम्। अहीनां। आत्। मायिनां। अमिताः। प्र। उत। मायाः। आत्।
 सूर्यो। जनयन्। द्यां। उषसं। तादीनां। शत्रुं। न। किल। विविसे। अहन्। वृत्रं। वृत्र० तरं। वि० अंसं। इन्द्रः। व
 ज्रेण। महता। वधेन। स्कंधो। सिद्धव। ऊलि। शोभ। वि० वृक्ता। अहिः। शयते। उप० पृक्। पृथिव्याः॥ ३६॥ अ

यो द्वा इव । दुः शमदः । आ । हि । जुद्धे । महा । वीरं । उवि । बाधे । रुजीषे । ना । अतारीत् । अस्मा । सं । रुति । वृक्षनां । सं
 । रुजानां । पिपिषे । इदं । प्रातुः । अपात । अहस्तः । अष्टतन्मत् । इदं । आ । अस्मा । वज्रं । अधि । सानौ । जर्वन ।
 वृक्षः । वधिः । प्रुति । मानं । बुभूषत् । पुरु । ना । वृत्रः । अत्रायत् । वि । अस्मा । नदं । ना । निन्नं । असुया । शयानं
 । मनः । रुहाणाः । अति । यंति । आपः । द्याः । धित । वृत्रः । मुहिना । परि । अतिष्ठत् । तासां । अहिः । पशुतः । शशी
 । बभूव । नीचा । वयाः । अत्रवत् । वृत्र । उत्रा । इदं । अस्मा । अव । वधः । जुनार । उत । तरा । स्तः । अत्रः । उ
 त्रः । आसीत् । दातुः । वाये । सह । वसा । ना । धेनुः । अतिष्ठतीनां । अनि । वेशनानां । काष्ठीनां । मध्या । नि । हि
 तं । शरीरं । वृत्रस्य । निष्पं । वि । चरंति । आपः । दी । वी । तमः । आ । अत्रायत् । इदं । प्रातुः । नृणां । दास । पत्नीः ।

अहि० गोपाः॥ अतिष्ठन्। नि० रुधाः॥ आपः॥ पुणिना देव। गावः॥ अपां। विलं। अपि० हितं। यत्। आसीत्। व
 त्रं। जव्वार। अप। तत्। ववार। अश्वः॥ वारः॥ अश्वः॥ तत्। इन्द्र। सुके। यत्। वा। प्रति० अहन्। देवः॥ एकः
 । अजयः॥ गाः॥ अजयः॥ सुर। सोमं। अश्वः॥ अश्वजः॥ सतीव। सप्त। सिधूत्। न। अस्मै। वि० घुत्। तत्। तन्युः॥
 । सि। सधा। न। या। मिहं। अकिरत्। ज्ञा। दुर्निव। इन्द्रः॥ वा। यत्। युयुधातु इति। अहिः॥ वा। उत। अपरी।
 न्यः॥ मध० वा। वि। जिग्ये। अहेः॥ यातारं। कं। अपश्युः॥ इन्द्र। हृदि। यत्। ते। जघुषः॥ नीः॥ अगवत्। नवा। वा।
 यत्। नवति। वा। सकंतीः॥ शेषनः॥ न। नीतः॥ अतरः॥ रजं। सि। इन्द्रः॥ यातः॥ अव० सितस्य। राजा। शम
 स्य। वा। शृंगिणः॥ वज्र० बाहुः॥ सः॥ इत्। नन्दति। राजा। हयति। वर्षणीनां। अरान्। न। नेमिः॥ परि। ता।

वधूव॥३॥॥द्वितीयोऽध्यायः समाप्तः॥ ॥३॥आ॥इत॥अद्याम॥उपा॥गव्यंतः॥इंद्रं॥अस्माकं॥सु॥प्र०मतिं॥वह
 क्षति॥अनामृणः॥ऊ॥वित॥आत॥अस्य॥रायः॥गवां॥केत॥परं॥आ०वर्जति॥नः॥उपा॥इत॥अहं॥धन०दां॥अप्र
 ति०इतं॥नुष्टं॥न॥त्रेपेनः॥वसतिं॥पतामि॥इंद्रं॥नमस्सु॥उप०मेति॥॥अर्कैः॥यः॥स्तोत०न्यः॥हव्यः॥अ
 स्ति॥द्यामन्॥नि॥सर्व०सेनः॥इषु०धीर॥असक्त॥सं॥अर्यः॥गाः॥अजति॥यस्य॥वष्टि॥वोष्कृयमाणः॥
 इंद्र॥भूरि॥वामं॥मा॥पुणिः॥भूः॥अस्मत्॥अधि॥पु०वृष्टु॥वधीः॥हि॥दस्युं॥धनिनं॥द्युनेन॥एकः॥वरं॥
 उप०शाकेभिः॥इंद्र॥धनोः॥अधि॥विषुणक्॥ते॥वि॥आयुर्॥अयज्वानः॥सनकाः॥प्र०इति॥इंद्रुः॥परं
 ॥वित॥शीर्षा॥वहनुः॥ते॥इंद्र॥अयज्वानः॥यज्व०भिः॥स्यर्धमानाः॥प्रायत्॥दिवः॥हरि०वः॥स्नानः॥उय

निः। अत्र तात्। अधमः। रोदस्योः॥॥॥ अयुसुसरा। अनवघस्य। सेनां। अयीतयंत। क्षितयेः। नव० व्याः।
 वृष० युधः। न। वधयः। निः। अश्रयः। प्रवत्० निः। इंद्रात्। क्षितयंतः। आयन्। वं। एतात्। रुदतः। जक्षतः।
 च। अयोधयः। रजसः। इंद्र। पारे। अव। अदहः। दिवः। आ। दस्युं। उवा। प्रा। सुवतः। सुवतः। शंसं।
 आवः। चक्राणाम्। परि० नैहं। पृथिव्याः। हिरण्येन। मणिना। शुभ्रमानाः। न। हिवा। नासः। तितिरुः।
 ते। इंद्रं। परि। स्पशः। अदक्षत्। स्तयेण। परि। दत्। इंद्रं। रोदसी इति। उने इति। अशुभोजीः। महिना
 विद्यतः। सी। अमन्यमानात्। अत्रि। मन्यमानैः। निः। अस्म० निः। अधमः। दस्युं। इंद्र। नाये। दिवः। पृ
 थिव्याः। अंतं। आपुः। न। मा। मानिः। धन० दां। परि० अन्ववत्। सुजं। वज्रं। वृषत्। चक्रं। इंद्रः। निः। ज्यो

कु

तिष्ठा। तमसः। गाः। अर्धुक्षरः। शः। अत्रास्वधां। अक्षरः। अपः। अस्या। अर्धवतः। अर्धः। आ। नामानां। सधी
 चीनेन। मन्सा। तं। इन्द्रः। उजिष्ठेन। हन्मना। अहन्। अग्नि। दूर। नि। अविध्युतः। इनीविशस्य। दन्हा। वि।
 मृगिणः। अग्निनतः। शुक्लः। इन्द्रः। यावतः। तरेः। मघ० वन्। यावतः। उजः। वज्रेण। शत्रुः। अवधीः। एतत्सुम्
 । अग्नि। सिधः। अजिगात्। अस्या। शत्रुः। वि। तिमेन। वषनेण। पुरः। अग्नेत्। सं। वज्रेण। असृजतः। ए
 तं। इन्द्रः। प्र। स्वां। मतिः। अतिरतः। शाश्वदानः। आवः। ऊर्ध्वः। इन्द्रः। यः। स्मिन्। शक्रः। प्र। आवः। सुध्यंतं।
 वृषभं। दश० द्यं। शफ० युतः। रेणुः। नक्षत्रां। उत्तः। श्वेतेयः। ए० सहाय। तस्मै। आवः। शर्मै। वृषभं
 । उग्र्यासु। क्षेत्र० जेषे। मघ० वन्। अग्नि० गां। ज्योक्। विन्। अर्धः। तस्मिन्। दांसः। अक्रन्। शत्रु० युतां। अध

रा। वेदना। अकृतिर्यकः॥३॥ त्रिः। चित्रानः। अद्य। नवतं। नवेदसा। वि० उः। वां। यामः। उत। रातिः। अ
 श्विना। युवोः। हि। यंत्रं। हि। यंत्रं हिम्पा। इव। वाससः। अग्नि० आयंसेन्या। नवतं। मनीषि० त्रिः। त्रयः। प
 वयः। मधु० वाहने। रथे। सोमस्य। वेनां। अत्रु। विश्वे। इत्। विडुः। त्रयः। स्कन्नासः। स्कन्नितासः। आ०
 रमे। त्रिः। नक्तं। यायः। त्रिः। जं इति। अश्विना। दिवा। समाने। अहेन। त्रिः। अवद्य० गोदना। त्रिः। अद्य
 । यज्ञं। मधुना। मिमिक्षतं। त्रिः। वाज० वतीः। इषः। अश्विना। युवं। दोषाः। अस्मभ्यं। उषसः। व। पिव
 तं। त्रिः। वृत्तिः। यातं। त्रिः। अत्रु० व्रते। जने। त्रिः। सुप्र० अद्ये। धेक्षु इव। शिक्षतं। त्रिः। नांघ्रि। वहतं। अश्वि
 ना। युवं। त्रिः। ष्टक्षः। अस्मे इति। अक्षरा इव। पिवतं। त्रिः। नः। रयिं। वहतं। अश्विना। युवं। त्रिः। देव० ना

ता। त्रिः। उत। अदतं। धियः। त्रिः। सौमग० वं। त्रिः। उत। अवांसि। नः। त्रि० स्त्वं। वां। स्तरे। डाहेता। आ। रुहतर। र
 यं। त्रिः। नः। अश्विना। दिव्यानि। मेषजा। त्रिः। पार्थिवानि। त्रिः। ऊं इति। दत्तं। अत० न्यः। उमानं। वां० योः।
 ममकाय। स्तुनवे। त्रि० क्षत्रं। शर्मं। वहतं। शुभः। पती इति॥ ४॥ ०॥ यजुता। दिवे० दिवे। परि। त्रि० क्षत्रं। ए
 धिवं। अशायतं। तिस्रः। नासत्या। रथ्या। परा० वतः। आत्मा इव। वातः। स्वसराणि। गृहत्तं। त्रिः। अ
 श्विना। सिधु० निः। सममो० तिः। त्रयः। आ० हावाः। त्रेक्ष। हविः। दत्तं। तिस्रः। एधिवीः। उपरि। प्रवा
 । दिवः। नाकं। रक्षे। य इति। द्य० निः। अक्कु० निः। हितं। क० त्री। चक्रा। त्रि० वृत्तः। रथस्या। क० त्रयः। वंधुरः
 । ये। स० नीलाः। कदा। योगः। वाजिनः। रासनस्य। येन। यज्ञं। नासत्या। उप० यायः। आ। नासत्या। गच्छ

तं। कृतये। हविः। मध्वः। पिवतं। मधु० पेयः। आस० निः। युवोः। हि। पूर्व। सविता। उपसेः। रथे०। कृताये। वि
 त्रं। घृत० वंतं। इष्पति। आ। ना। सत्या। त्रि० निः। एकादशैः। इह। देवेभिः। यातं। मधु० पेयं। अश्विना। प्र। आ
 युः। तारिष्टं। निः। रपोसि। मृकृतं। सेधतं। देवः। नवतं। सचा० भुवा। आ। नः। अश्विना। त्रि० वृता। रथेन। अ
 वीचं। रथि०। वहतं। सु० वीरं। शृण्वता। वां। अवसे। जोहवीमि। वृधे। च। नः। नवतं। ताज० सातो॥ ५॥ कयो
 मि। अग्निं। प्रथमं। स्वस्तये। कयोमि। मित्रावरुणौ। इह। अवसे। कयोमि। रात्री। जगतः। नि० वेशांनी। क
 योमि। देवं। सवितारं। जतये। आ। रुक्षेन। रजसा। वर्तमानः। नि० वेशायन्। अमृतं। मर्त्यं। च। हिरण्यये
 न। सविता। रथेन। आ। देवः। याति। भुवनानि। पश्यन्। याति। देवः। प्र० वता। याति। भुत० वता। याति। सु
 त० सत्य

ब्रह्मो यजतः । हरिं न्या । आ । देवः । याति । सविता । परां वतः । अप । विश्वा । दुः । रुद्रता । बोधमोनः । अग्निं । दत्तं । रुद्र
 नैः । विश्वं । स्वपं । हिरण्यं । रामं । यजतः । दत्तं । आ । अस्वात् । रथं । सविता । वित्रं । भ्रातुः । रुद्रा । रजांसि । तविषा
 । दर्शनः । वि । जनान् । त्रया वाः । श्रितिं । पादः । अस्मत् । रथं । हिरण्यं । प्रउगं । वहंतः । वाश्चत् । विश्वाः । सवित्रः । दैव्य
 स्यं । उप० स्वे । विश्वा । सुवने । तस्युः । तिस्रः । द्यावः । सवित्रः । द्यौः । उप० स्वा । एका । यमस्य । सुवने । विराषाट् ।
 आ । णिं । न । रथ्यं । अष्टता । अधि । तस्युः । इह । ब्रवीत् । यः । अं । इति । तत् । विकेतत् ॥ द्वा । वि । सु० पार्श्वः । अंत
 रिक्षाणि । अस्मत् । गन्तार० वेपाः । असुरः । सु० नीथः । इदानीं । सूर्यः । कः । विकेत । कतमां । द्यां । रश्मिः ।
 अस्या । आ । ततां । न । अष्टौ । वि । अस्मत् । कऊनेः । दृष्टिमाः । त्री । धव । योजना । सप्त । सिधेत् । हिरण्यं । अक्षः । स

विता। देवः॥ आ। अगात्र। दधेत्। रत्ना। द्वा। सुषे। वायीणि। हिरण्यपाणिः। सविता। वि० वर्षाणिः॥ उनेइति।
द्यावापृथिवीइति। अंतः॥ इदंते। अप। अमीवां। बाधते। वेति। सूर्ये। अग्नि। कृत्स्नेन। रजसाद्यां। कृणोति। हि
रण्य० हस्तः॥ असुरः॥ सु० नीधः॥ सु० मृत्नीकः॥ स्व० वान। यात्र। अवीड्। अप० सेधन्। रुद्रसः॥ यात्र० क्षना
न्। अस्मात्तादेवः॥ प्रति० दोषां। टणानः॥ ये। ते। पंध्याः॥ सवितरिति। सूर्यासिः॥ अरेणवः॥ सु० क्षताः॥ अंतरि
३ नः॥ द्वा। तेभिः॥ अद्यापि० निः॥ सु० गेभिः॥ रक्षाचानः॥ अधि। च। बृहि। देव॥ षा। प्र। वः॥ यक्षं। पुस्तूणां। विनां
देव० यतीनां। अग्निं। सु० उक्तेभिः॥ वचः॥ इति॥ इमहे। यं। सीम्। इत। अन्ये। ईजते। जनासः॥ अग्निं। दधिरे
। सहः॥ श्वधं। हविष्मंतः॥ विधेम। ते। सः॥ वानः॥ अद्या। सु० मना॥ इह। अविता। नवा। वाजेषु। संत्य। प्र। वा।

दूते। वृणा महे। होतारं। विश्वं वेदसं। महः। ते। सुतः। वि। चरन्ति। अर्चयः। विवि। स्मृतांति। नानवेः। देवासः। वा। वरु
 णः। मित्रः। अयमा। सं। दूतं। प्रनं। इधते। विश्वं। सः। अग्ने। अयति। वयो। धनं। यः। ते। ददाश। मर्त्यं। मंदः। होत
 । एह० पतिः। अग्ने। दूतः। विश्वां। असि। वेदति। विश्वा। सं० गतानि। वृता। ध्रुवा। यानि। देवाः। अक्षएवत॥ ७॥
 वेदति। इत्। अग्ने। सु० भगे। यविष्म। विश्वं। आ। कृत्यते। हविः। ७॥ उत। अपरं। यक्षि। देवान्। सु० दीयी
 तं। य। ई। इच्छा। नमस्विनः। उप। स्व० राजं। आसते। होत्राभिः। अग्निं। मनुषः। सं। इधते। तितिर्दोसिः। अति
 । सिधः। घ्नतः। वृत्रं। अतरन्। रोदसी इति। अपः। उरु। क्षयाय। चक्रिरे। उवन्। कण्वे। वृषा। धुम्री। आ० ऊतः
 । क्रंदन्। अश्वः। गो० इष्टिउ। सं। सीदस्व। महान्। असि। गोधस्वा। दो० व० दीतमः। वि। धूमं। अग्ने। अरुषं। मि।

यध्वासृजप्र०रास्तदृशतं।यं।वा।देवासः।मनवे।दुधुः।इहायजिष्ठं।दम्य०वाहन।यं।कण्वः।मध्य०अति।
धिः।धन०सृतयं।वृषायं।उप०सुतः॥ए॥यं।अग्निं।मेध्य०अतिधिः।कण्वः।द्रीधि।कृतात।अधि।तस्य।
प्राइषः।दीदिद्यु।तं।इमाः।रूचः।तं।अग्निं।वर्धयामसि।रायः।धृधि।स्वध्वा०वः।अस्मि।हि।ते।अग्ने।देवेषु।
आद्यं।वं।वाजस्य।शुत्यस्य।राजसि।सः।नः।मृजमहान्।अस्मि।ऊर्ध्वः।ऊर्ध्वति।सु।नः।ऊतये।तिष्ठ।देव।
न।सविता।ऊर्ध्वः।वाजस्य।सनिता।यत्।अंजि०न्ति।वाद्यत्०न्ति।वि०कयामहे।ऊर्ध्वः।नः।पाहि।अंहसः।
नि।केचना।विश्वं।सं।अत्रिणं।दह।अधिनः।ऊर्ध्वन्।चरयाय।जीवसे।विदाः।देवेषु।नः।दुर्वः।पाहि।
नः।अग्ने।रक्षसः।पाहि।धृतेः।अराक्तः।पाहि।रिषतः।उत।वा।जिद्यांसतः।वृहज्रावोरुतिवृहन्०मानो।

यविष्ठा॥१॥ द्युनाइव। विषेक। विजहि। अराक्तः। तपुः॥ अजनायः॥ अस्म० धुक्। यो० मा० प०। निशीते। अति
 । अकु० निः। मा० नः। सः। रिपुः। ईशात०। अग्निः। वने। सु० वीर्ये। अग्निः। कण्वाय। सोमयैगं। अग्निः। प०। आ
 वत्। मित्रा। उत। मेध०। अतिथिं। अग्निः। सातौ। उप० सुतं। अग्निना। उर्वरां। यडु। परा० वतः। उग्र० द
 वं। हवामहे। अग्निः। नयत्। नव० वास्त्व। दृढत० रथं। उवीतिं। देस्येवे। सहः। निवां। अग्ने। मनुः। दधे
 । ज्योतिः। जनाय। शश्वते। दीदेयं। कण्वे। कृत० जातः। उक्षितः। यानमस्यति। नृष्टयः। वेषासः।
 अग्नेः। अम० वतः। अर्चयः। नीमासः। न। प्रति० इतये। रुक्स्विनेः। सदा। इत० याउ० मावतः। प०। १॥
 कीलं। वः। १॥ १॥ मासुतं। अनवीणं। रथे० अर्चनं। कण्वाः। अति। प्रागायत० ये। पृषतीनिः। रुष्टि० निः।

मां०। वाशा० निः॥ अं० जिः॥ अजायन्त। स्व० नानवः। इह० इव०। अएवे। एषा०। कथा०। हस्तेषु। यत्। वदन्। नि। या
 मन्। वि० नः। कुंजते। प्रा० वः। शार्वाय। दृष्टये। वे० प०। र्क० म्नाय। शु० श्रिणो०। दे० व० त्रै। व० ल०। गा० य० त०। प्रा०। शं० स०। गो० प्र
 । अ० घ्नं। की० ल०। यत्। श० धि०। मा० रु० तं। ज० नै। र० स० स०। वृ० द० धे०॥ शा० कः। वः। व० र्षि० धः। आ०। न० रः। दि० वः। वा० ग्म
 । वा० ध० त० यः। यत्। सी०। अ० तं। ना० ध० उ० य०। नि० वः। या० मा० य०। मा० उ० षः। द० धे०। उ० या० य०। म० न्य० वे०। जि० ही० त०। प० र्व० तः॥
 गि० रिः। ये० षा०। अ० यो० उ०। पृ० थि० वी०। जु० जु० व० न्। इ० इव०। वि० श० प० तिः॥ नि० या०। या० मे० उ०। रे० ज० ते। स्त्रि० रं। हि०। जा० नं०। ए० षा०
 । व० द० यः। मा० उ०। निः। श० ए० त० वे०। यत्। सी०। अ० उ०। दि० ता०। श० वः। उ० त०। कुं० इ० ति०। त्ये०। स्तू० न० वः। गि० रः। का० षा०। अ
 ज्मे० उ०। अ० न० त०। वा० आ०। अ० नि००। उ०। या० त० वे०॥ श०। तं०। वि० त०। द्य०। दी० र्घं। पृ० थुं। मि० हः। न० प० तं०। अ० मृ० धं। प्रा० न्य

द्युति। यामं० निः। मरुतः। यत्। हावः। वलं। जनोत्। अत्रुव्यदीतन। गिरान्। अत्रुव्यदीतन। यत्। हावः।
 ति। मरुतः। सं। हावुवते। अधेत्। आ। शृणोति। कः। वित्। एषां। प्र। यात। शीतं। आशु० निः। संति। क
 एवेषु। वः। दुवः। तत्रोदति। सु। मादयाधे। अस्ति। हि। स्म। मदायावः। स्मसि। सा। वयं। एषां। विश्वं।
 वित्। आयुः। जीवास। ॥ १४॥ कर्त्त॥ हावुनं। कध० प्रियः। पिता। पुत्रं। न। हस्तेषोः। दधिधे। वृक्त० बर्हिषः।
 क। वृत्तं। कर्त्त॥ वः। अर्थं। गंत। दिवः। न। दधिध्याः। कर्त्त॥ वः। गावः। न। रणपति। कर्त्त॥ वः। सुम्ना। नव्यासि
 । मरुतः। कर्त्त॥ सुविता। क्रो० वृत्ति। विश्वानि। सौनगा। यत्। द्यूयं। दधिध्याः। मतीसः। स्यातन। स्तो
 ता। वः। अष्टतः। स्यात्। मावः। शृग॥ न। यदसे। जरिता। नूत। अजोषः। पथा। यमस्य। मात्। उपा॥ १५॥

मोदति। सु। नः। परा० परा। निःशक्तिः। दुःशहना। वधीत। पदीष्ट। दृष्ट्या। सह। सत्यं। वेष्टाः। असं० वंतः।
 धवन्न। धित। आ। रुदियासः। मिहं। कृण्वेति। अवातां। वाश्राद्धं। वि० द्रुत। मिमाति। वसं। न। माता। सिम
 क्ति। यत। एषां। वृष्टिः। असर्जि। दिवा। धित। तमः। कृण्वेति। पर्जन्येन। उद० वाहेन। यत। दृष्टिर्वी। वि० उं
 दंति। अध। स्वनात। मुरुतां। विश्वं। आ। सद्य। पार्थिवं। अरजंत। प्र। माउषाः॥१६॥ मरुतः। वी। लुपाणि०
 निः। चित्राः। रोधस्वतीः। अर्जु। यात। ई। अस्विद्रयाम० निः। स्थिराः। वः। सं० उ। नेमयोः। रथाः। अश्वीसः।
 एषां। सु० संस्तुताः। अनीशवः। अर्च। वद। तना। गिरा। जरा। द्ये। ब्रह्मणः। पति। अग्निं। मित्रं। न। दूरी
 तं। मिम। हि। लोकां। आस्ये। पर्जन्यः। इव। नृतनः। गायत्रं। उच्चं। वंदस्व। मारुतं। गणं। वेष्टं। पुनस्यं। अ

किं०। अस्मे० इति। वृ०। असु०। इह०। १५॥ प्र०। यत्। इत्थं। पर०। वतः। शो०। वि०। न०। मान०। अ०। स्थि०। कस्य०। क्व०।
। म०। रु०। तः। कस्य०। वर्ष०। सा०। कं०। या०। या०। कं०। ह०। ध०। त०। यः। स्थि०। रा०। वः। सं०। उ०। आयु०। धा०। पर०। उ०। दे०। वी०। उ०। उ०। त०। प्रति०।
स्व०। ने०। यु०। भा०। कं०। असु०। त०। वि०। षी०। प०। नी०। य०। सी०। मा०। म०। त्व०। स्य०। मा०। यि०। नः। पर०। ह०। यत्। स्थि०। रं०। ह०। य०। न०। रः। वर्त०। य०।
य०। गुरु०। वि०। या०। य०। न०। व०। नि०। नः। वृ०। षि०। व्याः। वि०। आ०। शाः। प०। र्व०। त०। न०। न०। हि०। वः। न०। उ०। वि०। वि०। दे०। अ०। धि०। द्य०। वि०।
न०। नृ०। म्यो०। रि०। शा०। द०। सः। न०। त०। न०। यु०। जा०। रु०। द्रा०। सः। उ०। चि०। त०। आ०। धृ०। षे०। प्र०। वे०। प०। य०। न्ति०। प०। र्व०। त०। न०। वि०। वि०। च०। न्ति०।
व०। न०। स्य०। ती०। न०। प्रो०। इति०। आ०। र०। त०। म०। रु०। तः। उ०। र्म०। दाः। इ०। वा०। दे०। दा०। सः। र्व०। से०। या०। वि०। शा०। १६॥ उ०। पो०। इति०। र०। थो०। पु०। ए०।
व०। ती०। अ०। यु०। ग्धं०। प्र०। षि०। व०। ह०। ति०। रो०। हि०। तः। आ०। वः। या०। मा०। य०। वृ०। षि०। वी०। चि०। त०। अ०। श्रो०। त०। अ०। वी०। न०। य०। त०। मा०। उ०।

षाः। आ। वः। महु। तनाय। कं। रुद्राः। अवः। वृणीमहे। गंत। नूनं। नः। अवसा। यथा। पुरा। इत्था। कणाया
 । विसृषे। युष्मा० इषितः। मरुतः। मर्त्य० इषितः। आ। यः। नः। अन्वः। इषते। वि। तं। सुयोत। शर्वसा। वि
 । उजसा। वि। युष्माकाभिः। अति० निः। असोमि। हि। पु० यज्यवः। कर्णं। दृद। प्र० वेतसः। असोमि० निः
 । मरुतः। आ। नः। अति० निः। गंत। वृषिं। न। वि० द्युतः। असोमि। उं० उजः। विरुथ। सु० दानवः। असोमि
 । धृतयः। शवः। कृषि० धिषे। मरुतः। परि० सन्यवे। इषं। न। सृजुत। धिषं॥ १५॥ अर्धः॥ ॥ उत्तर। ति
 ष। वृत्तणः। पुते। देव० यंतः। वा। इमहे। उप। प्रायं० उ। मरुतः। सु० दानवः। इ० द। प्राश्वः। नव। सवा। वा।
 इतर। हि। सहसः। पुत्र। मर्त्यः। उप० ब्रूत। धने। हित। सु० वीर्यं। मरुतः। आ। सु० अश्व्यं। दधीत। यः।

वः॥ आ० व० के० प्र० ए० उ० ब्र० स्म० णः॥ पतिः॥ प्र० दे० वी० ए० उ० सू० र० ता० अ० च० वी० रं० न० यी० प० ण्दि० रा० ध० स० दे० वाः॥ य० स०
 न० य० उ० नः॥ यः॥ वा० द्य० ते० द० द० ति० सू० न० रं० व० सु० सः॥ ध० त्रे० अ० क्षि० ति० अ० वेः॥ त० स्मै० इ० त्नां० सु० वी० रं० आ० य० ज्ञा
 म० हे० सु० प्र० त० त्रि० स० अ० ने० ह० सं० प्र० न० न० ब्र० स्म० णः॥ पतिः॥ मं० त्रं० व० द० ति० उ० च्छां० य० स्मि० न० इ० द्रं० व० स्म० णः॥ मि० त्रः॥
 अ० य० मा० दे० वाः॥ उ० कां० सि० व० क्रि० रे॥ १०॥ तं० इ० त्र० वो० वे० म० वि० द० येषु० आं० उ० वं० मं० त्रं० दे० वाः॥ अ० ने० ह० सं० इ० मां०
 वा० वा० वं० प्र० ति० ह० र्य० थ० न० रः॥ वि० श्वा० इ० त्र० वा० मा० वा० अ० भ० व० त्र० कः॥ दे० व० यं० तं० अ० भ० व० त्र० ज० नं० कः॥ वृ० क्त०
 व० हि० षं० प्र० प्र० दा० श्वा० न० पु० स्त्वा० मिः॥ अ० स्ति० त० अ० नः॥ श्वा० व० त्र० क० यं० द० धे० उ० प० द्वा० त्रं० वृ० वी० त० हं० ति० रा० ज
 ० निः॥ न० य० वि० त्र० सु० क्षि० ति० दौ० न० अ० स्य० वृ० त्नां० न० त० रु० ता० म० हा० ध० ने० न० अ० र्ने० अ० स्ति० व० जि० णः॥ ११॥

यं रक्षंति । प्र० वेतसः । गो० उ० धित् । सः । दन्त्यते । जनः । यं । वा० कृता० इव । पि० प्रति । पौ० ति० मर्त्यः । रिषः । अरिष्टः ।
 सर्वः । ए० धते । वि० दुः । शगा० वि० धिषः । पुरः । व्रंति । रजानः । ए० धां । नयंति । दुः । श० कृता० ति० रः । सु० गः । पंथाः ।
 अ० रु० कुरः । आ० दि० त्यासः । कृतं । यते । न । अ० न । अ० व० र० वा० दः । अ० स्ति० वः । मं० य० सं० नय० थ । न० रः । आ० दि०
 त्याः । कृ० जु० ना० प० ध्या० प्र० वः । सः । धी० तये । न० श० त० ॥ श० ॥ सः । र० त्रं । म० र्त्यः । व० सु० वि० श्वं । तो० के० । उ० त० । त० म० ना० ।
 अ० ब० । ग० व० ति० । अ० स्त० तः । क० ध्या० । रा० धी० म० । स० र० वा० य० । स्तो० मं० । मि० त्र० स्य० । अ० र्य० क्तः । म० हि० । श० रः । व० स० ए० स्य० । मा०
 । वः । ध्रं० । तं० । मा० । श० पं० तं० । प्र० ति० । वो० वो० । दे० व० । यं० तं० । सु० म्रैः । इ० त० । वः । आ० । वि० वा० से० । च० उ० रः । चि० त० । द० द० म० ना० त०
 । वि० नी० या० त० । आ० । नि० धा० ताः । न । दुः । श० कृ० ता० य० । स० ह० य० त० ॥ श० ॥ सं० । पू० ष० न० । अ० ध० न० ॥ ति० रः । वि० । अ० हः ।

वि॒सु वः॑ न॒पात॑ स॒ह्य॑ दे॒वा प्रा॑नः॒ पु॒रः॑ यः॒ नः॑ । प॒षन्॑ अ॒द्यः॑ । वृ॒कः॑ । दुः॒श्रौ॒वः॑ । अ॒न॒द॒द॒ज॒ति॑ । अ॒प॒स्म
 । तं॑ प॒थः॑ । ज॒हि॑ । अ॒प॒ । तं॑ । प॒रि॑ । प॒ंथि॑नं । सु॒षी॑वाणं । ऊ॒रुः॑ । र॒चि॑तं । इ॒रं॑ । अ॒धि॑ । सु॒तेः॑ । अ॒ज॒ । वं॑ । त॒स्य॑ । ध॒या वि॑
 नः॑ । अ॒द्य॑ । शं॒स॒स्य॑ । क॒स्य॑ । वि॒त॒ । प॒दा॑ । अ॒ग्नि॑ । ति॒ष्ठ॒ । त॒प॒षि॑ । आ॒ । त॒ता॑ते॒ । द॒स्य॑ । मं॒त्र॑ । मः॑ । प॒षन्॑ । अ॒वः॑ ।
 वृ॒णी॑ म॒हे॒ । ये॒न॑ । पि॒वृ॒न् । अ॒वो॑ द॒यः॑ ॥ २४ ॥ अ॒ध॒नः॑ । वि॒श्व॑ । सौ॒न॒ग॒ । हि॒र॒ण्य॑ वा॒शी॑ म॒त॒ । त॒म॒ । ध॒ना॑ नि॒ ।
 सु॑ । स॒ना॑ । ह॒षि॑ । अ॒ति॒ । नः॑ । स॒श्र॑तः॒ । न॒द्यः॑ । सु॑ । गा॒ । नः॑ । सु॒न्य॑था । ल॒पु॒ । प॒षन्॑ । इ॒ह॒ । ऋ॒ते॑ । वि॒दः॑ । अ॒
 नि॑ । सु॑ । द्य॒व॒सं॑ । न॒द्यः॑ । न॒ । न॒व॑ । ज्वा॒रः॑ । अ॒ध॒ने॑ । न॒ । शु॒ग्धि॑ । म॒र्दि॑ । प्र॒ । द्यं॑ सि॒ । व॒ । शि॒शी॑ हि॒ । प्रा॒सि॑ । उ॒द॒रा॑ ।
 न॒ । प॒षणं॑ । मे॒घा॑ म॒सि॑ । सु॑ । उ॒क्तैः॑ । अ॒ग्नि॑ । वृ॒णी॑ म॒सि॑ । व॒स॒नि॑ । द॒स्म॒म् । इ॒म॒हे॑ ॥ २५ ॥ क॒त॒ । रु॒द्रा॑य॒ ।

२३

प्र०चेतसे। मीनुः शतमाय। तव्यसे। वोचेम। शंणतमं। रुदे। यथा। नः। अदितिः। करत। पश्ये। रु०न्यः।
 यथा। गवे। यथा। तोकाय। रुद्रियं। यथा। नः। मित्रः। वरुणः। यथा। रुद्रः। विकेतति। यथा। विश्वे
 । स०जोषसः। गाय०पतिं। मेध०पतिं। रुद्रं। जला०ष०नेषजं। तत्। शं०योः। सुमं। इमहे। यः। शुक्रः
 इव। सूर्यः। हिरण्यं इव। रोचते। श्रेष्ठः। देवानां। वसुः। ॥ इह॥ शं०। नः। करति। अर्वते। सु०गं। मेपाय
 । मेपायं। मेष्पे। रु०न्यः। नारि०न्यः। गवे। अस्मेदति। सोम। श्रियं। अधि। नि। धेहि। शतस्य। रु०णं। म
 हि। श्रवः। उवि०रु०सं। मानः। सोम०परिबाधः। मा। अरातयः। जुहु०रंत। आ। नः। इंदोदति। वा
 जे। ननु। याः। ते। प्र०जाः। अष्टतस्य। परस्मिन्। क्षमन्। कृतस्य। सुधी। नात्। सोमावेनः। आ०नृ

षेनीः सोमं वेदः ॥ १७ ॥ अग्ने विवस्वत उषसः सिन राधः अमर्त्य आ दासुषे जात वेदः ॥ वहं वा अ
 य देवान् उषः शुभः जुष्टः हि हतः ॥ अग्नि हव्यं वाहनः ॥ वाहनः अग्ने रथीः अध्वराणां सन्तः ॥ अ
 श्विभ्यां उषसा सुवीर्यं अस्मे इति धेहि शर्वः ॥ हव्यं अद्य हतं वृणीमहे वसुं अग्निं उरुं प्रि
 यं धूमं केतुं नाः शर्त्तुं जाकं वि उष्टिषा यज्ञानां अध्वरं प्रियं श्रेष्ठं यद्विष्टं अतिथिं सु अजतं
 जुष्टं जनाय दासुषे देवान् अर्चयामहे जात वेदसं अग्निं इति वि उष्टिषा स्तु विष्णुमि वां अ
 हं विश्वस्य अमृतं नो जनः अग्ने ज्ञातारं अमृतं मियेधाय जिष्ठं हव्यं वाहनः ॥ १८ ॥ सुवांसः बो
 धि यणते य विष्णु मधुं जिह्वः सु अजतः ॥ प्रस्फ एवस्य प्रतिरन् आयुः जीवसे नतस्य देवा

जनं होतारं विश्वं वेदसं संहि वा विशा इंधते सः आ वह उरु कृत प्रचेतसः अग्ने देवा
 न्नाह इवत् सवितारं उषसं अग्निना तगं अग्निं वि उष्टिषा क्षपः कर्वा सः वा सुत सो
 मासः इंधा ता हव्यं वाहं सु अधर पतिः हि अधराणां अग्ने इतः विशां अग्निं उषः शुभः
 आ वह सोम पीतये देवान् अद्या स्वः इन्द्राः अग्ने शवीः अत्र उषसः विनाव सो इति विना
 वसो दीदेय विश्वं दशतिः अग्निं धामेषु अविता पुरः इहितः अग्निं यज्ञेषु मा उषः ॥ १५ ॥ नि
 वा युज्ञस्य साधनं अग्ने होतारं कुविजं म उषत् देवा क्षीमहि प्रचेतसां जीरं दूतं अमर्त्यं यत्
 देवानां मित्रं मुहः पुरः इहितः अंतरः यासि दूत्यं सिंहे ॥ इव प्र स्वनितासः कर्मवयः ॥

अग्नेः॥ ज्ञानंते॥ अर्चयः॥ सुधि॥ सुत० कर्षी॥ वक्ति० निः॥ देवेः॥ अग्ने॥ सयाव० निः॥ आ॥ सा॥ दत्त॥ बर्हिषि॥ मि
 वः॥ अर्चमा॥ प्रातः॥ श्यावा० नः॥ अध्वरं॥ शृण्व० उ॥ सोमं॥ मरुतः॥ सु० दानवः॥ अग्नि० जिक्ताः॥ ऋत० वृधः॥ पिव० उ॥
 सोमं॥ वरुणः॥ धृत० वतः॥ अग्नि० न्यो॥ उषसा॥ स० नृः॥ नृणा॥ वं॥ अग्ने॥ वसु० नृ॥ इ० ह॥ रु० दान॥ आ० दि० त्वा
 न॥ उ० त॥ य० ज॥ सु० अध्वरं॥ जनं॥ म० उ० जातं॥ धृत० उ० षं॥ सु० षी० वानः॥ हि० रा० अ० षे॥ दे० वाः॥ अग्ने॥ वि० चेत
 सः॥ ता० न॥ रो० हित० अ० श्व॥ गि० र्व० णः॥ त्रयः॥ २० त्रि० ज्ञातं॥ आ० व० ह॥ प्रि० य० मे० ध० व० त॥ अ० त्रि० व० त॥ जा० त० वे० दः॥ वि
 रु० प० च० त॥ अ० गि० र० स्व० त॥ सु० हि० व० त॥ प्र० स्त० क० ए० व० स॥ सु० धि॥ ह० वं॥ म० हि० के० र० वः॥ ऋ० त० ये॥ प्रि० य० मे० क्षः॥ अ
 रु० प० त॥ रा० ज० तं॥ अध्व० रा० णा॥ अ०ग्निं॥ यु० के० णा॥ नो० धि० वा॥ धृत० आ० ह० व० न॥ सं० त्पु॥ द्र० माः॥ जं० इ० ति॥ सु॥ अ० धि॥ नि

रः॥यानिः॥कणवस्य॥सूतवः॥हवते॥अवसे॥वा॥३॥वा॥सिन्धुः॥शतमः॥हवते॥विष्णुः॥जंतवः॥त्रोविः
 शकेना॥उरुः॥प्रियः॥अग्ने॥हव्याय॥नोः॥हवे॥नि॥वा॥होता॥रं॥रुचिजं॥दधिरो॥वसुवित॥तमं॥शुत॥कर्म
 ॥सपथः॥शतमं॥विप्राः॥अग्ने॥दिविष्टि॥आ॥वा॥विप्राः॥अनुव्युः॥सुत॥सोमाः॥अग्नि॥प्रयः॥वृहत्
 नाः॥विन्नतः॥हविः॥अग्ने॥मन्त्राय॥दाशुषे॥प्रातः॥श्यान्नः॥सहः॥रक्षत॥सोम॥पेयाय॥संत्य॥इह॥अथ
 ॥दैव्यं॥जनं॥वर्हिः॥आ॥सादय॥वसोऽति॥अवंधि॥देव्यं॥जनं॥अग्ने॥यद्व॥सहति॥निः॥अयं॥सोमः॥सु॥
 दानवः॥तं॥पात॥तिरः॥श्रुत्वा॥न॥एषोऽति॥उषाः॥अश्व्या॥वि॥उकृति॥प्रिया॥दिव॥सुषे॥वां
 ॥अश्विना॥वृहत्॥या॥दस्त्रा॥सिंधु॥मातरा॥मनोतरा॥र॥यीणां॥धिया॥देवा॥वसु॥विदा॥वस्यंते॥वां॥

ककुदासः। नृणां। अधि। विष्टपि। यत्। वां। रथः। वि० निः। पता० न०। हविषा। नारः। अपा। पिपत्ति। पञ्चरिः।
 नरा। पिता। ऊटस्य। वृषणिः। आ० दारः। वां। मतीनां। नासत्या। मत० वचंसा। पातं। सोमस्य। धसु० या। वन॥
 या। तः। पीपरत्। अश्विना। ज्योतिष्मती। तमः। तिरः। तां। अस्मे इति। रासायां। इषं। आ० नः। नावा। मु
 तीनां। यातं। पाराय। गंतवे। युंजायां। अश्विना। रथं। अरित्रं। वां। दिवः। पृथु। तीर्थे। सिंघनां। रथः।
 धिया। बुबुजे। इंदवः। दिवः। कण्वासः। इंदवः। वसु। सिंघनां। पदे। स्वं। वृत्रि। ऊह। धिसयः। अमृत।
 ऊं इति। नाः। ऊं इति। अंजावे। हिरण्यं। प्रति। सूर्यः। वि। अख्यत्। जिहया। असितः। वधा। अमृत। ऊं इ
 ति। पारं। एतवे। पंथाः। कुतस्य। साधु० या। अदशि। वि। सुतिः। दिवः। तत्त० तत्त० इत्त०। अश्विना। अवी।

३॥
 अ॒रि॒ता॒। प्र॒ति॒। मृ॒ष॒ति॒। म॒दे॒। स॒म॒स्य॒। पि॒ध॒तोः॒। व॒व॒सा॒ना॒। वि॒व॒स्व॒ति॒। सो॒म॒स्य॒। पी॒त्या॒। गि॒म॒उ॒ष॒त्। शं॒चु॒
 इ॒ति॒शं॒०॥ आ॒ग॒तं॒। सु॒वोः॒। उ॒षाः॒। अ॒नु॒। श्रि॒यं॒। परि॒०॥ ज॒म॒नोः॒। उप॒०॥ आ॒च॒र॒त्। क॒ता॒। व॒न॒युः॒। अ॒नु॒०॥ तिः॒। उ॒।
 मा॒। पि॒व॒तं॒। अ॒श्वि॒ना॒। उ॒ना॒। नः॒। श॒मी॒। य॒ज॒तं॒। अ॒वि॒दि॒या॒तिः॒। अ॒हि॒०॥ तिः॒॥ ३५॥। र॒ती॒यो॒ध॒स्य॒। स॒मा॒तः॒॥
 ॥ ॥ अ॒यं॒। वां॒। म॒धु॒म॒त्०॥ त॒मः॒। सु॒तः॒। सो॒मः॒। क॒त॒०॥ वृ॒क्षा॒। तं॒। अ॒श्वि॒ना॒। पि॒व॒तं॒। ति॒रः॒। र॒श्मि॒न्। ध॒नं॒
 । र॒त्ना॒नि॒। दा॒शु॒षे॒। वि॒०॥ वं॒धु॒रे॒ण॒। वि॒०॥ वृ॒ता॒। सु॒०॥ पे॒त्रा॒सा॒। र॒थे॒न॒। आ॒या॒तं॒। अ॒श्वि॒ना॒। क॒र्णा॒सः॒। वां॒। ब॒लं॒
 । क॒ण॒व॒ति॒। अ॒ध्व॒रे॒। ते॒षां॒। सु॒। शृ॒णु॒तं॒। ह॒वं॒। अ॒श्वि॒ना॒। म॒धु॒म॒त्०॥ त॒मं॒। पा॒तं॒। सो॒मं॒। क॒त॒०॥ वृ॒क्षा॒। अ॒यं॒। अ॒द्य॒
 । द॒स्रा॒ध॒सु॒। वि॒ज॒ता॒। र॒थे॒०॥ दा॒श्यां॒सं॒। उप॒। ग॒व॒तं॒। वि॒०॥ स॒ध॒स्ते॒। ब॒र्हि॒षि॒। वि॒श्व॒०॥ वे॒द॒सा॒। म॒धु॒। य॒तं॒। मि॒मि॒

३५
 दत्तं। कण्वसः। वा। सुत० सोमाः। अ॒भि० द्य॒वः। यु॒वा॒स॒ह॒व॒न्ते। अ॒श्वि॒ना॒या॒निः। क॒ण्व॑। अ॒भि॒ष्टि० निः। अ॒
 । आ॒व॒तं। यु॒वं। अ॒श्वि॒ना॒ता॒निः। सु॒। अ॒स्मान्। अ॒व॒तं। यु॒नः। प॒ती॒इति॥ १॥ सु॒० दा॒से॒ष्ट॒क्षः। व॒ह॒तं। अ॒
 श्वि॒ना॒र॒यि॑। स॒मु॒द्रा॒न्। उ॒त॒वा॒दि॒वः। प॒रि॑। अ॒स्मे॒इति॑। ध॒न्तं। पु॒रु॒० स्प॒र्ह॑। य॒त्। ना॒स॒त्या॒प॒रा॒० व॒ति॑। य॒त्
 । वा॒स॒वः। अ॒धि॑। उ॒र्व॒शो॑। अ॒तः। र॒थे॒न॒। सु॒० वृ॒त॒निः। आ॒ग॒तं। सा॒कं। स॒र्य॑स्य। र॒श्मि॒० निः। अ॒र्वा॒चा॑।
 वा॑। स॒म॒यः। अ॒ध्व॒र॒० श्रि॒यः। व॒ह॒न्त॑। स॒र्व॒ना॒। इ॒त्। उ॒प॒। इ॒षे॑। प्र॒व॒न्ता॑। सु॒० रु॒त॑। सु॒० दा॒न॒वे॒। आ॒व॒र्हिः। सी॒
 द॒तं। न॒रा॒ते॒न॒। ना॒स॒त्या॒। आ॒ग॒तं। र॒थे॒न॒। स॒र्य॑० व॒वा॒ये॒न॒। श॒श्व॒त्। अ॒ह॒युः॑। दा॒शु॒षे॑। व॒सु॑। म॒ध्वः। सो॒
 म॒स्य॑। पी॒तये॑। उ॒क्ते॒निः। अ॒व॒क्। अ॒व॒से॑। पु॒रु॒व॒स्त॒इति॑ पु॒रु॒० व॒स्त॑। अ॒र्कैः॑। वा॒नि॑। क॒या॒मा॒ह॒। श॒श्व॒त्।

कएवांना।सदसि।प्रिय।हिकं।सोमं।पपयुः।अश्विना॥श॥सह।वामन।नः॥उषः॥वि।उव।उहितः
 ।दिवः॥सह।दुमेन।वृहता।विना०वरि।राया।देवि।दास्वती।अश्व०वतीः॥गो०मृतीः॥विश्व०सुवि
 दः॥धुरि।व्यवन्त।वस्त्रवे।उत्।ईरय।प्रति।सा।सूचताः॥उषः॥वोद।गर्ध॥मद्योनां।उवासी।उषाः॥उ
 वात।चा।उ।देवी।जीरा।रथानां।ये।अस्याः॥आ०चरणेषु।दधिरे।समुद्रे।न।अवस्यवः॥उषः॥ये।ते।
 प्रायामेषु।युंजते।मनः॥दानाय।सूरयः॥अत्र।अह।तत्।कएवः॥एषाम्।कएव०तमः॥नाम।युणा
 ति।रुणां।आ।घ।योषाद्भवा।सुनरी।उषाः।याति।प्र०युंजती।जुरयंती।वृज्जनं।पत्न०वत्।ईयात्
 ।उत्।पातयति।पुक्षिणः॥वा॥वि।या।सूजति।सर्मनं।वि।अर्थिनः॥पुदं।न।वेति।उदती।यैवो॥न

कि० ते० प० ति० वां सः॥ आसते० वि० उ० शै० वाजिनी० वति० एषा० अयुक्त० परा० वर्तः॥ सूर्यस्य० उ० त० अय० ना० त०
 अधि० ज्ञातं० रथे० ति० सु० नगा० उ० षाः॥ इयं० वि० द्या० ति० अ० नि० मा० उ० षा० वि० श्वं० अ० स्याः॥ न० ना० म० च० रु० से० जग०
 त० ज्योतिः॥ कृ० णो० ति० सून० री० अ० प० धे० षः॥ म० धो० नी० उ० हि० ता० दि० वः॥ उ० षाः॥ उ० त० त० अ० प० सि० धः॥ उ० षः॥ आ०
 मा० हि० मा० उ० ना० च० ङे० ण० उ० हि० तः॥ दि० वः॥ आ० व० ह० ती० भू० रि० अ० स्म० न्यं० सो० न० गं० वि० उ० च० ती० दि० वि० शि० षु० वि० श्वं०
 स्य० हि० प्रा० ण० नं० जी० व० नं० च० इ० ति० वि० द्या० त० उ० च० सि० सून० रि० सा० नः॥ रथे० ना० दृ० ह० ता० वि० मा० व० रि० अ० धि० वि०
 न० म० धो० ह० वं० ॥ ४ ॥ उ० षः॥ वा० जं० हि० वं० स्व० यः॥ चि० त्रः॥ मा० उ० षे० ज० ने० ते० ना० आ० व० ह० सु० न० तः॥ अ० ध० रा० न० उ० प०
 ये० द्या० गृ० णो० ति० व० कृ० यः॥ वि० श्वं० न० दे० वा० न० आ० व० ह० सो० म० पी० त० ये० अ० त० रि० क्ता० त० उ० षः॥ वां० सा० अ० स्मा० सु०

क्षः।गो०म॒त।अश्व०व॒त।उच्च०।उषः॥वा॒जैः।सु०वी॒र्यं।यस्याः॥सु॒श॒नः।अर्वयः॥प्र॒ति॒।न॒जः॥अ॒द॒क्षत॒।
सा॒नः॥र॒यिं।विश्व०वी॒रं।सु०पे॒श॒सं।उषाः॥द॒दा॒तु।सु॒ग॒मं॥ये।चि॒त॒।हि॒वां।रु॒ष॒यः॥श्वे॒।ऊ॒त॒ये॥उ॒
हू॒रे॥अ॒व॒से।म॒हि॒सा॒नः॥स्तो॒मा॒न्।अ॒नि॒।ए॒णी॒हि॒।रा॒ध॒सा॒।उ॒षः॥शु॒क्रे॒णा॒।नो॒वि॒षा॒।उ॒षः॥य॒त॒।अ॒
 द्य॒।न॒ा॒नु॒ना॒।वि॒धा॒रौ॒।कृ॒ण॒वः॥दि॒वः॥प्र॒नः॥य॒च्च॒ता॒त॒।अ॒दृ॒कं॒।ए॒षु॒।च॒दिः॥प्रा॒दे॒वि॒।गो॒म॒तीः॥इ॒षः॥
सं॒नः॥रा॒या॒।दृ॒ह॒ता॒।वि॒श्व०पे॒श॒सा॒।मि॒मि॒क्ष॒।सं॒।इ॒र्ला॒भिः॥आ॒।सं॒।कृ॒मे॒न॒।वि॒श्व०उ॒रा॒।उ॒षः॥म॒हि॒सं॒।
वा॒जैः॥वा॒जि॒ना॒०व॒ति॒॥पा॒॥उ॒षः॥न॒प्रे॒त्तिः॥आ॒।ग॒हि॒।दि॒वः॥चि॒त॒।रो॒च॒ना॒त॒।अ॒धि॒।व॒हं॒त॒।अ॒रु॒णं॒।सं॒
वः॥उ॒षः॥वा॒।सो॒मि॒नः॥ए॒हं॒।सु॒पे॒श॒सं॒।सु॒०खं॒।र॒थं॒।यं॒।अ॒धि॒०अ॒स्त्राः॥उ॒षः॥वं॒।ते॒न॒।सु॒०अ॒र्व॒सं॒।

३५

रजः॥ पृथु॥ अहो॥ मिमानः॥ अकु० मिः॥ पत्रपत्र॥ जन्मानि॥ सूर्य॥ सप्त॥ वा॥ हरितः॥ रथे॥ वहन्ति॥ देव॥ सूर्य॥
। गोविः॥ शर्केवा॥ वि० चरुण॥ असुक्त॥ सप्त॥ शुभ्रवः॥ सूरः॥ रथस्य॥ नृत्यः॥ तानिः॥ याति॥ स्वयुक्ति०
मिः॥ उत॥ वयं॥ तमसः॥ परि॥ ज्योतिः॥ पत्रपत्रः॥ उत० तं॥ देव॥ देव० वा॥ सूर्य॥ अर्गन्म॥ ज्योतिः॥ उत० तमं
। उत० यत्॥ अद्यामित्र० महः॥ आ० रोहन्॥ उत० तं॥ दिवो॥ हत० रोगं॥ मम॥ सूर्य॥ हरिमाणं॥ वा॥ ना॥ ना॥ वा
। शुकेषु॥ मे॥ हरिमाणं॥ रोपणाकासु॥ दध्मसि॥ अथो॥ इति॥ हरिप्रवेशु॥ मे॥ हरिमाणं॥ नि॥ दध्मसि॥ उत॥ अ
गात्॥ अथ॥ आदित्यः॥ विश्वेन॥ सहसा॥ सह॥ विषतं॥ मया॥ रुधयन्॥ मो॥ इति॥ अहं॥ विषते॥ रुध॥ ॥ ॥ अग्नि
। तप॥ मे॥ प॥ उरु० हतं॥ रुग्मियं॥ इदं॥ गीः॥ रजिः॥ मदत॥ वस्वः॥ अस्विवं॥ यस्याद्यावः॥ न॥ वि० चरन्ति॥ मा

बुधा। बुजे। मंहिषं। अत्रि। विषं। अर्चता। अत्रि। ई। अर्चता। सु० अत्रि। अतयः। अंतरिक्ष० प्रां। तर्विषातिः॥
 आ० वृत्तं। इंद्रं। दक्षासः। कृत्तवः। मद० सुतं। शत० कृत्तं। जवनी। सुवृत्ता। आ० असुहृत्। वं। गोत्रं। अंगिरः।
 २२५। अष्टाणोः। अर्ष। उत। अत्रये। शत० पुरेष्ठ। गा० उ० वित० सुमेन। वित० वि० मदाय० अर्चहः। वसु
 । आजौ। अर्षिं। वैवसानस्य। नर्तयन्। वं। अर्षां। अपि० धना। अष्टाणोः। अर्ष। अर्क्षरयः। पर्वते। दातु०
 मत्। वसु। वृत्रं। यत्। इंद्रं। शर्वसा। अवधीः। अर्हिं। आत्। इत्। सूर्यं। दिवि। आ० अरोहयः। इरो। वं। माया
 निः। अर्ष। मायिनः। अधमः। सुधार्तिः। ये। अधि। सुतो। अनुकत। वं। पित्रोः। वृ० मनः। प्रा० असुजः। पुरः
 । प्रा० कृजि। अतं। दसु० हत्येष्ठ। आविष्ट॥ ए॥ वं। ऊर्षं। सु० हत्येष्ठ। आविष्ट। अर्धयः। अत्रि। अत्रि०

चाय। शंवरं। महां। तं। चित्। अर्बुदं। नि। क्रुमीः। पदा। सुनात। एवा। दसु० हत्याय। जजिषे। चिदति। विश्वा।
 तविषा। सध्रक। हिता। तव। राधः। सोम० पीथाय। हर्षति। तव। वज्रः। विकिते। बाको। हितः। वृश्वा।
 शत्रोः। अवाविश्यानि। वृक्ष्या। वि। जानीहि। आर्यान्। यत्वा। दस्यवः। बर्हिष्मति। रंध्रय। शासत। अत्र।
 तान्। शाकी। नव। यजमानस्य। वोदिता। विश्वा। इत। ता। ते। सधु० मादेश। वाकन। अत्र० ब्रवाय। रंध्र।
 यन्। अप० व्रतान्। आ० नृत्तिः। इन्द्रः। अथयन्। अनात्रुवः। वृक्षस्य। चित्। वर्चतः। द्यां। इन्द्रक्षतः। स्रव।
 नः। वृषः। वि। जद्यानः। सु० दिहः। तक्षत्। यत्। ते। उग्रानां। सहसा। सहः। वि। रोदसी। इति। मज्मना।
 बाधते। शर्वः। आ। वा। वातस्य। नृ० मनः। मनः। श्युजः। आ। पर्यमाणं। अवहन्। अग्नि। शर्वः॥ १०॥

वृत्तिः १

मंदिष्टायत्त। उज्जान। काव्ये। सदा। इन्द्रः। वंक्कइति। वंक्क० नरा। अधि। ति। उग्रः। यथि। निः। अपः। स्त्रो
 तसा। असृजत्। वि। सुप्तस्य। दृहिताः। ऐरयत्। पुरः। आ। स्मै। रथं। वृष० पानेषु। तिष्ठसि। शायितस्य
 । प्र० नृताः। येषु। मंदसे। इन्द्रः। यथा। सुत० सोमिष। वाकनः। अनर्वाणं। सोकं। आ। रोहसे। दिवि। अदंदा
 । अर्ने। महते। वचसावे। कक्षीवते। वृचया। इन्द्रः। सुवृते। मेना। अनवः। वृषणश्चस्य। सुक्रतो इति।
 सु० क्रतो। न। सर्वनेषु। प्र० वाच्या। इन्द्रः। अश्रायि। सु० ध्यः। निरेके। पञ्चेषु। सोमः। दुर्धनः। पः। अश्व०
 युः। गयुः। रथ० युः। वसु० युः। इन्द्रः। इतर। रायः। दयति। प्र० यंता। इदं। नमः। वृषनाय। सु० राजे।
 सत्य० श्रुभाय। तवसे। अवावि। अस्मिन्। इन्द्रः। वृजने। सर्व० वीराः। स्मत्। सूरि० निः। तव। शर्मन्।

विश्वेनाते ३

सू ३

४१

स्याम ॥ ११ ॥ तं सु मेघं महय स्वः श्विदं ज्ञातं यस्य सु चः साकं ईरते अत्यं न वा जं हवनं
 स्य दे रथं आ इदं वृत्तं अवसे सुवृत्ति निः सः पर्वतः न धसणे अचुतः सहस्रं
 तिः तविषीषु वैदधे इदं यत् तृत्रं अवधीत नदी वृत्तं उज्ज्वल असीसि जह्नीषाणः अंध
 सा सः हि हरः हरिषु वृत्रः जर्धनि चंद्र बुधः मर्द वृद्धः मनीषि निः इदं तं अक्षे सु अ
 पस्यया धिया मंहिष राति सः हि पप्रिः अंध सः आ यं दृष्टं ति दिवि सभं बहिषः स सुदं
 न सु चः स्वाः अनिष्टयः तं वृत्र हत्ये अउ तस्वुः अतयः शुष्माः इदं अवाताः अचुतः
 सवः अनि स्व वृष्टि मर्दे अस्या युध्यतः रघ्वा इव प्रवणे स सुः अतयः इदं यत् वृत्र ॥ १२ ॥

षष्ठाणः अंधसा। जिनत्। वलस्य। परिधीनइव। त्रितः॥१॥ परि। इं। घृणा। चरति। तिविषे। शर्वः॥ अ
 पः। हवी। रजसः॥ बुध्ना। आ। अशयत्। वृत्रस्य। यत्। प्रवणे। दुःशुक्तिश्चन॥ नि० जुवंथ। हवोः॥ इंद्र।
 तंयुत्तं। रुदं। न। हि। वा। नि० रुषंति। ऊर्मयः॥ ब्रह्माणि। इंद्र। तव। यांनि। वर्धना। वष्टा। चित्। ते। यु
 ज्यं। वृद्धे। शर्वः॥ ततक्ष। वज्रं। अमिहृति० उजसं। जुयवार्। अंद्रति। हरि० निः॥ संभृतक्रतो इति सं
 नृत० क्रतो। इंद्र। वृत्रं। मउषे। गावु० यन्। अपः॥ अयं ब्रथाः॥ बालोः॥ वज्रं। आयुसं। अक्षरयः॥ दि
 वि। आ। सूर्यं। द्रो। वृहत्। स्व० चंद्रं। अम० वत्। यत्। बुध्ना। अक्षयवत्। नियसा। रोहणं। दिवः॥ य
 त। माउष० प्रधनाः॥ इंद्रं। जतयः॥ स्वः॥ नृ० शर्वः॥ मरुतः॥ अमदत्। अउद्योः॥ चित्। अस्म। अम०

४४

वान्। अहः। सुनात्। अयोयवीत्। नित्यसा। वज्रः। इन्द्राते। इन्द्रस्य। यत्। वद्वक्षन्स्य। रोदसी इति। मदे।
 सुतस्य। शर्वसा। अन्नित्। शिरः। ॥ १॥ यत्। इत्। उ। इन्द्र। इष्टिवा। दन्। उजिः। अहानि। विश्वा। तत्।
 न। त। रुष्टयः। अत्र। अह। ते। मद्य० वन्। वि० शुते। सहः। द्यां। अन्। शर्वसा। बर्हणा। नुवत्। वां। अ।
 स्य। पारे। रजसः। वि० उसनः। स्वभूति० उजाः। अर्वसे। धुषन्० मनः। वक्ष्णे। नृमि। इमि। प्रति० मानं
 । उजसः। अपः। स्वरितिस्वः। परि० नूः। एषि। आ। दिवां। वां। नुवः। प्रति० मानं। इष्टिवाः। रुष० वीर
 स्य। इहत्। पतिः। नूः। विश्वं। आ। अत्राः। अंतरिक्षं। महि० वा। सत्यं। अद्वा। नकिः। अन्। वा० वान्। न।
 यस्याद्यावाष्टिवा इति। अन्। व्यधः। न। सिधवः। रजसः। अन्तं। आनशुः। न। उत। स्व० वृष्टि। मदे। अ।

सु। सुधतः। एकः। अन्तर। चक्रषे। विश्वं। आनुषङ्ग। अर्चन। अत्र। मरुतः। सस्मिन्। आजौ। विश्वे। देवासः।
 शुभं। दुर्ग। अत्र। वा। वृत्रस्य। यत। वृष्टि० मता। वधेन। नि। वं। इन्द्र। प्रति। अनं। जघंघ॥ १४॥ अर्द्धः॥ ॥
 नि। कुं। इति। सु। वाचं। प्र। महे। नर। महे। गिरः। इन्द्राय। सदेने। विवस्वतः। उ। चित। हि। रत्नं। ससतां। इन्द्र। अ
 विदत्। ना। दुः। श्रुतिः। प्रविणः। श्देषु। शस्यते। दुरः। अश्वस्य। दुरः। इन्द्र। गोः। असि। दुरः। यवस्य। वसु
 नः। इन्द्र। पतिः। विष्णो० नरः। प्र० दिवः। अकाम० कवीनः। सरवा। सखि० न्यः। तं। इन्द्र। पृणीमसि। वाची०
 वः। इन्द्र। पुरु० रत्न। कुमर० तमा। तवा। इन्द्र। अजितः। चेकिते। वसु। अतः। सं० यत्न। अग्नि० नूते। आ
 नर। मा। वा० द्यतः। जरिउः। कामे। अनयाः। एभिः। द्य० त्रिः। सु० मनाः। एभिः। इन्द्र० त्रिः। नि० रुंक्षनः॥

अमतिं। गोतिः। अश्विना। इंद्रेण। दस्युं। दुर्यंतः। इंद्रं। निः। युतं। वैषसः। सं। इषा। रत्नेमहि। सं। इंद्र।
 राया। सं। इषा। रत्नेमहि। सं। वाजेतिः। उरु० चंद्रैः। अनिष्टं० निः। सं। देव्या। प्र० मत्या। वीर० शुभा।
 द्या। गो० अग्रया। अश्व० वत्या। रत्नेमहि। १५। ते। वा। मदाः। अमदन्। तानि। वृष्णा। ते। सोमामः। वृ
 त० हत्येषु। सत्० पुते। यत्। कारवे। दशा। वृत्राणि। अप्रति। बर्हिषते। नि। सहस्राणि। बर्हयः। युध
 । युधां उप। घा। इत्। एषि। धृष्टु० या। पुरा। उरं। सं। इंद्रं। हंसि। उजसा। नम्या। यत्। इंद्र। सरया। पुरा० व
 ति। नि० ब० हर्दयः। नमुविं। नाम। मायिने। वं। करजं। उत। पुरयं। वधीः। तेजिषया। अतिथि० यस्या।
 वर्हनी। वं॥ ज्ञाता। वंष्टदस्य। अनितर। उरः। अननु० दः। परि० स्तताः। रुजिष्यना। वं। एतान्। जनु०

राज्ञः। विः। दश। अवंधुना। सु० श्रवसा। उप० नृशुषः। षष्टिं। सहस्रा। नवतिं। नव। सुतः। नि। वृक्रेण। र
 व्या। दुः। शपदा। अष्टण्कु। वां। आविद्य। सु० श्रवसं। तव। अति० निः। तव। शर्म० निः। इन्द्र। त्वयाणां। वां।
 अस्मै। ऊसं। अतिथि० वां। आयुं। महे। राज्ञे। दूने। अंशुनायः। ये। उत्० रुधि। इन्द्र। देव० गोपाः। स
 स्वायः। ते। शिव० तमाः। अस्मां। वां। स्तोषाम। वया। सु० वीमर्गाः। प्राधीयः। आयुः। प्र० तरं। दक्षिनाः
 ॥१६॥ मा। नः। अस्मिन्। मधु० वर। एत० सु। अहसि। नहि। ते। अंतः। शर्वसः। पुरि० नशो। अक्रंदयः। न
 द्यः। रोसुवत। वना। कथा। न। क्षोणीः। नियसा। सं। आरत। अर्वा। शुक्राया। शुकिने। शवी० वते। श्य
 एवंते। इन्द्रं। मुर्यन्। अग्नि। सुहि। यः। धृषुना। शर्वसा। रोदसी इति। उने इति। वृषा। वृष० वा। वृषजः।

धध

नि० कृ० ज० ति० अ० र्वा० दि० वे० वृ० ह० ते० शु० ष० । व० च० । । स्व० क्ष० त्रं० य० स्म० । धृ० ष० त० । धृ० ष० त० । म० न० । वृ० ह० त० । अ० र्वा० । अ० स० र० ।
 । ब० र्ह० णा० । कृ० त० । उ० र० । ह० रि० ण्मा० । वृ० ष० न० । र० थ० । हि० स० । वं० । दि० वः । वृ० ह० तः । सा० उ० । को० प० यः । अ० र्वा० । त्म० ना० ।
 धृ० ष० ता० । वं० ब० रं० । नि० न० त० । य० त० । मा० यि० नः । वृ० दि० नः । मं० दि० ना० । धृ० ष० त० । श्रि० तां० । ग० न० स्ति० । अ० श० नि० । ए० त० न्य० सि० नि० ।
 य० त० । वृ० ण० क्षि० । अ० स० न० स्म० । सु० र्ध० नि० । अ० ल० स्य० । चि० त० । वृ० दि० नः । रो० रु० व० त० । व० ना० । प्रा० वी० ने० न० । म० न० सा० । ब० र्ह० णा० ।
 व० ता० । य० त० । अ० द्य० । चि० त० । कृ० ण० ब० । कः । वा० । परि० । १० । वं० । आ० वि० ध्या० न० र्थ० । उ० र्व० शं० । य० डं० । वं० । उ० र्वी० ति० । व० यं० ।
 । श्रु० त० कृ० तो० इ० ति० श्रु० त० कृ० तो० । वं० । र० थं० । ए० त० शं० । रु० र्वो० । ध० ने० । वं० । उ० र० । न० व० ति० । दं० न० यः । न० व० । सः । द्यु० । रा० ज्ञा० ।
 । स० त० । प० ति० । श्रु० श्रु० व० त० । ज० नः । रा० त० । ह० व्यः । प्र० ति० । यः । श्रा० सं० । इ० व० ति० । उ० क्ता० । वा० । यः । अ० नि० । गृ० णा० ति० । रा०

धसा। दाउः॥ अस्मै। उपरा। पिवते। दिवः। असमं। क्षत्रं। असमा। मनाषा। प्र। सोम० पाः। अपसा। संतु। नमे
 । यो। ते। इंद्र। इदुषः। वर्धयंति। महि। क्षत्रं। स्वविरं। वृष्णं। वा। उच्य। इत्। एते। वज्रजाः। अद्रि० दुग्धीः। व
 सु० सदः। चमसाः। इंद्र० पानाः। वि। अशुहि। तर्पय। कामं। एषां। अथ। मनः। वसु० देयाय। रुष। अपां
 । अतिष्ठत्। धरुण० करं। तमः। अंतः। वृत्रस्य। जुवरेष। पर्वतः। अत्रि। इंद्र० नद्यः। वृत्रिणा। हिताः॥
 विश्वाः। अत्रु० स्वाः। प्रवणेष्ट। जिघ्रते। सः। शो० वृधं। अधि। क्षः। द्युमं। अस्मेइति। महि। क्षत्रं। जुनाषा
 द्। इंद्र। तव्यं। रक्षा। वानः। मघोनः। पाहि। सूरिन्। राये। चानः। सु० अपात्से। इषे। क्षः॥ १६॥ दिवः। वि
 त्। अस्या। वरिमा। वि। पप्रथे। इंद्रं। न। म। मुक्ता। पृथिवी। चान। प्रति। नीमः। उर्विष्मान्। वर्षणि० न्यः॥

आ० तपः॥ शिवाति॥ वज्रं॥ तेजसे॥ न॥ वंसगः॥ सः॥ अर्धवः॥ न॥ नृपः॥ स॥ अद्विद्यः॥ प्रति॥ शुक्लाति॥ वि० अ
 ताः॥ वरीम० निः॥ इन्द्रः॥ सोमस्य॥ पातये॥ दृष्ट० व्यते॥ सनात॥ सः॥ युधः॥ उजसा॥ पुनस्यते॥ तं॥ इन्द्र
 ॥ पर्वतं॥ न॥ नो जसे॥ मुहः॥ दृष्टस्य॥ धर्मणां॥ इत्यसि॥ प्र॥ वीर्येण॥ देवता॥ अति॥ चेकिते॥ विद्युस्मै॥ उ
 यः॥ कर्मणे॥ पुरा॥ श्रितः॥ सः॥ इत॥ वत॥ नमस्य० निः॥ ववस्यते॥ वासि॥ जनेषु॥ पु० बुवाणः॥ इन्द्रियं॥
 दृष्टा॥ वंडुः॥ नृवति॥ दृष्टतः॥ दृष्टा॥ क्षेमेण॥ धेतां॥ मय० वा॥ यत्॥ इवति॥ सः॥ इत॥ महानि॥ सं० इयानि
 ॥ मुज्जना॥ लुणोति॥ युधः॥ उजसा॥ जनेभ्यः॥ अध॥ वन॥ अत॥ दधति॥ विधि० मते॥ इन्द्राय॥ वज्रं॥ नि०
 नि० धनिघ्नते॥ वधं॥ ॥ ए० सः॥ हि॥ अनुसुः॥ सदनानि॥ रुत्रिमा॥ द्मया॥ वधुनः॥ उजसा॥ वि० नाश

यश्चोतीषि। नृएवन्। अष्टकाणि। यज्यवे। अवा। सु० कउः। सत्तवै। अपः। सृजत। दानाय। मनः। सो
 म० पावन। असु। ते। अवावा। हरीइति। वंदन० शुत। आ। रुधि। यमिषासः। सारथयः। ये। इंद्राते। ना
 वा। केताः। आ। दनुवंति। भूर्णयः। अप० क्षिते। वसु। विभर्षि। हस्तयोः। अषाब्दे। सहः। तवि। शुतः। द
 धा। आ० वतासः। अवतासः। न। कर्त्त० मिः। तदुष्मते। क्रतवः। इंद्रा। नूरयः॥ २०॥ एषः। प्रा। पूर्वाः। अवा
 तस्य। वंशिषः। अत्यः। न। योषां। उत्त। अयंस्त। उर्वणिः। दक्षं। महे। पाययते। हिरण्ययं। रथं। आ० व
 त्य। हरि० योगं। क्रन्वसे। तं। शुर्तयः। नेमन्० इषः। परीणसः। ससुद्रं। ना। सं० वरणे। सनिष्पवः। पतिं।
 दक्षस्य। विदयस्य। उ। सहः। गिरिं। न। वेनाः। अधि। रोह। तेजसा। सः। उर्वणिः। महार। अरेणु। पौंसो।

४६

गिरः। नृष्टिः। न। अजात। उजा। शवः। येन। अस्मि। मायिनै। आयुसः। माद। दुधः। आनृष। रमयत्।
 नि। दामनि। देवी। यदि। तविषी। वा० वृक्ष। कृतये। इन्द्र। सिमक्ति। उषसं। नासूर्य। वा० बाधते। तमः।
 इयत्ति। रेणुं। वृहत्। अर्हत्। स्वनिः। वि। यत्। तिरः। धरुणं। अर्धतं। रजः। अतिस्त्रिपः। दिवः। आ
 तासु। बर्हणा। स्वा० शमीन्हे। यत्। मदे। इन्द्राहर्षा। अर्हत्। वृत्रं। निः। अपां। अ० कृ०। अर्धवं। वं। दिवः।
 धरुणं। धिषे। उज्जमा। पृथिव्याः। इन्द्र। सद्नेत्र। माहिनः। वा० सुतस्य। माद। अरिणाः। अपः। वि। वृ
 तस्य। समया। पाष्पा। अरुजः। ॥ १॥ प्र। मंहिष्ठाया। वृहते। वृहत० रये। सत्य० शुभायत्तवसे। मुति।
 नरे। अपां। इवा० प्रवणे। यस्या। दुःश्वरं। पीराधः। विश्व० आया। शवसे। अप० वृत्तं। अर्धते। विश्वं।

अनु० ह० अस० इष्टये० आप० निम्रा इव० सर्वना० हविर्भूतः० यत्० पर्वत० ना० सं० अशीत० हय० तः० इं
 प्रस्य० वज्रः० अर्धिता० हिरण्ययः० आस्मि० श्रीमाय० नमसा० सं० अध्वार० उषः० ना० शुभ्रे० आ० नरा० पनीय
 मे० यस्य० धर्म० श्रवसे० नाम० इन्द्रियं० ज्योतिः० अकारि० हरितः० ना० अयमे० इमे० ते० इन्द्रा० ते० वयं० उरु
 ० सुत० ये० वा० आ० रम्य० चरामसि० प्रभुवसो इति० प्रभु० वसो० नहि० वत० अन्यः० गिर्वृणः० गिरः०
 सद्य० त० क्षोणीः० इव० प्रति० नः० हय० त० ववः० चरि० ते० इन्द्रा० वीर्यं० सर्व० स्मसि० अस्म० स्तोत्रः० मधु०
 वर० काम० आ० हृण० अनु० ते० द्यौः० इह० त० वीर्यम्० ममे० इयं० वा० ते० पृथिवी० नेमे० उज० से० न० महां०
 उरु० वज्ञेण० वज्रिन्० पर्व० ना० वृक० त्रिथ० अवा० असृजः० नि० दृताः० मर्त्तवै० अपः० सत्रा० विश्वं० द

धिषे। केवलम्। सहः॥११॥ उ। चिन्। सहः॥११॥ अमृतः॥ नि। उंदते। होता। यत्। हतः॥ अर्जवत्।
 विवस्वतः॥ वि। साविधेनिः। पृथि० निः॥ रजः॥ मने। आ। देव० ताता। हविषा। विवासति। आ। स्वां। अ।
 न्ना। युवमानः॥ अर्जरः॥ दृष्टा। अविष्मन्। अतसेषु। तिष्ठति। अत्यः॥ न। दृष्टं। उषितस्य। रोचते। दिवः।
 न। सा। उ। स्तनयन्। अविक्कदत्। काणा। रुद्रेनिः। सर्वे० निः॥ पुरः। शक्तिः॥ होता। नि० सः॥ तः॥ रयि
 षाट्। अमर्त्यः॥ रथः॥ न। विक्षु। कुंजमानः॥ आयुषा। वि। आयुषक। वार्या। देवः। रुण्वति। वि। वान
 ० जूतः॥ अतसेषु। तिष्ठते। दृष्टा। नुरुनिः। मृण्या। उवि० स्वनिः॥ दृष्टा। यत्। अने। वनिनः॥ दृष्ट० य
 से। ह्रस्व। ते। एम। रुशत० मर्मे। अर्जर। तष्टः॥ रजः॥ वने। आ। वात० वोदितः॥ दूये। न। सका

न। अद। वाति। वंसगः। अमि० वज्र०। अक्षितं। पार्जसा। रजः। स्नातः। वरधे। नयते। पतुविणः॥ ३३॥ ३४॥
 ॥ वा। दृगवः। मातृषेष्ठ। आरुयि। न। वासं। सु० हवीं जनेन्यः। होतारं। अग्ने०। अर्निधिं। वरेण्यं। मित्रं। न।
 शेवं। दिव्याय। जन्मने। होतारं। सुसा। नृकः। यद्विष्ठं। वाद्यतः। दृणते। अध्वरेष्ठ। अग्निं। विश्वेषां। अरुतिं। व
 स्तनां। सपुयामि। प्रयसा। वामि। रजं। अग्निं। स्तनोदति। सहसः। नः। अद्या। स्तोत० न्यः॥ मित्र० महः॥
 शमीयुच्च। अग्ने०। दृणतं। अंहसः॥ उरुष्प। जजः। नयान। रः। शनिः। आयसीनिः। नवी। वसूधे। दृणते।
 विना० वः। नवी। मय० वन। मयवत० न्यः। शमी। उरुष्प। अग्ने०। अंहसः। दृणतं। प्रातः। मधु। धिया० वसुः
 । जगुम्यात॥ ३४॥ वयाः। इत०। अग्ने०। अग्रयः। ते। अन्ये। वेदति। विश्वे। अष्टताः। मादयते। वैश्वानरा। न।

य। ३

४६

निः॥ असि॥ क्षितीनां॥ स्वर्णाश्व॥ जनीर॥ उप० मित्र॥ ययं॥ य॥ वृद्धा॥ दिवः॥ नानिः॥ अग्निः॥ पृथिव्याः॥ अथ॥
 अन्नवत्॥ अरतिः॥ रोदस्योः॥ तं॥ वा॥ देवासः॥ अन्नयं॥ त॥ देवं॥ वैश्वानर॥ ज्योतिः॥ इत्॥ आर्याय॥ आ॥ स॥
 येन॥ रुद्रमयः॥ ध्रुवासः॥ वैश्वानरो॥ दधिरो॥ अ॥ ग्रा॥ वस्तूनि॥ या॥ पर्वत॥ उ॥ षधी॥ अ॥ र०॥ सु॥ या॥ मा॥ उ॥ ष॥
 उ॥ असि॥ तस्य॥ राजा॥ बृहती॥ इवेति॥ बृहती॥ इवेति॥ बृहती॥ इव॥ सु॥ नवे॥ रोदसी॥ इति॥ गिरः॥ होता॥ म॥
 उ॥ षः॥ न॥ दक्षः॥ स्वः॥ श्वते॥ सत्य०॥ शु॥ ध्रा॥ य॥ वृ॥ वीः॥ वैश्वानराय॥ इ०॥ तमाय॥ य॥ द्वा॥ दिवः॥ क्षि॥ त॥ ते॥
 बृहत्॥ जात०॥ वेदः॥ वैश्वानरा॥ प्र॥ रिरिचे॥ महि०॥ वं॥ राजा॥ कृ॥ ष्ठी॥ नां॥ असि॥ मा॥ उ॥ षी॥ णां॥ यु॥ क्ष॥ दे॥ वे॥ नः॥ व॥ रिवः॥
 च॥ क॥ र्या॥ प्र॥ उ॥ म॥ हि०॥ वं॥ वृ॥ ष॥ न॥ स्य॥ वो॥ वं॥ यं॥ श॥ र॥ वः॥ वृ॥ न०॥ ह॥ न॥ स॥ व॥ ते॥ वै॥ श्व॥ अ॥ न॥ रः॥ द॥ स्यं॥ अ॥ ग्निः॥ ज॥ य॥

वार। अर्धनोत। काष्ठाः। अर्वा। जंवरं। नेत्र। वैश्वानरः। महिम्ना। विश्व० ऋषिः। भरत० वीजेश। यज्ञतः। विना
 ० वा। शात० वनेये। श्रुतिनीतिः। अग्निः। उरु० नीथे। जुरते। सूटता० वान्। शप॥ वक्रिं। यज्ञासं। विदथ
 स्य। केउं। सुप्र० अयं। हुतं। सद्यः। श्रुथं। हि० जन्मानं। रुयिं। इव। प्र० शास्त्रं। रात्रिं। नरत० नृगवे। मतेरि
 म्वा। अस्य। शासुः। जुमयासः। सचंते। हविर्भूतः। उशिजः। ये। व। मन्त्रीः। दिवः। वित्। सर्वः। नि। अमादि
 होता। आ० पृथ्वीः। विश्वतिः। विष्णु। वेक्षः। तं। नव्यसी। हृदः। आ। जायमानं। अस्मत्। सु० कीर्तिः।
 मधु० निक्कं। अग्न्याः। यं। क्रुविजः। वृजने। मातृषासः। प्रयस्वतः। आयवः। जीजनं। ता। उशिक्। पाव
 कः। वसुः। मातृषेष्ठ। वरेण्यः। होता। अक्षयि। विष्णु। दर्पनाः। एह० यतिः। दमे। आ। अग्निः। सुवत्। रयि

० पतिः । रयीणां । तं । वा । वयं । पतिः । अग्ने । रयीणां । प्राशं । सामः । मतिः । निः । गोतमासः । आशु । नावाजं
 नरं । मूर्जयंतः । ॥ २६ ॥ अस्मै । इतः । नृदति । प्रातुवासा । वुराय । प्रयः । न । हर्मिस्तोमं । माहिनाय । कवीष
 माय । अधि० गवे । ३ हं । इंद्राय । ब्रह्माणि । रात० तमा । ० प्रयः । इवा । प्र । यंसि । नरामि । आंशुषं । बाधे ।
 सु० वृत्ति । इंद्राय । रुदा । मनसा । मनीषा । धेनुनाय । पत्ये । धियः । मूर्जयंतः । ० तं । उप० म । स्वः । रसा । न
 रामि । आंशुषं । आस्येन । मंहिषं । अर्वाक्कि० तिः । मतीनां । सुवृत्ति० निः । सूरि । वृद्धाध्वे । ० स्तोमं । सं
 हिनोमि । रथे । ना । तष्टा इव । तत्० सिनाय । गिरः । च । गिर्वीहसे । सु० वृत्ति । इंद्राय । विश्वं । इव । मेधिराय
 ॥ ० सतिं । इव । अवस्था । इंद्राय । अर्क । जुक्ता । सं । अंजे । वीरं । दान० । एकसं । वंदाध्वे । वुरां । युर्न० । अंवसं ।

दुर्मणिं ॥ ११ ॥ ॥ वृष्टा तद्वत् । वज्रं । स्वर्पः । रतमं । स्वर्गं । रणाया । वृत्रस्य । चित् । विदत् । येन । मर्म । उज्ज्वलं । ई
 शानः । उज्ज्वल । कियेक्षः । अस्या । इत् । अंशति । मृत्तुः । सर्वनेष्ट । सद्यः । महः । पित्रं । पृषि । वान् । चास । अ
 ना । सुखायत् । विष्णुः । पवतं । महीयान् । विध्यत् । वगुहं । तिरः । अर्द्धि । अस्ता । ॥ ग्राः । चित् । दिव । पा
 नीः । इन्द्राय । अर्कं । अर्द्धि । हत्ये । अर्द्धि । रित् । परि । द्यावा । पृथिवी । इति । जत्रे । उर्वी । इति । ना । अस्या । ते
 ति । महिमानं । परि । सुइतिस्तः । अस्या । इत् । एव । प्र । रित् । दिव । पृथिव्याः । परि । अंतरिक्षा
 त । स्व । राट् । इन्द्रः । दर्म । आ । विश्व । यत्रः । सु । अरिः । अमत्रः । ववक्षे । रणाया । ॥ शर्वसा । शुषंतं । वि
 वृश्चत् । वज्रेण । वृत्रं । इन्द्रः । गाः । न । ब्राह्मणः । अवनीः । अश्वत् । अग्नि । अर्धः । दावने । स । चेतः ॥ १२ ॥

॥ वे॒षसा॑ । र॒न्त॑ । सि॒धवः॑ । प॒रि॑ । य॒त् । व॒ज्रे॑ । ल॒सा॑ । अ॒य॒त् । इ॒ज्ञान॑ । न॒त्त॑ । द॒श॒स्य॑ । उ॒र्वी॑ । त॒य॒ । ग॒
 धं॑ । उ॒र्वी॑ । क॒रि॒ति॒कः॑ । न॒रा॑ । उ॒जाने॑ । दृ॒त्रा॒य॒ । व॒ज्रे॑ । इ॒ज्ञाने॑ । क॒रि॒त्य॑ । गोः॑ । न॒ । प॒र्वी॑ । वि॒र॒द॒ । ति॒
 र॒श्चा॑ । इ॒ष्य॑ । अ॒सि॑ । अ॒पा॑ । व॒रा॒ध्वे॑ । न॒ । इ॒ष्टि॑ । पू॒र्या॑ । उ॒र॒स्य॑ । क॒र्मा॑ । न॒व्यः॑ । उ॒क्तैः॑ । यु॒धे॑ । य॒त् ।
 इ॒स्मान्॑ । अ॒यु॒क्षानि॑ । कृ॒द्या॒य॒मा॑ । नि॒ । रि॒णा॒ति॑ । श॒त्रून्॑ । न॒ । नि॒या॑ । गि॒र॒यः॑ । च॒ । दृ॒त्रा॑ । द्या॒वा॑ । च॒ । न॒म॑ ।
 उ॒ज॒षः॑ । उ॒जे॒ते॒ इ॒ति॑ । उ॒पो॒ इ॒ति॑ । वे॒न॒स्य॑ । जो॒ग॒वान्॑ । उ॒णि॑ । सु॒द्यः॑ । उ॒व॒त् । वी॒र्या॑ । नो॒धः॑ । न॒ । त॒य॒ । अ॒र्ज॑ । द॒
 यि॑ । ए॒षा॑ । ए॒कः॑ । य॒त् । व॒ज्रे॑ । नृ॒रे॑ । इ॒ज्ञाने॑ । प्र॒ । ए॒त॒ज्ञं॑ । सूर्यो॑ । प॒स्व॒क्षाने॑ । सौ॒र्व॒स्ये॑ । सु॒सि॑ । अ॒व॒त् । इ॒न्द्रः॑ । प॒
 वा॒ते॑ । ह॒रि॒ । यो॒जन॑ । सु॒ । वृ॒त्ति॑ । इ॒न्द्र॑ । व॒त्सा॑ । गो॒त॒मा॒सः॑ । अ॒क्र॒त् । अ॒ । ए॒ष॒ । वि॒श्व॑ । प॒ञ्चा॒सं॑ । धि॒यः॑ । क्षः॑ ।

॥१॥२॥ चतुर्थोऽध्यायः समाप्तः ॥ ॥ उ० ॥ मन्महे । शवसानाय । श्रुषं । अंगुष्ठां । गिरिणा मे । अंगिरस्वत । सु
 वृत्तिः । सुवृत्त । रुग्मियाय । अर्वाभि । अर्कानर । वि० सुताया । प्रावः । महे । महीनमः । नरध्वं । अंगुष्ठां
 शवसानाय । साम । येन । नः । पूर्वैः । पितरः । पद० ताः । अर्वतः । अंगिरसः । गाः । अविंदन । इंदस्य । अंगि
 रसां । च । इष्टौ । विदत । सरमा । तनयाय । क्षुसिं । वृहस्पतिः । निनत । अर्द्धिं । विदत । गाः । स । उस्त्रियां निः ।
 वावरांतु । नरः । सः । सु० सुभा । सः । सुभा । सप्त । विषैः । स्वरेण । अर्द्धिं । स्वर्गः । नव० धैः । सरण्य० निः । फलि
 ० गं । इंद । शक्र । बलं । रवेण । दूर्युः । दश० धैः । टणानः । अंगिरः । रभिः । देस्मा । विवः । उषसीं । सूर्येण ।
 गोनिः । अंधः । वि । नूत्याः । अथययुः । इंद । सात्र । दिवः । रजः । उपरं । अस्तनायुः ॥ १ ॥ ततः । नृदति । प्र

२
५१

यक्ष० तमे० अस्या० कमी० दुस्मस्य० वारु० तमे० अस्ति० दंसः० उप० करे० यत्० उपराः० अपि० वत्० मधु०
 अस्मि० नद्यः० चत० स्रः० क्षिता० वि० ववे० सन० जा० सनी० ले० इति० स० नी० ले० अया० स्यः० स्रव० माने० निः० अ
 कैः० नगः० नामे० ने० इति० पर० मे० वि० उ० मन्० अक्षर० यत्० रोद० सी० इति० सु० दंसाः० सना० त० दिवो० परि०
 रू० म० विरू० पे० इति० वि० रू० पे० पुनः० शु० वा० यु० व० ता० इति० स्वे० निः० ए० वैः० कृ० ले० निः० अ० क्ता० उ० षाः० रु० ज्ञा० त०
 निः० वसुः० श० निः० आ० वर० तः० अ० न्या० अ० न्या० सने० मि० सु० र० व्यं० सु० अ० प० स्य० मानः० सु० उ० दा० क्ष० रा० ना० व
 सा० सु० दंसाः० आ० मा० सु० चि० त० द० धि० षे० प० कं० अ० त० रि० ति० प० यः० ह० स्त्रा० सु० रु० ज्ञा० त० रो० हि० णी० षा० स० ना० त०
 स० नी० जाः० अ० व० नीः० अ० वा० ताः० वृ० ता० रु० क्षं० ते० अ० ष्ट० ताः० सह० श० निः० पु० रु० सह० स्त्रा० ज० न० यः० ना० प० नीः०

दुवस्येति। स्वसोरः। अक्रयाणं॥१॥ सुना० युवः। नर्मसा। नव्यः। अकैः। वसु० यवः। मतयः। दस्म। ददुः। पति
न। पत्री। उशतीः। उशंतं। सशंति। वा। शवसा० वरु। मनीषाः। सनात। एव। तव। रायः। गर्भस्तो। न। क्षीयं
ते। न। उप। दस्येति। दस्म। दयमात्र। असि। कउ० मात्र। इंद्र। धीरः। शिक्ष। शवी० वः। तव। नः। शवीतिः।
सना० युते। गोर्तमः। इंद्र। नव्यं। अर्तक्षत्र। वरु। हरि० योर्जनाय। सु० नीयाय। नः। शवसान। नोक्षः॥०॥३॥
वं। महान। इंद्र। यः। ह। शुषैः। द्यावा। जुज्ञानः। पृथिवीइति। अमे। क्षुः। यत। ह। ते। विश्वा। गिरयः। धित
अन्वा। निद्या। दह्वासः। किरणाः। न। ऐजन्। आ। यत। हरीइति। इंद्र। वि० वता। वेः। आ। ते। वज्रं। जरिता।
वाकोः। क्षत। येन। अविहृत० कतोइत्यविहृत० कता। अमित्रात्। चरः। इस्मासि। पुरु० हत। सुवीः।

ज्ञान०

२
५४

वां सत्यः। इन्द्राध्वसुः। एतान्। वां। ऊजुक्षाः। नर्यः। वां। षाट्। वां। शुभ्रं। वृजने। एक्षे। आणो। दूने। ऊमाय। ध्रु०
 मात। सचा। अहन्। वां। ह। तयत्। इन्द्रावोदः। सखा। वृत्रं। यत्। विजिन्। वृष० कर्मन्। उग्राः। यत्। ह। शूर। वृष
 ० मनः। पुरावैः। वि। दस्मन्। यो नो। अक्षतः। वृथाषाट्। अरिषण्णन्। दन्वस्य। धित। मर्तानां। अजुष्टौ। वि।
 अस्मत्। आ। काष्ठाः। अवेति। वुः। घनाश्च। वज्रिन्। मृष्टिहि। अमित्रान्॥४॥ वां। अस्म० सातौ। स्वः२मीले
 । नरः। आजा। हवन्ते। तव। स्वधु० वुः। इयं। आ। सु० मर्ये। अतिः। वाजेषु। अतसाय्या। वृत्। सुता। युधन्। परः
 । वज्रिन्। पुसु० ऊमाय। ददरितिददः। बर्हिः। नायत्। सु० दासै। वृथावर्क। अहोः। गुजुन्। वरिवः। पुरवे। क
 रितिकः। वां। त्यां। नः। इन्द्रा। देवाधिनां। इषां। आपः। न। पीपयः। परि० ज्मन्। ययो। शूराप्रति। अस्मभ्यं। यंसि।

तनो। ऊर्जे। न। विश्वधाक्षर। ध्ये। अकारि। ते। इन्द्र। गोतमेनिः। ब्रह्माणि। आ० उक्ता। नमसा। हरि० न्या। सु०। पञ्च
 सं। वाजं। आ। नुर। नः॥०॥ पा॥ वृत्ते। शर्वाय। सु० मखाय। वेधसे। नोधः। सु० वृत्तिं। प्रा। नर। मरुत० न्यः। अपः।
 न। धीरः। मनसा। सु० हस्मः॥ गिरः। सं। अंज। विदथेष। आ० नुवः। ते। जज्ञिर। दिवः। क्रिषासः। उक्षणः। रु
 द्रस्य। मर्याः। असुराः। अरुपसः। पावकासः। शुचयः। सूर्याः। स्व। सवानः। न। प्रसितः। द्यौर० वर्षसः। युवान
 ॥ रुद्राः। अजसः। अनुक० हनः। ववृक्षुः। अग्नि० गावः। पर्वताः। स्व। दृष्टा। चित्र। विश्वा। भुवनानि। पार्थिवा।
 प्र। व्यवयंति। दिव्यानि। मज्मना। चित्रैः। अजि० निः। ववृषे। वि। अंज। त। वक्षः। सु। रुक्माव। अधि। येतिरे।
 शुने। अंसेष। एषां। नि। मिष्टुक्षुः। रुष्टयः। साकं। जज्ञिरे। स्वधाय। दिवः। नरः। ईशान० हतः। धुनयः।

२ त्रिः।

रिज्ञादसः। वातात्। वि० द्युतः। तर्विषानिः। अकृत। इहंति। ऋधः। दिव्यानि। धनयः। नृमि। पिवंति। प
यसा। परि० जयः। दा। पिवंति। अपः। मरुतः। सु० दानवः। पयः। घृत० वत्। विदधे०। आ० सुवः। अ
त्ये। न। मिहे। वि। नयंति। वाजिनं। उक्तां। इहंति। स्तनयंतं। अक्षितं। महिषासः। मायिनः। वि० नानव
ः। गिरधः। न। स्व० तवसः। रघु० स्पदः। मृगाः। इव। हस्तिनः। रवाद्यु। वना। यत्। आरुणी०। तवि
षीः। अयुग्मं। सिंहाः। इव। नानदति। प्र० वेतसः। पिशाः। इव। सु० पिशाः। विश्व० वेदसः। क्षपः। जिवंतः
। पृषतीनिः। कुष्ठि० सं। इत्। सु० बार्धः। शर्वसा। अहि० मन्यवः। रोदसी इति। आ। वदत्। गण० श्रि
यः। वृ० सावः। शूराः। शर्वसा। अहि० मन्यवः। आ। वंधुरे०। अमर्तिः। न। दशुति। वि० द्युत। न। तस्वै।

मरुतः । रथे७ । वः । वि० वे० दसः । रथि० निः । सं० उ० कसः । सं० मि० श्यामः । तवि० धीनिः । वि० र० श्विनः । अ
 स्तारः । इ७ । दधिरे । गन० स्तोः । अन० त० शु० आः । दृष० स्वादयः । नरः । ॥ ७ ॥ हिरण्ये० निः । पवि० निः । पयः २
 दृषः । उ० त० जि० वृ० ते । आ० प० थ्यः । न । पर्व० तान् । म० रवाः । अ० या० सः । स्व० स्त० तः । क्र० व० सु० तः । दु० ध० र० तः । म
 रुतः । अ० ज० त० क० दृ० यः । दृ७ । पा० व० कं । व० नि० नं । वि० व० र्ध० णि । रु० द्र० स्य । स्त० उ० ह० व० सा । य० णी० म० सि । र० जः २
 उ० रं । त० व० सं । मा० रु० तं । के० जी० वि० णं । दृ० ष० णं । स० श्रु० त । श्रि० ये । प्रा० उ० सः । म० त्रः । श० व० सा । ज० ना० र । अ० ति । त० स्तो
 वः । रु० ती । म० रु० तः । य० । अ० व० त । अ० व० त० निः । वा० जं । न० र० ते । ध० ना । वृ० निः । ॥ ७ ॥ अ० दृ० ष्यं । क० उ० । आ० हे० ति
 । पु० ष्य० ति । व० र्क० त्यं । म० रु० तः । दृ० त० सु० । दु० स्त० रं । दृ० म० तं । शु० आः । म० य० व० त० सु । ध० रु० न । ध० न० स्त० तं । उ० ब्यं । वि

३ गुणं ।

५५

म० वर्षाणि। नो कं। उष्मे। तनये। ज्ञानं। हिमाः। उ। स्थिरं। मरुतः। वीर० वंते। कृति० सहं। रयिं। अस्मासु। धनं।
 महस्त्रिणं। शतिनं। श्रु० वांसी०॥८॥ पृथ्वा। न। ताद्युं। उहा। वतंतं। नमः। युजानं। नमः। वहंतं। स० जोषाः।
 धीराः। पदैः। अर्चु। मन्। उप। वा। सीदन्। विभे। यजन्नाः। कृतस्या। देवाः। अर्चु। वृता। सुः। उवन्त। परिष्टिः।
 द्यौः। न। भूम॥ वर्धति। ई। आपः। पुवा। सु० विश्वि। कृतस्या। योना। गर्भे। सु० जातं। पुष्टिः। न। रणवा। कृतिः।
 न। रणवा। क्षितिः। पृथ्वा। गिरिः। न। उज्ज्म। क्षोदः। न। श० उ। अत्यः। न। अज्मन्। सर्म० प्रतक्तः। सिंधुः। न।
 क्षोदः। कः। ईस्। वराते। जामिः। सिंधूनां। धाता। इव। स्वस्त्रां। इन्द्रा। न। राजा। वेनानि। अति। यत्। वात०
 जूतः। वना। वि। अस्वात। अत्रिः। हा। दाति। रोम। पृष्टिवाः। अमिति। अश्व० हंसः। न। सीदन्। कवा। चेति

षः। वि॒त्रां। उ॒षः। शु॒त। सो॒मः। ना॒वे॒क्षः। क॒त० प्र॒जा॒तः। प॒शुः। ना॒शि॒श्वो। वि॒भुः। इ॒रे० ना॒। ए॒॥ र॒दिः। ना॒
 वि॒त्रा। स॒रः। ना॒सं॒द॒क॒। आ॒युः। ना॒। प्रा॒णः। नि॒त्यः। सु॒तुः। त॒र्धा। ना॒। चू॒र्म्भिः। व॒ना। सि॒स॒क्ति। प॒यः। ना॒धे
 उः। शु॒चिः। वि॒ना० क॒। दा॒क्षर॒। क्षे॒मं। उ॒कः। ना॒। र॒णवः। य॒वः। ना॒। प॒क्कः। जे॒ता। ज॒ना॒नां। कृ॒षिः। त॒। सु॒धा। वि॒
 क्षु। प्र॒० रा॒स्तः। वा॒जी। ना॒। जी॒तः। व॒यः। दु॒क्ष॒ति। इ॒रो॒क० शौ॒चिः। कृ॒तुः। ना॒। नि॒त्यः। जा॒या॒इ॒वा॒यो॒नौ। अ॒रं
 । वि॒श्व॒स्मै। वि॒त्रः। य॒त॒। अ॒त्री॒ट॒। श्वे॒तः। ना॒। वि॒क्षु। र॒थः। ना॒। रु॒क्म॒। वे॒षः। स॒म॒त० सु॒। से॒ना॒इ॒व॒। सृ॒ष्टा। अ॒मं।
 द॒क्ष॒ति। अ॒सुः। ना॒। दि॒द्य॒त॒। वे॒ष० प्र॒ती॒का। य॒मः। हु॒। जा॒तः। य॒मः। ज॒नि० वं॒। जा॒रः। क॒नी॒नां। प॒तिः। ज॒नी
 नां। तं॒। वः। व॒रा॒था। व॒यं। व॒स॒त्या। अ॒स्तं। ना॒। गा॒वः। न॒क्ष॒ते। इ॒क्षं। सि॒धुः। ना॒। क्षो॒दः। प्रा॒नी॒वीः। ऐ॒तो॒त॒। न॒वं

न। गावः। स्वः। दृशी के॥१०॥ वनेषु। ज्ञायुः। मर्त्रेषु। मित्रः। वृणाते। सुष्टिं। राजा ईव। अनुयं। क्षेमः। न।
 साधुः। क्रतुः। न। नृपः। उर्वत। सु० आधीः। होता। हव्य० वाद्। हस्ते। दक्षर्नः। वृक्षा। विश्वानि। अमे। देवा
 न। क्षत। गुहा। नि० सीदन्। विदंति। ईम्। अत्र। नरः। वियं० क्षः। हृदा। यत्। तृष्टा। मंत्रान्। अत्रांस
 न। अजः। न। दां। दाक्षर। वृष्टिवां। तस्त्रं। द्यां। मंत्रेति। सत्यैः॥ प्रिया। पदानि। पुत्रः। नि। पाहि। वि
 श्व० आद्युः। अने। गुहा। ग्रहं। गाः। यः। ईम्। विकेत। गुहा। नर्वत। आ। यः। सुसादक्ष। मरां। कृतस्य। वि
 ये। वृत्तंति। कृता। सपंतः। अर्त। इत्। वस्तुनि। प्र। ववाव। अस्मे। वि। यः। वीरुत० सु। रोधत। महि० वा
 । उत। प्र० जाः। उत। प्र० स्तुषु। अंतरिति। चित्रिः। अपा। दमे। विश्व० आद्युः। सप्र० इव। धीमः। सं० माय।

वृकुः॥१॥ श्रीगुरु॥ उप॥ स्वात॥ दिव॥ सुरगुः॥ स्वात॥ वरथं॥ अकुरु॥ वि॥ नृसोति॥ परि॥ यत॥ एषां॥ एक
 ॥ विश्वेषां॥ सुवत॥ देवः॥ देवानां॥ महि० वा॥ आत॥ इत॥ ते॥ विश्वे॥ कुरु॥ सुषंत॥ अकुरु॥ यत॥ देव॥ जी
 वः॥ जनिष्ठाः॥ नजंत॥ विश्वे॥ देव० वं॥ नाम॥ कृतं॥ सपंत॥ अमृतं॥ एवैः॥ कृतस्य॥ प्रेषाः॥ कृतस्य॥ प्रेषाः॥
 कृतस्य॥ धीतिः॥ विश्व० आयुः॥ विश्वे॥ अपांसि॥ वृकुः॥ यः॥ उभयं॥ दाशात॥ यः॥ वा॥ ते॥ शिक्षात॥ तस्मै॥ वि
 किचान्॥ रुयिं॥ दयस्व॥ होता॥ नि० सत्रः॥ मतोः॥ अपत्ये॥ सः॥ चित॥ उ॥ आसां॥ पतिः॥ रयाणां॥ इच्छंत
 ॥ रेतः॥ मिथः॥ तद्वृ॥ सं॥ जानत॥ स्वे॥ दक्षैः॥ अश्वरः॥ पिउः॥ न॥ पुत्राः॥ कुरु॥ सुषंत॥ आषन्॥ यो॥ अ
 स्या॥ शासं॥ उरासः॥ वि॥ रायः॥ अ॥ सोति॥ डरः॥ उरु० सुः॥ पिपेना॥ नाकं॥ सृ० मिः॥ दसूनाः॥ ॥१॥ अ॥ कुरु॥

शुशुकारः। उषः। ना। ज्जारः। पु। समीची इति सं० इवी। दिवं। ना। ज्योतिः। परि। प्र०। जातः। क्रवा। बृ। य
। उवः। देवानां। पिता। पुत्रः। सन्। वेक्षः। अर्द्धतः। अग्निः। वि०। जानन्। रुधः। नगोनां। स्वामि। पितृनां।
जने। ना। शेवः। आ०। कुर्यः। सन्। मध्ये। नि०। सन्तः। एव। दुरोणे। पुत्रः। ना। जातः। एव। दुरोणे। वा
जी। ना। प्रीतः। विशः। वि। नारीत। विशः। यत्। अके। रु०। निः। स०। नीला। अग्निः। देव०। वा। विद्या। नि। अ
ग्नाः। नकिः। ते। एता। बृता। मिनंति। रु०। न्यः। यत्। एव। शुष्टिं। चकथ्य। तत्। उ। ते। दंसः। यत्। अर्द्ध।
समानैः। रु०। निः। यत्। युक्तः। विवेः। श्यांसि। उषः। ना। ज्जारः। विना०। का। उस्रः। संज्ञात०। रूपः। विके
तत्। अस्मै। त्मना। वहंतः। दुरा। वि। ज्ज्ञ। एवन्। नवंत। विश्वे। स्वः। दशाके। ॥ १॥ वनेम। पुवीः। अ

यः। मनाषा। अग्निः। सु० शोकः। विश्वानि। अग्निः। आ। दैव्यानि। वृता। विक्किवार। आ। मासुषस्य। जन
 स्य। जन्म। गर्भः। यः। अपां। गर्भः। वनांतां। गर्भः। च। स्वातां। गर्भः। वरणां। अर्धौ। वित्। अस्मै। अंतः।
 दुरोणे। विशां। नाविश्वः। अमृतः। सु० आधीः। सः। हि। क्षपा० वार। अग्निः। रयीणां। दात्रात्। यः। अ
 स्मै। अरं। सु० उक्तेः। एता। विक्किवः। नृम। नि। पाहि। देवानां। जन्म। मर्तात्। व। विद्यात्। वर्धन्। यं। पूर्वा
 ः। क्षपः। वि० स्तूयाः। स्वातः। च। रथं। हृत० प्रचीतां। अराधि। होता। स्वः। नि० सतः। सृएवन्। विश्वानि।
 अपांसि। सत्या। गोषु। प्र० रास्ति। वनेषु। धिषे। नरं। विश्वे। बलिं। स्वः। नः। वि। वा। नरः। पुस० रा।
 सपर्यन्। पिबः। न। शिवेः। वि। वेदः। नरं। साधुः। न। पृथुः। अस्ताइवाश्वरः। याताइवाभीमः। वे

षः। सुमत्० सु॥ १४॥ उप। प्र। जिवन्। उजातीः। उजातं। एतिं। न। नित्यं। जन्मयः। स० नी। न। स्वसा
 रः। अपावी। अरुषी। अजुप्रन्। चित्रं। उबंती। उषसं। न। गावः। वी। उ। चित्। दृष्ट्वा। पितरः। नः। उ
 कैः। अर्धि। रुजन्। अंगिरसः। रवेण। चक्रः। दिवः। दृहतः। गात्रं। अस्मे इति। अहरिति। स्वः।
 विविदुः। केउं। उस्त्राः। दधन्। कृतं। धनयन्। अस्म। धीतिं। आत्। इत्। अर्यः। दिधिष्वः। वि० नृ
 त्राः। अट्ष्यंतीः। अर्पसः। यंति। अञ्ज। देवान्। जन्म। प्रयसा। वर्धयंतीः। मर्थात्। यत्। ईम्। वि
 ० नृत्तः। मातुरिश्वा। एहे० एहे। श्वेतः। जेत्यः। नृत्त। आत्। ई। राज्ञे। न। महीयसे। मची। मन्। आ
 । हुत्वं। नृगवाणः। विवायु। महो। यत्। पित्रे। ई। रसं। दिवे। कः। अर्वा। सरत्। एशान्यः। विक्किवा

२०। सुजन्त। अस्मा। धृषता। दिद्यं। अस्मै। स्वायां। देवः। इहिरि। विषिं। क्षत॥१५॥ स्वे। आ। यः। उभं
 । दमै। आ। वि० नार्ति। नमः। वा। दाशात्। उशतः। अत्र। द्यत्। वर्धे। इति। अग्ने। वयः। अस्मा। द्वि० वहीः।
 यासत्। राया। स० रथं। यं। जुनासि। अग्निं। विश्वाः। अति। एकः। सचंते। समुद्रं। न। स्रवतः। सुप्त। य
 कीः। न। जामि० निः। वि। विकिते। वयः। नः। विदाः। देवेषु। प्र० मतिं। विकिवान्। आ। यत्। इषे
 । रु० पतिं। तेजः। आवट्। शुचि। रतः। नि० सिक्तं। द्यौः। अनीके। अग्निः। गर्धे। अनवद्यं। युवानं। सु
 ० आर्धं। जनयत्। सुदयत्। च। मनः। नायः। अध्वनः। सद्यः। एति। एकः। सत्रा। स्वरः। वस्वः। ई
 रो। राजाना। मित्रावरुणा। सुपाणी इति सु० पाणी। गोष्ठे। प्रियं। अमृतं। रक्षमाणा। मानः। अग्ने।

सुख्या। पित्र्याणि। प्र। मृषिष्यां। अग्नि। विदुः। कुविः। सन्। नन्। न। रूपं। जरिमा। मिनाति। पुरा। तस्या
॥ अग्नि० शस्त्रेः। अधि। इहि॥ ६॥ अर्द्धः॥ ॥ नि। काव्या। वेधसः। वायुतः। कुः। हस्ते। दक्षनः
। नया। पुरुणि। अग्निः। उवत्। रयि० पतिः। रयाणां। सत्रा। चक्राणः। अमृतानि। विष्वा। अस्मे इति
। वसं। परि। संतं। न। विंदन्। इच्छतः। विष्वा। अमृताः। अमृताः। अम० युवः। पद० व्यः। धियं० धाः। त
स्तुः। पदे। पुरमे। चास। अग्नेः। तिस्रः। यत्। अग्ने। नारदः। वा। इत्। शुचिं। द्यातन। शुचयः। सप
र्वात्। नामानि। वित्। दधिरे। यज्ञियानि। असूदयत्। तुर्वः। सु० जाताः। आ। रोदसी इति। वृहती
इति। वेविदानाः। प्र। रुद्रिया। जत्रिरे। यज्ञियासः। विदत्। मत्तः। नेम० धिता। विकिवान्। अग्निं।

पादे। परमे। तस्मि० वां सं० जानानाः। उप। सीदन्। अग्नि० जु। पत्री० वंतः। नमस्यं। नमस्यं निति नमस्य
 न। रिक्तासः। तवः। रुण्वत। स्वाः। सखा। सख्युः। नि० मिषि। रक्षमाणाः॥१॥ त्रि॥ सप्त। यत। गुह्या
 नि। वेदति। इत। पदा। अविदन्। नि० हिता। यज्ञियासः। तेजिः। रक्षंते। अष्टतं। स० जोषाः। पक्षन्।
 व। स्वादन्। चरयं। च। पाहि। विदन्। अग्ने। वयुनानि। क्षितीनां। वि। आनुषक्। शुरुधः। जीवसे।
 क्षः। अंतः। विदन्। अधनः। दिव० यानां। अतं५ः। हतः। अमवः। हविः। स्वादा। सु० आध्यः। दि
 वः। आ। सप्त। यक्षीः। रायः। डुरः। वि। कृत० जाः। अजानन्। विदन्। गव्यं। सरमा। दह्ने। ऊर्वी। येन।
 उ। कं। माउषी। भोजते। विदन्। ये। विश्वा। सु० अपत्यानि। तस्युः। रुण्वानासः। अष्टत० वायं। गाउं।

मक्रा।मरुत०नि।।पृथिवी।वि।तस्ते।माता।पुत्रैः।अदितिः।क्षेयसे।वेरितिवेः।अधि।श्रियं।नि।दुधुः।
वासं।अस्मिन्।दिवः।यत्।अक्षीइति।अष्टता।।अर्क्षएवन्।अध।क्षरंति।सिधवान्।सृष्टाः।प।नीवी।
 ॥अग्ने।अरुषी।।अजानन्।।एण।रथिः।न।यः।पिट्०वित्तः।वयरःक्षः।सु०वर्नीति।।विकिउषः।
 ।न।शसुः।स्पोन०शी।।अतिथिः।न।प्रीणन।।होताइव।सम्रा।विधतः।वि।तारीतादेवः।न।यः।
सत्य०मन्मा।क्रवा।नि०पाति।वृजनानि।विश्वा।पुरु०पुत्रास्तः।अमर्तिः।न।सुत्यः।आत्माइव।
शोः।वः।दिधिषा।कम्पः।भूत।०पृथिवी।विश्वश्च०क्षयाः।उप०क्षेति।हित०मित्रः।न।राजा।पु।
रः।रस्तद।।शोर्म०सदः।न।वीराः।अनवद्या।पतिउष्टाइव।न।रारी।ता।वा।नरः।दमे।आ।नित्यं।इष्टं।

सुविता

देनो त

अग्ने॑ । सर्व॑त । क्षिति॑षु । ध्रुवा॑सु । अधि॑ । कृ॒न्नं । नि । दधुः॑ । नृ॒शि । अ॒स्मिन् । न॒व । वि॒श्व॒० । आ॒युः॑ । ध॒रु॒णः॑ । र॒यौ
 णां । वि॒ष्टः॑ । अ॒ग्ने । म॒घ॒० । वा॒नः॑ । अ॒रु॒पुः॑ । वि॒स्त॒र॒यः॑ । द॒द॒तः॑ । वि॒श्वं । आ॒युः॑ । स॒ने॒म । वा॒जं । सं॒० । इ॒ष्टे
 षु । अ॒र्यः॑ । ना॒गं । दे॒वेषु॑ । श्र॒व॒से । द॒क्ष॒नाः॑ । ॥ १ ॥ क॒त॒स्य॑ । हि॒ धे॒न॒वः॑ । वा॒व॒शा॒नाः॑ । स्म॒त्॒० । र॒क्षीः॑ ।
 पी॒प॒यंत॑ । द्य॒० । न॒क्ताः॑ । प॒रा॒० । व॒तः॑ । सु॒० । म॒ति॑ । नि॒क्ष॒मा॒णाः॑ । वि॒॒सिं॒ध॒वः॑ । स॒म॒या । स॒सुः॑ । अ॒र्द्धि॑ ।
 वे॒द॒ति॑ । अ॒ग्ने । सु॒० । म॒ति॑ । नि॒क्ष॒मा॒णाः॑ । दि॒वि॒ । श्र॒वः॑ । द॒धि॒रे । द॒क्षि॒या॒सः॑ । न॒क्ता॒ । च॒ । च॒ । ऊ॒ः॑ । उ॒ष॒सा
 । वि॒रू॒पे॒ इति॑ वि॒॒रू॒पे । द॒क्ष॒० । च॒ । व॒र्त्म॑ । अ॒रु॒णं । च॒ । सं॒० । धु॒रि॒ति॒धुः॑ । या॒न् । रा॒ये । म॒त्त॒नि॑ । सु॒सू॒दः॑ । अ॒
 ग्ने॑ । ते । स्या॒म । म॒घ॒० । वा॒नः॑ । व॒यं । च॒ । ग॒या॒ इ॒वा॒ । वि॒श्वं । च॒ । व॒नं । सि॒स॒क्षि॑ । आ॒प॒प्ति॒० । वा॒न । रो॒द॒सी॒ इति॑ ।

६५

इति दिक् ॥

अर्वत० निः॥ अग्ने॥ अर्वतः॥ वृ० निः॥ वृत्॥ वीरैः॥ वीरान्॥ वृत्तयाम्॥ वा० ऋताः॥ ईशानासः॥ पितृ० वि
 तस्म॥ रायः॥ वि॥ सुरयः॥ शत० हिमाः॥ नः॥ अशुः॥ एता॥ ते॥ अग्ने॥ उचयानि॥ वेधः॥ जुष्टानि॥ संजु
 ॥ मनसे॥ रुदा॥ च॥ शुकैर्म॥ रायः॥ सु० धुरः॥ यमो॥ ते॥ अधि॥ श्रवः॥ देव० नक्तं॥ दक्षानाः॥ १०॥ उप०
 प्रयंतः॥ अधुरं॥ मित्रं॥ वोवेम॥ अगये॥ आरे॥ अस्मे॥ इति॥ च॥ शृण्वते॥ यः॥ स्नाहितीषा॥ पुर्व्यः॥ सं० जु
 ग्मानासु॥ रुष्टिषु॥ अरक्षत॥ दाशुषे॥ गयं॥ उत्त॥ बुवंतु॥ जंतवः॥ उत्त॥ अग्निः॥ वृत्० हा॥ अजनि॥ धनं
 ० जुयः॥ रणे० रणे॥ यस्म॥ हतः॥ अस्मि॥ क्षये॥ वेधि॥ हव्यानि॥ वीतये॥ दुस्मत्॥ क्षणोषि॥ अधुरं॥ ते॥
 इत॥ सु० हव्यं॥ अंगिरः॥ सु० देवं॥ सहसः॥ य हो॥ इति॥ जनाः॥ आहुः॥ सु० बर्हिषं॥ ११॥ आ॥ च॥ वहा

सि। तान्। इह। देवान्। उपा। प्र० न्। सये। हव्या। सु० वं०। वीतये। न। योः। उप० हिः। अश्वः। शृण्वे। रथस्य।
 कत्। वन। यत्। अग्ने। यासि। इत्यं। वा० ऋतः। वाजी। अरु० यः। अग्नि। श्वे० स्मात्। अप० रः। प्रा० दा० श्वान्।
 अग्ने। अस्मात्। उता। द्य० मत्। सु० वी० र्ये। वृहत्। अग्ने। विवाससि। देवेभ्यः। देव। दा० शु० षे॥ १२॥ जुषस्व
 । स० प्र० यः। शत० मं। वचः। देव० ष० रः। शत० मं। हव्या। जु० कानिः। आ० स० नि। अथ। ते। अ० गिरः। शत० मं। अग्ने। वेधः
 शत० मं। प्रियं। वो० वे० मं। ब्र० ह्म। सा० न० सि। कः। ते। जा० मिः। जना० नां। अग्ने। कः। दा० शु० अध० रः। कः। हा० कं
 स्मिन्। अ० सि। श्रि० तः। वं। जा० मिः। जना० नां। अग्ने। मि० त्रः। अ० सि। प्रि० यः। स० र० ग्या। स० र्वि० न्यः। ई० द्यः।
 य० ज० नः। मि० त्रा० व० रु० णा। य० ज० दे० वान्। कृ० तं। वृ० ह० त्। अग्ने। य० द्दि। स्व० द० मं॥ श्व० का। ते। उप० ० इति॥

मनसः। वराय। सुवत। अग्ने। शं० तमा। का। मनीषा। कः। वा। यज्ञैः। परि। दक्षं। ते। आप। केन। वा। ते।
मनसा। दाशेम। आ। इहि। अग्ने। इह। होता। नि। साद। अदबुः। सु। पुरः। शृता। नवानः। अवतां। वा।
। रोदसी। इति। विश्वमिचेइतिविश्वं० इवे। यज्ञा। महे। सोमनुसाय। देवान्। प्र। सु। विश्वान्। रुक्षसः॥
धक्षि। अग्ने। नवा। यज्ञानां। अग्निनास्ति० पावा। अथ। आ। वह। सोम० पतिं। हरि० त्पां। आतिथ्यां। अ॥
सौ। चरुम। सु० दात्रे। प्रजा० वता। ववसा। वक्तिः॥ आसा। अ॥ वा० ऊवे। नि। च। सस्मि। इहादेवैः॥ वे॥
षि। होत्रं। उत। पोत्रं। यजुत्रं। बोधि। प्र० यंतः। जनितः। वस्तनां। यथा। विप्रस्यामर्चषः। हविः। शनिः॥
। देवान्। अयज्ञः॥ कवि० निः। कविः। सन्। एवा। होतुरिति। सत्य० तरावां। अद्य। अग्ने। मंदया। सुक्तां॥

यजत्वा॥२४॥कथा॥दाशेम॥अनये॥का॥अस्मै॥देव॥नुष्टा॥उच्यते॥नामिने॥गी॥यः॥मर्त्ये॥अष्टतः
 ।कृत०वा॥होता॥यजिषः॥इत॥रुणोति॥देवान्॥यः॥अधुरे॥शं०तमः॥कृत०वा॥होता॥तं॥ऊंइति
 ।नमः॥शनिः॥आ॥रुपुधु॥अग्नि॥यत्॥वे॥मन्त्रा॥देवान्॥सः॥च॥बोक्षति॥मनसा॥यज्जाति॥सः॥हि
 ।क्रुः॥सः॥मर्यः॥सा॥साधुः॥मित्रः॥नानूत्॥अहुतस्य॥रथीः॥तं॥मेधे॥प्रथमं॥देव०यंती॥वि
 शः॥उप॥बुवते॥दस्मं॥आरीः॥सः॥नः॥दृणं॥दृ०तमः॥रिशादाः॥अग्निः॥गिरः॥अवसा॥बुत्तु
 धीति॥तना॥वा॥ये॥मघ०वानः॥शर्विष्ठाः॥वाज०प्रसूताः॥इषयंत॥मन्त्र॥एव॥अग्निः॥गोतमेभिः॥
 कृत०वा॥विप्रतिः॥अस्तोष्ट॥जात०विदाः॥सः॥एष॥दुन्नं॥पीपयत्॥सः॥वाजं॥सः॥पुष्टिं॥याति॥

जोषं। आ। विक्किचार॥२५॥ अग्नि। वा। गोतमाः। गिरा। जात० वेदः। वि० वर्षणो। द्युमैः। अग्नि। प्रानो।
 पुमः। तं। जं इति। वा। गोतमः। गिरा। रायः। रकामः। दुवस्यति। वाज० सातमं। अंगिरस्वत। हवाम
 हे। वा। वृत्रहन्० तमं। यः। दस्मन्। अव० धुवेषे। अर्वाधाम। रक्तगणाः। अग्नये। मधु० मत्। वक्
 ः। वा। रक्ष॥ हिरण्य० केशः। रजसः। वि० सारे। अहिः। धुतिः। वातः। इव। प्रजीमान्। अवि० ब्राजाः। उ
 षसः। नवेदाः। यशस्वतीः। अप्सुर्वः। न। सत्याः। आ। ते। सु० पत्नीः। अमिनंत। एवैः। रुद्रः॥
 नोनाव। वृषभः। यदि। इदं। शिवानिः। न। स्मर्यमानानिः। आ। अगात्। पतंति। मिहः। स्तनयंति
 । अत्रा। यत्। ईर्। कृतस्य। पयसा। पियानः। नयन्। कृतस्य। पृथि० निः। रजिष्ठेः। अयमा। मित्रः॥

वसुणः॥ परिष्ठा॥ ववँ॥ एवँति॥ उपरस्य॥ योनौ॥ अग्ने॥ वाजस्य॥ गो० मतः॥ ईजानः॥ सहस्रः॥ यदो इति॥
 अस्मे इति॥ धेहि॥ जात० विदः॥ महि॥ श्रवः॥ सः॥ इक्षनः॥ वसुः॥ कविः॥ अग्निः॥ ईजेत्यः॥ गिरा॥ रेवत्॥
 अस्मत्तं॥ पुरु० अनीक॥ दीदिहि॥ क्षपः॥ राजन्॥ उत्॥ त्मना॥ अग्ने॥ वस्तोः॥ उत्॥ उपसः॥ सः॥ तिग्म०
 जन॥ रक्षसः॥ दहा॥ प्रति॥ २७॥ अवानः॥ अग्ने॥ अति० निः॥ गायत्रस्य॥ प्र० र्मणि॥ विश्वा॥ सु॥ धी॥
 वि॥ द्य॥ आ॥ नः॥ अग्ने॥ रयि॥ नर॥ सत्रा० सहं॥ वरेण्यं॥ विश्वा॥ सु॥ एत्० सु॥ दुस्तरं॥ सु० वे॥ उना॥ रयि॥
 विश्वा॥ दु० पोषसं॥ मा॥ डी॥ कं॥ धेहि॥ जा॥ वसे॥ प्रा॥ हुताः॥ तिग्म० शो॥ विषे॥ वाचः॥ गो॥ तम॥ अ॥ ग्नये॥ नर॥ स्व॥ सु॥
 न० दुः॥ गिरः॥ यः॥ नः॥ अग्ने॥ अ॥ ति० दा॥ सति॥ अ॥ ति॥ हूरे॥ प॥ दी॥ ष॥ सः॥ अ॥ स्मा॥ कं॥ इ॥ त॥ द्ये॥ भ॥ व॥ स॥

६५

ज्ञानो
 न
 द्वे

हृ॒स्त्र॒ः॒वि॒०॒वर्षाणि॑ः॒अ॒ग्निः॒॑॥२६॥॒॑सि॒॥से॒धुति॒॑होता॒॑॥२७॥॒॑इ॒न्वा॒हि॒॥सोमे॒॑इत॑
॥मदे॒॑ब्र॒ह्मा॒च॒कार॒॑वर्द्ध॑नं॒त्रावि॑ष॒व॒जिन्॒॑उ॒ज॒सा॒॥२८॥॒॑ए॒ष्टि॒म्याः॒॥निः॒॑॥३०॥॒॑अ॒हिं॒अ॒र्व॑न्॒अ॒र्वा॒॥स्व॒०॒रा
ज्यं॒॑॥सः॒॑॥वा॒॥अ॒म॒द॒त्॒॥३१॥॒॑म॒दः॒॑॥सो॒मः॒॑॥३२॥॒॑अ॒न॒॥अ॒न॒॥३३॥॒॑सु॒तः॒॑॥ये॒न॒॑॥३४॥॒॑अ॒त॒॥३५॥॒॑जु॒घं॒घा॑
व॒जिन्॒॑३६॥॒॑उ॒ज॒सा॒॑॥३७॥॒॑इ॒हि॒॥अ॒ग्नि॒॑॥३८॥॒॑इ॒ह॒॥३९॥॒॑ना॒ते॒॥४०॥॒॑व॒ज्रः॒॑॥४१॥॒॑नि॒॥यं॒॑स॒ते॒॥४२॥॒॑इ॒न्द्र॒॑॥४३॥॒॑इ॒न्द्र॒॑॥४४॥॒॑हि॒॥४५॥॒॑त्रा॒वः॒॑॥४६॥॒॑ह॒नः॑
॥४७॥॒॑ज॒याः॒॑॥४८॥॒॑अ॒पः॒॑॥४९॥॒॑निः॒॑॥५०॥॒॑इ॒न्द्र॒॑॥५१॥॒॑अ॒धि॒॑॥५२॥॒॑इ॒न्द्र॒॑॥५३॥॒॑जु॒घं॒घा॒॑॥५४॥॒॑निः॒॑॥५५॥॒॑द्वि॒वः॒॑॥५६॥॒॑सृ॒ज॒॥म॒रु॒च॒तीः॒॑॥५७॥॒॑अ॒र्वा॒जी॒व
०॒ध॒न्माः॒॑॥५८॥॒॑इ॒माः॒॑॥५९॥॒॑अ॒पः॒॑॥६०॥॒॑इ॒न्द्रः॒॑॥६१॥॒॑इ॒न्द्र॒॑॥६२॥॒॑दो॒ध॒तः॒॑॥६३॥॒॑सा॒॥६४॥॒॑व॒ज्रे॑ण॒ही॒लितः॒॑॥६५॥॒॑अ॒ग्नि॒॑॥६६॥॒॑अ॒र्वा॒॥६७॥॒॑जिघ्र॑ते॒॥
अ॒पः॒॑॥६८॥॒॑स॒र्मा॒या॒॥६९॥॒॑चो॒द॒य॒न्॥७०॥॒॑॥७१॥॒॑अ॒धि॒॑॥७२॥॒॑सा॒नौ॒॑॥७३॥॒॑जिघ्र॑ते॒॥७४॥॒॑व॒ज्रे॑ण॒॥७५॥॒॑श॒त॒॥७६॥॒॑प॒र्व॒णा॒॑॥७७॥॒॑मं॒दा॒नः॒॑॥७८॥॒॑इ॒न्द्रः॒॑॥७९॥॑

अंधसः॥ सखि० न्यः॥ गा३॥ इति॥ ॥ इ३॥ उच्यं॥ इत्॥ अ३॥ वः॥ अ३॥ तं॥ वज्रि३॥ वी३॥ यत्॥ ह॥ त्पं॥ मा
 थि३॥ न॥ ३॥ गं॥ तं॥ ऊं॥ इति॥ वं॥ मा३॥ य३॥ य३॥ अ३॥ व३॥ धीः॥ ॥ वि३॥ ते॥ वज्रा३॥ सः॥ अ३॥ स्त्रि३॥ र३॥ न३॥ व३॥ ति३॥ ना३॥ व्याः॥ अ३॥ उ३॥ म३॥ ह
 त्॥ ते॥ इ३॥ द्र॥ वी३॥ यं॥ वा३॥ क्रोः॥ ते॥ व३॥ नं॥ हि३॥ तं॥ ॥ स३॥ ह३॥ स३॥ सा३॥ कं॥ अ३॥ व३॥ ति३॥ परि३॥ स्तो३॥ न३॥ त॥ वि३॥ श३॥ तिः॥ ज्ञा३॥ ता॥ ए
 नं॥ अ३॥ उ३॥ अ३॥ नो३॥ न३॥ उ३॥ इ३॥ द्रा३॥ य३॥ व३॥ लं॥ उ३॥ न॥ य३॥ तं॥ ॥ इ३॥ द्र॥ ह३॥ त्र३॥ स्या३॥ त३॥ वि३॥ धी॥ निः॥ अ३॥ ह३॥ न॥ स३॥ ह३॥ सा॥ स३॥ हः॥ म
 ह३॥ त॥ त॥ अ३॥ स्या३॥ पो३॥ स्यं॥ ह३॥ त्रं॥ ज३॥ द्य३॥ वा३॥ न॥ अ३॥ स३॥ ज३॥ त॥ ॥ ३०॥ इ३॥ मे३॥ इति॥ वि३॥ त्॥ त३॥ वं॥ म३॥ न्य३॥ वे॥ वो३॥ पे३॥ ते३॥ इति॥ श्रि
 य३॥ सा॥ म३॥ ह३॥ इति॥ य३॥ त॥ इ३॥ द्र॥ वज्रि३॥ र३॥ उ३॥ ज३॥ सा॥ ह३॥ त्रं॥ म३॥ रु३॥ वा३॥ न॥ अ३॥ व३॥ धीः॥ ॥ न॥ वे३॥ प३॥ सा॥ न॥ त३॥ न्य३॥ ता॥ इ३॥ द्रं॥
 ह३॥ त्रः॥ वि३॥ वी३॥ न३॥ य३॥ त॥ अ३॥ ति॥ ए३॥ नं॥ वज्रः॥ अ३॥ य३॥ सः॥ स३॥ ह३॥ स॥ नृ३॥ षिः॥ अ३॥ य३॥ त॥ ॥ य३॥ त॥ ह३॥ त्रं॥ त३॥ वं॥ वा३॥ अ३॥ श

निम्न। वज्रेण। संश्रयो धयः। अहि। इन्द्र। जियो सतः। दिवि। ते। वधधे। शर्व। ॥ अग्नि० स्तनो। ते। अदि० व
 ॥ यव। स्वाः। जगत्। च। रेजते। वृष्टा। वित्। तव। मन्यव। इन्द्र। वेविज्यते। निया। ॥ नहि। उ। या
 त्। अधि० इमसि। इन्द्र। कः। वीर्या। परा। तस्मिन्। वृष्टं। उत। क्रतुं। देवाः। उजांसि। सं। दधुः
 ॥ यां। अथर्वा। मनुः। पिता। दध्यङ्। धियो। अन्नत। तस्मिन्। ब्रह्माणि। पूर्वया। इन्द्रे। उक्ता। सं। अग्न
 ता। ॥ ३१॥ पंचमोऽध्यायः समाप्ताः॥ ॥ इन्द्रः। मदाय। वधधे। शर्वसे। वृत्रहा। वृ० निः। तं। इन्द्र।
 महत्० सु। अजिष्ठ। उत। ईम्। आर्जु। हवामहे। सः। वाजेषु। प्र। नः। अविषत्। असि। हि। वीर। से
 न्यः। असि। नूरि। परा० ददिः। असि। दध्रस्य। वित्। वधः। यजमानाय। निहसि। सुवाते। नूरि। ते।

। वसु । यत् । उत । ईरात । आजयः । धृषवे । धीयते । धना । युद्ध । मद । व्यता । हरी इति । कं । हन । कं ।
 वसौ । दधः । अस्मान् । इन्द्र । वासौ । दधः । क्रवा । महान् । अत्रु । स्वधे । लीमः । आ । बृधे । शवः । श्रिये ।
 क्रषः । उपाकयोः । नि । शिप्री । हरि । वान् । दधे । हस्तयोः । दन्ने । आयसं । आ । पप्रौ । पार्थिवं । रजः ।
 ब्रधे । रोचना । दिवि । नावा । वान् । इन्द्र । कः । चना । ना । ज्ञातः । ना । जनिष्यते । अति । विश्वं । ववक्षिय ॥ १ ॥
 योः । अर्यः । मर्तं । नो जने । परा । ददाति । दाशुषे । इन्द्रः । अस्मभ्यां । शिद्धु । वि । नज् । नूरि । ते । वसु । न
 क्षीय । तवा । राधसः । मादं । मादा । हि । नः । दहिः । दूया । गवां । क्रजु । क्रजुः । सं । गृन्नाय । पुरु । शता ।
 उभयाहस्त्रा । वसु । शिशुहि । रायः । आ । नरा । मादयस्व । सुते । सवा । ज्ञावासा । शूर । राधसे । विष्म । हि

द
 दध

वा। उरु। वसु। उप। कामान्। मसृज्महे। अथानः। अविता। नवापते। ते। इन्द्र। जेनकः। विश्वं। उष्यंति। वा
 द्यम्। अतः। हि। रघः। जनानां। अर्यः। वेदः। अदाशुषां। तेषां। नः। वेदः। आ। नरः॥२॥ उपोदति। सु। श्रु।
 पुहि। गिरः। मघं। वन्। मा। अतथाः। इवा। यदा। नः। सृष्टतां। वतः। करः। आत्। अर्थयासे। इत। योज
 । उ। इन्द्र। ते। हरी। इति। अक्षन्। अमी। मदंत। हि। अवा। प्रियाः। अधृषत। अस्तो। षत। स्व०। नानवः। विना
 । नविषया। मती। सु०। संवृशां। वा। वयं। मघं। वन्। वंदिषीमहि। प्रा। नूनं। पुर्ल०। बंधुरः। सुतः। याहि
 । वशान्। अशु०। सः। च्वातं। वृषणं। रथं। अधि। तिष्ठाति। गो०। विदं। यः। पात्रं। हारि०। योजनं। पुर्ल०। इन्द्र
 विकेतति। सुक्तः। ते। असु। दक्षिणः। उत। सव्यः। शतक्रतो। इति। शत०। क्रतो। तेन। जायां। उप। प्रियां।

प्रापः

मंदारः। वाहि। अंधसः।०। युनजि। ते। वसणा। केचिना। हरा इति। उपा। वाहि। दधिषे। गनस्यो
॥ उर। वा। सुतासः। रनसाः। अमंदिषुः। सषण्। वान्। वज्रित्। सं। अं इति। पन्ना। अमदः॥ ३॥ अ
श्व० ति। प्रथमः। गोष्ठ। गवति। सुप्र० अवीः। इन्द्र। मर्त्यः। तवा। अति। निः। तं। इतर। एणहि। वसुना। न
वीयसा। सिंधुर्। आपः। यथा। अनितः। वि० चेतसः। न। देवीः। उपा। यंति। होत्रियं। अवः। पश्यंति। वि०
ततं। यथा। रजः। प्राचैः। देवासः। प्र। नयंति। देव० युं। वृत्त० धियं। जोषयंति। वराः। इवा। अधि। द्वयो
॥ अदक्षः। उद्यो। वरः। यत० सुवा। मिथुना। या। सपयंतः। असं० यतः। वृते। ते। क्षेति। सुषति। नश
। शक्तिः। यजमानाय। सुवते। आन। अंगिराः। प्रथमं। दधिरे। चयः॥ इह० अयः॥ नाम्ना। ये। सु०

६६

चत्वारः। सर्वम्। पणः। सं। अविदंत। नो जने। अश्वं। वंते। गो० मंतं। आ। पशुं। नरः। यज्ञेः। अथर्वा। प्र
 थमः। पथः। ततो। ततः। सूर्यः। वत० पाः। वेतः। आ। अजनि। आ। गाः। आजन्। उशना। का। यः।
 सचा। यमस्य। ज्ञातं। अमृतं। यजामहे। बर्हिः। वा। यत्। सु० अपत्याय। वृज्यते। अर्कः। वा। शो
 कं। आ० द्योषते। दिवि। गावा। यत्र। वदति। कारुः। वृक्षः। तस्य। इतर। इदं। अग्नि० पित्रे। र
 एपति॥४॥ असावि। सोमः। इदं। ते। शविष्ठ। धृलो इति। आ। गहि। आ। वा। एणक्तु इदं। रजः।
 सूर्यः। न। रश्मि० निः। इदं। इतर। हरी इति। वहतः। अथति धृष्ट० शवसं। कषीणां। च। सुतीः। उ
 पायज्ञं। वा। मातृषाणां। आ। तिष्ठ। वृ० हन्। रथं। युक्ता। ते। वत्सणा। हरी इति। अवधीनं।

६८
सु। ते। मनः। शवा। हणो३। वधुना। इमं। इन्द्र। सुतं। पिब। ज्येष्ठं। अमर्त्यं। मदं। शुक्रस्य। वा। अग्नि। अ
हरन्। क्षराः। कृतस्य। मदने। इन्द्राय। नृने। अर्चतु। उक्तानि। वा। ब्रवीतन। सुताः। अमस्तुः। इन्द्रवः।
ज्येष्ठं। नमस्तुत। सहः॥५॥ नकिः। वरा। रथि० तरः। हरी इति। यत्। इन्द्र। यममे। नकिः। वा। अत्रु
। मज्मना। नकिः। सु० अश्वः। आनरो। यः। एकः। इतः। वि० दयते। वसु। मर्त्रीया। दाशुषे। इज्ञानः। अ
प्रति० कृतः। इन्द्रः। अंग। कदा। मर्तम्। अराधसे। पदा। कुंपेइव। स्फुरत्। कदा। नः। शुश्रवत्। गिरः
। इन्द्रः। अंग। यः। चित्। हि। वा। वज्र० मः। आ। सुत० वान्। आ० विवामति। उग्रं। तत्। पत्यते। शवः
। इन्द्रः। अंग। स्वादोः। इन्द्रा। विप्र० वतः। मध्वः। पिबन्ति। गोर्धः। याः। इन्द्रेण। स० यावरीः। वृक्षा। म

दति। शोभते। वस्तीः। अत्र। स्वराज्यं॥ दत्ताः। अस्मादृशान् युवः। सोमं। श्रीणंति। धर्मयः। प्रियाः।
 इन्द्रस्य। धेनुवः। वज्रं। हिवंति। मायकं। ताः। अस्मान्मसा। सह। सपर्यंति। प्रवेतसः। व्रतानि।
 अस्मा। सश्विरे। पुरुणि। पूर्व। वित्तये। इन्द्रः। दधीवः। अस्मन्निः। दृत्राणि। अघति० सुतः। जद्या।
 नानवतीः। नव। इन्द्र। अश्वस्य। यत्। शिरः। पर्वतेषु। अप० श्रितं। तत्। विदत्। शर्यणे० वति। अत्र
 । अहो। गोः। अमवत। नाम। बहु॥ अपीयं। इन्द्रा। वंदमसः। गृहे॥ शाकः। अघ। बुद्धे। धुरि। गाः। कृतस्य
 । शिमी० वतः। नामिनः। दुःश्रुणायन्। आसन्० इक्षन्॥ हस्तु० असः॥ मयुः० शनूनायः॥ एषां
 । नृत्यां। कृणधत्। सं। जीवात्। कः। इषते। उज्यते। कः। विनाया। कः। संसते। संत। इन्द्रा० कः। अंतिकः॥

५५

三

ये १३

नयंतः। इन्द्रियं। अधि। श्रियः। दधिरे। दधि। मातरः। गो० मातरः। यत्। शुभं यते। अंजि० निः। तश्च
। शुभ्राः। दधिरे। विरुक्मंतः। बाधते। बाधते। विश्वं। अति० मातिनम्। अर्प। वत्सनि। एषां। अर्वा
यात्। हतं। वि०। अजी० ते। सु० मरवासः। रुष्टि० निः। पु० चवयंतः। अर्कता। चित्। जि० सा। मन्
। शुभः। यत्। मरुतः। रथे०। आ० वृष० वातासः। वृषतीः। अयु०। यत्। रथे०। वृषतीः। अ
युधं। वाजे। अर्दि। मरुतः। रं० यंतः। उत। अरुषस्य। वि० संपति। क्षराः। चर्म० इव। उद० निः। वि० उदं
ति। भू०। आ० वः। वह०। समयः। र०। स्पदः। र०। प०। नः। प्र०। जिगात्। बाहु०। निः। सीदत। आ०
बर्हिः। उरु०। वः। स०। दः। कृतं। मादय०। मरुतः। मधुः। अ० ध० सः। ए०। ते। अ० व० ध०। त०। स्व० त० व० सः। म० हि०

देना। आ। नाकं। तस्युः। उरु। चक्रिरे। सदः। विलुः। यत्। हा। आवत्। वृषणं। मद० कृतं। वयः। न। सीद
 ना। अधि। बर्हिषि। प्रिये। श्वराः। उद्वा इत्। युयुधयः। जग्मयः। श्वस्ववः। न। एतनासु। येतिरे।
 नयते। विश्वा। सुवना। मरुत० न्यः। राजानः। इवा। वेष० संदशः। नरः। चष्टा। यत्। वज्रं। सु० रतं।
 हिरण्यं। मरुत० नृष्टिं। सु० अपाः। अवर्तयत्। धत्ते। इन्द्रः। नरि। अपांसि। कर्तवे। अहत्। वृत्रा
 निः। अपां। अक्रत॥ अस्मवं। नृष्टी। उज्ज्वे। अवतं। ते। उजसा। ददृहाणं। धित्। विनिदुः। विमेव
 तः। धर्मतः। वाणं। मरुतः। सु० दानवः। माद। सोमस्य। रण्यनि। चक्रिरे। जित्। उज्ज्वे। अवतं। त।
 या। दिशा। अमिंचत्। उज्ज्वे। गोतमाय। हस्त० जे। आ। गच्छति। ई। अवसा। चित्र० नानवः। कामं। वि

प्रस्य। तर्पयंत। क्षमं निः। या। वः। शर्म। शशमानाय। संति। त्रि० क्ष० नि। दाशुषे। यचत। अवि। अस्म।
 न्यं। तानि। मरुतः। वि। यंत। रयि। नः। धन्ना। दृषणः। सु० वीरं। १५॥ मरुतः। यस्य। हि। क्षये। पाथ। दि
 वः। वि० महसः। सः। सु० गोपातमः। जतः। याज्ञेः। वा। यज्ञ० वाहसः। विषस्य। वा। मतीनां। मरुतः। शृणु
 तः। शृणुताहवो। उत। वा। यस्य। वाजिनः। अत्र। विषं। अतक्षत। सः। गंता। गो० मति। ब्रजे। अस्म। वी
 रस्य। बहिषि। सुतः। सोमः। दिविष्टिषु। उक्कं। मदः। चाशोस्मात। अस्म। श्रोषंउ। आ। उवः। विष्वाः। यः।
 वर्षणीः। अत्रि। सूरं। वित। सुसु। षीः। इषः। ११॥ सुवीनिः। हि। ददाशिम। रत० निः। मरुतः। वयं। अवः।
 रजिः। वर्षणीनां। सु० नगः। सः। प्र० यज्यवः। मरुतः। असु। मर्त्यः। यस्य। प्रयांसि। पर्वथ। शशमा

नस्य। वा। नुरः। स्वेदस्य। सत्य० शवसः। विदो कामस्य। वेनतः। ह्यं। तत्। सत्य० शवसः। आविः। कृती महि
 ० वना। विध्यत। वि० द्यता। रक्षः। रूहता। ग्रहं। तमः। वि। द्या। त। विश्वं। अत्रिणं। ज्योतिः। कृती यत्। उ
 शमसि। १२। प्र० वक्षसः। वतवसः। वि० रश्मिः। अननताः। अविद्युराः। कृती विणः। उष्ट० तमा
 सः। श० तमासः। अंजिगमिः। वि। आनजे। के। वित्। उस्त्राः। इव। सृ० मिः। उप० करेष्ठ। यत्। अविधं।
 ययिं। वयः। इव। मरुतः। केन। वित्। पथा। श्रोतंति। कोजाः। उप। वः। रथेष्ठ। आ। वृत्तं। उक्षत।
 मधु० वलं। अर्वातं प्र। एषां। अज्मेषु। विद्युरा इव। रेजते। नृमिः। यामेषु। यत्। हा। वुंजते। शुभे। ते।
 कीलयः। धुनयः। प्राजत्० रुष्टयः। स्वयं। महि० वं। पुनयंत्। धृतयः। सः। हि। स्व० सृत्। एषत्०

अश्वः। युवागुणः। अया। ईशानः। तविषोनिः। आ० वृत्तः। असि। मत्पः। कृणु० यावा। अनेद्यः। अ।
 स्याः। धियः। प्र० अविता। अथ। वषा। गणः। पित्रः। पुत्रस्य। जन्मना। वदामसि। सोमस्य। जिह्वा। प्र।
 जिगति। वक्षसा। यत्। ईश। इंदं। शमि। कृष्णः। औ० आता। आत्। इत्। नामानि। यज्ञियानि। दधि
 रो। श्रियासा। कं। नानु० निः। सं। मिमिक्षिरोते। रश्मि० निः। ते। कृक० निः। सु० स्वादयः। ते। वाशी० मं
 तः। इमिणः। अनीश्वः। विद्। प्रियस्य। मासतस्य। धाम्नः। ॥ १॥ आ। विद्यन्ते० निः। मरुतः। सु०
 अर्कैः। रथेनिः। यातः। कृष्टिमत्० निः। अश्व० पत्नेः। आ। वर्षिष्या। नः। इषा। वयः। न। पतत। सु० मा
 याः। ते। असुरेनिः। वेरा। आ। पिशा० ॥ पुने। कं। यांति। रघु० रश्मिः। आश्वेः। रुक्मः। न। चित्रः। स्व

धिति० वान० पय्या० रथस्य० जयनंत० नृम० श्रिया० कं० वः० अधि० तनू० वाशाः० मेधा० वना० ना० अण्वं
 ते० नृर्वा० युष्मन्० कं० मरुतः० सु० जाताः० उवि० क्कमासः० धनयंते० अदि० अहानि० यथाः० परि० आ० कं०
 अगुः० इमा० धियं० वा० कर्मा० वा० देवा० वस० रुण्वेतः० गोतमासः० आ० कैः० नृर्वा० नृनु० अ० धि०
 पिव० ध्ये० एत० त० न० योजनं० अवेति० म० स्वः० ह० य० म० मरुतः० गोतमः० वः० प० प० हिरण्य० चक्रा
 न० अयः० श० द० दान० वि० क्षवतः० वरा० क० र० एषा० स्या० वः० म० मरुतः० अ० नृ० नृ० इति० स्तो० नृ० ति० वा० प० य० तः०
 ना० वा० णी० अ० स्तो० न० य० त० द० द्या० आ० सो० अ० उ० स्व० धा० ग० न० त्सोः० ॥ १५ ॥ आ० न० न० प्राः० क० र्त० वः० यं० नृ० वि० श्व० तः०
 अ० द० द्या० मः० अ० प० रि० इ० ता० सः० उ० त० नि० दः० दे० वाः० नः० द० द्या० स० दं० इ० त० रु० धे० अ० स० नृ० अ० प० आ० यु० वः० ॥ १६ ॥

क्षितारः॥ दिवे० दिवे॥ देवानां॥ नृपा॥ सु० मतिः॥ ऋ० युतां॥ देवानां॥ गतिः॥ अ० नि० नि॥ वर्त्ततां॥ देवानां॥
 मरुतः॥ उ० प॥ सेदि० म॥ वयं॥ देवाः॥ नः॥ आयुः॥ प्रा० तिरुं॥ जीवसे॥ तान्॥ पर्वया॥ नि० विदा॥ ह० महे॥ वयं॥ न
 गं॥ मित्रं॥ अ० दितं॥ दक्षं॥ अ० सिधं॥ अ० र्यमणं॥ वरुणं॥ सोमं॥ अ० श्विनां॥ सरस्वती॥ नः॥ सु० नगा॥ मयः॥ क
 रतानः॥ वातः॥ मयः॥ शु० वा०॥ तेषां॥ तत्॥ माता॥ पृथिवी॥ तत्॥ पिता॥ द्यौः॥ तत्॥ यावाणः॥ सोम० सुत
 ॥ मयः॥ शु० वः॥ तत्॥ अ० श्विना॥ शृ० गतं॥ धि० म्या॥ यु० वं॥ तं॥ ई० शानं॥ ज० म० तः॥ त० सु० षः॥ पति॥ धि० यं॥ जि० वं॥ अ
 द० सो॥ ह० महे॥ वयं॥ पु० षा॥ नः॥ यथा॥ वेद० सां॥ अ० स० त॥ द० धे॥ नृ० क्षिता॥ पा० युः॥ अ० द० वः॥ स्व० स० ये॥ ॥ १५ ॥ स्व०
 स्ति॥ नः॥ इ० दं॥ द० ध० अ० वा॥ स्व० स्ति॥ नः॥ पु० षा॥ वि० श्व० वे० दा॥ स्व० स्ति॥ नः॥ ता० द्यः॥ अ० रि० ष० वे० ने० मिः॥ स्व० स्ति॥

नृ॥ ४

नः॥ इहस्पतिः॥ दधन्॥ धन्॥ अथाः॥ मरुतः॥ इति॥ मातरः॥ शुभ्रं॥ यावानः॥ विदधे॥ पु॥ जग्मयः॥ अ
 नि॥ जिह्वाः॥ मनवः॥ सूर॥ वक्षसः॥ विश्वे॥ नः॥ देवाः॥ अवसा॥ आ॥ गमन्॥ इह॥ नदं॥ कर्मेति॥ शृणुया
 म॥ देवाः॥ भद्रम्॥ पश्येम॥ अह॥ तिः॥ यजत्राः॥ स्त्रिरेः॥ अंगैः॥ उ॥ सु॥ वांसः॥ तद्वतिः॥ वि॥ अ॥ शो॥ मा॥ दे
 व॥ हितं॥ यत्॥ आयुः॥ ज्ञातं॥ इत्॥ उ॥ शारदः॥ अ॥ ति॥ दे॥ वाः॥ यत्र॥ नः॥ चक्र॥ जरमं॥ तद्वनो॥ पुत्रासः
 ॥ यत्र॥ पितरं॥ भव॥ ति॥ मा॥ नः॥ म॥ ध्म॥ रि॥ रिषत्॥ आयुः॥ गंतोः॥ अ॥ दि॥ तिः॥ द्यौः॥ अ॥ दि॥ तिः॥
 अ॥ दि॥ तिः॥ अ॥ त॥ रि॥ दं॥ अ॥ दि॥ तिः॥ मा॥ ता॥ सः॥ पि॥ ता॥ सः॥ पु॥ त्रः॥ नि॥ श्वे॥ दे॥ वाः॥ अ॥ दि॥ तिः॥ पंच॥ ज॥ नाः
 ॥ अ॥ दि॥ तिः॥ ज्ञा॥ तं॥ अ॥ दि॥ तिः॥ ज॥ नि॥ वं॥ ॥ १६॥ अ॥ ध्वे॥ ध्म॥ यः॥ ॥ ॥ रु॥ नु॥ नी॥ ती॥ नः॥ व॥ रु॥ णः॥ मि

नः॥ नय३॥ विहान॥ अयमा॥ देवैः॥ सु० जोषाः॥ ते॥ हि॥ वस्वः॥ वसवानाः॥ ते॥ अ० प्र० मूराः॥ महस्मिः॥ ब्र
 ता॥ रुहंते॥ विश्वाहाते॥ अस्मन्म॥ शर्म॥ यंसु॥ अमृताः॥ मर्त्येभ्यः॥ बाधमानाः॥ अपाविषः॥ वि॥ नः॥ प
 थः॥ सुविताय॥ वियं३॥ इन्द्रः॥ मरुतः॥ पुषा॥ भगः॥ वेद्यासः॥ उता॥ नः॥ धियः॥ गो० अ० आः॥ पृषन्॥ वि
 स्तोइति॥ एव० यावः॥ कर्त॥ नः॥ स्वस्ति० मतः॥ ॥ १७ ॥ मधु॥ वाताः॥ कृत० यातो मधु॥ क्षरन्ति॥ सिंधवः॥
 माधीः॥ नः॥ स३॥ उषधीः॥ मधु॥ नक्तं॥ उत॥ उषसः॥ मधु० मत्॥ पार्थिवं॥ स्नः॥ मधु॥ द्यौः॥ असु॥ नः॥ पि
 ता॥ मधु० मार॥ नः॥ वनस्पतिः॥ मधु० मार॥ असु॥ सूर्यः॥ माधीः॥ गावः॥ नव३॥ नः॥ शं॥ नः॥ मित्रः॥
 शं॥ वरुणः॥ शान॥ नः॥ नव३॥ अयमा॥ शं॥ नः॥ इन्द्रः॥ वृहस्पतिः॥ शं॥ नः॥ विलुः॥ उरु० क्रमः॥ ॥ १८ ॥

वं। सोम। प्र। विकितः। मनाषा। वं। रजिष्ठं। अजानेपि। पथां। तव। प्र० नाती। पितरः। नः। इंदो इति। देवेषु।
 रत्नं। अन्नजंत। धीराः। वं। सोम। क्रव० निः। सु० क्रवः। नूः। वं। दक्षैः। सु० दक्षः। विश्व० वेदाः। वं। वृषा।
 वृष० वेनिः। महि० वा। धुमेनिः। धुमी। अन्नवः। वृ० वक्षः। राज्ञः। उ। ते। वरुणस्य। वृता नि। वृहत्।
 गन्तारं। तव। सोम। क्षमा। अविः। वं। असि। प्रियः। न। मित्रः। दक्षाव्यः। अयमाश्व। असि। सोम। या।
 ते। क्षमानि। दिवि। या। पृथिव्यां। या। पर्वतेषु। उषधीषु। अ० सु। तेनिः। नूः। विश्वैः। सु० मनाः। आ
 ह० जन्। राजन्। सोम। प्रति। हव्या। गन्ताय। वं। सोम। असि। सत्० पतिष्वं। राजा। उत। वृत्र० हा। वं।
 स० दः। असि। क्रवः। ॥ १५ ॥ वं। वं। सोम। नः। वशः। जीवाञ्च। न। म० रा० म० हे। प्रिय० स्तोत्रः। वनस्पतिः।

। चं । सोमं । ह । नगं । चं । यूनैः । कृतं । युते । दक्षं । दक्षसि । जीवसे । चं । नः । सोम । विश्वतः । रक्षं । राजन् । अ
 धुं । युतः । न । रिषेत् । वा । वतः । सर्वा । सोम । याः । ते । मयः । श्रुवः । नृतयः । संति । दशुषे । तानिः । नः ।
 अविता । नव । इयं । यज्ञं । इदं । वचः । जुजुषाणः । उप । आगहि । सोम । चं । नः । वृधे । नव । ॥ १० ॥ सोम ।
 गीः । शनिः । वाधेयं । वर्धयामः । वचः । श्विदः । सु । मृलीकः । नः । आ । विश्वा । गयुं । स्फानः । अमीव । हा ।
 वसु । वित् । पुष्टिं । वर्धनः । सु । मित्रः । सोम । नः । नव । सोम । रं धि । नः । हृदि । गावः । न । यवसिष्ठ ।
 आ । मर्यः । इवास्व । उको । यः । सोम । सख्ये । तव । रुराणत् । देव । मर्त्यैः । ते । दक्षः । सवते । कविः । उरु
 ष्य । नः । अग्निं । शीतः । सोम । नि । पाहि । अंहसः । सर्वा । सु । शोवः । एधि । नः । ॥ ११ ॥ आ । ध्या । यस्व । सोम ।

८ उाते। विश्वतः॥ सोम। वृत्त्यां नवा। वाजस्य। सं० गद्ये। आ० ध्यस्व। मदि० तम। सोम। विश्वेति॥ अ० नि॥ नवा० नः॥
 सुश्रवः शतमः॥ सरवा। वृधे। सं। ते। पयांसि। सं। अ० इति। यं० वाजासं। वृत्त्यानि। अ० निमाति० महः॥ आ० प्या
 यमानः॥ अ० मृताय। सोम। दिवि। अवांसि। उ० त० मानि। धि० व। ग० हविषा। यज० ति। ता। ते। विश्वा। परि० नू॥ अ० सु
 यज०। ग० य० स्फानः॥ प्र० तराणः॥ सु० वीरः॥ अ० वीर० हा० प्र। चर। सोम। उ० र्यानि। सोमः॥ धे० उं। सोमः॥ अ० वेतं। आ
 उं। सोमः॥ वीरं। कर्मण्यं। ददाति। सद० न्यं। विद० ष्यं। स० नेयं॥ पि० ट० श्रवणं। यः। ददा० शत। अ० स्मै॥ शशा० अ
 मा० ल्हं। सु० त० सु। पु० त० नासु। प० पिं। स्वः। श० साम्। अ० श्रां। वृ० जन० स्या। गो० पां। न० रे० सु० जां। सु० क्षितिं। सु० श्रव० सं। ज
 यं० तं। वां। अ० उ०। म० दे० म०। सोम। वं। इ० माः॥ उ० ष० धीः॥ सोम। विश्वाः॥ वं। अ० पः॥ अ० जन० न० यः॥ वं। गाः॥ वं। आ० त० तं० यः॥

उरु। अंतरिक्षं। वां। ज्योतिषा। वि। तमः। ववयु। देवेन। नः। मनसा। देव। सोम। रायः। नागं। सहसा० वरु।
 अग्नि। युध्वा। मा। त्वा। आ। तनन्। ईजिषे। वीर्यं। उन्नयेन्मः। प्र। धि। किम्। गो० इष्टौ॥ २३॥ एताः। जंइति
 । त्याः। उषसः। केतुं। अक्रत। पूर्वे। अर्धे। रजसः। नातुं। अंजते। निःश्वावाः। आयुक्षनिश्वा० धृषवः। प्र
 ति। गावः। अरुषीः। यंति। मानरः। उरु। अपरु। अरुणाः। मानवः। वृथा। सु० आतुजः। अरुषीः। गाः। अयु
 क्षत। अक्रत। उषसः। वदुनानि। पूर्व० यो। स्रजंति। नातुं। अरुषीः। अशिष्युः। अर्वेति। नाराः। अपसः। ना
 विष्टि० निः। समानेन। योजनेन। आ। पुरा० वतः। इषं। वहंतीः। सु० र्कते। सु० दानवे। विश्वा। इत। अहं।
 यजमानाय। सुवते। अधि। पेशांसि। वपुते। वृत्रः। इव। अपो। ऊसुति। वक्षः। उमाइव। वृजं। ज्योतिः।

दिष्ट्यसौ। उर्वनाय। कृण्वती। गावः। न। वृजं। वि। उषाः। आदुरित्वावः। तमः। पति। अविः। सन्नात। अस्याः। अद
 क्षी। वि। तिष्ठते। बाधत। कृष्णं। अर्चं। स्वसं। नापेक्षाः। विदयेष्ट। अंजनं। वित्रं। दिवः। इहिता। नात्रं। अश्वेत। ॥ १५ ॥
 अतारिष्म। तमसः। पारं। अस्या। उषाः। उचंती। वृजुना। कृणोति। श्रिये। वंदः। नः। स्मयते। वि० नाती। सु० प्र
 तीक्ता। सौमनसाद्य। अजीगरिति। नास्वती। नेत्री। सूयतानां। दिवः। स्तवे। इहिता। गोतमेभिः। प्रजा० व
 तः। वृ० वतः। अश्व० बुध्मन्। उषः। गो० अयान्। उप। मासि। वाजान्। उषः। तं। अरुणम्। यशसं। सु० दी
 रं। दास० प्रवर्णीरयिं। अश्व० बुध्मं। सु० दंससा। श्रवसा। या। वि० नासि। वाज० प्रस्तता। सु० नरो। दृढं।
 दिष्ट्यानि। देवी। उर्वना। अग्नि० वक्ष्य। प्रतीची। चक्षुः। उर्विद्या। वि० नाति। दिष्ट्यं। जीवं। वरसे। बोधयंती। वि

७५

श्रुत्या। वाचा। अदिदत्त। मनायोः॥ पुनः पुनः। जायमाना। उराणी। समाने। वर्णे। अति। संनमाना। श्रुती
 इव। कृत्तुः। विजः। आ० मिनाना। मर्तस्य। देवी। जरयंती। आद्युः॥ श्या॥ वि० ऊर्ध्वती। दिवः। अंतरा। अ
 बोधि। अप। स्वसारं। सउतः। उद्योति। प्र० मिनती॥ मनुष्या। सुगति। योषा। नारस्य। वक्षसा। वि। जति
 पुष्पना। चित्रा। सु० नगा। प्रघाता। सिंधुः॥ न। क्षोदः। उर्विया। वि। अश्वेत। अमिनती। देव्या। निवृत्तानि।
 सूर्यस्य। वेति। रश्मि० निः। दृशाना। उषः। तत्। चित्रं। आ। तर। अस्मद्यं। वाजिनी० वति। येन। लोकं। दात
 नयं। वाक्षमहे। उषः॥ अद्य। इह। गो० मति। अश्व० वति। विना० वरि। रेवत। अस्मेदति। वि। उच्चा। सृष्टता
 ० वति। बुद्ध। हि। वाजिनी० वति। अश्वार। अद्य। अरुणान्। उषः॥ अर्थ। नः। विद्या। सोम० गणि। आ। द

३

ह॥१६॥अश्विना॥वर्तिः॥अस्मत्॥आ॥गो०मत्॥दस्मा॥हिरण्य०वत्॥अर्वाक्॥रथ॥स०मर्न०सा॥ति॥यु०तु०
 यो॥इ०वा॥श्लोका॥आ॥दिवः॥ज्योतिः॥जनाय॥वृ०क०युः॥आ॥न०॥अ०र्जी०व०ह०तं॥अश्विना॥यु०वे॥आ॥इ०ह॥दे
 वा॥म०युः॥१०वा॥दस्मा॥हिरण्यवर्त्तना॥इति॥हिरण्य०वर्त्तना॥उ०षः॥१०बु०धः॥व०ह०उ॥सो०म०पा०त०ये॥१०॥अ
 ग्री०षो०मो॥इ०मं॥सु॥मे॥शृ०णु०तं॥वृ०ष०णा॥ह०वं॥प्र०ति॥सु०उ०क्ता०नि॥ह०र्य०तं॥न०व०तं॥दा०शु०षे॥म०यः॥अ०ग्री०षो०मा॥
 यः॥अ०द्या०वां॥इ०दं॥व०र्वः॥स०प०र्या०ति॥त०स्मै॥धु०तं॥सु०वी०र्य०ग०वां॥पो०षो॥सु०अ०श्र्यो॥अ०ग्री०षो०मा॥यः॥आ०ऊ
 ति॥यः॥वां॥दा०शा०त॥ह०विः॥१०र०ति॥सः॥१०ज०या॥सु०वी०र्य०वि०श्वं॥आ०युः॥वि॥अ०श्र०व०त्॥अ०ग्री०षो०मा॥वे
 ति॥त०त्॥वी०र्य०वां॥य०त्॥अ०श्र०व०त्॥अ०व०सं॥प०णि॥गाः॥अ०वा॥अ०ति०र०त्॥ह०स०य०स्य॥शेषः॥अ०वि०द०तं॥ज्यो

१६

तिः। एकं। द्रु० न्यः। युवं। एतानि। दिवि। रोचनानि। अग्निः। वा। सोम। सकृत्तु इति स० कृत्। अधत्ते। सुवं।
 सिध्दं। अग्नि० ब्रह्मेः। अवद्यात्। अग्नीषोमो। असुवत्। यन्तीतान्। आ। अन्तं। दिवः। मातरिभ्यो। ज।
 नार। अमघ्नात्। अन्तं। परि। श्येनः। अद्रेः। अग्नीषोमा। ब्रह्मेणा। वृक्षना। उरुं। यज्ञाय। चक्रयुः। जं।
 इति। लोकं॥ १८॥ अग्नीषोमा। हविषः। प्र० स्त्रितस्य। वीतं। हर्यंतं। वृषणा। जुषेथां। सु० शर्माणा। सु० अव
 मा। हि। नूतं। अथा। धत्ते। यजमानाय। शं। योः। यः। अग्नीषोमा। हविषा। सपय्यात्। देवद्रीवा। मनसा
 । यः। दृतेन। तस्य। व्रतं। रक्षतं। पातं। अहसः। विज्ञो। जनाय। महि। शर्मा। युवतं। अग्नीषोमा। स० वेदसा।
 सकृती इति स० कृती। वनतं। गिरः। सं। देव० श। बह्वचयुः। अग्नीषोमो। अनेन। वा। यः। वां। दृतेन।

दाशति। तस्मै। दीदयतं। वृहत्। अग्रापोमौ। इमानि। नः। उवां। हव्या। जुजोषतं। आ। योता। उधः। नः। सवा। अ
 ग्रापोमा। पिष्टतं। अर्वतं। नः। आ। थायतां। उस्त्रियाः। हव्यं० सूदः। अस्मेदति। बजनि। मद्यर्वत्० सु। ध
 तं। रुष्टतं। नः। अध्वरं। शुष्टि० मंतं॥ श्वा॥ इमे। स्तोमं। अहते। जात० वेदसे। रथं। इवा। सं। मुहेम। मनीषा
 या। न। प्रा। हि। नः। प्र० मतिः। अस्य। सं० सदि। अग्ने। सख्ये। मा। रिषाम। वयं। तव। यस्मै। वा। आ० य
 जसे। सः। साधति। अनवी। क्षेति। दधते। सु० वीर्यं। सः। हुतावान। एनं। अश्रोति। अंहतिः॥ शक्रेम
 । वा। सं० इधं। साधय। धियः। वेदति। देवाः। हविः। अदन्ति। आ० ऊतं। वा। आदित्यान। आ। वहाताश
 हि। उश्मसि। न। ससम। इधं। ह्यक्रेम। हवीषि। ते। वितयंतः। पर्वणा० पर्वणा। वयं। जीवातवे। प्र०

तुरं। साधयु। धियः॥ दिशां। गोपाः॥ अस्म। चरति। जंतवः॥ वि० पत। वा। यंत्र। उत। चउः। शपन। अ
 कु० निः। वित्रः॥ प्र० केतः॥ उपसः॥ महान। असि॥ ॥ ३०॥ वां। अधुवुः॥ उत। होत। असि। प्रव्यः॥ ३
 ०। शास्त्रा। पोता। जनुषा। उरः। रहितः॥ विद्या। विद्वान। आर्विन्पा। धीर। उषसि॥ ॥ यः॥ विश्वतः॥ सु०
 प्रतीकः॥ स० दृङ्। अस्मि। दूरे। वित्। सन। तलितइव। अति। रोचसे। रात्र्याः॥ वित्। अंधः॥ अति। देव। पश्य
 सि॥ ॥ सर्वः॥ देवाः॥ नृवत्त। सुवतः॥ रथः॥ अस्माकं। व्रांसः॥ अति। असु। डः। रथ्यः॥ तन। आ। जानीत। उ
 ता। उषत। वक्कः॥ ॥ वधैः॥ दुः। शंसां। अप। दुः। रथ्यः॥ जहि। दूरे। वा। य॥ अति। वा। कै। वित्। अत्रिणा
 अथा। युताय। एणते। सु० ग। सुधि॥ ॥ यत। अयुवाः॥ अरुषा। राहिता। रथे। वात० जनुष। हषनस्य॥ ५

वा। ते। रवः॥ आत। इव। सि। वनिर्नः॥ धूम० के० उना॥ ॥ ॥ ॥ अधा० स्विनात॥ उत॥ वि० सुः॥ पि० त॥ द॥ त॥ द॥ श्याः॥ यत्र॥
ते। य० व० सु० अ० दः॥ वि॥ अ० स्वि० र० सु० गं० त० त० ते॥ ता० वा० क० म्यः॥ र० थें० न्यः॥ ॥ अ० यं॥ मि० त्र० स्या० व० रु० ण० स्य॥ क्ष० य॥
मे॥ अ० व० या० तां॥ म० रु० तां॥ दे० लः॥ अ० जु० तः॥ मृ० ल॥ सु० नः॥ भू० उ॥ ण० षां॥ म० नः॥ उ० नः॥ ॥ दे० वः॥ दे० वा० नो॥ अ० सि॥
मि० त्रः॥ अ० जु० तः॥ व० सुः॥ व० स्त० ना॥ अ० सि॥ वा० रः॥ अ० ध० रे॥ गो० मे० न॥ स्या० म॥ त० व॥ स० प्र० ध्यः॥ श० त० मे॥ ॥ त० त० ते॥ न० दं॥
य० त्र॥ सं० इ० द्यः॥ स्वे० द० मे॥ सो० म० आ० ज० तः॥ ज० र० मे॥ मृ० ल० य० त० त० य० मः॥ द० क्ष० सि॥ र० नं॥ इ० वि० णं॥ च० दा० अ० षे० ॥
य० स्मे॥ वं॥ सु० इ० वि० णः॥ द० दा० नः॥ अ० ना० गा० भ० वं॥ अ० दि० ते॥ स० र्व० ता० ता॥ यं॥ न० द० णा॥ श० व० सा॥ चो० द० या० सि॥ पु० जा०
व० ता॥ रा० ध० सा॥ ते॥ स्या० म॥ सः॥ वं॥ अ० ग्रे॥ सो० न० ग० व० स्या॥ वि० द्वा० न॥ अ० स्म० कां॥ आ० युः॥ प्रा० ति० रा॥ इ० हा॥ दे० वा॥ त० त॥

नः। मित्रः। वरुणः। ममहंता। अदितिः। सिंधुः। पृथिवी। उत। द्यौः॥३॥ षष्ठाध्यायः समाप्तः॥ ॥ उद्वेदति।
 विस्मयति। वि० स्तुपे। चरतः। स्वर्ग्येति सु० अर्थे। अन्या० अन्या। वसं। उप। क्षपयेतेति। हरिः। अन्यस्यां। न
 वति। स्वर्ग्यं। वारं। शुक्रः। अन्यस्यां। ददृशे। सु० वद्वीः। दशा। इमं। बहुः। जनयंत। गर्भं। अतं। दासः। सुवतय
 :। वि० चरतं। तिग्म० अनीकं। स्व० यशसं। जनैश्च। वि० रोक्षमाव। परि। सी। नयति। त्रीणि। जाना। परि। नुषंति।
 अस्म। समुद्रे। एकं। दिवि। एकं। अप० सु। पूर्वी। अनु। प्रादिशं। पार्थिवानां। कुरुत। पु० शासत। वि। दक्षे।
 अनुष्टु। कः। इमं। अवः। नि। एपं। आ। विकेत। वसः। मातृः। जनयत। स्वर्गनिः। वक्षीनां। गर्भः। अपसां। उ
 प० स्वात। महान्। कविः। निः। चरति। स्वर्ग्यं। वारं। आविः। शत्यः। वर्धते। वारुः। आसु। नि। वृणो। ऊर्ध्वः।

स्व० यज्ञाः॥ उप० स्वे॥ उने इति॥ ब्रह्म॥ विष्णु॥ जायमानात्॥ प्रताप इति॥ सिंह॥ प्रति॥ ज्ञेय इति॥ उने इति॥
 नदे इति॥ जोषयेते इति॥ न॥ मेने इति॥ गावः॥ न॥ वाश्याः॥ उप॥ तस्युः॥ एवैः॥ सः॥ दक्षाणां॥ दक्ष० पतिः॥ वसूव॥ अंजं
 ति॥ यं॥ दक्षिणतः॥ हविः॥ शनिः॥ उत्॥ ययमीति॥ सवित॥ इव॥ वाक इति॥ उने इति॥ सिचौ॥ यतते॥ नीमः॥ कुंजन्
 उत्॥ अक्रं॥ अकं॥ अवजते॥ सिमस्मात्॥ नवा॥ मा० न्यः॥ वसना॥ जहाति॥ वेषं॥ रूपं॥ कृणुते॥ उत्० तरं॥ यत्॥
 सं० ध्वानः॥ सदनै॥ गोनिः॥ अत० निः॥ कविः॥ बुधं॥ परि॥ मर्ष्यते॥ धीः॥ सा॥ देव० ताता॥ सं० इति॥ वसूव॥ उरु॥
 ते॥ अयः॥ परि॥ एति॥ बुधं॥ वि० रोचमानां॥ महिषस्य॥ क्षम॥ विश्वेभिः॥ अने॥ स्वयं॥ शनिः॥ इव॥ अदं॥ अनेभिः॥ पा
 दु० निः॥ पाहि॥ अस्मान्॥ धवन्॥ स्रोतः॥ कृणु॥ ता॥ गात्रं॥ नर्मिन्॥ अक्रैः॥ नर्मि० निः॥ अनि॥ नक्षति॥ क्षां॥ विश्वा॥

सनानि। जठरं छाधत्ते। अंतः। नवास्त्र। चरति। प्र० सुष्ठु। एवानः। अग्ने। सं० इक्ष्वा। इक्ष्वा। रेवत्। पावक। श्वसे। वि
। नाहि। ॥ २ ॥ सः। प्र० न० वा। महसा। जायमानः। सद्यः। काव्योनि। बद्। अधत्त। दिविश्वा। आपः। च। मित्रं। वि
षणो। च। साधुत्। देवाः। अग्निं। क्षरयत्। प्रविणः। श्दो। सः। सर्वथा। नि० विदा। कव्यता। आयोः। इमाः। प्र० जाः।
अजनयत्। मत्तनां। विवस्वता। चक्षसा। घां। अपः। च। गतं। इलत्। प्रथमं। यत्तु० साधो। विशाः। आरीः। आ०
ऊतं। कुंजसाने। अर्जः। पुत्रं। भरतं। सृष्ट० दातुं। ॥ सः। मातरिश्वा। वसुवार० उष्टिः। विदत्। गात्रं। तनयाय।
स्वः। श्वित्। विशां। गोपाः। जनिता। रोदस्योः। ॥ नक्रोषसा। वलं। आमे। म्याने। इत्या० मेम्याने। क्षपये। तेइति
। शिष्टौ। एकं। समीचीइति। सं० इक्ष्वा। द्यावाक्षामा। रुक्मः। अंतः। विनाति। ॥ २ ॥ रायः। वृष्टः। सं० गमन॥ व

७२
 सूनो। यज्ञस्य। केतुः। मन्म० साधनः। वेरिति वे०। अष्टत० च०। रक्षमाणासः। एनां०। नु० चि०। पुर्गावे०। सदनं। रया
 णां। जातस्य। वा। जायमानस्य। च०। क्षां। सतः०। वा। गोपां०। नवतः०। च०। नृरेः०। इविणः०। शदा०। इविणसः०। उरस्य०।
 इविणः०। शदा०। सनरस्य०। वा०। यंसत०। इविणः०। शदा०। वीर०। वती०। इषां०। नः०। इविणः०। शदा०। रा०। सते०। दीर्घा०। आ०। उ०॥
 ०॥ ४॥ अर्प०। नः०। शो०। सु०। वत०। अ०। यो०। अ०। ग्रे०। शु०। शु०। शि०। आ०। र०। यि०। ०। सु०। क्षे०। त्रि०। या०। सु०। गा०। उ०। या०। व०। सु०। या०। वा०। य०। ज्ञा
 महे०। ०। प्रा०। यत०। न०। दि०। षः०। ए०। षां०। प्रा०। अ०। स्मा०। को०। सः०। च०। सूर०। क०। यः०। ०। प्रा०। यत०। ते०। अ०। ग्रे०। सूर०। यः०। जा०। ये०। म०। हि०। प्रा०। ते०।
 व०। यः०। ०। प्रा०। यत०। अ०। ग्रे०। स०। ह०। स्व०। तः०। वि०। श्व०। तः०। यं०। ति०। ना०। न०। वः०। ०। वां०। हि०। वि०। श्व०। तः०। श०। सु०। ख०। वि०। श्व०। तः०। परि०। नू०। अ०
 सि०। ०। वि०। षः०। नः०। वि०। श्व०। तः०। श०। सु०। ख०। अ०। ति०। ना०। वा०। इ०। व०। पा०। र०। यः०। ०। सः०। नः०। सि०। धे०। इ०। व०। ना०। व०। यः०। अ०। ति०। प०। षः०। स्व०। स्त०

यै०॥५॥वैश्वानरस्य॥सु०मनो॥स्याम॥राजा॥हि०कं॥सुव०नाना॥अग्नि०श्रीः॥५॥तः॥जातं॥विश्वं॥इदं॥वि०
 षे॥वैश्वानरः॥यतते॥सूर्य०ण॥५॥दिवि॥५॥अग्निः॥५॥दिव्या॥५॥विश्वः॥५॥वर्ध०धीः॥आ॥विवेश॥वैश्व
 नरः॥सह०सा॥५॥अग्निः॥सः॥नः॥दिवो॥सः॥रिषः॥पा०उ॥नक्तं॥वैश्वानर॥तवा॥तत॥सत्यं॥असु॥अस्मान्
 रायः॥मुद्य०वानः॥संव०ता॥॥६॥जात०वेद०मे॥सुन०वाम॥सोमं॥अरा०ति०युतः॥नि॥दहा०ति॥वेदः॥सः॥
 नः॥पर्व०ति॥अति॥५॥श०गानि॥विश्वो॥नावा०इवा॥सिंधु॥५॥इ०तं॥अति॥अग्निः॥॥७॥सः॥यः॥वृषा॥वृ०ह०स्पे०निः
 सं०उ०काः॥महः॥दिवः॥५॥दिव्याः॥च॥सं०राट्॥सती०न०सवा॥हव्यः॥नरे०षु॥मुरु०वान्॥नः॥नव०उ॥इ०द्रः॥
 न०ती॥यस्य॥अना०तः॥सूर्य०स्य॥इवा॥यामः॥नार०नरे॥वृ०त्र०हा॥शुभः॥अस्ति॥वृष०त०तमः॥सर्वि०भिः॥
 वि०वा॥॥॥

स्वेनिः॥एवैः॥दिवः॥न।यस्य।रेतसः॥दुद्यानाः॥पेयांसः॥यंति।शर्वसा।अपरि॥इतो॥निरुद्धिषाः॥ससहि
 ॥पौस्पेनिः॥सः॥अंगिरः॥शनिः॥अंगिरः॥शतमः॥धुत।दृषा।दृष०निः॥सखि०निः॥सखा।सन्।कृमि०निः
 ॥कृमी।गात्र०निः॥ज्येष्ठः॥सः॥सुव०निः॥न।रुद्रेनिः॥रुद्रो।द०सद्यो।समक्षान्।अमित्रान्।स०नीले।
 निः॥अवस्थावि।नर्वन्।॥॥॥सः॥मत्स्य०नीः॥स०मदनस्याकृती।अस्माकेनिः॥द०निः॥सूर्यो।सनत्।अस्मि
 न्।अहन्।सत्०पति॥उरु०कृतः॥॥॥तं।रुतयः॥रणयन्।शूर०सातो।तं।क्षेमस्य।क्षितयः॥क्षएवत।त्रां।
 सः॥विश्वस्य।करुणस्य।ईशो।एकः॥॥॥तं।असंत।शर्वसः॥उत्०सुवेष्ट।नरः॥नरं।अवसे।तं।धनाय।सः॥
 अंधे।चित्।॥तमसि।ज्योतिः॥विदत्।॥सः॥सव्येन।यमति।बाधतः॥चित्।सः॥दक्षिणे।सं०यन्नीता।क्ष

तानि। सः। कृ। रिणा। वित्। सनिता। धनानि। सः। ग्रामेति। सनिता। सः। रथेति। विदे। विश्वानि। कृष्टि०
 निः। उ। अद्य। सः। पौंस्येति। अनि०रुः। अशस्त्रीः। ॥ ॥ ॥ सः। जामि०निः। यत्। सं० अजाति। मीले। अजा
 मि०निः। वा। उरु० कृतः। एवैः। अपां। तोकस्य। तनयस्य। जेषे। सः। वज्र० चर। दसु० हा। नीमः। उग्रः। स
 हस० चेताः। शत० नीयः। कृ० वी। वृषीषः। न। शवसा। पांच० जन्म। तस्य। वज्रः। क्रंदति। स्मत्। स्वः। शसाः।
 दिवः। न। वेषः। रवयः। शिमी० वार। तं। सुवेते। सनयः। तं। धनानि। यस्य। अजस्रं। शवसा। मानं। उक्तं
 परि० बुजत्। रोदसी इति। विश्वतः। सी। सः। पारिषत्। कृ० निः। मंदसानः। न। यस्य। देवाः। देवता।
 न। मर्ताः। आपः। चन। शवसः। अंतो। आउः। सः। प्र० रिक्ता। वक्षसा। क्षमः। दिवः। च। ॥ ॥ ॥ गोहित। अपा

वा। सुमत्० अंशः। जलामाः। दक्षः। राये। क्रु० अंशः। वषण० वंतं। विव्रता। धुः० अंशः। रथमिद्रा। विकेत।
 नाऊषीष। विस्तु। एतत्। तत्। ते। इन्द्र। वल्ले। उक्तं। वाषागिराः। अग्नि। एतं। राधः। क्रु० अंशः। प्रष्टि० निः।
 अंबरीषः। सह० देवः। नयमानः। सु० राधः। दस्मन्। शिस्मन्। वा० उरु० कृतः। एवैः। हवा। पृथिव्या। ना
 वी। नि। बहीत। सनत्। क्षेत्रं। सखि० निः। श्विने० निः। सनत्। सूर्यं। सनत्। अपः। सु० वंजः। विश्वाहा। इन्द्र
 :। अधि० वक्ता। तः। असु। अपरि० कृताः। सउद्याम। वाजं। ॥१॥ प्र। मंदिनै। पितु० मत। अर्चत। वचः। यः।
 कृत्स्न० गर्भाः। निः० अहर। क्रुजिश्चना। अवस्पवः। वषणं। वज्र० दक्षिणं। मरुचतं। सख्याय। हवामहे। य
 :। वि० अंसं। जहृषाणेन। मनुना। यः। शंबरं। यः। अहर। पिपुं। अत्रतं। इन्द्रः। यः। शुभ्रः। अश्वर्षः। नि। अह

यः॥३

एक॥यस्य॥द्यावापृथिवीइति॥पौंस्य॥महत्॥यस्य॥वृत्ते॥वरुणः॥यस्य॥सूर्यः॥यस्य॥इंद्रस्य॥सिंधवः॥सं
श्रुति॥वृत्ते॥यः॥अश्वात्ता॥यः॥गवां॥गो०पतिः॥वृश्नी॥यः॥आरितः॥कर्मणि०कर्मणि॥स्विरः॥वीलोः॥वित॥इं
द्रः॥यः॥असुवतः॥वधः॥विश्वस्य॥जगतः॥प्राणतः॥पतिः॥यः॥ब्रह्मणे॥प्रथमः॥गाः॥अविंदत॥इंद्रः॥यः॥दि
स्मर॥अंधरा॥अव०अतिरत॥यः॥शूरैर्निः॥हव्यः॥यः॥च॥नीरु०निः॥यः॥क्षवत्पतिः॥क्षयते॥यः॥च॥
जिष्म०निः॥इंद्र॥यः॥विश्वो॥नुवना॥अनि॥स०दधुः॥॥॥॥रुद्राणां॥एति॥प्र०दिशा॥वि०वृद्धाः॥रुद्रैर्निः॥यो
षा॥तनुते॥पृथु॥जयः॥इंद्र॥मनीषा॥अनि॥अर्चति॥श्रुते॥यत॥वा॥मरुवः॥परमो॥सुध०स्वे॥यत॥वा॥अव
मे॥हजने॥मादयोमे॥अतः॥आ॥याहि॥याहि॥अधुरं॥नः॥अर्च॥वा०या॥द्विः॥अ०सु॥म०सु०राधः॥वा०

या। इन्द्र। सोम। सुसुम। सु० दक्ष। ब्रह्म० वाहुः। अर्ध० निमुवः। स० गणः। मरुत० निः। अस्मिन्। यज्ञावर्हिषि। मादय।
 स्वा। मादयस्व। हरि० निः। यो। ते। इन्द्र। वि। स्यस्व। शिप्रे इति। वि। सृजस्व। धेने इति। आ। वा। सु० शिषा। हरयः। वहं
 उ। उशान्। हव्यानि। प्रति। नः। जुषस्व। मरुत० स्तोत्रस्य। वृजनस्य। गोपाः। वयं। इन्द्रेण। सुवृयाम। वाजं०॥ श
 इमां। ते। धियो० प्रा० नरे। महः। मही। अस्य। स्तोत्रे। धिषणा। यत्। ते। आ० न० ज्ञे। तं। उ० त० सवे। वा० प्र० सवे। वा। स० स० हि
 । इन्द्र। देवा० सः। शर्वसा। अमदन्। अ० व०। अस्या। शर्वः। नद्यः। स० स० विप्रति। द्या० वा० क्षमा०॥ पृथिवी। दर्शितं। व० उ०
 अस्मे इति। सूर्या० व० इन्द्र० म० सा। अ० नि० व० द्ये। अ० द्ये। कं। इन्द्र। चरतः। वि० त० उ० रं। तं। स्म। र० यं। म० य० व० र० प्रा० अ० व० सा
 तये। जैत्रा० यं। ते। अ० व० म० दा० म०। स० ग० मे। आ० जा० नः। इन्द्र। म० र० सा। पु० रु० सु० त० वा० य० त० न्यः। म० य०

नवी-३

८५

वृ॥ शर्मैयुष्मानः॥ वयं॥ जयेम॥ वया॥ युजा॥ वृह॥ अस्माकं॥ अंश॥ उत॥ अवा॥ नरे॥ नरे॥ अस्मन्म॥ इन्द्र॥
 वरिवः॥ सु० ग॥ रुधि॥ प्रा॥ शत्रूणा॥ मद्य० वृ॥ वृ॥ रुज॥ नाना॥ हि॥ वा॥ हव॥ माना॥ जना॥ इमे॥ धनाना॥ धन॥
 ॥ अ० व० सा॥ विप० न० वे॥ अस्माकं॥ स्मे॥ रथ॥ आ॥ तिष्ठ॥ सा० त० ये॥ जैत्रं॥ हि॥ इन्द्र॥ नि० वृ० त॥ मनः॥ तवा॥ ॥ १५ ॥ गो० जि०
 ता॥ वा० रु० इ० ति॥ अ० मि० त० ऋ० उ० ॥ सि० मः॥ क० र्म० न० क० र्म० न० ॥ श० त० ऋ० ति॥ ॥ स्व० ज० ऋ० करः॥ अ० क० ल्यः॥ इन्द्रः॥ प्र० ति० मा०
 न॥ उ० ज० सा॥ अ० य॥ जना॥ वि० क० य० ते॥ सि० मा० स० वः॥ उ० त॥ ते॥ श० ता० त॥ म० द्य० वृ० न॥ उ० त॥ च॥ नृ० य० सः॥ उ० त॥ स० ह० सा०
 त॥ रि० रि० वे॥ अ० षि० ष॥ अ० वः॥ अ० मा० त्रं॥ वा॥ धि० ष० णा॥ ति० वि० ष॥ म० हा॥ अ० धा० वृ० त्रा० णि॥ जि० घ० से॥ पु० रं० द० रा॥ त्रि० वि० षि०
 धा० त्रं॥ प्र० ति० मा० न॥ उ० ज० सः॥ ति० स्रः॥ नृ० मीः॥ वृ० प० ते॥ शी० णि॥ रो० व० ना॥ अ० ति॥ इ० दं॥ वि० षं॥ अ० व० तं॥ व० व० क्षि० य॥ अ०

ग॒त्रुः । इ॒न्द्र । ज॒त्रुषा । स॒नात् । अ॒सि । वा । दे॒वेषु । पृथ॒मं । ह॒वामहे । वा । व॒नू॒य । ए॒त॒नासु । स॒स॒ह । स । इ॒मं । न । का॒सं ।
उ॒प॒० म॒सु । उ॒त॒० मि॒दं । इ॒न्द्र । ऋ॒णो॒त्र । प्र॒० स॒ वे॒र॒थो॒ । पु॒रः । वा । जि॒गे॒थान । ध॒ना । सु॒रो॒धि॒य । अ॒र्ने॒ष । अ॒जा ।
म॒घ॒० व॒न् । म॒ह॒त्० सु । वा । वा । उ॒ग्रं । अ॒व॒से । सं । मि॒त्रा॒म॒सि । अ॒थानः । इ॒न्द्र । ह॒व॒ने॒ष । वो॒द॒य । ॥ १५ ॥ त॒त् ।
ते । इ॒न्द्रि॒यं । प॒र॒मं । प॒रा॒धैः । अ॒क्षर॒य॒न्त । क॒व॒यः । पु॒रः । इ॒दं । क्ष॒मा । इ॒दं । अ॒न्य॒त । दि॒वि । अ॒न्य॒त । अ॒स्य । सं ।
ई॒मि॒ति । ए॒व्य॒त् । स॒म॒ना॒ इ॒व । के॒तुः । स । क्ष॒र॒य॒त् । ए॒षि॒वं । प॒प्र॒य॒त् । वा । व॒ज्रे॒ण । ह॒वा । निः । अ॒पः । स॒स॒र्ज॒
॥ अ॒ह॒न् । अ॒हिं । अ॒ति॒न॒त् । रो॒हि॒णो॒ । वि । अ॒ह॒न् । वि॒० अं॒सं । म॒घ॒० वा । ग॒वा॒निः । स । जु॒ह॒० न॒र्मा । अ॒त॒० द॒
ध॒नः । उ॒जः । पु॒रः । वि॒० मि॒द॒न् । अ॒व॒र॒त् । वि॒दा॒सीः । वि॒घ्न॒न् । व॒ज्रि॒न् । दा॒स्य॒वे । हे॒तिं । अ॒स्य । आ॒र्यं । स॒हः ।

विनाहं

८५

तथाज

वयः॥ अ० साय॥ अ० आ० दोषा॥ वस्तोः॥ वहायसः॥ प्र० पिवे॥ उ० इति॥ त्ये॥ नरः॥ इ० इ० अ० तथ० अ० मु०॥ उ० वित॥ ता
 न॥ सद्यः॥ अधनः॥ जग० म्यात॥ देवासः॥ म० सु० दास० स्या० अ० म० र० ते॥ नः॥ आ० व० रु० न॥ सु० वि० ता० य॥ व० र्णो॥ अ० व० त्मना॥
 न० र० ते॥ के० त० वे० दाः॥ अ० व० त्मना॥ न० र० ते॥ फे० न०॥ उ० द० न॥ क्षी० रे० ण॥ स्ना० तः॥ ऊ० य० व० स्य॥ यो० षे० इति॥ हु० ते० इति॥ ते० इति॥
 स्मा० ता॥ व० व० णे॥ शि० फो० याः॥ यु० यो० प॥ ना० निः॥ उ० प० र० स्य॥ आ० योः॥ प्र० पू० र्वा० निः॥ ति० र० ते॥ रा० धि० श्र० रः॥ अ० ज० सी॥
 कु० लि० शी॥ वी० र० प० त्री॥ प० यः॥ हि० व्वा० नाः॥ उ० द० निः॥ न० र० ते॥ प्र० ति० य० त॥ स्या० नी० या॥ अ० द० शि० द० स्यो॥ उ० कः॥ न॥ अ०
 च० स० द० न॥ जा० न० ती॥ गा० ता॥ अ० ध० स्मा० नः॥ म० घ० व० न॥ व० र्त्त० ता० त॥ इ० त॥ मा० नः॥ म० द्वा० इ० व॥ नि० ष्य० पी॥ प० रा० दाः॥ ॥ १० ॥
 सः॥ त्रि० नः॥ इ० द० स्त० र्यो० सः॥ अ० १० सु॥ अ० ना० गाः॥ श्वे॥ आ० न० ज० जी० व० शं० सो० मा० अ० त० रं॥ उ० जं॥ आ० रि० रि० षः॥

नः। अक्षितं। ते। मरुते। इन्द्रियाय। अध। मन्यो अतः। ते। अस्मै। अक्षयि। दृषा। चोदस्व। मरुते। धनीय। मानः।
 अक्षते। उरु० कृत। योनौ। इन्द्र। सुधत्त० न्यः। वयः। आ० सुति। दाः। मानः। वधीः। इन्द्र। मा। पसा। दाः। मानः।
 प्रियो। नो जना नि। प्र। मोषीः। आ० डा। मानः। मुष० वत्। शक्र। निः। नेत्। मानः। पात्रा। नेत्। मरु० जा० उषा।
 णि। अर्वाङ्। आ। इन्द्रि। सोम० कामं। वा। आ० जुः। अयं। सुतः। तस्य। पित्रा। मदायं। उरु० वचाः। ज्वरे। आ।
 दृषस्व। पिता इव। नः। शृणु हि। रुयमोनः। ॥ ए० ॥ अर्धः॥ ॥ चंद्रमाः। अ० सु० अ० तः। आ। सु० पु० र्माः।
 क्षवते। दिवि। नादः। हिरण्य० नेमयः। पदं। विंदति। वि० द्रुतः। वि० तं। मे। अ० स्प। रोदसी इति। अ० र्था० इ० ता० वे।
 जं इति। अ० र्थि० नः। आ। जा० या। सुवते। पतिं। उ० जा। त इति। दृ० स्म्यं। प० र्यः। प० रि० दा० यः। र० मं। इ० ह० ० मो इति

सु। देवाः। अदः। स्वः। अर्वा। पादि। दिवः। परि। मा। सोम्यस्य। शं०। उर्वः। शूने। नूत। कदा। वितं। ^{५८}। यत्तं। दृष्टानि।
 अवमं। सः। तत्। दृत्तः। वि। बोवति। क। कृतं। पूर्व्यं। गतं। क। तत्। विनत्रि। वृत्तनः। आ०। माइति। यो। देवा
 ।। स्वर्न। त्रिष। आ। रोवने। दिवः। कत्। वः। कृतं। कत्। अन्तं। क। प्रना। वः। आ०। कृतिः।। ॥ १०॥ कत्। वः।
 कृतस्य। धर्मसि। कत्। वरुणस्य। चक्षणे। कत्। अर्यस्तुः। महः। पथा। अति। ज्ञाने। म। दुः। श्व्यः।। अहं। सः
 । अस्मि। यः। उरा। सुते। वदामि। कानि। चित्। तं। मा। यंति। आ०। ध्यः। दृकः। न। दृष्टं०। जं। मृगं।। सं। मा। तपे
 ति। अनितः। सपत्रीः। इव। पर्शवः। पूर्वः। न। शिआ। वि। अदंति। मा। आ०। ध्यः। स्तोतारं। ते। अतकृतोइति। श
 त०। कृतो।। अमीइति। यो। सुत। रश्मयः। तत्र। मे। नानिः। आ०। तता। वितः। तत्। वेद। आय्यः। सः। जामि०

वायं रेनति॥ अमी इति॥ येऽप्येव उद्गणः॥ मध्ये॥ म॥ तसुः॥ महः॥ दिवः॥ देव॥ आ॥ उ॥ प्र॥ वाच्यं॥ सध्रीवीनाः॥ नि
 वैदुः॥ ॥ ॥ ॥ ॥ सु॥ पुष्पः॥ एते॥ आसाते॥ मध्ये॥ आ॥ रोधने॥ दिवः॥ ते॥ सेधंति॥ पथः॥ वृकं॥ तरंतं॥ युक्तं॥ अथ
 ॥ ॥ नम्यं॥ तत॥ उच्यं॥ हितं॥ देवांसः॥ सु॥ प्रवाचनं॥ कृतं॥ अर्षति॥ सिधवः॥ सत्यं॥ ततान॥ सूर्यः॥ ॥ अग्ने॥ तवा
 त्पत॥ उच्यं॥ देवेषु॥ अस्मि॥ आप्यासः॥ नः॥ सुतः॥ मउषत॥ आ॥ देवान्॥ युक्षि॥ विडः॥ शतरः॥ ॥ सन्नः॥ होता
 ॥ मउषत॥ आ॥ देवान्॥ अच॥ विडः॥ शतरः॥ अग्निः॥ हव्या॥ सुसूदति॥ देवः॥ देवेषु॥ मेधिरः॥ ॥ वस॥ कृणोति॥
 वरुणः॥ गा॥ उ॥ विदं॥ तं॥ इमहे॥ वि॥ कृणोति॥ रुदा॥ मतिं॥ नम्यः॥ जायतां॥ कृतं॥ ॥ ॥ ॥ अमो॥ यः॥ पंथाः॥ आ
 दित्यः॥ दिवि॥ प्र॥ वाच्यं॥ कृतः॥ न॥ सः॥ देवाः॥ अति॥ क्रमै॥ तं॥ मन्त्रांसुः॥ नापृष्य॥ ॥ त्रितः॥ कर्षे॥ अर्व॥ हितः॥

नमो

देवान्। हवते। ऊतये। तत्। शुश्राव। वृहस्पतिः। कृण्वन्। अंशुरणात्। उरु। अरुणः। मी। सैकत। वृकः। पृथा।
यतं। दृश्या। हि। उत। जिहते। निचाय्य। तष्टा। इवा। वृष्टि०। आमयी। एना। आशेषेण। वयं। इन्द्र० वंत्। अग्नि।
स्याम। वृजने। सर्व० वीराः। शत्रु। इन्द्रा। मित्रा। वरुण०। अग्नि। ऊतये। मारुत०। शार्द। अर्दिति। हवामहे। रथं
। न। दुःशगात्। वसवः। सु० दानवः। विश्वस्मात्। नः। अहंसः। निः। पिपर्तन। ते। आदित्याः। आ। गत। सर्व०
तातये। नूत। देवाः। वृत्र० दूर्यु। शं० सुवः। अवंत्। नः। पितरः। सु० प्रवावनाः। उत। देवी इति। देव उत्रे इ
ति देव० पुत्रे। ऊत० वृक्ष। नराशंसं। वाजिनं। वाजयन्। इहा। कृयत० वीरं। सुषणं। सुमैः। ईमहे। वृह
स्पते। सदा। इत० नः। सु० गं। कृधि। शं। योः। यत्। ते। मनुः। शहितं। तन्। ईमहे। इन्द्रा। ऊत० वृत्र० हनं।

७७

नक्षत्रपतिः। कारे। नि० वा० नृः। ऋषिः। अकृत्। अतये। देवैः। नः। देवी। अदितिः। नि। पा० देवः। ज्ञाता।
 ज्ञायता। अ० यु० अ०। ॥ र० य० नृः। देवानां। प्रति। एति। सु० नृः। आदित्यासः। नवत। मृ० य० तः। आ० वः। अ०
 वी० वी०। सु० म० तिः। वृ० द्या० तः। अ० होः। वि० तः। या० व० रि० वा० वि० तू० त० रा०। अ० स० तः। उ० प० नः। देवाः। अ० व० सा०। आ०।
 ग० मु० उ०। अ० गि० र० सा०। सा० म० निः। स० य० मा० नाः। इ० द्रः। इ० द्रि० यैः। म० रु० तः। म० रु० त० निः। आ० दि० त्यैः। नः। अ० दि०
 तिः। श० मी० य० स० तः। त० तः। नः। इ० द्रः। त० तः। व० रु० णः। त० तः। अ० मिः। त० तः। अ० र्य० मा०। त० तः। स० वि० ता०। च० नः। धृ० तः।
 ॥ र० य० यः। इ० द्र० गी० इ० ति०। वि० त्र० त० मः। र० यः। वा०। अ० नि०। वि० श्व०। नि०। उ० व० न० नि०। व० ष्ठे०। ते० नः। आ० या० तं। स०
 र० यं। त० स्वि० वा० सा०। अ० य०। सो० म० स्या०। पि० व० तं। सु० त० स्या०। या० व० तः। इ० दं। उ० व० ने०। वि० श्वं। अ० स्ति०। उ० रु० व्य० वा०। व०

रिमता। गन्तीरं। तावां। अयं। पातवे। सोमः। असु। अरं। इंद्राग्नी इति। मनसे। युव० न्या। वक्राये इति। हि
 । सध्वक्। नाम। नदं। सध्वीवीना। ह३० हनौ। उत। स्तः। तौ। इंद्राग्नी इति। सध्वंवा। नि० सद्य। ह३०। सोमस्य
 । वषणा। आ। ह३० पेयां। सं० इ३० ष। अग्निष्ठ। आनजाना। यत० सुवा। बहिः। अं इति। तिस्रिराणा। तीव्रैः। सो
 मैः। परि० सितेभिः। अर्वाक्। आ। इंद्राग्नी इति। सोमनसाय। यातं। यानि। इंद्राग्नी इति। चक्रयुः। वीर्या
 णि। यानि। रूपाणि। उत। ह३० लोनि। या। वां। प्रनानि। सख्या। शिवानि। तेभिः। सोमस्य। पिवतं। सुत।
 स्य॥ २६॥ यत्। अ३० वं। प्रथमं। वां। ह३० णानः। अयं। सोमः। असुरैः। नः। वि० ह३० व्यः। तां। सत्यां। अ३०
 । अग्नि। आ। हि। यातं। न० यत्। इंद्राग्नी इति। म३० द३० थः। स्वे। दुरोणे। यत्। ब्र३० ल३० णि। राज३० नि। वा। य३० ज३० त्रा।

श्रीपरमस्वामिपुत्रः ॥ २ ॥
 मन्त्राष्टकः ॥ २ ॥

यत्

अतः परिहृणौ आहितातं यत् इन्द्राग्नी इति यदुष उर्वरोषा यत् क्रुष्कषा अउषा मरुषा
 स्तः ॥ यत् इन्द्राग्नी इति अवमस्यां दृष्टिमां मधुमस्यां परमस्यां उतः स्तः ॥ यत् इन्द्राग्नी इति दि
 विस्तः दृष्टिमां यत् पर्वतिषा उषधीषा अश्वं सु ॥ यत् इन्द्राग्नी इति उतः इता सूर्यस्या मध्ये दि
 वः स्वधया मादये धे इति ॥ एवा इन्द्राग्नी इति पपिं वांसा सुतस्या विष्टा अस्मभ्यं सां जुयतं धना
 नि ॥ १॥ विहि अर्या मनसा वस्यः ॥ इच्छन् इन्द्राग्नी इति ज्ञासः ॥ उत वा स जातान् न अन्या
 युवत् प्रमतिः ॥ अस्मि मर्त्यः सः ॥ वां धियो वा जं यंती ॥ अतस्त्वं अश्वं हि नूरिदावत्तरा
 वा विंजामातुः ॥ उत वा घास्यानात् अथ सोमस्य प्रयती युवन्त्या इन्द्राग्नी इति स्तोमं जन

तथा

यामि। नमं। मा। वेद्य। रत्नमीर। इति। नाधमानाः। पित्रुणां। शक्तीः। अत्रु० यद्यमानाः। इन्द्राग्नि० न्यां। कं। वृषणं।
 मदः। ति। ना। हि। अग्नी इति। धिषणायाः। उप० स्वे। सुवाभ्यां। देवी। धिषणा। मदीयं। इन्द्राग्नी इति। सोमं। उरु
 ती। सुनोति। तौ। अश्विना। नद० हस्ता। सुपाणी इति सु० पाणी। आ। धावतं। मधुना। दत्तं। अ० सु। सुवां।
 इन्द्राग्नी इति। वसुनः। वि० नागो। तवः। पुतमा। शुश्रुवा। दृत्र० हत्ये। तौ। आ० सघं। बर्हिषि। येते। अस्मिन्।
 प्र। वर्षणा इति। मादयेथां। सुतस्य॥ १४॥ प्र। वर्षणि० न्यः। दतना० हवेत्। प्र। दधिव्याः। रिरिवाये इति।
 दिवः। च। प्र। सिंधु० न्यः। प्र। गिरि० न्यः। महि० वा। प्र। इन्द्राग्नी इति। विश्वा। सुवना। अति। अन्त्या। आ। नरतं।
 सिद्धतं। वज्रवाहू इति वज्र० वाहू। अस्मान्। इन्द्राग्नी इति। अवतं। रावीनिः। इमे। उते। रत्नमयः। सूर्यस्य॥

येतिः। सु० पि० च० पितरः। नः। आसन्न। उरं० दरा। शिक्तं। वज्र० हस्ता० नरे० शु०॥ २५॥ ततं। मे। अपः। तत॥
 ऊ० इति। ता० यते। पुनरिति। स्वादिष्ठा। धीतिः। उवथाय। ज्ञास्यते। अये। समुद्रः। इह। विश्व० देवः। स्वाहा० रु०
 तस्य। सं। ऊ० इति। वृ० पु० त० रु० नवः। आ० नो गयं। प्रायत० इ० च० तः। ऐतन। अपाकाः। प्रांचः। मम। के। वित० आ०
 ययः। सो० ध० च० नासः। चरितस्य। नूमना। अगच्छत। सवि० उ०। दा० शु० षः। इ० हं। तत० सविता। वः। अष्ट० त० वं। आ०
 असुवत। अगो० ह्यं। यत० अ० वयं० तः। ऐतन। त्यं। वित० व० म० सं। असुरस्य। नक्ष० णं। एकं। संतं। अक्ष० पु० त० व० उ०
 वयं। वि० ष्वा। जामी। तर० णि० वे० न० वा० द० तः। म० त्ता० सः। संतः। अ० म० त० वं। आ० त० शु०। सो० ध० च० नाः। रु० नवः। स्त०
 रं० च० रु० सः। सं० व० स० रे। सं। अष्ट० च० त० धीति० निः। क्षे० वं० इ० व० वि० म० पु०। ते० ज० ने० न० एकं। पा० त्रं० रु० नवः। जे० ह० मानं

उप० सुताः। उप० मं। नाधमानाः। अमर्त्येषु। अर्चः। इष्टमानाः। ॥ २० ॥ आ० मनीषां। अंतरिक्षस्य। ॥ २० ॥ सुवा इवा
 दृते। जुहवाम। विभ्रना। तरणि० वा। ये। पित्रः। अस्प। सश्चिरे। कृत्तवः। वाजं। अरुहन्। दिवः। रजः। कृत्तुः। नः।
 इन्द्रः। शर्वसा। नवीयान्। कृत्तुः। वाजेभिः। वसु० निः। वसुः। ददिः। युष्माकं। देवाः। अवसा। अहनि। प्रि।
 ये। अग्नि। तिष्ठेम। दसुतीः। असुवतां। निः। चर्मणः। कृत्तवः। गां। अपिंशत। सं। वसेना। अरुहन्। मातरं।
 पुनरिति। सौधवनासः। सु० अपस्यया। नरः। जिब्रीशति। सुवाना। पितसं। अरुणोतन। वाजेभिः। नः। वाजं
 ० सातौ। अविहि। कृत्तु० मन्। इन्द्र। वित्रं। आ० दर्षि। राधः। ॥ २१ ॥ तक्षन्। रथं। सु० वृते। विभ्रना० अपसः
 । तक्षन्। हरीशति। इन्द्र० वाहा। दृषण्वस्तु इति दृषण्० वस्तु। तक्षन्। पित० न्यां। कृत्तवः। सुवत। वयः। तक्ष

ए२

न० वसाय० मातरं० सचा० उव० आ० नः० यज्ञाय० तक्षत० क्रु० म० वयः० कवे० दक्षाय० सु० प्रजावती
 । इषो० यथा० क्षयाम० सर्व० वीरया० विना० तत० नः० शर्षीय० क्ष० संथा० सु० इन्द्रिया० आ० तक्षत० साति० अ० स्म
 न्य० क्रु० नवः० साति० इथाय० साति० अ० र्वतो० नरः० साति० नः० जैत्रो० सो० म० ह० त० विश्वहा० जा० मि० अ० जा० मि० श
 तना० सु० स० क्ष० णि० क्रु० उ० क्ष० णि० इ० द्रं० आ० क्रु० वे० क्रु० त० ये० क्रु० न० र्वा० जा० र्वा० म० स० त० सो० म० पी० त० ये० उ० न्ना० मि० त्रा
 व० स० णा० न० तं० अ० श्वि० ना० ते० नः० हि० वं० उ० सा० त० ये० धि० ये० जि० षे० क्रु० उ० न० र० य० सं० शि० शा० उ० सा० ति० स० म० य०
 ० जि० त० वा० ज० अ० स्मा० न० अ० वि० षु० ॥ ० ॥ ३२ ॥ इ० ले० द्या० वा० ष० थि० वी० इ० ति० पु० र्व० चि० त० ये० अ० मि० द्यु० मे० सु० र्व० ॥
 या० न० इ० ष० ये० या० मि० न० र० का० रं० अं० वा० य० जि० च० थ० ता० मि० जं० इ० ति० सु० ज० ति० मि० अ० श्वि० ना० आ० ग०

नं। सुवोः। दानाय। सु० नराः। असम्यतः। रथं। आ। तसुः। ववसं। न। मंतवे। यानिः। धियः। अवथः। कर्मन्। इष्ट
यि। सुवो। तासां। दिव्यस्पावु०। शासने। विज्ञां। द्ययथः। अष्टतस्य। मृस्मना। यानिः। धिउं। अस्वं। पिवथः। न
रा। यानिः। परि० ज्मां। तनयस्य। मज्मना। धि० माता। तृषी। तरंगिः। वि० दूषति॥ यानिः। त्रि० संतुः। अन्न
वत। वि० च्छृणः। यानिः। रेनं। नि० वृतं। सितं। अत० न्यः। उत। वंदनं। ऐरयतं। स्वः। द्रो। यानिः। क।
एवं। प्र। सिसासंतं। आवतं। ॥ ३३ ॥ यानिः। अंतकं। जसमानं। आ० अरणो। जुज्यु। यानिः। अद्यधि० रि
ः। जिजिवृष्टः। यानिः। कर्कधु। वय्य। व। जिवथः। यानिः। शुचंति। धन० सां। सु० संसदां। तुसं। पुर्मं। उम्या
० दंतं। अत्रये। यानिः। दृष्टि० यं। पुरु० ऊसं। आवतं। यानिः। शचीनिः। दृषणा। पुरु० वृजं। प्रा० अंधं। श्रो

णं। वक्षसे। एतवे। द्युथः। यात्रिः। वर्तिकां। प्रसितां। अर्चुवतं। यात्रिः। सिधुं। मधुं। मंतं। असंश्रुतं। व
 सिधं। यात्रिः। अजरो। अजिवतं। यात्रिः। कसं। सुतयं। नयं। आवतं। यात्रिः। विस्पलां। धन० सां।
 अथर्व्यं। सहस्रं। मीक्षे। आजौ। अजिवतं। यात्रिः। वशी। अथ्यं। प्रेणिं। आवतं। अथयात्रिः। सुदारु
 इति सु० दातु। अशिजाय। वणिजे। दीर्घं। अवसे। मधु। कोशः। अक्षरत। कक्षीवंतं। स्तोतारं। यात्रिः
 । आवतं। यात्रिः। रसां। क्षोवसा। उन्नः। पिपिचयुः। अतश्च। यात्रिः। रथं। आकतं। जिषे। यात्रिः।
 वि० शोकः। उस्त्रियाः। उत्० आजता। यात्रिः। स्तव्यं। परि० याथः। पुरा० वति। मंक्षतारं। क्षेत्र० पत्ये
 । आवतं। यात्रिः। विप्रं। अत० रत्न० वं। आवतं। यात्रिः। महां। अतिथि० यं। कशाः। शसुवै। दिवः

२दासे। शंवर० हत्ये। आवतं। यानिः। सुः२मिद्ये। नसदसुं। आवतं०। यानिः। वृषं। वि० पिपानं। उप० सु
 तं। कुनि। यानिः। वि० त्रनिं। वृस्यथः। यानिः। वि० अश्वं। उत। धिं। आवतं॥ उप॥ यानिः। नरा। शयंवे। या। व
 निः। अत्रये। यानिः। पुरा। मनवे। गात्रं। इषधुः। यानिः। शारी। अजतं। स्म० रवमये०। यानिः। पठवजि
 षरस्य। मज्मना। अग्निः। न। अदीदेत। चितः। इधः। अज्मन्। आ। यानिः। नार्थातं। अवथः। महा० धने०।
 यानिः। अंगिरः। मनसा। नि० रूपथः। अयं। गवथः। वि० वरे। गो० अस्मिः। यानिः। मर्तुं। मरं। इपा। से०
 आवतं०। यानिः। पत्रीः। वि० मदाय। नि० जहथुः। आ। वृ। वा। यानिः। अरुणाः। अत्रिक्तं। यानिः। सु
 ० दासे। जहथुः। सु० देव्यं०। यानिः। शंताही इति शं० ताती। नवथः। ददाशुषे। जुज्जं। यानिः। अवथः॥

 २३
 ए३

८३

आ स्वतिनेत्रि सुन्दरानां

अग्निः प्रजो जन्तु यन्मानि विधा ॥
 पार्थिवस्य वसुः । उषः । अथ । इह । सु । नरो । वि । उष । परा । यतीनां । अथ । एति । पार्थः । आ । यतीनां । अथ । मा ।
 शस्यतीनां । वि । उषती । जीवे । उत । ईरयती । उषाः । वृत्तं । कं । वन । बोधयती । उषः । यत् । अग्निः । सं । ईधे । च । कथं । वि ।
 यत् । आवः । वक्षसा । सूर्यस्य । यत् । मा । उषान् । यक्ष्यमाणान् । अजीगरिति । तत् । देवेभ्यः । वक्ष्ये । न । इह । अथः ।
 कियेति । आ । यत् । समया । भवति । याः । वि । नृषुः । याः । च । नृनां । वि । उषान् । अथ । प्रवीः । रूपते । वावशाना ।
 । पु । दीध्याना । जोषां । अन्वार्तिः । एति ॥ २ ॥ इद्युः । ते । ये । सर्व । तरां । अपश्यन् । वि । उषती । उषसं । मर्त्यसिः । अ ।
 स्मार्तिः । कुं । इति । उ । प्रति । वक्ष्या । अनुत् । उति । ते । यंति । ये । अपरीषु । पश्यन् । यवयत् । देवाः । कृत । पाः ।

२५
 कृते जाः सुप्र वराः सुरताः । इरेयंती । सु मंगलीः । विव्रता देव वीतिः । इदं । अथ । उषः । श्रेष्ठं । तमा । वि । उव
 । नाथ्यत । उरा । उषाः । वि । उदास । देवी । अथो । इति । अथ । इदं । वि । आवः । मद्योनी । अथो । इति । वि । उगात् । उत्
 । नरात् । अर्जु । दूर । अजरा । अमृता । वरति । स्वधमिः । वि । अंजि । निः । दिवः । आतासु । अद्योत । अर्प । ललां ।
 निः । शनिज । देवी । आवरित्यावः । प्र । बोधयंती । अरुणे निः । अथैः । आ । उषाः । याति । सु । युजा । रथेन । आ
 वहंती । पोषा । वायाणि । चित्रं । केतुं । क्षणुते । चेवि । इदुषीणां । उप । मा । शश्वतीनां । वि । नानीनां । प्रथमा ।
 उषाः । वि । अथैत । ॥ ३ ॥ उत् । ईर्द्धी । जीवः । असुः । ॥ ४ ॥ गात् । अर्प । प्रा । अगात् । तमः । आ । ज्योतिः । एति ।
 अरैक । पंथी । वातये । सूर्याय । अगन्त । यत्र । प्र । तिरंते । आसुः । स्मृमना । वावः । उत् । इत्यर्ति । वक्तिः । स्त

वानः। रत्नः। उषसः। वि० न्नातीः। अद्य। तत्। उ० ष्टाते। मद्योनि। अस्मेदति। आद्युः। नि। दिदाहि। पु० ना०३
 त० याः। गो० म० तीः। उषसः। सर्व० वीराः। वि० उ० ष्टति। दा० शु० षे। म० र्त्वायि। वा० योः। इव। सू० व० तानां। उ० त० अ० को
 ताः। अ० श्व० दाः। अ० श्व० व० त० सोम० सु० वा। मा० ता। दे० वानां। अ० दि० तेः। अ० नी० कं। यु० न० स्य। के० वुः। वृ० ह० ती। वि० ना० हि।
 प्र० ज्ञा० स्ति० क्ष० त० व० र्त्मा० णे। नः। वि० उ० ष्टा० आ० नः। ज० ने० ज० न० य० वि० श्व० व० रे। य० त० वि० त्रं। अ० प्रः। उ० ष० सः। व० ह० ति। ई० ज्ञा०
 ना० यो० ज्ञा० मा० ना० यो०। नृ० दं०। वा० इ० माः। स० द्रा० य०। त० व० से०। क० पु० दि० ने०। क्ष० य० त० वी० रा० य०। प्र० न० रा० म० हे०। म० तीः। य० य०
 । शं०। अ० स० त०। वि० प० दे०। च० उः०। श्पा० द०। वि० श्वं०। पु० हं०। ग्रामे०। अ० स्मि० न०। अ० ना० उ० रं०। मृ० ल० नः। रु० द०। उ० त० नः। म० यः। रु०
 धि०। क्ष० य० त० वी० रा० य०। त० म० सा०। वि० धे० म०। ते०। य० त०। शं०। व०। योः। व०। म० वुः। आ० ये० जे०। पि० ती०। त० त०। अ० श्पा० म०। त० व०। स०

५॥ ५०॥ नीतिः॥ अस्मत्ते॥ सु० मतिः॥ देव० युज्या॥ क्षयत० दीरस्य॥ तद॥ रुद्र॥ मीदुः॥ सु० यत्॥ इत॥ विज्ञो॥ अ
 स्माकं॥ आ॥ वरा॥ अरिष्ट० वीराः॥ जुहवामाते॥ रुद्रिः॥ वेपं॥ वयं॥ रुद्रं॥ यत्त० साक्षी॥ वेकं॥ कति॥ अबसे॥ नि॥ कया
 महे॥ आरे॥ अस्मात्॥ दैव्यं॥ हेतुः॥ अस्मात्॥ सु० मतिः॥ इत॥ वयं॥ अस्मात्॥ आ॥ हणीमहे॥ दिव॥ वराहं॥ अरुषं॥ क
 पुर्दिनं॥ वेपं॥ रुपं॥ नमसा॥ नि॥ कयामहे॥ हस्ते॥ विप्रत॥ नेषजा॥ वार्याणि॥ शर्म॥ वर्म॥ चर्दिः॥ अस्मत्॥ यं॥ सुत्॥
 ५॥ इदं॥ पित्रे॥ मरुतां॥ उच्यता॥ वचः॥ स्वादोः॥ स्वादीयः॥ रुद्राय॥ वर्धनं॥ रास्व॥ दानः॥ अष्टत॥ मर्त० नोर्जनं॥ तम
 ने॥ तोकाय॥ तनयाय॥ मृज॥ मानः॥ महान्तं॥ उत॥ मानः॥ अन्नकं॥ मानः॥ उद्धतं॥ उत॥ मानः॥ उद्धितं॥ माः॥
 ॥ वृक्षी॥ पितरं॥ मा॥ उत॥ मातरं॥ मानः॥ प्रियाः॥ तद्वः॥ रुद्रा॥ पिरिषः॥ मानः॥ तोके॥ तनये॥ मानः॥ आयौ॥ मानः॥ ५॥
 जोषु॥ मानः॥ १॥

अथैष। रिषुः। वीरुः। मानः। रुद्रः। नामितः। वधीः। हविर्भतः। सदे। इतः। वा। हवामहे। उप। ते। स्तोमाः। प
 युपाः। इवा। आ। अकरः। रास्व। पितः। मरुतां। सुमं। अस्मेदति। नद्रा। हि। ते। सु० मतिः। मृजयत० तमा। अथ
 । वयं। अवः। इतः। ते। वृणीमहे। आरे। ते। गो० घ्नं। उत। उरुष० घ्नं। कथयत० वीर। सुमं। अस्मेदति। ते। असु।
 मृज। चानः। अधि। च। बृहि। देवा। अध। चानः। शमी। यच्च। धि० बर्ही। अवोचाम। नमः। अस्मै। अवस्यवः।
 मृणोउ। नः। हवं। रुद्रः। मरुतां। इ० द्वा। वित्रं। देवानां। उत। अगात। अनीकं। चक्षुः। मित्रस्य। वरुणस्य।
 अयेः। आ। अत्राः। द्यावा। पृथिवी। इति। अंतरिक्षं। सूर्यः। आत्मा। जगतः। तस्युषः। च। सूर्यः। देवी। उपसं।
 सेदमा। नां। मयः। न। योषां। अत्रि। एति। पश्चात्। यत्र। नरः। देव० यंतः। सुगानि। वि० तच्चते। प्रति। नद्राय। न

५॥ नमः॥ अग्निः॥ हरितः॥ सूर्यस्य॥ विश्वः॥ एत० वाः॥ अमु० माद्योसः॥ नमस्ततः॥ दिवः॥ आ॥ ए०॥ असुः॥ परि॥
 यावा० ए० पि० वी० इति॥ यंति॥ मद्यः॥ ततः॥ सूर्यस्य॥ देव० वं॥ ततः॥ महि० वं॥ मध्यः॥ कर्त्त०॥ वि० ततः॥ सं॥ ज० नार॥
 यदा॥ इत॥ अयुक्त॥ हरितः॥ सध० स्वा०॥ आत॥ रात्री॥ वासः॥ तनुते॥ सिमस्मै॥ तत॥ शिवस्य॥ वरुणस्य॥
 अग्नि० वक्षे॥ सूर्यः॥ रूपं॥ कृणुते॥ योः॥ उप० स्वे॥ अनंतं॥ अन्यत॥ रुद्रा०॥ अस्म॥ पाजः॥ रुद्रं॥ अन्यत॥
 हरितः॥ सं॥ नर० ति॥ अद्य॥ देवाः॥ उत्त० इता॥ सूर्यस्य॥ निः॥ अंद० सः॥ पि० द०॥ निः॥ अव० द्यात॥ ॥ ॥ ॥ ना
 सत्यात्मा॥ बर्हिः॥ इ० वा॥ इ० जे॥ सोमा० न॥ इ० य० मि॥ अ० त्रि० य० इ० व॥ वातः॥ यो॥ अ० र्भ० गाय॥ वि० म० द्या० जा० यो॥
 सेना० सु० वी० नि० ज० ह० उ०॥ रथे० न॥ वी० लु० प० त्म० निः॥ आ० सु० हे० म० निः॥ वा० दे० वा० ना०॥ वा० जू० ति० निः॥ शा० न०॥

तत्रो० ३

ए० द० क०

दाता। तत्र। रासर्पः। नासत्या। सहस्रं। आजा। यमस्य। प्र० धने। जिगाया। उर्यः। हा। उर्युं। अश्विनां। उद० मे।
 घो। रयिं। नाकः। वित्। मष्ट० वार। अवा। अहाः। तं। ऊहयुः। नौतिः। आत्मन्० वतीनिः। अंत० रिक्त० उव०।
 निः। अप० उदकाभिः। तिस्रः। क्षपेः। त्रिः। अहा। अतिवृजत्० निः। नासत्या। उर्युं। ऊहयुः। पतंगैः।
 समुद्रः। स्याध्वन्। आर्द्रस्य। पारे। त्रि० निः। रथैः। शतपात० निः। षट्० अश्वेः। अनारंभणे। तत्र। अवीर
 येषां। अनास्त्रानि। अयंभणे। समुद्रे। यतः। अश्विनौ। ऊहयुः। उर्युं। अस्तं। शत० अश्विनां। नावं। आत
 स्त्रि० वांसं॥ ७॥ यं। अश्विना। ददयुः। श्वेतं। अश्वौ। अथ० अश्वाय। शश्वत्। इतः। स्वस्ति। तत्र। वां। दातां।
 महि। कार्त्तनौ। नूत। पैधः। वाजी। सदा। इतः। हव्यः। अर्यः। युवं। नरा। सुवते। पञ्चियाय। कक्षीवते।

अरुदतं। पुरं० धिं। कारोत रात्। शुफात्। अमृस्य। वृष्णः। शतं। ऊंभार। असिं वृतं। सुरायाः। हिमेना। अग्निं
 । घुसं। अवारयेथां। पित्रु० मतीं। नृजं। अस्मै। अधुतं। रुवीसे। अत्रिं। अग्निना। अव० नीतं। उत। निन्यथुः। स
 वं० गणं। स्वस्ति। परा। अवृतं। नासत्या। अनुदेथां। उवा० बुधं। चक्रयुः। जित्म० वारं। क्षरन्। आपः। नापाय
 नाय। राये। सहस्राय। वृष्णात्। गो० तमस्य। अनुसृष्टः। नासत्या। उत। वृद्धिं। अशुं वृतं। अपिं ईवा। चवानात्
 । अतिरतं। जुहितस्य। आयुः। दस्वा। आत। इत। पतिं। अरुणतं। कनीनां॥ ए॥ तत्। वां। नरो। शंस्यं। रा।
 ध्यो० च। अग्निं। ष्टि० मत्। नासत्या। वरुणं। यत्। विदीसा। निधिं ईवा। अर्प० गृह्णं। उत। दर्शनात्। ऊपयुः।
 वंदनाय। ०। मनये। दंसः। उग्रं। आविः। रुणो मि। तन्युः। ना। वृष्टिं। दध्यङ्। हायत्। मधु। आयुर्वणः॥

एव

वां। अथ स्य। शीर्षा। धा यत्। ई। उवाच। अजो हवीत्। ना सत्या। करा वां। महे। यामर्। पुरु० उजा। उरं०
पिः। श्रुतं। तत्। ज्ञा सुः। श्व। वधि० मत्याः। हिरण्य० हस्तं। अश्विनौ। अदत्तं। आसः। वृक स्य। वर्तिकं। अन
के। श्वं। नरा। ना सत्या। असु वृक्तं। उतो इति। कधिं। पुरु० उजा। पुरु० उजा। सुवं। हा क्षपमाणं। अरुण
तं। वि० चक्षे। चरित्रं। हि। वे। श्व। अर्धे दि। पत्नी। आजा। खेल स्य। परि० तकम्पायां। सद्यः। जंघां। आयसं
विश्रप लायै। धने। हिते। सत्तवे। प्रति। अधु० ॥१॥ ज्ञांतं। मषार। वृक्ये। चक्षु दानं। क्रि० अश्वं। तं। पित
अंधं। चकार। तस्मै। अक्षी इति। ना सत्या। वि० चक्षे। आ। अधु० दस्मा। निषजो। अनर्वर। आ। वां। रथं
उहिता। सूर्यस्य किष्कंधे। श्व। अतिष्ठत्। अर्वता। जयंती। विम्वे। देव्यः। अत्र। अमन्यं त। हत० निः।

जाह्नवां ४

सं। नृ० इति। श्रिया। नासत्या। सवेद्ये इति। यत्। अयातं। दिवः। शदासाय। वृत्तिः। नरत्० वजाय। अश्विना। हा
यंता। रेवत। उवाह। सवनः। रथः। वा। दृषनः। वा। निंशुमारः। वा। युक्ता। रथि। सु० क्षत्रं। सु० अयत्तं। आसुः।
सु० वीर्यं। नासत्या। वहंता। आ। जकावी। स० मनसा। उपावाजैः। विः। अनां नागां। दधती। अयातं। परि० वि
ष्टाविश्वतः। सी। सु० गेतिः। नक्तं। ऊहयुः। रजः। शनिः। वि० मिंदुना। नासत्या। रथेन। वि। पर्वतात्। अतुर
यू इति। अयातं। ॥ १॥ एकस्याः। वस्त्रोः। आवतं। रणाय। वशो। अश्विना। सनयो। सहस्रा। निः। अहत्तं। उह
नाः। इंद० वंता। दृशु० शर्वसः। दृषाणो। अरतीः। शरस्य। चित्। आर्चत० कस्य। अवतात्। आ। नीचात्। उ
वा। नृ० युः। पातवे। वारितिवाः। नायवे। चित्। नासत्या। शवीनिः। जसुरये। स्तव्यं। पिथयुः। गां। अवा

स्युते। सुवते। कृत्स्नियार्थ। क्रतु० यते। नासत्या। शचीनिः। पञ्चानः। नष्टेइव। दर्शनाय। विस्मार्ध। ददधुः। वि
 श्वाकाय। दश। रात्रीः। अश्विनेन। नवाघ्न। अर्ध० नक्ष० मथितं। अर्ध० सु। अंतरिति। वि० पुतं। रेतं। उदनि। प्र०
 वृक्तं। उत्। निन्यथुः। सोमैइव। सुवेण। प्र। वां। दसांसि। अश्विनौ। अर्धोचं। अस्या। पतिः। स्यां। सु० गवः। सु०
 वीरः। उत्। पश्यन्। अश्ववत्। दीर्घं। आयुः। अस्तइव। इत्। जुरिमाणं। जगम्यां। ए० मध्वः। सोमस्य। अ
 श्विना। मदाय। पुनः। होता। आ। विवासते। वां। बर्हिष्मती। रातिः। वि० श्रिता। गीः। इषा। यातं। नासत्या।
 उर्षा। वाजैः। यः। वां। अश्विना। मनसः। जवीयान्। रथः। सु० अर्धः। विशः। आ० जिगाति। येन। गवथः। सु
 ० कृतः। पुरोणं। तेन। नरा। वृत्तिः। अस्मभ्यं। यातं। कृषिं। नरो। अहसः। पांच० जन्मं। कृवासात्। अत्रिं। पुंच।

धः मित्रेन। वरिः। अस्मन्मन्। याते। ऋषिः। नरौ। अंहसः। पांच० जत्यं। ऋषीमात्र। अत्रिः। उवधगुणेन। मित्रं
 ता। दम्पोः। अशिवस्य। मायाः। अत्रु० पूर्वम्। वृषणा। वोदयं। ता। अश्वं। नाशुहं। अश्विना। दुःखपर्वः। ऋषिः।
 नरा। वृषणा। रेनं। अत्रु० सु। सं। तं। रिणीयः। वि० कुतं। दंसः। शनिः। नावां। जूर्यति। पूर्या। कृतानि। सुसु
 घांसं। नानिः। श्रुतेः। उप० स्ते। सूर्या। नादस्मा। तमसि। क्षियंतं। शुभे। रुक्म। नादशतं। नि० स्वाते। उत।
 ऊपशुः। अश्विना। वंदनाय॥ १३॥ नैपजियेण। कक्षीवता। नासत्या। परि० ज्मन्। शाफात्। अश्वस्य। वाजि
 नः। जनाय। नैमधनां। नैस्रल्लियाय। नैघोषाये। क्षिर। पिर० सदे। दुगोणे। पतिं। जूर्यतै। अश्विनौ। अदु
 तं। युवं। अर्पावाय। रुशतीं। अदत्तं। महः। क्षोणस्य। अश्विना। कण्वाय। प्र० वाच्यं। तन। वृषणा। कृतं।

२ युवंनैरास्तुवनेति क्षानराशस्मई विष्ठा जदह युनिर्मनाय १२

शतं प्रेषा नू कये ५

त्या। अहणात। युवं। उयाय। पूर्वनिः। एवैः। उतः। समन्यौ। अतवतं। सुवाना। युवं। नुज्जं। अर्णसः। निः। स
 सुवाता। वि० निः। अहयुः। रुज्जनिः। अर्धेः। अजोहवीत। अश्विना। तोयः। वा। प्र० उ० हः। सुमुदं। अगधि
 :। अगवात। निः। तां। अहयुः। सु० सुजा। रथेन। ननः। एजवसा। दृषणा। स्वस्ति॥ १५॥ अजोहवीत। अश्वि
 ना। वर्तिका। वां। आस्रः। यत। सी। अउंचतं। दृकस्य। वि। जयुषा। यययुः। साउ। अर्धेः। जातं। विषाचः।
 अहतं। विषेणा। नममहातं। तमः। प्र० नीतं। अश्विनेन। पित्रा। आ। अक्षीइति। जु० अश्वे। अश्विनो। अश्व
 तं। ज्योतिः। अंधाय। वक्रयुः। वि० वक्षे। अनं। अंधये। नरं। अकयतासा। दृकीः। अश्विना। दृषणा।
 नसा। इति। जातः। कनीनः। इवावक्षद्वानः। रुज्ज० अश्वः। शतं। एकं। च। मेघाना। मही। वां। अतिः। अ

श्विना। सुतुः। श्वः। उत। सामं। धिष्या। सं। रिणीयः। अथ। युवां। इत। अकृत। युवं। धिः। आ। अगुचते।
 सो। वृषणो। अवः। श्विः। अथेवं। दस्त्रा। सुयै। वि० सक्तं। अपिचितं। शयवे। अश्विना। गां। युवं। शवीनिः।
 वि० मताय। जाया। नि। ऊदधुः। उरु० मित्रस्य। योषां॥ १६॥ यवं। वृकेण। अश्विना। वपेता। इषं। दुहेता। म
 उषाय। दस्त्रा। अत्रि। दस्युं। वज्ररेण। धर्मता। उरु। ज्योतिः। वक्रयुः। आयीय। आयर्वणाय। अश्विना।
 दधीवे। अश्व्यां। शिरः। प्रति। ऐरयतं। सः। वां। मधु। प्रावोचत। कृत० यन्। वाष्टं। यत। दस्त्रो। अपि० कद्व्य
 दां। सदा। कवीइति। सु० मतिं। आ। वके। वां। विश्वाः। धियः। अश्विना। प्रा। अवतं। मे। अस्मेइति। रयिं। ना
 सत्या। वृहंतं। अंपत्य० सावे। सुत्यं। ररायां। हिरण्य० दस्तं। अश्विना। रराणा। पुत्रं। नरा। वधि० मत्याः।

अदत्तं। विधा। ह। शपाव। अस्थिना। वि० कस्तं। उत। जीवसे। ऐरयतं। सुदानुइति सु० दानु। एतानि। वां। अ।
 धिना। नीयीणि। प्र। सुवीणि। आयव। अकोचन्। वत्स। क्षणवतः। वृषणा। सुव० न्या। सुवी। रासः। विद
 यं। आ। वदेम॥ १७॥ आ। वां। रथः। अस्थिना। अपेन० पंचा। सु० मृत्नीकः। स्व० वान। याउ। अवीड। यः।
 मर्त्यस्य। मनसः। जवीयान्। वि० वंधुरः। वृषणा। वात० रंदाः। वि० वंधुरेण। वि० वृता। रथेन। वि० चक्रेण।
 सु० वृता। आ। यातं। अवीक। पिवतं। गाः। जिवतं। अवीतः। नः। वदयतं। अस्थिना। वीरं। अस्तेइति। पु
 वत्० द्योमना। सु० वृता। रथेन। दसौ। इमं। शृणुते। सोकं। अडेः। किं। अंग। वां। प्रति। अर्वर्तिगमिषा
 । आ। जः। विप्रोसः। अस्थिना। पुरा० जाः। आ। वां। अपेनासः। अस्थिना। वदंउ। रथे। युक्तासः। आ।

वः। पतंगाः। ये। अ० उरः। दिव्या मः। नागंधाः। अनि। प्रयः। नासत्या। वहंति। सुवतिः। तिष्ठतः। अ
 त्र। जुष्टी। नरा। दुहिता। सूर्यस्य। परि। वां। अश्वाः। वज्रषः। पतंगाः। वयः। वहंनु। अरुषाः। अनाके।
 १०। उत्त। वंदन। ऐरतं। दंसनाभिः। उत्त। रेभं। दस्त्रा। दृषणा। शचीभिः। निः। तौय्य। पारयुथः। सप्रजान्
 । अनुरिति। अवनं। वक्रयुः। युवं। अत्रये। अवे। नीताय। तप्तं। अर्जं। उमानं। अश्विनौ। अधत्तं। युवं। क
 एवाया। अपि० रिमाय। वहुः। प्रति। अधत्तं। सु० सुतिं। जुजुषाणा। युद्धं। शयवे। नाधिताय। अपि० व
 तं। अश्विना। पूर्याय। अश्वं। वरि० कां। अहंसः। निः। प्रति। प्रदं। विरपलायाः। अधत्तं। युवं। अतं।
 पेदवे। इ० नृत्तं। अहि० हनं। अश्विना। अदत्तं। अश्वं। जोरुत्रं। अर्यः। अति० भूतिं। जुयं। सहस्र० सं।

दृषणं। वीजु० अंगं। ता। वां। नरा। सु। अवसे॥ सु० जाता। हवांमहे। अश्विना। नाधमानाः। आ। नः। उप। वसु०
 मता। रथेन। गिरः। जुषाणा। सुविताय। याता। आ। रथेनस्ये। जवसा। हतनेन। अस्मे इति। यातं। नासता। स
 ० जोषाः। हवे। हि। वा। अश्विना। रात० हव्यः। वाश्वत० तमायाः। उषसः। वि० उष्टौ॥ ए। वा। पुसु० मायै।
 मनः। श्रुवं। जी० अश्वं। यशिर्य। जीवसे। जुवे। महस्व० केउं। वनिनं। रात० वसुं। सुष्टी० वानं। वरिवः॥
 धं। अनि। प्रयः। ऊर्वा। धीतिः। प्राति। अस्प। प्र० यामनिनि। अर्धयि। रास्मन्। सें। अयंते। आ। दिशः
 । स्वदामि। यमं। प्रति। युंति। ऊतयः। आ। वां। ऊर्जाना। रथं। अश्विना। अरुहत्। सें। यव। मिथः। पस्थ
 धनासः। अगमत। शुभे। मरुवाः। अमिताः। जायदः। रणे। सुवो॥ अह। प्रवणे। वेकिते। रथेः। यत। अश्वि

ना। वहथः। सुरिं। आ। वरं। युवं। अजुं। अरमाणं। वि० निः। गते। स्वयुक्ति० नि० वनि० वहंता। पि० न्यः।
 आ। यासिष्टं। वर्तिः। हृषणा। वि० जेन्यं। दिवः। शदासाय। महि। वेति। वां। अवः। युवोः। अश्विना। वपुषे। सु
 वा० युजं। रघो। वाणी इति। येमत्रः। अस्या। नाधै। आ। वां। पति० वं। सुखाय। जसुषी। योषा। अष्टणीत।
 जेन्यो। युवां। पती इति॥ १०॥ युवं। रेनं। परि० सूतेः। उरुष्यधुः। हिमेन। द्युर्मै। परि० तप्तं। अत्रये। युवं। न
 योः। अवसें। पि० ययुः। गवि। प्र। दीर्घेण। वंदनः। तारि। आयुषा। युवं। वंदनं। निः। श्रुतं। जुरणपया। र
 धं। न। दस्त्रा। करणा। सं। इव्यधुः। क्षेत्रात। आ। विप्रं। जनयः। विपन्यया। प्र। वां। अत्र। विधते। दंसना
 अवत। अगच्छतं। रूपमाणं। पारु० वर्ति। पि० उः। स्वस्य। त्यजसा। नि० बाधितं। स्व। श्वतीः। इतः। अतीः॥

३२

पुनोः॥ अह॥ विनाः॥ अनीको॥ अनवर॥ अभिष्टयः॥ अत॥ स्या॥ वां॥ मधु॥ मत्त॥ मर्दिका॥ अयोरपत्त॥ मिदे॥ सोम॥
 स्या॥ अत्रिजाः॥ ऊवन्नुति॥ सुवं॥ दधीचः॥ मनः॥ आ॥ विवासयः॥ अय॥ शिरः॥ प्रति॥ वां॥ अश्व॥ वदत॥ सुवं॥
 पेदवे॥ उरु॥ वारं॥ अश्विना॥ स्थधं॥ श्वेतं॥ तरुतारं॥ उवस्मय॥ गायैः॥ अग्नि॥ द्यं॥ एतनासु॥ उस्तरं॥ चर्च॥
 तं॥ इंद॥ इव॥ वर्षाणि॥ सहं॥ १॥ का॥ राधुत॥ होत्रा॥ अश्विना॥ वां॥ क॥ जोषे॥ उन्नयोः॥ कया॥ विधाति॥ अत्र॥
 वेताः॥ विधांसौ॥ वत्॥ डुरः॥ एवेत्॥ अविधान्॥ इवा॥ अपरः॥ अवेताः॥ उ॥ धित्॥ उ॥ मर्त्त॥ अक्रौ॥ ता॥ विधांसौ॥
 इवामहे॥ वां॥ ता॥ नः॥ विधांसौ॥ मत्स॥ वोचेतं॥ अद्य॥ प्र॥ आर्वत॥ द्यमानः॥ युवाऊ॥ वि॥ ए॥ ब्रामि॥ पा॥ क्यः॥
 न॥ देवान्॥ वर्षद॥ हतस्या॥ अ॥ दु॥ तस्या॥ द॥ स्ना॥ पा॥ तं॥ वा॥ स॥ स॥ सु॥ वं॥ च॥ र॥ त्स॥ नः॥ ३॥ या॥ घोषे॥ नृ॥ ग॥

वां ६

वाणे। न। शोभे। यदा। वाचा। यजति। पुष्टियः। वा। प्र। इष० युः। न। विद्वान्॥ २५॥ सुते। गा० द०॥ तर्कवा।
 नस्य। अ० हं। वित्। हि। रिरेन। अ० स्थिना। वा। अ०। अ० दी० इति। अ० नः। प० ती० इति। द० न। सु० वं। हि। आ० स्तं। म० हः।
 र० न। सु० वं। वा। यत्। निः० अ० त० तं स० तं। ता० नः। व० सू० इति। सु० गो० पा० स्पा० तं। पा० तं। नः। व० का० तं। अ० य०० योः।
 मा। क० स्मै। क्ष० तं। अ० नि। अ० मि० वि० णे। नः। मा। अ० ऊ० त्रं। नः। ग० हे० म्यः। धे० न० वः। गुः। स्त० न०० अ० जः। अ० नि० श्यी।
 ॥ दु० ही० यन्। मि० त्र०० धि० त० ये। सु० वा० ऊ०। रा० ये। च० नः। मि० मी० तं। वा० ज०० व० त्ये। इ० षे। च० नः। मि० मी० तं। धे० उ०० म।
 त्ये। अ० स्थि० नोः। अ० स० नं। र० थ्ये। अ० न० श्यं। वा० जि० नी०० व० तोः। ते० न। अ० हं। च० री। वा० क० न। अ० यं। स० म० ह०। मा। त० उ०।
 अ० स्या० ते। ज० न० र्। अ० उ०। सो० म०० पे० यं। सु० र० वः। र० थ्यः। अ० ध०। स्व० प्र० स्यं। नि० वि० दे। अ० उ०० ज० तः। च० रे० व० तः॥ ३॥

माता वस्ति नक्षत्रः ॥ यत्र ॥ कर्तुः ॥ इच्छा ॥ चक्षुःपात्रं देव ॥ यतां ॥ अर्धतः ॥ गिरः ॥ अंगिरसां ॥ चुरापितृ ॥ प्राय
 तः ॥ आनर् ॥ विशः ॥ आ ॥ हर्मस्य ॥ उरु ॥ कंसते ॥ अधुरे ॥ यजत्रः ॥ स्तनीत ॥ ह ॥ द्यां ॥ सः ॥ धरुणो ॥ पुष्ययत ॥ क्रतुः
 ॥ बाजोय ॥ इविणं मरः ॥ गोः ॥ अत्र ॥ स्व ॥ जां ॥ महिषः ॥ चक्षुः ॥ वां ॥ मेना ॥ अर्धस्य ॥ परि ॥ मातरं ॥ गोः ॥ नक्षत्र
 ॥ हवं ॥ अरुणी ॥ पूर्व ॥ राट ॥ चुरः ॥ विशां ॥ अंगिरसां ॥ अत्र ॥ घृत् ॥ तक्षत ॥ वज्रं ॥ नि ॥ व्युत्तं ॥ स्तनं ॥ द्यां ॥ च
 ॥ शपदे ॥ नयीय ॥ द्वि ॥ पादे ॥ अस्या ॥ मदे ॥ स्वयं ॥ दा ॥ कृताय ॥ अपि ॥ वृत्तं ॥ उस्त्रियाणां ॥ अनीकं ॥ यत ॥ ह ॥
 सयै ॥ त्रि ॥ कुक्कुश ॥ नि ॥ वर्तत ॥ अर्ध ॥ क्रुद्धः ॥ मातृषस्य ॥ डरः ॥ वरिति वः ॥ उन्मं ॥ एयः ॥ यत ॥ पितरौ ॥ अनी
 तां ॥ राधः ॥ सु ॥ रेतः ॥ चुरणो ॥ चुरणू इति ॥ अवि ॥ यत ॥ ते ॥ रेक्लः ॥ आ ॥ अयजंत ॥ सबः ॥ शुद्धायाः ॥ ययः ॥

१॥ इवे चरचा यो ॥ इवे ना ज्य का ॥ २
 ३॥ इवे ना कर ॥ इवे रत्ना कर ॥ ४
 ५॥ इवे रत्ना ॥ इवे मा ल ज ॥ ६
 ७॥ इवे हरि शंकर ॥ इवे सो मे म्बर ॥ ८
 इवे सर्वेश्वर पठन्त्ये इवे दयानंद सुत

वृत्त सप्तमः
 निवेदनम्

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ उ नमः सिद्धं ॥ उ प्र। वः। पांतां। रघु० मन्यवः। अंधः। यज्ञं।
 रुद्राय। मी० कु० धे०। नर० धं। दिवः। अस्त० षि। असुर० स्या० वी० रः। इषु० ध्या० प्रव०। मरु
 तः। राद० स्याः। प० नी० इव। पूर्व० हृतिं। व० वृ० ध० धि०। उ० व० मान० त्ता०। पुरु० क्षी०। विद०। न
 इति। स्तर०। न०। अ० कं। वि० उ० तं। व० सा० ना०। सूर्य० स्य० श्रिया०। सु० इ० शी०। हिर०। णि०। म
 म० त्तु०। नः। परि० ज्मा०। व० स० ह०। म० म० त्तु०। वा० तः। अ० पां०। वृ० ष०। ए० व०। नू०। शि० शी०। तं। इ०
 व० ता०। यु० वं। नः। त० त०। नः। वि० श्व०। व० रि० व० स्यं० त्तु०। द० वाः। उ० त्। त्वा०। म०। य०। श०। सी०। श्य०
 ना०। यि०। व्यं०। ता०। पां०। ता०। अ० शि०। जः। कु० व०। धि०। प्र। वः। न०। पां०। तं। अ० पां०। रु०। णु०। धं। प्र। मा०। तं
 रा०। रा०। स्पि०। न०। स्य०। आ०। याः। आ०। वः। रु०। व०। णु०। अ०। शि०। जः। कु०। व०। धि०। आ०। धा०। इ०। व०। शं०। सं०

अर्जुनस्य। नंश। प्रावः। क्षास्त्रादावान। आ। अर्जु। वावय। वसु० ताति। अ
मः। अर्जुतं। मित्रावरुणा। हवा। इमा। उता। अर्जुतं। सदनं। विश्वता। सी। आ
जनः। आर्जुतं। रातिः। सु० आर्जुतः। सु० हर्त्रा। सिंधुः। अर्जुतं। मिः। स्तुषा। मा। वां। व
रुणा। मित्रा। रातिः। गवां। शता। पृथु० यापशु। पद्मे। अर्जुतं। राय। प्रिय० राय। राय।
नाः। सद्यः। पुष्टिं। नि० रुंधानासः। अर्जुतं। अर्जुतं। अर्जुतं। महि० मघस्य। अर्जुतः।
सवा। मानम। नक्षत्रः। सु० वीराः। जनः। यः। पद्मे। अर्जुतः। वाजिनी० वानू। अर्जुतं। व
तः। रायिनः। मद्यं। सुप्रिः। जनः। यः। मित्रावरुणा। अर्जुतं। अर्जुतं। अपः। न।

वां। सुनाति। अक्षया० ध्रुव० स्वयं। सः। यक्ष्मं। हृदय। निधति। आपाय
 त। ई। हात्रातिः। कृत० वा। सः। बोधतः। नक्रषः। दं० मुज्जतः। शब्दः। रतरः। नरां।
 गूर्त० अर्वाः। विष्टृष्ट० रातिः। याति। बा० रु० सु० वा। विश्वास्तु। हृत्० सु। सदा। द्रव।
 श्वरः। १। अध० मंतै। नक्रषः। रुवां। सूरः। प्रातै। राजानः। अमृतस्य। मंदाः। न
 त्रः। २। जुवः। यत्। निरवस्य। राधः। प्रशस्तय। महिना। रथ० वत। एतं। शब्दं।
 धाम। यस्य। सूरः। इति। आवाचन। दश० तयस्य। नं। श। ध्रुम। नि। यत्। व
 सु० तातिः। रं। रन्। विश्व। सन्तु। प्र० दृष्टि। वाजं। मंदा। मह। दश० तयस्य। धा २
 साः। द्विः। यत्। पंच। विन्नतः। यंति। अन्ना। किं। इष्ट० अश्वः। इष्ट० रश्मिः।

वित्ततरं

एता इति नासः। त रुषः। कंजता नृन्। हिरण्यं कसं। मशि० ग्रीवं। अरुः। ०।
 अर्यः। गिरः। सद्यः। आ। ऊ। मुषीः। आ। उ। स्त्राः। वाकं। उ। न। य। प्र। स्मे। इति।
 चत्वारः। मा। मश। शरिष्य। शिश्वः। त्रयः। रा। ऊ। आ। यवस्य। जिह्माः। रथः। वा।
 मित्रावरुणा। दीर्घ० अस्माः। स्यूम० गजस्तिः। सूरः। न। आद्योत्। श। पृथुः। र
 यः। दक्षिणायाः। आयाजि। आ। एनं। दवासः। अमृतासः। अस्तुः। रुक्मात्। उ
 त। अस्तुत्। अर्या। विहायाः। चिकिंसेती। मानुषाय। हयाय। इवा। विश्वस्मा
 त। भुवनात्। आबाधि। ऊयंती। वाजं। बृहती। मनुत्री। उवावि। अस्त्यत्। युवतिः।
 पुनः२ नृः। आ। उषाः। अग्नः। प्रथमा। पूर्व० हूतो। यत्। अद्य। नागं। वि०

स

संघर्ष

न जासि। नृः। उषः। दिवि। मर्त्यं० त्रा। सु० जात। दिवः। नः। अत्रा। सविता। द
 क्षनाः। अनागसः। वाचति। सूर्याय। गृहं० गृहं। अरुना। याति। अष्ट। दिवे
 ० दिवि। अधि। नमः। दधना। सि सा संती। घातना। शस्त्रत्। आ। अगात्
 अग्रं० अग्रं। इत्। न ऊत। वसूनां। जगस्य। स्वसा। वरुणस्यं। नामिः। उषः।
 स्तुता। प्रथमा। जरस्व। पश्चा। सः। दद्याः। यः। अश्वस्य। धृता। उद्यम। तं।
 दक्षिणाया। रथिन॥४॥ उत्। ईरतां। स्तुताः। उत्। पुरं० धीः। उत्। अग्र
 यः। शुश्रुवा नामः। अस्तुः। स्याह। वसूनि। तमसा। अप० गृहा। आ
 विः। न एवति। उषसः। वि० नातीः। अप० अन्यत्। एति। अनि। अन्यत्।

३॥

एति विष्णु रूप इति विष्णु रूप। अहनी इति। सांच एत इति परि० कितोः।
तमः। अन्या गुहा। अकः। आद्योत् उवाः। शाश्वत। रायन। स० दृशीः। अ
द्य। स० दृशीः। इत् ऊं इति। अद्यः। दीर्घं। सचं। वरुणस्य धर्म। अनवद्याः। जि
शतं। याजनानि। एका० एका। क्रतुं। परि। यंति। सद्यः। सजानती। अङ्गः। प्र
थमस्य। नाम। शुक्रा। हस्मात्। अङ्गि निष्ट। श्रिती। श्री। सतस्य। पावा। ना।
मिनाति। धर्म। अहः२। अहः। निः२। हतं। आ० चरंती। कन्या। इव। तन्या।
शाशदना। एषि। दवि। एवं। इयद्दमाणं। स० समयमाना। युवति। अ
रस्तात्। आकि। वहांसि। अणुषि। वि० भाती॥५॥ सु० संकाशा। माट

सृष्टिः इव। याषाः आविः। तन्वां रुणुष। इश। कं। नद्रा। त्वं। उषः। वि०तरं।
 वि०उछ। न। तत्। त। अ०न्याः। उषसः। नशंता। अ०ध०वतीः। गा०मतीः। वि०स्र०व्या
 राः। यतमानाः। रश्मि०निः। सूर्यस्य। परा। वा०यंति। पुनः। आ०च०यंति। नद्रा। नामः।
 वहमानाः। उषसः। रुतस्य। रश्मिं। अनु०प०छमाना। नद्रं०नद्रं। रुतं० अ०स्मासु।
 त्थि। उछः। नः। अ०श०सु०दवा। वि०उछ०। अ०स्मासु। रा०यः। म०ध०वत्०सु। वा०सु
 रिति०स्यः॥ ६॥ उषाः। उछंती। सं०दधाना। अ०ग्नि०। उ०त्०यन्। सूर्यः। उ०र्वि०या। ज्यो
 तिः। अ०श्रु०त०। नु। अ०यं। प्र०। अ०मा०वी०त्। वि०त०। वा०च०तुः०। प०त०। इ०त्ये०। वा०। आ०भू०त०
 नां०। आ०द्यो०त०। ज्योतिः। व०सा०ना। स०म०ना। पुर०स्ता०न्। रुत०स्य। पं०थां०। अ०नु०। ए०ति०

४॥

देवो नो अ०ग०

प्रथमो ग०

एषादिबोद्धिता ग०

CC-0. Mrugendra Vinod Collection. Digitized by eGangotri

अ०मी०न०ती०दै०मा०ग०। ई०शु०षी०ग०

साधु। प्रज्ञानतीऽइव। नादिशः। मिनाति। उपादति। अदशि। अंधकवः। नः। वरुः। नो
धाऽइव। आविः। अरुतौ प्रियाणि। अयमसतः। न। ससतः। बाधयंती। शश्वतः।
मा। आ। अगात्। पुनः। आ। अयुषीणां। सार्व। आर्द्ध। रजसः। अश्वस्य। गवां। उनिः।
अरुत। प्राकृतुं। वि। अंइति। प्रयात। वि० तरं। वरीयः। आ। उना। पृणंती। पित्रोः। उप
० स्ता। ७। एव। एषा। इत्। अरु० तमा। दृशा। कं। ना। अरुमिं। ना। परि। वृणक्ति। जा
अरपसा। तन्वा। शाशदाना। ना। अर्जात्। इव। त। ना। मरुः। वि० भाती। अजाताऽ
इव। पुंसः। एति। प्रतीची। गर्त०। आरुगिव। सुनय। धनानां। ज्ञायाऽइव। पात्य। उश
ती। सु० वासाः। उघाः। रुस्त्राऽइवानि। रिणीत्। अशः। स्वसा। स्वस्त्र। ज्यायस्ये।

१. उपः। पृणतः। मघोनिः। अर्बुधमानाः। पण्यः। ससंउरेवत्। उछ। मघवत्। १२२

वि. १५१

पानिं। अरेक। अप। एति। अस्याः। प्रति। चक्षुः। इव। वि० उछंती। रश्मि० निः। स्र
यस्य। अंजि। अं। दुः। समनगाः। इव। ब्राः। आसां। पूर्वासां। अह० सु। स्वसृणां। अ
परा। पूर्वा। अमि। एति। पश्चात्। ताः। प्रन० वत्। नव्यसीः। नूनं। आस्मदति। एवत्।
उछंत्तु। सु० दिनाः। उषसः। प्रा। बाध्यय० मघानि। एवत्। क्तात्र। स्तृत्त। ऊ० यं
ती। ॥ ८॥ अवा० इयं। आश्चेत्। युवतिः। पुरस्तात्। पुष्पुः। गर्वां। अरुणानां। अनीकं।
वि। नूनं। उछात्। असति। प्राकृत्तः। गृहं० गृहं। उप। तिष्ठात्। अग्निः। उत्। त। वयः।
वित। वसतः। अपमन० नरः। च। य। पि० भाजः। वि० उछे। अमा। सत। वहसि।
क्षरि। वामं। उषः। दवि। दाशुष। मर्त्याय। आस्ताहुं। स्ताम्याः। ब्रह्मणामि। अवा०

५॥

वृधं॥ उ० शतीः॥ उ० घेसः॥ युष्माकं॥ देवीः॥ अवसा॥ सानुमा॥ सहस्त्रिणां॥ वा॥ शति
 नं॥ वा॥ वाजं॥ द॥ प्रातरिति॥ रत्नं॥ प्रातः॥ र० द० द्या॥ दधाति॥ तं॥ वि० कित्वा॥ न॥ प्रति० गृह्य॥ नि॥
 धत्त॥ तन॥ प्र० जं॥ वृद्धयमानः॥ आयुः॥ रायः॥ पाषाण॥ स० वीरः॥ सु० गुः॥
 असत्॥ सु० हिरण्यः॥ सु० अश्वः॥ बृहत्॥ अस्मे॥ वयः॥ दं० दं॥ दधाति॥ यः॥ त्वा॥
 आ० यंतं॥ वसुना॥ प्रातः॥ र० द० द्या॥ मुही० जया॥ इवा॥ पदि॥ उत्० सिनाति॥ आ० यं॥ अ॥
 घ॥ सु० कृतं॥ प्रातः॥ द० छं० न॥ द० द्या॥ पुत्रं॥ वसु० म० ता॥ रा० यन॥ आ० शाः॥ सु० ता॥ पा० य० य० म॥
 सु० र० स्या॥ ह० यत० वीरं॥ वृद्धय॥ सू० न० ता॥ निः॥ उप॥ ह० रं॥ ति॥ सिं० ध० वः॥ म० यः॥ र० नु० वः॥ इ० ज्ञा॥
 नं॥ वा॥ य० द्य० मा० णं॥ वा॥ ध० न० वः॥ दृ० णं॥ तं॥ वा॥ प० पु० रिं॥ वा॥ श्र० व० स्य० वः॥ दृ० त० स्य॥ ध० म० रः॥ उ०

म० यंति० विश्वतः० नाकस्य० पृष्ठे० अधि० तिष्ठति० श्रितः० यः० पृणाति० मः० हा० दा०
 अ० गच्छति० तस्मै० आपः० धृतं० अर्पति० सिंधवः० तस्मै० द्रयं० दक्षिणापि० च० त०
 सदा० दक्षिणा० वतां० इत्० म० इमानि० वि० त्रा० दक्षिणा० वतां० दि० वि० सूर्यसिः० दक्षि०
 णा० वतः० अ० मृतं० भ० जंत० दक्षिणा० वतः० प्रा० तिरंत० आयुः० मा० पृणंतः० दुः० २५
 तां० एनः० आ० अ० रन्० मा० जारि० सुः० सूर्यः० सु० व्रता० सः० अन्यः० तेषां० परि० धिः०
 अ० सु० कः० चि० त्र० अ० पृणंतं० अ० नि० सा० यं० तु० षा० काः॥ १०॥ अ० मंदान्० स्ता० मान्०
 प्रा० भ० रा० मनी० षा० सिंधो० अधि० दक्षि० तः० ना० कस्य० यः० म० सह० स्त्रं० अ० मि० मी० द० ६॥
 स० वा० न० अ० त्र० तर्त० रा० ज्ञा० श्रवः० इ० छ० मानः० श० तं० रा० कः० ना० ध० मान० स्य० नि० छान्०

शतं। अश्वानां प्रयतानां सद्यः। आदं। शतं। कक्षीवान्। असुरस्य। णानां। दिवि।
 श्रवः। अजरं। आ। ततान्। उप। मा। श्यावाः। स्वनायन। दत्ताः। वधू० मंतः। दश। रथाः।
 सः। अस्तुः। षष्टिः। सहस्रं। अनु। गयं। आ। अगात्। सनत्। कक्षीवान्। अनि० पि।
 त्व। अक्षां। वत्वारिंशत्। दश० रथस्य। शार्णाः। सहस्रस्य। आय। श्रुतिं। नयंति।
 मद० कृतः। रुशन० वतः। अत्यान्। कक्षीवतः। उत्। अमृ० हंत। पद्माः। पूर्वा। अ।
 नु। प्रयति। आ। दादवः। त्रीन्। युक्तान्। अष्टौ। अरि० धायसः। गाः। सु० बंधवः।
 य। वि० श्याः। इवा० ब्रा०। अनस्वतः। श्रवः। ऐषंत। पद्माः। आ० गधिता। परि० ग।
 धिता। पा। क० शीकाः। इवा० जंग० ह। ददाति। मह्यं। यादुरी। याश्नां। आ० ज्या। श।

ता। उप० उपा। प। परा। मृश। मा। म। द० आ० लि। म० न्य० था। सर्वा। अ० हं। अ० स्मि। रा।
 म० शा। गंध० शरीणां० इव। अ० विक० ॥ ११ ॥ अ० ग्री०। हा० तारं। म० न्य०। द० स्व० तं। व० सु०। सु०
 नुं। स० ह० स०। जा० त०। व० द० सं। वि० प्र०। न। जा० त०। व० द० सं। यः। ऊ० ध० यो। सु०० अ० ध० रः।
 । द० वः। । द० वा० न्या०। ऊ० पा०। द्यू० त० स्य०। वि०० आ० छिं। अ० नु०। व० छि०। शा० वि० धा०। आ०० ऊ० क०।
 न० स्य०। स० पि० धि०। य० डि० छं। त्या०। य० ज० मानाः। ऊ० व० म०। ऊ० प० छं। अ० गि० र० सां। वि० प्र०। म०
 न्म० निः। वि० प्र० निः। शु० क०। म० न्म० निः। प० रि० ज्ञा० नं० इव० ध्यां। हा० तारं। च० ध० र०। नां। शा०
 विः। र० क० शं। वृ० ध० र०। यं० इ० मा०। वि० शः। प्र०। अ० व० नु०। ऊ० त० य०। वि० शः। सः। हि०। पु० रू०। वि० त०। ७॥
 उ० ज० सा०। वि० रु० क० र० ता०। दी० घा० नः। न० व० ति०। दु० हं०। त० य०। प० र० श्रुः। न०। दु० हं०। त० रः। वी० नु०। धि०

त।यस्य।सं०रुतो।श्रवत्।वनाऽद्व।यत्।स्थिरं।निः२सहमानः।यमत्ताना
 अयत्त।धन्व०सहान।अयत्त।हृत्।वित्।अस्मे।अनु।दुः।यथा।विदे।
 तजिष्ठाभिः।अरणि०भिः।दाष्टि।अवसा।अग्रय।दाष्टि।अवसा।प्रायः।
 अरुणि।गहत्त।तद्वत्।वनाऽद्व।शाचिषा।स्थिरा।वित्।अन्ना।नि।रिणा
 ति।उज्जसा।नि।स्थिराणि।वित्।उज्जसा।तं।अस्य।पृहं।उपरासु।धीमहि।न
 तं।यः।सुदर्श०तरः।दिवा०तरात्।अप्र०आयुषा।दिवा०तरात्।आत्।अ
 स्य।आयुः।ग्रन्थ०वत्।वीक्षु।शर्मा।न।सूनव।नक्तं।अनक्तं।अवः।व्यं
 तः।अजराः।अग्रयः।व्यंतः।अजराः॥१२॥सः।हि।शब्दः।न।मारुतं।उवि०

सं. रा. चं.

सं. व. चं.

स्वनिः। अग्रस्यतीष्ठ। उर्वरासु। इष्टनिः। आर्तनासु। इष्टनिः। आदन्। हव्या
 निः। आ० ददिः। यरुस्य। केतुः। अर्हणा। अधा। स्म। अस्य। हर्षतः। हृषीवतः।
 विश्वे। हृषंत। पंथां। नरः। शुभ्र। न। पंथां। हिता। यत्। ई। की। सा। सः। अत्रि० धवः।
 नमस्यंतः। उप० वाचंत। नृगवः। मध्रंतः। दाशा। नृगवः। अग्निः। ई। शा। वसू
 नां। अचिः। यः। धर्षिः। एषां। प्रियान्। अपि० धीन्। वनिषीष्ट। मेधिरः। आव
 निषीष्ट। मधिरः। विश्वासां। व्या। विशां। पतिं। हवामह। एवसां। समानं। दं० य
 तिं। नृकु। सत्य० गिर्वहसं। भुक्त। अतिथिं। मानुषाणां। पित्रु। न। यस्य। आ
 मया। अमीइति। च। विश्वे। अमृतासः। आ। वयः। हव्या। द। वषु। आव

८॥

यथासंस्ति

प्रः। त्वं। अग्रा। सहसा। सहनू० तमः। शुष्मिन्० तमः। जायसु। देव० तातये।
रयिः। न। देव० तातया। शुष्मिन्० तमः। हि। त। मदः। धूमिन्० तमः। उत। क
उः। अधास्मै। त। परि। चरंति। अजर। क्राष्टी० वानः। न। अजर। प्र। वः। महे
सहसा। सहस्रत्त। उषः२ बुध। पशु० सै। न। अग्राय। स्तामः। बन्तुतु। अ
ग्राय। प्रति। यत्। ईहविष्मान्। विश्वासु। दासु। जागुव। अग्रा। रनः।
न। जरत। स्रष्टृणां। जूर्मिः। हाता। स्रष्टृणां। सः। नः। नदिष्टं। ददृशानः।
आ। नरा। अग्रा। दावलिः। स० चनाः। सु० चनुना। महुः। रायः। सु० चना।
महि। शविष्ठ। नः। सधि। सं० वद्ध। नुऊ। आस्ये। महि। स्ताह० भ्यः। म

सं. एव

घ० व० न० सु० वी० यं० मि० धी॥ उ० ग्र० ह० न० श० व० सा॥ १३॥ अ० यं० ज्ञा० य० त० म० नु० षः॥ ध० रं०
 म० णि॥ हा० ता॥ य० जि० छः॥ उ० शि० जां० अ० नु० ब्र० तं॥ अ० गि० स्त्वं॥ अ० नु० ब्र० तं॥ वि० ध्र०
 अ० षि० स० रि० वं० य० त॥ र० यि० इ० व० अ० व० स्या० त॥ अ० द० ह्यः॥ हा० ता॥ नि० स० द० त्त्वं॥ इ० नः॥
 पा० दा० परि० वी० तः॥ इ० नः॥ पा० दा० तं॥ य० इ० सा० धां० अ० पि० वा० त० या० म० सि० रु० त० स्य० प० था॥
 न० म० सा॥ रु० वि० ष्म० ता॥ द० व० ता० ता॥ रु० वि० ष्म० ता॥ सः० नः॥ ऊ० ऊं० उ० ए० आ० नृ० ति॥ अ०
 या० नृ० पा० न॥ जृ० य० ति॥ यं० मा० त० रि० श्वा॥ म० न० व॥ प० रा० व० तः॥ द० वं॥ आ० रि० ति० नाः॥ प० रा०
 व० तः॥ ए० व० न॥ स० धः॥ प० रि० ए० ति॥ पा० र्थि० वं॥ मु० क्तः॥ र० गीः॥ र० तः॥ वृ० ष० नः॥ क० नि० क्र० द०
 त्त्वं॥ द० ध० त्त्वं॥ र० तः॥ क० नि० क्र० त्त्वं॥ श० तं॥ च० ह० रं० अ० ह० प० ति॥ द० वः॥ व० न० षु॥ उ० वी० ति॥ स०

सं. प. चं. ३

९॥

। सानुषु ।

द। दधानः । उ पारशु । अग्निः । पारशु । सानुषु । सः । सु० क्रतुः । धुरः । रहितः । दाम
० दाम । अग्निः । यज्ञस्य । अधुरस्य । चतति । क्रत्वा । यज्ञस्य । चतति । क्रत्वा । वधः ।
इष्टु० यत । विश्वा । जातानि । पश्याशा । यतः । धृत० श्रीः । अतिथिः । अजायत । व
क्रिः । वधः । अजायत । क्रत्वा । यत् । अस्य त विधीषु । ह्यत । अप्नः । आविर्भूतः ।
रुतां । ना । नाज्या । इषिराय । ना । मिज्या । संहि । स्मै । दानं । इन्वति । वस्तूनां । च । मज्जना ।
सः । नः । त्रासात् । दुः । रदनात् । अग्नि० द्रुतः । शंसात् । अघात् । अग्नि० द्रुतः ॥ १४ ॥
॥ अर्द्धः ॥ । विश्वः । वि० हायाः । अरतिः । वस्तुः । दधा । हस्त । दक्षिणा । तरणिः ।
न । शिश्रयत् । अवस्यया । न । शिश्रयत् । विश्वास्मे । इत् । इष्टुध्यात् । दव० त्रा । द

संज्ञा

व्योऽत्राऽहिराविश्वस्मोऽतः सुव्रतं वारं। स एवति अग्निः। धरा। वि। स
 एवति। सः। मानुषा। वृजान। शं० तमः। हितः। अग्निः। याज्ञकु। उच्यः। न। विश्व
 तिः। प्रियः। याज्ञकु। विश्वतिः। सः। हव्या। मानुषाणां। इला। हतानि। पश्यता०
 वरुणस्य। धृतेः। मरुता। देवस्य। धृतिः। अग्निः। हातारं। इजित। वसु० धितिं।
 प्रियां। चतिष्ठं। अरतिं। नि। एरि। हव्य० वाहं। नि। एरि। विश्व० आयुं। विश्व० व
 दसं। हातारं। यजतां। कविं। देवासः। रएवं। अरतिः। वसु० यवः। गी० अग्निः। रएवं।
 वसु० यवः। ॥ ५॥ योत्वं। रथं। इंद्र। मध० सातया। अपाका। संतं। इषिर। प्र० नैय
 सि। प्र। अनवद्य। नयसि। सद्यः। वित्। तं। अनिष्टाय। करः। वशः। च। वाङ्मनः। सः।

सन्त

१०॥

अस्माकं। अनवद्य। तउजान। विधसां। इमां। वाचां। न। विधसां। सः। श्रुधियः।
स्मा। पृतमासु। कासु। चित्। दक्षायाः। इंद्र। भर० हूताय। नृ० त्रिः। असि। प्र०
तर्त्तय। नृ० त्रिः। यः। शूरेः। स्वधिरिति स्वः। सनिता। यः। विप्रेः। वाजं। तरुता। तं।
इशानासः। इरधंत। वाजिनं। पृक्षं। अत्यं। न। वाजिनं। दस्मः। हिस्म। वृषणं। विव
सि। त्वचो। कां। चित्। वायावीः। अरुं। सुर। मत्स्यं। परि० वृणहि। मत्स्यं। इंद्र। उ
त। उभ्यं। तत्। दिव। तत्। रुद्राय। स्व० यशस। मित्राय। वाचं। वरुणाय। सु०
प्रथः। सु० मृजकाय। सु० प्रथः। अस्माकं। वः। इंद्रं। उश्मसि। दृष्टाय। सखायै।
विश्वं। प्रायुं। प्र० सहं। युजं। वाजिषु। प्र० सहं। युजं। अस्माकं। ब्रह्म। ऊत

सं. १२

य। अ॒वै। वृ॒क्षु॒ष्टु। का॒स्तु। चि॒त्र। न॒दि। त्वा। श॒त्रुः। स्त॒र॒त। स्तृ॒णो॒षि। यं। वि॒श्वं। श॒
 त्रुं। स्तृ॒णो॒षि। यं। नि॒स्तु। न॒म। अ॒ति० म॒तिं। क॒य॒स्य। चि॒त्र। त॒डि॒ष्टा॒मिः। अ॒र॒णि॒
 ० म॒निः। न। कृ॒ति० म॒निः। उ॒ग्र। म॒निः। उ॒ग्र। कृ॒ति० म॒निः। न॒मि॒निः। य॒था। पु॒रा। अ॒ने॒नाः। सं. ए. वं
 म॒र। म॒न्य॒सा। वि॒द्या॒नि। पु॒राः। अ॒प॒प॒षि। व॒द्भिः। आ॒सा। व॒द्भिः। नः। अ॒छ।
 ॥१६॥ अ॒त॒त्। वा॒च॒यं। न॒व्या॒य। इ॒द॒व। रु॒व्यः। न॒यः। इ॒ष० व॒ान्। म॒न्म॒। अ॒ज॒ति।
 र॒हः। र॒ह॒। म॒न्म॒। अ॒ज॒ति। स्तृ॒यं। स॒ष्टु। अ॒स्म॒त्। आ॒नि॒दः। व॒धेः। अ॒ज॒त॒पुः॒र॒म॒
 तिं। अ॒व॒। स्तृ॒व॒त्। अ॒ध० शं॒सः। अ॒व० त॒रं। अ॒व॒। सु॒दं॒इ॒वा॒स्तृ॒व॒त्। व॒ान॒म॒।
 त॒त्। ह॒त्र॒या। चि॒तं॒त्या। व॒ान॒म॒। र॒यिं। र॒यि० वः। सु॒वी॒यं। र॒णं। सं॒तं। सु॒वी॒

यं॒ ७ः॒ २॒ म॒न्मा॒नं॒ । सु॒मं॒त्रु॒० निः॒ । आ॒ । इं॒ । इं॒षा॒ । इ॒ची॒ म॒हि॒ । आ॒ । सु॒त्या॒ निः॒ । इं॒द्रा॒ ।
 क॒म॒न॒कृ॒ति॒० निः॒ । य॒ज॒त्रं॒ । क॒म॒न॒कृ॒ति॒० निः॒ । प्र॒० प्र॒ । वः॒ । अ॒स्म॒ इति॒ । स्व॒यं॒ शः॒ २ निः॒ ।
 कृ॒ती॒ । पु॒रि॒० व॒गे॒ । इं॒द्रः॒ । ७ः॒ २॒ म॒ती॒नां॒ । द॒री॒ म॒न् । ७ः॒ २॒ म॒ती॒नां॒ । स्व॒यं॒ । सा॒ रि॒ष॒य॒ध्वे॒ ।
 या॒ नः॒ । उ॒प॒० ई॒षा॒ । अ॒त्रेः॒ । रु॒ता॒ । इं॒ । अ॒स॒त् । न॒ । व॒रु॒ति॒ । हि॒ता॒ । उ॒रु॒मि॒ । न॒ । व॒रु॒
 ति॒ । त्वं॒ नः॒ । इं॒द्र॒ । रा॒या॒ । प॒री॒ण॒सा॒ । या॒ हि॒ । प॒था॒ । अ॒न॒रु॒सा॒ । धु॒रा॒० या॒ हि॒ । अ॒रु॒
 सा॒ । स॒व॒स्व॒ । नः॒ । प॒रा॒क॒ । आ॒ । स॒व॒स्व॒ । अ॒स्तं॒० ई॒क॒ । आ॒ । पा॒ हि॒ । नः॒ । दू॒रा॒त॒ ।
 आ॒रा॒त॒ । अ॒नि॒ष्टि॒० निः॒ । स॒दा॒ । पा॒ हि॒ । अ॒नि॒ष्टि॒० निः॒ । ० । त॒रु॒ष॒सा॒ । उ॒ग्रं॒ । चि॒त् ।
 त्वा॒ । म॒हि॒मा॒ । स॒ह॒त् । अ॒वा॒स॒ । म॒ह॒मि॒त्रं॒ । न॒ । अ॒वा॒स॒ । उ॒जि॒ष्ठा॒ । आ॒त॒ । अ॒वि॒त् ।

इति। एषं कंचित्। अमर्त्यं। अन्यं। नृस्यत्। रिशिक्ष। कंचित्। अद्रि० वः। रि
 रिहंतं। चित्। अद्रि० वः। पाहि। नः। इन्द्र। सु० स्तैत। स्त्रिधः। अव० याता। सदैव।
 इत्। दुः२ मतीनां। देवः। सन्। दुः२ मतीनां। हुंता। पापस्य। रक्षसः। चाता। विप्रस्य।
 मा० वतः। अधाहि। त्वा। जनिता। जीजनत्। वासा इति। रक्षः२ रुने। त्वा। जीजन
 त्। वासा इति। ७॥ आ। इन्द्र। याहि। उप। नः। परा० वतः। नः। अयं। अर्क्षे। विदथा
 निः। इव। सत्० पतिः। अस्तं। राजाः। इव। सत्० पतिः। रुवा महे। त्वा। वयं। प्रयस्वतः।
 सुत। सवा। पुत्रासः। न। पितरं। वाज० सातय। मं हिष्ठां। वाज० सातय। पि न
 व। सामं। इन्द्र। सुवानं। अद्रि० निः। कोशं। न। सिक्तं। अवतं। न। वंसगः। तैट्ट्या

सं प रं

एः। न। वं स गः। म दाय। ह य ता यी। त। त्रु वि तै मा य। धा य सा। आ। त्वा। य छं उ।
ह रि तः। न। सूर्ये। अ ह। वि श्वाः इ व। सूर्ये। अ वि द त्। दि वः। नि० हि तं। गु हा। नि
० धि। वः। न। ग र्त्रे। परि० वी तं। अ श म नि। अ नं त। अंतः। अ श म नि। ब्र जं। व
व द्नी। ग वां इ व। सि सौ स न्। अं गि रः। त मः। अ प। अ वृ ण ण त्। इ षः। इं द्रः। परि
० वृ ता। धा रः। इ षः। परि० वृ ताः। इं द्र णः। व द्मं। इं द्रः। ग त्रा स्त्वाः। द द्मं इ व। ति
गं। अ स ना य। सं श्य त्। अ हि० ह त्पा य। सं श्य त्। सं० वि व्या नः। उ उ सा धा वः। र
त्रिः। इं द्र। म उ म ना। त णा इ व। वृ हं। व नि नः। नि। व श्व सि। प र श्वा इ व। नि। वृ
श्व सि। त्वे। वृ था। न द्यः। इं द्र। स त्ता व। अ छ। स मु द्र। अ सृ जः। र था न् इ व।

न०पुतः॥ रथान्द्वयः॥

१३०

✕ इतः॥ उत्तीः॥ अयुंजत॥ समानां॥ अश्वी॥ अहितं॥ धनः॥ द्वयः॥ मनवः॥ विश्व०दा
हसः॥ जना॥ विश्व०दाहसः॥ १८॥ इमां॥ ता॥ वार्च॥ वसु०यंतः॥ आयवः॥ रथं॥
ना॥ धीरः॥ सु०॥ अपाः॥ अत॥ क्षिप्रुः॥ सु०॥ म्नाय॥ त्वां॥ अत॥ क्षिप्रुः॥ अंतः॥ जिन्यं॥
यथा॥ वा०॥ क्षु॥ वि०॥ वा०॥ जि०॥ नं॥ अत्यं॥ ३॥ द्वा॥ शव॥ स॥ सा०॥ त॥ य॥ ध०॥ वि०॥ ध०॥
नि॥ सा०॥ त॥ य॥ नि०॥ न०॥ त॥ पुरः॥ न०॥ व०॥ ति०॥ इ०॥ द्र॥ श्र०॥ व०॥ दि०॥ वः॥ २॥ दा०॥ सा०॥ य॥ म०॥ दि०॥ दा०॥
षे॥ नृ०॥ ता०॥ इ०॥ ति०॥ वा०॥ द्र०॥ ण॥ दा०॥ शु०॥ ष॥ नृ०॥ ता०॥ इ०॥ ति०॥ अ०॥ ति०॥ शि०॥ वा०॥ य॥ शं०॥ ब०॥ रं॥ गि०॥ रः॥ ३॥
यः॥ अ०॥ व॥ अ०॥ न०॥ र०॥ त॥ म०॥ हः॥ ध०॥ न०॥ नि०॥ द०॥ य०॥ मा०॥ नः॥ ३॥ ज०॥ सा॥ वि०॥ श्वा॥ ध०॥ न०॥ नि०॥ ३॥ ज०॥
सा॥ इ०॥ द्रः॥ स०॥ म०॥ त०॥ सु०॥ य०॥ ज०॥ पानं॥ अ०॥ यं॥ प्र॥ आव०॥ त॥ वि०॥ ष्य०॥ क्षु॥ श०॥ तं०॥ ऊ०॥ तिः॥

१३१

विस्तार

आजिष्ठ। स्वः२मी। ह्रुष्ट। आजिष्ठ। मनवा। श। सत्। अ ब्रतानू। त्वचं। नृत्तं।
अरंधयत्। ध्वं नृत्तं। न। विश्वं। तत्तृष्णं। उषति। नि। अशमानं। उषति। स्वरः।
यन्त्रं। प्र। वृत्तं। ज्ञातः। उजसा। प्र० पितृवाचं। असुरः। मुषायति। ईशा
नः। आ। मुषायति। उशना। यत्। पर० वतः। अऊगनू। ऊतया। क। वा। सुम्ना
नि। विश्वा। मनुष्याः। इव। उर्वणिः। अहो। विश्वाः। इव। उर्वणिः। सः। नः। न। वा
मिः। वृष० कर्मन्। उ० छि०। पुरां। दत्तं। रिति दत्तः। पायु० मिः। पाहि। श। ग्मेः। दिव
ः२दासमिः। इन्द्र। स्वानः। वृक्षीयाः। आहानिः। इव। घोः। ॥ १५ ॥ इन्द्राय। हि
घोः। असुरः। अनमता इन्द्राय। मही। पृथिवी। वरीम० मिः। घृम्न० साता। व

उत्तर

रीम० त्रि० इन्द्रं विश्वा० स० जाष सः॥ दवासः॥ दधि॥ पुरः॥ इन्द्राय॥ विश्वा॥ सव
 नानि॥ मानुषा॥ रातानि॥ संत्रु॥ मानुषा॥ विश्वेष्ट॥ हित्वा॥ सव॥ नष्ट॥ चंजल॥ स
 मानं॥ एकं॥ वृष० मन्यैवः॥ पृथक्॥ स्युरित्यः॥ सनिष्यवः॥ पृथक्॥ तां॥ त्वा॥ ना
 वं॥ नपा॥ पतिं॥ शूषस्प॥ धुरि॥ धीमदि॥ इन्द्रं॥ ना॥ यज्ञेः॥ वितयंतं॥ आयवः॥ स्तो
 मन्तिः॥ इन्द्रं॥ आयवः॥ वि॥ त्वा॥ तता॥ स्र॥ मिथुनाः॥ अवस्यवः॥ ब्रजस्प॥ साता॥ ग
 व्यस्प॥ निः॥ रसृजः॥ सहंतः॥ इन्द्रं॥ निः॥ रसृजः॥ यत्॥ गव्यं॥ ता॥ द्वा॥ इना॥ स्वः॥ यंता॥
 सं० ऊहसि॥ आविः॥ करि॥ क्रतु॥ वृषणं॥ सचा० भुवं॥ वज्रं॥ इन्द्रं॥ सचा० भुवं॥ विदुः॥
 तं॥ अस्या॥ वीर्यस्य॥ पुरवः॥ पुरः॥ यत्॥ इन्द्रं॥ शारदीः॥ अव० अतिरः॥ सस

हानः॥ अ० अतिरः॥ शासः॥ तं॥ इंद्र॥ म० त्थी॥ अ० य० ज्यं॥ शिवसः॥ पात॥ म० ही॥ अ०
पुष्पाः॥ पु० थि० वी॥ इ० माः॥ अ० पः॥ म० द० सा० नः॥ इ० माः॥ अ० पः॥ आ० त॥ इ० त॥ त॥ अ० स्या॥
वी० र्य० स्या॥ व० कि० र० नू॥ म० द० नू॥ वृ० ष० नू॥ उ० शि० ऊ॥ य० त॥ आ० वि० थ॥ स० खि० य० तः॥ य०
त॥ आ० वि० थ॥ च० क० र्थ॥ का० रं॥ ए० मः॥ पु० त० ना० सु॥ प्र० वं० त० वा० त॥ अ० न्यां० अ० न्यां॥
न० द्यां॥ स० नि० स्म० त॥ अ० व० स्यं० तं॥ स० नि० स्म० त॥ उ० ता॥ इ० ति॥ नः॥ अ० स्याः॥ उ० ष० सः॥ उ० ष०
तं॥ हि॥ अ० क० स्या॥ बा० धि॥ ह० वि० षः॥ ह० वी० म० निः॥ स्वः॥ स० ता॥ ह० वी० म० निः॥ य० त॥ इंद्र॥ ह० तं० वि॥
मृ० धः॥ वृ० षा॥ व० द्धि० नू॥ चि० के० त० सि॥ आ॥ म॥ अ० स्या॥ वि० ध० सः॥ न० वी० य० सः॥ म० म॥ अ० धि॥
न० वी० य० सः॥ त्वा० तं॥ इंद्र॥ वृ० ध० नः॥ अ० स्म० यु॥ अ० मि० त्र० यं० तं॥ उ० वि० ज्ञा० त॥ म० त्थी॥

वज्रैः शरामर्त्यैः जहायः नः । अधो यतिः । शृणु धा सुश्रवः रतमः । रिष्टं । न ।
 यामनु । अपा नूतु । दुः रमति । विश्वा । अपा नूतु । दुः रमतिः । ॥ २० ॥ त्वया । वयं ।
 मध्वन् । मर्व्ये । धाम । द्रं द्रत्वा । जताः । सै सत्वा मा हृतन्यतः । वनुयामध्वनुष्य
 तः । नदिद्यु । अस्मिन् । अहनि । अधि । वाचानु । सुवत् । अस्मिन् । यद्वाति ।
 याग्रमाभार । रुतं । वाजं यंतः । नार । रुतं । स्वः । राजा । नार । आप्रस्य । वक्त्रनि ।
 उषः । बुधः । स्वस्मिन् । अंजसि । काणस्य । स्वस्मिन् । अंजसि । अहन् । द्रं द्रः ।
 यथा । विद । शस्मि । शस्मि । उप । वाच्यः । अस्म । आ । त । सध्रुक् । संतु । रा ।
 तयः । नद्वाः । नद्रस्य । रातयः । तत्तु । प्रद्यः । प्रत्नं । धा । हो । शुश्रुक् । न । यस्मि

नू। पङ्क्ति। वारं। अक्षयवता। अक्षयं। कृतस्य। वाः। अक्षि। अक्षयं। वि। तत्। वास्यः।
अध। द्विता। अंतर्। रिति। पश्यंति। रश्मिः। निः। सः। ध्वं। वि। दा। अनु। इंद्रः। गा०
एषणः। बंधु। दित्०। न्यः। गा०। एषणः। नु। इच्छा। त। पूर्व०। शा। च। प्र०। वाच्यं।
यत्। अंगिरः। न्यः। अर्वाणः। अप। ब्रजं। इंद्र। निशि। दंनू। अप। ब्रजं। आ। ए
न्यः। समा। न्या। दिशा। अस्मभ्यं। उषि। यासि। वा। सुचत्०। न्यः। रंधयं। कांचित्।
अब्रतं। कृणयंतं। चित्। अब्रतं। सो। यत्। जमानू। ऋतु०। निः। मरः। ईदृयत्। धने
हित। तस्य। वंत। अवस्यवः। प्रा। यद्वंत। अवस्यवः। तस्मै। आयुः। प्रजा०। वत्। इ
त। वधि। अर्वंति। वज्रसा। इंद्र। उक्त्वं। दिधि। वंत। धी। तयः। देवानू। अर्ध। ना।

धीतयः। पुवं। तां। इंद्रा पर्वता। चरः। युधा। यः। नः। हतन्यात्र। अपातं० तां। इतर। स
 तं। वाङ्मण। तं० तां। इतर। हतं। दूर। यन्नाय। छिं। सत्र। गहनं। यत्र। इनरुतर। अस्मा
 कं। शत्रून्। परि। शूर। विश्वतः। दम। दध। ह। विश्वतः॥२॥ उत्तइति। शुना
 मि। रादसी इति। रुतन। दुहः। दहामि। सं। महीः। अनिंद्राः। अनि० ब्रह्म। य
 त्र। हताः। अमित्राः। वेल० स्थानं। परि। ह० हः। अशैरन्। अनि० ब्रह्म। चित्।
 अद्विवः। शीर्ष। यात्र० मतीनां। छिं। धि। वदूरिणा। पदा। महा० वदूरिणा।
 पदा। अपवा। आसां। मघ० वन्। जहि। राई। यात्र० मतीनां। वेल० स्थान
 के। अर्मके। महा० वेल० स्थे। अर्मके। यासां। तिखा। पंचराताः। अनि० वृ

गेः। अ॒प॒० अ॒व॒पः। त॒त्। सु॒०। त॒। म॒ना॒य॒ति॒। त॒क॒त्। सु॒०। त॒। म॒ना॒य॒ति॒। पि॒शं॒ग॒०
नृ॒ष्टिं॒। अ॒ं॒। नृ॒णां॒। पि॒शा॒विं॒। इ॒ंद्रा॒। सं॒। मृ॒णा॒। स॒र्वे॒। र॒क्षः॒। नि॒। व॒र्ह॒या॒। अ॒वः॒। म
हः॒। इ॒ंद्रा॒। दे॒व॒हि॒। अ॒ग्नि॒धिनः॒। सु॒शो॒च॒। हि॒। धोः॒। द॒हाः॒। न॒। नी॒षा॒। अ॒द्रि॒० वः॒। घृ
णा॒त्। भी॒षा॒। अ॒द्रि॒० वः॒। अ॒ग्नि॒नू॒० त॒मः॒। हि॒। अ॒ग्नि॒० त्रिः॒। व॒धेः॒। उ॒ग्र॒मिः॒। इ॒म
स॒। अ॒नु॒स॒० घ्नः॒। अ॒प्र॒ति॒० द॒त्त॒। शू॒र॒। स॒त्त्व॒० त्रिः॒। त्रि॒० स॒प्तेः॒। शू॒र॒। स॒त्त्व॒०
मिः॒। वा॒ना॒ति॒। हि॒। सु॒च॒न॒। द॒य॒ं॒। प॒रा॒ण॒सः॒। सु॒च॒ानः॒। हि॒। स्मृ॒। य॒ज॒ति॒। अ॒वा॒धि
षः॒। दे॒वा॒नां॒। अ॒वा॒धि॒षः॒। सु॒च॒ानः॒। इ॒त्। सि॒सौ॒स॒ति॒। स॒ह॒स्त्रा॒। व॒जी॒। अ॒वृ॒तः॒।
सु॒च॒ाना॒य॒। इ॒न्द्रा॒। दे॒व॒ति॒। आ॒० नु॒व॒। र॒यि॒। दे॒व॒ति॒। आ॒० नु॒व॒। र॒२। आ॒। त्वा॒।

सुवः। ररुणाः। अत्रि। प्रयः। वायु। इति। वहंतु। इह। पूर्व० पीत। तय। सामस्य।
 नृव० पीत। तय। ऊर्ध्व। त। अनु। स्तुता। मनः। तिष्ठतु। जानती। नियुत्वंता।
 राधन। आ। गहि। दावनि। वायु। इति। मुखस्य। दावनि। मंदंतु। त्वा। मंदिनः।
 वायु। इति। इंद्रवः। अस्मत्। काणासः। सु० रताः। अत्रि० घवः। गोत्रिः।
 काणाः। अत्रि० घवः। यत्। ह। काणाः। इराध्यो। दक्षं। सवांत। जतयः। स
 श्रीचीनाः। नि० युतः। दावनि। धियः। उपा। क्ववते। इं। धियः। वायुः। यु। डु।
 गहिता। वायुः। अरुणा। वायुः। राध। अजिर। धुशि। वाह्व। वहिष्ठा।
 धुमि। वाह्व। वा। प्र। बाधय। पुरं० धि। जादः। अ। ससती। इव। प्रा। चक्ष

७॥

य।रादसीइति।वा।सुय।उषसः।श्रवा।स।वा।सुय।उषसः।उभ्यो।उषसः।
अचयः।परा०वति।भद्रा।वस्त्रा।तन्वता।द०स्तु।रश्मिस्तु।चित्रा।न।व्यस्तु।
रश्मिस्तु।उभ्यो।धनुः।सुवः।दुघा।विश्वा।वस्तूनि।दोहता।अज्ञनयः।मरु
तः।वद्गणाभ्यः।दिवः।आ।वद्गणाभ्यः।उभ्यो।अक्रासः।अचयः।तुरणपवः।
मादस्तु।उग्राः।इषणंत।भुवति।अपां।इषंत।भुवति।त्वां।सारी।दसमा
नाः।भगं।इष्टे।तक्क०वीर्य।त्वां।विश्वस्मात्।भुवनात्।पाप्ति।धर्मणा।असु
यति।पाप्ति।धर्मणा।त्वां।नः।वा।या।इति।एवां।अप्रव्यः।सामानां।प्रथमः।
पीति।अहीति।सुतानां।पीति।अहीति।उताइति।विक्रमतांनां।विशां।व

वज्रुषीणां। विश्वाः। इतरा। त। धनवः। इन्द्रा। आ० शिरं। घृतं। उद्रुता। आ० शि
 रं। २३। स्त्री। सें। बहिः। उषानः। याहि। वीताय। सहस्त्रेण। नि० युता। नियुत्वंता। श
 तिनीजिः। नियुत्वंता। उ० मं। हि। सर्व० पीताय। दवाय। प्यमि। प्रा। ता। सुतासः। देवाः।
 मधु० मंतः। अ० स्तिरनू। मदाय। आत्वा। अ० स्तिरनू। उ० मं। अयं। सोमः। प० रि०
 प्रतः। अ० द्वि० निः। स्या० रु। वसानः। प० रि। काशं। अ० र्वति। शु० का। वसानः। अ० र्व
 ति। तवा। अ० यं। आ० गः। आयु० शु। सामः। दवाय। रुयता। व० रु। वा० प्या० इति। नि०
 युतः। याहि। अ० स्म० युः। जुषणः। याहि। अ० स्म० युः। आ० निः। नियुत्० निः। शति
 नीजिः। अ० ध्रं। सह० स्त्रिणीजिः। उषायाहि। वीताय। वा० प्या० इति। ह० व्या० नि। वी

१८॥

ताय ॥ ० ॥ अल्वियः । स० रश्मिः । स्तार्यस्यो । अध्युत्तिः । नरमाणाः । अयंस
 नावायाइति । शुक्राः । अयंसत । आवां । रथाः । नियुत्वा न । वरुत । अवसा । अ
 नि । प्रयांसि । सु० धितानि । वीतय । वायाइति । ह्वयानि । वीतय । पिवतं । मधुः ।
 अंधसः । पूर्व० पयौ । हि । वां । हितं । वायाइति । आ । वां । दूरा । राधसा । आ । गतं । इं
 द्रः । व । राधसा । आ । गतं । आ । वां । धियः । ववृत्कः । अधरानु । उप । इमं । इंद्रं । मम
 जंत । वाजिनं । आशुं । अत्यं । न । वाजिनं । तवां । पिवतं । अस्मयू इत्यस्म० यू । आ ।
 नः । गंतं । इह । ऊत्या । इंद्रवायूइति । सुतानां । अद्रि० निः । युवं । मदाय । वाज० दू ।
 युवं ॥ २४ ॥ इमावां । सामाः । अपू० सु । आ । सुताः । इह । अध्युत्तिः । नरमा

णाः। अयं सत। वाप्या इति। शुक्राः। अयं सत। एतावां। अत्रि। असृक्षत। तिरः।
 पवित्रं। आशकः। युवायवः। अति। तामाणि। अवयया। स्तमासः। अति।
 अवयया। अति। वाप्या इति। ससतः। यादृशश्चतः। यत्रः। यावा। वदति। त
 त्र। गच्छतं। गृहं। इंद्रः। च। गच्छतं। वि। स्तृक्षत। दृष्ट। शीयता। दृष्टं। आ। दृ
 र्मया। नि० युता। या। यः। अक्षरं। इंद्रः। च। याथः। अक्षरं। अत्र। अह। तत्र।
 वहाय इति। मधुः। आ० कृति। यं। अक्षरं। उप० तिष्ठत। जायवः। अस्म
 इति। त। संत्र। जायवः। साकं। गावः। सुवत। पयता। यवः। न। ता। वाप्या इति। १२॥
 उप। दस्यंति। धनवः। न। अर्पादस्यंति। धनवः। इमा। या। त। सु। वाप्या

इति। बाहु० उ० उ० सः। अंतः। नदी इति। ता। पतयंति। उ० उ० रणः। म० हि। ब्राधंतः। उ० उ०
 णः। धन्व० न। चित्। अ० अ० नाशवः। जी० राः। चित्। अ० गिरा० उ० क० सः। सूर्यस्य इव।
 रश्मयः। दुः० नियंतवः। रु० स्त० ण्याः। दुः० नियंतवः। ॥ २५ ॥ प्र। सु०। ज्य०। नि०। वि०
 रा०। ब० रु० त०। नमः। रु० वं। म० हि०। न० र० त०। मृ० व० य० त०। म्यां। स्वा० दि० षं। मृ० व० य० त०।
 म्यां। ता। सं० राजा। द्यु० ता० सु० नी० इति द्यु० त०। आ० सु० ती०। य० इ० य०। क०। उ० प०। स्त० ता०। अ०
 य०। ए० नाः। स० त्रं०। ऊ० तः। त्व० न०। आ० धृ० ष०। द० व० त्वं। नु०। चित्। आ० धृ० ष०। अ० द० षि०
 गा० उ०। उ० रा० व०। व० री० य० सी०। पं० धाः। स० त० स्य०। सं०। अ० यं० स्त०। र० श्मि०। निः। च० ह्युः। न०
 ग० स्य०। र० श्मि०। निः। ह्यु० हं। मि० त्र० स्य०। स० द० नं०। अ० य० त्ति०। व० रु० ण० स्य०। च०। अ० य०। द० ष०

तिइति। हृहत्। उच्छ्रं। वयः। उष० स्तुत्यं। बृहत्। वयः। ज्ञातिष्मती। अन्दि।
धरयत्० इति। स्वः० स्वती। आसत्तइति। दिव० दिव। जा० वांसा। दिव
० दिवो। ज्ञातिष्मत्। हृत्। आशात्तइति। आदित्या। दानुनः। पतीइति। मित्र
० तयाः। वरुणः। यातयत्० जनः। अयमा। यातयत्० जनः। अयं। मित्राय।
वरुणाय। शं० तमः। सामः। अ० अ० पान्छा। आ० नगः। अ० अ० द० द०
आ० नगः। अ० अ० द० द० सः। अ० अ० द० द० सः। अ० अ० द० द० सः। अ० अ० द० द० सः।
करथः। यत्। इ० म० द० सः। अ० अ० द० द० सः। अ० अ० द० द० सः। अ० अ० द० द० सः।
धत्। जनः। अन० वां। तां। प० सि० पा० तः। अ० अ० द० द० सः। अ० अ० द० द० सः। अ० अ० द० द० सः।

अर्यमा। अग्नि। इन्द्र। सङ्कु० यंतौ। अतु। व्रतं। उच्छेः। यः। एनाः। एदि० भू
 षति। व्रतं। स्तो। मेः। आ० भूषति। व्रतं। नमः। दिवा। बृहत्। रादसीभ्यां।
 मित्राय। स्वावे। वरुणाय। मी० कु०। सु० मृ०। काय। मी० कु०। इंदौ। अग्निं।
 उप। स्तुहि। कु०। अर्यमा०। नगं। ज्योक्। जीवंतौ। प्र० अया। सु० वमहि।
 सामस्य। जुती। सु० वमहि। जुती। देवानां। वयं। इंद्र० वंतः। मे० सी० महि। स्व
 ० यशसः। मरुत०। अग्निः। मित्रः। वरुणः। शर्मा। यंस० न० तत्। अ
 श्याम। म० वानः। वयं। च॥ इन्द्र० इति नवमोऽध्यायः॥ ॥ उ० सु० सु० म०
 आ० या० तं। अ० दि० प्रिः। गा० श्रीताः। म० स० यः। इ० म०। आ० मा० सः। म० स०

राः। इमा। आभक्ताना। दिवि० स्पृशा। अस्म० त्रा। गंतं। उपानः। इमा। वां। मित्रा
 वरुणा। गा० आशिरः। सामाः। शुक्राः। गा० आशिरः। इमा। आयातं। इद
 वः। सामासः। दधि० आशिरः। सुतासः। दधि० आशिरः। उता। वां। उषसः। बु
 धि। साकं। सूर्यस्य। रश्मिर्नमिः। सुतः। मित्राया। वरुणाय। पीतय। चारुः। रूता
 या। पीतय। तां। वां। धनुं। न। वासरी। अंभुं। दुहंति। अद्रि० त्रिः। सामं। दुहंति।
 अद्रि० त्रिः। अस्म० त्रा। गंतं। उपानः। अवंचि। साम० पीतय। अयं। वां। मि
 त्रावरुणा। नृ० त्रिः। सुतः। सामः। आ। पीतय। सुतः॥१॥ प्र० प्र। पूष्मः। उ
 वि० ज्ञातस्य। शस्यत। महि० त्वं। अस्या। तवस्य। न। तं दत्त। स्तात्रा। अस्या।

न। तंदत्त। अर्वाभि। सुम्र० यन्। अहं। अंति० कृतिं। मयः२ भुवं। विश्वस्य। यः। म
नः। आ० युयुवा। मखः। दवः। आ० युयुवा। मखः। प्राहि। त्वा। प्रधन। अकिं। न।
यामनि। स्तामनिः। कृणव। कृणवः। यथा। मृधः। उष्ट्रः। न। पीपारः। मृधः। कृव।
पन। त्वा। मयः२ भुवं। दवं। सख्याय। मर्त्यः। अस्माकं। आंग्रुषान्। धूम्रिनः। म
धिवा। कृष्टु। धूम्रिनः। कृधि। यस्या। त। क्षमन्। सारव्य। विपन्यवः। कृत्वा। चित्।
संतः। अवसा। बुभुक्षार। इति। कृत्वा। बुभुक्षार। तां। अनु। त्वा। नवीयसी। नि० य
तं। रायः। ईमाद। आह। लमानः। उरु० शंस। सरी। नव। वा। उ० वा। सरी। नव। अ
स्याः। ऊंइति। सु। नैः। उप। सात। य। भुवन्। आह। लमानः। ररि० वान्। अऊ० अश्व०

अवस्यतां। अज० अथा० इति। सु। त्वा। ववृतीमहि। स्ता। मन्त्रिः। दस्मा। साधु०
 निः। नहिल्या। मषन्। अति० मान्य। आधृण। न। त। सखा० अप० द्वावा॥
 २॥ अस्तु। श्रोषद्। पुरः। अग्निं। धिया। दाध। आ। नु। तत्। शर्द्धः। दिव्यं। वृ
 णीमह। इन्द्रवायूइति। वृणीमह। यत्। ह। क्राणा। विवस्वति। नात्रा। सं० दाधि।
 नव्यसी। अध। प्र। सु। नः। उपार्थं। नु। धीतयः। दवान्। अछौ। न। धीतयः। यत्। ह।
 त्यत्। मित्रावरुणो। कृतात्। अधि। आददायइत्या० ददाथ। अनृतं। स्वन। म
 न्कना। दक्षस्य। स्वन। मनुना। युवोः। इत्था। अधि। सद्म० सु। अपश्याम। हिरण्यं २२॥
 यं। धीनिः। चन। मनसा। स्वनिः। अ० निः। सामस्य। स्वनिः। अ० निः। युवं।

स्तामन्तिः। दव० यंतः। अश्विना। आश्वयंतः। इवाश्वकां। आयवः। युवां।
 हव्या। अन्ति। आयवः। युवाः। विश्वाः। अधि। श्रियः। पृक्षः। च। विश्व० वद
 सा। पुष्यायंत। वां। पवयः। हिरण्माय। दस्त्रा। हिरण्माय। अचति। दस्त्रा।
 वि। जंइति। नाकां। रुक्मयः। युंजात। वां। रथ० युक्तः। दिविष्टिषु। अधस्मानः।
 दिविष्टिषु। अधि। वां। स्तामावंधुर। रथ। दस्त्रा। हिरण्माय। पथाऽइव
 यंतो। अनु० शासता। रजः। अंजसा। शासता। रजः। शचीन्तिः। नः। शचीव
 सूइति। शची० वसू। दिवा। नक्तं। दशस्यतं। मा। वां। रातिः। उप। दसत। कदा।
 यन। अस्मत्। रातिः। कदा। यन॥ ३॥ वृषेन्। इंद्र। वृष० पानोसः। इंद्रवः। इं

निकम

म। सुताः। अद्रि० सुतासः। उत्० न्रिदः। उ० मं। सुतासः। उत्० न्रिदः। ता। त्वा। मंदं
 उ। दावना। म। रु। चित्राय। राधास। गीः२ न्रिः। गिवाहिः। स्तवमानः। आ। गहि। सु
 ० मृ० लीकः। नः। आ। गहि। उइति। सु। नः। आ। गहि। त्वं। इति। तः। दाव
 न्यः। ब्रवसि। यज्ञियन्तः। राज० न्यः। यज्ञियन्तः। यत्। ह। त्यां। अंगिरः२
 न्यः। धनुं। दवाः। अदत्तन्। वि। तां। दु। द्रु। अर्यमा। कर्त्तरि। सचा। एषः।
 तां। वद। म। सचा। माइति। सुवः। अस्मत्। अन्नि। तानि। णो० स्या। सना। नृव
 न्। धम्मानि। मा। उत। जारिष्टुः। अस्मत्। पुरा। उत। जारिष्टुः। यत्। वः। चित्रं।
 युग० युग। नव्यं। द्याघातः। अमर्त्यं। अस्मासु। तत्। मरुतः। यत्। च। दुस्तं०

२३

दिधृतं। यत्। वा। दुस्तरं। दध्यङ्। हाम्। ऊनुषं। पूर्वः। अंगिराः। प्रियं। मधः।
कण्वः। अत्रिः। मनुः। विडुः। ताम्। प्रवमिनुः। विडुः। तषां। दत्वष्टु। आ
० यतिः। अस्माकं। तष्टु। नानयः। तषां। पदनामहि। आ। नम। गिरा। इंद्रा
मीदति। आ। नम। गिरा। होता। यक्षत। वनिनः। वंतं। वार्यं। बृहस्पतिः। य
ऊति। वनः। उरु० निः। पुरु० वारिः। उरु० निः। जगृ० म्। दूर० आदिशं।
श्याकं। अद्रः। अधात्मना। आधारयत्। अरिदनि। सु० क्रतुः। पुरु०
स आनि। सु० क्रतुः। या। दवासः। दिवि। एकादश। रु। पृथिव्या। अधि।
एकादश। रु। असु० दितः। मदिना। एकादश। रु। ता। दवासः। यज्ञं।

इमं जुषधे ॥ भावदि० सादा प्रिय० धायाय सु० धाता धमसिं इवा प्रा० नरा
 प्यानिं ॥ अयाय वास्त्राणः इवा वासयामन्मना शुर्विं ॥ ज्ञातिः २२ थं ॥ शुक्र
 ० पूर्णं ॥ तमः २ रुनं ॥ अग्निः ॥ द्वि० उन्मा ॥ त्रिवृत्त ॥ अन्नं ॥ रुज्याता संवत्स
 र ॥ वेवृध ॥ उ० धा ॥ इमिति ॥ पुनरिति ॥ अन्यस्य ॥ आसा ॥ उद्वया ॥ उन्मः ॥ वृ
 षा ॥ नि ॥ अन्येन ॥ वनिनः ॥ मृष्ट ॥ वारणः ॥ रुस्म ० फ्रतो ॥ बविउदति ॥ अस्य ॥
 स० क्षितो ॥ उना ॥ तारात इति ॥ अग्निमातरा ॥ शिशुं ॥ प्राचा ० उद्वं ॥ धंसयं
 तं ॥ रुषु ० फ्रतं ॥ आसाय ॥ ऊपयं ॥ वर्धनं ॥ पित्रुः ॥ मुमुक्षुः ॥ मनाव ॥ मानव ॥ स्य
 तारघु ० दुवः ॥ रुस्म ० सीतासः ॥ उद्वं ॥ उवः ॥ असमनाः ॥ अजिरासः ॥ रघु ०

स्पेदः। वात० ऊसाः। उपायुज्यात। आशावः। आत्। अस्य। त। धुसयं
 तः। वृथा। ईर। त। अस्मं। अन्व०। महि। वर्षः। करि० कृतः। यत्। सी०। म०। अ
 वनिं। प्र। अग्नि। मर्मशत्रु। अग्नि० श्वसन्। स्तनयन्। एति। नानदत्॥ ५॥
 भूषन्। न। यः। अधि। बन्धु। नम्रात। वृषाऽइवा। पनीः। अग्नि। एति। एरु
 वत्। उजायमानः। तन्वः। वाशुं। तत्। भीमं। न। शृंगा। दधिधाव। दुः२ गृभिः।
 सः। सं० स्तिरः। वि० स्तिरः। सां गृभायति। जानन्। एवा। जानतीः। नित्यः। आ।
 शाय। पुनः। वद्धं। त। अपि। यंति। एव्यं। अन्यत्। वर्षः। पित्राः। अएव। त।
 सचा। तं। अक्रवः। कुशिलीः। सं। हि। एजि। ए। ऊर्द्धीः। तक्षुः। ममुषीः। प्र।

आयाव। उनरिति। तासां। जरां। प्र० मुं वन। एति। नानदत्त। असुं। परं। जनय
 न। जीवो। असृतं। अधीवासं। परि। मातुः। रिहन्। अहं। उवि०। ग्रन्थिः। सत्व
 ०। निः। याति। वि। द्रुयः। वयः। दधत्। पत्०। वत। एरिहत्। सदा। अनु। श्ये
 नी। सवत्। वर्त्तनिः। अ०। ह। अस्माकं। आग्रा। मघवत्। सु। दादिहि। अ
 ध। श्वसीवान्। वृषत्तः। दमूनाः। अव०। अस्या। शिशु०। मतीः। अदीदुः। वर्म
 दव। पुत्र०। सु। परि०। ऊर्जुगलः॥ ६॥ ५६॥ अग्रा। सु०। धितं। दुः२। धितात्। अ
 धि। प्रियात्। जं०। दति। वित्। मन्मनः। प्रयः। अस्तुत्। यत्। त। शुक्रं। तन्व०। २५
 रावत्। शुचि। तन। अस्मभ्यं। वनस। रत्नं। आ। त्वं। रथ्यायानाव०। उत। नः।

गृहाय। नित्य० अरि० त्रां। पत्न० वती। रास्मि० अग्ना० अस्माकं। वीरान्। उत। नः।
 पाधानः। जमान्। वाया। पारयात्। शमीया। वा। अनि० नः। अग्ना० उच्छं। इत्तु
 गुर्वा०। घावा० हामा। सिंधवः। व। स्वर्ग० त्तिः। गव्यं। पव्यं। यंतः। दीर्घा। अह०।
 इषं। वरं। असुर० पः। वरंतु॥ ७॥ बद्। इच्छा। तत्। व। पुषा० धायि। दर्शतं। देव
 स्या० नर्गः। सहसः। यतः। जनि० यत्। ई। उपा० कुरात। साधाता। मतिः। रुतस्य।
 धनाः। अनयंत। सं० स्क्रतः। पृक्षः। वं० उः। पितु० मान्। नित्यः। आ। श। प्या० द्विती
 यं। आ। सप्त० शिवासु। मा० नृ० शु। रतीयं। अस्या। वृष० नस्य। पा० ह० सा। दश० व्रम
 ति। जनयंत। प्या० षणः। निः। यत्। ई। बुध्मन्। प० द्विषस्य। वर्ष० सः। ईशाना० सः।

शवसा। कंता। सूरयः। मत्। ई। अनु। प्र० दिवः। मधः। आ० धाव। गुहा। संत०। मातरि
 श्वा। मथायति। प्रायत्। पित्रुः। परमात्। नीयत्। परि। आ। ह० सुधः। वीरुधः।
 दं० सु। पादति। उ० ना। यत्। अ० स्या। जनुषं। यत्। इ० वतः। आत्। इत्। यविष्ठः। अ०
 नवत्। घृणा। शुविः। आत्। इत्। मादः। आ। अविशत्। यासु। आ। शुविः। अ०
 दि० स्पमानः। उर्विया। वि। वे० द्याध्या। अनु। यत्। श० वः। अ० रुहत्। सना० जुवः।
 नि। नव्यसीशु। अवरासु। ध० वत्। आत्। इत्। हातारं। वृणत्। दविष्टि
 शु। ग० के० इव। प० शुवा। नासः। अ० जत्। द० वान्। यत्। क० त्वा। म० ज्मना। पु० रु० स्त०
 तः। म० तै। शं० सं। विश्वधा। वति। ध० यसे। वि। यत्। अ० स्तात्। य० जतः। वात्

विस्तृतं

० वा दितः कृत्स्नः । नावक्का । ऊरणाः । अनाहतः । तस्य । पत्न्यः । धृष्टः । रुक्मः ।
ऊरुसः । शुचिः । ऊर्मनः । रजः । आ । वि० । अधनः । रथः । नायातः । शिष्टः । निः । रु
तः । यां । अंगनिः । अरुषनिः । इयातु ॥ ० ॥ रुक्मासः । धृष्टिः । सूरयः । शूरस्यः ।
इवा । त्वषथात । इषात । वयः । त्वया । हि । आग्रा । वरुणाः । धृतः । व्रतः । मित्रः । श
शाद्र । अयमा । सुब्दानवः । यत् । सी । अनु । क्रतुना । विश्वः । या । वि० । भुः । परि
० । अजायथाः । त्वं । आग्रा । शशमानाय । सुवत । रत्नं । यविष्ठ । दवन्ताति ।
इन्वसि । तां । त्वा । नु । नयं । सरुसः । युवन् । वयं । जगं । न । कार । मदि० । रत्नाधीम
हि । आस्मइति । रयिं । न । सु० । अर्थ । दमूनसं । जगं । दहं । न । पृष्ट्यासि । धर्षसि ।

रश्मीन्। इवायः। यमति। उन्मनी इति। उत्त इति। द्वानां। शंसं। रुत। आवा।
सु० क्रुतुः। उत। नः। सु० घात्मा। जीर० अथः। रुता। मंद्रः। शृणु वत्। वंद०।
थः। सः। नः। नषत्। नष० तमिः। अमूरः। अग्निः। वामं। सुवितं। वस्यः।
अच्छ। अस्तावि। अग्निः। शिमी वत्। रुजिः। अर्केः। सां। राजाय। प्र० तरं।
दधान। अमी इति। वाय। मघ० वानः। वयं। व। मिहं। न। सूरः। अति। निः। तं।
तन्यः॥ ६॥ सं० द्रुदः। अग्नि। आ। वह। द्वान। अथा यत्। स्क। च। तं। उं। तनुध।
द्रव्यं। सुत०। सामाय। दाशुष। घृत० वंतं। उप। मासि। मधु० मंतं। तनू० नपा।
न। यज्ञं। विप्रस्य। मा० वंतः। शश। मानस्य। दाशुषः। शुविः। पावकः। अजुतः।

२७॥

मधु। यज्ञं। मिमिक्षति। नराशंसः। त्रिः। आदिवः। दवः। दवशु। यज्ञियः। इ
 लितः। आग्रा। आ। वह। इंद्रं। वित्रं। इह। प्रियं। इयं। हित्वा। मतिः। मम। अ
 हं। सु० जिह्वा। वयं। त। सृणानासः। यत्० स्तवः। बहिः। याज्ञ। सु० अक्षर। हं
 क। दवव्यवः२ तमं। इंद्राय। शमीस० प्रथः। नैप्र० ये। दव० अः। महीः। पावका
 सः। सु० सृष्टः। धारः। दवीः। असश्चतः। १०। आ। नंदमानशति। उपाकशति।
 नाक्तापैसा। सु० पशसा। यक्ष। इति। रतस्या। मातरा। सीदतां। बहिः। आ। सु
 ० मत्। मंद्र० जिह्वा। गुर्वणा। इति। नै। सिध्रं। अघ। दिवि० सृश। शुविः। दव
 शु। अपिता। हात्ता। मरुत० सु। भारती। १० बहिः। सीदन्तु। यज्ञियाः। ततः। नः। उ

१११२४१५
 दिश्वयंतग०

१११२५१२
 होतारोदेवाग०
 १११२५१२
 यज्ञं नो यज्ञं तमि
 मंगलु॥२

शपे। अद्भुतं। पुरु। वा। अरं। पुरु। त्मना। त्वष्टा। पाषाया। वि। स्पृष्टा। गाय। नात्रा। नः।
 अस्म० युः। अव० स्त० ऊन०। उप। त्मना। दवान्। यद्दि। वन० स्यात्॥०। सुख० ए० व० त्ति।
 म० त्वत्। विश्व० दवाया। वायाव। स्यात्। गाय० त्र० व० पास। ह० वं। इंद्रा० यो। क० र्त
 ना। स्वाहा० त० तानि। आ। ग० हि। उप। ह० व्यानि। वी० त० य०। इंद्र। अ० मा। ग० हि। अ० धि। ह
 वं। त्वां। ह० वं० त्ति। अध्वार॥१॥ प्रा० त० व० सी० न० व० सी० धी० ति०। अ० ग्र० य०। वा० वः। म० ति०। स
 ह० सः। स्तू० न० वा० न० रा०। अ० पा० न० वा० त० यः। व० सु० त्रिः। स० ह० त्रि० यः। फा० ता०। पृ० थि० व्या०। नि।
 अ० सी० द० त्। रु० त्वि० यः। सः। जा० य० मा० नः। पर० म०। वि० नु० म० नि। आ० विः। अ० ग्रिः। अ० न
 व० त्। मा० त० रि० श्वि० न०। अ० स्य०। क० त्वा०। सं० इ० धा० न० स्य०। म० ऊ० न०। प्रा० घा० वा०। शा० विः। पृ० थि० २८।
 वी० इ० ति०। अ० रा० व० य० त्। अ० स्य०। त्व० षा०। अ० ऊ० राः। अ० स्य०। ना० न० वः। सु० सं० इ० शः। सु० प्र० ती० क

स्यात्सु० यतः॥ ना० त्वद्दसः॥ अति॥ अकुः॥ ना० सिंधवः॥ आयः॥ ए० जंतु॥ असं
 तः॥ अजराः॥ यं॥ आ० इ० रि० नृगवः॥ विश्व० वदसं॥ ना० ना० पृथिव्याः॥ पु० वनस्या॥
 म० जना॥ अग्निं॥ तं॥ गीः॥ रजिः॥ हिनु॥ हि० स्त्रि॥ आ० दामायः॥ एकः॥ वस्वः॥ वरुणः॥ न०
 राजति॥ ना० यः॥ वरा० य॥ म० रता॥ इ० व॥ स्वनः॥ सना॥ इ० व॥ मृ० ष्ठा॥ दि० व्या॥ य० था॥ अ० श
 निः॥ अ० ग्निः॥ जं० चिः॥ ति० गितेः॥ अ० ति॥ च० र्वति॥ पा० धः॥ ना० श० त्रू० नू॥ सः॥ व० ना॥ नि०
 सं० जत॥ कु० वित्॥ नः॥ अ० ग्निः॥ उ० च० थ० स्या॥ वीः॥ अ० स० त॥ व० सु० नः॥ कु० वित्॥ व० सु० नः॥
 कामो॥ आ० व० रत्॥ आ० दः॥ कु० वित्॥ उ० त्र० ज्यात्॥ सा० त० य॥ धि० यः॥ शु० वि० प्रती० कां० तं॥
 अ० या॥ धि० या॥ गृ० णा॥ घृ० त० प्रती० कां० वः॥ रु० त० स्या॥ धूः॥ स० द० अ० ग्निं॥ मि० त्रं॥ ना० सं० द० ध
 नः॥ सं० जत॥ इ० ध० नः॥ अ० क्रुः॥ वि० दा० थ० आ० दा० घ० त॥ शु० क्रु० व० णं॥ जित्॥ जं० इति॥ नः॥ यं० स०

त। धियं। अग्रं युक्तं। अग्रयुक्तं। निः। अग्र। शिवतिः। नः। पायुं निः। पाहि।
 शग्नेः। अदबुजिः। अदृष्टितनिः। इष्ट। अनिमिषत्। निः। परि। पाहि। नः। नः।
 ॥१२॥ एति। प्राहता। व्रतं। अस्य। मायया। ऊर्ध्वं। दधानः। शुचिं। पशसं। धियं।
 अत्रि। स्कचः। क्रमात्। दक्षिणां। आवृतः। याः। अस्य। धाम। प्रथमं। हानिं सता।
 अत्रि। ई। रुतस्य। दाहनाः। अन्तः। प्रतापानो। देवस्य। सदन। परिवृताः। अ
 पां। उप०। वि०। नृतः। यत्। आ०। अवसत्। अधास्वधः। अधयत्। यानिः। ई
 यात्। युयूषतः। स० वयसा। तत्। इत्। वहुः। समानं। अर्थं। वि०। तर्हि। नतो। मिथः।
 आत्। ई। नगः। न। हव्यः। सं। अस्मत्। आ०। बा०। कुः। न। रश्मीन्। सं। अयं स्त। सा
 रथिः। यो। ई। दा। स० वयसा। सपयतिः। समान। याना। मिथुना। सं० कसा। पि

वा। न। नक्तं। प॒रितः। यु॒वा। अ॒ज॒नि। पु॒रु। च॒र॒न्। अ॒ज॒रः। मा॒नु॒षा। यु॒गा। तां॑ ई॒दि
 न्वं॑ति। धी॒त॒यः। द॒श। त्रि॒शः। द॒वां॒ म॒त्त॒सिः। ऊ॒त॒य। ह॒वा॒ म॒ह॒। धा॒नाः। अ॒धि। प्र
 ० व॒तः। आ॒सः। रु॒ए॒व॒ति। अ॒ग्नि॒व॒रु॒त॒० निः। व॒यु॒ना॒। न॒वा। अ॒धि॒ता॒त्वं। हि। अ॒ग्ने॒
 दि॒व॒स्य। रा॒ज॒सि। त्वं। पा॒थि॒व॒स्य। प॒शु॒पा॒ं॒ इ॒व। त्म॒ना। ए॒नी॒इति॑। त। ए॒त॒इति॑। ब॒ह
 ती॒इति॑। अ॒ग्नि॒० श्रि॒या। हि॒र॒ण्य॒यी॒इति॑। व॒क्त्र॒ी॒इति॑। ब॒र्हिः। आ॒शा॒त॒इति॑। अ॒
 त्म॒जु॒ष॒स्व। प्र॒ति। ह॒र्य॒। त॒त्। व॒चः। म॒ंद्र। स्व॒ध॒० वः। रु॒त॒० जा॒ता॒। सु॒क्र॒ता॒इति॑
 सु॒० क्र॒ता॒। यः। वि॒श्वे॒तः। प्र॒त्य॒ङ्। अ॒सि॒। द॒र्श॒तिः। र॒ए॒वः। सं॒० दृ॒ष्टो। पि॒तृ॒मा॒न॒०
 इ॒व। ह॒यः॥ १३॥ तां॑ पृ॒कृ॒त॒सः। उ॒गा॒म॒सः। वि॒द॒सः। चि॒कि॒त्वा॒न्। ई॒य॒ता॒सः। नु॒।

ईयात्। तस्मिन्। संति। प्र० शिषः। तस्मिन्। इष्टयः। सः। वज्रस्य। शवसः। शुष्णिगः।
 पतिः। तं। इत्। पृच्छंति। नासिमः। वि। पृच्छंति। म्यन्। इव। धीरः। मनसा। यत्। अग्र
 चा। ना। मृष्यात्। प्रथमं। ना। अपरं। वचः। अस्या। कत्वा। सवत्। अप्र० इति।
 तं। इत्। गच्छंति। जुहः। तं। अर्वतीः। विश्वानि। एकः। शृणुवत्। वचो। सि। मा। पुरु० प्रे
 षः। तदु। रिः। यज्ञ० साधनः। अलि० उक्तिः। शिशुः। आ। अदत्त। सं। रत्नः। उप० रु
 यं। च। रिति। यत्। सं० आरत्न। सद्यः। ज्ञातः। तस्मात्। युज्यन्तिः। अहि। श्वांतं। मृशात्।
 नांघ्रा। मृदा। यत्। ई। गच्छंति। उशतीः। अपि० स्तुतं। सः। ई। मृगः। अर्ष्यः। वनमुः।
 उप। त्वचि। उप० मस्यां। नि। धायि। वि। अब्रवीत्। वयुना। मत्स्यः। अग्निः। विद्या
 न। रुत० चित्। हि। सत्यः। १४। अर्द्धः। नि० मृद्वनिं। सप्त० रश्मिं। गृणीव। अनृ

नां अग्निं पित्राः उप० सु० नि० स० त्रं अस्य चरताः ध्रुवस्य विश्वा दिवः राचन।
 आप० पि० वां सं० उ० द्वा० म० हान् अग्निं ववाह० एन० इति अजरः तस्मिन् इतः रज्जिः।
 सद्यः उ० व्याः प० दः नि० दध० ति० मानो० रिहं० ति० ऊ० धः अरु० घा० सः अस्य समाने।
 व० सं० अग्निं स० वर० सी० इति स० चर० ती० विश्व० का० ध० नू० इति वि० चर० तः सु० मा० क० इति
 सु० मा० क० अन० प० वृ० ज्ञान् अध० नः पि० मो० न० इति विश्वान् क० तान् अधि० म०
 हः दध० मान० इति धी० रा० सः प० दं० क० व० यः न० यं० ति० नाना० रु० द० र० ह० मा० रा० गः अ० जु० यं०
 सि० सो० सं० तः परि० अप० श्यं० ता० सिं० धु० आविः ए० न्यः अन० व० त० सूर्यः च० द० न० दि० द० न०
 ए० न० परि० का० द्या० सु० ऊ० न्यः ई० ल० न्यः म० हः अ० न० यि० जी० वा० स० श्रु० रू० त्रा० प० त० अ०
 न० व० त० सूर्यः अ० ह० ए० न्यः ग० र्ज० न्यः म० घ० वा० विश्व० द० श० तिः ॥ १५ ॥ क० थ० आ० त० आ० ग्न०

पुचयंतः। आयाः। ददाशुः। वाडमिः। आशुषाणाः। उज्जइति। पत्राता। कइति।
 तनाय। दधानाः। रुतस्य। सामन्। रणयंत। द्वाः। बाधाम। अस्य। वचसः। यवि
 ष। मंहिषस्य। प्र० नृतस्य। सुधत्त० वः। पीयति। त्वः। अनु। त्वः। गृणाति। वंदाकः।
 ता। तन्वं। वंदा। आग्रा। य। पायवः। मामतयांत। आग्रा। पश्यंतः। अंधं। दुः२ इताव।
 र अहंन। ररक्ष। तान्। सु० लतः। विश्व० वदाः। दिप्संतः। इतर। रिपवः। ना। अह। दुनु।
 यः। नः। आग्रा। अररि० वान्। अद्य० युः। अराति० वा। मर्चयति। द्वायन। मंत्रः। गु
 रुः। पुनः। अस्तु। सः। आस्मे। अनु। मृहीष्ट। तन्वं। दुः२ उक्तिः। उत। वा। यः। स
 हस्य। प्र० विद्वान्। मर्त्तः। मर्त्त। मर्चयति। द्वायन। अतः। पाहि। स्तवमान। स्तुवंतं। ३१
 अग्रा। माकिः। नः। दुः२ इताय। धायी। न। विदुः। मातरिश्वा। दातारं। विश्व

० अ० सु० विश्व० देव्या० नि० या० दधुः० मनुष्या० सु० वि० त्तु० स्वः० न० वि० त्रं० व० त्तु० ष० वि० ता० वं०
दा० दा० नं० इ० त० न० द० द० न० त० म० न्न० अ०ग्नि० ॥ व० रु० थं० म० म० त० स्य० वा० क० न० जु० षं० त० वि० श्व० नि०
अ० स्य० क० र्मा० उ० ष० स्तु० ति० न० र० मा० ण० स्य० का० राः० नि० त्य० वि० त० नु० य० स० द० नि० ज० गृ० चि०
प्र० श० स्ति० नि० द० धि० र० य० द्रि० या० सः० प्र० सु० न० यं० त० गृ० न० यं० तः० इ० ष्टो० अ० श्वा० सः०
ना० र० ष्यः० र० र० हा० णाः० पु० रु० णि० द० स्मः० नि० रि० ण० ति० जं० चिः० आ० त्० ए० च० त० व० नि० आ०
वि० ना० वा० आ० त्० अ० स्य० वा० तः० अ० नु० वा० ति० शा० चिः० अ० स्तुः० न० श० यी० अ० स० नां० अ०
नु० धू० न० ना० यं० रि० ष्वः० ना० रि० ष्व० ण० वः० ग० र्जे० सं० तं० र० ष्व० णाः० र० ष्व० यं० ति० अ० धः०
अ० प० श्याः० ना० द० न० न० अ० नि० र० व्या० नि० त्या० स० ई० प्र० ता० रः० अ० र० द० न० आ० म० हः० सः०

रायः। आ। ईष। ता। पतिः। दनः। इनः। इनस्य। वसुनः। पाद। आ। उप। धु। जंतं। अद्रयः।
 विधन। इत्। सः। यः। वृषा। नरां। न। एदस्याः। श्रवः। रतिः। अस्ति। जीवपीत० सगः।
 प्रायः। सस्त्राणः। शिश्रीता। यानो। आ। यः। पुरं। न। मि। लीं। अदीदत्। अत्यः। कविः।
 ननन्यः। न। अवी। सूरः। न। रु। रु। कान्। शत० आत्मा। अति। द्वि० जन्मा। त्री। ए। च। न।
 नि। विश्वा। एजांसि। शुशुचानः। अस्त्रात्। हाता। यजिष्ठः। अपा। सध० सु। अयं।
 सः। हाता। यः। द्वि० जन्मा। विश्वा। दधा। वाय। णि। श्रवस्या। मर्तः। यः। अस्मे। सु
 ० बुकः। ददाश। त। धु। क। त्वा। दाश्चान्। वा। वा। अरिः। अय्। तव। स्विता। आ। त
 दस्य। इव। शराण। आ। मद्दस्य। वि। अनिनस्य। धनिनः। प्र० हा। घ। चित्। अरु ३२॥
 घः। कुदा। चन। प्र० जिगतः। अम्व० य। सः। चंद्रः। विप्र। मर्त्यः। मरुः। आधन०

तमः। दिवि। प्र० प्र। इत्ता। ता। आग्रा। वनुषः। स्याम॥ १॥ मित्रं। न। यं। शिम्पा। गा
शु। गयवः। सु० आध्यः। विदाय। अप० सु। जीजनन। आर। जतां। रादसी। इ
ति। पाजसा। गिरा। प्रति। प्रियं। यजतं। ननुषां। अवः। यत्र। ह। त्यत्रावां। पु०
मी० रुस्य। सामिनः। प्र। मित्रासः। न। दधि। सु० आनुवः। अध। कुत्रं। वि
दत्तं। गात्रं। अर्वात। उता। श्रुतं। वृषणा। पस्त्य० वतः। आ। वां। नृषन्। हितयः।
जन्म। रादस्याः। प्र० वायं। वृषणा। दह। साम। ह। यत्रादी। रुतायी। नरथाय
त। अर्वात। प्र। हात्रया। शिम्पा। वीथः। अधरं। प्र। सा। हितिः। असुरायां।
महि। प्रिया। रुत० वानो। रुतं। आ। धाषधः। वृहत्। युचं। दिवः। वृहत्। द्यौः।

आ० नुवो० गां० न० धुरि० उप० युं० जा० ण्य० इति० अ० पः० म० ही० इति० अ० त्र० म० हि० ना० वा० रं०
 स० ए० व० थः० अ० ए० ण० वः० उ० जः० आ० स० ध० न० ध० न० वः० स० व० रं० ति० ताः० उ० प० रं० ता० ति० स्
 र्वा० आ० नि० म० त्वः० उ० ष० सः० त० ध० वीः० इ० वा० २० आ० वां० स० ता० या० क० शि० नीः० अ० नू
 ष० ता० मि० त्र० य० त्र० व० रु० ण० गा० तुं० अ० व० थः० अ० वा० त्म० ना० सृ० क० तं० पि० न्य० तं० धि० यः० यु० वं०
 वि० प्र० स्य० म० न्म० नां० इ० स्य० थः० यः० वां० य० ज्ञेः० श० श० मा० नः० इ० दा० श० ति० क० विः० इ० हा० ती०
 य० ज० ति० म० न्म० सा० ध० नः० उ० प० अ० हा० तं० ग० छ० थः० वी० थः० अ० ध० रं० अ० वा० गि० रः० सु
 ० म० तिं० गं० तं० अ० स्म० मू० इ० त्य० स्म० मू० यु० वां० य० छिः० प्र० थ० मा० गा० निः० अ० ज० ता० रु० तं०
 वा० ना० म० न० सः० न० प्र० यु० ति० शु० न० रं० ति० वां० म० न्म० ना० सं० य० ता० गि० रः० अ० इ० प० ता०

मनसा। एवत्। आशाथइति। एवत्। वयः। दधाथइति। एवत्। आशाथइति।
नरा। मायात्रिः। इतः२ऊति। माहिना। नावां। घावः। अरुन्निः। न। उत। मिधवः। न।
एव०त्यं। पणयः। न। आनसुः। मद्यं॥२॥ युवां। वस्त्राणि। पीवसा। वसाथइति।
युवाः। अछिद्राः। मंतवः। ह। सर्गाः। अव। अतिरुतं। अनृतानि। विश्वौ। स्नातन।
मित्रावरुणा। सचथइति। एतत्। चनात्यः। वि। विकृतत्। एषां। सत्यः। मंत्रः। क
वि०शस्तः। रुधावान्। त्रिः२अश्रिं। हंति। ववुः२अश्रिः। उग्रः। एव०निदः। ह। प्र
युमाः। अज्जयन्। अपात्। एति। प्रथमा। प०वतीनां। कः। तत्। वां। मित्रावरुणा।
आ। विकृत। गर्जः। भारं। नरति। आ। चित्। अस्या। रुतं। पिपति। अनृतं। निता

शत॥ प्र० ग्रं० तं॥ इत्॥ परि॥ ज्ञासं० कनीनां॥ पश्यामसि॥ ना० उ० प्र० नि० प्र० घ० मानं॥ अन० व० भू
 म्ना॥ वि० त० ता॥ व० स० नो० प्रि० यं॥ मि० त्र० स्य॥ व० रु० ए० स्य॥ ध० म॥ अन० श्वः॥ ज्ञा० तः॥ अन० नी० श्वः॥
 अ० वी॥ क० नि० क० द० त॥ प० त० य० त॥ ऊ० ध्व० सा० नुः॥ अ० वि० तं॥ ब्र० ह्म॥ ऊ० ऊ० भुः॥ यु० वा० नः॥ प्र॥
 मि० त्र॥ ध० म॥ व० रु० ए० ग॥ गृ० ए० तः॥ आ॥ ध० न० वः॥ मा० म० ति० यं॥ अ० व० तीः॥ ब्र० ह्म० प्रि० यं॥ प॥
 प० य० न॥ स० स्मि० न॥ ऊ० ध० न॥ पि० त्वः॥ मि० द्र० त॥ व० यु० ना० नि॥ वि० द्वा० न॥ आ० सा॥ आ० वि०
 वा० स० न॥ अ० दि० ति॥ उ० रु० ष्य० त॥ आ॥ वा॥ मि० त्रा० व० रु० ए० ग॥ ह० व्य० ऊ० ह्मि० न० म० सा॥ दि० वा॥
 अ० व० सा॥ व० वृ० त्यां॥ अ० स्मा० कं॥ ब्र० ह्म॥ वृ० त० ना० सु॥ स० ह्याः॥ अ० स्मा० कं॥ वृ० ष्टिः॥ दि० व्या॥ सु० ३४
 ० पा० रा॥ २२॥ य० ज्ञा० मा० ह॥ वा॥ म० हः॥ स० ० ज्ञा० षाः॥ ह० व्य० त्रिः॥ मि० त्रा० व० रु० ए० ग॥ न० मः॥ निः॥

द्युतेः। दृतस्त्रुइति दृत० स्त्रु। अधः। यत्र। वां। आस्मइति। अधुर्यवः। न। धीति० त्रिः। म
रंति। प्र० स्तुतिः। वां। धम। न। प्र० युक्तिः। अयामि। मित्रावसुणा। सु० वृत्तिः। अनक्तिः।
यत्र। वां। विदायश्रु। दाता। सुम्रं। वां। सूरिः। वृषाणो। इयक्षन्। पीपाय। धनुः। च
दिनिः। रुताय। जनाय। मित्रावसुणा। रुविः। शद। दिनाति। यत्र। वां। विदाय। सव्य
यन्। सः। रात० रुव्यः। मानुषः। न। दाता। उतावां। विरु। मष्टासु। अधः। गावः। अ
यः। च। पीपयंत। दवीः। उताइति। नः। अस्य। प्रव्यः। पतिः। दन्। वीतं। पातं। प्रयस्य।
उस्त्रियायाः। रा३। विस्त्राः। नु। कुं। वीर्याणि। प्रावाचं। यः। पार्थिवानि। वि० माम।
रजांसि। यः। अस्कनायत्र। उत्त० तरं। सुध० सुं। वि० चक्रमाणः। त्रधा। उरु० ग
याप्र। तत्र। विष्णुः। स्तवत। वीर्याणि। मृगः। न। नीमः। ऊचरः। गिरि० स्त्राः। य

स्यात्तु रुमु। त्रिभु। वि० क्रमणाशु। अधि० द्वियंति। तुवनानि। विश्वा। प्र। विष्वाव।
 श्रुषां। रुमु। मन्त्रा। गिरि० द्वित। उरु० गायाय। वृष्म। यः। इदं। दीर्घं। प्र० यत्तां। सुध
 ० स्तु। एकः। वि० ममा। त्रि० त्रिः। इत्। पदानिः। यस्य। त्री। पूर्ण। मधुना। पदानि।
 अक्ष। यमाणा। सुधया। मदंति। स्यः। ऊं इति। त्रि० धनुः। पृथिवी। उता। घां। एकः। दाक्ष
 र। तुवनानि। विश्वा। तत्। अस्या। प्रियं। अन्नि। पाथः। अश्यां। नरः। यत्रादिव० यवः।
 मदंति। उरु० क्रमस्य। सः। हि। बंधुः। इत्। विष्वाः। पदा। परम। मधुः। उच्चः। ता। वां।
 वास्तूनि। उश्मसि। गमाधो। यत्र। गवः। नूरि० शृंगः। अयासः। अत्र। अह
 तत्। उरु० गायस्य। वृष्मः। परमं। पदं। अवा। नाति। नूरि० रमा। ०। अंधसः। धि ३५
 या० युत्। माहाश्वराय। विष्वाव। व। अर्चत। या। मानुनि। पर्वतानां। अदन्त्या।

मरुः। तच्छुभः। अर्वताऽइव। साधुना। त्वष्टा। सं० अरं। शिमी० वाताः। इंद्रवि
 स्मृति। सुत० पाः। वां। उरुष्यति। या। मत्त० य। प्रति० धीयमानं। इत्। रुशानाः।
 अस्तः। असुनां। उरुष्यथः। ताः। ईवद्वैति। मदि। अस्य। पोंस्यं। नि। मातरां। न
 यति। रतास। भुज। दधति। भुत्रः। अवरं। परं। पित्रुः। नामी० तृतीयं। अधि।
 वने। दिवः। तत्० तत्। इत्। अस्य। पोंस्यं। गृणीमसि। इनस्य। त्राउः। अष्टकस्य।
 मी। कुषः। यः। पार्थिवानि। त्रि० त्रिः। इत्। विगाम० निः। उरु। क्रमि० ए। उरु० गा
 याय। जीवसा। इति। इत्। अस्य। क्रमाणइति। स्वः। रुशः। अनि० व्याय। मत्त०
 उरुष्यति। तृतीयं। अस्य। नकिः। आ। दधति। वय। चनापतयंतः। पतत्रिणः।

वज्रः॥ रिः॥ साकं॥ नवतिं॥ वानाम० पिः॥ चक्रं॥ नवत्तं॥ व्यतीन॥ अवीविप्रत॥ बृहत्
 ० शरीरः॥ वि० मिमानः॥ स्रक्० रिः॥ युवा॥ अक्रमारः॥ प्रति॥ एति॥ आ० हवं॥ २५॥
 नव॥ मित्रः॥ न॥ शेव्यः॥ द्युत०॥ आसुतिः॥ वि० तूत०॥ क० म्रः॥ एव० याः॥ ऊं इति॥ स० प्र
 थाः॥ अध० ति॥ वि० स्ता इति॥ वि० दुषा॥ चित्॥ अध्वः॥ स्तामः॥ य० रुः॥ च॥ राध्यः॥ रुवि
 म्रता॥ यः॥ सुव्य० य॥ वध० सा॥ नवी० या॥ सा॥ सुमत्०॥ ज्ञानाय॥ वि० स्ता॥ त्र॥ ददा॥ शति॥
 यः॥ जा० तं॥ अ० स्य॥ म० रुतः॥ म० हि॥ अ० व० त॥ सः॥ इ० त॥ ऊं इति॥ अ० वः॥ रिः॥ यु० ज्पं॥ चित्॥
 अ० रिः॥ अ० स० त॥ तं॥ ऊं इति॥ स्ता० ता० रुः॥ सुव्य० य० या॥ वि० द॥ रुत० स्य॥ ग० नै॥ रुनु० धा॥ पि
 प० त० न॥ आ॥ अ० स्य॥ ज्ञान० तः॥ नाम॥ चित्॥ वि० व० त० न॥ म० रुः॥ त॥ वि० स्ता॥ इति॥ सु० म० रिं॥

३६॥

भजामाह। तं। अस्य। राजा। वरुणः। तं। अश्विना। ऋतुं। सुवन्त। मासतस्य। विध
 सः। दाधर। दक्षं। उत्तमं। अरुः। रविदं। ब्रजं। वा। विष्णुः। सखि० वान्। अप०
 ऊर्ध्वत। आ। यः। विवाय। सचथाय। देव्यः। इन्द्राय। विष्णुः। सु० रूत। सुत
 त्तरः। विधः। अजिन्वत्। त्रि० संधस्तः। आर्यै। रूतस्य। नागा। यजमा
 नां। आ। अजन्त॥ २५॥ अब्राधि। अग्निः। अमः। उत्तर। एति। सूर्यः। वि। उषाः।
 वंदा। मही। आवः। अर्विषा। अयुक्षातां। अश्विना। यातव। रथं। प्र। असाव
 त। देवः। देवः। सविता। जगत्। पृथक्। यत्। पुंजाय इति। वरुणं। अश्विना।
 रथं। घृतन। नः। मधुना। द्रुत्रं। उरुतं। अस्माकं। ब्रह्म। पृतनासु। जिन्वतं। व

यं। धना। शूर० साता। न। लमहि। अवडि। वि० वक्रः। मधु० वाहनः। रथः। जरी०
 अश्वः। अश्विनाः। यात्रा। सु० स्तैतं। त्रि० बंधुरः। मधु० वा। विश्व० सोमनगः।
 शं। नः। आ। वहतु। द्वि० पाद। वतुः२ पाद। ॥ ० ॥ मधु० मत्या। नः। कशया। मिषि
 हंतं। ॥ युवं। ह। गजं। जगतीशु। धृ० चः। युवं। विन्ध्यशु। नुवं। नशु। अंतर्गति। युवं।
 अग्निं। वा। वृषाणो। अपः। वा। वनस्पतीन्। अश्विनो। प० र। यथा। युवं। हस्तः।
 निषजा। नषा। लज्जिः। आयाइति। ॥ सुः। रथ्या। रथ्ये। निरिति। रथ्ये। निः। अ
 शोइति। ह। ह्रं। अधि। धृ० चः। नुग्रा। यः। वां। हविषान्। मनसा। ददाश। ॥ ३ ॥
 ॥ इति दशमोऽध्यायः ॥ ॥ ॐ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ इति पुरु० मंत्र। वृधं

ता। दशस्यते। नः। वृषाणो। अत्रिष्टो। दस्वा। ह। यत्। रक्कः। अवथ्यः। वां। प्र।
 यत्। सस्वाथेइति। अकवा। रित्रिः। ऊती। कः। वां। दाशत्। सु० मतप्य। चित्।
 अस्मि। वस्तुइति। यत्। धायइति। नमसा। पादा। गाः। जिगृत्तं। अस्मइति। र्व
 तीः। पुरं० धीः। कामाप्रणः। श्वा। मनसा। चरंता। युक्तः। ह। यत्। वां। तो। ग्राय। पस्तु॥
 वि। मध्य। अस्मि। सः। धा। पि। पृक्तः। उषी। वां। अवः। शरुणं। गम्यं। शूरः। ना। अ
 न्म। पतयत्० त्रिः। एवे० उप० स्तुतिः। अवथ्यं। उरु। व्यत्। मा। मां। दामइति।
 पतत्रिणीइति। वि। दुग्धं। मा। मां। एधः। दश० तयः। चित्। धत्। कृ। ज। यत्। वां।
 वधः। त्मनि। स्वाइति। ह्मां। ना। मा। गरन्। नद्यः। मा। नृ० तमाः। दासाः। यत्। ई। सु०

सं मृ ब्रुं। अ॒व॒० अ॒थुं। शि॒रः। य॒त्। अ॒स्य। त्रि॒त॒नः। वि॒व॒त॒ह॒त। स्व॒यं। दा॒सः। उ॒रः।
 अं॒जे। अ॒पि। अ॒य॒ति॒ग्ध। दी॒र्घ॒० त॒माः। मा॒मा॒त॒यः। ऊ॒ऊ॒वा॒न्। द॒शा॒म। यु॒गा। अ॒
 पां। अ॒र्थ॒०। य॒ती॒नां। ब्र॒ह्मा। न॒व॒ति। सा॒र॒थिः॥१॥ प्र॒धा॒वा॒या॒द्देः। मृ॒थि॒वी॒शि॒
 स॒त॒० वृ॒धा॒म॒ही॒द॒ति। सु॒ष॒०। वि॒दा॒थ॒शु॒प्र॒० च॒त॒सा॒। द॒व॒त्रिः। अ॒य॒द॒ति॒। द॒व॒पु॒त्र॒द॒
 ति॒। द॒व॒० पु॒त्र॒। सु॒० दं॒स॒सा॒। इ॒च्छा॒० धि॒या॒। वा॒र्या॒ति॒। प्र॒० ब्रू॒ष॒तः। उ॒त॒। म॒न्य॒०। उ॒
 त्रुः। अ॒द्रु॒हः। म॒नः। मा॒त्रुः। म॒हि॒०। स्व॒० त॒वः। त॒त॒। ह॒वी॒म॒० मिः। सु॒० ग॒त॒सा॒। पि॒त॒
 न॒म॒। च॒क्रु॒ः। उ॒रु॒० प्र॒० जा॒याः। अ॒मृ॒तं॒। व॒शी॒म॒० मिः। त॒। सु॒न॒वः। सु॒० अ॒प॒सः॥ ३०॥
 सु॒० दं॒स॒सः। म॒ही॒द॒ति॒। ऊ॒ऊ॒ः। मा॒त॒रा॒। प्र॒व॒० चि॒त्रा॒य॒। स्था॒त्रुः॒। च॒। स॒त्यं॒। उ॒ग॒तः॒।

वाधर्मणि। पुत्रस्य। पाथुः। पदं। अद्वयाविनः। तामाचिनः। ममिह। सु० प्राचत
सः। जामीइति। साया। नीइति। स० या। नी। मिथुना। सं० उकसा। नव्यं० नव्यं। तं० उं। आ।
तन्वता। दिवि। समुद्र। अंत रिति। कुवयः। सु० दीतयः। तत्। राधः। अघा। सं० विनः।
वारणं। वयं। पदस्य। प्र० साव। मनामाह। अस्मभ्यं। घावाष्टयिवीइति। सु० व
उना। रयिं। धत्तं। वसु० मंतं। शत० विनं। रा। तेइति। दि। घावाष्टयिवीइति। वि
श्व० शं० पुवा। रतं वरीइत्युत्तं वरी। रजसः। धारयत्। कवीइति। धारयत्० कवी।
सुजन्मनीइति। सु० जन्मनी। धिषाणइति। अंतः। इयत्। पदः। पदीइति। धर्म
णा। सूर्यः। शुचिः। उरु० व्यवसा। महिनीइति। असश्चता। पिता। व। नुवना नि।
रहेतः। सुधृष्टमइति। सु० धृष्टम। वसु० ध्यइति। न। रादसीइति। पिता। यत्।

विहति

विश्वाहा

३६

सो॥ अ॒ग्नि॒रूपेः॥ अ॒वा॒स॒य॒त॒। सः॥ व॒ह्निः॥ उ॒त्रः॥ पि॒त्राः॥ प॒वि॒त्र॒वा॒न॒। सु॒ना
 ति॒धी॒रः॥ नु॒व॒ना॒नि॒। मा॒य॒या॒। ध॒नुं॒। वा॒ह॒श्चि॒। वृ॒ष॒भं॒। सु॒भ॒र॒त॒सं॒। शु॒क्रं॒। प॒यः॥ अ॒ विश्वाहा
 स्य॒। धुँ॒रु॒त॒। अ॒यं॒। द॒वा॒नां॒। अ॒प॒सां॒। अ॒पः॒। त॒मः॒। यः॒। उ॒ज्ज॒ान॒। रा॒द॒सी॒इति॒॥ वि॒श्व
 ० शं॒नु॒वा॒। वि॒ष्यः॒। मा॒म॒। र॒ज॒सी॒इति॒। सु॒क्र॒नु॒भ्य॒या॒। अ॒ज॒र॒न्निः॒। स्क् न॒न॒न्निः॒।
 सं॒। आ॒नृ॒च॒। त॒इति॒। नः॒। ग॒ण॒। न॒इति॒। म॒हि॒नी॒इति॒। म॒हि॒। अ॒वः॒। ह॒त्रं॒। घा॒वा॒ह॒श्चि
 वी॒इति॒। धा॒स॒थः॒। हृ॒रु॒त॒। य॒न॒। अ॒ग्नि॒। ह॒स्त्रीः॒। त॒त॒ना॒म॒। वि॒श्व॒हा॒। प॒ना॒य्य॒। उ॒जः॒।
 आ॒स्म॒इति॒। सं॒। इ॒न्व॒तं॒॥ ३॥ किं॒। ऊँ॒इति॒। अ॒शुः॒। किं॒। अ॒वि॒ष्टः॒। नः॒। आ॒। अ॒ज॒ग
 न॒। किं॒। ई॒य॒ति॒। हृ॒त्यं॒। क॒त॒। य॒त॒। ऊ॒वि॒म॒। न॒। नि॒दि॒म॒। य॒म॒सं॒। यः॒। म॒हा॒० ऊ॒वः॒। अ
 म्म॒। धा॒तः॒। दु॒णः॒। इ॒त॒। अ॒ति॒। ऊ॒दि॒म॒। ए॒कं॒। य॒म॒सं॒। य॒ज॒रः॒। ह॒रा॒णा॒त॒न॒। त॒त॒। वः॒।

दवाः॥ अ॒ब्रुवन्॑ तत्॒ वः॥ आ॒ अ॒गमं॑॥ सो॒ध॒न्व॒नाः॥ य॒दि॒ ए॒व॑॥ क॒रि॒ष्य॒थ॑॥ सा॒कं॑॥ य॒
वेः॥ य॒ज्ञि॒या॒सः॥ न॒ वि॒ष्य॒थ॑॥ अ॒ग्निं॑॥ दू॒तं॑॥ प्र॒ति॒यत्॑॥ अ॒ब्र॒वी॒त॒न॑॥ अ॒श्वः॑॥ क॒र्चः॑॥ य॒
थः॥ उ॒त॑॥ इ॒ह॑॥ क॒र्चः॑॥ ध॒नुः॑॥ क॒र्चा॑॥ यु॒व॒शा॑॥ क॒र्चा॑॥ द्वा॒ तानि॑॥ आ॒तः॑॥ अ॒नु॑॥ वः॑॥ अ॒
वी॑॥ आ॒ इ॒म॒सि॑॥ व॒ह॒न्वांसः॑॥ रु॒ज॒वः॑॥ तत्॑॥ अ॒ष्ट॒छ॒त॑॥ ध॒१॒ इ॒त्॑॥ अ॒नू॒त॑॥ यः॑
स्यः॑॥ इ॒तः॑॥ नः॑॥ आ॒ अ॒ज॒ग॒न्॑॥ य॒दा॑॥ अ॒व॒० अ॒ख्य॑त्॒ व॒म॒सा॒न्॑॥ च॒तु॒रः॑॥ त॒तः॑
न॑॥ आ॒त् इ॒त्॑॥ त्व॒ष्टा॑॥ ना॒सु॑॥ अ॒न्तः॑॥ नि॒० आ॒ना॒ज्ज॒॑ ह॒ना॒म॒॑ ए॒ना॒न्॒॑ इ॒ति॒॑ त्व॒ष्टा॒॑
यत्॑॥ अ॒ब्र॒वी॒त्॒॑ व॒म॒सं॑॥ या॒द॒व॒० या॒नं॒॑ अ॒नि॑दि॒ष्टुः॒॑ अ॒न्या॒॑ ना॒मा॒नि॒॑ रु॒ए॒
त॒॑ सु॒त॒॑ स॒वा॒॑ अ॒न्येः॒॑ ए॒ना॒न्॒॑ क॒न्या॒॑ ना॒म॒० निः॒॑ स्य॒र॒त्॒॑ ॥ ४॥ इ॒न्द्रः॒॑ इ॒श॑ इ॒ति॒॑
यु॒यु॒ज्ज॒॑ अ॒श्वि॒ना॒॑ र॒थं॒॑ बृ॒ह॒स्प॒ति॒॑ वि॒श्व॒० रु॒पां॒॑ उ॒प॒॑ अ॒ज॒त॒॑ रु॒नुः॒॑ वि॒० ॥

वाजः। दवान्। अगच्छता। सु० अपसः। अद्विषं। नागं। ऐतन। निः। चर्मणिः। गां।
 अरिणीत। धीतिः। त्रिः। या। ऊरंता। युवशा। ता। अरुणातन। सोधन्वनाः।
 अश्वात्। अश्वं। अतहत। युक्ता। रथं। उप। दवान्। अयातन। इदं। उदकं।
 पिवता। इति। अब्रवीतन। इदं। वा। घं। पिवता। मुं० नऊनं। सोधन्वनाः। य
 दिततान। इव। इयं। श। तृतीया। घो। सवान। मादयाध्वे। आपः। नृयिष्ठाः।
 इति। एकः। अब्रवीत्। अग्निः। नृयिष्ठः। इति। अन्यः। अब्रवीत्। वधः। रयं
 तं। बहु०भ्यः। प्रा। एकः। अब्रवीत्। कृता। वदंतः। वमसान्। अपिशत। आ
 णां। एकः। उदकं। गां। अव० अरुति। मांसं। एकः। पिंशति। सूनया। आ० भूतं। आ। ४०॥
 नि० म्रवः। शक्तं। एकः। अपा० अमृत। किं। स्थित। उत्रेभ्यः। पितरो। उप। आ

वतुः॥५॥उद्धत्० सु॥ अस्मि॥ अरुणातनो॥ टणो निवत्त० सु॥ अपः॥ सु० अ प
 स्याया॥ नरः॥ अगाह्यस्य॥ यत्॥ असस्तनो॥ गृह॥ तत्॥ अघा॥ इदं॥ रुनवः॥ ना
 अनु॥ गच्छथा॥ सं० पी॥ ज्य॥ यत्॥ नुवना॥ परि०॥ असपति॥ क॥ स्थित॥ तात्या॥ पितरा
 वः॥ असत्रुः॥ अशपतायः॥ कुरस्त्रि॥ वः॥ आ० दादायः॥ प्रा॥ अब्रवीत्॥ प्राइति
 तस्मि॥ अब्रवीत्तन॥ सुसु० वा॥ सः॥ रुनवः॥ तत्॥ अपृच्छत्॥ अगाह्या॥ वः॥ इदं
 नः॥ अब्रुवुधत्॥ श्वानो॥ बस्तः॥ बाधयितारो॥ अब्रवीत्॥ संवस्र॥ इदं॥ अघो
 वि॥ अरव्यत्॥ दिवा॥ यांति॥ मरुतः॥ भ्रूया॥ अग्निः॥ अयं॥ वातः॥ अंतर्दिक्ष्ण
 याति॥ अत्० मिः॥ याति॥ वरुणः॥ समुद्रेः॥ युष्मान्॥ इच्छंतः॥ शवसु॥ नपा

तः॥६॥मा॥नः॥मित्रः॥वरुणः॥अर्यमा॥आयुः॥इंद्रः॥रुद्रः॥मरुतः॥पदि॥
 रव्यन्॥यत्॥वाजिनः॥देव०डा॥तस्य॥साप्तः॥प्र०व०ह्याम॥विदार्थ॥वीर्या॥
 यत्॥निः॥निजा॥रक्ता॥सा॥प्रावृत्तस्य॥राति॥गृहीताम्॥मुखतः॥नयंति॥सु॥
 ०प्रा०॥अजः॥अममत्त॥विश्व०रूपः॥इंद्रा॥श्रमाः॥प्रियं॥अपि॥एति॥पाथः॥
 एषः॥छागः॥पुरः॥अश्विन॥वाजिन॥पु०स्त्रः॥भागः॥नीयत॥विश्व०देव्यः॥अ॥
 नि०प्रियं॥यत्॥पुरा॥लाशं॥अवता॥त्वष्टा॥इत्॥एनं॥सो॥श्रवसाय॥जि०वति॥
 यत्॥रु०वि०ष्यं॥रु०शः॥देव०यानं॥त्रिः॥मानुषाः॥पति॥अश्वं॥नयंति॥अ०॥
 पु०स्त्रः॥प्रथमः॥भागः॥एति॥य०इ०॥देव०भ्यः॥प्रति०वदयन्॥अजः॥फाता॥अ०

धृष्टिः। आ० व० यां। अग्निं० इ० धः। ग्राव० ग्रा० नः। उ० त। शं० स्ता। सु० वि० प्रः। त० न। य० जे
 नी। सु० अ० रं० हा० त० न। सु० इ० ह० न। व० ह० णाः। आ० ह० णा० धं०॥ ७॥ यूप० ब्र० स्काः। उ० त। य०
 यूप० वा० हाः। च० घा० ले०। य०। अ० श्व० यु० पा० य०। त० ह० ति। य०। च०। अ० र्व० त। प० च० नं। स०
 न० रं० ति। उ० ता० इ० ति। त० घां०। अ० नि० गृ० त्तिः। नः। इ० न्व० तु०। उ० प०। प्र०। अ० गा० त०। सु० म०
 त०। म०। अ० ध० म० यि०। म० न्म०। द० वा० नां०। आ० शाः। उ० प०। वि० त० पृ० षः। अ० नु०। ए० नं०। वि०
 प्राः। रु० ष० यः। म० दं० ति। द० वा० नां०। शु० ह०। च० ह० मा०। सु० ब० धुं०। य० त०। वा० जि० नः। द० म०।
 स० द० नां०। अ० र्व० तः। य०। श० र्ष० ण्य०। र० श० ना०। र० ऊ०। अ० स्य०। य० त०। वा० घ०। अ० स्य०। प्र०
 ० नृ० तं०। आ० स्य०। ह० णं०। स० र्व० ति। त०। अ० पि०। द० वि० षु०। अ० स्त०। य० त०। अ० श्व० स्य०। नृ०

विषः। मन्त्रिका। आशयत्। वा। स्यारो। स्व० धितो। रितां। अस्ति। यत्। हस्तायाः।
 शमित्रुः। यत्। नखकुं। यत्। ऊर्वधो। उदरस्य। अप० वाति। यः। आम
 स्य। नृविषः। गुंथः। अस्ति। सु० रुता। तत्। शमितारः। रुएवंतु। उत। मधे।
 शृत० पाकं। पचंनु। ८॥ यत्। त। गात्रात्। अग्निना। पच्यमानात्। अजिश्
 लं। नि० दूतस्य। अव० धावति। मा। तत्। नृम्यां। आ। श्रिषत्। मा। पृणाशु।
 एवम्यः। तत्। उशत० न्यः। शतं। अस्तु। या। वाजिनं। परि० पश्यति। पक्कं। ये।
 दी। आङ्गः। सुरभिः। निः। दूर। इति। याच। अर्वतः। मांस० निहां। उप० आ
 सात। १॥ यत्। नि० दूदृष्टं। मांसवन्त्याः। नृस्यायाः। या। पात्राणि। मूत्रम्।

आ० स० च० नानि। ऊष्ण० ए०। अपि० धाना०। च० रू० ए०। अ० काः। स० नाः। परि० न०
 ध० ति०। अ० श्यं०। नि० क्र० म० ए०। नि० स० द० न०। वि० व० त० न०। य० त०। च०। प० ड्डी० शं०। अ० र्व० त०।
 य० त०। च०। प० पो०। य० त०। च०। घ० सि०। ज० धा० स०। मा०। त्वा०। अ० ग्निः। ध० न० यी० त०। ध० म०
 ० गंधिः। मा०। उ० र्वा०। अ० ज० ती०। अ० नि०। वि० क्त०। ज० धिः। इ० ष्ठं। वी० तं। अ० नि० ग्नी०
 ती०। व० ष० द्०। अ० तं। तं। द्वा० सः। प्र० ति०। गृ० क्तु० ति०। अ० श्यं०। इ०। य० त०। अ० श्या० य०
 वा० सः। उ० प्र०। सु० रू० ए० ति०। अ० धी० वा० सं। या०। हि० र० ण्या० नि०। अ० स्मे०। सं० द० न०। अ०
 र्व० तं। प० ड्डी० शं०। प्रि० या०। द्वा० व० शु०। आ०। यै० म० यं० ति०। य० त०। त०। सा० द०। म० ह० सा०। श्रु० तं
 त० स्य०। पा० ह्म०। वा०। क० श० या०। वा०। उ० ता० द०। सु० वा०। इ० व०। ता०। ह० वि० षः। अ० ध्वा० र

विरुतं २

७।०। ब्रह्मणा। सूदयामि। वनुः२त्रिंशत्। वा॒जिनः। द॒व० ब॑न्धः। च॑न्कीः। अ॒
 श्व॒स्य। स्व० धि॒तिः। स॑। ए॒ति। अ॒छि॒द्रा॒गा॒त्रा। व॒यु॒ना। रु॒णा॒त। प॒रुः॒प॒रुः। अ॒
 नु० घृ॒ष्य। वि॒श॒स्म। ए॒कः। त्व॒ष्टुः। अ॒श्व॒स्य। वि॒श॒स्म। द्वा॒। य॑न्तारा॒। न॒व॒तः। त॒था।
 रु॒त्रः। य॒त्। ग॒त्रा॒णां। रु॒त्र० थ॒। रु॒णा॒मि॒। त० त॒। पि॒ञ्जा॒नां। प्र॒। जु॒ह॒मि॒। अ॒
 ग्ने॒। मा॒त्वा॒। त॒प॒त्। प्रि॒यः। आ॒त्मा। अ॒पि॒० य॑न्त॒। मा॒स्व० धि॒तिः। त॒न्वः। अ॒।
 ति॒क्षि॒प॒त्। त॒मा॒। त॒गृ॒ध्रः। अ॒वि॒० श॒स्म। अ॒ति॒० ह॒या। छि॒द्रा॒गा॒त्रा॒णि। अ॒
 सि॒ना। मि॒थुं। क॒रि॒ति॒कः। न॒। वि॒जुं॒द॒ति॒। ए॒त॒त्। मि॒य॒स॒। न॒। रि॒ष्य॒मि॒। द॒वान्।
 इ॒त्। ए॒षि॒। प॒थि॒० निः। सु॒० ग॒निः। ह॒री॒द॒ति॒। त॒युं॒जां। दृ॒ष्ट॒त्। इ॒ति॒। अ॒नू॒तां॒। उ॒

प्र॥ अ॥ स्त्र॥ त॥ व॥ जी॥ धु॥ रि॥ श॥ स॥ न॥ स्या॥ सु॥ ग॥ व॥ य॥ नः॥ व॥ क्षी॥ सु॥ अ॥ श्यो॥ पुं॥ सः॥ धु॥
 त्रान्॥ उ॥ त॥ वि॥ श्य॥ पुं॥ र॥ यि॥ अ॥ भा॥ गाः॥ २॥ त्वं॥ नः॥ अ॥ दि॥ तिः॥ रु॥ णा॥ त्रु॥ रु॥ त्रं॥ नः॥ अ॥
 श्यः॥ व॥ न॥ तां॥ ह॥ वि॥ श्य॥ न॥ १०॥ य॥ त॥ अ॥ त्रं॥ दः॥ प्र॥ थ॥ मे॥ जा॥ य॥ मा॥ नः॥ उ॥ त॥ य॥ न॥ स॥ म॥
 दा॥ त॥ उ॥ त॥ वा॥ पु॥ री॥ षा॥ त॥ श्य॥ न॥ स्या॥ प॥ द्वा॥ ह॥ रि॥ ण॥ स्या॥ बा॥ द्वा॥ इ॥ ति॥ उ॥ प॥ स्त॥ त्वं॥
 म॥ हि॥ जा॥ तं॥ त॥ अ॥ र्व॥ न॥ य॥ म॥ न॥ द॥ त्तं॥ त्रि॥ तः॥ ए॥ नं॥ अ॥ यु॥ न॥ क॥ इ॥ द्रं॥ ए॥ नं॥ प्र॥ थ॥
 मः॥ अ॥ धि॥ अ॥ ति॥ ष्य॥ त॥ गं॥ ध॥ र्वः॥ अ॥ स्य॥ र॥ श॥ नां॥ अ॥ ग॥ क्त्वा॥ त॥ स॥ रा॥ त॥ अ॥ श्यो॥ व॥
 स॥ व॥ निः॥ अ॥ त॥ ष्य॥ अ॥ सि॥ य॥ मः॥ अ॥ सि॥ आ॥ दि॥ त्वः॥ अ॥ र्व॥ न॥ अ॥ सि॥ त्रि॥ तः॥ गु॥
 ह्य॥ न॥ व्रा॥ त॥ न॥ अ॥ सि॥ सा॥ म॥ न॥ स॥ म॥ य॥ वि॥ ष्ट॥ क्तः॥ अ॥ क्तः॥ त॥ ग्री॥ णि॥ दि॥ वि॥

वि॥ क्र॥ मे॥

बंधनानि। त्रीणि। त। आहुः। दिवि। बंधनानि। त्रीणि। अप० सु। त्रीणि। अंतर्नि
 ति। समुद्र। उतः। इव। प। वरुणः। छंस्मि। अर्वन्। यत्र। त। आहुः। परमं। ज
 नित्रं। इमा। त। वाजिनः। अव० मार्जनानि। इमा। शृङ्गानां। सनित्रुः। नि० धानां।
 अत्रै। त। नृपाः। रशनाः। अपश्यं। कृतस्य। याः। अत्रि० र्हंति। गाघाः॥
 ॥ आत्मानं। त। मनसा। आगतं। अज्ञानं। अवः। दिवा। पतयंतं। पतंगं। शिरः।
 अपश्यं। पथि० त्रिः। सु० गत्रिः। अरुण० त्रिः। ऊरुमानं। पतत्रि। अत्रै। त। सु
 पं० उत्० तमं॥ अपश्यं। जिगीषमाणं। दृषः। आ। पाद० गाः। यदा। त। मर्तः। अ
 नु। जागं। आश्रयं। आत० यमि० यः। उ० मधीः। असीग० रिति। अनु। त्या। रथः।

॥ इत॥

॥ ४४॥

अनु० मर्या० अनु० गवः० अनु० जगः० कनीनां० अनु० ज्ञातासः० तवा० स
 ख्यं० इयुः० अनु० दवाः० ममि० वी० यी० तं० हिरण्य० शृंगः० अयः० अस्या० पादाः०
 मनः० ऊवाः० अवरः० इन्द्रः० आसीत्० दवाः० इत्० अस्या० हविः० अष्टौ० आयं
 न० यः० अवेतं० प्रथमः० अधि० अतिष्ठत्० इर्मि० अंतासः० सिलिक० मध्यम
 सः० सं० शरणा० सः० दिव्या० सः० अत्याः० हंसाः० इव० अलि० शः० यतं० त० यत्० अ
 हिष्ठुः० दिव्यं० अर्जुनं० अर्थाः० ॥१२॥ तवा० शरीरं० पतयि० स्मृ० अवेत्त० तवा० वि
 तं० वातः० इव० धृती० मान्० तवा० शृंगं० लि० वि० श्रुता० कुरु० त्रा० अशरण्यु० उ
 रुराणा० चरंति० शसं० वाजी० अवी० दव० दीवा० मनसा० दीध्यानः० अजः० प्र

रः। नीयत। नानिः। अस्या अनु। पश्चात्। कवयैः। यंति। एताः० परमं। यत्।
 सुध० सु०। अर्कीन्। अच्छै। पितरं। मातरं। वा। अर्घ्यं। दवान्। जुष्ट० तमः। हि। गु
 प्याः। अथ। आपाप्ताम्। दशुषा। वार्याणि। ॥ ३॥ अर्द्धः। अस्या। वा। मर्ष्यं। प
 लितस्य। हनुः। तस्यः। नाता। मध्यमः। अस्ति। अश्वः। इतीयः। आता। दृत्
 ० पुष्टः। अस्या। अत्र। अपश्यं। विशपतिं। सुप्त० पुत्रं। सुप्तायुं० अंति। रथं। एकं०
 यंत्रं। एका। अश्वः। वरुति। सुप्त० नामा। त्रि० नामि। चक्रं। अउरं। अनवीयत्र।
 इमा। विश्वा। पुवना। अधि। तस्युः। इमं। रथं। अधि। यो। सुप्तात्। सुः। सुप्त० व
 न्नं। सुप्ता। वरुंति। अश्वः। सुप्ता। स्वसारः। अग्नि। सं। नवत्। यित्रं। गवां। नि०

हिता। सुप्त। नाम। कः। ददश। प्रथमं। आयमानं। अस्तु न० वंतं। यत्। अन० स्था।
 विन० त्ति। नृम्याः। असुः। अस्तु क० आत्मा। धृ। स्त्रित० कः। विद्वांसं। उपा० गत०। प्र
 हं। एतत्। पाकः। पृच्छामि। मनसा। अवि० जानन्। दवानां। एना। नि० हिता। प
 दानि। वासा। वष्ट्राय। अधि। सुप्त। तंत्तन० वि। तन्नि। कवयः। उतावे। ऊं इति
 ॥१४॥ अचि० कित्वा न०। चि० कि० त्रयः। चित्। अत्र। कवी न०। पृच्छामि। विद्वांसं। न।
 विद्वा० न०। वि० यः। तस्तं० न०। पद०। दमा। रज० सि०। अस्य। रूपाकिं। अपि० स्त्रित०।
 कं। इह। ब्रवी० त्रयः। इं। अंग०। वद०। अस्य। वामस्य। नि० हितं। पदं। वरि० ति।
 शीर्ष०। हीरं। उक्रा० त०। गावः। अस्य। वत्रि०। वसानाः। उदकं। पदा। अपुः। मा० त०।

पितरं। स्नात। आ। वनज। धीती। अग्र। मनसा। सां। हि। जगम। सा। वी। प्र। सुः। गार्भः।
 ० रसा। नि० विद्वा। नयस्वतः। इत। उप० वाकं। ईयूः। युक्ता। माता। आसीत। धुरि।
 दक्षिणायाः। अतिष्ठत। गार्भः। दृजनीषु। अंतरेति। अमीमिन्। वसः। अन्तु।
 गां। अपश्यत्। विश्व० रूपं। त्रिष्टु। पात्रान्। तिस्रः। मादृन्। चीन्। पितृन्।
 विन्नत्। एकाः। ऊर्ध्वः। नास्ते। नादं। अव। प्रपयंति। मंत्रयंति। दिवः। अमुष्य।
 पृष्ट। विश्व० विदं। वाचं। अविश्व० मिन्वां। तप॥ द्वादश० अरं। नहि। तत्। जरा
 यावर्वर्ति। चक्रं। परि। श्यां। रुतस्य। आ। पुत्राः। अग्र। मिथुनासः। अत्र। सप्त।
 शतानि। विंशतिः। वा। तस्युः। पंच० पादं। पितरं। द्वादश० आहतिं। दिवः।

विस्तृतं ॥४४॥

आहुः। पार। अर्द्धे। पुरीषितो। अथ। दाम। अन्ये। उपार। वि० चक्षुः। सप्त० च
क्रि। षट्० आर। आहुः। अर्पितं। पंच० आर। चक्रे। परि० वत्तमान। तस्मिन्।
आतसुः। भुवमानि। विश्वा। तस्य। न। अर्द्धः। तप्यत। नृरि० भारः। सनात्। ए
वान। शायत्। स० नानिः। स० नमि। वक्रं। अजरां वि। वैवृत्। उत्तानायो। दश
पुक्ताः। वहन्ति। सूर्यस्य। चक्षुः। रजसा। एति। आ० वृत्तं। तस्मिन्। आर्पिता। भुव
नानि। विश्वा। साकं० जानां। सप्तथं। आहुः। एक० उं। षट्। इत्। यमां। नृषयः।
एव० जाः। इति। तेषां। इष्टानि। वि० हितानि। धाम० शः। स्थात्र। रजंता। वि०
रुतानि। रूप० शः। ॥१६॥ स्त्रियः। सतीः। तान्। जंइति। म। भुसः। आहुः। पश्य

तं उ अर्वा चोर्व व उ तं तं उ अर्वा च ॥ ऊं इत्यौ ॥ ७ ॥

१६४

ता अ ह ण ० बां न ना वि त त त अंधः क विः यः अत्रः सः इंद्री आ चि कृत यः
ता वि ० ज्ञा ना त सः पित्रुः पिता अस त अ वः पार ण प रः ए ना अ व र ण
प दा व सं वि न र्त्ती गोः उ त अ स्मृ त सा क द्री वी कं स्वि त अ र्द्ध प रा अ
गा त क स्वि त स्मृ त न हि पू षा अंत रिति अ वः प र ण पित री यः अ
स्य अनु व द प रः ए ना अ व र ण क वि ० य म नः कः इ ह प्रा वा च व
द वं मनः कृतः अधि प्र ० जा तं य अ र्वा चः तान् ऊं इति प रा चः आ
क्रुः य प रा चः तान् ऊं इति अ र्वा चः आ क्रुः इंद्रः वा या च क्र युः आ स्मा
प्र ता नि धु रा न यु क्त रज सः च हंति द्रा सु ० प ण्मी सु यु ज्ञा सखा या

संहि दीर्घा

७१॥

४. सं. व. चं।

सं. श्रु. ३। ४

समानं। वृद्धं। परि। सस्यै जात इति। तयाः। अन्यः। पिप्पलं। स्वादु। अति। अनंश
न। अन्यः। अग्निवाकशाति। ॥ यत्र। सु० पण्यः। अमृतस्य। भागं। अनि० म
षीं विदथा। अग्नि० स्वरंति। इनः। विश्वस्य। भुवनस्य। गाथाः। स० मा। धीरः। पार्क
अत्र। आ। विवशा। यस्मिन्। वृद्ध। मधु० अदः। सु० पण्यः। नि० विशंत। सुव
ता। वा। अधि। विश्व। तस्य। इत्। अ० ऊः। पिप्पलं। स्वादु। आग्र। तत्। न। उत्। वि
नशत्। यः। पितरं। न। वद। यत्। गायत्र। अधि। गायत्रं। आ० हितं। त्रिस्तं। न
त्। वा। त्रिस्तं। निः२ अतद्गत। यत्। वा। जगत्। जगति। आ० हितं। पदं। य। इ
त्। तत्। विदुः। त। अमृत० त्वं। आनशुः। गायत्रण। प्रति। मिमीत्। अ० कं।

अर्कण। साम। त्रेस्तै। नन। वाकं। वाक्कन। वाकं। द्विपदा। चतुः। २०००। अक्षर
 २०००। मिमात। सप्त। वाणीः। उगता। सिंधुं। दिवि। अस्तनायत्। २०००। तार। सूर्ये
 परि। अपश्यत्। गायत्रस्य। सं० इधः। तिस्रः। आक्रुः। ततः। मद्रा। प्रारि
 त्वा। महि०त्वा। १०००। उप। द्रुप। सु० दुध्यां। धुनुं। एतां। सु० हस्ता। गा० धुकु। उ
 त। हारुत। एनां। अश्वं। सुवं। सु। विता। सा विषत्। नः। अनि० इधः। घर्मः। त
 त्। ऊं इति। सु। प्रा। वा। वां। हि० रु। एतती। वसु० पत्री। वसुनां। वसं। इच्छंती। मनसा।
 अनि। प्रा। अगात्। दुहां। अश्वि० म्यां। पयः। अघ्रा। द्यो। मा। वद्धतां। मृदाता। सो ८८॥
 नगाय। गोः। अमीमत्। अनु। वसं। पिषंतं। मृदनिं। हि० अरुणात्। मात

वे। जंइति। सुकाणो। धर्म। अत्रि। वावशाना। मिमाति। मायुं। पयत। पयः२
 त्रिः। अयं। सः। शि। दू। यन। गोः। अत्रि० वृता। मिमाति। मायुं। धसनि०। अ
 धि। श्रिता। सा। चिति० त्रिः। नि। हि। चकार। मत्तं। विद्युत्। नवंती। प्रति। वत्रि।
 अहत्। अनत्। शाय। चुर० गात्रु। जीवं। एजत्। फ्रवं। मध्या। आ। पस्त्यानां।
 जीवः। मृतस्य। वरति। स्वधमिः। अमर्त्यः। मर्त्येना। स० प्यानिः॥ १९८॥ अव
 श्यं। गापां। अनि० पद्यमानं। आ। च। परा। च। पयि० त्रिः। वरंतं। सः। सधी
 यीः। सः। विष्णुवीः। वसानः। आ। वरीवर्ति। नुवानशु। अंतरितीयः। ई। च
 कारानः। सः। अस्य। वृदायः। ई। ददश। दिसु। इत्। नु। तस्मात्। सः। म

उः॥ याना॥ परि० वीतः॥ अंतः॥ ब० प्रजाः॥ निः० रू० तिं॥ आ॥ वि० व० श॥ घोः॥ म॥
 पिता॥ ज० निता॥ ना० निः॥ अ० त्र० बंधु॥ म॥ माता॥ पृ० थि० वी॥ म॥ द० यं॥ उ० त्ताना० य० ॥
 ब० म्याः॥ या० निः॥ अंतः॥ अ० त्र० पिता॥ दु० हि० त्रुः॥ ग० नी० आ॥ अ० धा० त्र॥ पृ० छा० मि० त्वा॥
 परं॥ अंतं॥ पृ० थि० व्याः॥ पृ० छा० मि० य० त्र॥ भु० व० न० स्य॥ ना० निः॥ पृ० छा० मि० त्वा॥ वृ० क्षः॥
 अ० श्व० स्य॥ र० तः॥ पृ० छा० मि० वा० वः॥ प० र० मं॥ वि० षु० म॥ द० यं॥ वि० दिः॥ प० रः॥ अंतः॥ पृ० थि०
 व्याः॥ अ० यं॥ य० जः॥ भु० व० न० स्य॥ ना० निः॥ अ० यं॥ सा० मं॥ वृ० क्षः॥ अ० श्व० स्य॥ र० तः॥ अ०
 ह्य॥ अ० यं॥ वा० वः॥ प० र० मं॥ वि० षु० म॥ ॥ २० ॥ स० हा० अ० र्द० ग० त्रिः॥ भु० व० न० स्य॥ र० तः॥ ॥ २१ ॥
 वि० क्ष्माः॥ ति० षुं० ति० प्र० दि० शा॥ वि० ध० म० णि॥ त॥ धी० ति० निः॥ म० न० सा॥ त॥ वि० प०

ःश्चितः। पृ० नुवः। पति० न्वंति। विश्वतः। नः। वि। जानामि। यत्। इव। दृ० दं। अ
 स्मि। नि। ण्यः। सं० न० दृः। पनसा। चरामि। यदा। मा। आ। अग्न० प्रथम० जाः। न
 तस्य। आत्। इत्। वावः। अश्रु० वि। भागं। अस्याः। अपो० इति। स्वधया। ग
 न्तुत। अम० त्पः। मा० त्पि० नै। स० योनिः। ता। शश्वंता० वि० यंता० नि। अन्यं। विक्रुः। वि० ह० वी० नो।
 नानि। विक्रुः। अन्यं। नृ० वः। अ० हार० पराम। वि० उ० म० नृ० यस्मि० नृ० द्वाः। अ
 धि। वि० श्वो० नि० सु० दुः। यः। तत्। न। वद० किं। रु० चा। क० रि० ष्यति। य। इत्। तत्।
 वि० दुः। ता। इ० म। सं० आ० सा० त। सु० य० व० स० अ० त० न० ग० व० ती। हि। नृ० याः। अ० ष्या० इ
 ति। वृ० यं। न० ग० व० तः। स्या० म। अ० द्वि० इ० ए०। अ० ष्म। वि० श्व० द० नी० पि० व। अ० दृ० उ० द

४ सं० हि० व० च० ३

कां० आ० वरंती॥ २१॥ गोशः॥ पिमाय॥ सुखि॥ लानि॥ तहती॥ एक० पदी॥ द्वि० पदी॥
 सा॥ वनुः॥ २० पदी॥ अष्टा० पदी॥ नव० पदी॥ बन्नुवुषी॥ सहस्र० अक्षरा॥ पर० अक्षरि
 ०३० मनि॥ तस्या॥ समुद्राः॥ अधि॥ वि॥ हरंति॥ तेनाजीवन्ति॥ प्र० दिशः॥ यतस्वः॥ त
 तः॥ हरति॥ अक्षरं॥ तत्॥ विश्वं॥ उपजीवति॥ शक० मयं॥ धूमं॥ आरात्॥ अप
 श्यं॥ विष्णु० वता॥ परः॥ एना॥ अवतरण॥ उक्ताणं॥ पृथ्वीं॥ अ० यचंत॥ वीराः॥ ता
 नि॥ धर्माणि॥ प्रथमानि॥ आसुन्त्रयः॥ कुशिनः॥ नृ० व० या॥ वि॥ नृ० कृ० त॥ स
 व० सार॥ व० प० त॥ एकः॥ एषां॥ विश्वं॥ एकः॥ अग्नि॥ वायु॥ शचीनिः॥ ध्राजिः॥ एक॥ ५०
 स्या॥ दृष्टाना॥ सूपं॥ च० त्वारि॥ वाक्॥ परि० मिता॥ पदनी॥ तानि॥ वि० दुः॥ ब्रा

सं० दी० ४॥

इंद्रमित्रेण

सुणाः। यामना विराः। गुरु। श्रीणि। नि० हिता। न। इंगयंति। उशयो वाचः। मनुष्याः।
वदंति॥०॥ आहुः। आप्या इति दिव्यः। सः। सु० परमः। गरुत्मान। एकं। सत। विप्राः।
बहुधा। वदंति। अग्निं। यमं। मातरिश्वा नं। आहुः॥२२॥ लक्ष्मं। नि० यानं। हृ
यः। सु० परमः। अपः। वसानाः। दिवं। उत। पतंति। ता। आ। अवर्तन। सदन। त
रुतस्य। आत। इत। धृतन। पृथिवी। वि० घात। द्वादश। प्र० धयः। वक्रं। एकं। श्री
णि। नभ्यानि। कः। जुं इति। तत्। विकृत। तस्मिन्। साकं। त्रि० शताः। न। शंकवः। अ
पि० ताः। षष्टिः। न। वला वला सः। यः। ता। स्वनः। शशयः। यः। मयि र्भूः। यन
विश्वा। दुष्यसि। वार्यणि। यः। र० न० धः। वसु० वित्। यः। सु० दत्रः। सरस्वति। तं
इह। धात। वा। कुरितिकः। य। इना। यज्ञं। अयजंत। द्वाः। तानि। धर्मणि। प्रथमा

॥ उच्यते ॥ इत्येति च वैति । एत्यदो वैत्येत्यर्वा । अवं च वा वाचं वाचं निरुहं निश्चुवाहं निः । अहं निरित्यहं निः । हरिं शं करेण लिखितं ॥ ३२ ॥

निः । आसन्ना । त । ह । नाकं । महिमानः । सचंत । यत्र । पूर्व । साध्याः । संति । द्वाः । समा
 नं । एतत् । उदकं । उत् । वा । एति । अवा । च । अहं निः । नू मिं । पृक्त्याः । जिन्वति । दिवं ।
 जिन्वति । अग्रयः । दिव्यं । सु० पृष्णं । वायसं । बृहंतं । अग्रो । गन्ती दशतं । उषधीनां ।
 अनीषुतः । वृष्टि० निः । तर्पयंतं । सरस्वतं । अवास । जोहवीमि ॥ २३ ॥ कथा । शुना
 स० वयसः । स० नीलाः । समान्या । मरुतः । सं । मिमिक्षुः । कथा । मती । ऊतः । आ०
 तासः । एता । अर्वति । शुष्मं । वृषणः । वसु० या । कस्य । ब्रह्मणि । जुहुषुः । युवानः ।
 कः । अध्वार । मरुतः । आ । ववर्त्त । शयनान् । देव । ध्रुजंतः । अंतरिक्षे । कनामहा । म
 नसा । शरमा । म । ऊतः । त्वं । इंद्र । माहिनः । सन् । एकः । यासि । सर्वपाताकिं । त । दृष्टा ।
 सं । दृष्टास । सं । अराणः । शुनानिः । वाचः । तत् । नः । हरि० वः । यत् । त । आस्मि । इति ।

दी० ५

५१

ब्रह्मणि। म। म। तयः। शं। सुता सः। सुषः। इयति। प्र० नृतः। म। अदि० आ। शा। सुता।
 प्रति। हयं। ति। ध० क्ता। इमा। हरी। इति। बहुतः। ता। नः। अ० क्ता। अतः। वयं। अंत० मजिः।
 यु० ज्ञानाः। स्व० दात्रिः। त० न्यः। अ० न० मानाः। महः० रिः। एता० न०। उ० प०। यु० ज्ञाना०।
 इ० द्र०। स्व० धां। अनु० हि। नः। व० न० य०। र० श०। क्ता। स्या० वः। म० रुतः। स्व० धा०। आसीत्। य
 त०। मां। ए० क०। सं०। अध० त०। अ० दि०। ह०। अ० ह०। उ० ग्रः। त० वि० षः। उ० वि० षा० न०। वि
 श्व० स्य०। श० त्रोः। अ० न० मं। व० ध०। स्त्रिः। न० रि०। व० क० थ०। यु० ज्ञानिः। अ० स्म० इति०। स० माने०।
 मिः। वृ० ष०। षो०। स्य० मिः। न० र०। णि०। हि०। र० ण०। वा० मं। श० वि० श्रु०। इ० द्र०। क० त्वा०। म० रुतः। य० य
 त०। व० श० मं। व० ध०। वृ० त्रं। म० रुतः। इ० द्रि० ण्य०। स्य० न०। भा० म० न०। त० वि० षः। व० न० व० न०। अ०
 हं। एताः। म० न०। व०। वि० श्व०। वं० द०। सु० ग०। अ० पः। व० क० र०। व० द्र०। अ० क०। अ० नु० तं। आ०

लोके
४१

तत्र

त। मघ० वन० नकिः। नु। ना। त्वा० वा० न० अस्ति। दवता। विद्वानः। न। जायमानः।
नशात। न। जातः। यानि। कुरिष्या। रु० सुदि। प्र० वृद्ध। एकस्या। चित्। म० वि०
तु। अस्तु। जं०। या। नु। दध्यामू। रु० ए० वे। मनीषा। ०। मरुतः। विद्वानः। या
नि। व्यर्वे। इन्द्रः। इत्। इशे। ए० छा०। २५॥ अमंदत्। मा। मरुतः। स्तामः। अत्र।
यत्। म० नरः। अत्यं। ब्रह्मा। वक्रा। इन्द्राय। वृहस्पते। सु० मखाय। म० ह्यं। सखाय।
सखायः। तन्वा। तन्त्रिः। एवा। इत्। एत। प्रति। मा। रोचमानाः। अनयः। अ
वः। आ। इषः। दधानाः। सं० चक्षुः। मरुतः। चंद्र० वरुणः। अहंता। म० छदयाय।
वानूनं। कः। नु। अत्र। मरुतः। म० म० वः। प्रायातन० सखाय०। अ० छ० सखायः।
मा० मा० नि। चित्राः। अपि० वातयंता। ए० छा०। भूत। नाविद्वाना० म० रुता० ना०। आ। यत्। ३

५३

वृष्णात्। दुवसा। ना। का। रुः। अस्मान्। च। क्रु। मान्यस्य। मध्या। उदति। सु। वती। मरु
तः। विष्म। अछ। इमा। ब्रह्माणि। ज। रिता। वः। अचते। एषः। वः। स्तामः। मरु
तः। इयं। गीः। मां। दार्यस्य। मान्यस्य। काराः। आ। इमा। यासीष्ट। त। न्नि। वं। यो।
विद्याम। इष्टं। वृजनं। जी। र०। दानुं॥ २६॥ एकादशोध्यायः॥ ॥ उतत्। नु। वा
वाम। एनसाय। जन्मन। पूर्वं। म०। हि०। त्वं। वृष। नस्य। क०। तव। एधा। इव। यामन्।
मरुतः। त्रुवि०। सु०। नैः। युधा। इव। शक्राः। तविषाणि। क०। तन। नित्यं। न। स०। नुं। म
धु। विन्नतः। उपा। क्रीलंति। क्रीलं। विदायश्च। दृषयः। न०। हंति। रुद्राः। अवसा।
नमस्तिनं। न। म०। हंति। स्व०। तवसः। रुविः। २०। तीयास्ते। ऊमासः। अमृताः। अ
रास्ता। वाचः। पाषा०। च। इविषा। ददाश्चा०। उ०। हंति। आ०। म०। रुतः। हिता। इव।

पु॒रु॒। र॒ज॒सि॒। प॒य॒सा॒। म॒युः॒२॒नु॒वः॒। आ॒। प॒य॒। र॒ज॒सि॒। त॒ वि॒षी॒जिः॒। अ॒व॒त॒। प्रा॒वुः॒।
 ए॒वा॒सः॒। स्व॒व्य॒ता॒सः॒। अ॒ध्व॒ज॒न॒। भ॒य॒न्त॒। वि॒श्वा॒। नु॒व॒नानि॒। ह॒म्पा॒। वि॒त्रा॒। वः॒। या॒
 मः॒। प्र॒व॒य॒ता॒सु॒। रु॒ज्जि॒षु॒। यत्॒। त्व॒ष॒०॒म॒या॒माः॒। न॒द॒य॒न्त॒। प॒र्व॒ता॒न॒। दि॒वः॒। वा॒। शृ॒ष्टे॒।
 न॒या॒। अ॒नु॒च॒य॒वुः॒। वि॒श्वाः॒। वः॒। अ॒ज्म॒न॒। भ॒य॒तो॒। व॒न॒स्प॒तिः॒। र॒यि॒य॒न्ती॒। इ॒वा॒। प्रा॒।
 जि॒ही॒त॒। उ॒ष॒धिः॒॥१॥ पू॒य॒न्त॒। उ॒ग्राः॒। म॒रु॒तः॒। सु॒०॒। च॒त्र॒ना॒। अ॒रि॒ष्ट॒०॒ग्रा॒माः॒। सु॒०
 ०॒म॒ति॒। पि॒प॒त्न॒। य॒त्रै॒। वः॒। दि॒क्ष॒त्। र॒द॒ति॒। क्रि॒विः॒२॒द॒ती॒। रि॒णा॒ति॒। प॒श्वः॒। सु॒ध॒िता॒
 इ॒व॒। बु॒र्द॒णा॒। प्रा॒। स्क॒न्त॒०॒। द॒क्षाः॒। अ॒न॒व॒न्त॒०॒। रा॒ध॒सः॒। अ॒ला॒च॒ृणा॒सः॒। वि॒दा॒थ॒
 शु॒। सु॒०॒। स्त॒ता॒। अ॒व॒न्ति॒। अ॒र्क्ष॒। म॒दि॒र॒स्य॒। पी॒ता॒य॒। वि॒डः॒। वी॒र॒स्य॒। प्र॒थ॒मा॒नि॒।
 पो॒ं॒स्य॒। श॒त॒नु॒जि॒०॒नि॒त॒। अ॒नि॒०॒कु॒तः॒। अ॒धा॒त्। श्रुः॒२॒मिः॒। र॒क्ष॒त॒। म॒रु॒तः॒। म॒ं॒।

अवेताजनं। यं। उग्राः। तवसः। वि०। श्रिनः। पाथने। शंसात्। तनयस्य। उष्टिभु।
 विश्वानि। नद्रा। मरुतः। राथेषु। वः। मिथस्युध्याः। इव। तविषाणि। आ०। हिता। अं
 मंशु। आ०। वः। प्र०। पथेषु। खादयः। अ०। वः। वक्रा। समया। वि०। वृता। चरय
 णि। नद्रा। नार्येषु। बा०। कुषु। व०। रसु। रुक्माः। ए०। मासः। अं०। जयः। अं०। मंशु
 एताः। पविषु। दुराः। अधि। वयः। न। प०। दान्। वि०। अनु। श्रियः। धि०। २॥ म०
 तः। म०। वि०। न्वः। वि०। भूतयः। दूर०। दशः। स्या। दिव्याः। इव। सृ०। निः। मं०। द्राः। सु
 ०। जि०। द्वाः। स्वरितारः। आ०। स०। निः। सं०। मि०। द्याः। इ०। द्रे। मरुतः। परि०। स्त०। नः। तव
 वः। सु०। जा०। ताः। मरुतः। म०। हि०। त्वनं। दी०। धी०। वः। दा०। त्रं। अ०। दितेः। इव। वृ०। तं। इ०। द्रे।

एवः स्तोमो कारेः ॥ एषां दानं ग० स

वा० न० । त्यजसावि० । कुणाति० । तत् । जनाय० । यास्मै० । सु० । रुता० । अराधं० । तत् । व० । ज० । १११
 मि० । त्वं । मरुतः० । प० । य० । ग० । पुरु० । यत् । श० । सं० । अमृता० । सुः० । आव० । त० । अया० । धिया० ।
 मन० । व० । अ० । हि० । आ० । व्यो० । सा० । कं० । नरः० । दं० । स० । नेः० । आ० । वि० । कि० । त्रि० । रा० । य० । न० । दी० । धं० । प० ।
 तः० । श० । वा० । म० । पु० ।ष्मा० । क० । न० । प० । री० । रा० । सा० । त्र० । रा० । सुः० । आ० । यत् । तत् । न० । न० । व० । ज० । न० । ज० ।
 न० । सः० । ए० । त्रिः० । य० । द्र० । मिः० । तत् । अ० । त्रि० । इ० । हि० । अ० । श्या० । ०॥ ३॥ सु० । रु० । स्त्रं० । त० । इं० । द्र० । अ० ।
 य० । न० । सु० । रु० । स्त्रं० । इ० । धं० । रु० । रि० । वः० । गु० । र्ज० । त० । माः० । सु० । रु० । स्त्रं० । रा० । यः० । भा० । द० । य० । ध्ये० । सु० । रु० ।
 स्त्रि० । ए० । उ० । पा० । नः० । यं० । त्र० । वा० । ज० । आ० । नः० । अवः० । र० । त्रिः० । म० । रु० । तः० । यं० । व० । अ० । व० । इ० । अ० ।
 त्रिः० । वा० । वृ० । रु० । त० । दि० । विः० । सु० । मा० । याः० । अ० । ध० । यत् । ए० । षां० । नि० । पु० । तः० । प० । र० । माः० । सु० ।

۷۸

सं. १२

सं. १५

सं. १५

सुदस्य। वित्। धनयंत। पाद। मिम्यद्। यश्च। सु० धिता। घृतावी। हिरण्य० नि
निक। उपरा। ना० रुष्टिः। गुहा। वर० ती। मनुषः। न। याषा। स० ना० वती। विदुष्या
ऽइव। सं। वाक्। पर०। श्रुताः। अ० र्थमैः। य० व्या। साधारण्याऽइव। म० रुतः। मि
मि० रु। ना। रा० दसी इति। अ० पानुदंत। घाराः। जुषंत। वृधं। स० ख्याय। द० वाः। ज० ष
त। यत्। इं। अ० सुया। सु० वाधे। वि० सित० स्त० का। रा० दसी। नृ० मनैः। आ० सु
य० इ० इव। वि० धतः। र० थं। ग० त्। त्व० ष० प्रती। का। न० न० सः। न। इ० त्या॥४॥ आ० अ
स्था० प्रयंत। यु० व० ति। यु० वानः। श्रु० त्। नि० मि० श्रां। वि० द० थं। प० द्वां। अ० र्कः। यत्।
वः। म० रुतः। रु० वि० श्रा० न्। गायत्। ग० थं। सु० त०। सो० मः। इ० व० स्यन्। प्रा० तं। वि० व

वि॒त्। व॒क्त॒यः। यः। ए॒षां। म॒रु॒तां। म॒हि॒मा। स॒त्यः। अ॒स्ति। स॒चा। य॒त्। इ॒ं। दृ॒ष्ट॒०॥
 नोः। अ॒हं॒०॥ युः। स्मि॒रा। वि॒त्। ज॒नीः। व॒रु॒त। सु॒०॥ न॒आः। पा॒न्ति। मि॒त्रा॒व॒रु॒णो॒॥
 अ॒व॒धा॒त्। व॒य॒त्। इ॒ं। अ॒य॒मी॒मा॒इ॒ति॒॥ अ॒प्र॒०॥ श॒स्ता॒न॒॥ उ॒त्। च॒व॒न्त॒॥ अ॒यु॒
 ता॒। ध्रु॒वा॒णि॒॥ व॒ै॒व॒ा॒ध॒॥ इ॒ं। म॒रु॒तः। द॒ति॒॥ वा॒रः। न॒हि॒०॥ नु॒वः। म॒रु॒तः॒॥ अ॒ं
 तो॒॥ अ॒स्म॒इ॒ति॒॥ आ॒रा॒त्ता॒त्। वि॒त्। श॒व॒सः॒॥ अ॒न्तं॒॥ आ॒पुः॒॥ त॒॥ धृ॒स्नु॒नाः॒॥ श॒व॒सा॒॥
 श्रु॒०॥ वां॒सः॒॥ अ॒र्षः॒॥ न॒॥ दृ॒ष्ट॒॥ धृ॒ष॒ता॒॥ परि॒॥ स्तुः॒॥ व॒यं॒॥ अ॒द्य॒॥ इ॒ं॒॥ प्र॒म्य॒॥ प्र॒धाः॒॥
 व॒यं॒॥ श्रुः॒॥ वा॒॥ स॒म॒हि॒॥ स॒०॥ म॒र्या॒॥ व॒यं॒॥ भू॒रा॒॥ म॒हि॒॥ च॒ानः॒॥ अ॒नु॒॥ धृ॒न्। त॒त्। नः॒॥ ५५
 रु॒नु॒दाः॒॥ न॒रा॒॥ अ॒नु॒॥ स्या॒त्। ॥ पा॒॥ य॒श॒०॥ य॒श॒॥ वः॒॥ स॒म॒ना॒॥ उ॒त्त॒र्व॒णिः॒॥

॥ अ॒बु॒य॒बु॒॥ ह॒न्ता॒नि॒। वि॒रा॒म॒रु॒त॑॥ आ॒ज॒त॑० स॒ह॒य॒का॒। व॒॥ अ॒न्ता॑॥ उ॒ति॑॥

धि॒यं० धि॒यं॒। व॒॥। ए॒व॒० याः॑। अ॒ं इति॑। द॒धि॒धे॒। आ॒। व॒॥। अ॒र्वा॒वः॑। सु॒वि॒ता॒य॑। रा॒
दा॒स्याः॑॥ म॒हा॒व॒ह॒त्यां॑। अ॒वा॒स॒। सु॒वृ॒त्ति॑० निः॒। व॒व्रा॒सः॑। ना॒य॒। स्व॒० जाः॑। स्व॒व॒त॑
व॒सः॑। इ॒षं॑। स्वः॑। अ॒ग्नि॑० जा॒य॒त॑। धृ॒त॒यः॑। स॒ह॒स्त्रि॒या॒सः॑। अ॒पां॑। न॒। अ॒म॒यः॑।
आ॒सा॒। गा॒वः॑। व॒ंधा॒सः॑। न॒। उ॒द्ग॒णः॑। सा॒मा॒सः॑। ना॒य॒। सु॒ताः॑। इ॒न्द्र॑० अ॒ंश॒वः॑।
ह॒० त॑० सु॒। पी॒ता॒सः॑। दु॒व॒सः॑। न॒। आ॒स॒त॑। आ॒। ए॒षां॑। अ॒ं सि॒शु॒। रं॒नि॒ता॑। इ॒वा॒र॑
रा॒म॒। हा॒स्त॒शु॒। र॒वा॒दिः॑। व॒। इ॒ति॑। व॒। सं॑। द॒धा॒। अ॒र्वा॒। स्व॒० यु॒क्ताः॑। दि॒वः॑। आ॒। व॒था॑।
य॒युः॑। अ॒म॒त्स्याः॑। क॒श॒या॒। वा॒द॒तु॒। त्म॒ना॒। अ॒रा॒ण॒वः॑। उ॒वि॑० जा॒ताः॑। म॒रु॒त॑०। स॒
हि॒० वि॒दु॒तः॑। अ॒ज॒ति॑। त्म॒ना॒। ह॒न्वा॑। इ॒वा॒। जि॒ह्वा॑। ध॒न्व॑० क॒तः॑। इ॒षां॑। ना॒याम॑

नि। सु० प्रेषाः। अ० ह० नः। न। ए० त० शः। ५। क। स्वि० तू। अ० स्य। रज० सः। म० हः। प० रं। १११
 क। अ० व० रं। म० रु० तः। य० स्मि० न०। अ० व० य० य० य० त०। अ० व० य० य० य०। वि० यु० रा० इ० व०। सं०
 हि० तं। वि०। अ० दि० णा। प० त० थ०। त्व० षं। अ० र्श० वं। स्मा० तिः। न। वा। अ० म० व० ती। स्व०
 :० व० ती। त्व० षा। वि० पा० का। म० रु० तः। पि० पि० घ० ती। न० द्रा। वः। रा० तिः। शृ० ण० तः। न। प०
 दि० णा। पृ० धु० द्र० य०। अ० सु० र्य० इ० व०। जं० जं० ती। प्र० ति। स्ता० भे० ति। सि० ध० वः। प० वि० यः।
 य० त०। अ० न्नि० यां। वा० र्वा०। उ० त्। ई० र० य० ति। अ० व०। स्म० य० त०। वि० क० तः। इ० थि० वां। य० दि०।
 घृ० तं। म० रु० तः। पु० स्तु० वं० ति। अ० स्त० त०। पृ० श्रिः। म० ह० त०। र० ण० थ्या। त्व० षं। अ० या० सो। म० रु०
 तां। अ० नी० कं। त०। सु० सु० रा० सः। अ० ज० न० य० त०। अ० च०। आ० त०। इ० त०। स्व० धां। इ० वि० रा० प०

शतः

सं. ५३

रिः अपश्यन् ॥ ० ॥ ७ ॥ मरुः चित्वा त्वं दृष्टुं यतः एतान् मरुः चित्वा असि। त्य
जसः वरूता सः नः वधः मतां चिकित्वा न सुम्ना वनुषा तवा हि। प्र
ष्टा अयुद्धानां त। दृष्टुं विश्वं सृष्टीः विद्वानां सः निःसिद्धः मत्स्यं त्रा। म
रुतां पृथुतिः। हसमानाः। स्वः रमीरुस्य। प्रधनस्य सातो। अम्यं कृ। सा।
त। दृष्टुं रुष्टिः। आस्मदति। समानमि। अर्चं। मरुतः जुनंति। अग्निः चित्वा
हि। स्म। अत। स। शुशुक्नान्। आपः। न। द्वापं। दधति। प्रयांसि। त्वं। उ। नः। दृष्टुं।
तं। एयिं। दाः। उजिष्ठया। दक्षिणया। इव। रुतिं। स्तुतः। व। याः। त। वकनं त।
वायाः। स्तनै। न। मधः। पीपयंत। वाजेः। त्वइति। रायः। दृष्टुं। ताशं तमाः। प्र

मं. १०.

मं. १०.

मं. १०.

० नितारः। कस्या। वित। नृ त० याः। ति। सु। नैः। मरुतः। मृत्तयंनु। य। स्म। चुरागा
 वृ यंति। इव। दवाः॥ ८॥ प्रति। प्रायाहि। इंद्र। मी। दुषः। नृ नृ। मरुः। पार्थिव। सप
 नायतस्व। नै। पृष्ठ० बुध्नसः। एताः। तीर्थे। न। अर्थः। पो। स्यानि। त सुः। प्रभते।
 स्वे। घ्राणां। एतां। अयासां। मरुतां। शृणा। आ० यतां। उपंष्टिः। य। म
 त्त्वं। पृतना० यंतं। ऊर्षेः। रुणा० वानं। न। पतयंतं। सर्गेः। त्यं। मानभ्यः। इंद्र। वि
 ध० जन्मा। रदौ। मरुत्० निभ। शुरुधः। गा० अयाः। स्रवा। ननिः। स्रवासा। दवा
 दवेः। ९॥ न। नृ नं। अस्ति। नाइति। श्वः। कः। तत्। वद। यत्। अजुतं। अन्य
 स्या। वित्तं। अग्नि। सं० वारण्यं। उत। आ० धीतं। वि। न श्यति। किं। नः। इंद्र। डि
 धांससि। आतरः। मरुतः। तन। तजिः। क० यसा। साधु० या। मानः। सं० अ

रत्ने। वृद्धीः। किं। नः। आतः। अगस्त्य। सखा। सन्। अति। मन्मत्स्य। विप्रै। हिते।
 यथा। मनः। अस्मभ्यं। इत्। नादि। सुसि। अरं। रुण्वं। त्रु। विदिं। सं। अग्निं। इं।
 धत्तां। पुरः। तत्रै। अमृतस्य। चेतनं। पृश्नं। तत्। तनवावहृ। त्वं। इं। शिष्यं। वसु
 षत्ता। वसूनां। त्वं। मित्राणां। मित्रं। पतु। धृष्टः। इं। त्वं। मरुतं। त्रिः। सं।
 वदस्व। अध। प्रा। अशानु। सुतुं। या। हवीं। पि॥ १०॥ प्रति। वा। एना। नमसा। अ
 हं। एमि। सु०। उक्तनं। त्रिहृ। सु०। मति। पुराणां। ररा। एता। मरुतः। वेद्यानिः।
 नि। हृत्तः। धत्त। वि। सुवधुं। अथा। न०। नमस्वानु। हृदा। तत्। मनसा। एव। सौ।
 प्रि। दवाः। उप। इं। आ। यात। मनसा। जुषाणाः। पूयं। हि। नमः। इत्।

दस्य। नु। विशः। परि। संकु। सु० दानवः। उधनि। नः। कर्त्ता। जीवसि॥ १२॥ गाय
ता। सामान० न० यथा। विः। अर्चमि। तत्। वैवृधसुनं। स्वः। स्वत। गवः। धनवः।
बुद्धि। अदब्धुः। आ। यत्। स० ज्ञानं। दिव्यं। विवासान्। अर्चते। वृषा। वृष०
निः। स्व० इ० रुविः। मृगः। न। अश्वः। अति। यत्। जुगुयात्। प्रामुदयुः। प्रनां।
गुर्त्ता। हाता। भरत। मयः। मिथुना। यजत्रः। नक्षत्र॥ हाता। परि। स० मिता। य
न। भरत। गर्त्ता। आ। शरदः। पृथिव्याः। क्रंदत्। अश्वः। नयमानः। रुवत्। गोः।
अंतः। दूतः। न। रोदसी इति। वरत्। वाक्। ता। कर्मा। अष० तरा। अस्मि। प्राब्यो।
त्रानि। दव० यंतः। भरत। जुजाषत्। ईदः। दस्य० वधः। नासत्या इव। सुग्मः।
रथे० स्थाः। ते। जुं इति। स्तुति। दं दं। यः। सु। सत्वा। यः। श्वरः। मध० वा। यः। रथे०

स्तोः॥प्रतीचः॥वित्।प्याधीयान्।वृषण०वान्।ववृषः॥वित्।तमसः॥वि०हुं
 ता॥१३॥प्रायत्।इच्छा।महिना।नृ०भ्यः॥अस्ति।अरं।रादसीइति।कृद्व्य
 इति।न।अस्मि।सांविवा।इंद्रः॥वृजनान्।भूमौ।नर्त्ति।सुध०वान्।उपशं३इ
 व।घां।सुमत्०सु।त्वा।श्रर।सतां।उराणां।प्रपथिं०तमं।परि०तंसुय।ध्रि
 म०जाषसः।इंद्रं।मादा।ह्राणीः।सूरिं।वित्।प्या।अनु०मदंति।वाजेः॥एव
 हि।त।शं।सर्वना।समुद्रा।आपः॥यत्।श्रीत।आसु।मदंति।द्वीः।विधा।
 ता।अनु॥जाषा।नृत्।गोः।सूरान्।वित्।यदि।धिष्ठा।वपि।जनान्।असा पद
 मायथा।सु०सखायः।एन।सु०अनिहयः।नरां।न।शंसेः।असत्।पथा।

नः। इंद्रः। वंदने० स्थाः। तुरः। न। कर्म। नयमानः। उक्ता। वि० स्पेईसः। नरां। न। शं
 सेः। अस्माकं। असत्। इंद्रः। वद्म० हस्तः। मित्र० युवः। न। प्रः० पतिं। सु० शिष्टि।
 मध्य० युवः। उपाशिहंति। पृथुः॥ १४॥ यज्ञः। हि। स्म। इंद्रोक्तः। वि०। रुंधन। संभर
 जुहुराणः। वि०। मनसा। परि० यन्। तीर्थी। न। अ०। तै० वृषाणं। उक्तः। दी
 धः। न। सिध्नां। आ। ह्राणाति। अधा। माइति। सु। नः। इंद्रा। अत्र। पृ० सु० त्रिकम
 देवेः। अस्ति। हि। स्म। त। शुष्मिन्। अव० याः। महः। वि०। यस्य। मी० सु० वः।
 युवा। ह० विष्म० तः। मरुतः। वंदत। गीः। ए० घः। आ० मः। इंद्र। उ० न्यं। आ० स्मइति।
 एतानि। गा० त्रुं। हरि० वः। वि० दः। नः। व० वृ० त्वाः। सु० वि० ता० य। द० वा०। १५। अ० दः। ॥ ३॥
 । आ० नः।

त्वं। रा॒जो॑। इं॒द्रा॒य। च॒। द॒वाः। र॒क्षे॑। न्द॒न्। पा॒हि। अ॒सुर॑। त्वं। अ॒स्मान्। त्वं। स॒त्० प॒तिः॑। १७७
 म॒घ० वा॒। नः॑। त॒स॒त्रः॑। त्वं। स॒त्यः॑। व॒स॒वान्। स॒हः॑। र॒दाः॑। द॒नः॑। वि॒शः॑। इं॒द्रा॒मृ॒ध० वा॑।
 यः। स॒प्त॑। य॒त्। पु॒रः॑। श॒र्म। शार॒दीः॑। द॒र्त्। रू॒णाः॑। अ॒पः॑। अ॒न॒व॒घ्न॑। अ॒प॒सिः॑। मृ॒
 ण॑। वृ॒त्रं। पु॒रु० क॒र्मा॒य। रं॒धीः॑। अ॒जो॒व॒तः॑। इं॒द्रा॒श्र॒र० प॒त्नीः॑। धो॑। च॒। य॒त्रिः॑। पु॒रु० क॒
 त॑। न्न॒नं। र॒हो॒इति॑। अ॒ग्नि॑। अ॒शु॒षं। त्व॒र्वा॒णं। सिं॒हा॒ना॒द॒प॑। अ॒प॒सि॑। व॒स्त्राः॑। शो॒
 ष॒न्। नु॒। त॑। इं॒द्रा॒स॒स्मिन्। यानो॑। प्र॒क्षी० स्ता॒य। प॒वी॒र॒व॒स्य॑। म॒द्गा॑। मृ॒ज॒त॑। अ॒सं॒
 मि॑। अ॒व॒। य॒त्। यु॒धा॒। गाः॑। ति॒ष्ठ॒त्। ह॒री॒इति॑। धृ॒ष॒ता॑। मृ॒ष्ट॑। वा॒जो॒न॑। व॒ह॑। ऊ॒सं। इं॒द्रा॒
 य॒स्मिन्। च॒। फ॒न्। स्यु॒म॒न्यु॒इति॑। रु॒द्रा॒। वा॒त॒स्य॑। अ॒श्वा॒। प्र॒। सूरः॑। च॒क्रं॑। वृ॒ह॒ता॒त॑। अ॒

६०

आकाः॥अग्निः॥सृष्टः॥यासिषत्॥वद्वा॥वाङ्मनः॥१५॥उष्ट्रान्वा॥इन्द्रः॥मित्रेण॥स्वा
 ०प्रवृद्धः॥हृदि०वः॥अदश्चन॥प्रा॥प्रापश्यन्॥अयमिणं॥सवा॥आयाः॥त्य
 या॥श्रुतः॥वहमानाः॥अपत्यं॥रपत्॥कविः॥इन्द्रः॥अर्क०सातो॥क्षा॥दासाय॥
 उप०बहली॥कुरितिकः॥करत्तातिस्त्रां॥मस्र०वा॥दानु०चित्राः॥नि॥दुर्गाणि॥उ
 यवाचं॥मृद्धि॥श्रेत॥सना॥तात्॥इन्द्र॥नव्याः॥आ॥अयुः॥सह॥नमः॥अवि०रणा
 य॥पूर्वः॥निनत॥पुरः॥ना॥निदः॥आदवीः॥ननमः॥वधः॥अदिवस्यापीत्याः॥त्यं॥
 धुनिः॥इन्द्र॥धुनि०मतीः॥रुणाः॥अपः॥सीरः॥ना॥स्त्रवंतीः॥प्रा॥पत्॥समुद्र॥आत
 श्रुत॥प्रधि॥पारय॥उर्वशो॥यदु॥सुप्ति॥त्यं॥अस्माकं॥इन्द्र॥विश्वधा॥म्या॥अवृद्ध
 ०तमह॥नरां॥नृ०पा॥ता॥सः॥नः॥विश्वासां॥सृष्टां॥सहः॥दाः॥०॥७॥मसि॥अपा

शुभ्रितमे

६२

पणक० गा०

पि।ता।महः।पात्रेस्यऽद्व।हृि०वुः।म॒सुरः।मदः।वृषा।ता।वृहस्प।इंदुः॥वाजी॥
 सहस्र०सातमः।आ।नः।ता।गं०त्रु।म॒सुरः॥वृषा।मदः।वारण्यः।सह०वोन॥
 इंद्र।मानसिः॥पुतनापाद्।अम०र्यः।त्वं।हि।शूरः।सनिता॥।चादयः।मनुष्य॥
 धा॥सह०वोन॥दस्युं।अ॒न्नतं।उषः।पात्रं।न।शोविषा।पुष्य।सूर्ये।काव॥च
 इ०कं।ईशानः।उरसा।वहो॥शु॒क्लाय॥वधं॥ऊ॒सं।वातस्य॥आ॒ग्निः॥॥॥वृ॒त्र०ज्ञा॥
 वि॒रि॒वः॥खि॒त॥मं॒सी॒द्याः॥अ॒श्व०सातम॥यथा।पूर्व०भ्यः।उ॒रि॒तु०भ्यः॥इंद्र॥
 मयैः॥इव।आपः।न।वृष्यता।व॒त्र०था॥तां॥अनु॥त्वा॥नि०वि॒दं॥ऊ॒हा॒वी॒नि०
 ॥२८॥म॒स्ति॒नः॥व॒स्यः॥इ॒ष्ट॥य।इंद्र॥इंद्रा॒इति॥वृषा॥आ॥वि॒श॥रु॒धा॥य॒मा॒पुः॥
 इ॒न्ध॒सि॥श॒त्रुं॥अ॒न्ति॥न।वि॒द॒सि॥त॒स्मि॒न्॥॥॥वृ॒श॒प॥मि॒रः॥॥॥अनु॥स्व॒धा॥

यथापूर्वजोऽथ ता मनुवां जीरयन्तु गन्तात

यं। उ॒प्यत्। य॒वं। न। व॒र्द्ध॒षत्। वृ॒षा। य॒स्य। वि॒श्वानि॒। ह॒स्ता॒याः। प॒ं॒वा॒हि॒ती॒नां। व॒
सु॒। स्या॒। श॒य॒स्व। यः। अ॒स्य॒० ध्र॒क्। दि॒व्या॒ऽइ॒वा॒ अ॒श॒तिः॒। ऊ॒हि॒। अ॒सु॒च॒तं। स॒मं।
न॒हि॒। दुः॒२ न॒शं। यः। न॒। त॒। म॒यः॒। अ॒स्म॒मं। अ॒स्य॒। व॒द॒नं॒। द॒हि॒। स॒रिः॒। वि॒त्। उ॒
ह॒त्। अ॒र्विः॒। य॒स्या॒दि॒० ब॒र्ह॒मः॒। अ॒र्क्षि॒। मा॒नु॒ष॒क्। अ॒स॒त्। आ॒जो॒। इ॒न्द्र॒स्य॒।
इ॒न्द्रा॒इति॒॥०॥१२॥ आ॒। व॒र्ष॒णि॒० प्राः॒। वृ॒ष॒जः॒। ज॒नो॒नां॒। रा॒जा॒। ह॒ृषी॒नां॒। उ॒रु॒०
रु॒तः॒। इ॒न्द्रः॒। स्तु॒तः॒। श्रु॒व॒स्य॒न्। अ॒व॒सा॒। उ॒प॒। मु॒द्रि॒क्। यु॒क्। ह॒री॒इति॒। वृ॒ष॒णा॒।
आ॒। या॒हि॒। अ॒र्वा॒इ॒। य॒। त॒। वृ॒ष॒णः॒। वृ॒ष॒ज॒मः॒। इ॒न्द्र॒। ब्र॒ह्म॒० पु॒रु॒षः॒। वृ॒ष॒० रा॒या॒सः॒।
अ॒त्योः॒। ता॒म्। आ॒। ति॒ष्ठ॒। त॒निः॒। आ॒। या॒हि॒। अ॒र्वा॒इ॒। ह॒वा॒म॒ह॒। त्या॒। सु॒त॒। इ॒न्द्र॒।

स्मोमोऽश्रुतिश्च। रथं। वृषणं। वृषातु। सुतः। सामः। परि० सिक्ता। मधुनि। युत्कप
वृष०भ्यां। वृषभु। द्वितीनां। हरि०भ्यां। याहि। प्र०वता। उपोमद्विक्। अयं। यज्ञः। द
व०याः। अयोमि। यधः। इमा। ब्रह्माणि। अयं। इंद्र। सामः। स्तीर्णं। वृद्धिः। आ। नु
शक्राप्र। याहि। पिबे। नि०सैद्य। वि। मुच। हरी। इति। इह। उदति। सु०स्ततः। इंद्र।
याहि। अर्वाइ। उपो। ब्रह्माणि। मान्यस्य। का। राः। विद्याम। वास्ताः। अवसा। गृ
णंतः। ना। र०। यत्तु। ह। स्यात। इंद्र। अष्टिः। अस्ति। यया। ब०नृथ। ज०रि०भ्यः। ऊ
त। मा। ना। कामं। म०हयंतं। आ। धूक्। विश्वा। त। अ०श्यां। परि। आपः। आ०याः। न
धु। राजा। इंद्रः। आ। द०न०त०नः। या। नु। स्वसा। रा। नृ०एवंत। यान्ते। आप०अ०वित्।

अस्मि। सु० उ० काः। अ० व० ष० न० ग० म० त० नः। इ० द०। स० र० घ्या० व० यः। च०। ज० ता०। नृ० निः। १०
इ० द०। पृ० त० सु०। श्र० रः। श्रो० ता०। रु० वा० ना० ध० मा० न० स्य०। कृ० रा०। प्र० वृ० त्ता० रि० थ्या० दा० शु० वः।
उ० या० क०। उ० त० यं० ता०। गिरः। यदि। व०। त्म० ना०। नृ० त०। ए० व०। नृ० निः। इ० द०। सु० श्र० व० स्या०।
प्र० व० वा० दः। पृ० द०। अ० नि० मि० त्रि० णः। नृ० त०। स० मा० र्य०। इ० षः। स्त० व० त०। वि० वा० वि०। स० त्रा०
० क० रः। य० ज० मा० न० स्य०। शं० सः। त्व० या०। व० यं०। म० ध० व० न०। इ० द०। श० त्रू० न०। अ० नि०। स्या०। म०
म० ह० तः। म० न्य०। मा० ना० न०। त्वं०। वि० यं०। म० ध० व० न०। इ० द०। श० त्रू० न०। अ० नि०। या० ता०। त्वं०। ऊ० द० ति०।
नः। वृ० धा०। नृ०। ॥ २॥। प्र० व०। अ० हं। श० र० दः। श० श्रु० मा० णा०। दा० धा०। वा० स्तोः। उ० ष० सः। ऊ०
र० यं० ता०। मि० ना० ति०। श्रि० यं०। ज० रि० मा०। त० नृ० नां०। अ० पि०। ऊ० द० ति०। नृ०। प० नीः। वृ० ष० णः। ज० ग०

म्फुः॥या॥चि॥हि॥सार्वा॥रु०सा०पः॥आ०स०न०सा०कं॥द०व०निः॥अ०व०द०न०रु०ता॥
 नि०त॥वि०त॥अ०व॥अ०सुः॥न॥हि॥अ०तं॥आ०पुः॥सां॥०॥वृ०ष०निः॥ज०ग०स्युः॥न॥
 म०षा॥आ०तं॥य०त॥अ०व०ति॥द०वाः॥वि०द्याः॥इ०त॥मृ०धः॥अ०नि॥अ०श्र०वा०वा०ज०या॥
 वा॥इ०त॥अ०त्रा०शु०त०नी०यां॥आ०जिं॥य०त॥स०म्यं०वा॥मि०थु०नो॥अ०नि॥अ०जा०वा०न॥
 द०स्य॥मा॥रु०धु०तः॥का०मः॥आ॥अ०ग०न॥इ०तः॥आ०ङ्गी०तः॥अ०मु०तः॥ऊ०तः॥चि०त॥
 ल्या०पा०मु०द्रा॥वृ०ष०णं॥निः॥रि०णा०ति॥धी०रं॥अ०धी०रा॥ध०य०ति॥श्व०सं०तं॥इ०मं॥नु०सा॥
 मं॥अ०न्ति०तः॥रु०त०सु॥पी०तं॥उ०वा॥ब्रू०वा०य०त॥सी॥आ०गः॥च०क्षु०मै॥त०व॥सु०म॥
 लु०त्रु॥उ०रु०कामः॥हि॥म०र्त्यः॥अ०ग०स्त्यः॥र०व०न०मा०नः॥स्व०नि०त्रिः॥प्र०ज्ञा॥

६३॥

अपत्यं। बलं। इच्छमानः। उन्नो। वल्ले। रुषिः। उग्रः। पुष्पाष। सत्याः। दक्षः।
आशिषः। उ। उगु। ॥ २२॥ युवाः। रजसि। सुयमासः। अश्वः। रथः। य
तः। वां। परि। अलंसि। दीयत। हिरण्ययोः। वां। पवयः। कृषायन्। मधुः। पिवं
तो। उषसः। सत्वाय इति। युवं। अस्त्यस्य। अवा। नरुथुः। यत। विपत्त्यनः।
नर्यस्य। प्रयः। अश्वः। स्वसा। यत। वां। विद्युत्। इति विद्युत्। गूत्ति। नराति। वा
या। द्रीदृ। मधुः। पो। इषा। न। युवं। पयः। उस्त्रियायां। अधत्तं। पक्कं। आमायां।
अवा। प्रव्यं। गोः। अंतः। यत। वनिनः। वां। रुतसू। इत्यृतं। सू। कारः। न। अविः।
यजत। इविष्मान्। वयुवं। इ। घर्मं। मधुमंतं। अत्राय। अपः। न। द्वादः। अ

वृणीतं। एषा तत्। वां। नरो। अश्विना। पश्वः। रश्मिः। रथ्या। इव। वक्रा। प्रति। यं
 ति। मध्वः। आ। वां। दानाय। वृत्तीय। दस्त्रा। णाः। उहर्नै। नोग्यः। न। जिब्रिः।
 अ॒पः। आ॒हा॒णी॒ इति॑। सु॒वा॒त॒। मा॒हि॒ना॒। वां। नू॒र्म्सः। वां। अ॒स्तुः। अ॒ह॒सः। य॒ज
 त्रा॥ २३॥ नि॒। य॒त्। यु॒वा॒थ॒ इति॑। नि॒० यु॒तः। सु॒दा॒न॒ इति॑। सु॒दा॒न॒। उ॒प॒। स्व॒ध्व
 निः। मृ॒ड॒ध्वः। पुरं० धि॒। प्र॒ष॒त्। वि॒ष॒त्। वा॒तः। न॒। मू॒रिः। आ॒। म॒हा॒। दा॒। सु
 ० द्र॒तः। न॒। वा॒जं॒। व॒यं॒। चि॒त्। हि॒। वां। उ॒रि॒तारः॑। स॒त्याः। वि॒प॒न्या॒ म॒हा॒। वि॒। प॒लिः।
 हि॒त० वा॒न्। अ॒ध॒। चि॒त्। हि॒। स्मृ॒। अ॒श्वि॒नो॒। अ॒र्नि॒वा॒। पा॒थः॑। हि॒। स्मृ॒। वृ॒षा॒णि॒। ६४
 अ॒न्ति०। द॒वं॒। यु॒वां॒। चि॒त्। हि॒। स्मृ॒। अ॒श्वि॒नो॒। अ॒नु॒। घृ॒न्। वि॒० स॒द्र॒स्प॒। प्र॒० स्म

CC-0. Mrugendra Vinod Collection. Digitized by eGangotri

सः शुचयः। पयः२पाः। वात० रंसः। दिव्यासः। अत्याः। मनः२जुवः। वृषणः।
 वीत० पृष्ठाः। आ॥ इह। स्य० राजः। अश्विना। वदंनु। १०२। अवनिः। न। प्रवत्स।
 नृ। सृप्र० वेधुरः। सुविताय। गम्पाः। वृष्मः। स्थातासा। मनसाः। जवीयान्। अ
 हं० पूर्वः। यजतः। धिष्ण्यायः॥ ३। इह० इह। जाता। सं। अथावशातां। अमृप
 सा। तन्वा। नाम० निः। स्वेः। जिह्नुः। वां। अन्यः। सु० मखस्य। सूरिः। दिव्य० अ
 न्यः। सु० भगः। पुत्रः। ऊह। ४। प्रावां। नि० वुरुः। कजुहः। वशान्। अनु। पिशं
 गुरुमः। सदनानि। गम्पाः। हरीइति। अन्यस्य। पीपयतावात्रिः। मथ्रा। रजोसि। ६५
 अश्विना। वि। घ्राष्टिः॥ स० ५। २५। प्रावां। शरत्० वान्। वृषनः। न। निष्पाट्। सुवी॥

रषः। नरति। मधः। इक्षु। एवेः। अन्यस्य। पीपयत्। वाकेः। वेधंतीः। ऊर्ध्वः। नद्यः।
 नः। आ। अगुः। आ। असक्ति। वां। सुविता। विधुसा। गीः। बालरु। अश्विना। ने
 धा। हरंती। उप० स्तुति। अवतं। नाधमानं। यामन। अयामन। शृणुतं। हवीं
 म। उत। स्या। वां। रुशतः। वशमः। गीः। त्रि० बरुषि। सदसि। पिन्वत। दन। व
 यो। वां। मधः। दृषणा। पीपायागा। न। सकि। मनुषः। दशस्यन। युवां। प्रधा। द
 वा। अश्विना। पुरं० धिः। अग्निं। उषां। न। जरत। हविष्मान्। कृवायत्। वां। वरिवस्य
 गृणानः। वा। रद। अमृत। इदं। वयुर्न। उदति। सु। नृषंत। रथः। दृषण० वान्। मदता। म
 न। पिणः। धियं० डिन्वा। धिस्म। विश्वलावसुदति। दिवः। नपाता। सु० तता। अवि०

वता। इंद्र० तमा। हि। धि० तमा। मरुत० तमा। द० तमा। द० सि० तमा। र० तमा। प० तमा।
 र० तमा। व० तमा। म० तमा। आ० तमा। तना। दा० तमा। उ० तमा। य० तमा। अ० तमा। किं। अ० तमा।
 द० तमा। अ० तमा। किं। अ० तमा। अ० तमा। अ० तमा। अ० तमा। अ० तमा। अ० तमा। अ० तमा।
 मि० तमा। अ० तमा। अ० तमा। अ० तमा। अ० तमा। अ० तमा। अ० तमा। अ० तमा। अ० तमा।
 र० तमा। अ० तमा। अ० तमा। अ० तमा। अ० तमा। अ० तमा। अ० तमा। अ० तमा। अ० तमा।
 उ० तमा। अ० तमा। अ० तमा। अ० तमा। अ० तमा। अ० तमा। अ० तमा। अ० तमा। अ० तमा।
 प० तमा। अ० तमा। अ० तमा। अ० तमा। अ० तमा। अ० तमा। अ० तमा। अ० तमा। अ० तमा।
 द० तमा। अ० तमा। अ० तमा। अ० तमा। अ० तमा। अ० तमा। अ० तमा। अ० तमा। अ० तमा।

६६

४॥ तं युं जायां युं जायां तं तं युं जायां युं जायां मनसो मनसो युं जायां युं जायां मनसः॥
 वतस्यः॥ नावः॥ जलस्य॥ जुष्टः॥ उत्॥ अश्वि० म्यां॥ दक्षिताः॥ पारयंति॥ कः॥ स्मिन्त॥
 दक्षः॥ निः॥ रश्मिः॥ मध्ये॥ अस्मिन्॥ योतो॥ यः॥ नाधितः॥ परि० अस्मिन्॥ स्वजत॥ पस्मिन्॥
 मृगस्य॥ पतरोः॥ ईव॥ आ० रत्न॥ उत्॥ अश्विनो॥ जुष्टु॥ ह्यु॥ आ० मताया॥ कं॥ तत्॥ वां॥
 न० ना० सत्यो॥ अनु॥ स्यात्॥ यत्॥ वां॥ मानसः॥ उवथं॥ आवाचन्॥ अस्मात्॥ अ० वा॥
 मदसः॥ साम्यो॥ आत्॥ रत्न॥ तं॥ युं जायां॥ मनसः॥ यः॥ ऊवीयान्॥ त्रि० वंधुरः॥ वृष॥
 या॥ त्रि० वृ० क्रः॥ यना॥ उप० व्या॥ यः॥ सु० लतः॥ दु० रा० ए० त्रि० धा० उ० ना॥ पतयः॥ वि०
 पारमे॥ सु० वृ० रा० यः॥ वृत्ति॥ यत्॥ अ० नि० दं॥ यत्॥ तिष्ठ॥ यः॥ क्र० उ० मंता॥ अनु॥ वृ०
 व० युः॥ व० यु० व्या॥ स० व० तां॥ इ० यं॥ जीः॥ दिवः॥ इ० हि० वा॥ उ० य० सा॥ स० व० रा० य० इति॥ आ० तिष्ठ० तं॥
 सु० वृ० तां० यः॥ र० यः॥ वां॥ अनु॥ वृ० ता० नि० वृत्ति॥ ह० वि० ज्ञा० न॥ य० ना० न० रा० ना० स० त्या॥ इ० य०

ध्ये।वर्तिः।पापः।तनयाय।तमना।च।मा।वां।दृक्ः।मा।वृद्धीः।आ।दधधृत्।मा।प
 रि।वर्त्त।उत्त।मा।अति।धत्तं।अयं।वां।भग।नि० हितः।इयं।भीः।दस्त्रो।दुष्प।वां।
 नि० धयः॥ पधूनां।युवा।मोतमां।पुरु०मी०रुः।अत्रिः।दस्त्रा।हवात।अवोस।हवि
 यमान।दिशो।न।दिष्टो।रुज्जुपाध्व।यंतो।आ।म।हवां।नासत्या।उपा।यातं।विप्र
 ति।वां।कोमः।अश्विनो।अध्वयि।आ।दह।यातं।पशिर्वनिः।दव०याने॥रु०॥
 दादशोध्यायः॥ ॥उता।वां।अध्व।तो।अपरं।क्रावम।उक्तं।यां।उषसि।
 वक्तिः।उरुक्तेः।नासत्या।ऊरु०चित्।संतो।अयः॥दिवः।नपांना।सुदाः।शतराज
 शुस्मइति।ऊंइति।सु।दधरा।माद्युयथां।उत्।पणीनू।हतं।ऊम्या।मदंता।
 श्रुतं।म।अच्छाक्ति०निः।मतीनां।एष्टा।नरा।नि०चतारा।च।कात्से।प्रिय।

६७

अतारिष्म० यि० ५

सुष० न० इ० सु० स० ता० इ० वा० द० वा० ना० स० त्या० व० रु० त्रं० । स्त० र्या० या० । व० च्यं० त० । वां० । क० रु० हा० । अ०
प० सु० ज्ञा० ता० । यु० गा० । जू० त्म० इ० व० । व० रु० ण० स्य० । भू० र० । अ० स्म० इ० ति० । सा० । वां० । मा० धी० प०
ति० । रा० ति० । अ० स्त० । स्ता० मं० । हि० ना० तं० । मा० न्य० स्य० । का० रा० । अ० नु० । य० त् । वां० । श्र० व० स० ।
सु० दा० नू० इ० ति० सु० दा० नू० । सु० वी० र्या० या० । व० र्ष० ण० यः । म० दं० ति० । ए० ष० । वां० । स्तो० मः । अ० श्रि०
नो० । अ० का० रि० । मा० न० त्रि० । म० ध० वा० ना० । सु० वृ० क्ति० । या० तं० । व० त्रि० । त० न० या० य० । त्म० न०
व० । अ० ग० स्य० । ना० स० त्या० । म० दं० ता० । ० । १ । क० त० रा० । पू० र्वा० । क० त० रा० । अ० प० रा० । आ० यो० । क०
या० । ज्ञा० ते० इ० ति० । क० व० यः । कः । वि० । वि० द० । वि० श्रु० । त्म० ना० । वि० भू० तः । य० त० । हा० ना० म० । वि० व०
ते० ति० इ० ति० । अ० ह० न० इ० ति० । व० क्रि० या० इ० व० । भू० रि० । द्वे० इ० ति० । अ० च० रं० ती० इ० ति० । च० रं० ती० ।

प॒त्न॒० व॒न्तं। ग॒र्भे। अ॒प॒द॒इति॒। द॒ध्या॒त॒इति॒। नि॒त्यं। न। स॒न्तु॒ पि॒त्रोः। उ॒प॒०। अ॒०। धा॒वा। र॒क्तं।
 तं। पृ॒थि॒वी॒इति॒। नः। अ॒न्वा॒त्। अ॒न॒हः। दा॒त्रं। अ॒दि॒तः। अ॒नु॒र्वी॒क॒व। स्यः॒ र॒व॒त्। अ॒०
 व॒धं। न॒म॒स्य॒त्। त॒त्। रो॒द॒सी॒इति॒। ज॒न॒य॒तं। ज॒रि॒त्रा॒०। अ॒त॒प्य॒मा॒न॒इति॒। अ॒व॒सा॒।
 अ॒व॒न्ती॒इति॒। अ॒नु॒। स्या॒मा॒। रा॒द॒सी॒इति॒। द॒व॒शु॒त्र॒इति॒। द॒व॒०। शु॒त्रा॒। उ॒ज॒इति॒।
 द॒वा॒नां। उ॒ज॒ये॒निः। अ॒क्रां॒०। स॒ंग॒छ॒मा॒न॒इति॒। स॒ंग॒छ॒मा॒न॒। यु॒व॒ती॒इति॒। स॒०
 त॒इति॒। स॒०। अ॒न्त॒। स्व॒सा॒रा। अ॒ग्नि॒०। इति॒। पि॒त्राः। उ॒प॒०। अ॒०। अ॒ग्नि॒जि॒घ्रन्ती॒इति॒।
 नि॒जि॒घ्रन्ती॒। नु॒व॒न॒स्य॒। ना॒ग्निं॒०। रा॒०। उ॒व॒इति॒। स॒ज॒नी॒इति॒। ब॒रु॒ती॒इति॒। स॒०
 त॒न॒। क॒व। द॒वा॒नां। अ॒प॒व॒सा॒। ज॒नी॒त्री॒०। इति॒। द॒ध्या॒त॒इति॒। य॒इति॒। अ॒मृ॒तं। सु॒

६८

प्रतीक इति सुप्रतीके ॥०॥ उर्वर इति । पृथ्वी इति । वज्र इति । दूत इति । अंते इति । इरे ० अं
 ता उर्वर क्रान्ति नमसा । या इति । अस्मिन् दधातु इति । अय इति । सु नग इति सु नमो ।
 उग्र इति । सुप्रत्त इति । दवान् । वा । यत् । यमं हर्म । कत् । वित् । आगः । सखा
 गोवा । सदा । इत् । जाः पति । वा । इयं धीः । नृपाः । अवग्रानं । एषां ॥०॥ उन्ना । श्रेयः
 नर्यामां । अविष्टां । उज्ज इति । मां । ऊती इति । अवसा । सचितां । नृशि । चित् । अयः
 सुदाः । रत राय । इषा । मदंतः । इष्य । यम । दवाः । रुतं । दिव । तत् । आवा । वं । इष्ट
 यो । अत्रि ० आवाय । प्रथमं । सु ० मधु । पातां । अवधात । इः । रदतात् । अनी
 क । पिता । माता । वा । रदतां । अवः । रनिः । इदं । धावा । पृथिवी इति । सत्यं । अरु

पितः। मातः। यत्। इह। उप० ब्र०। वां। भूतं। दवानां। अवापदति। अवः२। निः॥
 ॥३॥ आ० नुः। इ० लो० निः। वि० द० श्च। सु० श० स्ति। वि० श्वान० रः। स० वि० ता। द० वः। ए० त्रु।
 अ० पि। य० थो। यु० वानः। म० स० थो० नुः। वि० श्वं। उ० ग० त्। अ० नि० स्त्वि० त्वा। म० नी० प्रा० आ० नः।
 वि० श्व। आ० स्क्राः। ग० मं० त्रु। द० वाः। मि० त्रः। अ० र्य० मा० व० रु० णः। स० डा० षाः। भु० थ
 न०। य० थो० नः। वि० श्व। वृ० ध० स० क० र० नु०। सु० स० हा० वि० थ० रं० न०। श० वः। प्र० ष्ठां० वः। अ
 ति० थिं। ग० ली० षु। अ० ग्निं। श० स्ति० निः। त्रु० व० लिः। स० डा० षाः। अ० स० त्। य० थो० नः।
 व० रु० णः। सु० की० तिः। इ० षः। च०। प० र्ष० त्। अ० रि० गू० र्तः। सूरिः। उ० प० वः। आ० ई० व० न०
 म० सा० जि० गी० षा। उ० ष० सा० न० क्ता। सु० दु० धा० इ० व०। ध० नुः। स० मा० न०। अ० ह० न०। वि० मि

६५

मोनः। अर्कः। विष्णुः। सूर्यः। पयसि। सस्मिन्। ऊर्ध्वः। उतानः। अहिः। बुधः। मयः।
कुरितिकः। शिशुः। न। पिप्पुषी। इव। वृत्तिः। सिंधुः। यन। नपोंतं। अपां। ऊनाम।
मनः। ऊवः। वृषणः। यो। वहति। उतानः। दी। त्व। ह। आ। गुं। अह। स्मत्।
दि। नि। अ। दि। त्व। स०। जा। षा। आ। वृत्त०। हा। इं। शः। वृष। नि। प्राः। उविः। रतै। मः।
न०। नुः। इ। हा। ग०। म०। म०। तयः। अश्व०। या। गाः। शिशुः। न। गावः। त०। ह०। रि। ह०। ति।
सा। इ। नि। रः। ऊनयः। न। प०। नीः। सुर०। निः। रतै। मां। न०। रां। न०। सं। त०। म०। रुतः। वृ०। ह०। स०। नाः।
स्मत्। रा। द०। सा। इति। स०। मन०। सः। स०। द०। उ। पृ०। ष०। त०। अश्व०। सः। अव०। नयः। न। प०। षाः।
शि। शा। द०। सः। मि०। त्र०। यु०। रः। न। द०। वाः। प्र। नु। यत०। ए०। षां। म०। हि। ना। वि। कि०। त्र। प्रा। पुं।

त। प्र० युजः। त। सु० वृत्ति। सु० दिने। न। शरुः। वि० सुं। आ० इरिणं। प्र० षायंता। स
 नाः। प्रा० इति। अ० स्थिनि। अव० सा। सु० लुधं। प्र० पूषणं। स्व० तवसः। हि० सति। अ०
 षः। वि० सुं। यातं। सु० नुदा। अ० सु० माय। व० वृतीय। द० वान्। इ० यं। सा० व०। अ०
 स० इति। दी० धितिः। य० ज० राः। अ० पि० प्रा० ली। च० म० दनी। व०। अ० याः। नि० याः। द० व० सु०
 यत० त। व० सु० युः। ॥ ०॥ पा० पि० त्रुं। नु०। स्ता० षं। म० हः। ध० म्म० णं। त० वि० षी०। य० स०। त्रि० तः। वि०
 उ० ज० सा। व० त्रं। वि० प० ली०। अ० द० यत्। स्वा० दा० इति। पि० ता० इति। म० धा० इति। पि० ता० इति।
 व० यं। त्या०। व० वृ० म०। अ० स्मा० कं। अ० वि० ता०। न० व०। उ० प० नः। पि० ता० इति। आ०। च० रा० शिवः।
 शि० वा० मिः। कृ० ति० निः। म० यः। अ० युः। अ० ति० द्वि० षे० ए० यः। स० ख्य०। सु० श० वः। अ० ह० यः। ॥ ७०॥
 त० वी०। त्या०। पि० ता० इति। र० साः। ए० जं। सि०। अ० नु०। वि० स्मि० ताः। दि० वि०। वा० ता०। इ० व०। श्रि० ताः।

॥०॥ ददतः । तव । स्वादिष्ट । त । पिता इति । प्र । स्वा । आनः । रसानां । अविश्रीवाः । इव ।
 दृशतः ॥६॥ त्व इति । पिता इति । मरुनां । एवानां । मनः । हितं । अकारि । चारु । कु
 नां । अहिं । अवसा । अवधीत । यत् । अदः । पिता इति । अऊगनू । विवस्व
 पर्वतनां । अत्रै । चित्तानः । मध्या इति । पिते इति । अरं । नक्षाय । गम्याः । यत् । अ
 पां । अधीनां । परिशं । आ । रिशामह । वाताप । पीवः । इत् । नव । यत् । ता । यत्
 मा । गा० । आशिरः । यव० । आशिरः । नक्षामह ॥०॥ कुरंनः । उषधि । नवा । पीवः । वृ
 कः । उदरस्थिः ॥०॥ तं । त्वा । वयं । पिता इति । वक्ः । रनिः । गावः । नाह्व्या । सुसूदिम
 ए । वयः । त्वा । सध० । मादो । अस्म न्य । त्वा । सध० । मादो ॥७॥ सं० । इधः । अघ । राज

तिं। आ। यज्। उप। त्मना। वनस्पत। पाथः। दवचः। सृज्। अग्निः। हृष्यानि। सि
चंदतु। पुरः। रगाः। अग्निः। दवानां। गात्रे। सं। अज्यत। स्वाहा० हंता। अ। रा। व
त। ह॥ अग्ने। नय। सु० पथा। रा। य। अ० स्मान्। विश्वानि। दव। वयुनानि। वि० द
न। यु० पा० धि। अ० स्मत्। ऊ० कुरा० ए० नः। नू० यि० छा० त। न० मः। उ० किं। वि० ध० म० अ० ने
त्वं। पा० र० य० न० वः। अ० स्मान्। स्व० स्ति० त्रिः। अ० ति। इ० र० गानि। विश्वा। सः। वा० पृ० थ्वी
व० क० ला० नः। उ० व० न० वी० ता० का० य० त० न० या० य० शं० याः। अ० ग्ने। त्वं। अ० स्मत्। यु० पा०
धि। अ० मी० वाः। अ० ने० ग्नि० त्रा॥ अ० त्रि। अ० म० त० रु० क्षीः। पु० नः। अ० स्म० न्यं। सु० वि० ता० य
द० व० हां। वि० श्व० त्रिः। अ० मृ० त० त्रिः। य० ज्। त्रा० पा० हि० नः। अ० ग्ने। पा० यु० न० त्रिः। अ० ज्

बुधनः मंड० जिह्वा बुधस्य ति बुधो नवो अक्षैः गाथान्यः सु० रुचः ॥ ३ ॥ लिख्य

स्त्रिः उत प्रिण्य सद न आ शु शुक्रानु मात नयो ज रिता रं य विष्णु नूनं
विदत्त मा अपरं सहस्रः मानः आयु अव सुजः ॥ अधाय अविष्णव रि
पव दुधुनाये मा दत्वा त दश ते मा अदत्त नः मा रिषा त सहस्र व न्ना प
रा दाः ॥ १० ॥ विधद्यु त्या वी नू कृत जात यं सत् गुणानः आयु ता न्वा न रं
विष्णु त् रि रि होः उत वा नि नि साः ॥ अक्षि कृतां अ सि हि द व विष्णु द त्वा
तान् आयु उन्नयान् वि विद्वान् व वि प्र पि त्या मनुष्यः यज च अक्षि वि
प्र न व शास्यः नूः म मृ जे न्यः उ शि कृ न्तिः न अ क्रः आ वा वा म नि व व न त्ति
अ स्मि नू मान स्या स्तु नुः सहसा ना अग्ने वयं सहस्रं रुषि न्तिः सने मा ॥ ११ ॥
॥ ११ ॥ अन वा णं य स्या द वाः ॥ आ ० ष्ट ए व ति न व मान स्य मर्त्ताः तं रु त्रि य

७२

उपोवाचः। सवात। सर्गाः। नायः। पदव्यतां। असर्जि। बृहस्पतिः। सः। हि। अंजः।
 वरांसि। वि००। अभवत्। सं। कृत। मातरिश्वा। उप० स्मृतिं। नमसः। उत्प० रतिं। च।
 श्वाकं। यंसत्। सविता। इव। प्र। बाहू इति। अस्य। कृत्वा। अहम्यः। यः। अस्ति।
 मृगाः। ना। ग्रीमः। अरुहसः। उविष्मान्। अस्य। श्लोकः। दिवि। इयत्। पृथिव्यां। अ
 त्यः। न। यंसत्। यदे० नृत्। वि० चताः। मृगाणां। ना। रुतयः। यंति। च। इमाः। बृ
 हस्पतिः। अहि० मायान्। अग्नि० हनू। यात्वा। पदवा। उस्त्रिकं। मन्यमानाः। पापाः।
 भद्रं। उप० जीवति। पद्माः। ना। दुःराध्यै। अनु० ददासि। वामं। बृहस्पति। वयसे।
 इत्। पियासं। ॥२॥ सु० प्रेतेः। सु० व्यवसः। नापंथाः। दुःयनि० पंडुः। परि० पीतः।

ना मित्रः अनर्वाणः अनि। य। च दत्ता नः अपि वृताः अमं नृ सुतं तः अ
 सुः। सं। यं। स्तु नः। अव नयः। न। यंति। सु मुद्रं। न। स्व वतः। य। धं। व क्तः। सः। वि
 दान्। उ नयं। वृष्ट। अंतः। वृ ह स्पतिः। तरः। प्रा फः। य। गृक्षः। एवौ। पुरुः। उ वि० अ
 तः। उ विष्मान्। वृ ह स्पतिः। वृ ष नः। धस्यि। पवः। सः। नः। स्तुतः। वीर० वत्। धा न
 गा० मत्। ॥ ७॥ ३॥ कंकतः। न। कंकतः। आथा दति। सती न० कंकतः। धो। दति। धः
 धा दति। दति। नि। अदृष्टः। अलि सुत। अदृष्टन्। अहंति। आंयती। आथा द
 ति। हंति। परा० यती। आथा दति। अव० धृती। हंति। आथा दति। पि नृष्टि। विंष
 ती। शरा सः। कुशरा सः। द न सः। सैर्याः। उत। मि० जाः। अदृष्टः। बेरिणः। स

७३॥

सर्वे साकं निः अलिप्तानि गावः । गान्धर्वः । असद्वन् । मिमृषासः । अवि
 कृतानि । कृतवः । जनानां निः । अदृष्टाः । अलिप्तानि । एते । अदृष्टाः । अलिप्तानि ।
 निः । अदृष्टाः । अलिप्तानि । तस्मात् । इव । अदृष्टाः । विश्वं दृष्टाः । प्रतिबुद्धाः ।
 भूतवः । अदृष्टाः । अलिप्तानि । अदृष्टाः । अलिप्तानि । अदृष्टाः । अलिप्तानि ।
 अदृष्टाः । विश्वं दृष्टाः । तिष्ठता इत्येतौ सुकं । अदृष्टाः । अलिप्तानि । अदृष्टाः ।
 अदृष्टाः । अलिप्तानि । अदृष्टाः । अलिप्तानि । अदृष्टाः । अलिप्तानि ।
 अदृष्टाः । अलिप्तानि । अदृष्टाः । अलिप्तानि । अदृष्टाः । अलिप्तानि ।
 अदृष्टाः । अलिप्तानि । अदृष्टाः । अलिप्तानि । अदृष्टाः । अलिप्तानि ।
 अदृष्टाः । अलिप्तानि । अदृष्टाः । अलिप्तानि । अदृष्टाः । अलिप्तानि ।

त्यः। पवीतन्यः। विश्वं दृष्टः। अदृष्टं हा। सूर्या विषं। आसुजामि। इति। सुगं०
 वतः। गृहसः। चित्। नुन। मराति। नाइति। वयं। मरुमा। आरा। अस्य। याजने।
 हरि० स्मृ०। मधु। त्वा। मधुना। चकार। ॥ ५॥ इयति०। शकुंतिका। सुका। जघास।
 त। विषं। माइति। ० त्रिः। सप्त। विष्णुसिंगकाः। विषस्य। पुष्पं। अदृष्टं। तां। मरु
 ति। ०॥ नवानां। नवतीनां। विषस्य। पादुषीणां। सर्वासां। अग्रं। नाम। ० त्रिः।
 सप्त। मयूर्यः। सप्त। स्वसोः। अक्रवः। ताः। त। विषं। विजृम्भित। उदकं। कुंजिन
 ॥ इव। द्रयत्तकः। ऊष्मं प्रकः। तकं। निनद्वि। अश्मना। ततः। विषं। प्रावृणत। परा ७४
 यीः। अनु। सं० घृतः। ऊष्मं प्रकः। ततः। अत्रवीत्। गिरेः। प्र० वर्तमानकः। हस्त्रिम

स्यात्प्रसं॥विषं॥अरसं॥वृश्चिकु॥तु॥विषं॥०॥खिला॥अर्धः॥इतिप्रथमंमंड
 लं॥॥तु॥तु॥आगु॥ध०॥निः॥त्वं॥आशुशुद्धणिः॥त्वं॥अत०॥अः॥त्वं॥अशम
 नः॥परित्वं॥वानन्यः॥त्वं॥उषधी॥अः॥त्वं॥नृणां॥नृ०॥पात॥आयाम॥शुचिः॥तवा॥अ
 य॥ह्रात्रं॥तवा॥पात्रं॥रुत्वियं॥तवा॥नृ०॥त्वं॥अगित्॥रुसं०॥यतः॥तवा॥प्र०॥शा
 स्त्रं॥त्वं॥अध॥रि०॥यसि॥ब्रह्मा॥वृ॥असि॥गृह०॥पतिः॥वानुः॥दामा॥त्वं॥अगु॥
 इंद्रः॥वृष॥नः॥सतां॥असि॥त्वं॥विष्णुः॥उरु०॥गायः॥न्यस्यः॥त्वं॥ब्रह्मा॥रयि०॥वि
 त्॥ब्रह्मणः॥पात॥त्वं॥विध॥तृ॥रिति॥वि०॥धर्तः॥सवा॥सु॥उरं०॥ध्या॥त्वं॥आगु॥राजा॥
 वरुणः॥धृत०॥व्रतः॥त्वं॥मित्रः॥भव॥सि॥दस्मः॥इंद्रः॥त्वं॥अय॥मा॥सत०॥पतिः॥

यस्य।सं०३३।त्वं।अंशः।विदध्या।दवा।न।उयुः।त्वं।आयु।त्वष्टा।विधात।
 सु०वीर्यं।तवा।यावः।मित्र०मरुः।स०जात्यं।त्वं।आशु०हिमा।र।रिष।सु०
 अश्वं।त्वं।नरो।शर्द्धः।असि।पु०रु०वसुः।७॥त्वं।आयु।रुद्रः।असुरः।मरुः।
 दिवः।त्वं।शर्द्धः।मारुतं।पृ०हः।ईशिष।त्वं।वातेः।अरुणेः।यासि।शं०ग
 यः।त्वं।पूषा।विधतः।पासि।नुत्यना।त्वं।आयु।द्रविणः।रदाः।अरु०अतः।
 त्वं।दवः।सविताः।रत्र०धमः।असि।त्वं।नगः।न०पत।वस्वः।ईशिष।त्वं।
 प्रायुः।दम।यः।ता।अविधत।त्वं।आयु।दम।आविश्यति।विशः।त्वं।रा
 जानं।सु०विदत्रं।संजत।त्वं।विश्वानि।सु०अनीक।प्रत्यसा।त्वं।सहस्र।

७५॥

विस्तृतं॥

णि। शता। दश। प्रति। त्वां। अ॒ग्न। पित॒रो॒ इ॒ष्टि॒न्निः। नरः। त्वां। आ॒त्राय॑। श॒म्भो॒। त॒
न॒रु॒चो॒ त्वं। पु॒त्रः। न॒व॒सि॒यः। त्वां। अ॒वि॒धत्। त्वं। स॒खा। सु॒श॒र्वः। पा॒सि॒ः। अ॒
० ध॒षः। त्वं। अ॒ग्न। रु॒नुः। आ॒क। न॒म॒स्य॑। त्वं। वा॒ज॒स्य॑। रु॒म॒तः। यु॒यः। शी॒शो
० त्वं। वि॒। न॒सि॒। अ॒नु॒। धे॒हि॒। दा॒व॒ना॒ त्वं। वि॒० शि॒रुः। अ॒सि॒। य॒ज्ञे॒। आ॒० द
निः॥ १८॥ त्वं। अ॒ग्न। अ॒दि॒तिः। द॒वा॒ द॒ष्ट॒वि॒ त्वं। हा॒त्रो॒। न॒र॒ती॒। व॒र्द्ध॒स॒। गि॒रा॒
त्वं। इ॒त्ता॒। श॒त॒० द॒स्मा॒। अ॒सि॒। द॒क्ष॒स॒। त्वं। वृ॒त्र॒० हा॒। व॒सु॒० प॒ता॒। स॒र॒स्व॒ती॒ त्वं। अ॒
ग्न। सु॒० भृ॒तः। उ॒त्त॒० त॒मं। व॒यः। त॒व॒० प॒स्या॒। दी॒वा॒र्मा॒ आ॒। सं॒० ह॒शि॒। अ॒ग्रि॒यः। त्वं।
वा॒जः। प्र॒० त॒र॒णः। बृ॒ह॒न्। अ॒सि॒। त्वं। रु॒यिः। व॒ज्र॒जः। वि॒द्य॒तः। वृ॒धुः। त्वं। अ॒

संशयं

ए॒ष।-आ॒दि॒त्या॒सः।-आ॒स्यं।-त्वां॒जि॒ह्वां।-अ॒व॒यः।-व॒क्रि॒ण॒।-कु॒वि॒त्वां।-स॒ति॒०
सो॒च॒।-अ॒ध॒प॒ष्टु।-सु॒श्चि॒रा॒।-त्व॒द॒ति॒।-द॒वाः।-रु॒विः।-अ॒द॒न्ति॒।-आ॒क॒तं।-त्व
द॒ति॒।-आ॒ग्रा॒वि॒श्व॒।-अ॒म॒ता॒सः।-अ॒क॒रु॒हः।-आ॒सा॒।-द॒वाः।-रु॒विः।-अ॒द॒न्ति॒।-आ
०क॒तं।-त्व॒या॒।-म॒न्त्र॒सिः।-स्व॒द॒न्त॒।-आ॒०सु॒ति॒।-त्वं।-ग॒र्भेः।-वी॒रु॒ध॒र्त॒।-ज॒हि॒ष॒।-अ॒विः।
त्वं।-ता॒न॒।-सं॒वा॒प्र॒ति॒वा॒।-अ॒सि॒।-म॒ज्म॒ना॒।-आ॒ग्रा॒।-सु॒०जा॒त॒।-प्रा॒वा॒।-द॒वा॒।-हि॒म
।-सु॒।-पृ॒क्षाः॒।-य॒त्।-अ॒त्र॒।-म॒हि॒ना॒।-वि॒ते॒।-नु॒व॒त्।-अ॒नु॒।-घा॒वा॒पृ॒थि॒वी॒इ॒ति॒।-रा
द॒सी॒इ॒ति॒।-उ॒च॒इ॒ति॒।-य॒।-स्ता॒००भ्यः॒।-गा॒०अ॒ग्रां॒।-अ॒श्व॒०पे॒श॒सं॒।-आ॒ग्रा॒।-रा ७६।
तिं॒।-उ॒प॒०सृ॒जं॒ति॒।-सू॒र॒यः॒।-अ॒स्मा॒न॒।-वा॒ता॒न॒।-प्रा॒हि॒।-न॒षि॒।-व॒स्पः॒।-आ॒।-बृ॒ह॒त्।
।-वा॒।

वादमो विदाथो सुवीराः ॥१५॥ याज्ञनो वर्द्धत जातवदसा अग्निं यजुधं
 सुविषा तना गिरा संदधानं सुप्रधसं मूः २ नैरं कृहो हातारं वृजानेषु
 धुः २ सवो अग्निं त्वा नक्तीः उषसः त्ववाशिार आग्रो वसो न स्वसारथ्य
 धनवः दिवः ३ इव इत अरतिः मानुषा युगा आहपः नासि पुरुवी
 रा सं यतः तां दवाः बुध्ना रजसः सुदेसासं दिवः पृथिव्याः अरतिं नि
 एरित रथं इवा वधं शुक्रं शाविषं अग्निं मित्रं नाहितिष्ठ प्रशंस्ये
 तं जुहमाणां रजसि स्वा आदाम सगिनाय चंद्रं इव सुकृवा क्षार
 णा दधुः पृथ्याः पतरो वितयंतं अद्वं नि पायः न पायुं जनसी इति

उजइति अनुसः। फलता। तिथिं। परि। नूतु। अधुरोतं। ऊंदति। हव्ये। मनुष्यः।
 रंजत। गिरा। हिरि। शिप्रः। वृधसानासु। ऊर्तुरत्। घ्नोः। न। स्तृ० निः। चित्तप
 त। रादसीइति। अनु॥ २०॥ सः। नः। रवत्। सं० इधनः। स्वस्त्या। सं० ददसा
 न। रयिं। अस्मासु। दादिहि। आनः। कृणुष। सुविताय। रादसीइति। अग्नः।
 द्या। मनुष्यः। दवा। वीतया। दाः। नः। आप्ता। बृहत्तः। दाः। सहस्त्रिणः। दुरः। नावा
 तं। अत्ये। अपै। वृधि। प्राचीइति। घावा। वृथिवीइति। ब्रह्मणा। रुधि। स्वः। नै। अक्रं
 उषसः। वि। दिधुतुः। सः। इधनः। उषसः। राभ्याः। अनु। स्वः। नै। दादत्। अ
 अरु। षण। नानुनी। हात्रोनिः। अग्निः। मनुष्यः। स्तृ० अधुरः। राजा। विशां।

सं० २१

११

अतिथिः। चारुः। शायव। एवैनः। अग्रे। अमृतशु। प्रव्य। धीः। पीपाया। वृहत्
 ० दिवशु। मानुषा। उरुना। धेनुः। वृजानशु। कारवा। मना। शतिनं। प्ररु० सुवै।
 इषिणि। वयं। अग्न। अर्वता। वा। सु० वीर्यं। ब्रह्मणा। वा। वितायमै। जनान्। अ
 ति। अस्माकं। कृमं। अधि। पंच। रुद्रिष्ठु। उत्रा। स्वः। नै। शुशुचीत। उरु० नः
 नः। अग्नि। सहस्य। प्र० शंस्त्राः। यस्मिन्। सु० ज्ञाताः। इषयंत। सूरयः। यं। अ
 यज्ञं। उप० यंति। वाजिनः। नित्या। ताक। दीदि० वांसां। स्वा। दम्प। उत्रयासः। जात
 वृदः। स्याम। ता। स्तातारः। अग्न। सूरयः। वा। शर्मणि। वस्वः। रायः। प्ररु० वं
 स्य। भूपसः। प्रजा० वतः। सु० प्रूपत्यस्य। शन्धि। नः। ॥ २१ सं० ईद्वः। अग्निः। नि०

हितः। पृथिव्यां। प्रत्यङ्। विश्वानि। नुवन्तानि। अस्मात्। हाता। पावकः। प्र० दिवः।
 सु० मधाः। दवः। दवान्। यज्ञत्रु। अग्निः। अर्हन्। तय। शंसः। प्रति। धामानि। अ०
 जन्। तिस्र० दिवः। प्रति। मन्त्रा। सु० अर्विः। घृत० प्रसा। मनसा। हव्यं। उ० दन्। सु०
 दन्। यज्ञस्य। सं। अनु० कु। दवान्। इति० तः। अ० अ० मनसा। नः। अर्हन्। दवः।
 न० यज्ञि। मानुषात्। पूर्वः। अ० घा। सः। आ० वहु। मरुतां। शर्द्धः। अ० यु० तं। इ० द० न
 दः। ब० हि० स० द० यज्ञश्च०। दवः। ब० हिः। ब० द० मानं। सु० वी० रं। स्त्री० रं। रा० या। सु० न
 रं। व० द० द० ति। अ० स्यं। च० तनं। अ० तं। व० स० वः। सी० द० त०। इ० द० वि० म्य०। द० वाः। अ० दि
 त्याः। य० द० र्ज्यासः। वि० अ० य० तां। उ० र्वि० या। ह० य० मा० नाः। द० रः। द० वीः। सु० प्र० अ० य

नोः नमः॥ निः॥ वरस्वतीः॥ विप्रयुताः॥ अजुर्पाः॥ वसं॥ पुनानाः॥ यशसं॥ सु० वीरं॥
 २२॥ साधु॥ अपांसि॥ सुनता॥ नः॥ उद्धित इति॥ उपैसान्ता॥ वय्या॥ इवार॥ विवित
 ति॥ तनुं॥ ततं॥ संवयंती इति॥ सं० वयंती॥ समीची इति॥ सं० स्त्री॥ यज्ञस्य॥ पेशी॥ सु
 ध इति॥ सु० दुग्धा॥ पयस्वती इति॥ देव्या॥ ह्यतोरा॥ प्रथमा॥ वि० २॥ तैरा॥ रुजु॥ यस्त
 मां॥ सवा॥ वपुः॥ तैरा॥ दवान्॥ यज्ञतो॥ रुजु० था॥ सं॥ अंजत॥ नात्रा॥ पृथिव्या॥ अ
 धि॥ मानुष्य॥ त्रि० मरस्वती॥ साधयंती॥ धियो॥ नः॥ इत्या॥ देवी॥ नारती॥ वि० रत्नैः॥
 तिस्रः॥ देवीः॥ स्वधया॥ बर्हिः॥ आ॥ इदं॥ अर्चि० इ० पां० त्रु॥ शरणं॥ नि० सैद्य॥ पिशं॥
 ० रूपः॥ सु० भर॥ वयः॥ धाः॥ श्रुष्टा॥ वीरः॥ ऊयात॥ देव० कामः॥ प्र० ज्ञा॥ त्वष्टा॥ वि
 स्प० त्रु॥ सात्रि॥ आ॥ स्म इति॥ अथो॥ दवानां॥ अपि॥ एतु॥ पाथः॥ वनस्पतिः॥ अव० स० रु

न। उप। स्त्रात। अग्निः। रुविः। सुदयाति। प्राधीनिः। त्रिधा। सं० अक्तं। नयतु। प्र० जायनन।
 द। वम्भे। देव्यः। शमिता। उप। रुव्यं। घृतं। मिमिक्षु। घृतं। अस्य। यानिः। घात। श्रितते वृत्त।
 ऊँ इति। अस्य। धाम्नी। अनु० स्वधं। आ। वरु। मादयस्व। स्वाहा० नतं। वृषज। वह्नि। रुव्यं।
 ॥ २३ ॥ ऊ। वा। वः। सु० घात्मानं। सु० वृत्तिं। विशां। अग्निं। अतिथिं। सु० प्रयसो। मित्रः॥ २४ ॥
 वायः। दिधिषायः। नूत। एवः। आ० द। व। ज। ना। ज। त० वदाः। इमं। विधंतः। अपां। सु०
 ध० सु० दित। अ० दधुः। नृगवः। विदुः। आप्याः। एषः। विश्वानि। अग्नि। अस्तु। नृमै। दे०
 वानां। अग्निः। अरतिः। जी० र० अश्वः। अग्निं पदवासः। मानुषीशु। विदुः। प्रियं। धुः। दे०
 धंतः। न। मित्रं। सः। दीदयत। उशतीः। ऊर्म्याः। आ० द० दायः। यः। दास्वता। दास। आ०
 अ० स्य। ए० वा। स्वस्य॥ इ० व। पु० ह्निः। सं० ह्निः। अ० स्य। हि० धानस्य। धे० द्वाः। वि० यः। न० रि० न

७६

त्रउषधीषु। जिह्वाः। अत्यः। नारय्यः। पृथ्वीति। वारान्। आयत्। म। अन्व। वनदः। प
 न्त। उशिकुंभः। न। अमिमीत। वलं। सः। विव्रण। विकित। रं० सु। आसा। उज्ज्वान्। नः।
 मुद्रः। आ। युवा। नृत्। र०। आ। यः। वन। तैरुषाणः। न। जाति। वाः। न। पथा। र०। यः।
 इव। स्वानीत। रु०। अक्ष। तमुः। र०। विव्रण। घोः। इव। स्मयमानः। ननः। र०। निः। सः।
 पः। वि। अमृतात्। अत्रि। धैर्दत्। उर्वं। प०। न। एति। स्व०। युः। आगापाः। अग्रिः। शः।
 चिन्मात्। अतमासि। उल्लन। ल०। व्यथिः। अस्वदयत्। न। भूम। नु। ता। सर्वस्या। अ०।
 सः। अधि०। इतो। नृतीय। विदथ। मन्म। शंसि। आस्मइति। वि०। अग्र। संयत०। वी०। सः।
 हंतं। सु०। मंतं। वाजं। सु०। अपत्यं। र०। दाः। त्वया। पथा। गृ०। म०। मदासः। अग्र। पुहा। व
 न्तं। उपरान्। अत्रि। स्युरिति। स्युः। सु०। वी०। सः। अत्रिमाति०। स०। स्मत्। सूरि०। अः।

सं. १०

गृणत। तत्। वयः। धाः॥ २५॥ हता। अजनिष्। चेतनः। पिता। पितृ०भ्यः। कृतम्। प्र
 ०य० हन०। जन्य०। वसु। शकुमा। वाजिनः॥ यम०। आ०। यस्मिन्। सुप्त०। रश्मयः। तताः। यज्ञ
 म्य॥ नतरि। मनुष्यत०। देव्य०। अष्ट०। पता। विन्ध्य०। तत्। द्यूति०। दध्युन्चे। वा। यत्। ई
 अनु०। यो०। वत्। ब्रह्मणि। वत्। कुंदति०। तत्। पति०। विश्वानि। काव्या०। नेमिः। वृक्ष०। इव०। अ
 न०। वत्। सा०। हि। अचिना। अचिः। प्र०। शास्ता। कृनुना। अजनि। विद्वान्। अस्य०। व्रता०।
 ध्रुवा। वयाः॥ इव०। अनु०। राहता। ताः। अस्या०। वरु०। आयुवः। नद्युः। स०। च०। त०। धनवः।
 अ०। वित०। ति०। सृ०भ्यः। आ०। वरु०। स्वसारः। याः। इदं। ययुः। यदि। पात्रुः। उप०। स्वसा। द्यु
 तं। भरती। अ०। चित०। तासां। अध्वर्युः। आ०। गतो। यवः। वृष्टी॥ इव०। पादात्। स्वः। स्वा
 य०। धाय०। स। कृणुतां। सु०। त्विक्। सु०। त्विज०। साम०। यज्ञ०। च०। आत्। अ०। री०। वने०। म०। र०। रि

मा वयो यथा विद्वान् अरं करतु विश्वेभ्यः यजतभ्यः अयं अय्य त्व इति
 अपि यं यज्ञं वृद्धमै वयं ॥ २५ ॥ इमां अय्य संधीं इमां उप० सदी वानरिणि
 वान् अया त् अय्य विधम ऊर्जः नपात् अय्यं इहे एना सु० उक्तेन वि
 उ० जात तं त्वा गीः रत्निः गिर्वलसं द्रविणस्युं द्रविणः दः सपयम सपय
 वः सताबाधि सूरिः मध० वा वसु० पत वसु० द्वा वन युयाधि अस्मत् पृषो
 सि सानः वृष्टिं दिवः परि सानः वाजं अनर्वाणं सानः सरुषि स्त्रिणीः
 इषः इति नाय अवस्य वाय विष्ठा दूतानः गिरा यजिष्ठा हतः आ गहि अं
 तः हि अय्य ईषास विद्वान् जन्म उन्नया कव दूतः ऊन्य उद्व मित्रः स
 विद्वान् आ वा पिप्रयः यद्दि विकित्वः आनुषक् आ वा अस्मिन् स सि व

हिषि॥२॥ अथ सं॥ य विष्णु॥ नारता॥ अग्ने॥ कु० मंतो॥ प्रा॥ नरा॥ वप्सा इति॥ पु० सु० सु०
 रयि॥ मा॥ न॥ अराति॥ ईशता॥ देवस्य॥ मर्त्यस्य॥ वा॥ प॥ र्षि॥ तस्याः॥ उ० त॥ द्विष॥ वि० शोः॥
 उ० त॥ त्वया॥ वयं॥ धराः॥ उ० द० न॥ इ० व॥ अ० ति॥ गा॥ ह० म॥ हि॥ द्विषः॥ शु० वि०॥ पा० व० क॥ वं० धः॥
 आ० ग्रा॥ ब० ह० त॥ वि॥ रा॥ व० सा॥ त्वं॥ वृ० त॥ निः॥ आ० कृतः॥ त्वं॥ नः॥ अ० मि॥ नारता॥ अ० ग्रा॥
 व० शानिः॥ उ० द० न॥ निः॥ अ० द्या० प० दी० निः॥ आ० कृतः॥ कु० अ० न्नः॥ स० पि॥ २॥ अ० सु० तिः॥ प्र० न्नः॥
 हा० ता॥ वा० र० ण्यः॥ स० ह० सः॥ पु० न्नः॥ अ० द्रु० तः॥ ॥ २॥ ता॥ वा० ज० य० न॥ इ० व॥ नु० र० थो० न॥ या० अ० न॥
 अ० ग्रा॥ उ० पा॥ स्त० हि॥ य० शः॥ र० त० म० सा॥ मी० कु० षः॥ यः॥ सु० नी० यः॥ द० दा० शु० षः॥ अ० ज० यु० यः॥ ज०
 र० य० न॥ अ० रि०॥ वा० स० प्र० ती० कः॥ आ० कृतः॥ यः॥ कुं० इ० ति॥ श्रि० या॥ द० म० पु॥ आ॥ दा० वा॥ उ० च
 सि॥ प्र० श० स्य० ति॥ य० स्य॥ वृ० तं॥ न॥ मी० य० त॥ अ० यः॥ स्वः॥ न॥ न॥ नु० न॥ वि० त्रः॥ वि० ना० ति॥

अविषाः अंजानः अजारेः अत्रिः अत्रिः अनुः स्वराज्यः अग्निं उक्ता नि वैवृ
 धुः विश्वाः अधिः प्रियः दधः अग्नेः इन्द्रस्य सामस्यः देवानां जतिः निः वयं
 अरिष्यंतः सत्तु महिः अत्रिः स्यामः पृतन्यतः ॥ २५ ॥ त्रयोदशो ध्यायः ॥
 ॥ निः हाताः ॥ हृत् ० सै दानः विद्वानः त्वषः दीदिवान् असदत् सुददः अ
 ० ब्रतः प्रमतिः वसिष्ठः सहस्रं ० नरः अविः जिह्वः अग्निः त्वं दूतः त्वं
 इति नः परः ० रपाः ॥ त्वं वश्यः ॥ आ वृषन् प्रानताः आग्नेः ताकस्य नः तानि
 तनूनां अप्र ० युच्छन् दीधत् वाध्यागापाः विधेम ॥ त परमजन्मन् आग्ने
 विधेम ॥ स्तामिः अवारः सं ० स्तः यस्मात् पानः ॥ उत् अरिष्यं यजोर्तः प्र
 त्व इति हृत् वीषि जुक्त्वा सं ० इह आग्ने यजस्व हविषा यजीयान् ॥ २६ ॥

संदी २

दस्यं। अ॒नि। गृ॒णी॒हि। स॒धः। त्वे॒हि। अ॒ग्नि॒। ए॒षि॒० प॒तिः। इ॒यी॒णां। त्वं। शु॒क्र॒स्य॒। व
 र॒सः। म॒ना॒ता। उ॒भयो॒। त॒न। ह॒ी॒या॒त। व॒स॒त्य॒। दि॒व॒० दि॒व॒। जा॒य॒मा॒न॒स्य॒। द॒स्य॒।
 इ॒धि॒। सु॒० म॒तं। ज॒रि॒ता॒रं। अ॒ग्नौ॒। ह॒धि॒। य॒ति॒। सु॒० अ॒प॒त्य॒स्य॒। ग॒यः। सः। ए॒ना॒। अ॒
 नी॒कि॒न॒। सु॒० वि॒द॒त्रः। अ॒स्म॒द॒ति॒। य॒ष्टा॒। द॒वा॒नू॒। आ॒न्य॒जि॒ष्ठः। स्व॒स्ति॒। अ॒द
 युः। ए॒णा॒पाः। उ॒त॒। नः। प॒रः॒२ पाः। अ॒ग्नौ॒। य॒० म॒त॒। उ॒त॒। ए॒व॒त॒। दि॒दा॒हि॒। १॥ इ॒
 ह॒त्रः। प्रै॒ अ॒ग्निः। प्र॒थ॒मः। पि॒ता॒३ इ॒वा॒ इ॒वः। प॒द॒म॒नु॒षा॒। य॒त॒। सं॒० इ॒ष्टुः। श्रि॒यं॒।
 व॒सा॒नः। अ॒मृ॒तः। वि॒० च॒ताः। म॒मृ॒ज॒न्यः। अ॒व॒स्यः। सः। वा॒जी॒। श्र॒याः। अ॒ग्निः॒।
 चि॒त्र॒० भो॒नुः। ह॒वं॒। म॒। वि॒द्या॒निः। गीः॒२ निः। अ॒मृ॒तः। वि॒० च॒ताः। श॒या॒व॒। ८२

रथो वरुतः। राहिता। वा। उत। अरुषा। अहः। वक्रे। वि० नृ० त्रः। उता। नायां। अ
 जनयन्। सु० सूतं। भुवता। अग्निः। पुरु० यथासु। अग्निः। शिरिणायां। चित्। अरु० ना।
 भरुः। त्रिः। अपरि० वृत्तः। वसति। प्र० चिताः। जिघर्षि। अग्निं। हविषा। शातना। प्र
 ति० द्रुयंतं। भुवनानि। विश्वा। दृष्टुं। तिरश्चा। वयासा। बृहंतं। व्यविष्टं। अग्निं। अ
 नुसं। दृशानं। आ। विश्वतः। प्रत्यंचं। जिघर्षि। अरु० सा। मनसा। तत्। अयता। म
 य० श्रीः। सु० द्रुयत्० वर्षः। अग्निः। न। अग्नि० मृश। तन्वा। ऊर्ध्वं। राणः। ज्ञेयाः।
 नागं। सहसानः। वारणा। त्वा० दूतासः। मनु० वत्। वादया। अनूना। अग्निं। जुह्वा। व
 द्रुया। मधु० पृचं। धन० साः। ऊह० वीमि। रा० अग्निं। हव०। इंद्र० मा। रिष्य०। स्या० माते।
 द्रुवते। वसूनां। इ० मा। हि। त्वा०। ऊर्ध्वं। वृद्धयंति। वसू० यवः। सिंधवः। न। करंतः। स

जः। महीः। इंद्रायाः। अविन्वः। पटिक्लिताः। अहिना। शूरा। सुवीरः। अमं। श्रीवि
त। दासो। मन्यमानं। अवी। अनिनतर। उच्छेः। वृद्धानः। उच्छु। इतर। नु। शू
रा। यशु। वाकन। स्तामशु। इंद्र। रुद्रियशु। व। उज्या। इतर। एताः। याशु। मंदसा
नः। प्र। वायव। सिस्रत। न। शुक्राः। शुक्रं। नु। त। शुक्रं। वर्धयंतः। शुक्रं। व
की। वाक्काः। रधानाः। शुक्रः। त्वे। इंद्र। वृद्धानः। अस्मदति। दासी। विश
सूयणि। सहाः। गुहा। हितं। गुह्यं। गुरुं। अशु। अविन्वतं। माविनी।
हियंतं। उताइति। अपः। घां। तस्तन्यांसो। अहं। अहिं। शूरा। वीर्यणि। इ
स्तवै। नु। ते। इंद्र। सुवी। मुहानि। उत। स्तवाया। नूतना। रुतानि। स्तवै। वज्रै। वा ८३
काः। उशंतं। स्तवै। रुरीइति। सूर्यस्या। केरुइति। रुरीइति। नु। त। इंद्र। वाजयं

ता। घृत० श्रुत० स्यारं। अस्वाष्टं। वि। समना। नू। मिः। अप्रप्रिष्ट। अरंस्त।
 पर्वतः। चित्। स्रिष्ट्यन्। नि। पर्वतः। सादि। अप्र० युक्तन्। सं। मा० नृ० निः। वा
 यशानः। अक्रान्। द्वा० पा०। वाणी। वृद्धयन्। इन्द्र० इष्टितां। धमनिं। प्रप्रय
 न्। नि। इन्द्रः। मृहं। सिंधुं। आ० शयानं। माया० विनो० वृत्रं। अस्फुरत्। निः। अ
 रं। उतां। रादसीदति। त्रिपातदति। कनि० दतः। वृक्षः। अस्य। वद्वात्। अ
 रं। रवीत्। वृक्षः। अस्य। वद्वात्। अमानुषं। यत्। मानुषः। नि० नृ० वीत्। नि। मा
 यिनः। दानवस्य। मायाः। अपादयत्। पपि० वान्। सुतस्य॥४॥ पिव० पिव
 दत्। इन्द्र० शूर० सामं। मंदं। त्वा० मंदिनः। सुतासः। पृणंतः। त। ऊ० ह्रीदति। व

द्येयं तु । इच्छा । सुतः । अपोरः । इंद्रं । आवा । त्वेति । इंद्र । अपि । अनुम । विप्राः । धियं ।
 वनिमा । रुत० या । सपंतः । अवस्यवः । धी । मद्भि । प्र० शस्तिं । सुघः । त । रायः । द
 वनि । स्या । मा । स्या । धा । ता । इंद्र । य । त । उती । अवस्यवः । ऊर्जी । वृद्धयंतः । शुष्मि
 नू० तमं । यां । या । कना । मा । दवा । आस्म । इति । रयिं । रा । सि । वीर० वं । रा । सि । द्यं ।
 रा । सि । मित्रं । आस्म । इति । रा । सि । शर्द्धः । इंद्र । मा । रुतं । नः । स० जा । षसः । य । त्वा ।
 मंदसानाः । प्रा । वा । यवः । पांति । अग्र० नीतिं । व्यं । त । इतर । नु । य । मंदसानः । र
 पत् । सा । मं । पा । हि । द्र । य । त । इंद्र । अस्मान् । सु । पृ । त० सु । आ । त । रु । त्र । अवर्द्धयः । ८४
 घां । बृहत्० मिः । अर्धेः । पा । बृहंतः । इतर । नु । य । त । त । रु । त्र । उ । च्छ । मिः । वा ।

सं० ५

सुमं।घो।वृहते।आ०विवासान।सृणा न सः।बर्हिः।पस्य०वेत्।त्या०ऊता०इत्।
इंद्र।वाजं।अग्नन्।गुग्गु।इत्।नु।श्रु।मंदसानः।त्रि०दु।कसु।पादि।स।
मो।इंद्र।प्र०फाधुवत्।शमश्रु।प्रीणानः।याहि।ह रि०भ्यां।सुतस्य।पीति।धि
ध।शवः।श्रु।पयन।वृत्रं।अव०अग्निनत्।दानुं।अर्षि०वा०मं।अप।अहृणाः।
ज्जातिः।आययि।नि।सुवृतः।सादि।दस्यः।इंद्र।सनेमा।प।त।ऊति०मिः।तः
तः।विश्वाः।सृधः।आयणि।दस्यून।अस्म०यं।तत्।त्याष्टुं।विश्व०सूपं।अग्रं
यः।साख्यस्य।त्रिताय।अस्य।सुवोनस्य।मंदिनः।त्रितस्य।नि।अबुंदं।वृद्धा
नः।अस्तुरित्यस्तः।अवर्तयत्।सूर्यः।न।चक्रं।निनत्।वलं।इंद्रः।अंगिरस्वा

न॒न्ना॑सा॒ता॒प्रति॑व॒रो॒ज॒रि॒त्रा॒हु॒य॒त॒इ॒न्द्रा॒द॒क्षि॒णा॒म॒घो॒नी॒शि॒क्षै॒॑स्तु॒ष्टु॒
 न्यः॑मा॒अ॒ति॒ध॒क्॒न॒गाः॑नः॑॥६॥यः॑जा॒तः॑ए॒व॒प्र॒थ॒मः॑म॒न॒स्चान्॒॑द॒वः॒॑द॒वान्॑
 ऋ॒त॒ना॒परि॒॑अ॒भू॒षे॒त्॒यस्य॒॑शु॒ष्मा॒त॒रो॒द॒सी॒इति॒॑अ॒भ्या॒स॒तां॒नृ॒मू॒स्य॒॑मु॒क्ता॒स
 ॥३॥ना॒सुः॒॑इ॒न्द्रा॒यः॒॑पृ॒थि॒वी॒व्य॒थ॒मा॒नां॒॑अ॒इ॒ह॒त॒यः॒॑प॒र्व॒ता॒नृ॒प्र॒ॐ॒पि॒ता॒नृ॒अ
 र॒म्भा॒त॒यः॒॑अ॒न्त॒रि॒क्षं॒॑वि॒ॐ॒मृ॒ग॒व॒री॒यः॒॑यः॒॑ध्यां॒॑अ॒स्त॒भा॒त॒०॒यः॒॑द॒त्वा॒॑अ॒हिः॑
 अ॒रि॒णा॒त॒सु॒स॒सि॒धे॒नृ॒यः॒॑गाः॒॑उ॒त्॒०॒अ॒ज॒त॒अ॒प॒०॒धा॒वृ॒क्ष॒स्य॒॑यः॒॑अ॒श॒म॒नो
 ॥४॥अ॒न्तः॒॑अ॒ग्निं॒॑ज॒जान॒॑सं॒०॒वृ॒क्ष॒सु॒म॒त॒०॒सु॒०॥य॒न॒इ॒मा॒वि॒श्वा॒व्य॒व॒ना॒रु॒त॒
 नि॒यः॒॑दा॒सं॒॑व॒र्षं॒॑अ॒ध॒रं॒॑गु॒हा॒अ॒क॒रि॒त्य॒कः॒॑चि॒द्गी॒॑श्व॒यः॒॑जि॒जी॒वा॒नृ॒प॒क्षः॑

आदत्तः। अर्पः। पुष्पानि। ०। यं। स्म। पृच्छन्ति। ऊहसः। इति। घोरं। उत्तर्दि। आहुः। न। एष
 ॥ अस्ति। इति। एनं। सः। अर्पः। पुष्पः। विजः। इव। आ। मिनाति। अतः। अस्ति। अतः
 ॥ ७॥ यः। रधस्य। त्वादिता। यः। सशस्य। यः। ब्रह्मणः। नाधमानस्य। कीरेः।
 युक्तः। ग्राहः। यः। अविता। सु० शिप्रः। सुत०। सामस्य। ०। यस्य। अश्यासः। प्र० दि
 शि। यस्य। गावः। यस्य। आमाः। यस्य। विश्वे। रथासः। यः। सूर्यः। यः। उषस्य। जज्ञ
 न। यः। अयां। नता। ०। यं। क्रंदसी। इति। संयुती। इति। सं० यती। विक्रयत। इति। वि
 ०। कयत। प्रुषार। उत्रयाः। अमित्राः। समानं। चित्। रथं। आतस्ति० वांसा। ना
 ना। हवत। इति। ०। यस्मात्। न। रूत। वि० जयंत। जनासः। यं। युधमानाः। अ

परं

यथासं

वस। इव। त। यः। विश्वस्य। प्रति० मानं। ब० न० वा। यः। अ० व्यु० त० व्यु० त०। यः। शश्व
 तः। म० हि। ए० वनः। द० धा० नान०। अ० म० न्य० मा० नान०। श० वा। ज० धा० नान०। यः। श० द० त। न०। अ० नु
 ० द० दा० ति। शृ० ध्या०। यः। द० स्यो०। हु० ता०। ॥ ॥ ॥ यः। शं० ब० रं। प० व० ते० कु० ह्नि० य० तं। च० त्वा० रि०
 श्या०। श० र० दि०। अ० नु० अ० वि० द० त०। च० ज्ञा० य० मा० नं। यः। अ० हि०। ज० धा० न०। दा० नुं। श० या० नं। ॥
 यः। स० त० र० शि० मः। वृ० ष० नः। उ० वि० क्षा० न०। अ० व० अ० सृ० ज० त०। स० त्नी० वा। स० प्र० सि० ध० न०।
 यः। रो० दि० ए०। अ० स्यु० र० त०। व० द्र० बा० द्रुः। धा०। अ० रा० रा० ह० तं। घा० वा। चि० त०। अ०
 स्मे। पृ० थि० वी० इ० ति। न० म० त० इ० ति। शु० ष्मा० त०। चि० त०। अ० स्य० प० वी० ताः। न० य० तं। यः। सो
 म० पाः। नि० चि० तः। व० द्र० बा० द्रुः। यः। व० द्र० हु० स्तः। ॥ यः। सु० च० तं। अ० व० ति। यः।

५६

पचंतां यः शंसंतं यः शशमानं ऊती यस्य ब्रह्मा वर्धनं यस्य सामं यस्य इ
 दं राधः यं सुन्वात पचात उध्रः आस्ति वाजं दर्दधि सः किलो अस्ति
 मत्स्यः वयं ता इंद्र विश्वरु प्रियासः सु० वीरसः विदयं आ वादमः रुतुः
 अनित्री तस्याः अपः परिमूर्खो जातः आ अविशत यासु वर्धता तत्तु आ
 दुनाः अनवत् पिण्णुषी पयः अंशाः पायूषा प्रथमं तत्तु उच्छ्रं सुधीर्दो आ
 यंति परि विन्नतीः पयः विश्वपू० स्म्यो य प्रा नरंता त्माजनं समानः अधा प्र
 ० वतां अनु० स्पेद यः ता अल्लणाः प्रथमं सः अस्ति उच्छ्रः अनु० ए
 कः वदति यत् ददाति तत्तु शूपा मिनरा तत्तु अपाः एवः इयेत विश्वां ए

कस्य वि० नुदः। तितिकुत। ० प्र० ज्ञान्यः। पुष्टिं। वि० भजंतः। आसुत। ययिः देवा।
 वृष्टं। प्र० भवतं। आ० यात। असिचं नृदंष्ट्रः। पित्रुः। अति। भोजनं। प्रथमं। अ
 रणाः। पुष्टिवी। सं० दृश। दिवे। य। धोतीनां। अदि० हनृ। अरिणकू। पयः। तै।
 न्या। स्तामनिः। उद० त्रिः। न। वाजिनं। देवां। देवाः। अजुननृ॥ ०॥ १०॥ यः। तता
 ऊनं। च। दय। स। च। वर्धनं। आद्रत। आ। शुष्कं। मधु० मरु। दुष्टहिष्ट। मा। श
 व० धिं। नि। दधि। ष। विवस्वति। विश्वस्य। एकः। इशि। प्र। ०। यः। पुष्टिर्णः। स्या०
 स्व। च। धर्मणा। अधि। दने। वि। अवनः। अधारयः। च। असमाः। अजनः। दिवि
 तः। दिवः। उरुः। जुवनि। अजितः। ०। यः। नानृरं। सह० वसुं। नि० हंत। व। दृक।

विजय

७

वृक्षसंवेशाय। च। अवहः। ऊर्जयंत्यां। अपरि० विहं। आस्यं। उत। एवा। अ
 घ। चुरु० हन०। शतं। वा। यस्प। दश। साकं। आ। अघ। एकस्य। अहि। यत्। ह
 नाद। आविथ। अरुजो। दस्यून। सं। उनुप। दनीतय। सुप्र० अव्यः। अनवः।
 ० विष्ठा। इत। अनु। राधनाः। अस्य। पोस्य। दुदुः। आस्मे। दधिर। ननव।
 धनं। पद्। अस्तुताः। वि० स्तिरः। पंच। सं० दशः। पति। पुरः। अनवः॥ ११॥ छ
 ० प्रवाचनं। तवा। वीर। वीर्यं। यत्। एकै। कृत्ना। विंदप्स। वसु। जात० स्तिर
 स्य। प्रावयः। सहस्रतः। या। चकर्थ। स। दंडु। विश्वा। अमि। उ० छ। अर० म
 यः। सर० अपसः। तरा। य। कं। उव० तय। वा। वृष्य। य। वा। स्फुतिं। न। वा। सं

देवम
नृपरा
नृप

तं। उत। अनय। पुरा० वृक्षं। प्र। अंधं। प्रोक्तं। अवयवम्। तत्। वसोदति। दा
 नासु। राधः। सं। अर्थयस्व। वृक्षात्। वसव्यं। इंद्र। यत्। चित्रं। अवस्थाः। अर्चु। घन
 ०॥१२॥ अध्वर्यवः। नरत्। इंद्राय। सामो० आ। अर्पयन्निः। सिंचत। मघां। अंधः। का
 पी। हि। वीरः। सदा० अस्प। पीति। नृपरात्। वृक्षः। तत्। इत्। एषः। वृष्टिः। अध्वर्यवः। यः।
 अपः। वृत्रि० वांसो। वृत्रं। जघान। अश्व्याः। इव। वृक्षं। तास्मै। एतं। नरत्। तत्० वृक्षवै
 एषः। इंद्रः। अहति। पीति। अस्प। अध्वर्यवः। यः। इ० श्रीकं। जघान। यः। गाः। उत० आज
 त्। अप। हि। वलं। वरितिवः। तस्मै। एतं। अंतर्निह। न। वातां। इंद्रा। सामिः। आ। ऊर्णत्।
 नृः। नावस्त्रिः। अध्वर्यवः। यः। उरं। जघान। नव। वरघांसं। नवतिं। वा। बाह्वन्। यः।

५५

अर्बुदं। अर्बुनीया। बर्बाधि। तं। इंद्रं। सामस्य। नृप्या। हिनेत। अध्वर्यवः। सु। अश्वं।
 जधाने। यः। शुष्मं। अशुषं। यः। वि० अंसं। यः। पिक्कं। नमुनिं। यः। रुधि० कौ। तास्मे। इं
 द्राया। अंधसः। जुहाता। अध्वर्यवः। यः। शतं। शंबस्य। पुरः। विनेदो। अशमना। इत।
 रुक्मः। यः। वज्रिनः। शतं। इंद्रः। सुहस्रं। अप० अवपत्। चरतौ। सोमं। आस्मे॥ १५॥
 ॥ आ। सुहस्रं। नृप्याः। उप० अ०। अवपत्। रुक्मवान्। रुक्मस्य। आप्याव। अतिथि
 ०४५स्य। वीरान्। नि। अर्बुणक्। चरतौ। सामं। आस्मे। अध्वर्यवः। यत्। नृः। कामया
 ध्व। श्रुष्टी। वहंतः। नशथौ। तत्। इंद्रे। गजस्तिपूतं। चरतः। श्रुताय। इंद्राय। सामं। यज
 वः। जुहात। अध्वर्यवः। कर्त्तनै। श्रुष्टिं। आस्मे। वने। नि० पूतं। वानी। उत। नयधुं। नृप्या

नं. १५

चि. म

ए० ह० स्त० अ० नि० वा० वा० श० व० इ० द्रा० य० सो० मे० म० दि० रं० ऊ० दा० त० अ० ध० य० वः॥ प० य० सा० ऊ०
 ध० य० य० गो० सा० मे० नि० इ० पु० ए० त० ना० ऊ० इ० द्रा० व० द० अ० हं० अ० स्य० नि० नृ० तं० अ०
 प० नृ० त० दि० स० तं० भू० यः॥ य० ऊ० तः॥ वि० कृ० त० अ० ध० य० वः॥ यः॥ दि० व्य० स्य॥ व० स्वः॥ यः॥ पा० यि०
 व० य॥ इ० म्य० सा० य० ऊ० तं० ऊ० द० रं० ना० पु० ए० त० या० व० ना० इ० द्रा० सो० मे० नि० त० त० अ० य० य०
 अ० म० स्त० ॥ ० ॥ १४॥ प्र० धी० नु० अ० स्य० म० ह० तः॥ म० हा० नि॥ स० त्वा॥ स० त्प० स्य॥ क० र० णा० नि॥ वा० न०
 नि० व० द्रा० क० पु० अ० पि० व० त॥ सु० त० स्य॥ अ० स्य० म० दा० अ० हिं० इ० द्रा० ऊ० धा० न॥ अ० व० शे० वी०
 अ० म० ना० य० त॥ वृ० हं० तं॥ आ० रा० द० सी० इ० ति॥ अ० पु० ए० त॥ अ० न० रि० दं॥ सो० मे० स्य० ता॥ मा० दा०
 इ० द्रा० न० का० र॥ स० म्प० इ० व॥ प्र० च० वि॥ मि० मा० य॥ मा० नैः॥ वा० द्रा० ण॥ ख्या० नि॥ अ० नृ० ए० त॥ न०

दीनां वृथा। असृजत। पृथि० त्रिः। दीर्घ० पाथैः॥ सः। प्र० वा० कृन्। परि० ग० स्यौ।
 द० नीतः। विश्वे। अधाक। आयुधं। इष्टा। अग्नो। सां। गान्त्रिः। अस्थिः। असृज
 त। रा० पृथि० त्रिः॥ सः। दी० महं॥ धुनिं। एताः। अरुम्हात। सः। अस्मात्तुन। अपा० र० य
 त। स्वस्ति। त। उत्० स्नाय०। रयिं। अत्रि। प्रा० त० सुः॥ सः। उ० द० धं। सिंधुं। अति
 एतात्। म० हि० त्या। वाङ्मण। अनः। उ० षसः। सां। पि० प० ष। अज० व० सः। ज० विनी० त्रिः। वि०
 वृ० च० न्। सः। वि० दान्। अप० गा० हं। कनीनां। आविः। ज० व० न्। उत्। अतिष्ठत्। परा
 ० वृ० कृ०। प्रति। आ० ए०। स्मृत्। वि०। अन० कृ०। अवष्टी० नि० नत्। व० लं। अंगिरः० र० त्रिः।
 गृ० ए० नः। वि० प० र्व० त० स्य। इ० हि० तानि। ऐ० र० त्। रि० ए० कृ०। रा० धां० सि०। रु० त्रि० मा० णि०। ए० षां०॥

स्वप्नेन। अग्नि० उष्ये। पुमुशि। धुनि। व। जघंघा। दस्युं। प्रादुनीति। आवुः। इंजी। चि
 त्। अत्र। विविदा। हिरण्यं॥ १०॥ १५॥ अर्द्धः। वे। प्रावुः। सुतां। ज्यष्ठं। तमाय। सु०
 स्तुतिं। अग्निः। इव। से० इथाने। रुविः। नृप। इंद्रां। अजुयं। जुरयंतं। उद्धितं। स
 नात्। पुवानं। अवासा। रुवामहे। यस्मात्। इंद्रात्। बृहत्तः। किं। चन। इं। रुता। वि
 आनि। अस्मिन्। सं० नृता। अधि। वीर्या। जुरारं। सामं। तन्वि। सहः। मरुत्। रुस्ते
 वद्रं। नरति। शार्घाणि। कर्तुं। न। क्षोणीभ्यां। परि० नोत्। इंद्रियं। न। सुमुद्रैः। पर्व
 तेः। इंद्रात्। रथं। नात्। वद्रं। अनु। आश्रति। कः। चन। यत्। आशु० प्रिः। पतसि।
 योजना। धुरु। विश्वे। हि। अस्मै। यरुताय। धुम्नाव। कर्तुं। नरंति। वृषनाय।

मन्त्रेते। वृषाय जसु। हविषा। विदुः रतैः। पिव। इंद्र। सामं। वृषनेण। भानुना। वृ
 ष्मः। काशः। पवता। मधः। ऊर्मिः। वृषम० अन्नाय। वृषभाय। पातव। वृषणां० अ
 क्षुर्दृति। वृषभायः। अद्रयः। वृषणां। सामं। वृषभाय। सुस्वेति॥ ७॥ वृषाते
 वज्रः। उत। त। वृषा। रथः। वृषणा। हरीदृति। वृषजाति। आयुधा। वृक्षः। म० सः
 वृषभ। त्वं। ईशिष। इंद्र। सामस्य। वृषभस्य। वृक्षेहि। प्रात। नावं। न। समान। व
 वृक्षव० ब्रह्मणा। यामि। सवन्नु। दधृषिः। ऊर्वित्। नः। अस्य। ववसः। नि० वा
 धिषत्। इंद्र। उमं। न। वसुनः। सि० गम। ह। पुरात। सं० बाधात्। अग्नि। आ० व
 वृक्ष। नः। धनुः। न। वसं। यवसस्य। पिप्पवा। सु० वृत्। सु। त। सुमति० निः। शित

ननु सा ते ज.

क्राता इति शत० क्राता। सं। पत्नीनिः। न। वृषणः। नसीमहि०॥ १८। तत्। अस्यो जव्यं।
अंगिरस्वतु। अर्यत। शुष्माः। यत। अस्य। प्रन० यो। उत्० ईरत। विश्वा। यत। गात्रा।
सहसा। एरि० वृता। मदा। सामस्य। इहितानि। ऐरयत। सः। नूत्र। यः। इ। प्रथमपि।
धयस। उजः। मिमानः। महिमानं। आ। अतिरत्। श्वरः। यः। युत० सु। नन्व० परि।
० व्यत। शीर्षणि। धां। महिना। प्रति। अमुंचत। अधा। अरुणाः। प्रथमं। सं० वीर्यं।
मरुत। यत। अस्य। अग्र। ब्रह्मणा। शुष्मं। ऐरयः। राय० सैन। हरि० आयुन।
वि० व्यताः। प्रजीरयः। सिस्त्रात। सध्रक्। पृथक्। अधायः। विश्वोश्वा। नुवना।
अनिमज्मना। ईशान० तत्। प्रवेंवमाः। अग्नि। अवर्द्धत। आत्। रोदसी इति॥

ज्योतिषा। वक्रिः। आ। अतनोत्। सीव्यन्। तमांसि। दुधिता। सं। अयत्ते। सः। प्राचीना।
 न। पर्वतान्। इंदुत्। उजसा। अधरावीनं। अहणात्। अपां। अपः। अधारय
 त्। पृथिवी। विश्वं धाय सं। अस्तन्नात्। मायया। घां। अरु० स्त्रसः। १२। सः। अस्मि
 अरं। बाहु० भ्यां। यं। पिता। अहणात्। विश्वस्मात्। आ। अनुषः। वदसः। परि। येनै।
 पृथिव्यां। नि। क्रि। विं। शयधौ। बाहु० ए। हत्वी। अहृणक्। उवि० स्यनि। अमज्जः। इ
 व। पित्रोः। सचा। सती। समानात्। आ। सदसः। त्यां। इत्यो। नगं। रुधि। प्र० क० तं। उप
 मासि। आ। नर। दद्धि। भागं। तन्वः। यन। म० महः। त्रजं। त्यां। इंदु। वयं। ऊरुमा। ददि
 त्वं। इंदु। अपांसि। वाजान्। अविदु। इंदु। चित्रया। नः। ऊती। रुधि। वृषन्। इंदु। वस्प

सं० सं०

सः। नः॥ १०२०॥ प्रातरिति। रथः। नवः। योजि। सस्त्रिः। वनुः२ युगः। त्रि० वृशः। सस०
 शिमः। दश० अरिः। मनुष्यः। स्वः२ सों। सः। इष्टि० त्रिः। मति० त्रिः। रं ह्य। नूत०
 प्रथमं। सः। द्वितीयं। उता इति। तृतीयं। मनुष्यं सः। फाता। अन्यस्याः। गत्री। अत्यजं
 इति। जनंत। सः। अन्ये त्रिः। सचता। अन्यः। हृषा। हरी इति। नु। कं। रथे। इंद्रस्य प्यो
 जं। आ० ये। सु० उक्तन। वचसा। न। वन। मो इति। सुं। त्यां। अत्र। बरुवः। हि। विशा
 :। नि। शीरमन्। यजमाना सः। अन्ये। आ। द्वाभ्यां। हरि० भ्यां। इंद्राया हि। आ। वनु
 :२ त्रिः। आ। षट्० त्रिः। क्लृपमानः। आ। अष्टा त्रिः। दश० त्रिः। साम० पयं। अयं
 सुतः। सु० परवा मा। मृधः। कुरितिकः। आ। विशत्या। त्रिंशता। या हि। अर्वा इ० आ

आ॥ ब॥ त्रिंशता॥ हरि० निः॥ यु० नः॥ आ॥ पंचा॥ शता॥ सु० र० घे० निः॥ इ० द्र॥ आ॥ प्र० श्रु॥
 स० स० त्र्या॥ सा० म० प० यं॥ २१॥ आ॥ आ० शी० त्या॥ न० व० त्या॥ या० हि॥ अ० व० इ॥ आ॥ श० त० न॥
 हरि० निः॥ उ० ह्य० मानः॥ अ० यं॥ हि॥ त॥ शु० न० ह० त्रि० पु॥ सा० म० इ० द्र॥ त्वा० या॥ परि०
 सि० क्तः॥ म० द० य॥ म० म॥ ब० ल॥ इ० द्र॥ या० हि॥ अ० व० इ॥ त्वं० वि० श्वा॥ ह० री० इ० ति॥ धु० रि॥ धि० घे॥
 र० घ० स्य॥ पु० रु० त्रा॥ हि॥ वि० ह० व्यः॥ व० न० र० थ॥ अ० स्मि० न॥ त्तरा॥ स० व० ने॥ मा० द० य॥ स्व० न॥ म० इ०
 द्र० ण॥ सु० र्यं॥ वि॥ ण्या॥ घ० त॥ अ० स्म० न्यं॥ इ० अ० स्य॥ द० क्षि० णा॥ दु० ह० त॥ उ० प० त्रि० ण्य॥ व० ह० थे॥
 ग० त्रा० स्तो॥ प्रा० य० प्रा० या॥ जि० नी० वां० सः॥ स्या० म० ॥ २२॥ अ० पा० पि॥ अ० स्य॥ अ० ध० सः॥ म० द॥
 या० म० नी० पि० णः॥ सु० वा० न० स्य॥ प्र० य० सः॥ य० स्मि० न॥ इ० द्रः॥ प्र० दि० वि॥ वै० व० ध० नः॥ उ० कः॥

नमः

दध्वा ब्रह्मण्यंतः। चानरः। अस्या मंदनः। मधः। वक्रः। हस्तः। अहिः। इंद्रः। अमिः
 २ वृत्तं। वि। वृश्चत। प्रायत। वयः। न। स्वसराणि। अष्टौ। प्रथो। मि। चानदीनां। वक्रः
 मंता। सः। मादिनः। इंद्रः। अर्षः। अर्षां। प्र। ऐरयत। अहिः। ह। अष्टौ। समुद्रः। अ
 जनयत। सूर्यः। विदत। गाः। अकुना। अक्रां। वयुनानि। माधत। सः। अप्रती
 नि। मनवि। वृक्षु। लि। इंद्रः। दाशत। दाशु। हंति। वृत्रं। सधः। यः। नृ०। अत
 मायः। नृत्त। पस्पृधाने। सः। सूर्यस्या। सातो। सः। सच्यते। इंद्रः। सूर्यी। आ। देवः
 रिणक। मत्प्रयि। स्तवान्। आ। यत। रयिं। गुरुत्०। अवधं। अस्मे। नरत्। अं
 शं। न। एतशः। दशस्यन्। सः। रंधयत्। सु० दिवः। सारथाय। सुमं। अ

५३

धो॥ ऊ० प्र० वं॥ कु० सो० यो॥ दि० वः॥ २० दा० सा० या० न० व० ति० च० न० व० इ० द्रः॥ पु० रः॥ वि० ऐ० र० यै० त॥ शं० वं॥
 र० स्य॥ ए० व० त॥ इ० द्र॥ उ० व० यो॥ अ० रु० म॥ अ० व० स्या० न॥ त्म० ना॥ वा० ज० य० त॥ अ० प्र० श्या० मा० त० त॥ सा०
 ह० आ० शु० घ्रा० णा॥ न० न० म॥ व० धः॥ अ० ए० व० स्य॥ पी० ण्याः॥ ए० व० त॥ गृ० स० म० दाः॥ श्रु०
 म० अ० व० स्य० वः॥ न० व० पु० ना० नि० त० ह्युः॥ ब्र० ह्म० ण्य० तः॥ इ० द्र॥ त॥ न० वी० या॥ इ० वं॥ ऊ० जं॥
 पु० कृ० ति॥ सु० म्म॥ अ० श्युः॥ २० ४॥ व० य॥ त॥ व० यः॥ इ० द्र॥ वि० द्धि॥ सु० नं॥ प्र० न० रा० म॥
 कृ० वा० ज० युः॥ न० र० ण्य॥ वि० प्र० म० वः॥ दी० ध्य० तः॥ म० नी० घा॥ सु० म्म॥ इ० य० हं० नः॥ त्वा० व० तः॥
 न० न॥ त्वा० नः॥ इ० द्र॥ त्वा० निः॥ ऊ० ती॥ त्वा० य० तः॥ अ० नि० छि० णा॥ अ० सि० ज० ना० न॥ त्वं॥ इ०
 न॥ दा० शु० वः॥ व० रु० ता॥ इ० ष्ठा० धीः॥ अ० नि० यः॥ न० ह० ति॥ त्वा० सः॥ नः॥ पु० वा॥ इ० द्र॥ इ०

त्रिकम

कृत्वा सखा शिवः नराः अस्त्रपातायः शंसंतो यः शशमानं कृती पदं न चो
 क्तवंतो च प्र० न० षत् तं ऊ इति स्तुत्य इन्द्रो तं गृणीष्वयस्मिन् चुरा वै ह धुः
 शा शङ्खः च सः वस्यः कामिं पीपरत दयानः ब्रह्मण्यतः नृतनस्य आया
 नः नः अंगिरसां उचथा ऊजुष्टान् ब्रह्मो रूतो त इन्द्रो गात्रं दृष्टन् मुष्टन् उध
 रः सूर्यणि स्तवान् अश्रस्य चित् शिश्रयत् पूर्यणि ॥ २ ॥ पासः हाश्रुतः इ
 द्रः नामा एवः ऊर्ध्वः भुवत् पनुषा दस्मन्तमः अवा प्रियं अशमानस्य स
 कः शिरः नरतत दामस्य स्वधम० वान् सः वृत्र० हा इन्द्रः रुक्म० यानीः पु
 रं वदरः दासीः ऐरयत् वि० अजनयत् मनवा सो अयः च सत्यः च शंसं
 यजमानस्य शतात् तस्मै तवस्य अनु दायि सत्रा इद्राय दवत्रिः अर्ण०

सातो। प्रति। यत्। अस्मा। वदं। वाकोः। धुः। हृत्। दस्पून्। उरः। आयसी। निता
 रीत्। ०॥ २६॥ विश्व० जित। धन० जित। स्वः० जित। सत्रा० जित। नृ० जित। उर्वरा०
 जित। अश्व० जित। गा० जित। अप० जित। नर। इंद्राय। सामं० पूजताय। दूर्यंतं
 अग्नि० नुवा। अग्नि० भंगाय। वचत। अथा० क्राय। सहमानाय। वध० सा। उवि०
 प्राय। वक्राय। दुस्तरितवा। सत्रा० सौह। नमः। इंद्राय। वाचत। सत्रा० सौहः० जन
 ० महः। जन० सहाः० चवनः। पुष्पः। अनु। जाषा० उहितः। हत० चयः। मङ्गरिः। वि
 शु। आरितः। इंद्रस्या० वाचं। प्राशतानि। वीर्या। अनैनु० दः। वृषभः। दोधतः। वध
 गंतीरः। शत्रुः। असमष्ट० काव्यः। रथ० वादः। अथभः। वीलितः। पृथुः। इंद्रः।

सु० य० उ० ष० स० स्त० जन० त० य० जे० न० गा० तुं० अप० उ० र० वि० वि० द्वि० त० शि० र० दि० वी०
 न्या० ना० उ० शि० ज० म० नी० वि० ण० अ० नि० स्व० रा० नि० सै० दा० गा० अव० स्य० व० दं० दं० हि०
 न्या० ना० इ० वि० ण० नि० आ० श० त० दं० दं० अ० श्या० नि० इ० वि० ण० नि० धे० हि० चि० त्ति० द० ह० स्य० उ०
 न० ग० त्वं० अ० स्म० इ० ति० पो० षं० र० यी० णां० अ० रि० हिं० त० न० न० नां० स्था० आ० न० वा० च० सु० दि० न०
 ० त्वो० अ० क्तां० ॥ ३ ॥ त्रि० क० द्रु० क० पु० म० हि० ब० य० व० आ० शि० रं० उ० वि० शु० ष्म० ॥ ४ ॥ प० न०
 सामं० अ० पि० व० त० वि० स्मृ० ना० सु० तं० य० य० अव० श० त० स० दं० म० म० द० म० हि० क० म० क० तं०
 व० म० हां० उ० उ० रं० स० ए० नं० स० श्रु० त० द० व० द० वं० स० त्वां० दं० दं० स० त्वां० दं० दं० अ० ध० त्ति०
 वि० मा० न० अ० नि० उ० ज० सा० क्रि० विं० पु० धा० अ० म० व० त० आ० रो० द० सी० दा० ति० ॥ ५ ॥

अ

अस्य मज्जनो। प्रावृद्धो। अधत्ता। अन्यं। ऊहरे। प्राई। अस्थित। ०। साकं। जातः।
कृत्तना। साकं। उजसा। ववहिषा। साकं। वृद्धः। वीर्यैः। सैमहिः। मृधः। वि० वषणि।
दाता। राधः। स्तुवत। काम्यं। वसु। ०। तवात्यत। नयै। नृताइति। अपः। इंद्र। प्रथ
मं। पूर्यं। दिवि। प्र० वायं। रुता। यत्। दवस्य। शवसा। प्रा। अरिणाः। असुं। रिण
व। अपः। नुवत। विश्वो। अग्नि। दवं। उजसा। विदात्। ऊर्जं। शत० कृत्तुः। विदात्।
इषं। ॥ १८॥ गणानां। त्या। गण० पतिं। रुवामाहु। कविं। कवीनां। उपमश्रवः। रतमं। ज्ये
ष्ठ० राजं। ब्रह्मणां। ब्रह्मणः। पात। आनः। शृण्वन्। कृति० त्रिः। सीद। सैदनं। दवा
ः। चित्। त। अंसुर्य। प्र० चतसः। बृहस्पत। यद्वियं। आगं। आनशुः। उस्वाः॥ १९॥

विः कं ५

वासुदेवः। ज्योतिषा। मरुः। विश्वेष्वा। इत। जनिता। ब्रह्मणां। असि। आ। वि। ब्रह्माध्या।
 परि। रै। पः। तमां। सि। ब्र। ज्योतिषां। तारयां। नतस्या। तिष्ठसि। बृहस्पत। नीमां। अनि।
 त्र० दं। ननं। रक्षः० रक्षनै। गात्र० निदं। स्वः० विदं। सुनीति० त्रिः। नयसि। त्रायस्य। ज।
 नो। यः। पुत्र्यं। दात। ना। तं। अंहः। अश्ववत्। ब्रह्म० द्विषः। तपनः। मन्य० मीः। अ।
 सि। बृहस्पत। महि। तत०। त। महि० त्वनं। ना। तं। अंहः। न। दुः० दतं। कुतः। न।
 न। अरातयः। तितिरुः। न। द्याविनिः। विश्वाः। इत। अस्मात्। धारसः। वि। बाध।
 मायं। सु० गापाः। रक्षसि। ब्रह्मणाः। पता० रक्षः। त्वं। नः। गापाः। पथि० नत।
 वि० ब्रह्मणाः। तव। ब्रताया। मति० त्रिः। न। रा। मा। बृहस्पत। यः। नः। अजिह्वरः।

६०। स्वा। तां। मर्षन्तु। दुष्टुना। हरस्वती। उतावा। यः। नः। मर्वयात्। अनाजसः।
 अगतिं० वा। मर्षी। सा। लुक्। वक्कः। बहस्पति। अप। तां। वत्तयै। पथः। सु० गं। नः।
 आस्ये। दवं० वीतय। हृदि। जगारं। त्या। तन्नां। हवामह। अव० स्पत्तः। अधि०
 वक्तारं। अस्म० युं। बहस्पति। दवं० निदः। नि। बह्यामा। दुः० एवाः। उत्तरं०
 सुमं। उत्तरं० शन। त्वया। वयं। सु० वधा। ब्रह्मणः। पात। स्याह। वसु। मनुष्या।
 आ। ददीमहि। याः। नः। दूत। तलितः। याः। अरातयः। अत्रि। संति। जंनयीताः। अ
 नप्रसः। त्वया। वयं। पुन० तमे। धीमाह। वयः। बहस्पति। पप्रिणा। सस्मिना। युज्ये।
 मानः। दुः० शंसः। अत्रि० दि सुः। ईशत। प्र। सु० शंसाः। मति० जिः। तारि० वीमहि॥

॥३॥ अ० न० नु० दः वृषभः जग्मिः आ० ह० वं निः रत० क्षा शत्रुं पृतनासु स० स० हि
 अ० मि० स० त्यः रु० ए० याः ब्र० ह्म० ए० पात० उग्रस्य चित० द० मिता वी० ब्रु० ह० धि० गः
 आ० दा० वन० मन० सा० यः रि० ष० ए० पति० शा० सां० उग्रः मन्य० मानः जि० धां० सति० बृ० ह० स्यात० मा०
 प्र० ए० क० त० स्या० नः व० धः नि० क० मी० म० न्क० दुः २ ए० व० स्य० श० ई० तः न० त० सु० ह० व० यः न० म० सा०
 उ० प० स० धः गं० ता० वा० ज० शु० स० नि० ता० ध० नं० ध० नं० वि० श्वाः इ० त० अ० यः अ० नि० हि० ष्वः
 मृ० धः बृ० ह० स्य० तिः वि० व० व० ह० र० थान्० इ० व० ति० जि० ष्य० या० र० प० नी० रु० ह० सः त० प० या० त्वा०
 नि० त० द० धि० रा० दृ० ष्ट० वी० र्यी० आ० विः त० त० रु० द्रा० य० त० अ० स० त० त० उ० च्छां० बृ० ह० स्यात०
 वि० प० रि० र्यः अ० द० य० बृ० ह० ता० अ० ति० य० त० अ० यः अ० ह० ति० कृ० म० त० वि० भ० ति० क०
 उ० म० त० ज० न० शु० य० त० दी० द० य० त० श० व० सा० रु० त० प्र० जा० त० त० अ० स्मा० सु० द्र० वि० र्यः ॥ ५३

हि। वि॒त्रं॥३१॥ मा॒नः॥ स्ते॒न॒न्यः॥ प्य॒। अ॒भि॒। दु॒हः॥ पा॒दा॒ नि॒रा॒मि॒णः॥ रि॒प॒वः॥ अ॒न्ने॒षु॥
 ज॒गृ॒धुः॥ आ॒। द॒वा॒नां॥ उ॒ह॒त॥ वि॒। व्र॒यः॥ ह॒हि॒। बृ॒ह॒स्य॒ता॒ना॒। प॒रः॥ सा॒म्रः॥ वि॒दुः॥ वि॒
 श्व॒भ्यः॥ हि॒। त्वा॒। नु॒व॒न॒न्यः॥ प॒रि॒। त्व॒ष्टा॒। अ॒ज॒न॒त॒। सा॒म्रः॥ सा॒म्रः॥ क॒विः॥ सः॥
 म॒ण० चि॒त्। स॒ण० याः॥ ब्र॒ह्म॒णः॥ प॒तिः॥ दु॒हः॥ ह॒न्ता॥ म॒हः॥ अ॒त॒स्य॥ ध॒र्त॒रि॒। त॒व॥
 न्य॒। वि॒। अ॒हि॒ही॒त॥ प॒र्व॒तः॥ ग॒वां॥ ग॒न्त्रं॥ उ॒त्० अ॒सृ॒जः॥ य॒त्। अ॒ंगि॒रः॥ इ॒न्द्र॒ण॥
 पु॒जा॒। र॒म॒सा॥ प॒रि॒० वृ॒तं॥ बृ॒ह॒स्य॒ता॒निः॥ अ॒पां॥ अ॒भु॒ः॥ अ॒र्ण॒वं॥ ब्र॒ह्म॒णः॥ पा॒ता॥
 त्वं॥ अ॒स्य॥ य॒न्ता॥ सु॒० उ॒क्त॒स्य॥ वा॒धि॥ त॒न॒यं॥ वा॒जि॒न्वा॒ वि॒श्वं॥ त॒त्। न॒द्रं॥ य॒त्। अ॒व॒न्ति॥
 य॒त्। ॥३२॥ च॒तु॒र्थे॒ दि॒शो॒ ध्या॒यः॥ ॥३३॥ सः॥ इ॒मां॥ अ॒वि॒दि॒। प्र॒० नृ॒तिं॥ यः॥
 इ॒शि॒षा॥ अ॒या॥ वि॒ध॒मा॒न॒व॒या॥ म॒हा॥ गि॒रा॥ य॒था॥ नः॥ मी॒ढ्वा॒न्। स्त॒व॒त॥ स॒खा॥ त॥

वाहस्पतिः। सीसैधः। सः। उतानः। मतिः। यः। नंतानि। अनमत्। नि। उजसा। उत।
 अदृष्टः। मन्फना। शंबराणि। वि। प्र। अच्यवयते। अव्यक्ता। ब्रह्मणः। पतिः। आ।
 वा। अविशत्। वसु० मंतं। वि। पर्वतं। तत्। दवानां। दव० तमाय। कर्त्तुं। अश्रुधनुः।
 दृष्टा। अब्रदंत। वी। लिता। उत्। गाः। अजत्। अनिनत्। ब्रह्मणा। वलं। अगूहत्।
 तमः। वि। अच्यवयत्। स्व। रि। तिस्रः। अश्म० आस्यं। अवतं। ब्रह्मणः। पतिः। मधु०
 धारं। अजि। यं। उजसा। अष्टात्। तो। एव। विश्व। पृथिवी। स्व० दशः। वक्र।
 साकं। सि। सि० बुः। उ० सं। उ० द्वि० ता। सना। ता। का। मित्। पु० वना। च० वी० त्वा। मत्त० निः। शर०
 त० निः। दुरः। वरंत। वः। अयतंत। च० रतः। अन्यत्। अन्यत्। इत्। या। च० कार। व०
 पुना। ब्रह्मणः। पतिः। ॥ अजि० नहंतः। अजि। यतं। आन० शुः। नि० धिं।

यथासंदि
ता ३॥

पृष्ठ

पुणीनां। परमां गुहा। हितं। त। विद्वांसः। प्रति० चक्षुः। अनृता। पुनः। यतः। उंइति।
आयन्। तत्। उत्। इयुः। आ० विशं। रुतं० वानः। प्रति० चक्षुः। अनृता। पुनः। आ० अ
तः। आ० तस्सुः। कवयः। मरुः। पथः। त। बाहु० भ्यां। धर्मितं। अग्निं। अश्मनि। नकिः
सै॥ अस्ति। अरणः। ऊऊः। हितं। रुत० ज्यन। ह्निप्रण। ब्रह्मणः। पतिः। यत्र।
वहि। प्र। तत्। आश्राति। धन्वना। तस्य। साधीः। इषवः। यार्तिः। अस्यति। नृ० व
क्षसः। इशाय। कर्म० यानयः। सः। सं० नयः। सः। वि० नयः। छरः० हितः। सः।
सु० स्ततः। सः। युधि। ब्रह्मणः। पतिः। वाक्षः। यत्। वज्रं। नरात्। मती। धना। आ
त। इत्। सूर्यः। तपति। तप्युत्। वथा। वि० भु० प्रथमं। मरुना० वतः। बृहस्पतिः। सु० प्र० भु०।
० वि० श्रुति। राध्या। इमा। सातानि। वन्यस्य। वज्रिनः। यत्र। जनाः। उन्नय। सुंज

ताविशः॥२॥यः॥अवा॥वृजने॥विश्व०या॥वि०भुः॥महां॥जुंइति॥एवः॥शव
 मा॥ववक्षि॥यः॥सः॥दवः॥दवान्॥प्रति॥वप्रा॥य॥दृष्टु॥विश्व॥इत्॥जुंइति॥ता॥पु॥मि
 तः॥अह्मणः॥पति॥विश्व॥सत्यं॥मघ०वाना॥युवाः॥इत्॥आपः॥वन॥प्र॥मि॥नेति॥
 व्रतं॥यां॥अच्छा॥इंद्रा॥ब्रह्मण॥स्य॥ती॥इति॥रुवि॥नः॥अन्नं॥युजाः॥इव॥वा॥जि॥ना॥जि॥ग
 तं॥उत॥आशि॥ष्टाः॥अनु॥भृ॥ण्वंति॥वक्र॥यः॥स॥प्र॥यः॥वि॥प्रः॥न॥र॥त्त॥म॥ही॥ध॥नः॥
 वी॥भु॥०॥द्व॥षाः॥अनु॥व॥शां॥रु॥णं॥आ॥द॥दिः॥सः॥रु॥वा॥जी॥सं०॥द्रा॥य॥ब्र॥ह्म॥णः॥प
 तिः॥ब्र॥ह्म॥णः॥पतिः॥अ॥न॥व॥त्॥य॥था॥व॥शं॥स॥त्यः॥म॥न्कः॥म॥हि॥क॥मी॥क॥रि॥ष्य॥तः॥
 यः॥गाः॥उ॥त्॥०॥आ॥ज॥त्॥सः॥दि॥वा॥वि॥वा॥अ॥न॥ज॥त्॥म॥ही॥इ॥व॥री॥तिः॥श॥व॥सा॥अ
 स॥र॥त्॥पृ॥थ॥क्॥ब्र॥ह्म॥णः॥पति॥सु०॥य॥म॥स्य॥वि॥श्व॥ना॥रा॥यः॥स्या॥म॥र॥थ्य॥इ॥व॥य

स्वतः।वीर्यं।वीरान्।उप।पृथ्वी।नः।त्वं।यत्।ईशानः।ब्रह्मणा।वसि।म्।ह्रवं०
 ॥३॥इंधानः।अग्निं।वनवत्।वनुष्यतः।रुत०ब्रह्मा।शुशुवत्।रात०हव्यः।इ
 त्।जातन।जातं।अति।सः।प्र।ससृत्।यं०यं।युजं।हलुत्।ब्रह्मणः।पतिः।वी
 रनिः।वीरान्।वनवत्।वनुष्यतः।गानिः।एयिं।प्रप्रयत्।बार्धति।त्मना।ताकं
 वातस्य।तनयं।वावर्द्धत्।०।सिंधुः।न।द्वादः।शिमी०वान्।रुघायतः।शुषा॥
 इव।वध्रीन्।अग्निं।वष्टि।उजसा।आग्रः॥इव।प्र०सितिः।न।अह।वर्त्तवा०।तास्मै
 अवर्षति।दिव्याः।असृज्यतः।सः।सत्व०निः।प्रथमः।गात्रु।गच्छति।अनि
 नृष्ट०तविषिः।हंति।उजसा०।तास्मै।इत्।विष्णु।धुनयंत।सिंधवः।अच्छिद्रा।
 शम्पिदधिर।उहृणि।दवानां।सुम्न।सु०भगः।सः।एधत्।०॥४॥सजुः।इत्।

शंसः। वनवत्। वनस्पतः। दिव० यन्। इत्। आदिव० यंतं। अग्नि। असत्। सुप्र० अवीः।
 इत्। वनवत्। पृत्० सु। दुस्तरं। यद्वा। इत्। अय० ज्योः। वि। न्जाति। भोजनं। यज्जसत्।
 वीर। अ० विहि। मनायुतः। न०। मनः। तल्लुष्ट। वृत्र० तये। हविः। तल्लुष्ट। सु० भगः। य
 था। अससि। ब्रह्मणः। पतिः। अ० वत्। अ० वृणीम० फ० सः। इत्। उ० न०। सः। विशा। स
 :। उ० न०। सः। उ० त्रिः। वाजं। न० रत्। यना। नृ० निः। दवानां। यः। पितरं। आ० विवा
 सति। अ० द्वा० मनाः। हविषा। ब्रह्मणः। पतिं। यः। अ० स्मे। ह० व्येः। वृत्तवत्० निः। अ
 विधत्। प्रा० तं। प्रा० चा। न० यति। ब्रह्मणः। पतिः। उ० रु० व्यति। ई। अ० ह० सः। र० नृ० ति० रिष्यः।
 अ० फाः। चित्। अ० स्मे। उ० रु० व० चिः। अ० द्रु० तः। प०। इ० माः। गिरः। आ० दित्य० न्यः। वृत्त०
 मूः। स० नात्। राज० न्यः। नृ० द्वा०। नृ० फा० मि०। इ० मा० चि०। मि० न्यः। अ० य० मा०। न० गः। नः। उ० वि

व०

सं० दी०

१००

०जातः। वरुणः। दक्षः। अंशः। ५ मं। स्ता मं। स० त्रैतवः। मे। अघा मित्रः। अर्यमा। व
रुणः। जुषंत। आदित्यासः। शुचयः। धर० प्रताः। अहृजिनाः। अनवधाम। अरि
ष्टाः। आदित्यासः। उरवः। गजीराः। अदश्वासः। दिशंतः। नूरि० अक्षाः। अं
तरिति। पश्यंति। हृजिना। उत। साधु। सर्वी। राज० न्यः। परमा। चित्। अंति। धारयंतः।
आदित्यासः। जगत्। स्थाः। दिवाः। विश्वस्य। नुवनस्य। गापाः। दीर्घ० धियः। रत्न
माणाः। सुअसुयं। रत० वानः। चयमानाः। रुणानि। विद्यां। आदित्याः। अवसः।
वेः। अस्य। यत्। अर्यमन्। प्राय। आ। चित्। मयः२। पु। युष्माकं। मित्रावरुणा। प्र०
नीति। परि। श्वन्नाः। इव। दुः२। दूतानि। वृक्षां॥ ५॥ सु० गः। हि। वः। अर्यमन्। मित्राये

थाः। अ॒न॒ह॒रः। व॒रु॒ण॒सा॒धुः। अ॒स्ति॒। त॒न॒। आ॒दि॒त्याः। अ॒धि॒। वा॒व॒त॒। नः। य॒ष्ठ॒त॒। नः।
उः॒र॒प॒रि॒हं॒उ॒। श॒र्मा॒। पि॒प॒र्तु॒नः। अ॒दि॒तिः। र॒ज॒० पु॒त्रा॒। अ॒ति॒। द्वा॒षां॒सि॒। अ॒र्य॒मा॒। सु॒
० ग॒मिः। वृ॒ह॒त्। मि॒त्र॒स्य॒। व॒रु॒ण॒स्य॒। श॒र्मा॒। उ॒षा॒। स्या॒मा॒। उ॒रु॒० वी॒राः। अ॒रि॒ष्टाः। ति॒स्त्रः।
त॒मीः। ध॒म॒र॒य॒न्। त्री॒न्। उ॒त॒। घू॒न्। त्री॒णि॒। त्र॒ता॒। वि॒द॒थे॒। अ॒न्तः। ए॒षां॒। रू॒त॒न॒। आ॒दि॒
त्याः। म॒हि॒। वः। म॒हि॒० त्वं॒। त॒त्। अ॒र्य॒म॒न्। व॒रु॒ण॒। मि॒त्र॒। या॒रु॒। त्री॒। रा॒च॒ना॒। दि॒व्या॒। ध॒म॒
र॒य॒न्त॒। हि॒र॒ण्य॒याः। शु॒च॒यः। ध॒म॒र॒० रू॒ताः। अ॒स्व॒प्र॒० जः। अ॒नि॒० मि॒षाः। अ॒ज्ञाः। उ॒ द
रु॒० शं॒साः। रू॒जा॒वा॒। म॒त्स्य॒यि॒। त्वं॒। वि॒श्व॒षां॒। व॒रु॒ण॒। अ॒सि॒। र॒जा॒। या॒। वा॒। द॒वाः। अ॒सु॒
रा॒। या॒। च॒। म॒र्ताः। श॒तं॒। नः। रा॒स्व॒। श॒र॒दः। वि॒० च॒न्द॒। अ॒श्या॒मा॒। आ॒यू॒षि॒। सु॒० धि॒ता॒नि॒। १०१
स॒र्वी॒। ७॥ न॒। द॒क्षि॒णा॒। वि॒। वि॒। त॒। न॒। रा॒० य॒मा॒। आ॒दि॒त्याः। न॒। उ॒त॒। प॒०

पाक्या। वित्। वसवः। धीर्या। चित्। युष्मा० नीनः। अन्नयं। ज्योतिः। अश्यां। यः। सत्०
 न्यः। सतनि० न्यः। ददाश्यां। वद्वयंति। पुष्टयः। च। नित्याः। सः। रेवन्। यानि। यश
 मन्। राधन। वसु० दावा। विदाथ्यु। प्र० शस्त्रः। शुचिः। अपः। सु० यवशाः। अ०
 जगत्। कृति। वृद्ध० वयाः। सु० वीरः। नदिः। तं। घृति। अंतितः। नादूरात। यः। अ०
 न० तवति। प्र० नीतो। अर्चित। मित्र। वरुणा। उत। मृत्न। यत्। वः। वयं। च० म० क०
 न० अ० म०। उरु। अश्यां। अन्नयं। ज्योतिः। इन्द्र। मा। नः। दोघा। अग्नि। नशत्। न०
 न्या। वा। नदति। आस्ये। पीपयतः। समीचीइति सं० ईचा। दिवः। वृष्टिं। सु० भगं। न० म०
 न०। न०। द० यो। आ० जयन्। याति। पृत्० सु। उत्तो। अर्द्धी। नवतः। साधूइति। न० म०
 याः। वः। मायाः। अग्नि० द्रुहे। यज० त्राः। पाशाः। आदित्याः। रिपवः। वि० वृताः। अ० धी

५६ वा। ताना। अति। येषां। र। येन। अरि। शिः। उ। रो। आ। शर्मन्। स्याम। मा। अहं। पद्यो नः।
 वरुणा। प्रियस्य। नृ। रि० दा० त्रः। आ। विदं। श्रमो। आपः। मा। रायः। राजन्। सु० यमा० त।
 अवा। सु०। ॥ ८॥ इदं। कवः। आदित्यस्य। स्व० राजः। विश्वानि। संति। अग्नि। अस्त। म
 न्ना। अति। यः। मंद्रः। यजथाया। दवः। सु० की० ति० नि० द्वा। वरुणस्य। नृ। रं। तव। ब्रह्म।
 सु० जगा० सः। स्याम। सु० आ० ध्यः। वरुणा। नु० स्त० वांसः। उप० अयान। उप० सो० गा०
 मतीनां। अग्रयः। न। ज० र० मा० णाः। अनु० धून्। तव। स्याम। सु० वी० र० स्य। शर्मन्। उ० रु० शं
 मस्य। वरुणा। प्र० नित० रिति० प्र० नितः। सूर्यं। नः। पु० त्राः। अदितः। अ० द० ब्राः। अग्नि। रु० म
 धं। यु० ज्वा० य। द० वाः। प्र० सी। आदित्यः। असृ० दु० त्वा। वि० ध० तै० रु० तं। सिंधवः। वरुणस्य। १०२
 येति। न। आ० मं० ति। न। वि० सु० चं० ति। ए० त। वयः। न। प० क्तः। र० द्धु० या। परि० ज्मन्। वि० म

विरुन

त। अथैय। सौनाऽइव। आगः। रुध्याम। त। वरुणा। यवा। रुतस्य। मा। तंनु।। छदि। वय
 नः। धियं। म। मा। मात्रा। शारि। अपसः। तुरा। कृतोः॥९॥ आपादति। सु। म्पद्। वरुणा
 विपसं। मर। सं० राट्। रुत० वः। अनु। मा। गजाय। दामऽइव। वसात्। वि। मुमुक्षि। अ।
 न। त्वत्। आ। नि० पिषः। त्वन। द्राशा। मानः। वधेः। वरुणा। य। त। दृष्टो। एनः। रुतं
 तं। असुर। श्रीणंति। मा। ज्ञातिषः। प्र० वसथानि। गन्म। वि। सु० मृधः। शिश्रयः। जीव
 नः। नमः। पुरा। त। वरुणा। उत। नूनं। उत। अपरं। उवि० ज्ञात। ब्रवाम। त्वदंति। हि। त
 पवीत। न। श्रितानि। अप्र० वक्तानि। दुः२दन्। व्रतानि। परौ॥ रुणा। सावीः। अधा। म
 ० रुतानि। मा। अहं। राजन्। अन्य० सतन। चाजं। अवि० उष्टाः। इत। उ० प्रयसीः
 उधैसः। आ। नः। जीवान्। वरुणा। तासु। शधि। य०। म। राजन्। पुज्यः। वा। सखा।

वां। स्वप्ने। नृयं। नीरवे। मह्यौ। आह। स्तेनः। वा। यः। दि सति। नः। वृकः। वा। त्वं। तस्मात्।
 वरुणा। पाहि। अस्मान्। ०५१०॥ धृतं व्रताः। आदित्याः। इषिरः। आर। मत्। कर्त।
 र हस्त्रः। इव। आगः। एतः। वः। वरुणा। मित्र। दवाः। न दस्य। विद्वान्। अवस।
 द्वावा। वः। यूयं। दवाः। प्र० मतिः। यूयं। उजः। यूयं। द्वांसि। सनुतः। युधात। अ
 मि० रुतारः। अनि। वा। दमध्मं। अघो। वानः। मृत्नयत। अपरां। वा। किं। रुदति। नु।
 वः। रुतवाम। अपराणा। किं। सनेन। वसवः। आप्यन। यूयं। नः। मित्रा वरुणा। अ
 दिता। वः। स्वस्ति। इंद्रा मरुतः। दधत। रुपा। दवाः। यूयं। इत्। आपयः। रुता। मृत्न
 तानाधमानाय। मह्यौ। मा। वः। रथः। मध्यम० वाद्। रुत। नृत्। मा। युष्मावत्० रु।
 आपिषु। अमिषु। प्रावः। एकः। मिमया नृरि। आगः। यत्। मा। पिता। इव। कित

वेदं

वं। शंशासा। आरे। पाशाः। आरे। आद्यानि। देवाः। मा। मा। अधि। पुत्रे। विं। इव।
यन्नाह। अवंचिः। अधौ। नवतै। यजत्राः। आ। वः। हादि। नयमानः। व्यप्यय। त्रा
धौ। नः। देवाः। नि०। जुरः। वृकस्य। त्राधौ। कतति। अव० पदः। यजत्राः। ॥ ११॥ सुतै।
दवाय। नखत। सवित्रे। इंद्राय। अहि०। घ्नान। रमंता। आपः। अहः२। अहः। या
तै। अकुः। अपां। कियैति। आ। प्रथमः। सर्गः। आसां। यः। वृत्राय। सिनौ। अत्र।
अनरिष्यत्। प्रातं। जनित्री। विडाषे। उवाच। पृथः। रदंतीः। अनु। जाषं। आस्मि।
देवे० दिवो। धुनयः। यंति। अर्थे। ऊर्ध्वः। हि। अस्मात्। अधि। अंतरि। ह। अर्थे। वृत्र।
पा। प्र। वधं। जन्मार्थं। वसानः। उपाहि। ई। अडात्। तिगम०। आपुधः। अजय
त्। शत्रुं। इंद्रः। बृहस्पत। तत्र। अश्राः। इव। विध्य। वृक०। द्रसः। असुरस्यावी

रान। यथा ज्ञेयं धृषता। पुनश्चित्। एवौ जहि। शत्रुं अस्माकं। इन्द्र। अवा। हि पत्न
 दिवः। अशमानं उवा। यन। शत्रुं। मंदसाननि० जूवा। ता कस्य। सातो। तनय
 स्य। नृ। ए। अस्मान्। अर्द्धी कणुतात्। इन्द्र। गानां॥ १२॥ प्राहि। कर्तुं। बृहथः। यं।
 वनुथः। रधस्य। स्तुः। यजमानस्य। चादि। इन्द्र। सामा। युवां। अस्मान्। अविष्टं।
 अस्मिन्। नय० स्ते। कणुतं। जं इति। लोके। नामा। तमत्। न। अमत्। न। उत। तं इत्त
 ना। वा। श। मा। मा। सुनात। इति। सामं। यः। मा। पृणात्। यः। ददत्। यः। नि० बाध्यत्।
 यः। मा। सुचंतं। उप। गानिः। आ। अयत्। सरस्वति। त्वं। अस्मान्। अविदि। मरु
 त्यती। धृषती। जघि। शत्रून्। त्वं। चित्। शर्द्धतं। तविषी० यमाणां। इन्द्रः। हंति। वृष

१०४

नं। शं। डिका। नां। यः। नः। मनुज्यः। उता। वा। जिधनुः। अत्रि० ख्यायतं। तिगितना। वि
 ध्य। बृहस्पता। आयुधेः। जवि। शत्रुन। दुहा। रिषंतं। परि। धहि। राऊन। अस्मा
 कजिः। सत्व० निः। शूर। शूरेः। वी० य० हि० धि० यानि। त। कर्चानि। ज्पाकु। अभूव
 न। अनु० धपितासः। हृत्वी। तषां। आ। नर० नः। वसूनि। तं। वः। शर्द्धा। मारुतं।
 सुम्र० युः। गिरा। उपा। ब्रुवा। नमसा। दे० यं। जन० यथा। रयिं। सर्व० वीरं। नशामह
 अयत्य० साचं। श्रुत्य० दिवे० दिव॥ १३॥ अर्द्धः॥ ॥ ३॥ अस्माकं। मित्रावरुणा
 अवत० रथं। आदित्येः। रुद्रेः। वसु० निः। सचा० नुवा। प्रायत्। वयः। ना। प० म० न० व
 स्मनः। परि। श्रव० स्रवः। हृषी० वंतः। वन० सैदः। अधा० स्म० नः। उत्तरा० अवत० स० ओ
 षसः। रथं। दवासः। अत्रि। वि० ह्यु। वाज० युं। यत्। आशवः। प० धा० निः। ति० त्रतः। र० ॥

१३

२१

पृथिव्याः। सानो। जंघनंत। पाणि० निः। उत। स्यः। नः। इंद्रः। विश्व० च० षणिः। दिवः।
 शार्द्धन। मारुतन। सु० ऋतुः। अनु। नु। स्मृति। अ० वृकानिः। कृति० निः। रथं। माह।
 सनय। वाज० सातय। उत। स्यः। देवः। भुवनस्य। सहणिः। त्वष्टा। गान्धिः। स०
 जाघाः। ऋतुवत्। रथं। इंद्रा। नगः। बृहत्। दिवा। उत। रोदसीइति। ह्रस्वा। सु० धिः।
 अश्विनो। अ० धी। पत्नीइति। उत। त्यइति। देवीइति। सु० नगइति। सु० नग। मिथु०
 इशा। उ० सानक्ता। उगतां। अ० पि० जुवा। स्तूपायत्। वां। पृथिवी। नव्यसा। वचः।
 स्मृतुः। च। वयः। त्रि० वयाः। उप० स्तिर। उत। वः। शंसं। उशिजां। इव। श्मसि। अहि०
 बुध्मः। अ० जः। एक० पात्। उत। त्रितः। ऋतु० दाः। सविता। चनः। दा० धा। अ० पां। न

१०५

पात्। आशु० हेमा। धिया। शमि। एता। वः। वश्मि। उत० यता। यज० राः। अर० हन। आ
 यवः। नव० स। सं। अ० वस्यवः। वाज०। च० कानाः। स० सिः। न० रथाः। अ० र० धीति। अ० श्याः।
 ॥१४॥ अ० स्या। म० घावा० पृथिवी० इति। स्त० त० यतः। भूतं। अ० वि० त्री० इति। व० व० सः। सि० सौ० स
 नः। पा० योः। अ० युः। प्र० त० रं। त० इति। इ० दं। श्रु० रः। उप० स्त० ते० इत्य० प० स्त० ते०। व० सु० युः। व०।
 म० हः। द० ध०। मा० नः। गु० ह्याः। रि० षः। आ० याः। अ० ह० न०। द० न० न०। मा० नः। आ० न्यः। री० र० धः।
 दु० छु० ना० न्यः। मा० नः। वि० षोः। स० र० व्या। वि० द्वि। त० स्या० नः। सु० म्म० य० ता। म० न० सा। स० र्यः। क
 विः। त० त०। त्वा०। ई० मा० ह०। अ० ह०। ता०। म० न० सा। श्रु० षिं। आ०। व० ह०। दु० ह०। नां। धे० नुं। पि
 पु० ग्री। अ० स० श्य० तं। प० घा० निः। अ० श्रुं। व० व० सा। च०। वा० जि० न०। त्वां। हि० नो० मि। उ० रु० क

सं. ४३

त।विश्वहा।राकां।अहं।सुहृदां।सु०स्तुती।कुवे।शृणातु।नः।सु०भगा।बोधतु।म
ना।सीयतु।अपः।सुखा।असिधंमानया।ददातु।वीरं।शत०दायं।उत्थं।याः।तु।
राका।सु०मतयः।सु०पशंसः।मानिः।ददासि।दाशुषा।वसूनि।ताम्रिः।नः।अघासु
०मनाः।उप०प्रागहि।सहस्र०पाषां।सु०भगा।राणा।सिनीवालि।वृथु०स्तुति।
या।द्वानां।असि।स्वसा।जुषस्व।द्वयं।आ०कृतं।प्र०क्रां।द्वि।दिदिदि।नः।या।सु०
या०।सु०अंगुरिः।सु०स्तुमा।बहु०सूवरी।ताम्रे।विश्वान्मो।द्विः।सिनीवात्ये।
जुस्तन।या।गुंरुः।या।सिनीवात्ये।या।राका।या।सरस्वती।इन्द्राणी।अक्षे।ऊत
य।वरुणानी।स्वसाय॥॥॥आ।त।पितुः।परुतां।सुघ्रां।एतु।मानः।सूर्यस्य।संहसः।

युयोथां अग्निः। वीरः। अर्चति। हृमेत। प्रजायमहि। रुद्र। प्रजाभिः। त्वा० दत्तेभिः।
 शं० तमभिः। शतं। हिमाः। अशोय। त्रिषुजिनिः। वि० अस्मत्। द्वेषः। वि० तुरं। वि० अहः।
 वि० अमीवाः। त्वा० तयस्य। विष्णुचीः। अष्टः। जातस्य। रुद्र। श्रिया। असि। तवः। रतमः। तव
 जीवद्वा नाहा इति। वद्वा नाहा। पर्विनिः। पारं। अहंसः। स्वस्ति। विश्वाः। अग्नि० इतीः।
 रपसः। युयाधिः। मा। त्वा। रुद्र। बुक्रुधामै। नमः। रनिः। मा। दुः। रस्तेती। वृषज। मा। स० ह०
 ना। उत्त। नः। वीरान्। अर्पय। त्रिषुजिनिः। त्रिषु० तमं। त्वा। निषजां। शृणाभि। रुती०
 वि०। रुवात। यः। रुविः। रनिः। अव। स्तामभिः। रुद्रं। दिषीया। रुद्रदरः। सु० रुवः। मा। नः।
 अ० स्ये। वक्रः। सु० शिप्रः। शीरधत्। मनायो। १५। उत्त। मा। ममद। वृषजः। मरुत्वान्। त्व
 ही० यसा। वयसा। नाधमानां वृणा। इवे। कायां। अरपाः। अशीया। आ० विवा। स्यं। रुद्रस्य।

तेतेतेतेते रुद्रमुन या ऊँ न या ऊँ रुद्रमुन या ऊँ ॥

सुमं। धो। स्यः। त। रुद्र। मृ। न। या। ऊँ। हस्तः। यः। अस्ति। त। न। धजः। ज। न। सः। अप० न। त्ता। र। प। म०।
देव। स्य। अ। नि। नु। मा। वृष। न। न। रु। मी। ध्याः। प्रा। व। न। वा। वृष। ना। या। श्वि। ती। च। मृदः। मृदो।
सु। क्त। ति। ई। र। या। मि। न। म। स्यो। क। ल्म। ली। किनं। न। मः। र। निः। गृ। णी। म। सि। त्व। षं। रुद्र। स्य। ना। प्र। सि।
र। निः। अं। गेः। पुरु० रूपः। उग्रः। वृ० ऋः। शु० क्र। निः। पि। पि। श। हिर। ण्येः। ई। श। ना। त्। अ।
स्य। नु। व। न। स्य। नृ। गः। ना। वे। जं। इति। प्या। ष। त्। रुद्र। त्। असुर्ये। अर्हन्। बि। न। वि। सा। क।
कानि। धन्वी। अर्हन्। निष्कं। यजतं। विश्व० रूपं। अर्हन्। इदं। दय। सा। विश्वं। अन्वं। ना। ये।
उ० गी। यः। रुद्र। त्वत्। अस्ति॥ ॐ। क्तु। हि। श्रुतं। ग० र्त्त० सदे। युवा० नं। मृ० गं। न। भी० मं। उ० प० म०
तुं। उग्रं। मृ० लै। ज० रि। त्र। रुद्र। क्तवा० नः। अ० न्या। त। अ० स्मत्। नि। वृ० पं० नृ। सनाः। ऊ० मारः।
चि० त्। पि० त० रं। वंदमानं। प्रति। तै० नाम। रुद्र। उ० प० यंतं। नृ० गः। दा० तारं। सत्० पतिं। गृ० णी।

१०१

या

सं

ष।स्तुतः॥त्वं।नेषजा।रासि।अस्मेइति।या।वः।नेषजा।मरुतः॥शु।वीनि।शं०तमा।वृ
 धणः॥या।मयः॥अ।यानि।मनुः॥अवृणीती।पिता।नः॥ता।शं।वा।याः॥वा।रुद्रस्य।
 वा।श्मि।प्रशिनेः॥रुतिः॥रुद्रस्य।वृक्षाः॥प्रशि।त्वयस्य।दुः॥मतिः॥मही।गात्र।अव।स्ति
 रा।मधवत्०भ्यः।तनुश्च।मीदुः॥ता।काय।तनयाय।मृत्।एव।बान्नाइति।वृषन।चमि
 तान।यथा।दव।न।रुणी।षान।हंसि।रुवन०श्रुत।नः॥रुद्र।इहा।बाध।तदा।धमगा
 रा।मरुतः॥धृस्नु०उरुसः॥मृगाः॥न।शीमाः॥तविषीनिः॥अचिनः॥अग्रयः॥न।शुशु
 न।नः॥रुद्र।षिणः॥नृमिं।धर्मंतः॥अप।गाः॥अवृण्वत।द्यावः॥न।स्वृ०निः॥चितयंत
 स्वादिनः॥वि।अत्रियाः॥न।कृतयंत।वृष्टयः॥रुद्रः॥यत्तावः॥मरुतः॥रुक्म०वद
 सः॥वृषा।अजनि।ष्टस्याः॥शुक्र।ऊधनि।उहंत।अश्वान्।अत्थान्।इवा।आशि

रुद्रहेमवि
 वेगलुप

सु। नदस्य। कार्त्तः। उरयंता। आनु० निः। हिरण्य० शिप्राः। मरुतः। दविधतः। पृश्नः।
 प्राय। पृषतीनिः। स० म० न्यवः। पृश्नः। ता। विश्वा। भुवना। ववहिर। मित्राय। वा। स० दः।
 आ। जी० र० दानवः। पृषत० अश्वासः। अनव० राधसः। रुजिप्रासः। न। वयुनसु।
 धू० स० दः। इध० न्य० निः। धनु० निः। रश्ना० इध० निः। अ० ध० स्म० निः। प० धि० निः। आ० जन०
 ० रु० ह० यः। आ० ह० सा० सः। न। स्व० स० रा० ति। ग० त० न० म० ध० सः। म० द० य० म० रु० तः। स० म० न्य० वः।
 ॥ १६ ॥ आ० नः। ब्र० ह्वा० ति। म० रु० तः। स० म० न्य० वः। न० रा० न० शं० सः। स० व० न० नि। ग० त० न० अ० श्वा०
 ० इ० व० पि० य० त० ध० नुं। ऊ० ध० नि। क० र्त्त० धि० यं। न० रि० त्र। वा० ज० प० श० सं० तं० नः। दा० त० म० रु० तः।
 वा० जि० नं। रा० य० आ० पा० नं। ब्र० ह्वा० चि० त० य० न० दि० व० दि० वे। इ० ध० स्ता० न० न्यः। वृ० ज० न० भु० का १०८

रवे। सनि। मधां। अरिष्टं। दुस्तरं। सहः। यत्। युंजत। परुतः। रुक्म० वृक्षसः। अश्व
 नृ। रायषु। नाग। आ। सु० दानवः। अधनुः। नाशि। स्यसं। पि० चत। जनाय।
 रत० हविष। म० ह०। दृष्य। यः। नः। मरुतः। वृक० ताति। मर्यः। रि० उः। दा० धा। वसवः।
 रक्षतै। रिषः। वर्तयत। तक्षुषा। भुक्रिया। अ० नि० तं। अव०। रुद्राः। अशसः। हंतनै।
 वधि० रिति। चित्रं। तत्। वः। मरुतः। यामावेकिते। वृश्वाः। यत्। ऊधः। अपि। आप
 यः। दुरुः। यत्। वा। निदानवमानस्य। रुद्रियाः। त्रितं। जराय। जुरतां। अ० द० न्याः। २०।
 तान्। वः। म० ह०। मरुतः। ए० व०। या० म०। वि० म्नाः। ए० व०। प्र० नृ०। अ० ह०। वा० म०। हिरण्य० व
 ण्मि०। क० ऊ०। हान्। यत्। त० स्त० वः। ब्र० ह्म०। ए० यं० तः। शं० स्य०। रा० धः। इ० म०। दा०। त। द० श०। वाः। प्र० य

माः॥युक्तं।अहिर।त।नः॥दिनंत्रु।उषसः॥वि०उष्टिष्णु।उषाः।न।रामैः॥अरुणेः॥
अप।ऊर्णत।महः॥ज्यातिषा।श्रुचता।गो०अर्त्तसाते।ह्वाणीनिः॥अरुणेनिः॥
ना॥अंजि०निः॥रुद्राः॥कृतस्य।सदनसु।वैद्यधुः॥नि०मघमानाः॥अत्येन।पा
जसा॥सु०वेंदं।वले।दधि।मु०पशंसं।तान्।इयानः।महि।वरूथं।ऊतय।उ
मा॥प्र।इन्।एना।नमसा।गृणी।मस्त्रि।त्रितः॥न।यान्।पंच।वेम्।हान्नन्।अभिष्ट
य।आ०ववर्तन्।अवरान्।चक्रिया।अवास।यया।रभ्रां।पारयथ।अति।अं
होयया।निदः॥मुंचय।वंदितारं।अर्वची।मा।सरुतः॥या।वः।ऊतिः।उदति।स्तु॥ १०५
वा॥आ॥इव।सु०मतिः॥जिगात्रु॥२॥उषाई॥असृष्टि।वाज०युः॥वचस्यां।वनः॥

दधीता नद्यः॥ गिरः॥ म॥ अपां नपात॥ आशु॥ हमा॥ ऊवित्॥ सः॥ सु॥ पश॥ सः॥
 रति॥ आषिषत्॥ हि॥ इमं॥ सु॥ आस्मे॥ हृदः॥ आ॥ सु॥ तष्टं॥ मंत्रं॥ वा॥ वम॥ ऊवित्॥
 त्प॥ यदत्॥ अपां नपात॥ असुर्यस्य॥ पक्षा॥ विश्यानि॥ अर्यः॥ उवना॥ ज॥ जान॥ सः॥
 यंति॥ उप॥ यंति॥ अन्याः॥ समानं॥ ऊर्वं॥ नद्यः॥ पृणंति॥ तं॥ ऊं॥ इति॥ सु॥ वि॥
 म॥ यः॥ दी॥ दि॥ वां॥ सः॥ अपां नपातं॥ परि॥ त॥ सु॥ आपः॥ तं॥ आस्मे॥ राः॥ यु॥ व॥ न॥
 उ॥ तं॥ मृ॥ मृ॥ अ॥ मानाः॥ परि॥ यंति॥ आपः॥ सः॥ शु॥ त्रि॥ निः॥ शि॥ क॥ निः॥ ए॥ व॥ त॥
 स्म॥ इति॥ द॥ द॥ य॥ अनि॥ ध्र॥ घ॥ त॥ नि॥ नि॥ क॥ अप॥ सु॥ आस्मे॥ ति॥ स्रः॥ अ॥ य॥
 यो॥ ना॥ शीः॥ द॥ वा॥ य॥ प॥ द॥ वीः॥ दि॥ धि॥ वंति॥ अ॥ न॥ स॥ ताः॥ इ॥ व॥ उप॥ हि॥ प्र॥ स॥ स्त्री॥ अ॥

० सु। सः। पीयूषं। धयति। पूर्व०। सूनां। २२॥ अथस्य। अत्र। ऊनिमा। अस्या। नृपचः। दुहः।
रिपः। सं० पृ० वः। पाहि। सूरिना। आमासु। शृङ्गिपरः। अप्र० मृषां। न। असंयः। वि।
न० नृ। न। अमृतानि। प्वा। आ। दामा। सु० दुघा। यस्या। धनुः। स्वधां। पीपाय। सु० भु।
० नो। अत्रि। सः। अषां। नपात्। ऊर्जयन्। अप० सु। अंतः। वसु० दयाय। विधात। वि।
नाति। यः। अप० सु। आ। भुचिना। देव्यन। सुत० वा। अजस्रः। उर्विषा। वि० नाति।
वयाः। इत्। अन्ना। भुवनानि। अस्या। प्र। नायंत। वीरुधः। च। प्र० जानिः। अषां। नपा
त्। आ। हि। अस्मात्। उप० सु। जिह्वा नो। ऊर्ध्वः। वि० घृतं। वसानः। तस्य। ज्येष्ठं। प
हिमानं। वहंतीः। हिरण्य० वर्णः। परि। यंति। यक्षीः। हिरण्य० रूपः। सः। हिरण्य० सं
दृक्। अषां। नपात्। सः। इत्। ऊर्ध्वं। हिरण्य० वर्णः। हिरण्ययात्। परि। यानः। नि० सै

ॐ॥ हिरण्य० दा० ददति॥ अन्नं॥ अस्मि॥ २३॥ तत॥ अस्या॥ अनीकं॥ उत॥ चाह॥ नामा॥ अघी
 यं॥ व० द० तान० कः॥ अ० पा० यं॥ इ० ध० त॥ यु० व० त० यः॥ सं॥ इ० छा॥ हिरण्य० व० र्णं॥ दृ० तं॥ अ० न्नं॥ अ
 य॥ अ० स्मे॥ व० क्त० नां॥ अ० व० मा० य॥ स० र० ण्य॥ य० द्विः॥ वि० ध० मा० न० म० स॥ ह० विः० र० त्रिः॥ सं॥ स॥
 नु॥ मा० र्जि॥ दि० धि० षा० मि॥ बि० त्तिः॥ द० धा० मि॥ अ० न्निः॥ परि० व० द॥ अ० क० निः॥ स॥ इ० वृ० षा॥
 अ० ज० न० य० त॥ ता० सु॥ ग० न्नी॥ स॥ इ० शि० श्रुः॥ ध० य० ति॥ तां० रि० हं० ति॥ ०॥ अ० न० नि० स्त्रा० त० व० र्णः॥ अ०
 न्य० स्य० इ० व॥ इ० ह॥ त० न्वा॥ वि० व० ष॥ अ० स्मि० न्॥ पा० द॥ प० र० मा० त० स्त्रि० वां० सं॥ अ० ध० स्य० निः॥ वि०
 च० ह॥ इ० दि० वां० सं॥ आ० पः॥ ना० त्रि॥ दृ० तं॥ अ० न्नं॥ व० हं० तीः॥ स्य० यं॥ अ० किः॥ परि० दी० प्र० नि॥
 य० क्तीः॥ अ० य० इ० व० सं॥ अ० य॥ सु० ह्ति॥ ज० ना० य॥ अ० य० सं॥ ज० द० ति॥ म० ध० व० त० म्यः॥ अ० नु॥
 ० वृ० त्ति॥ ०॥ २४॥ उ० न्नं॥ हि० न्वा० नः॥ व० सि० ह्नी० गाः॥ अ० पः॥ अ० धु० ह० न्॥ सी॥ अ० वि० निः॥ अ०

सोऽत्रापा
 नपाग०

तद्दृष्टं०

द्विर्नः॥नरः॥पिब॥इंद्र॥स्वाहा॥प्र०कृतं॥वर्ष०॥रुतं॥होत्रात्॥आ॥सामं॥प्रथमः॥
 यः॥इशि॥ष॥यज्ञः॥सं०मे॥श्राः॥वृषतीनिः॥रुष्टि०॥त्रिः॥ग्रामनू॥शुन्नासः॥अंजि॥
 शिवाः॥उत॥आ०सधै॥बहिः॥परतस्य॥सूनुवः॥प्रात्रात्॥आ॥सामं॥पिबत॥दिवः॥
 नरः॥अमा॥इवानः॥सु०इवाः॥आ॥हि॥गंतन॥नि॥बहिवि॥सदतन॥रणि॥हृन॥
 यै॥मंदस्य॥जुजुषाणः॥अंधसः॥त्वष्टः॥दवनिः॥जनि०॥त्रिः॥सुमत्०॥गणः॥आ॥
 वशि॥इवान॥इरु॥विप्र॥यक्षि॥व॥उशन्॥होत॥नि॥संद॥या॥नि॥शु॥त्रि॥शु॥प्रति॥
 वा॥हि॥प०॥छितं॥सामं॥प्रधु॥पिब॥आ॥त्री॥ध्रात्॥तव॥नागस्य॥वृक्ष॥हि॥एष॥इ॥स्य॥
 तात्॥तन्वः॥नृ०॥वर्द्धनः॥सरुः॥तुजः॥प्र०॥दिवि॥वा॥क्राः॥हितः॥उ०॥म्यं॥सुतः॥म॥
 य०॥वन्॥बु०॥म्यं॥आ०॥नृतः॥स्वा०॥अ०॥स्य॥वा॥स्य॥आ॥इ०॥पत्॥पिब॥जु०॥पथां॥

पञ्चो बोधतां हवस्य। म। सत्तः। फाता। नि० वि० दः। सुवाः। अनु० अ० छै। रा० ज्ञाना। न
 म० वि० ति। आ० वृत्त०। प्र० शास्त्रात्। आ० पिवत्त०। साम्प०। मधु॥ २५॥ इति पंचदशोऽध्या
 यः॥ मंदस्व। हात्रा० अनु०। जाष०। अंधसः। अंधयवः। सुः। ह्रस्व०। चि० वि०
 व०। सि० व०। त०। स्मे०। एत०। न० र० त०। त० व० शः। द० दि०। हात्रात्। साम्प०। द्रविणः॥ २६॥
 व० स० उ०। नि० यं। ज० इति। पूर्वी०। अ० क्रा० वा० तं। इ० दं। क्रा० वा० सः। इ० त०। ज० इति। ह० व०। द० दि०।
 व०। ना० म०। प० त०। अ० ध० य०। नि०। प्र० स्मि० तं। साम्प०। मधु॥ पात्रात्। ० मे० धं०। त०।
 व०। यः। म० नि०। इ० य०। म०। अ० रि० ष०। न०। वी०। य०। य०। व०। न०। स०। त०। अ० य०। य०। धा०। ह्रा०। इति॥
 अ० रि०। म०। य०। त्वा०। न०। ह्रा०। त्वा०। अ० पा० त्। हात्रात्। उ० त०। पात्रात्। अ० म० त्। उ० त०। न०। ह्रा०। त्।
 अ० ज०। ष०। त०। य०। यः। ह्रि० तं। तुरी० य०। पात्रा०। अ० मृ० त्। अ० म० त्। द्रविणः॥ २७॥ पिवन्तु। न

विष्णुः सतः । अयं चिं । अथा यय्यं । नृ० वाहनै । रथं । पुंजायां । इहावां वि० मोचनं ।
 तं । हवींषि । प्रधुना । आहि । कं । गतो । अथा सामं । दिवतां वाजिनो वसूदति वाजिन
 नृ० । जाषि । आयु । सं० द्यां । जाषि । आ० दुति । जाषि । ब्रह्म । ऊन्यं । जाषि । नृ०
 विष्णुभिः । विश्वान् । रुनुना । वासा इति । मरुः । उशन । देवान् । उशतः । पायय
 हवीं । उत् । ऊदति । स्थे । देवः । सुविता । सुवाय । शश्चत् । तमे । तन् । अथा
 नृ० । अश्चात् । नूनं । देवत्यः । विदिधाति । रन्नो । अथा । आ । अन्जत् । वीति । हा
 न । स्वप्नो । विश्वस्प । हि । क्रष्टाय । देवः । ऊर्ध्वः । प्रा । बाहवा । पृथु० पाणिः । सिसेनि
 आपः । वित् । अस्य । घात । आ । नि० मृगाः । अयं । चित् । वातः । रमात् । परि० जमन् ।
 आशु० भिः । चित् । धान् । वि । मुवाति । नूनं । अरीरमत् । अतमानं चित् । एताः । अथा

प्रणी। चित्। नि। आ। यान्। अविष्यां। अनु। ब्रतं। सवित्रः। माकी। आ। अगात्। उ
 नरिति। सं। अयत्। वि० ततं। वयंता। मध्या। कते। नि। अधत्। शक्य। धीरः।
 उत्। सं० हाय। अस्मात्। वि। रुत्तना। अदृष्टः। अरमतिः। सविता। देवः। आ।
 अगात्। नाना। उकांसि। डयः। विश्वं। आयुः। वि। तिष्ठत्। प्र० भवः। शाकः। अ
 यः। ज्येष्ठं। माता। सुनाव। नागं। आ। अधत्। अनु। अस्य। कतं। दूषितं। सवि
 त्। ॥ २॥ सं० आववर्त्ति। वि० स्थितः। जिगीषुः। विश्वेषां। कामः। चरतां। अमा। अच
 त्। शश्यान्। अपः। वि० रुतं। हित्वा। आ। अगात्। अनु। ब्रतं। सवित्रः। देव्यस्य।
 त्वया। हितं। अप्य। अप० सु। नागं। धन्वा। अनु। आ। मृगयसः। वि। तस्युः। वना

नि॥वि०भ्यः॥नकिः॥अस्य॥तानि॥व्रता॥देवस्य॥सवित्रुः॥मिनंति॥यात्०राधर्मा॥वह
 णः॥यानि॥अप्य॥अनि०शितं॥नि०मिषि॥जर्जुराणः॥विश्वः॥मात्तं॥५ः॥व्रजं॥आ
 पशुः॥गात्॥शु०शः॥जन्मानि॥सविता॥वि०आ॥अकुरित्यकः॥नायस्य॥इंद्रः॥व
 ह्मणः॥न॥मित्रः॥व्रतं॥अर्युमाना॥मिनंति॥रुद्रः॥न॥अरातयः॥तं॥इदं॥स्वस्ति॥इ
 त्वा॥द्वं॥सवितारं॥नमः॥रत्तिः॥भगांधियं॥वाऊयंतः॥पुरं०धिं॥नराशंसः॥अ
 पतिः॥नः॥अव्याः॥आ०आय॥वामस्य॥भं०गाय॥रयाणां॥प्रियाः॥देवस्य॥स
 वित्रुः॥स्थामा॥अस्मभ्यं॥तत्॥दिवः॥अत्०भ्यः॥पृथिव्याः॥त्वया॥दत्तं॥काष्णं॥रा
 धः॥आ॥गात्॥शं॥यत्॥स्ता०भ्यः॥आपय॥नव॥ति॥उरु०शंसाय॥सवितः॥
 अरित्र॥३॥ग्रावाणा॥इवा॥तत्॥इत्॥अर्थ॥इत्यु॥इति॥ए०आ॥इव॥वृहं॥निधि

० पंतं। अछ। ब्रह्माणः इव। विदधे। उच्छ० शैसा। दूताः इव। हव्या। ज्ञान्या। पुरु० त्रा। प्रा
 तः श्याना। रथ्याः इव। वीरा। अजाः इव। यमा। वरं। आ। सत्त्व। अथ इति। म। न। इव।
 रि। म। न। इव। तन्वा। शृं नमान इति। दंपती इव। ति। दंपती इव। क्रु० विद। ज। न। शृं
 गाः इव। नाः प्रथमा। गंतं। अर्वाक्। श। फोः इव। जर्जुराणा। तरः रजिः। चक्रवाका
 व। अति। वास्ताः। उस्त्रा। अर्वांश। यातं। रथ्याः इव। शक्रा। नावाः इव। नः। पारयत
 रागाः इव। नन्माः इव। नः। उपधी इव। तत्फपधी इव। प्रधी इव। ति। प्रधी इव। श्वानाः इव।
 नः। अरिषणा। तनूनां। खृगलाः इव। वि० स्वसः। पातं। अस्मान्। वाताः इव। अजु
 यनिघाः इव। रीतिः। अही इव। त्यही इव। चक्रुषा। आ। यातं। अर्वाक्। हास्तोः
 इव। तान्वा। शं० नविष्ठा। पादाः इव। नः। नयतं। वस्य। अछ। छ। उच्छोः इव। मधु।

द्वेन वि
सुवीराः

आस्त्रे। वदता। स्तानोऽइव। पिप्यतं जीवस्य। नः। नासाऽइव। नः। तन्वः। रक्षिताया
कास्मैऽइव। सु० श्रुता। नृतां। अस्मि इति। हस्ताऽइव। शक्तिं। अग्नि। संददीदति सं०
ददी। नः। हामऽइव। नः। सं। अजतं। रजांसि। इमाः। गिरः। अश्विना। युष्म० यंती।
हस्ता। व्रणऽइव। स्व० धिति। सं। शिशु। तं। नैवर्द्धनानि। ब्रह्म। स्तामिं। गृ० सु० मदा० न
॥ अ० क० नू। तानि। नरा। जुहुषाणा। उप। यातं। ॥। सामा प्रषणा। जनना। रयीणां।
जनना। दिवः। जनना। पृथिव्याः। जातो। विश्वस्य। जुवन्स्य। गा० पि०। दवाः। अ०
एव० नू। अमृतस्य। नाहिं। इमो। एवो। जायमानो। जुषंत। इमो। तमांसि। गृ० हता
अ० जुष्टा। अ० न्यां। इंद्रः। प० द्वां। आमा सु। अंतपिति। सामा प्रष० भ्यां। जनत० उ
स्त्रिया सु। सामा प्रषणा। रजसः। वि० माने। स० व० क्रं। रथं। अवि० श्व० मि० न्यं।

तु
न

११४

विष्णुवृत्तं। मनसा। युज्यमानं। तं। जिन्वयः। वृषणा। पंच० रश्मिं। दिवि। अन्यः। स
दनं। वाक्। उवा। पृथिव्यां। अन्यः। अधि। अंतरिक्षा। तो। अस्मभ्यो। पुरु० वारं।
उरु० हं। गयः। पाषां। वि। स्यतां। नानिं। अस्मदिति। विश्वानि। अन्यः। भुवनं।
जान। विश्वं। अन्यः। अग्नि० वहाणः। एति। सामा प्रसाणो। अवतं। धियं। म
या। अयां। विश्वाः। पृतनाः। जयम। धियं। प्रया। जिन्वतु। विश्वं० इन्वः। रयिं। साम
धि० पतिः। दधातु। अवतु। दधी। अदितिः। अनवा॥ ०॥ दु॥ वाया इति। स्य
त। सदस्त्रिणः। रथासः। तनिः। आ। गहि। नियुत्वा नू। साम० पीताय। नियुत्वा
नू। वाया इति। आ। गहि। अयं। शुक्रः। अयामि। त। जंता। असि। सुन्वतः। पृ
हं। शुक्रस्य। अघागा० आशिरः। इंदवाय इति। नियुत्वा तः। आ। यातां। पिबते।

नाना
द्वय
नीग

नराः प्रयं वा मित्रावसृणु सुतः । सामः कृतं वृद्धा मम इत् इह । श्रुतं हव्यं ।
यजानो अनजिं कृता कृता मदसि । उत्तरं तम । मरुत्तं मरुत्तं । आसात इ
नि । आसात इति । अनवं करं । गां मत्तं जं इति । सु । ना । मत्तया । अश्वैः वत् ।
मत्तं । अश्विना । वत्तिः । रुद्रा । नृपाय्यो । नायत् । परः । ना । अंतरः । आ । दधर्षत् । वृ
त्तवत् । मृदति वृषणं वसू । दुःशंसः । मर्त्यः । रिषुः । ता । नः । आ । वा । लुं । अश्विना
पि । पिशंगं । संदशं । धिक्म्या । वरिवः । रविदो । इंदः । अंगामहत् । नयं । अनि । सेंत् ।
अप । वृच्यवत् । सः । हि । स्रिः । वि । चर्षणिः । इ । इंदः । न । मृज्याति । नः । न । न । न ।
श्यात् । अद्यं । नशत् । मद्रं । नवाति । नः । सुरः । इंदः । आशा । न्यः । परि । सर्वः । न्यः । अ
नयं । कुरत् । जता । शत्रून् । वि । चर्षणिः । वि । स्था । दवा । सः । आ । गत । मृत्तु । तौ । प । इमं ।

हव्यं आ॥ इदं विहि॥ मि॥ सीदत॥ ती॥ प्र॥ वः॥ मधु॥ मान॥ अयं॥ शुन॥ हा॥ त्रे॥ षाम॥
सर॥ एतं॥ पिवत॥ काम्यं॥ नै॥ ए॥ अ॥ वि॥ त॥ मा॥ नदी॥ त॥ मा॥ प॥ वि॥ त॥ मा॥ सर॥ वति॥
अ॥ प्र॥ श॥ स्ता॥ इ॥ व॥ स्म॥ सि॥ प्र॥ श॥ सि॥ अ॥ व॥ नः॥ रु॥ धि॥ त्व॥ इति॥ वि॥ श्वा॥ सर॥ स्व॥ ति॥ मि॥
आ॥ यं॥ वि॥ द॥ व्यां॥ शुन॥ हा॥ त्र॥ शु॥ म॥ स्व॥ प्र॥ जां॥ द॥ वि॥ दि॥ दि॥ दि॥ नः॥ इ॥ मा॥ अ॥
न॥ र॥ वति॥ जु॥ घ॥ स्व॥ वा॥ जि॥ नी॥ व॥ ति॥ या॥ ता॥ म॥ न्म॥ गृ॥ स॥ म॥ दाः॥ रु॥ तं॥ व॥ रि॥ प्रि॥ या॥ द॥
जु॥ क॥ ति॥ अ॥ इ॥ तां॥ य॥ इ॥ स्य॥ शं॥ नु॥ वा॥ यु॥ वां॥ इ॥ त॥ आ॥ वृ॥ णी॥ म॥ दा॥ अ॥ मि॥ नः॥
हव्यं॥ वा॥ रु॥ नं॥ धा॥ वा॥ नः॥ पृ॥ थि॥ वी॥ इति॥ इ॥ मं॥ सि॥ ध्रं॥ अ॥ घा॥ दि॥ वि॥ स्मृ॥ शं॥ य॥ इ॥ तं॥ त्व॥
इ॥ य॥ इ॥ तां॥ आ॥ वां॥ उ॥ प॥ स्तं॥ अ॥ रु॥ हा॥ द॥ वाः॥ सी॥ दं॥ त्रु॥ य॥ जि॥ याः॥ इ॥ हा॥ अ॥ घा॥ सो॥ मं॥
पी॥ ता॥ य॥ क॥ नि॥ क्र॥ द॥ त॥ ज॥ नु॥ यं॥ प्र॥ कृ॥ वा॥ णः॥ इ॥ य॥ ति॥ वा॥ चं॥ अ॥ रि॥ ता॥ इ॥ व॥ ना॥ वं॥

सु० मंगलः । व । शकुने । भवा । सि । मा । त्वा । का । चित् । अ । नि । भा । वि । श्वा । वि । दत् ।
मा । त्वा । श्वा । नः । उ । त् । व । धी । त् । मा । सु० पु । र्मा । त्वा । वि । दत् । इ । श्वा । मान् । वी । रः । अ ।
स्त्रा । पि । त्वा । अ । नु । प्र० दि । शं । क । नि । क्र । दत् । सु० मंगलः । भद्र० वा । दी । व । द । इ । ह । न । व ।
मं । द । द । क्षि । ए । तः । गृ । हा । णं । सु० मंगलः । भद्र० वा । दी । श । कुं । त् । मा । नः । स्त । नः । इ ।
मा । अ । ध्र० शं । सः । ॥ ७ ॥ ११ ॥ प्र० द । क्षि । ए । त् । अ । नी । गृ । णं । ति । का । र । वः । व । यः । व । दं । तः ।
सु० या । श । कुं । त । यः । उ । च । द । ति । वा । चो । व । द । ति । सा । म । गाः । इ । व । गा । य । त्रः । वा । त्रि । तः ।
नो । व । अ । नु । प्र । ज । ति । उ । ज्जा । ताः । इ । व । श । कु । नः । सा । म । गा । य । सि । ब्र । ह्म । नु । त्रः । इ । व । स । ल । नः ।
शु । शं । स । सि । ह । वा । इ । व । वा । जी । शि । शु० म । तीः । अ । पि । इ । त्यै । सु । र्व । तः । नः । श । कु । नः । इ । ॥ ११ ॥
आ । व । द । वि । श्व । तः । नः । श । कु । नः । सु । र्व । तः । आ । व । द । नः । त्वं । श । कु । ने । न । द्र । आ ।

सं० ९

११५

वद। तृत्ती। आसीनः। सु० म० ति० वि० कि० द्वि० नः। यत्। उ० त० प० त० नः। वदसि। क० क० रि०
 ॥ यथा॥ ॥ १२॥ इति द्वितीयं मंडलं॥ ॥ ३। सामस्य। मा० त० व० स० व० हि०। अ० य०।
 र० द्वि०। च० क० थ०। वि० द० थ०। य० ज० ध०। द० वा० न०। अ० छ०। दी० घ० त०। यु० ज०। अ० दि०। शं० अ० य०।
 अ० य०। त० न०। जु० ष० स्व०। शं० व०। य० ज०। च० रु० म०। व० र्द्ध० तां। गी०। स० मि० त०। त्रि०। अ० ग्नि०। न० प० त०।
 सु० स्य० न०। दि० वः। श० शा० सु०। वि० द० थ०। क० वी० नो०। गृ० मा० य०। चि० त०। त० वा० स०। ग० त्रु०। ई० श्रु०। म०
 य० द० थ०। मि० धि० रः। श्रु० त० द० हः। दि० वः। सु० व० धुः। ज० नु० म०। पृ० थि० व्याः। अ० वि० द० नू०। ऊ० इति०।
 द० श० ति०। अ० प० सु०। अ० तः। द० वा० सः। अ० ग्नि०। अ० प० सि०। स्व० सृ० णां। अ० व० र्द्ध० न०। सु० व० म०। य०
 स० ज्ञा० य० द्दीः। अ० मृ० तं। ज० ज्ञा० नं। अ० रु० षं। म० हि० त्वा०। शि० नुं। न०। ज्ञा० तां। अ० ग्नि०। आ० रुः। अ०
 श्वाः। द० वा० सः। अ० ग्नि०। ज० मि० म० न०। व० ष० ष० न०। अ० य० त्रि०। अ० णेः। र० जः। आ० त० त०

न्यानः। कर्त्तुः। पुनः। कविः। निः। विवित्रः। शोचिः। वसानः। परिः। आयुः। अपां। श्रियः।
 मिमा। त। हृतीः। अन्तः। तः। वज्राजै। सी। नूनदतीः। अद्व्याः। दिवः। यक्षीः।
 अवसानाः। अनशाः। सनाः। अत्र। युवतयः। स०। पानीः। एके। ग०। की०। द०। वि०। म०।
 ना। ग०। स्ती। स्मिः। अस्य। सं०। हतः। विश्व०। रूपाः। हृतस्य। यानो। स्वव। धा। म०। च०।
 ना०। अस्युः। अत्र। धनवः। पिन्वमानाः। मही। इति। दस्मस्य। माता। समीची। इति। सं०।
 इवी। वज्राणः। मूना। इति। सहसः। वि। अ०। त०। दधानः। शुक्रा। एन०। सा। व०। प्र०। वि०।
 तंति। धरा। मधुनः। हृतस्य। हृषा। यत्र। वै०। हृ०। का। वान। पित्रुः। चित्। ऊ०। धः। त०।
 षा। वि०। द०। वि। अस्य। धराः। असृजत्। वि। धनाः। गुहा। चरंतं। सखि०। निः। निः।
 त्वनिः। दिवः। यक्षी। निः। न। गुहा। व०। नू०। पित्रुः। च०। ग०। नी०। ज०। नि०। च०। व०। नि०। स०।

वीः। एकः। अधयत्। पाप्मानाः। वृक्षे। सपत्नी इति संपत्नी। शुवप्य। सर्वधूइ
 तिसंबंध। उत्तइति। अस्मे। मनुष्य इति। नि। पाहि। ॥ ४॥ अर्द्धः॥ ॥
 ॥ उरु। महान्। अनि० बाधे। ववर्द्ध। आपः। अग्निं। यशसः। मोहि। अर्द्धः॥
 सतस्या। पानो। अशयत्। दमूनाः। जामीनां। अग्निः। अपसि। स्वसृणां।
 अर्द्धः। न। वन्निः। सं० इषामहानां। दिदृक्षेयः। सुनाव। नाः॥ रू० कीकः। उत्त
 विधाः। जनिता। यः। जजान। अपां। गत्रिः। नृ० तमः। यक्षः। अग्निः। अपां। गत्रिः॥
 दर्शितं। पुषधीनां। वना। जजान। सु० भगा॥ वि० रूपं। द्वासः। चित्। मनसा। सं।
 हि। जग्मुः। पनिष्ठं। जातं। तवसं। दुवस्यन्। बृहंतः। इत्। भानवः। भाः॥ रू० जीकं। अ
 ग्निं। सं० चतुर्विधं। तः। न। शुक्राः। गुहा। इव। वृद्धं। सदसि। स्व। अंतः। अपाप।

ऊर्वे। अमृतं। डहानां। ईले। च। त्वा। यजमानः। इविः। रत्निः। ईले। सखि० त्वं। सु० म०
 ति०। नि० का० मः। इविः। अ० वः। मिमीहि। सं। ज० रि० त्र। र० द्वा। च। नः। दाम्प० निः। अ० नी० वे
 ॥ १५ ॥ उप० हृतारः। तव। सु० प्र० नी० त। अ० ग्रा। वि० श्वानि। ध० न्या। द० धा० नाः। सु० ० रत्न
 सा० म० श्रव० सा। उ० ज० म० नाः। अ० नि। स्या० म०। वृ० त० ना० म० न०। अ० दि० वा० न०। आ०। द० ल० न०।
 अ० न० वः। क० त्रुः। अ० ग्रा। म० द्रः। वि० श्वानि। का० व्या० नि। वि० द्वा० न०। प्र० ति०। म० त्त० नि०। अ० वा
 स० यः। द० ह० नाः। अ० नु०। द० वा० न०। र० थि० रः। र्य० सि०। सा० ध० न०। दु० रा० लो०। अ० मृतः। म० र्थी० नां। नि०।
 राजा। स० मा० द०। वि० द० था० नि। सा० ध० न०। वृ० त० प्र० ती० कः। उ० र्वि० या०। वि०। अ० धो० त०। अ० थिः।
 वि० श्वानि। का० व्या० नि। वि० द्वा० न०। आ० नुः। ग० हि०। स० रा० व्य० निः। शि० वा० लीः। म० हा० न०। न० ही
 मिः। उ० ति० निः। स० र० ण० न०। अ० स्म० द० ति०। र० थि०। वृ० द्वा० लं। सं० त० रु० त्रं। सु० वा० वं। ना० गं।

युशसं। रुधि। नः। एता। त। अग्रजनिमै। सनानि। प्र। प्रव्यायि। नूतनानि। वा
वुं। मरुंति। वृष्म। सर्वना। रुता। इमा। जन्मन० जन्मन०। नि० हितः। जात० व० दाः।
॥०॥ विश्वामित्रिः। इध्यत। अजस्रः। तस्य। वयं। सु० मातै। यज्ञियस्य। अ
पि। न० द्र॥ नो। मन० स। स्याम। इमं। यज्ञं। सरुसा० व० न०। त्वं। नः। एव० त्रा। धि। हि।
रु० रुता। इति। सु० रुता। शरणः। प्र। यंसि। ह्यतः। वृहतीः। इषः। नः। अग्र०। म० हि।
इवि०। आ०। य० ज० स्य। इ० जा०। अ० प्र०। पु० रु० दं स०। स० नि०। गाः। श० श्रुत० त० मं। ह० व० मा
नाय। सा० ध०। स्यात० नः। स० नु०। त० न० यः। वि० जा० व०। अ० प्र०। सा० त०। सु० प्र० तिः। अ० नु०।
अ० स्म० ति० इ०॥ १६॥ वे० श्वान० ग० य०। धि० प्र० णं। रु० त० वृ० धि० घृ० तं। न०। प्र० तं। अ० ग्र०। य०। ज० ना
म० सि०। धि० ता०। हा० ता० रं। म० नु० षः। व०। वा० ध० तः। धि० या०। र० थं। न०। अ० लि० शः। स०। रु० ए० व

ति। सः। मोचयत। जनुषा। पादसी इति। उने इति। सः। मात्रोः। अत्रवत। पुत्रः।
 अत्रवत। वाट। अग्निः। अजरः। चक्रः। रदितः। दुः। रदेन। विशां। अतिथिः। धि
 ना० वसुः। कत्वा। दहस्य। तस्यः। वि० धर्मलि। दवा सः। अग्निः। जनयेत्। वि
 ति० तिः। रुचानं। भानुना। ज्यतिषा। महां। अत्यं। ना। वाजं। सनिष्यन्। उच्यते
 । अ०। मंडस्य। सनिष्यंतः। वारण्यं। वृणीमह। अद्रुयं। वाजं। रुग्मिषां। राति
 भृगूणां। उशिजं। कवि० कर्तुं। अग्निः। राजतं। दिव्येन। शाविषा। अग्निः। सुखा
 यो। धि। पुरः। जनाः। वाज० अत्रवसं। इह। वृक्त० बहिषः। पत० सुवः। सुवः
 वं। विश्व० दयं। रुद्रं। यज्ञा नो। साध० तदृष्टिं। अत्रवसं। अ०। पावक० शा
 तव। हि। कयं। परि। हतः। यज्ञसु। वृक्त० बहिषः। नरः। अत्र। उच्यते। दध

मीनोः सः ॥ आपः उपः आसतः । प्रविणोः । अधि । तमः ॥ आ । रा । दसी । इति । अष्ट । एतः ।
 आ । मः । मरुतः । जातः । यतः । एनः । अप्रमः । अधु । रायः । परि । नी । यतः । कविः । अत्यः ।
 ना । वा । ज० । सात । य । वनः । रहितः । नमस्यतः । रुव्य० । दातिः । सु० । अष्ट । रः । दुवस्यतः । प
 म्यो । जात । ववदसं । रथीः । अतस्य । अरुतः । वि० । वषाणिः । अग्निः । दवानां । अन
 तः । अरुतः । रहितः । तिस्रः । यदस्य । सं० । दधः । परि० । जमनः । अग्रः । अग्रनः । उशि
 जः । अमृत्यवः । तासां । एकां । अधुदेः । मत्तः । अजं । अं । इति । लाकं । अं । इति । अ
 प । अमिं । इयत्रुः । विशां । कविः । विशपतिः । मानुषीः । दधः । सं । सं । अरुतः । एतः ।
 धितिः । ना । तद्रास । सः । उत्त० । वतः । नि० । वतः । याति । विविषतः । सः । जने । एतः । उ
 वानभु । दोधुरतः । तसः । जिचते । अह । एतः । प्रज । जि० । वानः । वषा । चित्रः ।

वसुदेवादिमानाविहृष्ये॥१॥

नानदत्तानासिंहः। विद्यानरः। पृथुपाजाः। अमर्त्यः। वैद्यानरः। प्रत्नः। धा। नाका।
आ। असुदत्त। दिवः। पृष्ठं। अंदमानः। सुमन्मन्निः। सः। पूर्ववत्। जनयन्। जंतव। ध
नं। समानं। अन्मो। परि। एति। जागृविः। सुतं। वानं। यज्ञियां। विप्र। उद्यो। आ। यं। दत्त।
मातरि। श्या। दिवि। हयं। तं। चित्रं। यामं। हरि। कशं। ईमाह। सु० दीतिं। अग्निं। सुवि
तायं। नव्य। सा। सुवि। न। यामन्। इषिरं। स्वः। दृशं। कुत्रं। दिवः। राचुन० सु०। सुवः
सुधं। अग्निं। मूर्धनिं। दिवः। अप्रति० सु० तं। तं। ईमाहि। नमसा। वाजिनं। बृहत्। मं
द्रं। हातारं। सुविं। अद्वयाविनं। दम्भनसं। उक्तं। विश्व० वर्षतिं। रथं। न। चित्रं। व
सुपाय। दर्शितं। मनुः। रहितं। सदा। इतरा। ययः। ईमाह॥१॥ विद्यानराय। पृथु० रा
जस। विपः। रत्ना। विधंत। धरुणाशु। गतव। अग्निः। हि। दवान्। अमृतं। दुवस्य

ति। अथै। धर्माणि। मनता। न। दूषत। अंतः। दूतः। रोदसी इति। दस्मन्। इय
 ता। हाता। नि० सैत्रः। मनुषः। पुरः। रहितः। हयं। बृहंतो। परि। नृषति। य० मिः। य
 विनिः। अग्निः। इषितः। धिया० वसुः। कुडुं। यज्ञानां। विदथस्य। साधनं। विधा
 नः। अग्निं। परुयंत। चित्ति० मिः। आपासि। यस्मिन्। अधि। सं० दधुः। गिः। तस्मि
 न्। दुःमानि। यजमानः। आ। च। क। पिता। यज्ञानां। असुरः। विपः। रचितां। वि० मा
 नं। अग्नेः। वयुनां च। वाघतां। आ। विवेश। रोदसी इति। नृरि० वर्षसा। पुरु० प्रि
 यः। नंदनः। धामा० मिः। कविः। वृंद्रं। अग्निं। वृंद्रं। रथं। हरि० व्रतं। वेश्यानुरं। अप
 सु० सैद। स्वः। विदं। वि० गाहं। तस्मिन्। तविषाजिः। आ० वृतं। नृत्ति। दवासः। इह

सु० अयं। दधुः॥२०॥ अग्निः। देवेभिः। मनुष्यः। वज्रं० निः। तन्वानः। यज्ञं। पुरु०
 यशसं। धिया। रथीः। अंतः। ईयात्। साधदिष्टि० निः। जीरः। दमूनाः। अग्निशस्त्रि० वा
 तनः। अग्ने। उरस्व। सु० अयात्। आयुनि। ऊर्ज्ज। दिवस्व। सं। द्रवः। दिदीहि। नः।
 वयं। सि। जिन्व। वृहत्तः। व। जागृ। व। उक्तीक। दवानां। असि। सु० नृत्रुः। विष्णो। विश्व
 हिं। यक्षं। अपतिथिं। नरः। सदा। संतारं। धीनां। उशिजे। वा। वाद्यतां। अक्षु। मरणां। चे
 तनं। जात०। वेदसं। प्र। शं। संति। नमसा। ऊर्ति० निः। वृधा। विन्वृ० वा। दयः। सु०
 ए। परि। द्वितीः। अग्निः। वज्रव। शवसा। सुमत्० रथः। तस्य। व्रतानि। नृदि०
 पात्रिणः। वयं। उप। नृषमा। दम। आ। सुवृत्ति० निः। विश्वानर। तव। धाम। नि। १२९
 आ। वाक्। अग्निः। स्वः। रवित०। अन्नवः। वि० वज्रण। जातः। आ। अष्टुणः। नुवना

नि। रोदसी इति। आग्रा। ता। विश्वा। परि० भूः। असि। त्मना। वे। श्वानरस्य। दंसना। न्यः।
बृहत्। अरिणात्। एकः। सु० अपस्यया। कविः। उना। पितरा। महयन्। अजायत।
अग्निः। शावापृथिवी इति। अरि० रतसा। २॥ समित्० समित्। सु० मनोः। त्वा
धि० अस्मत्ति। शुवा० शुवा। सु० मति। रासि। वस्यः। आ। देव। देवान्। यन्थाय।
व। से। सखा। सखीन्। सु० मनोः। यहि। अग्रा। यं। देवासः। त्रिः। अहन्। आ० य
जोत। दिव० दिव। वसन्तः। मित्रः। अग्निः। सः। इमं। यज्ञं। मधु० संतं। रुधि। नः। त
नृ० नपात्। द्यूत० यानि। विधन्तं। प्रादीधितिः। विश्व० वारी। जिगाति। फातरं। इ
जः। प्रथमं। यज्ञाध्ये। अर्च० नमः। निः। वृषन्। वदध्ये। सः। देवान्। यज्ञतः। इ
षितः। यज्ञीयान्। ऊर्ध्वः। वा० गात्रः। अधो० अकारि। ऊर्ध्वी। शावीषि। प्र० स्थिता।

ॐ सि॥ दिवः॥ वा॥ ना॥ भ्रा॥ नि॥ अ॥ सा॥ दि॥ हा॥ ता॥ स्मृ॥ णी॥ महि॥ दे॥ व॥ वा॥ वा॥ वि॥ ब॥ हि॥ स॥ स॥ हा॥
ना॥ लि॥ म॥ न॥ सा॥ वृ॥ णा॥ ना॥ इ॥ न्य॥ तः॥ वि॥ श्वं॥ प्र॥ ति॥ य॥ नू॥ स॥ त॥ न॥ नृ॥ प॥ श॥ सः॥ वि॥ द॥ थ॥ सु॥ प्र॥
जा॥ ताः॥ अ॥ नि॥ इ॥ मं॥ य॥ इ॥ वि॥ च॥ रं॥ ति॥ प्र॥ व॥ हू॥ ॥ २२॥ आ॥ ज॥ द॥ मा॥ न॥ द॥ त॥ उ॥ ष॥ सो॥ उ॥ पा॥ क॥ इ॥
ति॥ उ॥ त॥ स्म॥ य॥ त॥ इ॥ ति॥ त॥ न्या॥ वि॥ दू॥ प॥ इ॥ ति॥ वि॥ ०॥ रू॥ प॥ य॥ थ्या॥ नः॥ मि॥ त्रः॥ व॥ रु॥ णः॥ जु॥ ङा॥ ष॥ न॥
इ॥ इ॥ म॥ रु॥ त्वा॥ न॥ उ॥ त॥ वा॥ म॥ हः॥ नि॥ दे॥ व्या॥ हा॥ ता॥ रा॥ प्र॥ थ॥ मा॥ नि॥ सं॥ ङा॥ स॥ न॥ इ॥ का॥ सः॥ स्व॥
थ॥ या॥ म॥ दं॥ ति॥ नि॥ र॥ ती॥ निः॥ स॥ ०॥ ज्ञा॥ षा॥ इ॥ ला॥ दे॥ वेः॥ म॥ नु॥ ष्ये॥ निः॥ अ॥ मिः॥ स॥ र॥ स्व॥ ती॥ सा॥ य॥
स्म॥ त॥ निः॥ अ॥ र्वा॥ कू॥ ति॥ स्त्रः॥ दे॥ वी॥ ब॥ हि॥ आ॥ इ॥ दं॥ स॥ दं॥ उ॥ त॥ त॥ नः॥ त्रु॥ स॥ तं॥ शं॥ सं॥ तः॥
स॥ तं॥ इ॥ त॥ त॥ आ॥ कू॥ अ॥ नु॥ व्र॥ तं॥ व्र॥ न॥ ०॥ पा॥ दी॥ ध्या॥ नाः॥ आ॥ ना॥ र॥ ती॥ ना॥ र॥ ती॥ निः॥ स॥ ०॥ ज्ञा॥ षा॥
इ॥ ला॥ दे॥ वेः॥ म॥ नु॥ ष्ये॥ निः॥ अ॥ मिः॥ स॥ र॥ स्व॥ ती॥ ना॥ र॥ स्व॥ ती॥ निः॥ अ॥ र्वा॥ कू॥ ति॥ स्त्रः॥ दे॥ वी॥ ब॥ हि॥

आ॥ इ॥ स॥ द॥ त॥ त॥ नः॥ उ॥ री॥ प॥ अ॥ ध॥ ण॥ ष॥ पि॥ नु॥ द॥ व॥ त्व॥ ह॥ वि॥ र॥ रा॥ णः॥ स्य॥ से॥ ति॥
स्य॥ स॥ य॥ तः॥ वी॥ रः॥ क॥ र्म॥ णः॥ सु॥ द॥ हः॥ यु॥ क्त॥ ग्रा॥ वा॥ जा॥ य॥ त॥ द॥ व॥ क॥ मः॥ व॥ न॥ य॥ त॥
अ॥ न॥ सु॥ ज॥ उ॥ प॥ द॥ वा॥ न॥ अ॥ग्निः॥ ह॥ विः॥ श॥ मि॥ ता॥ स॥ द॥ स्या॥ ति॥ सः॥ इ॥ त॥ अ॥ न॥ इ॥ ति॥ ह॥ ता॥
स॥ य॥ ०॥ त॥ रः॥ स॥ ज॥ ति॥ य॥ था॥ द॥ वा॥ न॥ अ॥ नि॥ मा॥ नि॥ व॥ द॥ आ॥ या॥ हि॥ अ॥ ग्रा॥ सं॥ ५॥ धा॥ नः॥
अ॥ वा॥ इ॥ इ॥ क॥ ण॥ द॥ वेः॥ स॥ ०॥ र॥ थो॥ उ॥ र॥ जिः॥ ब॥ हिः॥ नः॥ आ॥ स्तां॥ अ॥ दि॥ तिः॥ सु॥ सु॥ वा॥
त्वा॥ हा॥ द॥ वाः॥ अ॥ मृ॥ ताः॥ मा॥ द॥ यं॥ तां॥ अ॥ प्र॥ ति॥ अ॥ग्निः॥ उ॥ ष॥ स॥ च॥ कि॥ ता॥ नः॥ अ॥ त्वा॥
धि॥ वि॥ प्रः॥ प॥ द॥ वीः॥ क॥ वी॥ नां॥ पृ॥ थु॥ ण॥ जाः॥ द॥ व॥ य॥ त॥ अ॥ग्निः॥ सं॥ ५॥ धा॥ नः॥ अ॥ प॥ द॥ वा॥
म॥ सः॥ व॥ जिः॥ आ॥ व॥ रि॥ त्या॥ वः॥ अ॥ इ॥ त॥ अ॥ न॥ इ॥ ति॥ अ॥ग्निः॥ वें॥ द॥ धू॥ प॥ स्ता॥ प्र॥ तिः॥ अ॥ग्निः॥
स्ता॥ इ॥ णां॥ न॥ म॥ स्या॥ उ॥ क्तैः॥ म॥ वीः॥ ये॥ त॥ स्या॥ सं॥ ५॥ धा॥ नः॥ य॥ क्त॥ नः॥ सं॥ इ॥ त॥ अ॥ धी॥ त॥ उ॥

वसः। वि०। रा०। का०। अ०। धा०। यि०। अ०। गि०। मानुषा०। वि०। सु०। अ०। पा०। ग०। र्गः। मि०। त्रः। क०। तन०। सा०
 धन०। आ०। रु०। यति०। य०। ज०। तः। सा०। नु०। अ०। स्था०। त०। अ०। नृ०। तं। जं०। इति०। वि०। प्रः। रु०। व्यः। मि०। ती०। ना०।
 मि०। त्रः। अ०। निः। न०। वति०। य०। र०। य०। त०। सं०। द०। दः। मि०। त्रः। क०। ता०। व०। रु०। ए०। ज्ञा०। त०। व०। दा०।
 मि०। त्रः। अ०। ध०। य०। इ०। धि०। रः। द०। म०। ना०। मि०। त्रः। सि०। धू०। ना०। उ०। त०। प०। र्व०। ता०। ना०। पा०। ति०। प्रि०। यं। रि०।
 पः। अ०। ग्रं। य०। दं। वः। पा०। ति०। य०। द्वा०। च०। रे०। गं। स०। र्य०। स्य०। पा०। ति०। ना०। ना०। स०। स०। शी०। धा०। रि०। गं।
 अ०। गि०। पा०। ति०। द०। वा०। ना०। उ०। प०। मा०। दा०। रु०। श्वः। र०। धा०। रु०। नु०। व०। क्रे०। इ०। द्य०। वा०। क०। ना०। त०। वा०। वि०।
 श्वा०। नि०। द०। वः। व०। यु०। ना०। नि०। वि०। द्वा०। न०। स०। स०। स्य०। च०। र्मा०। ध०। त०। व०। त०। प०। दं। वा०। त०। त०। इ०। त०। अ०। गि०।
 र०। ह०। ति०। अ०। प्र०। पु०। ष०। न०। आ०। पा०। नी०। अ०। गि०। द्य०। त०। व०। तं। अ०। स्था०। त०। पृ०। थु०। प्र०। गं। उ०।
 शं०। तं। उ०। शा०। नः। दी०। धा०। नः। अ०। धि०। रु०। द्यः। पा०। व०। रु०। नः। रु०। नः। मा०। त०। रा०। न०। व्य०। सा०। न०।

इति कश्चित्तिष्ठः सद्यः जातः त्रुषधीतिः ववन्ते यदि वदन्ति प्र० स्वः च तेन आ
पः ५५ प्र० वताः शुं न मानाः उरुष्यत् अग्निः पित्रोः उप० म्बु उत् जंति
रुतः सं० इधा यदः आद्योत् ववन्ति दिवः अधिना नो दृष्टिवाः मित्रः अ
ग्निः इन्द्रः मातरिश्वाः आदृतः वरुत् यजथाया देवान् उत् अस्तं वीत् सं०
इधा नाकं अद्यः अग्निः नवन् उत् तमः रोचनानां यति नृगु० न्यः पते मात
रिश्वा गुहा संतं हव्य० वाहं सं० इधा ॥ २५ ॥ प्र० कारवः मनसा वव्यमानाः व
वन्ती च नयत् देव० यंतः दक्षिणा० वाद् वाङ्मिनी प्राची एति हविः न रंति प
माय दृता वी आ रोदसी इति अष्टाणाः जायमानः उता प्रो रिक्ताः अधिनु प्र
यजो इति प्र० यज्या दिवः चित् अयामहिता दृष्टिवाः ववन्तां ते वक्रयः

सं०

सुप्त० जिह्वाः॥ धोः॥ वा॥ त्वा॥ ट्थि॥ वी॥ य॥ ज्जि॥ या॥ सः॥ नि॥ हो॥ तं॥ रं॥ सा॥ द॥ यं॥ तं॥ दं॥ मा॥ या॥ च॥ दि॥
वि॥ शः॥ मा॥ नु॥ षीः॥ प॥ व०॥ ये॥ तीः॥ प्र॥ य॥ स्व॥ तीः॥ ई॥ ज॥ त॥ अ॥ कं॥ अ॥ तिः॥ व॥ ह॥ न॥ स॥ ध०॥ क्ठा॥ ध्रु॥
वः॥ आ॥ नि०॥ मे॥ तः॥ अ॥ तः॥ धा॥ वा॥ मा॥ हि॥ न॥ इ॥ ति॥ ह॥ र्य॥ मा॥ ए॥ आ॥ स्कु॥ इ॥ ति॥ स॥ प॥ नी॥ इ॥
ति॥ स०॥ प॥ नी॥ अ॥ ज॥ र॥ इ॥ ति॥ अ॥ मृ॥ क्त॥ इ॥ ति॥ स॥ ब॥ ड्॥ घ॥ इ॥ ति॥ स॥ वः॥ २॥ ड॥ घ॥ उ॥ रु०॥ ग॥ य॥ स्या॥ धे॥
न॥ इ॥ ति॥ व्र॥ ता॥ त॥ अ॥ न्ना॥ म॥ ह॥ तः॥ म॥ ह॥ नि॥ त॥ व॥ क॥ त्वा॥ रो॥ द॥ सी॥ इ॥ ति॥ आ॥ त॥ तं॥ श्र॥ त्वं॥ इ॥
तः॥ अ॥ न॥ वः॥ इ॥ सा॥ य॥ पा॥ नः॥ त्वं॥ ने॥ ता॥ वृ॥ ष॥ न॥ च॥ र्ध॥ णी॥ नां॥ २॥ रु॥ त॥ स्य॥ वा॥ त्वा॥ शो॥ ना॥
या॥ ग्या॥ जिः॥ ध॥ त०॥ स्तु॥ वा॥ रो॥ हि॥ ता॥ धु॥ रि॥ धि॥ श्र॥ अ॥ थ॥ आ॥ व॥ हा॥ प॥ द॥ वा॥ न॥ प॥ द॥ वा॥ वि॥ श्र॥
न॥ सु॥ अ॥ ध॥ रा॥ न॥ ए॥ रु॥ हि॥ का॥ त०॥ व॥ दः॥ दि॥ वः॥ नि॥ त॥ आ॥ त॥ इ॥ व॥ यं॥ त॥ रा॥ कः॥ २॥ यः॥ १२४
वि०॥ ना॥ तीः॥ अ॥ नु॥ आ॥ सि॥ म॥ व॥ कः॥ अ॥ प॥ य॥ त॥ आ॥ न॥ उ॥ श॥ ध॥ क॥ व॥ ने॥ अ॥ फा॥ त॥ म॥ द॥ न्या॥

पुनयेत। द्याः। उरो। वा। ण। अंतरिहे। मदंति। दिवः। वा। यो। रोवने। मंति। देवाः। उ
 माः। वा। ण। सु० रुवा सः। यज्ञाः। आ० यमि। रण्यः। अण्। अ० योः। ० स० रथ्यः।
 पाहि। अर्वाङ्। नाना० रथ्यं। वा। वि० भवः। हि। अ० योः। पत्री० वतः। त्रिंशत०। त्री० र। वा।
 दवान्। अ० योः। आ० वरु। मादयस्य। सः। फाता। यस्य। एदसीदति। चित०। उ० र।
 इति। यज्ञ० यज्ञ०। अ० योः। वृद्धा। गणीतः। प्राचीदति। अ० योः। त० सु० योः। सु० योः।
 ति। सु० योः। सतैवरीदत्युतै० वरी। सत० मातस्य। सत्येदति॥ ०॥ ॥ इति षोडश
 ध्यायः॥

॥ संवत्सप्तदश १७२८ वर्षे कार्तिकमासे शुक्लपक्षे षष्ठांशुत्पति
 पौर्णमासीदिने कंदपदवारस्तथैवोदिसंगमे दु। पचात्तज्जलादकनाकर। रतात्मज
 मातृजीकेन लिखितमिदं। पुत्रपौत्राणां। हरिशंकरतथा। अयानंदकेन पदनां।
 सं। १७२८ वा। कार्तिकवदिषष्ठीशनीदिने दु। मातृजीसुतहरिशंकरेण सुरित॥ सु० न० न०

१२५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशायनमः ॥ ॥ हरिः ३३ ॥ प्राये आरुः शितिः पृष्ठस्य धासेः
आ। मातरा। विविशुः सप्त। वाणीः परिः क्षिता। पितरा। संचरेते इति। प्रासस्वीते
ति। दीर्घ। आयुः। प्रः यक्षे। दिवक्षतः। धेनवः। वृक्षः। अश्वाः। देवीः। आ। तस्मै। म
क्रः मत्त। वहंतीः। अतस्य। त्वा। सदसि। क्षेमः यंतो। परि। एका। चरति। वर्तनि। गौः।
सी। अहत्। सुः यमा। नवतीः। पतिः। चिकित्वात्। रयिः। वित्। रयीणी। प्रा
युः। अतस्य। धासेः। ताः। अतस्य। पुरुधः। प्रतीकः। मक्षि। त्वापुं। अ
युः। यमा। वहंतीः। वहंति। विचंगे निः। दिक्कतानः। सधः।

ॐ ॥ द्यौः इति दसी इति ॥ आ विवेश ॥ ज्ञानंति ॥ वृक्षः ॥ अरुषस्य ॥ शिवोऽतः ॥
 द्यौः ॥ ज्ञानंति ॥ रणंति ॥ दिवः ॥ रुचः ॥ सु ॥ रुचः ॥ रोचमानाः ॥ इत्योऽपि ॥ ग
 ल्या ॥ महिना गीः ॥ ॥ उतो इति ॥ पितृ ॥ न्या ॥ प्र ॥ विदा ॥ अनु ॥ घोष ॥ महः ॥ महः ॥
 न्या ॥ अनु ॥ श्रु ॥ उता ॥ ह ॥ पत्रा ॥ परिधानी ॥ अक्ता ॥ अनु ॥ स्वाधामा ॥ जरितुः ॥
 ववक्षी ॥ अधर्ष्युः ॥ निः ॥ पंचः ॥ निः ॥ सप्ता ॥ विप्राः ॥ विपं ॥ रक्षंते ॥ निः ॥ हितं ॥ पदं ॥ नेरि
 तिवे ॥ प्राचः ॥ मदंति ॥ उक्षणः ॥ अनुप्या ॥ देवाः ॥ देवानां ॥ अनु ॥ हि ॥ वृत्ता ॥ गुरिति
 गुता ॥ वृषः ॥ पंतो ॥ महे ॥ अत्याय ॥ पूर्वीः ॥ वृक्षे ॥ चिन्ता ॥ रश्मयः ॥ सु ॥ यामा ॥ शदेव ॥

॥ १ ॥ होतुं मंदः तरः । चिक्त्वा नमः देवानां रोदसी इति । आदुहा वक्षि । पृथः प्रय
 जः । द्विणः । सुः वानः । सुः केतवः । उपसः । रे वत् । ऊषुः । उतो इति । चित् । अग्ने । महि
 ना । पृथिव्याः । कृतां चित् । एतः । सांमहे । दशस्य । ॥ २ ॥ चूंजंति । त्वां । अधरो । देव
 यंतः । वनस्पते । मधना । दैव्येन । यत् । ऊर्ध्वः । तिष्ठ । द्विणा । इह । धत्तात् । यत् । वा
 सयः । मातुः । अस्याः । उपः स्ते । संः । इहस्य । अयमाणः । पुरस्तात् । ब्रह्मा । वन्वानः ।
 अतः । सुः वीरः । आरे । अस्मत् । अमतिं । बाधमानः । उत । अयस्व । महते । सो न
 गाय । उत । अयस्व । वनस्पते । वर्ष्मन् । पृथिव्याः । अधि । सुः मिती । मीयमानः । व

नृ० आदित्याः रुद्राः वसवः सुः नीथाः द्यावा क्षामाः पृथिवीः चंतरिक्षं सः जोष
सः ऽ यज्ञं । अर्बुतु देवाः ऊर्द्धं । कृण्वंतु । अधरस्य । केतुं । हंसाः ऽ इवा श्रेणिः शः ।
यतानाः । श्रुक्का । वसानाः । स्वरवः । नः । आ । अगुः । उत्तः । नीयमानाः । कविः । निः । पु
रस्तात् । देवाः । देवानां । अपि । यन्त्रि । पाथः । शृंगालिः । इवा । इत् । शृंगिणां । सं । ददृशे ।
चषालः । वंतः । स्वरवः । पृथिव्यां । वाद्यतः । निः । वा । विः । हवे । श्रोषमाणः । अस्मान् ।
अर्बुतु । पृथुना ज्येषु । वनस्पते । शतः । वल्गाः । विरोहा । सहस्रः । वल्गाः । वि । वर्षा । रुहेम् ।
यो । लो । अयं । स्वः । धितिः । ते । जमानः । प्रः । नि । नाय । महते । सौ न गाथा ॥ ४ ॥ सखा यो वा ।

दधुमहे। देवा। मतीसः। कृतये। अपां। नपातं। सुः। नगं। सुः। दीदिति। सुः। प्रतर्हि।
 अनेहसं। कायमानः। वना। त्वं। पत्न्यामातुः। अरुगन्। अपः। ना। तत्तातो। अग्नो। प्रः।
 मृषे। निः। वत्तनं। यत्। दूरे। सन्। इह। अनवः। अति। तृष्टं। ववक्षिष्य। अथाएव॥
 सुः। मनाः। असि। प्रः। प्र। अन्ये। पंति। परि। अन्ये। आसतो। येषां। सख्ये। असि। श्रितः॥
 ईपिः। वांसं। अति। सिधः। शश्वतीः। अति। सश्वतः। अनु। ई। अविंदन। निः। निरासः॥
 अदुहः। अपः। सु। सिंहः। इवा। श्रितं। ससृवांसं। इवा। त्मना। अग्निं। इत्था। तिरः॥
 हितं। आ। एनं। नपत्। मातरिश्वा। पराः। वतः। देवेभ्यः। मथितं। परि॥ पा॥ तां। त्वा। मतीः। अ

न०
४

गृन्नाता देवे न्यः हव्यः वाहन विश्वान् यत् पशून् अग्निः पा सि मानुषा तव
क स्वा य विष्वा तत् न दं तव दं सना पा का या चित् छद पति तां यत् अग्ने
पशवः संः आसते संः इदं अपिः शर्वरे आनुहोता सुः अध्वरं शीरं पावक
शोचिषं आशुं दूता अकिरं प्रत्नं ईदं श्रुषी देवां स पृथ्वा नीलि शता नी
सहस्राणि अग्निं विंशत् च देवा नवा च अस पृथ्वा औक्षन् घृतेः अस्त
एन बर्हिः अस्मै आता इता होतारं नि असा दम्यता द्या तां अग्ने मनीषि
संः सतां च षष्ठीनां देवां मनीषः दं धतो सं अश्वरो तां पशून् रुविजं अग्ने

+

तमोऽहं लोको जगत्स्यो दीर्घि। स्त्रोदमोऽसः। यः तो दस शति संऽहं लोका
 तः वेदं सः। यः अग्ने। धत्ते। सुऽवीर्यं। सः पुष्पति। सः केतुः। अधराणां। अग्ने
 विनिः। आगमत्। अं ज्ञानः। स प्रो होतुः। निःहविष्मते। प्रा होत्रे। पूर्यं। वने। अग्ने
 यो। नरता। बृहत्। विपां। न्योतीषि। विन्नेतो नावेधसे। ॥ अग्निं। बर्हं तु। नः। गिरः।
 यतः। जायते। उक्थाः। महे। वा जाय। द्रविणया दर्शतः। अग्ने। यजिष्ठः। अधरो। ॥
 होता। मंदः। विराजुसि। अति। सिधः। सः। नः। पावक। दीर्घि। द्यः। मत्। अस्मेद
 ति। सुऽवीर्यं। नगी स्तोतुः। न्यः। अंतमः। स्वस्तये। तां। त्वा। विप्रो। विपन्यवः। जागृ

हे वीर

ह.
५

वांसः। सं। इं धते। हव्यः वाहं। अमर्त्यः। संहः। व धं। ॥ अग्निः होता। पुरः। हि
तः। अधरस्य। विः चर्षणिः। सः। वेदा यज्ञं। आनुषक। सः। वेदा यज्ञं। आनुषक।
सः। हव्यः वाहं। अमर्त्यः। उशिक। दूतः। चनः। हितः। अग्निः। धिया। सं। रु एवति।
अग्निः। धिया। सः। चेतेति। केतुः। यज्ञस्य। पूर्वः। अर्थः। हि। अस्या। तरणि। अग्निः।
सूनुं। सनः। श्रुतं। सहसः। जातः। वेदसं। वक्षिं। देवाः। अकृ एवत। अदान्यः। पुरः।
एता। विशां। अग्निः। मानुषीणां। तूर्तिः। रथः। सदा। नवः। ॥ सै दान्। विश्वाः। अ
ग्निः। युजः। कतुः। देवानां। अमृतः। अग्निः। तु विश्ववः। तमः। अग्नि। प्रयांसि। वाहं

सा दाश्वान् अश्नाति मर्त्यैः क्षयं पावकः शोचिषः परि विश्वानि सुधिता ॥
 जग्नेऽ अश्माम् मन्मनिः विप्रसः ज्ञातः वेदसः अग्ने विश्वानि वाय्वा वा
 जेषु सनिषामहे त्वेदति देवासः आर्दुरिरे ॥ १० ॥ इंद्राग्नीदति आगतं सुतं
 गीः निः न नः वरेण्यं अस्या पातं धिया दूषिता इंद्राग्नीदति ऊरितुः सचा
 यद्भ्रजिगति चेतनः अया पातं द्रुमा सुतं इंद्रं अग्निं कविः छदा यद्भ्रस्य द्रु
 त्या वृणोता सोमस्य द्रुहं तं पतां तोशा वृत्रं हनी दुर्वांसः कित्वा ना अपरं
 कित्वा इंद्राग्नीदति वज्रं सातमा प्रायां अर्चति ऊक्चि नः नीयं विदः ऊरितारः

६०
६

इंद्राग्नी इति। इषः। आ। वृणे॥ ११॥ इंद्राग्नी इति। नवतिं। पुरः। दासः पत्नीः। अधू
नुतं। साकं। एकेन। कर्माणा। इंद्राग्नी इति। अप्सः। परि। उप। प्रायंति। धीतयः। नृतस्य।
पृथ्वाः। अनु। इंद्राग्नी इति। तविषाणि। वां। सुधः। स्थानि। प्रयांसि। च। पुमोः। अप्सः।
य्ये। हितं। इंद्राग्नी इति। रोचना। दिवः। परि। काङ्क्षे। नृष्यः। तत्तावां। चेति। प्रावीर्य्ये।
॥ १२॥ प्रावः। देवाय। अग्नये। बर्हिषां। अर्च्ये। अस्मै। गमत्। देवेभिः। आ। सः। नः। यजि
ष्ठः। बर्हिः। आ। सुदत्ता। नृतः। वा। यस्य। रोदसी इति। दक्षं। सचंते। नृतयः। हविषां तः। तां
इल्ले। तां। सनिष्पतः। अवसे। सः। यंता। विप्रः। एषां। सः। यज्ञानां। अथाहि। नः। अग्निः।

ते। वः। दुवस्यता। दाता। यः। वनिता। मृघं। सः। नः। शर्माणि। वीतये। अग्निः। यच्छु। शं।
 तमा। यतः। नः। पुष्पवत्। वसु। दिवि। क्षितिः। न्यः। अशुः। सु। आ। दी। दिः। वां। सं। अपूर्वः।
 वस्वीनिः। अस्या। धीतिः। निः। रुक्माणः। अग्निं। इंधते। होतारं। विशपतिं। विशां। उता।
 नः। ब्रह्मन्। अविषः। उक्तेषु। देवः। हतमः। शानः। शोचं। मरुतः। वृधः। अग्ने। सहस्त्र
 सातमः। नः। रास्व। सहस्त्रः। वत्। लोकः। वत्। पुष्टिः। मत्। वसु। द्यः। मत्। अग्ने। सुः
 वीर्यं। वर्षिष्ठं। अनुपः। क्षितं॥ १३॥ आ। होता। मंडः। विद्यानि। अस्थात्। सत्यः। य
 ज्वा। कविष्ठतमः। सः। वेधाः। विद्यत्। रथः। सहसः। पुनः। अग्निः। शोचिः। केशः॥

६०

पृथिव्या॥ पातः॥ अश्वेत॥ अयामितो नमः॥ उक्तिं॥ शुपस्व॥ शतः॥ वः॥ तुन्यं॥ चेत
नो॥ सहस्वः॥ विद्वान्॥ आ॥ वक्षि॥ विदुषः॥ नि॥ सस्ति॥ मध्ये॥ आ॥ बर्हिः॥ क्रतये॥ यज
त्र॥ इवतां॥ ते॥ उपसा॥ वाजयंती॥ इति॥ अग्ने॥ वातस्या॥ पृथ्वा॥ निः॥ अ॥ क॥ प॥ त॥ सी॥ अं
जति॥ पूर्व्यं॥ हविः॥ निः॥ आ॥ वं॥ पुरा॥ इ॥ व॥ त॥ स्तु॥ तुः॥ दुरो॥ णो॥ मि॥ त्रः॥ च॥ तु॥ न्यं॥ व॥ र॥ णः॥
स॥ ह॥ स्तु॥ अ॥ ग्ने॥ वि॥ श्वे॥ म॥ रु॥ तः॥ सु॥ म्नां॥ अ॥ र्व॥ न॥ प॥ त॥ शो॥ चि॥ षो॥ स॥ ह॥ सः॥ पु॥ त्र॥ ति॥ षाः॥
नि॥ क्षि॥ तीः॥ प्र॥ थ॥ य॥ न॥ सूर्यः॥ नृ॥ न॥ व॥ यं॥ ते॥ अ॥ धा॥ र॥ रि॥ मं॥ हि॥ का॥ मं॥ उ॥ न्नान॥ ह॥ स्तु॥
न॥ सा॥ उप॥ स॥ य॥ जि॥ षे॥ न॥ न॥ म॥ सा॥ य॥ क्षि॥ दे॥ वा॥ न॥ अ॥ स्ते॥ प॥ त॥ म॥ न्म॥ ना॥ नि॥ व॥

गो॥ त्वत्तद्दि॥ पुन॥ सहस्रवि॥ पूर्वा॥ देवस्य॥ यन्ति॥ कुतमः॥ वि॥ गजाः॥ त्वत्तद्दि॥ सह
 स्त्रिणो॥ रपि॥ नः॥ अद्रो॥ घे॥ ण॥ वचसा॥ सत्यं॥ अग्ने॥ तुन्यं॥ द॥ सा॥ क॥ वि॥ क॥ तो॥ इति॥ क॥ वि॥
 क्रतो॥ यानि॥ दु॥ मा॥ दे॥ वा॥ म॥ ती॥ सिः॥ अधरे॥ अ॥ क॥ र्म॥ त्वं॥ वि॥ श्व॥ स्य॥ सु॥ र॥ थ॥ स्य॥ बो॥ धि॥ स॥
 वं॥ तत्त॥ अग्ने॥ अ॥ मृ॥ त॥ स्व॥ दा॥ दु॥ ह॥ ॥ १४ ॥ वि॥ पा॥ ज॥ सा॥ पृ॥ थु॥ ना॥ शो॥ शु॥ चानः॥ वा॥ य॥ स्त॥
 द्वि॥ षः॥ र॥ क्ष॥ सः॥ अ॥ मी॥ वाः॥ सु॥ श॥ र्म॥ णः॥ बृ॥ ह॥ तः॥ श॥ र्म॥ णि॥ स्यं॥ अग्नेः॥ अ॥ हं॥ सु॥ ह॥ व॥
 स्य॥ प॥ नी॥ ती॥ त्वं॥ नः॥ अ॥ स्यः॥ उ॥ प॥ सः॥ वि॥ उ॥ ष्ठो॥ त्वं॥ सू॥ र॥ उ॥ त्रः॥ इ॥ तो॥ बो॥ धि॥ गो॥ पाः॥ ज॥
 न्मः॥ इ॥ व॥ नि॥ त्यं॥ त॥ न॥ यं॥ जु॥ ष॥ स्व॥ स्तो॥ म॥ मे॥ अग्ने॥ न॥ वा॥ सु॥ ज्ञा॥ ता॥ त्वं॥ नृ॥ च॥ क्षाः॥ वृ॥ ष॥

न० न० अनु० पूर्वाः। कृष्णसु० अग्ने० अरुषः। वि० नाहि० वसो० इति० नेषि० च० पथि० च॥
अति० अंहः० कृधि० नः० राये० उशि० ङः० यवि० षु० अषा० ल्हः० अग्ने० वृष० नः० दि० दी० हि० पु०
रः० विश्वाः० सो० नगा० सं० ऋ० गी० वान्० य० ङ० स्य० ने० ता० प्र० थ० म० स्य० पा० योः० ज्ञातः० वे० दः॥
वृ० ह० तः० सु० प्र० नी० ते० अ० छि० दा० श० म्मी० ङ० रि० त० रि० ति० पु० रु० णि० दे० वा० न्० अ० छ० दी० द्या० नः॥
सु० मे० धाः० र० थः० ना० स० स्निः० अ० नि० व० सि० वा० ङं० अ० ग्ने० त्वा० रो० द० सी० इ० ति० नः॥ सु० मे० के०
इ० ति० सु० मे० के० प्रा० पी० प० या० वृ० ष० न० जि० न्वा० वा० ज्ञा० न्० सु० दो० घे० इ० ति० सु० दो० घे० दे० वे० निः॥
दे० वा० सु० रु० चा० रु० चा० नः० मा० नः० म० र्त्त० स्य० दुः० स० तिः० य० रि० स्त्वा० ता० ॥ १५॥ अ० पं० अ०ग्निः॥

CC-0. Mrugendra Vinod Collection. Digitized by eGangotri

८०
 ८१
 नृगा प्रजाऽवतः। अग्ने। बृहत्तः। अधुरे। सं। राया। नृपसा। सृज। मयः। नृना। तु
 विऽद्यन्मा। यशस्वता। ॥ ८॥ संऽदध्यमानः। पृथुमा। अनु। धर्मी। सं। अक्तुऽनिः। अ
 ज्यते। विश्वऽवारः। शोचिः। केशः। घृतऽनिर्निकु। पावकः। सुऽयज्ञः। अग्निः। यज्ञया
 या। देवाना। यथा। अयज्ञः। होत्रा। अग्ने। पृथिव्या। यथा। दिवः। ज्ञातऽवेदः। चिकित्वा।
 एव। अनेन। हविषा। यक्षि। देवाना। मनुष्वतरा। यज्ञा। प्रातिरा। इमं। अद्या। नीलि। आ
 यंषि। तवा। ज्ञातऽवेदः। तिस्वः। आऽजानीः। उषसः। ते। अग्ने। तानिः। देवानां। अर्बः। य
 क्षि। विद्वान्। अथ। नवा। यज्ञमानाय। शं। योः। अग्निं। सुऽदीतिं। सुऽदशं। गुणं नः। न

मरुता मरुता इन्द्राः ज्ञातः वेदः त्वं। दूतं। अरतिं। हव्यः वाही देवाः। अरुणः। अ
मरुता नाना। यः। त्वत्। होता पूर्वः। अग्ने। यजीमान्। द्विजा। च। सत्ता। स्वधया। चरुः
चुः। तस्या। अनु। धर्मा। प्रा। यज्ञा। चिकित्वाः। अर्यं। नः। धाः। अभुरं। देवः। वीतो ॥ १३ ॥
अर्हः ॥ ॥ चतुर्। नः। अग्ने। सु। मनाः। उपः। इतो। सखाः। इवा। सखा। पितराः। इवा।
धुः। पुरुः। दुहः। हि। सितयः। जनानां। प्रति। प्रतीचीः। दहतात्। अरातीः। तपो। इति।
सु। अग्ने। अंतरान्। अमित्रान्। तपां। शंसं। अरुषः। परस्या। तपो। इति। वसो। इति। वि
कि। तानः। अचित्रान्। वि। ते। तिष्ठतां। अऊराः। अयासः। इध्मेन। अग्ने। इवमानः ॥

घृतेना जुहोमि। हव्यं। तरसे। बलाप। पावता। ईशे। ब्रह्मणा। वंदमानः। इमां। धि
 यं। शतः। सेयोप। देवी। उता। शोचिषा। सहस्रः। पुत्रा। स्क्रतः। बृहता। वपः। शशमानेषु
 धेहि। रेवता। अग्ने। विश्वामित्रेषु। शं। योः। मर्मृज्मोते। तन्वी। नूरि। कृत्वं। कृधिरत्नो।
 सुः। सनितः। धनानां। सः। घा। इत्। अग्ने। नवसि। यत्। संः। इहः। स्तोतुः। दुरोणे। सुः
 नगस्या। रेवता। सृष्टा। करस्नी। दधिषे। वपूंषि। ॥ ॥ अग्निं। होतारं। प्र। वृणे। मियेधो
 रत्सं। कविं। विश्वः। विदं। अमूरं। सः। नः। पक्षता। देवः। ताता। यजीषान्। राये। वाजाप। वा
 नते। मघानि। प्राते। अग्ने। हविष्यती। इयमि। अहो। सुः। द्युम्नां। रातिनी। घृतानी॥

सुः दक्षिणित्वा देवः तार्ति। उ॒रा॒णः। सं। रा॒त्रिः निः। वसुः निः। म॒द्रो॒। अ॒श्वे॒त्वा॒सः ते॒जो॒
 सा। म॒न॒सा। त्वाः॒ क॒तः। उ॒ता। शि॒क्षा। सुः॒ अ॒प॒त्य॒स्य। शि॒क्षोः। अ॒ग्ने॒रा॒य॒मा॒नृः॒ त॒न॒स्य॒।
 प्रः॒ ज॒तो॒। ज॒यामा॒ते॒। सुः॒ स्त॒त॒त्यः। च॒ व॒स्त्वः। न॒री॒णि। हि। वे॒द॒ति॒। द॒धि॒रे॒। अ॒नी॒का। अ॒
 न्नो॒ दे॒व॒स्य॒। य॒ज्य॒वः। ज॒नो॒सः। सः। आ॒ ब॒ह॒। दे॒वः॒ तार्ति॒। य॒वि॒ष्ट॒। श॒र्दः। य॒त्। अ॒द्या॒दि॒
 यं। य॒ज्ञा॒सि। य॒त्। त्वा॒। हो॒ता॒रं। अ॒न॒ज॒न॒। मि॒ये॒धे॒। निः॒ सा॒ द॒य॒ंतः। य॒ज॒था॒य॒। दे॒वाः॒ सः।
 त्वं। नः। अ॒ग्ने॒। अ॒वि॒ता॒। द॒ह॒। बो॒धि॒। अ॒धि॒। अ॒वा॒सि॒। धे॒हि॒। नः। त॒नू॒षु॒। १॥ अ॒ग्नि॒।
 उ॒ष॒सं॒। अ॒श्वि॒ना॒। द॒धिः॒ क॒। वि॒॒ उ॒ सि॒षु॒। ह॒व॒ते॒। व॒क्त्रिः॒। उ॒क्ते॒। सुः॒ ज्योति॒षः॒ नः॒। अ॒

एवं तु देवाः सः जोषसः अधरं वावशानाः अग्ने न्रीतो वाजिना न्री संधः स्त्री।
 तिस्रः ते। जिह्वाः रुतः माता पूर्वीः तिस्रः कुंडति। ते तन्वः देवः वाताः तानिः नः।
 माहि। गिरः। अप्रः पुच्छन्। अग्ने न्रीणि। तवी। जातः वेदः। देवा स्वधाः वः। अमृ
 तस्य। नामायाः। च। मायाः। मायिनां। विश्वः इन्व। त्वेदति। पूर्वीः संः दधुः। एष्टवं
 धोदति। एष्टवं धो। अग्निः नेता। नगः। इवाक्षितीनां। देवीनां। देवः। क्रतुः पाः। क्र
 तः वा। सः। वृत्रः हा। सनयः। विश्वः वेदाः पर्वत। विश्वा। अति। दुः। इता। गणतं। द
 धिः कां। अग्निः। रुतं। च। देवी। बृहस्पतिं। सवितां। च। देवं। अश्विना। मित्रावरु

णा। नगं। च। वसून्। रुद्रान्। आदित्यान्। इह। दुवे। २०॥ इममान्। यज्ञं। अ-
 तेषु। धेहि। इमा। हव्या। ज्ञातः वेदः। जुषस्व। स्तोत्रानां। अग्ने। मेदसः। घृतस्य। हो-
 तरिति। प्रा। अशान्। प्रथमः। निःसद्य। घृतः वंतः। पावका। ते। स्तोत्राः। श्रोतंति। मे-
 दसः। स्वः धर्मन्। देवः बीतये। श्रेष्ठानः। धेहि। वार्यं। तुन्यं। स्तोत्राः। घृतः श्रु-
 तः। अग्ने। विप्राया। संत्य। रुषिः। श्रेष्ठः। सां दुध्यसे। यज्ञस्य। प्रः। अविता। नवा। तुन्यं।
 श्रोतंति। अधिगो इत्यधिगो। शचीः वः। स्तोत्रासः। अग्ने। मेदसः। घृतस्य। कविः
 सुस्तः। बृहता। नानुना। आ। अगाः। हव्या। जुषस्व। मेधिरा। ओजिष्ठं। ते। मध्यतः।

मेदः। उतः नृत्तं। प्राते। वयं। दसमहे। श्रोतंति। तो। वसोइति। स्तोकाः। अधि। त्वि।
प्रति। तान्। देवःशः। विहि॥ २॥ अयं। सः। अग्निः। यस्मिन्। सोमोदंडः। सुतां। द
धे। जुहरे। वावशानः। सहस्त्रिणं। वाजं। अत्यं। नासहिं। ससः। वान्। सन्। स्तूपसे।
जातःवेदः। अग्ने। यत्ताते। दिवि। वर्चः। पृथिव्यां। यत्ता। उषधीषु। अपः। सु। आ। यज
त्रयेना। अंतरिक्षं। उरु। आः। तंतथा। त्वेषः। सः। नानुः। अर्णवः। नृः। चक्षाः। अग्ने। दि
वः। अर्णः। अर्चः। जिगासि। अर्छादेवान्। कुविषे। धिख्या। यो। यो। रोचने। परस्तात्।
स्य। याः। च। अवस्तात्। उपः। निषंतो। आपः। पुरीषासः। अग्नयः। प्रणोनिः॥

सः जोषसः। जुषंतां। यज्ञः। अद्भुतः। अनमीवाः। द्रुषः। महीः। गो॥२॥ निः। मथितः।
 धितः। आसधः। स्ते। युवा। कविः। अधरस्य। प्रः। नेता। जूष्यत्। सु। अग्निः। अजरः।
 वनेषु। अत्र। दधे। अमृतो जातः वेदाः। अमंथिष्ठां। नारता। रेवता। अग्निं। देवः। अवः।
 देवः वातः। सुः। दक्षः। अग्ने। वि। पश्या। बृहता। अनिराया। दुषां। नः। नेता। नवतात्।
 अनु। घृन्। दश। क्षिपः। पूर्व्य। सी। अजीजनन्। सुः। जातं। मातृषु। प्रियं। अग्निं।
 स्तुहि। देवः वातां देवः अवः। यः। जनानां। असत्। वशी। नि। त्वा। दधे। वरे। आ। पृ
 थिव्याः। इलायाः। पदे। सुदिनः। त्वे। अक्रां। दृषत्। वत्यां। मानुषा। आपयायां। सर

हं
१३

स्वत्यां रेवतः। अग्नेः। दिदीहि नो॥ २३॥ अग्नेः। सहस्रः। पृतनाः। अग्निः। मातीः।
अपः। अस्याः। दुस्तरः। तरन्। अरातीः। वर्चः। धाः। पद्मः। बाहसे। अग्नेः। इलासं।
इध्यसे। वीतिः। होत्रः। अमर्त्यः। जुषस्व। सुनः। अध्वरं। अग्नेः। द्युमेन। जगु
वे। सहस्रः। सूनो इति। आः। हुता। आः। इदं। बर्हिः। सदः। ममा। अग्नेः। विश्वे
निः। अग्निः। निः। देवे निः। महर्षे। गिरः। यज्ञेषु। ये। कुं इति। न। यवः। अग्नेः। दा
हाः। शुभे। रयिं। वीरः। वेंतं। परिणसं। शिरीहीनः। सूनुः। मतः॥ २४॥ अग्नेः। दिवः॥
सूनुः। वसि। प्रः। वेता। तनी। पृथिव्याः। उत। विश्वः। वेदाः। नृधकू। देवान्। बृह। ज

ॐ चिकित्वाः अग्निः सनोति वीर्याणि विद्वान् सनोति वाजं अमृताया नृष
 न् सः नः देवान् आ इह वहं पुरुक्षो इति पुरुक्षो अग्निः द्यावा पृथिवी द
 ति विश्वं न्ये इति विश्वं न्ये आ ज्ञाति देवी इति अमृते इति अमूरः सम
 न् वाजैः पुरुक्षं चंद्रः नमः अग्निः अग्ने इन्द्रं च द्राक्षुषः दुरोणे सुतं वतः यज्ञं
 इह उपायातं अमर्द्धं ता सोमं पेयाया देवा अग्ने अपां सं इध्यसे दुरोणे
 नित्यः सूनो इति सह सः ज्ञातं वेदः सधः स्थानि महयमानः कुती ॥ ३ ॥ वा
 श्वानरं मनसा अग्निं निः चाप्या हविर्भंतः अनुसृत्य स्वः विदं सुदानुं ।

दे॒वा॒र॒थि॒रं॑ । व॒सु॒ऽस॒वः॑ । गी॒ऽनि॒ऽर॒ण्यं॑ । कु॒शि॒का॒सः॑ । ह॒वा॒म॒हे॑ । तं॑ । शु॒च॑ । अ॒ग्निं॑ ॥
अ॒व॒से॑ । ह॒वा॒म॒हे॑ । वै॒श्वान॒रं॑ । मा॒त॒रि॒श्वानं॑ । उ॒क्थं॑ । बृ॒ह॒स्प॒तिं॑ । म॒नु॒षः॑ । दे॒व॒ऽता॒त॒ये॑ ॥
वि॒षं॑ । श्रो॒ता॒रं॑ । अ॒ति॒थि॒र॒घुः॑ । स्य॒दं॑ । अ॒श्वः॑ । ना॒कं॑ । द॒न॒ः । ऋ॒नि॒ऽनिः॑ । सं॑ । इ॒ध॒म॒तो॒ वै॒
श्वान॒रः॑ । कु॒शि॒के॒निः॑ । यु॒गे॒ऽयु॒गे॒ । सः॑ । नः॑ । अ॒ग्निः॑ । सु॒ऽवी॒र्यं॑ । सु॒ऽअ॒श्वं॑ । द॒धा॒तु॒
र॒त्नं॑ । अ॒मृ॒ते॒षु॑ । आ॒गृ॒विः॑ । प्रा॒यं॒तु॑ । वा॒ज्ञः॑ । त॒वि॒षी॒निः॑ । अ॒ग्न॒यः॑ । शु॒ने॑ । सं॑ । मि॒श्राः॑ ।
र॒ष॒तीः॑ । अ॒पु॒क्ष॒त॑ । बृ॒ह॒त॒ऽउ॒क्षः॑ । म॒रु॒तः॑ । वि॒श्वः॑ । वे॒द॒सः॑ । प्रा॒वे॒प॒यं॒ति॑ । प॒र्वी॒तान्॑ । अ॒दी॒
न्याः॑ । अ॒ग्निः॑ । श्रि॒यः॑ । म॒रु॒तः॑ । वि॒श्वः॑ । कृ॒ष॒यः॑ । आ॒त्वे॒षं॑ । उ॒ग्रं॑ । अ॒वः॑ । ई॒म॒हे॑ । व॒यं॑ । तो॒स्वा॒

निरुद्धि माः वर्षः निरुद्धिः। सिंहाः नाहेषः कृतवः सुः दानवः। २६॥ वातं
 ब्रातं। गणं गणं। सुशस्तिः निः। अग्नेः। नामां मरुतां। ओम्। ईमहे। एषत्। अथा
 सः। अनवः। राधसः। गंतारः। यज्ञं। विदयेषु। धीराः। अग्निः। अस्मि। जन्मना। ज्ञा
 तः। वेदाः। घृतां। मे। चक्षुः। अमृतं। मे। आसन्। अर्कः। त्रिः। धातुः। रजसः। विमानः।
 अर्कस्वः। घर्मः। हविः। अस्मि। नामां। त्रिः। निः। पवित्रैः। अपुपोत्। हि। अर्कः। हृदा।
 मतिं। ज्योतिः। अनु। प्रः। ज्ञानन्। वर्षिष्ठं। रत्नं। अकृत। स्वधानिः। आत्। इत्। द्या
 वा। पृथिवी। इति। परि। अपश्यत्। शतः। धारं। उत्सं। अक्षीपमाणं। विपुः। चितं। पि

हृ-
१५

तरं। वक्त्राणां। मेलिं। मदंतं। पित्रोः। उपः स्त्रे। तां रोदसीदति। विष्टतं। सत्यः। वाचं।
प्रावः। वाजाः। अग्निः। द्यवः। हविर्मातः। घृता च्यो। देवान्। जिगति। सुम्नः। युः। ई
लो। अग्निं। विपः। चितं। गिरा। यज्ञस्य। साधनं। श्रुष्टीः। वानं। धितं। वानं। अग्ने॥
शकेमाते। वयं। यमं। देवस्य। वाजिनः। अति। द्वेषांति। तरेमा। संः। दुध्यमानः। अध
र। अग्निः। पावकः। ईदः। शोचिः। केशः। तं। ईमहे। एषुः। पाजाः। अमर्त्यः। घृत
निर्निकु। सुः। आहुतः। अग्निः। यज्ञस्य। हव्यः। वाह्॥ १५॥ तां सः। बाधः। यतः। स्त्रुचः।
हृत्वा। धिया। यज्ञः। वंतः। आचक्रुः। अग्निं। कृतये। होता। देवः। अमर्त्यः। पुरस्ता

१५

त्वा एति मा वया विद यानि प्रः चोदयन् वाजी वाजेषु धीयते अचुरेष्वा वा
 यते विप्रः षडस्य साधनः धिया चक्रो वरेण्यः नूतनांगनी आदधे दक्ष
 स्य पितरं तना नि त्वा दधे वरेण्यं दक्षस्य इत्ता सहः ३ कृत अग्ने सुदीर्ति
 उशिः ॥ २७ ॥ अग्निं यंतुरं अष्ट तुरा कृतस्य योगे वनुषः विप्रः वाजैः सं दधे
 ता ऊर्जः नपातं अधुरे दीदिः वां सं उप द्यवि अग्निं ईले कविः कृतं ईलेन्यः
 नमस्यः तिरः तमां सि दर्शतः सं अग्निः इध्यते वृषा वृषो इति अग्निः सं इ
 ध्यते अश्वशाना देवः वाहनः तं हविष्मंतः ईलते वृषणं त्वा वयं वृषन् वृषणः ॥

तु०
१६

सां॒ दु॒धी॒महि॒। अ॒ग्ने॒। दी॒द्य॒तं॒। बृ॒ह॒ता॒॥ ३०॥ अ॒ग्ने॒। जु॒ष॒स्वा॒नः॒ ह॒विः॒। पु॒रो॒ला॒शं॒।
जा॒तः॒ वे॒दः॒। प्रा॒तः॒। सा॒वे॒। धि॒या॒व॒सो॒ इति॒ धि॒या॒। व॒सो॒। पु॒रो॒लाः॒। अ॒ग्ने॒। प॒च॒तः॒। तु॒
ज्यं॒। वा॒। घं॒। परि॒। क॒तः॒। तं॒। जु॒ष॒स्वा॒प॒वि॒ष्ट्या॒॥ ३१॥ अ॒ग्ने॒। वी॒हि॒। पु॒रो॒ला॒शं॒। आ॒हु॒तं॒। ति॒
रः॒। अ॒। द्र॒पं॒। स॒ह॒सः॒। सू॒नुः॒। अ॒सि॒। अ॒धू॒रे॒। हि॒तः॒। मा॒ध्वं॒दि॒ने॒। स॒र्व॒ने॒। जा॒तः॒ वे॒दः॒।
पु॒रो॒ला॒शं॒। इ॒ह॒। क॒वे॒। जु॒ष॒स्वा॒। अ॒ग्ने॒। य॒द॒क्ष॒स्य॒। त॒व॒। जा॒गः॒ धे॒र्म॒। ना॒प्र॒। मि॒न॒न्ति॒। वि॒
द॒थे॒षु॒। धी॒राः॒। अ॒ग्ने॒। तृ॒ती॒ये॒। स॒र्व॒ने॒। हि॒। का॒नि॒षः॒। पु॒रो॒ला॒शं॒। स॒ह॒सः॒। सू॒नो॒ इति॒॥
आ॒हु॒तं॒। अ॒र्यो॒ दे॒वेषु॒। अ॒ध॒रां॒ वि॒प॒न्य॒मा॒। धा॒। र॒त्नं॒। व॒तं॒। अ॒मृ॒ते॒षु॒। जा॒गृ॒विं॒। अ॒

१६

२
 गे। वृधानः। आः दुर्ति। पुरो लाशं। ज्ञातः वेदः। जुषस्वातिरः। अद्र्यं। अ
 स्ति। इदं। अधिः मंथनं। अस्ति। प्रः जननं। कृतं। एतं। विश्वं। आ। नरः। अग्निः।
 मंथामा। पूर्वः। यो। अरण्योः। निः हितः। ज्ञातः वेदः। गर्नः। इव। सुः धितः। नृनि
 लीषु। दिवेः। दिवो। ईदः। ज्ञातः वेदः। निः। हविषात्। निः। मनुष्येनिः। अग्निः। उ
 ज्ञानायां। अवा। नरः। नि। कि। त्वान्। सद्यः। प्रः वीता। वृषणां। उ। ज्ञान। अरुषः। स्तूपः।
 रुशत। अस्यापाजः। इलायाः। पुत्रः। वयुने। अजनिष्ट। इलायाः। त्वा। पदे। वयाना
 नो। पृथिव्याः। अधि। ज्ञातः वेदः। नि। धीमहि। अग्ने। हव्याप। बोल्हवे। मंथतां। नरः।

कवि। अद्वयं तं। प्रः चेतसं। अमृतं सुः प्रतीकं। यज्ञस्य। केतुं। प्रथमं। पुरस्तात्।
अग्निं। नरः। जनयत। सुः शेवं। ३२॥ यद्विमं यंति। बाहुः निः। विरोचते। अश्वः।
नावाजी। अरुषः। वनेषु। आचित्रः। न। यामन। अश्विनोः। अनिः। दृतः। परि। वृ
णक्ति। अश्मनः। तृणा। दहनं। ज्ञातः। अग्निः। रोचते। चेकि। तानः। वाजी। विप्रः। व
दिः। शस्त्रः। सुः दानुः। यं। देवासः। र्द्व्यं। विश्वः। विदं। हव्यः। वाहं। अदधुः। अध्वरेषु।
सीद। होतरिति। स्वे। उंद्रति। लोके। चिकित्वान्। सादय। यज्ञं। सुः कृतस्य। योनौ। य
वः। अवीः। देवान्। हविषा। यज्ञसि। अग्ने। बृहत्या। यज्ञमाने। वयः। धाः। कृणोते।

मं। नृषां। सखायः। अस्त्रे धंतः। इतना वाजं। अछा। अयं। अग्निः। इतना षाट्। सु
 वीर। येना देवासः। असहंता दस्पून्। अयं तो योनिः। रु वियः। यतः। ज्ञातः। अरो
 च थाः। तं। ज्ञानन्। अग्ने। आसीद। अयं नः। बर्द्धय गिरः॥ ३३॥ तनू ३५ नपात्। उ
 च्यते। गर्जः। आसुरः। नरा शंसः। नवति। यत्। विः। जायते। मातरिश्वा। यत्। अमिमी
 ता। मातरि। वातस्य। सर्गः। अ नवत्। सरीमणि। सुनिः ५ मथा। निः ५ मयितः। सु ५ नि
 धा। निः ५ हितः। कविः। अग्ने। सु ५ अध्वरा। कृणु। अ जी जनन्। अमृतं। मर्त्यासः।
 अस्त्रे माणं। तरणिं। वी लु ५ जं नं। दश। स्वसारः। अयुर्वः। सं ५ र्द्वी। पुमां सं। ज्ञाते। अ

नि। सं। रं। नं। तो। प्र। स। न्नः। हो। ता। स। न। का। त्। अ। रो। च। त्। मा। तुः। उ। पः। स्ते। यत्। अ। शो।
चत्। ऊ। ध। नि। न। नि। मि। ष। त्ति। सु। र। णः। दि। वेः। दि। वो। यत्। अ। सु। र। स्म। ऊ। ण। त्।
अ। जा। यत्। अ। मि। त्रः। यु। धः। म। रु। त्तोः। इ। वा। प्रः। माः। प्र। थ। मः। ज्ञः। ब्र। ह्म। णः। वि। श्वं।
इ। त्। वि। दुः। यु। न्नः। वत्। ब्र। ह्म। कु। शि। का। सः। आ। र्द्रि। रे। ए। कः। ए। कः। द। मे। अ। ग्निं।
सं। र्द्रि। रे। यत्। अ। द्या। त्वा। प्रः। यत्ति। यद्दे। अ। स्मिन्। हो। त। रि। ति। चि। कि। त्वा। अ। वृ।
त्। न। हि। इ। ह। ध्रु। वं। अ। याः। ध्रु। वं। उ। त्। अ। श। मि। ष्ठाः। प्रः। ज्ञानन्। वि। द्वा। न्। उ। प। म्ना।
क्रि। नो। मं॥ ३४॥ ॥ इति हतीसाष्टके पथसोऽप्यथा ॥ इच्छंति। त्वा। सोम्या

सखायः सुनन्ति। सोमं दधति। प्रमोसि। तिति क्षन्ते। अग्निः शस्ति। जनानां इन्द्र।
त्वत्। आ। क। वन। हि। प्रः केतः। ना। तो। दूरे। पुरमा। चित्। रजं। सि। आ। तु। प्रामा। हि।
हरिः वः। हरिः न्यो। स्थिराय। वृक्षे। सर्वना। कुत्रा। इमा। युक्ताः। यावाणः। संः इधा।
ना। अग्ने। इन्द्रः। सुः शिप्रः। मघः वा। तरुत्रः। महाः व्रातः। तुविः कूर्मिः। रुधावा
न्। यत्रा। उग्रः। धाः। बाधितः। मर्त्येषु। क। त्याते। रुषन्। वीर्याणि। त्वं। हि। स्म। च्यव
यन्। अच्युतानि। एकः। वृत्रा। चरसि। जिघ्रमानः। तवा। द्यावा। पृथिवी। इति। पर्वतास्तः।
अनु। वृताया। निमिताः। इवा। तस्तुः। उता। अनये। पुरुः। हूत। श्वरैः। निः। एकः। दुल्हं।

अवदः। वृत्रःहा। सन्ना। इमेइति। चित्रा। इन्द्रा। रोदसीइति। अपारेइति। यत्सं।
गृन्नाः। मघःवन्। काशिः। इत्ताते॥१॥ प्रा। सु। ते। इन्द्रा। प्रःवता। हरिःन्या। प्रा। ते। व
ज्रः। प्रःमृणन्। एतु। शत्रून्। जहि। प्रतीचः। अनूचः। पराचः। विश्वोसत्यं। कृणुहि। वि
ष्टो। अस्ता। यस्मै। धापुः। अदधाः। मर्त्यापि। अनक्तं। चित्रा। नृकते। गेह्यं। सः। नृद्रा। ते॥
इन्द्रा। सुःमतिः। घृताची। सहस्वः। दाना। पुरुः। हूत। रात्रिः। सहः। दानुं। पुरुः। हूत। क्षि
पंतं। अहस्ता। इन्द्रा। सं। पिणक। कुणारं। अत्रि। वृत्रं। वर्द्धमानं। पिपासं। अपादं। इन्द्रा।
तवसा। मघं। श। नि। सामनां। इषिरां। इन्द्रा। नृमिं। मही। अपारां। सदनं। ससत्क।

अस्तन्नात्वाद्यां। वृषनः। अंतरिक्षां। अर्षेतु। आपः। त्वपा। इह। प्रःसूतः। अलात
 णः। बलः। इंदुः। वृजः। गोः। पुरा। हंतोः। नयमानः। वि। आर। सुः। गान्। पयः। अकृणो
 निः। अजे। गाः। प्र। आवन्। वाणीः। पुरुः। हंतो। धर्मतीः। ॥ २॥ एकः। दे इति। वसुमती इ
 ति वसुः। मती। समीची इति संः। ई च। इंदुः। आपः। पप्रौ। पृथिवी। उता। द्यां। उता। अंतरिक्षा
 त्। अनि। नः। संः। ई के। इषः। रथीः। सः। युजः। शूर। वाजान्। दिशः। सूर्यः। नामिनाति।
 प्रः। दिष्टाः। दिवेः। दिवे। हर्ष्यश्च। प्रसूतः। सायता। आनदः। अध्वनः। आता इता। अश्वैः।
 विः। मोचनं। कृणुते। तत्। तु। अस्यादिदृक्षन्ते। उषसः। यामनः। अक्तोः। विवस्वत्याः।

जुं सिर रं मय वन रुं ध रं स्व उत हृ ह रं सु ह नून इंद्र हृ स्वं मि थ्यो अति अ
महि वित्रे अनीकं विश्वे जानन्ति महि ना यत् आ अगात् इन्द्रस्य कर्मा सुः कता पु
रुलो महि ज्योतिः निःहितं वक्षणा सु आमा पृष्ठा चरति विचरी गोः विश्वं स्वाद्य
सं नृतं उस्त्रियायां यत् सी इन्द्रः अदधात् जोहनाय इन्द्र दद्या यामः कोशाः
नु वन शाय शिशु गृणते सखिः न्यः दुः मायवः दुः ए वा मर्त्यै सः नि
पुष्टि र्पदः हं त्रा सः आ सं घोषा शृण्वो गां निः अश्वैः चंद्र वता राधसा ए
प्रथमं च स्वः यवः मुनिः निः तु न्या विप्राः इंद्राया बाहः कुशिकाका अकुन
आ नः गोत्रा र्द्ध दि गोः पुत्रे गाः सं अस्य न्य सनयः यंतु राज्ञाः दिव जाः
त बुधि हेति अस्थौ दा जि मि ता प्रलत र प्र नेन सा यत् मेही इवः आ सज्जी
रा रं वनारो हृ हतः स्थ मा अस्मे इति जु म् नगः इंद्र प्रजा वीना आ नः नृ लो गो

सि। वृषनासत्यः शुष्मः अस्मिन्पु। सु। मयः वृन्। बोधि। गोः दाः शुनं। दुःखं। म
 यः वानं। इंदं। अस्मिन्। नरो नृः तं मा वाजः सातो। शुण्वं तं। उग्रं। कुतये। समत्
 शु। ध्वं तं। वृत्राणि। संऽक्रि तं। धनानां॥ ४॥ शासत्। वद्विः। दुहितुः। नृप्या। गदाधि
 र्ना। रुतस्या। दीधितिं। सपुष्पं। पिता। यत्र। दुहितुः। सेकां। संजनां। संशुम्पेन
 मनसा। दधन्वे। न। जामये। तान्। रिक्छं। अरेक। चकार। गनी। सनितुः। निःधा
 जी। यरि। मातरः। जनयंता वद्विं। अन्यः। कर्ता। सुः कर्तोः। अन्यः। रुंधन। अग्निः।
 रुद्रो। रुद्रा। रेजमानः। महः। पुत्रान्। अरुषस्या। वृष्यक्षो। महान्। गर्जः। महिः।

जातं। एषां। मही। प्रः वृत्। हरिः। अश्वस्यायज्ञैः। अग्निाज्ञैः। असंवत्। स्पृधा
 नां। महि। ज्योतिः। तमसः। निः। अज्ञानन्। तां। ज्ञानतीः। प्रति। उता। आयन्। उषसः॥
 पतिः। गवां। अनवत्। एकः। दृंदः। वीलो। सतीः। अग्नि। धीराः। अतृंदन्। प्राचा। अ
 हि। नन्। मनसा। सप्ता। विप्राः। विश्वां। अविंदन्। पथ्यो। रुतस्या। प्रः। ज्ञानन्। इत्। ता।
 नमसा। आ। विवेश॥ पा। विदत्। यदि। सरमा। रुग्णं। अदेः। महि। पाथः। पूर्व्य। सध्र्य
 क्। करितिकः। अग्रं। नयत्। सुःपदी। अक्षरणां। अछे। रवी। प्रथमा। ज्ञानती। गत
 अगच्छत्। कुंदति। विप्रः। तमः। सन्निः। यन्। असूदयत्। सुःकृते। गर्नी। अदिः॥

समान। मर्षः। सुवः। निः। मखस्यन्। अथ। अनवत्। अंगिराः। सद्यः। अर्चन्।
सुतः। सतः। प्रतिः। मानं। पुरः। नूः। विश्वावेद। जनिमाहंति। शुद्धं। प्रानः। दिवः। प
दुःवीः। गुगुः। अर्चन्। सखा। सखीन्। अमुंचत्। निः। अवद्यात्। नि। गयत्। मना
सा। सेदुः। अर्क्षः। कृण्वानासः। अमृतः। त्वापागतुं। इदं। चित्तानु। सदनां। नूरि।
एषां। पेनी। मासान्। असिसांसन्। ज्ञतेन। संः। पश्यमानाः। अमदन्। अनि। स्वं॥
पयः। प्रत्नस्य। रेतसः। दुघानाः। वि। रोदसीदुति। अतपत्। घोषः। एषां। जाते। निः।
स्थं। अदधुः। गोषु। वीरान्॥ ६॥ सः। जातेनिः। वृत्रः। हा। सः। इत्। ऊंदुति। हयैः। उत॥

उ॒स्त्रियाः॥ अ॒स्त॒ऊ॒ता॒ इ॒न्द्रः॥ अ॒र्ध्वः॥ उ॒रु॒ची॥ अ॒स्मै॥ घृ॒तः॒ व॒त्त॒ न॒रं॒ती॥ म॒धु॒स्वा
 य॒न्। दु॒दु॒हे॒। जे॒न्या॒। गेः॒। पि॒त्रे॒। चि॒त्र॒। च॒क्रुः॒। स॒द॒नं॒। सं॒। अ॒स्मै॒। म॒हि॒। त्वि॒विः॒ म॒त्त॒।
 सुः॒ क॒तः॒। वि॒हि॒। ख्य॒न्। विः॒स्व॒ न्न॒तः॒। स्क् न॒ने॒न॒। उ॒नि॒त्री॒ इ॒ति॒। आ॒सी॒नाः॒। उ॒
 ह्मं॒। र॒न॒सं॒। वि॒मि॒न्व॒न्। म॒ही॒। य॒दि॒। धि॒ष॒णा॒। शि॒न्न॒थे॒। धा॒त्। स॒द्यः॒। वृ॒धं॒। विः॒
 न्वा॒। रो॒द॒स्योः॒। गि॒रः॒। य॒स्मि॒न्। अ॒न॒व॒द्याः॒। सं॒। इ॒न्दी॒। वि॒श्वाः॒। इ॒न्द्रो॒य॒। त॒वि॒षीः॒। अ॒
 नु॒त्तः॒। म॒हि॒। आ॒। ते॒। स॒ख्यं॒। व॒शि॒। श॒क्तीः॒। आ॒। वृ॒त्र॒। घ्नो॒निः॒पु॒तः॒। यं॒ति॒। पू॒र्वीः॒। म॒
 हि॒। स्तो॒त्रं॒। अ॒वः॒। आ॒। अ॒ग॒न्म॒। सू॒रेः॒। अ॒स्मा॒कं॒। सु॒। म॒द्यः॒ व॒न्। वो॒धि॒गो॒पाः॒। म॒

हि। से। चं। पुरु। चंद्रं। विविद्वान्। आत्मा। इत्। सखिः। न्यः। चरयं। सां। हे। त्।
 इंद्रं। नृः। निः। अज्जनत्। दी। दानः। साकं। सूर्यं। उषसं। गातुं। अग्निं॥ ७॥ अफः।
 वि। एषः। विः। चः। दमूनाः। प्रा। सध्री। चीः। अस्तु। जह। विश्वः। चंद्राः। मध्वः। पुना
 नाः। कविः। निः। पवित्रैः। द्यः। निः। हिन्वंति। अकुः। निः। धनुत्रीः। अनु। कुले। इति॥
 वसुधित्। इति। वसुः। धिती। क्रिहाते। इति। उने। इति। सूर्यस्य। मंहना। पञ्चै। इति। प
 रि। पत्ता। ते। महि। मानं। वृज्जध्वै। सरवापः। इंद्र। काम्याः। रुजिप्याः। पतिः। नवा। वृज
 हन्। सू। नृतां। गिरां। विश्वः। अयुः। वृषनः। वयः। धाः। तं। अंगिरस्वत्। नमसा।

दिव्यमूर्तम् ॥ १ ॥
दिव्यदिव्यमूर्तम् ॥ २ ॥

ति॒ इ॒ह॒। मा॒द॒य॒स्व॒। गोः॑ आ॒ शि॒रं॑। मं॒थि॒नीं॑। इ॒न्द्रा॒शु॒क्रं॑। पि॒ब॒। सो॒मं॑।
 दा॒या॒। ब॒ल॒ः कृ॒ता॒। मा॒रु॒तेन॑। गु॒णेन॑। सु॒ऽजो॒षा॒। रु॒द्रैः॑। ह॒प॒त्। आ॒वृ॒ष॒स्व॒। पा॒ते॒।
 शु॒भ्रां॑। यो॒। त॒वि॒षी॑। अ॒व॒र्द्ध॒न्। अ॒र्च॒तः॑। इ॒न्द्रा॒म॒रु॒तः॑। तो॒। ओ॒जः॑। मा॒थ्य॑दि॒ने॒। स॒र्व॒ने॒।
 व॒ज्रुः॑। ह॒स्त॒। पि॒ब॒। रु॒द्रैः॑। स॒ऽग॒णः॑। सु॒ऽशि॒व॒। तो॒। इ॒तरा॒नु॒। अ॒स्या॒म॒र्धः॑। म॒त॒।
 वि॒वि॒धे॒। इ॒न्द्र॒स्य॑। श॒र्द्धः॑। म॒रु॒तः॑। यो॒। आ॒स॒न्। पे॒निः॑। वृ॒त्र॒स्य॑। इ॒षि॒तः॑। वि॒वे॒द॒। अ॒
 म॒र्म॒णः॑। म॒न्य॑मा॒न॒स्य॑। म॒मी॒म॒नु॒ष॒त्। इ॒न्द्रा॒स॒र्व॒ना॒जु॒षा॒णः॑। पि॒ब॒। सो॒मं॑। श॒श्व॒ते॒।
 वी॒र्य्या॑। सः॒। आ॒वृ॒ष॒स्व॒। इ॒रि॒ऽअ॒श्व॒। य॒ज्ञैः॑। स॒र॒ण्यु॒ऽनिः॑। अ॒पः॑। अ॒र्णी॑। सि॒

सु.
२५

सुर्वि॥ २॥ त्वं। अपः। यत्। हा। त्वं। जघ्नान्। अस्यान्ऽद्व। प्रा। अस्तुऽऽः। स
त्तैवे। आजो। शयानं। इन्द्र। चरन्। वधेना। वव्रिऽवांसं। परि। देवीः। अदेवं। यजामः।
इत्। नमसा। वृद्धं। इन्द्रं। वृहंतं। रुद्रं। अत्ररं। युवानं। यस्य। प्रिये इति। मम तुः॥
यद्विषस्य। नारोदसी इति। महिमानं। ममाते इति। इन्द्रस्य। कर्म। सुऽकृता। पुरु
णि। वृत्तानि। देवाः। न। मिनंति। विश्वे। दाधारा। यः। पृथिवी। द्यां। उत। इमां। जज्ञाने।
सूर्यं। उषसं। सुऽदंसाः। अद्रोघा। सत्यं। तव। तत्। महिऽत्वं। सद्यः। यत्। जातः।
अपिबः। हा। सोमं। न। द्यावः। इन्द्र। तवसं। वे। ओजः। न। अहो। न। मासाः। शर

२४

दे॥ व॥ त॥ त्वे॥ स॥ द्यः॥ अ॥ पि॥ ब॥ ज्ञा॥ तः॥ इ॥ द्र॥ म॥ दा॥ या॥ सो॥ मा॥ प॥ र॥ मे॥ वि॥ उ॥ म॥ न॥ य॥ त्॥
 हा॥ द्या॥ वा॥ ए॥ धि॥ वी॥ इ॥ ति॥ आ॥ अ॥ वि॥ वे॥ शीः॥ अ॥ य॥ अ॥ न॥ व॥ पु॥ र्यः॥ का॥ रु॥ धा॥ याः॥
 अ॥ ह॥ न॥ अ॥ हि॥ प॥ रि॥ श॥ या॥ नं॥ अ॥ णी॥ उ॥ ज्ञा॥ य॥ मा॥ नं॥ तु॥ वि॥ ज्ञा॥ त॥ त॥ व्य॥ न॥ ना॥ ते॥
 म॥ हि॥ त्वे॥ अ॥ नु॥ नू॥ त॥ अ॥ धा॥ द्यौः॥ य॥ त्॥ अ॥ न्य॥ पा॥ स्मि॥ ग्या॥ सा॥ अ॥ व॥ स्थाः॥ य॥ इ॥
 हि॥ तो॥ इ॥ द्र॥ व॥ दू॥ नः॥ नू॥ त॥ उ॥ ता॥ प्रि॥ यः॥ सु॥ तः॥ सो॥ मः॥ मि॥ ये॥ धः॥ य॥ इ॥ ने॥ य॥ इ॥ अ॥
 वा॥ प॥ क्षि॥ यः॥ स॥ न॥ य॥ इ॥ तो॥ व॥ इ॥ अ॥ हि॥ ह॥ त्ये॥ आ॥ व॥ त्॥ य॥ इ॥ ने॥ इ॥ द्र॥ अ॥ व॥ सा॥
 आ॥ च॥ के॥ अ॥ र्वा॥ क्॥ आ॥ ए॥ नं॥ सु॥ म्ना॥ या॥ न॥ व्य॥ से॥ व॥ दृ॥ त्या॥ यः॥ स्तो॥ मे॥ निः॥ व॥ दृ॥

ल०
२५

धो। पू० र्ये निः। यः। म० ध्य मे निः। उ० त। नू० त ने निः। वि० वे ष। य० त्वा मा। धि० ष णा। उ०
जा० ना। स्त० वै। पु० रा। पा० प्पी० त्। ~~दुः~~ अ० द्गः। अ० ह० सः। य० त्वा पी० पर० त्। य० थो। नः। ना
वाऽइ० वा। पा० तं। उ० न० ये। ह० वं० ते। आ० ऽ पू० णेः। अ० स्य। क० ल० शः। स्वा० हा। से० काऽइ० वा॥
को० शं। सि० सि० चे। पि० ब० ध्ये। सं। उ० द० ति। पि० याः। आ० अ० व० वृ० च० न० म० दा० या। प्रऽद० क्षि
णि० त्। अ० नि। सो० मा० सः। इ० दं०। ना० त्वा। ग० नी० रः। पु० रुऽहू० ता। सि० धः। ना० अ० द० यः। प
रि० सं० तः। वृ० रं० त्। इ० ल्हा। स० खिऽन्यः। दु० पि० तः। य० त्वा इ० द्वा। आ० द० ल्हं। चि० त्। अ० रु
जः। ग० व्यं। उ० र्वी० ॥ ११॥ प्रा० प० र्वी० गा० नां। उ० श० ती० द० ति। उप० ऽ स्था० त्। अ० श्वे० इ० वे० त्य

इ० दं०। २

२५

श्वेऽ⁺द्व। वि॒सि॒ते॒ इ॒ति॒ वि॒ऽसि॒ते॒। हा॒स॒मा॒ने॒ इ॒ति॒। गा॒वाऽ॒द्व। शु॒त्रे॒ इ॒ति॒। मा॒त॒
 रा॒। रि॒हा॒णे॒ इ॒ति॒। वि॒ऽपा॒ट्। शु॒तु॒दी॒। प॒प॒सा॒। ज॒वे॒ते॒ इ॒ति॒। इ॒ंद्रे॒षि॒ते॒ इ॒ती॒ इ॒ऽइ॒
 षि॒ते॒। प्र॒ऽस॒वं॒। नि॒क्ष॒मा॒णे॒ इ॒ति॒। अ॒च्छा॒⁺स॒मु॒द्रं॒। र॒थ्याऽ॒द्व। पा॒थः॒। स॒मा॒रा॒णे॒ इ॒
 ति॒सं॒ऽआ॒रा॒णे॒। उ॒र्मिऽ⁺भिः॒। पि॒न्व॒मा॒ने॒ इ॒ति॒। अ॒न्या॒। वा॒। अ॒न्या॒। अ॒पि॒। ए॒ति॒। शु॒
 त्रे॒ इ॒ति॒। अ॒च्छा॒। सि॒ंधुं॒। मा॒ह॒ऽत॒मां॒। अ॒या॒सं॒। वि॒ऽपा॒शं॒। उ॒र्वी॒। सु॒ऽन॒गां॒। अ॒ग॒न्म॒।
 व॒त्सं॒ऽद्व। मा॒तरा॒। स॒रि॒हा॒णे॒ इ॒ति॒सं॒। रि॒हा॒णे॒। स॒मा॒नं॒। यो॒निं॒। अ॒नु॒। स॒च॒रं॒ती॒
 इ॒ति॒सं॒ऽच॒रं॒ती॒। ए॒ना॒। व॒यं॒। प॒प॒सा॒। पि॒न्व॒मा॒नाः॒। अ॒नु॒। यो॒निं॒। दे॒वऽ॒कृ॒तं॒। च॒रं॒ती॒।

१० नावतैवाप्रःसवःसर्गः तत्तः किः पुः विप्रः नद्यः जोहवीतिरमध्वं मोवचसे।
२ सोम्यायाकतः वरीः उपः मुहूतैः एवैः प्रः सिंधुः अथैः वृहती मनीषा अवसुः
अथैः कुशिकस्यासूनुः ॥ २ ॥ इंद्रः अस्मान् अरदत्तः बहुः बाहुः अथैः
हन्तः वृचः परिः धिः नदीनां देवः अनयत् सविता सुः पाणिः तस्यैः वयं।
प्रः सवोयामः उर्वीः प्रः वाच्यैः शश्वधा वीर्यैः तत् इंद्रस्यैः कर्मैः यत् अ
हिः विः वृश्चत् विः वज्रेण परिः सद्यैः ऊघान् आर्यन् आपः अयनं इ
कमाना एतत् वचः ऊरितः मा अपि मृषाः आयत् तोघोषान् उत्त

तत्तापुगानि। उ० के० पु०। का० रो० इति। प्रति। नः। जुषस्व। मानः। नि। क० रितिकः।
 पुरुषः। नानमः। ते। उ० इति। सु०। स्वसारः। का० रवे। शृणोता। य० यौ। वः। दूराता। अ०
 नसारथेन। नि। सु०। नमध्वा० नवता० सु०। पा० रा०। अधः०। अ० क्षाः। सिंधवः। स्त्रो०
 त्यानिः। आ० ते। का० रो० इति। शृ० ण० वाम०। व० चा० सि०। य० मा० श्र०। दू० रा० ता०। अ० न० सा० रा० थे० न०।
 नि० ते। न० से०। पी० प्या० ना०। इ० वा० यो० षा०। म० र्म्या० य०। इ० वा० क० न्या०। श० श्व० चै०। त० इति०। ते०। ॥
 य० त०। अ० ग०। त्वा०। न० र० ताः। सं०। त० रे० पुः। ग० व्य० न०। ग्रामः। इ० धि० तः। इ० दं०। इ० दू० तः। अ० र्वा०
 त०। अ० ह०। प्र०। स० वः। स० र्गि० त० क्तः। आ० वः। वृ० णे०। सु०। म० ति०। य० द्धि० या० नां। अ० त० रि० पुः॥

हृ० न०
न॒र॒ताः। ग॒व्य॒वः। स॒ं अ॒न॒क्त॒। वि॒प्रः। सु॒ऽ म॒तिं। न॒दी॒नां। प्रा॒पि॒न्व॒धं। इ॒ष॒य॒तीः॥
सु॒ऽ रा॒धाः। आ॒ व॒क्ष॒णाः। पृ॒ष्ट॒ध॒ं। पा॒ता॒शी॒नां। उ॒ता॒वः। कृ॒र्मिः। श॒म्पाः। हं॒तु॒। आ॒
पः। यो॒ क्रा॒णि॒। मुं॒च॒ता॒मा॒। अ॒दुः॒ऽ कृ॒ता॒। वि॒ऽ ए॒न॒सा॒। अ॒घ्नो॒। श्र॒नो॒। आ॒। अ॒र॒तां॒।
॥१४॥ इ॒न्द्रः॒। पू॒ऽ नित्। आ॒। अ॒ति॒र॒त्। दा॒सं॒। अ॒र्क्षे॒। वि॒द॒तः॒ व॒सुः॒। द॒य॒मा॒नः॒। वि॒।
श॒त्रून्। व॒स्त्रं॒ऽ कृ॒तः॒। त॒न्वा॒। व॒वृ॒धा॒नः॒। नृ॒रि॒ऽ दा॒त्रः॒। आ॒। अ॒पृ॒ण॒त्। रो॒द॒सी॒द॒ति॒।
ने॒द॒ति॒। म॒ख॒स्य॒। ते॒। त॒वि॒ष॒स्य॒। प्र॒। कृ॒तिं॒। इ॒ष॒मि॒। वा॒चं॒। अ॒मृ॒ता॒मा॒। नृ॒ष॒ना॒। इ॒न्द्र॒।
सि॒ती॒नां॒। अ॒सि॒। मा॒नु॒षी॒णां॒। वि॒शां॒। दै॒वी॒नां॒। उ॒ता॒। पू॒र्वः॒। या॒वा॒। इ॒न्द्रः॒। वृ॒त्रं॒। अ॒वृ॒ण॒त्।

श ३ नीतिः। प्रामा॒यिनां। अ॒मिना॒त्। वर्षः॑ नीतिः। अ॒हन्। विः॑ अ॒सं। उ॒शध॑
 वनेषु। आ॒विः। धेनाः॑। अ॒कृणो॒त्। रा॒म्भा॒णां। इ॒न्द्रः। स्वः॑ साः॑। क॒नय॑न्। अ॒हानि॑।
 ि॒माय॑। उ॒शिकूः॑ निः। ए॒तनाः॑। अ॒निष्टिः॑। प्र। अ॒रोच॑य॒त्। म॒नवे॑। के॒तुं। अ॒क्षौ। अ॒
 वि॒दत्। ज्योतिः॑। वृ॒हते॑र॒णाप॑। इ॒न्द्रः। तु॒ङ्गः। ब॒र्हणाः॑। आ॒वि॒वेश॑। नृ॒ऽव॒त्। द॒धा
 नः। न॒र्ष्य॑। पु॒रु॒णि॑। अ॒चे॒त॒य॒त्। धि॒यः। इ॒माः। क॒रि॒त्रे। प्र। इ॒मां॑ व॒र्ण॑। अ॒ति॒र॒त्। शु॒क्रं॑।
 आ॒सां॑॥ १५॥ म॒हः। म॒हानि॑। प॒द्म॒य॒न्ति॑। अ॒स्य॑। इ॒न्द्र॒स्य॑। क॒र्म्म॑। सु॒ऽक॒ता॑। पु॒रु॒णि॑।
 वृ॒ज्जने॑न। वृ॒ज्जि॒नान्। सां॑ वि॒षे॒षा॒मा॒या॒निः। द॒स्पू॒न्। अ॒नि॒नृ॒तिः॑। उ॒जाः॑। पु॒धा॑। इ॒न्द्रः॑।

२५

म॒क्रा। ब॒रि॒क॒। च॒का॒र। दे॒वे॒न्यः॑। स॒तः॑। प॒तिः॑। च॒र्ष॒णिः॑। प्राः॑। वि॒व॒स्व॒तः॑। स॒दे॒नो॑। अ॒
 स्य॑। ता॒नि। वि॒प्राः॑। उ॒क्ते॒निः॑। क॒व्यः॑। गृ॒णं॒ति। स॒त्राः॑। स॒हो॑। व॒रे॒ण्यं॑। स॒हः॑। दं॑। स॒
 सः॑। वां॑। स॑। स्वः॑। अ॒पः॑। च॒। दे॒वीः॑। स॒सानो॑। यः॑। पृ॒थि॒वी॑। द्यां॑। उ॒ता॑। द॒मां॑। इ॒न्द्रं॑। म॒दं॒ति॑॥
 अ॒नु॑। धीः॑। र॒णा॒सः॑। स॒सानो॑। अ॒त्या॒न्। उ॒त॑। सूर्य्य॑। स॒सानो॑। इ॒न्द्रः॑। स॒सानो॑। पु॒रु॒
 नो॑। ज॒सं॑। गां॑। हि॒र॒ण्यं॑। उ॒त॑। नो॒गं॑। स॒सानो॑। ह॒वी॑। द॒स्य॑न्। प्रा॒। आ॒र्य्यं॑। व॒र्णी॑। आ॒वृ॒त॑॥
 इ॒न्द्रः॑। ओष॑धीः॑। अ॒स॒नो॒त्। अ॒हा॒नि। व॒न॒स्प॒ती॒न्। अ॒स॒नो॒त्। अ॒न्तरि॑क्षं॑। वि॒ने॒द॑॥ २५
 व॒लं॑। नु॒नु॒दे॑। वि॒ऽवा॒चः॑। अ॒थ॑। अ॒न॒वृ॒त्। द॒मि॒ता॑। अ॒ग्निः॑। क॒तू॒नां॑॥ ॥ १६॥ ति॒ष्ठ॑॥ ह॒

रीदृति। रथे। आ। पु। ज्यमाना। पाहि। वापुः। नानिः। पुतः। नः। अछ। पिवांसि। अंधः।
 अनिः। सृष्टः। अस्मेदृति। इंद्र। स्वाहारिमा। ते। मदाया। उपा। अजिगा। पुरुः। हुताया।
 सत्रीदृति। हरीदृति। रथस्याधूः। सु। आ। पुनज्मि। इवत्। यथा। संः। नृते। विश्वतः।
 चित्। उपा। इमं। यज्ञं। आ। बहातः। इंद्रं। उपोदृति। नयस्वा। वृषणा। तपुः। पा। उत। इंद्रं।
 अवात्वं। वृषना। स्वधाः। वः। ग्रसेतां। अश्वा। विमुचा। इहा। शोणो। दिवेः। दिवे। सः। दृशः।
 अद्भि। धानाः। ब्रह्मणा। ते। ब्रह्मः। पुत्रा। पुनज्मि। हरीदृति। सर्वाया। सधः। मादे। आ
 भूदृति। स्थिरं। रथं। सुः। खा। इंद्रं। अधिः। तिष्ठन्। मा। ते। हरीदृति। वृषणा। वीतः। प

५. निरीर १

ॐ॥ ७॥ अतिः॥ आमाहि॥ शश्वतः॥ वयं॥ तो॥ अरौ॥ सुते॥ निः॥ कृणवामा॥ सोमैः॥ १०॥ तव॥
अयं॥ सोमः॥ त्वं॥ आ॥ इहि॥ अ॥ इ॥ शश्वतः॥ तमं॥ सु॥ मनाः॥ अ॥ स्या॥ पाहि॥ अ॥ सि॥
ना॥ प॥ दे॥ वहि॥ वि॥ आ॥ नि॥ स॥ द्य॥ द॥ धि॥ ष्वो॥ इ॥ मं॥ ऋ॥ ऋ॥ इ॥ दं॥ इ॥ दं॥ स्ती॥ णी॥ तो॥ वहि॥
सु॥ तः॥ इ॥ दं॥ सो॥ मः॥ कृ॥ ता॥ धा॥ नाः॥ अ॥ त॥ वो॥ तो॥ ह॥ रि॥ न्या॥ तव॥ उ॥ क॥ से॥ पुरु॥ शा॥ का॥
न॥ द॥ स्ते॥ म॥ रु॥ त्वं॥ तो॥ तु॥ न्यं॥ रा॥ ता॥ ह॥ वी॥ वि॥ इ॥ मं॥ न॥ रः॥ प॥ र्व॥ ताः॥ तु॥ न्यं॥ आ॥ पः॥ सा॥ इ॥ दं॥
मा॥ निः॥ म॥ भः॥ मं॥ तो॥ अ॥ न॥ त॥ स्य॥ आ॥ ग॥ त्य॥ सु॥ म॥ नाः॥ ऋ॥ ष्व॥ पा॥ हि॥ प्र॥ ज्ञा॥ न॥ ना॥ वि॥ द्या॥
न॥ प॥ द्या॥ अ॥ नु॥ स्वा॥ पा॥ ना॥ आ॥ अ॥ न॥ त॥ म॥ रु॥ त्वं॥ इ॥ दं॥ सो॥ मो॥ ये॥ त्वं॥ अ॥ व॥ र्द॥ न॥ अ॥

२५

न व न्। गणः। तो। ते निः। ए तं। सः। जोषा। वा व शानः। अग्नेः। पिवा। त्रि द्वा। सोमा। इंद्र।
 इंद्र। पिवा। स्वधपा। चित्। सुतस्य। अग्नेः। का। पाहि। त्रि द्वा। यज्ञः। अधर्यः।
 वा। प्रः। यतं। शक्र। हस्तात्। होतुः। वा। यज्ञं। हविषः। जुषस्वा॥ १८॥ इमां। कुं इति।
 सु। प्रः। नृतिं। सातयोधाः। शश्वत्ः। शश्वत्। कुतिः। निः। यादमानः। सुतेः। सुतो। वृ
 धो। वईने निः। यः। कर्मः। निः। मुहत्। निः। सुः। श्रुतः। नृत्। इंद्राय। सोमाः। प्रः।
 दिवः। विदनाः। रुनुः। ये निः। वृषः। पर्वा। विः। हायाः। प्रः। पम्पमानान्। प्रति। सु। गृ
 नाय। इंद्र। पिवा। वृषः। धृतस्य। वृत्तः। पिवा। वईस्वातवा। घा। सुतासः। इंद्र। सोमा

६०
३०

सः प्रथमाः उत। इमे यथा। अषिवः पूर्वान्। इंद्र। सोमान्। एवापाहि। पन्थः।
अद्य। नवीयान्। महान्। अमनः। वृजने। विः रशी। उग्रं। शवः। पत्यते। घृत्तु। उ
जः। न। अह। विव्याच। पृथिवी। चनो। एन। यत्। सोमासः। हरिः। अश्वं। अमंदन। म
हान्। उग्रः। ववृधे। वीर्ष्याय। संः। आवके। वृषनः। काव्येन। इंद्रः। नगः। वाजः। दाः।
अस्य। गावः। प्राजायते। दक्षिणाः। अस्य। पूर्वीः। १५॥ प्रायत्। सिंधवः। प्रः। संव
यथा। आपन। आपः। समुद्रं। रयाः। इवा। नृगुः। अतः। चित्। इंद्रः। सदसः। वश
यान्। यत्। इंद्रः। सोमः। एणति। दुग्धः। अंशुः। समुद्रेण। सिंधवः। यादमानाः। इंद्रः।

३०

या सोमं। सुः सु⁺ तं। नरं तः। अंशुं। दुहंति। हस्तिनः। नरि वैः। मधः। पुनंति। धारपा।
 पवित्रैः। द्रुदाः। दुवा। कुक्षपः। सोमः। धानाः। सार्द्धमिति। विव्याचा। सर्वना। पुरुणि।
 अन्ता। पत्ता। इंद्रः। प्रथमा। वि। आशा। वृत्रं। रुघ्नान्। अवृणीता सोमं। आ। तु।
 नरा। माकिः। एतत्। परि। स्थात्। वि। आ। हि। त्वा। वसुः। पतिं। वसूनां। इंद्रा। पत्ता। तोमा
 हिनां। दवैः। अस्ति। अस्म न्यं। तत्। हरिः। अश्व। प्रापंधि। अस्मेदति। प्रापंधि। मधः।
 वन्। शशीपिन्। इंद्रा। रायः। विश्वः। वारस्या। नूरे। अस्मेदति। शतं। शरदः। ग्रीवसे। धानं।
 अस्मेदति। वीरान्। शश्वतः। इंद्रा। शिपिन्। ॥ २० ॥ वार्वः। हत्याया। शक्से। पतनाः। स

६०
३१

ह्याया च। इन्द्र। त्वा। आ। वर्तयामसि। अर्वाचीनां सुतो। मनः। उता चक्षुः। शतक्रतो
तिशतः क्रतो। इन्द्र। कृण्वेतुं वाचतः। नामानितो। शतक्रतो इति शतः क्रतो। विश्वा
निः। गीः। निः। ईमहे। इन्द्र। अनिमातिः स हो। पुरुः स्तुतस्य। धामः निः। शतेना। म
हयामसि। इन्द्रस्य। चर्षणिः धृतः। इन्द्र। वृत्राय। हंतवे। पुरुः हंतो। उपा। बुधे। न
वाक्रः सातये। ॥ वाजेषु। स सहिः। नवा। त्वा। ईमहे। शतक्रतो इति शतः क्रतो। इ
न्द्र। वृत्राय। हंतवे। युमेधु। एताना ज्यै। एतु नृषी श्रवः। सु। च। इन्द्र। सा स्या। अनि
मातिः। शुचि नः। नाना। क्रतये। दक्षिणां पादि। त्व। गृविं। इन्द्र। सोमं। शतक्रतो

या नाः। उ॒ता। क्ष॒त्रा॒पा॒रो॒द॒सी॒दृ॒ति॒। सं॒। अ॒ं॒रु॒न्। सं॒। मा॒त्रा॒निः॒। म॒मि॒रे॒। ये॒मुः॒। उ॒वी॒
 दृ॒ति॒। अ॒ंतः॒। म॒ही॒दृ॒ति॒। स॒मृ॒ते॒दृ॒ति॒सं॒ऽ॒ऋ॒तो॒। धा॒य॒से॒। भु॒रि॒ति॒कः॒। आ॒ऽति॒वृ॒तं॒। प॒रि॒।
 वि॒श्वे॒। अ॒नू॒ष॒न्। श्रि॒यः॒। व॒सा॒नः॒। च॒र॒ति॒। स्व॒ऽरो॒चिः॒। म॒ह॒त्। त॒त्। वृ॒क्षः॒। अ॒सु॒र॒।
 स्या॒। ना॒म॒। आ॒। वि॒श्वः॒रू॒पः॒। अ॒मृ॒ता॒नि॒। त॒स्मै॒। अ॒सू॒त॒। पू॒र्वः॒। वृ॒ष॒नः॒। ज्या॒पा॒न्। द॒
 माः॒। अ॒स्य॒। श्रु॒रु॒धः॒। सं॒ति॒। पू॒र्वीः॒। दि॒वः॒। न॒पा॒ता॒। वि॒द॒य॒स्य॒। धी॒निः॒। क्ष॒त्रं॒। रा॒जा॒ना॒।
 प्र॒ऽदि॒वः॒। द॒धा॒ये॒दृ॒ति॒॥ ३३ ॥ त्री॒णि॒। रा॒जा॒ना॒। वि॒द॒ये॒। पु॒रु॒णि॒। प॒रि॒। वि॒श्वानि॒। जू॒
 प॒थः॒। स॒दा॒सि॒। अ॒प॒श्य॒। अ॒त्र॒। म॒न॒सा॒। ऋ॒ग॒वो॒न्। ब्र॒ह्म॒णो॒। गंध॒र्वान्। अ॒पि॒। वा॒युः॒। के॒

शान्तं नमो भूतानु। अस्या वृष नस्या धेनोः। आ नामः निममिरे। सकर्म्य। ज्ञा
 अन्यः अन्यतः। असुर्यः। वसानाः। निमायिनः। ममिरे। रूपं। अस्मिन्ना। सति
 पु। नकिः। मो। हिरण्ययी। अमर्ति। पां। अशि श्रेत। आ। सुः। स्तुती। रोदसी इति। नि
 श्वमि न्वेदति विश्वः इवे। अपिः इवा योषा। कनिमानि। ववे। सुवं। वृत्तस्य। सा
 धयः। महः। यत्र देवी। स्वस्तिः। परि नः। स्यातां गोपा किं दस्य। वस्तु कः। विः
 गा विश्वे। पश्यंति। मायिनः। कृतानि। ॥ २४ ॥ इन्द्रं। मतिः। हृदः। आ। वच्यमाना।
 अकं। पतिं। स्तोमः। तष्टा। जिगाति। पा। जगृविः। विदये। शस्यमाना। इन्द्रं। पतः।

हृ० जायते। विद्भिः। तस्याः दिवः। चित्। आ। पूर्वा। जायमाना। वि। जागृविः। विदधे। श
३३ स्यमाना। नृदा। वस्त्राणि। अर्जुना। वसाना। सा। दूयं। अस्मेद्विती। सनः। जा। पित्र्या।
धीः। यमा। चित्। अत्र। यमः। सूः। असूत। क्रिद्धायाः। अग्रं। पतत्। आ। दि। अ
स्तुत्। वपुंषि। जाता। मिथुना। सचेतेद्विती। तमः। हना। तपुषः। बुध्ने। आ। द्वा
नकिः। एषां। निंदिता। मह्येषु। पो। अस्माकं। पितरु। गोषु। योधाः। दंडः। एषां। दंड
हिता। माहिनः। वान्। उत्तमं। जाति। सस्तु। ज्ञे। दंसनाः। वान्। सखा। ह। यत्र। सखि
निः। नवः। मेवः। अनिः। द्रु। आ। सत्वं। निः। जाः। अतुः। गमन्। सत्यं। तत्। दंडः। द

शः निः दशः ग्वेः सूर्यः विवेदा तमसि क्षियंता ॥ २५ ॥ इंद्रः मधुः संः च तं रुस्त्रि
 पां ॥ पुनः वत् विवेदा शफः वत् नमो गोः ॥ १ ॥ हस्ते दधे दक्षिणे दक्षिणः वा
 न् ॥ २ ॥ निः वृणीता तमसः विः ज्ञानन् आरे स्यामा दुः ॥ ३ ॥ इतात् अनीके इमाः ॥
 गिरः सोमः पाः सोमः वृद्धः जुषस्वा इंद्रः पुरुः तमस्य कारोः ज्योतिः पृश्ना
 पारोदसीदृतिः अनु स्यात् आरे स्यामा दुः ॥ ४ ॥ इतस्य नूरेः नूरि न्वित् हिानु
 जतः मर्त्यस्य सुः पारासः वसवः बर्हणा वत् ॥ २६ ॥ ॥ इति तृतीयाष्टके
 द्वितीयोऽध्यायः ॥ ॥ इंद्रः ता वृषन् वयं सुतो सोमे हवामहे सः पाहि मध्वः ॥

अंधसः। इन्द्रा कुरुः विदं। सुता। सोमं। हर्म्य। पुरुः स्तुता। पिब। आ। वृषस्व। तह
 पि। इन्द्र। प्रातः। धितः। वानं। मद्रं। विश्वेनिः। देवेनिः। तिरास्तवाना। विश्वते। इन्द्र।
 सोमाः। सुताः। इमो। तवा। प्रा। यंति। स्तुतः। पतो। क्षयं। चंद्रासः। इन्द्रवः। रधिषाज
 उरे। सुता। सोमं। इन्द्र। वरेण्यं। तवा। द्यु। सासः। इन्द्रवः। गिरिवणः। पाहि। नः। सु
 ता। मर्त्ये। धारनिः। अल्पसो। इन्द्र। त्वाः। दाता। इत्ता। पशः। अनि। द्यु। स्नानि।
 वनिनः। इन्द्र। सचंते। अक्षिता। पीत्वा। सोमस्य। ववृधे। पुराः। वतः। च। वृचः।
 हुनः। इमान। वृषस्व। नः। गिरिः। यत्ता। अंतरा। पुराः। वतं। अर्वा। वतं। च। हृयसो।

ह न तु आ गहि ॥ आ नू न् ५५

॥ १॥ २॥ ॥ ॥ म॒द्रा॒कृ॒। हु॒वा॒नः॒। सो॒मः॒। पी॒त॒यो॒ह॒रिः॒। न्या॒। पा॒हि॒। अ॒द्रिः॒वः॒। स॒त्रः॒। हो॒
ता॒नः॒। अ॒स्त्रि॒यः॒। ति॒स्ति॒रो॒। ब॒र्हिः॒। आ॒नु॒ष॒क॒। अ॒मु॒कु॒न्। प्रा॒तः॒। अ॒द्र॒पः॒। इ॒मा॒।
ब्र॒ह्म॒। ब्र॒ह्मः॒। वा॒हः॒। क्रि॒यं॒ते॒। आ॒। ब॒र्हिः॒। सी॒दा॒। वी॒हि॒। श्रू॒र॒। पु॒रो॒ला॒शं॒। रं॒धि॒। स॒
व॒ने॒पु॒नः॒। ए॒षु॒। स्तो॒मेषु॒। वृ॒त्रः॒। ह॒न्। उ॒क्ते॒षु॒। इ॒न्द्र॒। गि॒र्व॒णः॒। म॒त॒यः॒। सो॒मः॒। पां॒। उ॒
हं॒। रि॒हं॒ति॒। श॒व॒सः॒। प॒ति॒। इ॒न्द्रं॒। व॒त्सं॒। ना॒मा॒त॒रः॒॥ ३॥ सः॒। म॒न्द॒स्व॒। हि॒। अ॒ध॒सः॒। रा॒ध॒
सो॒। न॒वा॒। म॒हो॒। ना॒स्तो॒ता॒रं॒। नि॒दे॒। क॒रः॒। व॒पं॒। इ॒न्द्र॒। त्वा॒। य॒वः॒। ह॒वि॒ष्मं॒तः॒। ज॒र॒म॒हे॒॥
उ॒ता॒त्वं॒। अ॒स्मः॒। पुः॒। व॒सो॒इ॒ति॒। मा॒। आ॒रे॒। अ॒स्मत्॒। वि॒। मु॒मु॒चः॒। ह॒रिः॒। वि॒या॒। अ॒र्वा॒

३५
 ३५
 उ॥ या॒हि॒ इ॒न्द्र॑ । स्व॒धाः॒ वः॒ म॒रु॒त॑ । इ॒ह । अ॒र्वा॒ च॑ । त्वा॒ सु॒खे॒ रये॑ । वह॒ता॒ इ॒न्द्र॑ । के॒
 शि॒ना॒ घृ॒त॒स्नु॒इति॑ घृ॒तः॒ स्नु॒ । ब॒र्हिः॒ आ॒स॒दे॒ ॥ ४॥ ॥ सो॒मं॑ । इ॒न्द्र॑ । गोः॒ आ॒शि॒रं॒ ।
 ह॒रिः॒ न्या॑ । यः॒ ते॒ अ॒स्म॒युः॒ ता॒ इ॒न्द्र॑ । म॒दं॒ आ॒ग॒हि॒ । ब॒र्हिः॒ स्त॒ ॥ ग्रा॒वः॒ निः॒ सु॒तं॒ ।
 कु॒वि॒त्रा॒नु॒ । अ॒स्या॒ह॒ण॒ वः॒ इ॒न्द्र॑ । इ॒त्था॒ गि॒रः॒ म॒म॑ । अ॒ल॒ । अ॒गुः॒ इ॒वि॒त्रा॒ इ॒
 त॒ । आ॒ वृ॒ते॒ सो॒मः॒ पी॒तये॑ इ॒न्द्र॑ । सो॒म॒स्या॒ पी॒तये॑ । स्तो॒मैः॒ इ॒ह॒ । इ॒वाम॑ । हे॒ उ॒क्ते॒
 निः॒ कु॒वि॒त्रा॒ आ॒ग॒म॒त्रा॒ । ता॒न॒ । द॒धि॒ वा॒ श॒त॒क॒तो॒ इति॑ श॒तः॒ क॒तो॒ । न॒ हरे॑ । वा॒
 ज्ञे॒ नी॒ व॒सो॒ इति॑ वा॒ जि॒नी॒ व॒सो॒ ॥ ५॥ वि॒द्म॒ हि॒ त्वा॒ ध॒नं॒ । ज॒यं॒ । क॒र्मे॒षु॒ ॥ ३५
 ३५
 इ॒न्द्र॑ सो॒मः॒ सु॒त॒ इ॒न्द्र॑

कवे। अधा। ते। सुम्ना। ईमहे। इमां। इंद्रागोऽ। आशिरं। पर्वऽ। आशिरं। चानऽ। पि
 आऽ। गत्य। वषऽ। निऽ। सुतां। तुन्या। इत्। इंद्रास्वा। ओके। सोमं। चोदमि। पीतये।
 एषऽ। रं। तु। ते। हृदि। त्वां। सुतस्य। पीतये। प्रत्नं। इंद्र। हवामहे। कुशिकासऽ।
 अवस्यवऽ। ॥ ६ ॥ आ। याहि। अर्वाङ्। उप। बंधरेऽ। स्थाऽ। तव। इत्। अनु। प्रऽ। दि
 वऽ। सोमऽ। पेयं। प्रिया। सखाया। वि। मुचा। उप। बर्हिऽ। त्वां। इमो। हव्यऽ। वाहऽ। हवं
 ते। आ। याहि। पूर्वीऽ। अवि। चर्षणीऽ। आ। अर्यऽ। आऽ। शिषऽ। उप। नऽ। हरिऽ। न्यां।
 इमाऽ। हि। त्वां। मतयऽ। स्तोमऽ। तष्टाऽ। इंद्र। हवंते। सख्यां। जुषाणाऽ। आ। नऽ। पदं।

नमः॥ वृधो॥ स॥ जोषाः॥ इंद्रा॥ देवा॥ हरिः॥ निः॥ पाहि॥ तूपां॥ अहं॥ हि॥ त्वा॥ म॥ तिः॥ निः॥
 जोह॥ नीमि॥ घृतः॥ प्रयाः॥ स॥ धः॥ मा॥ दे॥ म॥ धू॥ नां॥ आ॥ च॥ त्वां॥ ए॥ ता॥ वृ॥ ष॥ णां॥ व॥ हा॥ तः॥
 ह॥ री॥ इ॥ ति॥ स॥ र॥ वा॥ मा॥ सुः॥ धु॥ रा॥ सुः॥ अं॥ गा॥ धा॥ नाः॥ व॥ त्रा॥ इं॥ द्रा॥ स॥ व॥ नं॥ जु॥ षा॥ णः॥ स॥
 र॥ वा॥ स॥ र॥ म्युः॥ शृ॥ ण॥ व॥ त्रा॥ वं॥ द॥ ना॥ नि॥ कु॥ वि॥ त्रा॥ मा॥ गो॥ पां॥ क॥ र॥ सो॥ व्र॥ न॥ स्या॥ कु॥ वि॥ त्रा॥ रा॥
 जा॥ नं॥ म॥ धः॥ व॥ न्ना॥ रु॥ म्नी॥ पि॥ न्ना॥ कु॥ वि॥ त्रा॥ मा॥ रु॥ षिं॥ प॥ पिः॥ वां॥ सं॥ सु॥ त॥ स्या॥ कु॥ वि॥ त्रा॥ मे॥
 त॥ स्वः॥ अ॥ मृ॥ त॥ स्या॥ शि॥ त्वाः॥ आ॥ त्वा॥ वृ॥ हं॥ तः॥ ह॥ र॥ यः॥ यु॥ जा॥ न्नाः॥ अ॥ र्वा॥ कू॥ इं॥ द्रा॥ स॥ धः॥
 मा॥ दः॥ व॥ हं॥ तु॥ प्रा॥ ये॥ दि॥ ता॥ दि॥ वः॥ अं॥ जं॥ ति॥ आ॥ ताः॥ सुः॥ सं॥ मृ॥ शाः॥ वृ॥ ष॥ न॥ स्या॥ मू॥ राः॥ इं॥

द्रापिबी वृषः धृतस्या वृक्षः आर्यातो श्येनः उशते। कृनार। यस्या मदे। च्युत
 यसि। प्राकृषीः। यस्या मदे। अप। गोत्रा। ववर्षी॥॥॥ अर्यातो अस्ता हर्षत
 सोमः। आ। हरिः निः। सुतः। गुषाणः। इंद्र। हरिः निः। नः। आ। गहि। आ। तिष्ठ।
 हरितं। रथं। हर्षन। उषसं। अर्चयः। सूर्यं। हर्षन। अरोचयः। विद्वान्। विकि
 त्वान्। हरिः अश्व। वर्द्धसौ इंद्र। विश्वाः। अनि। श्रियः। द्यां। इंद्रः। हरिः धायसं। पृ
 थिवीं। हरिः वर्षसं। अधारयत्। हरितोः। नूरि। नो कृनं। ययोः। अंतः। हरिः। चरत्।
 गृह्णानः। हरितः। वृषा। विश्वं। आ। नाति। रोचनं। हरिः अश्वः। हरितं। धृत्वा। आयुधं।

१०
२०

आ॥ वज्रं॥ वा॒क्त्रोः॥ ह॒रिः॥ इ॒न्द्रः॥ ह॒र्ष्य॑ ती॥ अ॒र्जुनं॥ वज्रं॥ शु॒क्रैः॥ अ॒ग्निः॥ व॒त्स॥ अ॒प॥
अ॒वृ॒णो॒त्॥ ह॒रिः॥ निः॥ अ॒दिः॥ निः॥ सु॒ता॥ उ॒त्तरा॒गा॥ ह॒रिः॥ निः॥ आ॒क॒ता॥ आ॒मं॥
दैः॥ इ॒न्द्रः॥ ह॒रिः॥ निः॥ या॒हि॥ म॒यूर॑ रोमः॥ निः॥ मा॒त्वा॒ के॒॥ नि॒त्त॒॥ नि॒य॒म॒न्॥ वि॒ना॒ पा॒
शि॒नः॥ अ॒ति॒॥ ध॒न्वः॥ इ॒वा॒ ता॒न॒॥ इ॒हि॒॥ वृ॒त्रः॥ स्वा॒दः॥ व॒त्स॥ रु॒द्रः॥ पु॒रा॥ द॒र्मः॥ अ॒पा॥ अ॒
जः॥ स्त॒वा॒॥ र॒थ॒स्या॒ ह॒र्ष्यः॥ अ॒ग्निः॥ स्व॒रो॒॥ इ॒न्द्रः॥ इ॒त्था॒॥ वि॒त्ता॒॥ आ॒॥ रु॒द्रः॥ गं॒नी॒रा॒न॒॥ उ॒
द॒धी॒न्॥ इ॒वा॒ क॒तुं॥ पु॒ष्प॒सि॒गाः॥ इ॒वा॒ प्रा॒सु॒॥ गो॒पा॒॥ य॒व॒सं॒॥ धे॒न॒वः॥ य॒था॒॥ कु॒दं॒कु॒
ल्पाः॥ इ॒वा॒ आ॒श॒ता॒॥ आ॒नः॥ तु॒ङ्गो॒र॒पि॒॥ न॒रा॒॥ अंशं॒॥ ना॒प्र॒तिः॥ ज्ञा॒न॒तो॒॥ वृ॒त्ता॒॥ प॒त्ता॒॥ प॒त्ता॒॥

३०

चं कीः इन्द्रा धनुहि। इन्द्रा संः पारणं। वसु। स्वः। इन्द्रा। स्वः। राट्। असि। स्मत्
 रिः। स्वयशः। तरः। सः। नृधानः। ओजसा। पुरः। कता। नवीनः। सुश्रवः। तमः।
 पुधा स्याते। वृषस्य। स्वः। राजः। उग्रस्य। पूनः। स्थविरस्य। धृषः। अजृय
 तः। जिणः। वीर्यणि। इन्द्रा। श्रुतस्य। महतः। महानि। महान्। असि। महिषा। वृक्षे
 निः। धनः। स्मत्। उग्रा। सहमानः। अन्यान्। एकः। विश्वस्य। नुवनस्य। राजा। सः॥
 योधया। च। क्षपया। च। जनान्। प्र। मानातिः। रिचि। रोचमानः। प्र। देवेनिः। वि
 श्वतः। अप्रतिः। इतः। प्र। मृज्मना। दिवः। इन्द्रा। पृथिव्याः। प्र। उरोः। महः। अंतरि

दा॥ त॥ रु॥ जी॥ षी॥ रु॥ ग॥ नी॥ रं॥ रु॥ नु॥ षी॥ अ॥ नि॥ रु॥ ग्रं॥ वि॥ श्वः॥ य॥ च॥ सं॥ अ॥ व॥ तं॥ म॥ ती॥ नां॥
 इं॥ दं॥ सो॥ मा॥ सः॥ प्र॥ दि॥ वि॥ सु॥ ता॥ सः॥ स॥ मु॥ दं॥ न॥ स्व॥ व॥ तः॥ आ॥ वि॥ शं॥ ति॥ यं॥ सो॥ मं॥ इं॥ दं॥
 पृ॥ थि॥ वी॥ द्या॥ वा॥ ग॥ नी॥ ना॥ मा॥ ता॥ वि॥ नृ॥ तः॥ त्वा॥ ऽया॥ तां॥ ते॥ हि॥ न्वं॥ ति॥ तां॥ रु॥ द॥ ति॥ ते॥ मृ॥ तं॥
 ति॥ अ॥ ध॥ र्प्य॥ वः॥ वृ॥ ष॥ न॥ या॥ त॥ वै॥ रु॥ द॥ ति॥ ॥ म॥ रु॥ त्वा॥ न॥ इं॥ दं॥ वृ॥ ष॥ नः॥ र॥ णा॥ या॥ पि॥ व॥
 सो॥ मं॥ अ॥ नु॥ स्व॥ धं॥ म॥ दा॥ या॥ आ॥ सि॥ च॥ स्वा॥ रु॥ णे॥ म॥ ध॥ रु॥ मि॥ त्वं॥ रा॥ जा॥ अ॥ सि॥ प्र॥
 दि॥ वः॥ सु॥ ता॥ नां॥ स॥ जो॥ षां॥ इं॥ दं॥ स॥ ग॥ णः॥ म॥ रु॥ तः॥ निः॥ सो॥ मं॥ पि॥ व॥ वृ॥ नः॥ हा॥ श्रू॥
 नि॥ द्या॥ न॥ रु॥ हि॥ श॥ नृ॥ अ॥ पा॥ मृ॥ ध॥ नु॥ द॥ स्वा॥ अ॥ य॥ अ॥ न॥ यं॥ रु॥ णु॥ हि॥ वि॥ श्व॥ तः॥ नः॥

वृताः सुतुः निः सुतुः पाः पाहि। सोमं। इंद्र। देवे निः सखिः निः सुतानुः। पानु।
 आ। अनजः। मरुतः। यो। त्वा। अनु। अहना। वृत्रं। अदधुः। तुन्यं। ओजः। यो। त्वा। अ
 हिः हत्ये। मघः वृत्र। अवर्द्धन। यो। शां बरे। हरिः वः। यो। गोः इंष्टो। यो। त्वा। नूनं। अ
 नुः मदंति। विप्राः। पिब। इंद्र। सोमं। सः गणः। मरुतः निः मरुत्वंतं। वृषनं। ववृ
 धानं। अकवः अरिं। दिव्यं। शासं। इंद्रं। विश्वः सहं। अवसो। नूतनाया। उग्रं। सहः।
 दां। इहा। तं। हुवेम॥ ११॥ सद्यः। ह। जातः। वृषनः। कनीनः। प्रः नर्तुं। आवत्। अंध
 सः। सुतस्य। साधोः। पिब। प्रतिः। कामं। यथा। तोरसः। आशिरः। प्रथमं। सोमस्य।

ह० पता त्रायथाः। तत् अहः। अस्य कामे। अंशोः। पीपूर्व। अपिबः। गिरिः। स्थां। तं।
 ३० तो। माता। परि। योषा। जनित्री। महः। पितुः। दमे। आ। असिंचत्। अग्रे। उपः। स्था
 य। मातरं। अन्ना। ऐह। तिग्मं। अपश्यत्। अनि। सोमं। क्रधः। प्रः। पुबयन्। अचर
 तागृहः। अन्यान्। महानि। चक्रे। पुरुधः। प्रतीकः। उग्रः। तुरापाद्। अनि। नूतिः
 ओजः। यथाः। वशं। तन्वं। चक्रे। एषः। त्वरां। इंदः। अनुषा। अनिः। नूय। आः
 पुषः। सोमं। अपिबत्। चमूषु। ॥ १२॥ शंसा। महं। इंदं। पस्मिन्। विश्वाः। आः
 कुपः। सोमः। पाः। कामं। अव्यन्। पांसुः। कर्तुं। धिषणे। इति। विन्वः। त्वं। वनं।

वृत्राणां। जनयंता देवाः। यानु। न किं। एतना सु। स्वः। राक्षः। द्विता। तरति। नृः। तमं।
 हरिः। स्था। इनः। तमः। सत्त्वः। निः। यः। हा। श्रूषैः। एथुः। जुपाः। अमिनात्। आयुः।
 दस्योः। सहः। वा। एतः। सु। तरणिः। ना। अर्वा। विः। आनशिः। रोदसी। इति। मेहनाः।
 वान्। नगः। ना। कारे। रु। व्यः। मतीनां। पिताः। इवा। चारुः। सुः। हवः। वयः। धाः। धर्ता।
 दिवः। रजसः। एष्टः। जुर्द्धः। रथः। ना। वायुः। वसुः। निः। निमुत्तान्। क्षपां। वस्ता॥
 जनिता। सूर्यस्य। विः। नक्ता। नागं। धिषणाः। इवा। वाजं। ॥ १३॥ इन्द्रः। स्वाहा।
 पिबतु। यस्य। सोमः। आः। गत्ये। तुमः। वृषनः। मरुत्तान्। आ। उरुः। व्यचाः। ए

एतां। एभिः। अन्तेः। आ। अस्याहविः। तन्वः। कामैः। रुध्याः। आ। ते। सपृषूड
 ति। ऊवसे। युनज्मि। ययोः। अनु। प्रः। दिवः। श्रुधिं। आँवः। इह। त्वा। धेयुः। हर
 यः। सुः। शिप्र। पिब। तु। अस्या। सुः। सुतस्या। चारोः। गोभिः। मिमिहं। दधिरो। सुः
 पारं। दंडं। ज्यैष्ठ्याया। धा। पसे। गृणानाः। मंदानः। सोमं। पपिः। बान्। रुजीविन्।
 सं। अस्मज्यं। पुरुधा। गाः। इषण्या॥ १८॥ चर्षणिः। धृती। मघः। वानं। उक्क्यं।
 दंडं। गिरः। बृहतीः। अनि। अनूपत। वृध्यानं। पुरुः। हूतं। सुवृत्तिः। निः। अ
 मर्त्यं। जरमाणं। दिवेः। दिवे। शतः। नतुं। अर्णवं। शाकिनी। नरं। गिरः। मे। दंडं। १९॥

यंति। विश्वतः। वा। जः। सनिः। पूः। निदो। तूर्णि। अ॒प्रः। तुरं। धामः। साचं। अ॒निः।
 साचं। स्वः। विदो। आः। करो। वसोः। जरिता। प॒न॒स्यते। अ॒ने॒ह॒सः। स्त॒नः। इ॒न्द्रः।
 दु॒व॒स्य॒ति। वि॒व॒स्व॒तः। स॒द॒नो। आ॒हि। पि॒प्रि॒यो। स॒त्राः। स॒हं। अ॒नि॒म॒तिः॒हं।
 स्त॒हि। नृ॒णो। क॒न्द॒ति। त्वा। नृः। त॒मं। गीः। निः। उ॒क्तेः। अ॒नि। प्र। वी॒रं। अ॒र्व॒त।
 सः। बा॒धः। स॒। स॒ह॒सो। पु॒रुः। मा॒यः। जि॒ही॒ते। न॒मः। अ॒स्य। प्रः। दि॒वः। ए॒कः। इ॒
 शो। पू॒र्वीः। अ॒स्य। निः। सि॒धः। म॒र्त्येषु। पु॒रु। व॒सू॒नि। पृ॒थि॒वी। वि॒ज॒न्ति। इ॒न्द्रा
 या॒द्यावः। उ॒ष॒धीः। उ॒ता। आ॒पः। र॒पिं। रु॒क्ष॒ति। जी॒र॒यः। व॒ना॒नि। ॥ १५ ॥ तु॒न्यं।

हं
४१

व॒स्त्राणि॑ गिरः॑ इ॒न्द्रा॑ तु॒न्य॑ । स॒त्रा॑ द॒धिरे॑ । ह॒रिः॑ वः॑ जुष॒स्त्रा॑ बो॒धि॑ । आ॒पिः॑ अ
व॒सः॑ नू॒त॑ न॒स्या॑ स॒खे॑ । व॒सो॑ इति॑ । अ॒रि॒त्हः॑ न्यः॑ व॒यः॑ धा॒नं॑ इ॒न्द्रा॑ म॒रु॒त्वः॑ इ॒हा॑ पा
हि॑ । सोमं॑ प॒था॑ । शा॒य्पा॑ ते॒ । अ॒पि॒वः॑ सु॒त॒स्य॑ । त॒वा॒ प्रः॑ नी॒ती॑ । त॒वा॒ शू॒रा॑ श॒र्म॒नां॑ अ॒ ।
वि॒वा॒सं॑ ति॒ । क॒व॒यः॑ । सुः॑ प॒द्मा॑ सः॑ वा॒व॒शा॒नः॑ इ॒हा॑ पा॒हि॑ । सोमं॑ म॒रु॒तः॑ नि॒त्रा॑
इ॒न्द्रा॑ स॒खिः॑ नि॒त्रा॑ सु॒तां॑ नः॑ जा॒तां॑ प॒त्रा॑ । त्वा॑ प॒रि॑ दे॒वाः॑ अ॒नू॒ष॒न्म॑हे॒ । न॒रा॒या॑
पु॒रुः॑ ह॒ता॑ वि॒श्वे॑ । अ॒श्रः॑ तू॒र्ये॑ । म॒रु॒तः॑ आ॒पिः॑ ए॒षः॑ अ॒म॑द॒न् । इ॒न्द्रा॑ अ॒नु॑ । दा॒तिः॑
वा॒रा॑ ते॒ नि॒त्रा॑ सा॒का॑ पि॒व॒तु॑ । वृ॒त्रः॑ स्वा॒दा॑ सु॒तां॑ सोमं॑ दा॒शु॒षः॑ स्वि॒ । स॒धः॑ स्ते॒ । इ॒

वर्गः

४१

दं हि । अनु । उक्ता । सुतं । राधा नां । पते । पिब । तु । अस्य । निर्वणः । फः । ते । अनु ।
 स्वधां । असत् । सुते । नि । पृच्छा । त्वं । सः । त्वा । मम । तु । सोम्यं । प्रा । ते । अश्रोतु । कु
 द्योः । प्रा । इन्द्र । ब्रह्मणा । शिरः । प्रा । बाहू इति शूरा राधसे ॥ १६ ॥ धानाः वंते क
 रं निणि । अपूपः वंते । उक्छि नो इन्द्र । प्रातः । जुषस्वानः । पुरो लाशं । पचत्यं । जु
 षस्वा इन्द्र । आ । गुरस्वा च । तु न्यं । हव्यानि सिस्त्रते । पुरो लाशं । च । नः । घसः ।
 जोषयासि । गिरः । च । नः । वधूयुः । इन्द्र । योषणां । पुरो लाशं । सनः श्रत । प्रातः ।
 सावे । जुषस्वानः । इन्द्र । कतुः । हि । ते । बृहन् । माध्यंदिनस्य । सर्वे नस्य । धानाः ।

६०

६२

पुरोत्ताशं। इंद्रा कृष्णा इहा चारुं। प्र। यत्। स्तोता। रुरिता। तूर्तिः अर्थः वृषः
 यमोणः। उप। गीः। निः। ईद्वै॥ १०॥ तृतीये। धा नाः। सर्वने। पुरुः स्तुता। पुरोत्ता
 शं। आः हुतां। ममहस्वानः। रुनुः मंतां। वा र्जः वंतां। त्वा। कवे। प्रयस्वतः। उप॥
 शि। सेम। धीतिः। निः। पूषण्ः वती। ते। चक्रमा। करं। ना। हरिः वतो। हरिः अश्वाय।
 धानाः। अपूपं। अद्भि। सः गणः। मरुतः। निः। सोमं। पित्रा। वृत्रः हा। शूरा। विद्रा
 न्। प्रति। धानाः। नरत। तूर्यं। अस्मै। पुरोत्ताशं। वीरः तमाय। नृणां। दिवेः दिवे।
 सः दशीः। इंद्रा। तुन्यं। वद्धं। त्वा। सोमः। पेमाय। धृष्टोदुति॥ ११॥ इंद्रा पर्वता

६२

बृहता। रथेन। वामीः। दक्षः। आ। बृहतां। सुः। वीमाः। वीतां। हव्यानि। अधरेषु। दे
 वा। वर्द्ध्यां। गीः। निः। इलया। मदंता। तिष्ठ। सु। कं। मघः। वन्। मा। परा। गाः। सो
 मस्य। नु। त्वा। सुः। सुतस्या। यज्ञि। पितुः। न। पुत्रः। सिचं। आ। रजे। ते। इंद्र। स्वा
 दिष्टया। गिरा। शचीः। वः। शंसावा। अध्वर्योइति। प्रति। मे। गृणीहि। इंद्र। य।
 वाहः। कृणावावा। जुषं। आ। इंद्रं। बर्हिः। यज्ञमानस्य। सीदा। अथा। च। नूत। उकं।
 इंद्र। य। शस्तं। ज्ञाया। इत्। अस्तं। मघः। वन्। सा। इत्। कुंइति। योनिः। तत्। इत्।
 त्वा। पुताः। हरयः। बृहंतु। यदा। कदा। च। सुनवोमासोमै। अग्निः। त्वा। दूतः। ध

वृ०
४३

वा॒ति॒। अ॒ष्टा॒प॒रा॒। या॒हि॒। म॒घः॒ व॒न॒। आ॒। च॒। या॒हि॒। इं॒द्र॒। ज्ञा॒तः॒। उ॒न॒य॒त्रा॒ते॒। अ॒र्थ॒॥
य॒त्रा॒। र॒थ॒स्य॒। बृ॒ह॒तः॒। नि॒ःधा॒ना॒। वि॒ःमो॒च॒नं॒। वा॒जि॒नः॒। रा॒स॒न॒स्य॒॥ १॥ अ॒र्षाः॒।
सो॒मं॒। अ॒स्त्रं॒। इं॒द्र॒। प्रा॒या॒हि॒। क॒ल्या॒णीः॒। ज्ञा॒या॒। सु॒ःर॒णो॒। गृ॒हे॒। ते॒। दक्षि॒णा॒।
व॒त्। इ॒मो॒। नो॒। ज्ञाः॒। अं॒गि॒र॒सः॒। वि॒ःरू॒पाः॒। दि॒वः॒। पु॒त्रा॒सः॒। अ॒सु॒र॒स्य॒। वी॒राः॒। वि॒श्वा॒
मि॒त्र॒। द॒द॒तः॒। म॒घा॒नि॒। स॒ह॒स्त्रः॒। सा॒वो॒। प्रा॒ति॒रं॒ते॒। आ॒युः॒। रू॒पं॒। रू॒पं॒। म॒घः॒ वा॒॥
नो॒। न॒दी॒ति॒। या॒याः॒। कृ॒० ए॒वा॒नः॒। त॒न्वा॒। परि॒ःस्वा॒। त्रि॒ः। य॒त्। दि॒वः॒। परि॒। मु॒हूर्त्वा॒। आ॒॥ ४३
०। ०। स्ते॒। मं॒त्रैः॒। अ॒न॒तुः॒पाः॒। रु॒तः॒ वा॒। म॒हान्। रु॒षिः॒। दे॒वः॒। ज्ञा॒। दे॒वः॒। ज्ञे॒।

स्त ज्ञातुं सिंधो अर्णवो नृचक्षोः विश्वामित्रः पत्न्यं अवहता सुदसां अप्रिया
 यत् कुशिके निः इन्द्रं हंसाः इवा कण्ठ्या श्लोकं अद्रिः निः मर्दतः गीः निः
 अधरे सुतो सचा देवे निः विप्राः कृषयः नृचक्षसः विपिवध्यां कुशिका
 सोम्या मध्या ॥ १० ॥ उपप्रादता कुशिकाः चेतयेध्वं अश्वं राये प्रामुंचता सुद
 सः राजा वृत्रं जंघनता प्राक् अपाक् उदक् अथ यज्ञतो वरे आ पृथिव्याः
 यः इमे इति रोदसी इति उने इति अहं इन्द्रं अतुस्तवा विश्वामित्रस्य रक्षति
 ब्रह्मा इन्द्रं नारतां जनो विश्वामित्राः अरासत ब्रह्मा इन्द्रं पावज्जिणे करतान् इत्य

६०
१४

सुःसधसः किं। तो। कृएवंति। कीकटेषु। गावना। आशिरं। दुक्काना। तपंति। घु
मी। आ। नः। नरा। प्रः मं गंदस्या। वेदः। नेचाः शारवा। मधः वन। रंधया। नः। ससर्प
रीः। अमतिं। बाधमाना। बृहत्। मिमाय। जमदग्निः दत्ता। आ। सूर्यस्य। दुहिता।
त। तान। श्रवः। देवेषु। अमृतं। अजुर्ष्यं॥२॥ ससर्परीः। अनरत्। तूयं। एन्यः अधि।
श्रवः। पांचः। जन्पासु। कृष्टिषु। सा। पृथ्या। नम्यं। आयुः। दधानां। यामे। पलस्तिः
जमदग्नयः। ददुः। स्थिरौ। गावौ। नवत्तं। वीलुः। अक्षः। मा। र्दुका। वि। वर्हि। मा। युगं।
वि। शारि। इंदुः। पातल्ये। इति। ददत्तां। शरीतोः। अरिष्टः। नेमे। अनि। नः। सचस्व॥

४४

देवेषामेषा। ईषा। विवी। जेषा। वि।

ॐ

बलं। धेहि। तनूषु। नः। बलं। इन्द्र। अनलुतः सु। नः। बलं। तोकाया। तनयाया जी
वसो। तं। हि। बलः। दाः। अस्ति। अग्नि। व्ययस्व। स्वदिरस्य। सारं। ओम्। धेहि। स्पंद
ना। शिंशपायां। अक्ष। वीदति। वीक्षित। वीक्षयस्व। मा। यामात। अस्मात्। अवा जीहि
पः। नः। अपं। अस्मान्। वनस्पतिः। मा। चाहा। मा। चारिषत्। स्वस्ति। आगृहेयः।
आ। अवः। सौ। आ। विः। मोचनात्। २२॥ इन्द्र। कुतिः। विः। बहु लानिः। नः। अधाया
तः। श्रेष्ठानिः। मघः। वनू। शूर। जिन्वायः। नः। देहि। अधरः। सः। पदीष्ट। यं। कुंदति।
दिष्मः। तं। कुंदति। प्राणः। रुहातु। परशु। चित्तावि। तपति। शिंबलं। चित्तावि। वृश्च

ति। उ॒खा। चि॒त्। इ॒न्द्रा॒येषं॑ ती। प्रः॑ य॒स्ता। फे॒नं। अ॒स्य॒ति। न। सा॒य॒क॒स्य। वि॒कि॒ते। ऊ॒
ना॒सः। लो॒धं। न॒यं॒ति। प॒शु। म॒न्य॒मा॒नाः। न। अ॒वा॒जि॒नं। वा॒जि॒ना। हा॒स॒यं॒ति। न। ग॒र्ह
नं। पु॒रः। अ॒श्वा॒त्। न॒यं॒ति। इ॒मो। इ॒न्द्र। न॒र॒स्य॒ते। पु॒त्राः। अ॒पः॒पि॒त्वं। वि॒कि॒तुः। न। प्रः॑
पि॒त्वं। हि॒वं॒ति। अ॒श्वं। अ॒र॒णं। न। नि॒त्यं। ज्योः॑ वा॒जं। प॒रि। न॒यं॒ति। आ॒जो॥ ३॥ इ॒मं। म॒हो॒
वि॒द॒य्मा॒या॒शूषं॑। श॒श्व॒त्। क॒त्वः। इ॒न्द्रा॒या॒प्रा॒ज॒नुः। शृ॒णो॒तु। शृ॒णो॒तु। अ॒ग्निः। दि॒
व्यैः। अ॒रु॒स्वः। म॒हि। म॒हो॒ दि॒वे। अ॒र्च॒। पृ॒थि॒व्यै। का॒मः। मे। इ॒च्छ॒न्। च॒र॒ति। प्रः॑ ज्ञा॒न॒न्।
य॒पोः। ह॒। स्तो॒मै। वि॒द॒थे॒षु। दे॒वाः। स॒प॒र्ष॒वः। मा॒द॒यं॒ते। स॒चो॒। आ॒योः। पु॒वोः। रु॒हो॒रो॒
नो॒ ह॒ ज्योति॒र॒नी॒कैः॑

दसी इति सत्यं अस्मा महे सु नमः सु विवादा इति इति इति इति नमः अग्ना ए
 धियो सप र्ष्मि प्रयसा पामि रत्नो उ तो इति हि वां पू र्वा आः विविदे क्त
 वरी इत्यु तः वरी रो द सी इति सत्यं वाचः नरः चिन्ता वां सः दु यो शूरः सा तो नुवं
 दिरो ए धि वि वे वि दानाः कः अ द्वा वे दः कः इ द्वा प्र बो च त दे वा न् अ ष्ठा प र्था ॥
 का सं ए ति द द्वा श्रे ए वां अव मा स दं सि परे पु पा गु त्ये पु वृ ते पु ॥ २४ ॥ क विः
 नृ च क्षाः अ नि सी अ च ष क्त त स्य यो नो वि घ्ने ते इति वि घ्ने ते म दं ती इति ॥
 ना नो च क्रा ते इति स द नं य था वेः स मा ने न क तु ना सं वि दाने इति सं वि दाने ॥

८०
८६

समान्या। वियुते इति विः युतो दूरे अंते इति दूरेः अंते। ध्रुवोपदे। तस्थ तुः। जागस्तु के इ
ति। उता स्वसारा। युवती इति। नवती इति। आत्। ऊं इति। बुवाते इति। मिथुनानि। नाम
विश्वा। इत्। एते इति। रुनिमासं। विविक्तः। महः। देवान्। विप्रती इति। नाव्यथेते
इति। एरुत्। ध्रुवं। पत्यते। विश्वं। एकं। चरत्। पतत्रि। विषुणं। वि। ज्ञातं। सना। पुराणं।
अधि। एमि। आरात्। महः। पितुः। रुनितुः। जामि। तत्। नः। देवासः। यत्र। पनितारः।
एवैः। उरौ। पथि। विः। उतो। तस्थुः। अंतरि। इमं। स्तोमं। रोदसी इति। प्र। ब्रवीमि। रुदू
दराः। शृण्वन्। अग्निः। क्रिक्काः। मित्रः। संः। राऊः। वरुणः। युवानः। आदित्यासः। रु

८६

वयः॥ पप्रथानाः॥ २५॥ हिरण्यः पाणिः सविता। सुः क्रिदः॥ त्रिः॥ आदिवः॥ विद्वे
 पत्यमानः॥ देवेषु। च। सवितरिति श्लोकं। अश्वेः॥ आत्मा अस्मन्यं। आ। सुवा सर्व
 ताति। सुः कृत्। सुः पाणिः। स्वः बान्। रुतः॥ वा। देवः। त्वष्टा। अवसो तानि नः॥ धातुः॥ २९
 पूषणः॥ वंतेः॥ रु नवः॥ मादपद्यं। रुर्हः॥ ग्रावाणः॥ अध्वरं। अतृष्ट। विद्यतः॥ रथाः॥
 मरुतः॥ रुष्टिः॥ मंतः॥ दिवः॥ मर्षाः॥ रुतः॥ जाताः॥ अयासः॥ सरस्वती। शृणवन्। पद्भिया
 सः॥ धातुः। रयिं। सहः॥ वीरं। तुरासः॥ विष्णुं। स्तोमासः॥ पुरुः॥ दुस्मं। अर्काः॥ नगस्यः॥ इ
 व। कारिणः॥ पामनिगमन्। उरुः॥ क्रमः॥ ककुहः॥ पस्या। पूर्वाः॥ नामर्हति। युवतयः॥

तः पुरुषाः प्रसूतः अनानानः वीचतुः सर्वः ताता शृणोतु नः पृथिवी द्यौः
 उत आपः सूर्यः नक्षत्रैः उरु अंतरिक्षं शृण्वंतु नः वृषणः पर्वतासः ध्रुवः क्षे
 मासः इलया मदंतः आदित्यैः नः अदितिः शृणोतु पञ्चतु नः मरुतः शर्मा
 नडं सदा सुगः पितुमान् अस्तापंथाः मध्वा देवाः ओषधीः सापिष्टकान
 गः मे अग्ने सख्येना मृध्याः उत रायः अश्याः सदना पुरुः क्षोः स्वदस्वाहव्या
 सा इषः दिदीहि अस्मद्यकू सं मिमीहि श्रवांसि विश्वान् अग्ने एतस्सु ता
 न ऊषि शत्रून् अहा विश्वा सुमनाः दीदीहि नः ॥ २० ॥ उपसः पूर्वाः अथा

पत्नः। विः कुषुः। महत्। विः कुषुः। अक्षरं। पदे। गोः। अक्षरं। देवानां। उपा। नु। प्रः नृषन्।
 हत्। देवानां। असुरः। त्वं। एकं। मोडति। सुानः। अत्र। नुदुरं। देवा। मा। पूर्वा। अग्ने।
 पितरः। पदः। शाः। पुरा। लोः। सद्यः। नोः। वेतुः। अंतः। वि। मो। पुरुः। चा। पतयंति। कामाः।
 शमि। अछ। दीद्ये। पूर्यणि। संः। दू। अग्ने। नृत्तं। दूत्ता। वदेम। स। मानः। राजा।
 विः नृत्तः। पुरुः। चा। शये। शयासु। प्रः युतः। वना। अनु। अन्या। वत्सं। नरति। क्षेमि।
 माता। आः सित्। पूर्वीसु। अपराः। अनूरुत्। सद्यः। ज्ञासु। तरुणीषु। अंतरिति।
 अतः। वतीः। सुवते। अप्रः वीतः। शयुः। परस्तात्। अधा। नु। द्विः। माता। अ

४८

धनः। चरति। वत्सः। एकः। मित्रस्य। ता। वरुणस्य। व्रतानि। ॥ द्विः। माता। होता। विदधे।
 पु। संऽराट्। अनु। अग्रं। चरति। सेति। बुध्नः। प्रारण्या। निरएयऽवाचः। नरंते। ॥ शू
 रस्यऽद्वा। पुध्यतः। अंतमस्य। प्रतीचीनं। ददृशे। विश्वं। आऽपत्। अंतः। मक्तिः। चरति।
 निऽसिधंगोः। ॥ नि। वेवेति। पलितः। दूतः। आसु। अंतः। महान्। चरति। रोचनेन।
 वपूंषि। विच्रेत्। अनि। नः। विचष्टे। ॥ विसुऽगोपाः। परमां। पाति। पाथः। प्रिया। धामा
 नि। अमृता। दधानः। अग्निः। ता। विश्वा। जुवनानि। वेद। ॥ २२॥ नाना। च। कातेइति।
 यम्पा। वपूंषि। तपोः। अन्यत्। रोचते। कृसं। अन्यत्। श्यावी। च। पत्। अरुषी। च॥

५०
५७

स्वसरो। माता। चापत्रादुहिता। चाधेनूदति। सबर्दुघेदति सबः३ दुधो। चाप
येतेदति। समिचीदतिसं३ ईची॥ कृतस्यातेदति। सदसि। ईलो। अंतः॥ अन्यस्याः।
वत्सं। रिहती। मिमाया। कया। जुवानि। दुधो। धेनुः। कथः। कृतस्यासा। पयसा॥
अपिब्रता। इका॥ पद्या। वस्त्रे। पुरुः। रूपा। वपूंषि। कुहू। तस्त्रे। निः३ अविं।
रिहाणा। कृतस्या। सदा। विचराणि। विद्वान्। पदेदुवेतिपदे३ इवानिहि
तेदतिनिः३ हिते। दुस्मे। अंतरिहि। तयोः। अन्यत्। गुह्यं। आविः। अन्यत्। सद्यी
चीत्तः। पद्या। सा। विषूची॥ ३७॥ आ। देनवः। पुनर्यतां। अशिशीः। सबः३ दु

घाः शशयाः अप्रदुग्धाः नव्याः नव्याः सुवतपः चर्वतीः यत्र अन्यास्तु
 वृषजः शेरवीति सः अन्यस्मिन् यथे निदधाति रितः सः हि सपाः वान्
 सः जगः सः राजा वीरस्यानु सुः अर्था जन्तुः प्रानु बोचामा विदुः अ
 स्या देवाः मल्हा युक्ताः पंचः पंचा आवहंति देवः त्वष्टा सविता विश्व
 रूपः पुषोषा प्रजाः पुरुधा ज्ञाना इमा च विश्वा जुवना नि अस्या म
 ही इति सां एरता चम्बा समीची इति सं ईची उने इति ते इति अस्या वसुना
 नृषे इति निः ऋषे शृण्वे वीरः विदमानः वसुनि इमा चानः पृथिवी

ॐ ह्रीं तन्नि ओ नमः ॥ १ ॥ पु० २० ॥ २० ॥ १० ॥ ३० ॥ ४० ॥ ५० ॥

ह०
५०

विश्वः धायां। उपासेति। गानिः। सिधरीः। ते। गते। इंदु। पृथिवी। विनर्त्ति। सखा
यः। ते। वामः। नाऊः। स्यामा०॥ ३१॥ ॥ दुर्तिहृतीयाष्टके हृतीयो ध्यायः॥ ॥ ३१॥
ता। मिनंति। मायिनः। नाधीराः। वृता। देवानां। प्रथमा। भ्रवाणि। नारोदसीद
ति। अदुहा। वेद्यानिः। नापर्वताः। निः। नमे। तस्मिः। वांसः। षट्। नारा। एकः। अ
चरन्। विनर्त्ति। रुतं। वर्विष्ठा। उपागावः। आ। अगुः। तिस्रः। महीः। उपराः। तस्तुः।
अत्याः। गुहा। देहति। निहिते इति निः। हिते। दर्शि। एका। त्रिः। पाऊस्पः। वृषजः।
विश्वः। रूपः। उता। निः। उथा। पुरुधा। प्रजाः। वान्। त्रिः। अनीकः। पत्यते। मरिनेः।

५०

वान्। सः। ऐतः३ धाः। हृष॒नः। शश्वतीनां। अ॒नी॒को। आ॒सां। प॒रु॒वीः। अ॒वो॒धि। आ॒
 दि॒त्यानां। अ॒द्दे। चा॒रु। ना॒म। आपः॥ चि॒त्वा। अ॒स्मै। अ॒र॒मं॒ता॒ दे॒वीः। प॒थ॒क॒। व॒रं॒तीः।
 प॒रि। स्त्री। अ॒रुं॒रु॒न्। नी॒। स॒धः३॒स्था। सि॒ध॒वः। त्रिः। क॒वीनां। उ॒त। त्रिः॒मा॒ता। वि॒द॒ये॒तु
 सं३ रा॒ट्। स॒तः३ व॒रीः। योष॒णाः। ति॒स्त्रः। अ॒प्याः। त्रिः। आ॒दि॒वः। वि॒द॒यो॒ प॒त्य॒मा॒नाः।
 त्रिः। आ॒दि॒वः। स॒वि॒तः। वा॒र्या॒णि। दि॒वेः३ दि॒वे। आ॒सु॒वा॒ त्रिः। नः। अ॒क्रः। त्रिः॒धा
 तु। रा॒यः। आ॒सु॒वा॒ व॒सू॒नि। न॒ग। त्रा॒तः। धि॒ष॒णे। सा॒त्ये। धाः॥ स॒वि॒ता। सो॒स॒वी
 ति॥ आपः॥ चि॒त्वा। अ॒स्या। रो॒द॒सी॒ इति॒। चि॒त्वा॒ उ॒र्वी॒ इति॒। र॒त्नं। नि॒क्षं॒ता॒ स॒वि॒तुः। स॒

८०
५१

वायः। त्रिः। उत्तः। तमा। दुः। नशा। रोचनानि। त्रयः। एतंति। असुरस्या। वीराः। रु
तः। वानः। इषिराः। दुः। दनासः। संतु। देवाः। प्रामे। विविक्कान। अविदत्।
मनीषां। येनुं। चरंतो। प्रः। पुतां। अगोपां। सद्यः। चित्। या। दुदुहे। नूरि। धासेः। दं
दः। तत्। अग्निः। पनितारः। अस्याः। दंदः। सु। पूषा। वृषणा। सुः। हस्ता। दिवः।
ना। प्रीताः। शशयं। दुदुक्के। विश्वे। यत्। अस्यां। रणयंता। देवाः। प्रावः। अत्र। वसवः।
सुम्नं। अश्यां। या। जामयः। वृक्षे। दुच्छंति। शक्तिं। नमस्यंतीः। जानते। गर्जं। अ
स्मिन्। अछं। पुत्रं। येनवः। वावशाना। महः। चरंति। विच्रंतां। वपूंषि। अछं। वि

निरोदसी इति। सुमेके इति। सुमेके। यावाः। युजानः। अधरे। मनीषा। इ
माः। जुं इति। ते। मनवे। नृरिः। वाराः। उद्धृति। नवंति। दर्शिताः। पञ्चानां पाते। जि
का। मधः। मती। सुमेधाः। अग्ने। देवेषु। उच्यते। उरुची। तया। इहा। विश्वान्। अ
वसे। पञ्चानां। आ। सादया। पापया। च। मधूनि। पाते। अग्ने। पर्वतस्यऽ इवा।
धारा। असश्चती। पीपयत्। देवा। विना। तां। अस्मन्यो। प्रऽमतिं। जातऽ वेदुः। वसे
इति। रास्व। सुमतिं। विश्वऽ जन्यां। अ। येनुग। प्रत्तस्य। कामं। दुहानां। अंत
रिति। पुनः। चरति। दक्षिणायाः। आ। द्योतनिं। वहति। शुचऽ पांमा। उपसऽ स्त

१० सु प्रता १ किं नु गवां १

५२

स्तोमः। अश्विनौ। अजीगरिति। सुऽयुक्। वहंति। प्रति। वां। रुतेना। रु। ह्वि। नवं
ति। पितराऽइवामेधाः। ऊरेयां। अस्मत्। विपणोः। मनीषां। युवोः। अवः। चकमा। अ।
यातं। अर्वाक्। सुयुक्ऽनिः। अश्वैः। आ। मन्येयां। आगतं। कत्। चित्। एवैः।
विश्वे। सनासः। अश्विना। हवन्ते। इमा। हि। वांगोऽऋजीका। मधूनि। प्रामिनासः।
नाददुः। उस्वः। अये। तिरः। पुरु। चित्। अश्विनारजांसि। आंगूषः। वां। मघः। वा
ना। ऊनेषु। ॥ ३॥ पुराणं। उक्ः। सख्यां। शिवां। वां। युवोः। नरा। द्रविणं। रुद्राव्यं।
पुनरिति। रुएवानाः। सख्या। शिवानि। मध्या। मदेमा। सहानु। समानाः। अ

१. रह आनं प २

CC-0. Mrugendra Vinod Collection. Digitized by eGangotri

40

श्विना। वायुना। पुवं। सुः दस्ता। निपुत्ः निः। च। सः जोषसा। युवाना। नासत्या।
 निरः। अं क्रयं। गुषाणा। सोमं। पिवतं। अस्विधा। सुदानू इति सुः दानू। अश्विना
 परि। वां। इषः। पुरुचीः। ईसुः। गीः। निः। यतमानाः। अमृधाः। रथः। हावां। कृतः
 जाः। अदिः। कृतः। परि। द्यावा पृथिवी इति। याति। सद्यः। अश्विना। मधुसुतः
 नः। युवाकुः। सोमः। तां पातं। आगतं। दुरोणे। नृषि। वर्षः। करिकता। सुतः
 तः। निः। कृतं। आगमिष्ठः। ४॥ मित्रः। जनाना। यातयति। बुवाणः। मित्रः। दाधा
 रा। पृथिवी। उता द्यां। मित्रः। कृषीः। अनिः। मिषा। अग्नि। चष्टे। मित्रायाह्वं। घृ

सू०
५३

तः वर। जुहोता प्रासः मित्रा मर्तः। अस्ता प्रयस्वान्। यः तो आदित्य। शि सति।
वृते नाना। हन्यते। ना व्रीयते। त्वाः ऊ तः। ना एनं। अंहः। अश्रोति। अंतितः। ना। दु
रात्। अनमी वासः। इ लया। म दंतः। मितः। ब्रुवः। वरिमन्। आ। पृथिव्याः। आदि
त्यस्य। वृता। उपः क्षिपंतः। वयं। मित्रस्य। सुः मतो। स्यामा। अयं। मित्रः। नमस्यः।
सुः शेवः। राजा। सुः क्षत्रः। अज निष्ट। वेधाः। महान्। आदित्यः। नमसा। उपः
सद्यः। यातयत्। जनः। गृणते। सुः शेवः। तस्मै। एतत्। पन्यः। तमाया। जुष्टं। अ
मो। मित्राय। हविः। आ। जुहोता। ५॥ मित्रस्य। वर्षणिः। धृतः। अवः। देवस्य। सा

५३

७० त श्य वृ यं श् ९

सिद्धिस्तानि नृश्रवः ॥ तमं अनि। यममहिना दिवं मित्रः वनूवा सुः प्रयाः
 अनि। श्रवः ॥ निः पृथिवी। मित्राया पंचाये मिरे। जनाः अनिष्टिः शवसे। सः दे
 वान् विश्वान् विनर्त्ति। मित्रः देवेषु। आयुषु। जनाया वृक्तः बर्हिषे। इषः इ
 ष्टः वृताः अकुरित्यकः ॥ ६ ॥ इहः इहा वः मनसा। बंधुता नरः। उशिजः। ज
 मुः। अनि। तानि। वेदसा। यानिः। मायानिः। प्रतिजृतिः वर्षसः। सौधन्वनाः। य
 ज्ञियां नागं। आनशा। यानिः। शचीनिः। चमसान्। अपिंशतायमा। शिंधिपा। गां।
 अरिणीता। चर्मणः। येन। हरीदृति। मनसा। निः ॥ अतस्तता तेना देवः त्वं। रुचवः।

सं। आनशुः। दुंदुष्यः। सुख्यः। सुनवः। १

सं। आनशुः। मनोः। नपातः। अपसः। दधन्विरे। सौधन्वनासः। अमृतः। त्वं। आ।
ईरिरे। विष्टी। शमीनिः। सुः। कृतः। सुः। कृत्यया। दुंदुष्यः। याथासः। रथः। सुते। स।
न। अयोइति। वशानां। नवयासह। श्रिया। नावः। प्रतिः। मे। सुः। कृतानि। कृपु
तः। सौधन्वनाः। कृन्वः। वीर्याणि। न। दुंदु। कृन्नुः। निः। वाज्रवैतः। निः। सं। उक्ति
तां। सुतां। सोमं। आ। वृषस्व। गनेस्त्याः। धिया। दुषितः। मघः। वनः। दाशुषः। मृहे।
सौधन्वनेनिः। सह। मृत्वा। नृः। निः। दुंदु। कृन्नुः। मानः। वाज्रः। वानः। मृत्वा। दुः।
नः। अस्मिन्। सर्वने। शया। पुरुः। स्तः। तादृमानि। तुज्या। स्वसराणि। येमिरा। नृना

देवानां मनुष्यः च। धर्मः निः। इन्द्रः। रुद्रः। निः। वाजपयः। इन्द्रः। स्तौमः। रुद्रः।
उप। पाहि। यज्ञियं। शतं। केतं निः। दुषिरे निः। आयवै। सहस्वः। नीयः। अधुरस्य।
होमनि॥ ७॥ उषः। वाजेन। वाजिनि। प्रः। चेता। स्तौमः। रुद्रस्वा। गृणतः। मघोनि।
पुराणी। देवि। युवतिः। पुरं। धिः। अनु। व्रतां। चरसि। विश्वः। वारे। उषः। देवि। अ
मर्त्या। विनाहि। चंद्रः। रथा। सूर्यताः। ईरपंती। आ। त्वा। वहंतु। सुः। यमासः।
अश्वः। हिरण्यः। वणां। पृथुः। पाजसः। यो। उषः। प्रतीची। नुव नानि। विश्वा। रु
द्रा। तिष्ठसि। अमृतस्य। केतुः। समानं। अर्थी। चरणी। यमाना। चक्रं। इवान्। य

६०
५५

सि। आ। व। वृ। त्स्वा। अ। स्पृमः। इ। वा। नि। वृती। मृ। घोनी। उ। पा। या। ति। स्व। सं। र। स्या।
प। त्नी। स्वः। ज। नंती। सुः। न। गा। सुः। दं। साः। आ। अंत। त्। दि। वः। प। प्र। थो। आ। ए।
थि। व्याः। अ। ष्टा। वः। दे। वी। उ। ष। सं। विः। नांती। प्रा। वः। न। र। धं। न। म। सा। सुः। वृ। क्तिं। उ।
हं। मृ। फ। धा। दि। वि। पा। जः। अ। श्रे। त्। प्रा। रो। वृ। ना। रु। रु। चो। र। ए। वः। सं। दृ। क्। रु। वः। वरी।
दि। वः। अ। कैः। अ। बो। धि। आ। रे। वती। रो। दं। सी। इ। ति। नि। वं। अ। स्छा। त्। आः। पंती। अ।
गु। उ। ष। सं। विः। नांती। वा। मं। ए। षि। इ। वि। णं। नि। क्षं। मा। एः। रु। त। स्या। बु। ध्ने। उ। ष। सं।
इ। ष। ए। य। न। वृ। षा। मृ। ही। इ। ति। रो। दं। सी। इ। ति। आ। वि। वे। श। मृ। ही। मि। त्र। स्या। वरु। ण। स्त।

माया। चंद्राऽइवा। नानुं। विदधे। पुरुऽत्रा॥८॥ इमाः। चंद्राति। वां। नृमयः। म
न्यमानाः। युवाऽवतो। नातुत्याः। अनूवन्। का। त्यत्। इंद्रावरुणा। यशः। वां। येन।
स्मा। सिनौ। नरथः। सखिऽन्यः। अयं। चंद्राति। वां। पुरुऽतमः। रयिऽयन्। शश्व
त्। तमं। अवसो। जोहवीति। सऽजोषौ। इंद्रावरुणा। मरुत्। निः। दिवा। ए। शिवा।
शृणुतं। हवं। मे। अस्मेइति। तत्। इंद्रावरुणा। वसु। स्यात्। अस्मेइति। रयिः।
मरुतः। सर्वऽवीरः। अस्मान्। वरुचीः। शरणैः। अवंतु। अस्मान्। होत्रा। नार
ती। दक्षिणानिः। बृहस्पते। जुषस्वानः। हव्यानि। विश्वऽदेव्य। रास्व। रत्नानि।

त० दाशुषे। शुचिं। अर्धैः। बृहस्पतिं। अधरेषु। नमस्यता। अनामि। ओजः। आ।
 ५६ चको। २॥ वृषजं। वर्षणीनां। विश्वः। रूपं। अदाज्यं। बृहस्पतिं। वरेण्यं। इयं। तो।
 पूषन्। आघृणे। सुः। सुतिः। देवानव्यसी। अस्मानिः। तु न्यै। शस्यतो तां। जुष
 स्व। गिरं। ममावाजः। यंतौ। अवाधियै। वधूसुः। इवायोषणां। यः। विश्वा। अग्नि।
 विः। पश्यति। जुवना। सं। च। पश्यति। सः। नः। पूषा। अविता। जुवता। तत्। सवितुः।
 वरेण्यं। नगीः। देवस्य। धीमहि। धियः। यः। नः। प्रः। चोदयात्। १०॥ देवस्य। सा ५८
 वितुः। वयं। वाजः। यंतः। पुरं। ध्या। नगस्य। रातिं। ईमहे। देवानरः। सवितारं। वि

पः॥ प॒द्मेः॥ सु॒वृ॒त्तिः॥ निः॥ न॒म॒स्यं॒ति॥ धि॒या॥ इ॒षि॒ताः॥ सो॒मः॥ डि॒गा॒ति॥ ग॒तुः॥
वि॒रा॒दे॒वा॒नां॥ ए॒ति॥ निः॥ कृ॒तं॥ रु॒त॒स्य॥ यो॒निं॥ आः॥ स॒दं॥ सो॒मः॥ अ॒स्म॒न्य॥ हिः॥
प॒दे॥ च॒तुः॥ प॒दे॥ च॒प॒श॒वो॥ अ॒न॒मी॒वाः॥ इ॒षः॥ क॒र॒त्वा॥ अ॒स्मा॒कं॥ आ॒युः॥ व॒र्द्ध॒य॒न्
न्॥ अ॒ग्निः॥ मा॒तीः॥ स॒ह॒मा॒नः॥ सो॒मः॥ स॒धः॥ स्त॒ब्धं॥ आ॒ अ॒स॒द॒त्वा॥ आ॒नः॥ मि॒
त्रा॒व॒रु॒णा॥ घृ॒तेः॥ ग॒व्य॒र्ति॥ उ॒क्ष॒तं॥ म॒ध्वा॥ र॒जं॥ सि॒। सु॒क॒तू॒ इ॒ति॥ सुः॥ क॒तू॥ उ॒रुः॥
शं॒सो॥ न॒मः॥ वृ॒धो॥ म॒क्रा॥ द॒क्ष॒स्य॥ रा॒ज॒यः॥ द्रा॒घि॒ष्ठा॒निः॥ शु॒चिः॥ व॒ता॥ ग॒
ण॒ना॥ क॒म॒त्वा॥ अ॒ग्नि॒ना॥ यो॒नौ॥ रु॒त॒स्य॥ सी॒द॒तं॥ पा॒तं॥ सो॒मो॥ रु॒तः॥ वृ॒धा॥ ॥ ॥

५५

॥ इति चतुर्थमंडलं ॥ ॐ । त्वं । हि । अग्ने । स दे । इत् । सऽमन्यवः । देवा सः । देवं । अरतिं ।
 निः । एरिरे । इति । कत्वा । निः । एरिरे । अमर्त्यं । यजतामर्त्येषु । आ । देवं । आऽदेवं । ऊ
 नता । प्रऽचेतसं । विश्वं । आऽदेवं । ऊनता । प्रऽचेतसं । सः । जातरं । वरुणं । अग्ने । आ । व
 वृत्स्वा । देवान् । अ० ऊ० सुऽमती । यज्ञऽवनसं । ज्येष्ठं । यज्ञऽवनसं । ऊतऽवानं । आ
 दित्यं । चर्षणिऽधृतं । राजानं । चर्षणिऽधृतं । सरवा । सखायं । अग्नि । आ । ववृत्स्वा । आ
 शुं । न । च० कं । रथ्याऽइव । रं । त्या । अस्मन्यं । दस्मरं । त्या । अग्ने । मृलीकं । वरुणो । स
 चा । विदः । मरुतऽसु । विश्वऽनानुषु । तो । कामा । नु० जे । शुशुचाना । शं । कृधि । अस्मन्यं ।

दस्मांशं। कृधि। त्वं। नः। अग्ने। वरुणस्य। विद्वान्। देवस्य। हेळः। अवा। यासि। स
 ष्टः। यद्विष्टः। वद्विः। तमः। शोशुचानः। विश्वा। द्वेषां। सि। प्रा। मुमुग्धि। अस्मत्॥
 सः। त्वं। नः। अग्ने। अवमः। नवा। कुती। नेदिष्टः। अस्याः। उपसः। विः। उष्टो। अवा
 यस्वानः। वरुणं। रराणः। वीहि। मृलीकं। सुःहकं। नः। एधि॥ १२॥ अस्याश्रेष्ठा
 सुः। नगस्यासं। दकु। देवस्य। चित्रः। तमा। मर्त्येषु। शुवि। घृतां। ना। तत्तं। अघ्न्या
 पाः। स्पार्हा। देवस्य। मंहनाः। इवाधेनोः। त्रि। अस्मात्। परमा। संति। सत्या। स्पा
 ही। देवस्य। कनिमानि। अग्नेः। अनंतो। अंतरिति। परिः। वीतः। आ। अगात्। शुकि।

५८ तृ० शुक्रः॥ अर्घ्यः॥ गेरु चानः॥ सः॥ दूतः॥ विश्वा॥ इतर॥ अग्नि॥ वह्नि॥ सद्यो॥ होता॥ हिरण्य ५
 रथः॥ रं॥ सुक्रिद्धः॥ रोहितः॥ अश्वः॥ वपुष्यः॥ विनाः॥ वा॥ सदा॥ रण्यः॥ पितुमतीः॥ इवा॥
 सं॥ सता॥ सः॥ चेतयता॥ मनुषः॥ यज्ञः॥ बंधुः॥ प्रातां॥ मद्या॥ रशनया॥ नयंति॥ सः॥ क्षेति॥
 अस्या॥ दुष्पीसु॥ साधना॥ देवः॥ मर्तस्य॥ सधनिः॥ तं॥ आपासः॥ तुनः॥ अग्निः॥ नया
 तु॥ प्रः॥ जानन॥ अछारत्नं॥ देवः॥ नक्तं॥ यता॥ अस्याधिपा॥ यता॥ विश्वे॥ अमृताः॥ अ
 कृण्वन्॥ द्यौः॥ पिता॥ जनिता॥ सत्यं॥ वक्षन्॥ ॥ १३॥ सः॥ जायता॥ प्रथमः॥ पस्त्यासु॥ म
 हः॥ बुध्ने॥ रजसः॥ अस्या॥ योनौ॥ अपाता॥ अशीर्षा॥ मुहमानः॥ अंता॥ आः॥ योमुवानः॥

वृषनस्य नीले। शर्द्धः। आर्तः। प्रथमं। विपन्या। शतस्य। मोना। वृषनस्य नीले।
 स्याहः। पुवा। वपुष्यः। विनाः वा। सप्ताविषसः। अजनपंता। वृत्ते। अस्माकं। अत्र॥
 पितरः। मनुष्याः। अनि। प्रासेदुः। शतं। आशुषाणाः। अश्मः वजाः। सुः दुघाः।
 ववे। अंतः। उत्तः। उस्वाः। आकृन्। उपसः। हुवानाः। ते। मर्मृजता। ददः। वांसः। अद्रिः।
 तत्। एषां। अन्ये। अनितः। वि। बोचन्। पश्वः। पंचासः। अनि। कारं। अर्चन्। विदंतः।
 न्यातिः। चकृपंता। धीनिः। ते। गव्यता। मनसा। दध्रं। उद्धं। गाः। येमानं। परि। संतां।
 अद्रिः। दल्लं। नरः। वचसा। देव्येना। वज्रं। गोः। मंतां। उशिजः। वि। ववुरिति ववुः॥ १४॥

५५

ते। म॒नु॒ता। प्र॒थ॒मा॒ नाम॑। धे॒नोः॑ त्रिः। स॒प्त॒मा॒तुः॑ पर॒मा॒णि॑। वि॒न्द॒न्। त॒त्। ज्ञा॒न॒तीः॑। अ॒
नि॑। अ॒नू॒ष॒ता॒ ब्रा॑। आ॒विः॑ जु॒व॒ता॒ अ॒रु॒णीः॑। प॒श॒सा॒। गोः॑ ने॒श॒ता॒ त॒मः॑। दु॒धि॒ता॒ रो॒च॒ता॒।
द्यौः॑। उ॒ता॒ दे॒व्याः॑। उ॒प॒सः॑। न॒नुः॑। अ॒र्त्ता॒। आ॒। सूर्यः॑। बृ॒ह॒तः॑। ति॒ष्ठ॒ता॒ अ॒ज्ञा॒न॒। रु॒नु॒। म॒र्त्ता॒
पु॒। वृ॒द्धि॒ना॒। च॒। प॒श्य॒न्। आ॒ता॒ इ॒ता॒ प॒श्चा॒। बु॒बु॒धा॒ना॒। वि॒। अ॒र॒व्य॒न्। आ॒ता॒ इ॒ता॒ र॒त्नं॑।
धा॒र॒म॒न्ता॒। द्यः॑ न॒क्तं॑। वि॒श्वे॑। वि॒श्व॒सु॒। दु॒य्य॒सु॒। दे॒वा॒। मि॒त्रा॒धि॒मे॒। व॒रु॒णा॒। स॒त्यं॑। अ॒स्तु॒।
अ॒र्त्ता॒। वो॒चे॒य॒। श्रु॒श्रु॒चा॒ना॒। अ॒ग्निं॑। हो॒ता॒रं॑। वि॒श्वः॑ न॒र॒सा॒। य॒ज्ञि॒ष्टं॑। श्रु॒चि॒। ऊ॒र्ध्वः॑। अ॒त॒
ए॒ता॒। ना॒ग॒वा॑। अ॒र्ध्वः॑। न॒। पू॒तं॑। परिः॑। सि॒क्तं॑। अ॒ंशोः॑। वि॒श्वे॑षां। अ॒ग्नि॑तिः॑। य॒ज्ञि॒पा॒ना॑। वि॒श्वे॑

५५

पो॥ अदितिः पद्मिनी॥ विश्वेषां॥ अतिथिः॥ अनुषाणां॥ अग्निः॥ देवानां॥
 आः॥ वृक्षानः॥ सु॥ मृलीकः॥ नवतु॥ जातः॥ वेदाः॥ १५॥ यः॥ मर्त्येषु॥ अमृतः॥ रुतः॥
 देवः॥ देवेषु॥ अरतिः॥ निः॥ धापो॥ होता॥ पद्मिष्ठः॥ मुक्ता॥ शुच्यै॥ हवैः॥ अग्निः॥ मनुष्यः॥
 ईर॥ मध्यै॥ इहा॥ त्वं॥ सूनो॥ इति॥ सहस्रः॥ नः॥ अद्या॥ जातः॥ जातान्॥ उन्नयान्॥ अंतः॥ अ
 ग्ना॥ दूतः॥ ई॥ प॥ सौ॥ पु॥ पु॥ ज्ञानः॥ रु॥ वा॥ रु॥ मु॥ मु॥ कान्॥ व॥ ष॥ णः॥ शु॥ कान्॥ च॥ अ॥ त्यो॥ व॥ ध
 स्तू॥ इति॥ व॥ ध॥ स्तू॥ रो॥ हि॥ ता॥ घृ॥ त॥ स्तू॥ इति॥ घृ॥ तः॥ स्तू॥ रु॥ त॥ स्यो॥ म॥ न्यो॥ म॥ न॥ सा॥ रु॥ वि॥ ष्ठा॥
 अंतः॥ ई॥ प॥ सौ॥ अ॥ रु॥ षा॥ पु॥ ज्ञानः॥ पु॥ ष्मान्॥ च॥ दे॥ वान्॥ वि॥ शः॥ आ॥ च॥ म॥ त॥ नि॥ अ॥ र्क॥ म॥ लं॥

वरुणं। मित्रं। एषां। इंद्रं। विष्णुं। मरुतः। अश्विनौ। उता। सुः। अश्वः। अग्ने। सुः।
 रथः। सुः। राधाः। आ। इतरां। जुं। इति। वह। सुः। हविषा। कनायागोः। माना। अग्ने। अ
 विः। माना। अश्वी। यद्वः। नृवतः। सरवा। सदा। इतरा। अप्रः। मृष्यतां। इत्याः। वाना।
 एषः। असुरा। प्रजाः। वाना। दीर्घः। रविः। पृथुः। बुध्नः। सनाः। वाना। १६॥ पः। ते।
 इध्मा। ऊनरं। तासि। सिदानः। मूर्धनं। वा। ततपते। त्वाः। पा। नुका। तस्या। स्वः।
 कना। पायुः। अग्ने। विश्वस्मात्। सी। अघः। पतः। ऊरुष्य। पः। ते। नरात्। अनिः
 यते। विरा। अन्तः। निः। शिषता। मंदं। अतिथिं। उतः। ईरत्। आ। देवः। पुः। इनर्धता।

दुरो॒णो॒ तस्मि॒न् रा॒ष्ट्रि॒ः ध्रु॒वः॒ अ॒स्तु॒ । दा॒स्यो॒ न॒ पः॒ त्वा॒ दो॒षा॒ यः॒ उ॒ष॒ सि॒ प्रः॒ शं॒
 सा॒ त्वा॒ प्रि॒या॒ वा॒ त्वा॒ कृ॒ण॒ व॒तो॒ ह॒वि॒ष्मा॒ न॒ अ॒श्वः॒ ना॒स्वे॒ द॒मे॒ आ॒ हे॒म्याः॒ वा॒ न॒ ॥
 त॒ ॥ अ॒ह॒ सं॒ पी॒ प॒रः॒ दा॒श्वो॒ सं॒ यः॒ तु॒ न्य॒ ॥ अ॒ग्ने॒ ॥ अ॒मृ॒ ता॒ य॒ दा॒श॒ त्वा॒ दु॒वः॒ त्वे॒ इ॒ति॒ ॥
 कृ॒ण॒ व॒तो॒ प॒ तः॒ स्तु॒ क॒ ना॒ सः॒ रा॒ या॒ श॒मो॒ शे॒ नः॒ वि॒यो॒ ष॒ त्वा॒ ना॒ ए॒ न॒ ॥ अ॒हः॒ परि॒ ॥
 व॒ र॒ त्वा॒ अ॒घ॒ योः॒ प॒ स्य॒ ॥ त्वा॒ अ॒ग्ने॒ ॥ अ॒ध॒ रं॒ जु॒ जो॒ षः॒ दे॒ वः॒ म॒ र्त्त॒ स्य॒ सु॒ धि॒ तं॒ ॥ रा॒
 ए॒ नः॒ प्री॒ ता॒ इ॒ त्वा॒ अ॒ स॒ त्वा॒ हो॒ न॒ ॥ सा॒ य॒ वि॒ ष्ठा॒ अ॒ सो॒ मा॒ प॒ स्य॒ ॥ वि॒ ध॒ तः॒ वृ॒ धा॒ सः॒ ॥ १७ ॥
 चि॒ त्ति॒ ॥ अ॒ चि॒ त्ति॒ नि॒ न॒ व॒ त्वा॒ वि॒ वि॒ द्वा॒ न॒ ए॒ ष्ठाः॒ इ॒ वा॒ वी॒ ता॒ वृ॒ ङि॒ ना॒ च॒ म॒ र्त्त॒ नि॒ रा॒

६०
 ६१
 या चानः सुः अपत्या पादेवदिति चारस्व अदिति उरुष्या कविं शशा सुः
 कवयः अदक्षाः निः पारयंतः दुष्पसु आपोः अतः त्वं दृश्यान् अग्ने एतान्
 पटः निः पश्येः अद्रुतन् अर्घ्यः एवैः त्वं अग्ने वा घतो सुः प्रनीतिः सुतः सो
 माम विधते यविष्ठारत्नं नर शशमानाय घृष्टे दृष्टु चंद्रं अवसे चर्वणि
 प्राः अधो हा पत् वयं अग्ने त्वाऽया पटः निः हस्ते निः च कृमा तनूनि रथं
 न कंतः अपसा नुरिजोः कृतं ये मुः सुः ध्यः आशुषाणाः अधो मातुः उष
 सः सप्त विप्राः जायेमहि प्रथमाः वेधसः नृन् दिवः पुत्रः अंगिरसः न

वे॒मा अ॒दि॒रु॒ते॒मा ध॒नि॒नां शु॒चं॒तः॑ ॥ ७ ॥ अ॒धो॒प॒ग्रो॒ नः॑ पि॒तरः॑ प॒र॒तः॑
 अ॒ग्ने॒ः शु॒र्वो॒ आ॒शु॒षा॒णाः शु॒चि॒ इ॒त् आ॒य॒न॒ दी॒धि॒तिं॑ उ॒क्थः॑ श॒सः॑ सा॒मो॒ नि॒दं॑
 अ॒रु॒णीः॑ अ॒पो॒ ब्र॒ह्म॒ सुः॑ क॒र्मा॒णः॑ सुः॑ रु॒चः॑ दे॒वः पं॒तः॑ अ॒यो॒ ना॒ दे॒वाः॑ उ॒
 नि॒मा॒ ध॒मं॒तः॑ शु॒चं॒तः॑ अ॒ग्निं॑ व॒रु॒धं॒तः॑ इ॒दं॑ उ॒र्वो॒ ग॒व्यं॑ प॒रिः॑ स॒दं॒तः॑ अ॒ग्म॒ना॒ आ॒
 पू॒याः॑ इ॒वा॒ सुः॑ म॒ति॒ प॒श्वः॑ अ॒र॒य॒ता॒ दे॒वा॒नां॑ प॒त॒ उ॒नि॒मा॒ अं॒ति॒ उ॒ग्र॒ म॒ती॒नां॑ चि॒
 त॒ उ॒र्व॒शीः॑ अ॒रु॒प्र॒न॒ वृ॒धो॒ चि॒त् अ॒र्षः॑ उ॒पर॒स्य॑ आ॒योः॑ अ॒क॒र्मा॒तो॒ सुः॑ अ॒प॒सः॑
 अ॒नू॒मा॒ स॒तो॒ अ॒व॒स्व॒न॒ उ॒प॒सः॑ विः॑ न॒तीः॑ अ॒नू॒नां॑ अ॒ग्निं॑ पु॒रु॒धा॒ सुः॑ च॒दं॑ दे॒व

हृ
६२

स्य। मर्मजतः। चारु। चक्षुः॥ १॥ अर्वाचामा कवये। ता। गुपस्वा उता। शोचस्वा। कृणुहि।
वस्यसः। नः। महः। रायः। पुरुः॥ वार। प्रायंधि॥ १॥ आ। वः। राजानं। अध्वरस्य। रु
द्रं। होतारं। सत्यः॥ पञ्च। रोदस्योः। अग्निं। पुरातनमित्तोः। अचिन्तात्। हिरण्यः॥ रु
पं। अर्वासा। कृणुध्वं। अयं। योनिः। चक्रमायं। वयं। ते॥ १॥ अर्वाचीनः। परिःवीतः। नि॥
सीद। इमाः। क्रुंदन्ति। ते। सुः॥ अपाका। प्रतीचीः। आ। शृण्वते। अद्विषताया। मन्मानु
वक्षसि। सुः॥ मृलीकाय। वेधः। देवाय। शस्तिं। अमृताया। शंस। ग्रावाः॥ इवा। सोता॥
मधुः॥ सुतायं। ईले। त्वं। चित्तानः। शम्पे। अग्ने। अस्याः॥ रुतस्य। वेध्या। रुतः॥ चित्त

६२

सुः आधीः कदा। तो उ कछा। सुधः माद्यानि कदा नु वंति। सख्या। गृहे। तो कथा।
 हा। तत्। वरुणाया त्वं। अग्ने। कथा। दिवो गर्हसे। कतानुः। आगः। कथा। मित्रा यामी लु
 षे। पृथिव्ये। ब्रवः। कत। अर्षमो। कत। नगायाः२०। कत। धिष्मसु। वृधुस्तानः। अ
 ग्ने। कत। वातायाः प्रः तवसे। श्रु नः३ यो। परिः३ ज्ञने। नासत्यायाः से। ब्रवः। कत। अग्ने।
 रुद्रायाः नृः३ ध्ने। कथा। महे। पुष्टिः३ नरायाः पूष्टे। कत। रुद्रायाः सुः मखायाः हविः३ दे।
 कत। विल्वे। उरुः३ गायामा रेतः३ ब्रवः। कत। अग्ने। शरवो बृहत्वे। कथा। शङ्गीया म
 रुतां। रुतायाः कथा। सूरौ। बृहते। पृथ्यमानः। प्रति। ब्रवः। अदितयो। रातुरायाः साधे॥

६० दिवः। ज्ञातः वेदः। चिकित्वा न। रुतेन। रुतं। निः। यतं। ईले। आ। गोः। आ। मा। स। शी।
 ६३ मधुः। मत्। पक्कं। अग्ने। कृष्ण। सती। रुशता। भासिता। एषा। जामयेण। पयसा। पीपा।
 य। रुतेन। हि। स्म। वृषनः। चित्। अक्कः। पुमान्। अग्निः। पयसा। पृष्टो न। अस्यं द।
 मानः। अचरत्। वयः। धाः। वृषा। शुक्रं। दुदुहो। पश्विः। ऊर्ध्वः। २१॥ रुतेन। अर्द्धिः।
 धि। असन्। निदंतः। सं। अं गिरसः। नवंता। गोर्निः। शुनं। नरः। परि। सदन। उषसं। अ।
 विः। स्वः। अनवत्। ज्ञोता। अग्नौ। रुतेन। देवीः। अमृताः। अमृष्टा। ताः। अर्णः। निः।
 आपः। मधुमत्। निः। अग्ने। बाजी। ना। सर्गेषु। प्रः। स्तनानः। प्रासदी। इत्। स्ववित्।

दधन्तुः। मा। कस्य। पत्नौ। सदा। इत्। दुरः। गः। मा। वेशस्य। प्रः। मिनतः। मा। आपे।
 मा। आतुः। अग्ने। अनृजोः। रुणं। वेः। मा। सख्युः। दक्षं। रिपोः। नुजेम। रत्नं। नः। अग्ने।
 तवारक्षणेनिः। रंक्षाणः। सुः। मख। प्रीणा नः। प्रति। स्फुरा। विरुक्ता। वीलु। अंहः। ज
 हि। रक्षः। महि। चित्। ववृधानां। एभिः। नवा। सुः। मनाः। अग्ने। अर्धैः। इमान्। स्पृश।
 मन्मः। निः। शूर। वाजान्। उता। ब्रह्माणि। अंगिरः। नृपस्व। साते। शस्त्रिः। देवः। वा
 ता। जरेता। एता। विश्वा। विदुषो। तुन्यां। वेधः। नीयानि। अग्ने। नि। एषा। वचांसि। निः। वच
 ना। कवयो। काव्यानि। अशंसिषं। मतिः। निः। विप्रः। उक्तेः। २॥ कृणुष्व। पाजः। प्र

हं
६४

मा

सिति। न। पृथ्वी। पाहि। राजाः इवा। अमः। मान्। दुर्जेना। हृषी। अनु। प्रः। सिति।
 दूणानः। अस्ता। अस्ति। विध्य। रक्षसः। तपिष्ठेः। तवा। नृमासः। आशुः। पा। प
 तंति। अनु। स्पृश। धृषता। शोशुचानः। तपूषि। अग्ने। नुक्ता। पतंगान्। असंः। रि
 तः। वि। सृज्। विष्वक्। उक्ताः। प्रति। स्पृशः। वि। सृज्। तूर्णिः। तमः। नवी। पापुष्पनिः।
 विशः। अस्याः। अदध्वः। यः। नः। दूरे। अघः। शंसः। यः। अंति। अग्ने। माकिः। तोय
 थिः। आ। दधर्षी। त। उत। अग्ने। तिष्ठ। प्रति। आ। तनुष्वानि। अमित्रान्। ओषता
 त। तिग्मः। हेते। यः। नः। अरातिं। संः। दधाना। चके। नीचा। तां। धक्षि। अतसां। नाशुष्वं।

६४

CC-0. Mrugendra Vinod Collection. Digitized by eGangotri

६०
६१

अस्मेदति। क्षत्राणि। धारयेः। अनु। द्यून्। इह। त्वा। पूरि। आ। चरेत्। उप। त्मन्॥
दोषा। वस्तः। दीदिः। वांसं॥ अनु। द्यून्। कीलंतः। त्वा। सुः। मनसः। सपेमा। अनि। ह्यु
म्ना। तस्तिः। वांसः। जनानां। यः। त्वा। सुः। अश्वः। सुः = हिरण्यः। अग्ने। उपः। याति॥
वसुः। मता। रथेना। तस्य। चाता। नवसि। तस्य। सखा। यः। तो। आतिथ्यं। आनुषक
॥ जोषत्॥ २४॥ महः। रुक्मि। बंधुता। वचः। निः। तत्। मा। पितुः। गोतमात्। अ
॥ इयाय। त्वानः। अस्या। वचसः। विकिद्दि। होतः। यविष्ट। सु० कतोद्विसुः। क
तो। द्यून्। अश्वः। तरणयः। सुः। शेवाः। अतंद्रासः। अरुकाः। अश्वमिष्ट

ते। पायनी सध्या चः निः सद्यः। अग्ने। तव नः। पांतु। अगुरा। तव पा। अग्ने। सध्या चः
 त्वाः ऋताः। तव प्रः नीता। अश्यामा वाजान्। उना। शंसा। हृदया सहा। तव।
 उषुया। कृणुहि। अद्रपाणा। अयातो। अग्ने। संः इधा। विधेमा प्रति। रतां। श
 स्यमानं। गृनाया देहा। अशसः। रक्षसः। पाहि। अस्मान्। दुहः। निदः। मित्रः। महः।
 अवधात्॥ इति हृतीयाष्टके चतुर्यो ध्यायः॥ ३ वैश्वानरायामीलुवे। सः
 जोषाः। रुथा। दशेमा। अग्नये। बृहता। जाः। अनूनेना। बृहता। वक्षथेना। उप॥
 स्तनायत्। उपः मित्र। नारो धः। मा। निंदतायः। इमां। मह्यं। सति। देवः। ददौ। म

हं

६

त्सीपा स्वधाऽवा न्पाकापा गत्सः। अमृतः। विऽचेताः। वैश्वानरः। नृऽतमः॥
 यक्षः। अग्निः। सामादिऽबर्ही। महि। तिग्मऽनृष्टिः। सहस्वऽरेताः। वृषनः। तु
 विष्मान्। पदं। नागोः। अर्पऽगूलं। विविद्वान्। अग्निः। मह्यं। प्राद्वत्। कुंडति।
 वोचत्। मनीषां। पातन्। अग्निः। वनसत्। तिग्मऽजं नः। तविष्टेनाशो विषा। यः।
 सुऽराधाः। प्रायो। मिनंति। वरुणस्य। धामा। प्रिपा। मित्रस्य। चेततः। ध्रुवाणि। अ
 प्रातरः। नायोषणः। व्यक्तः। पतिऽरिपः। नाकनयः। दुऽएवाः। =पापासः। संतः॥ ६
 अन्तः। असत्याः। दूदं। पदं। अकनयतां गनीरं॥ १॥ दूदं। मे। अग्ने। कियता॥

पा॒र॒का॒ अ॒मि॒न॒ते॒। गु॒रुं॒। ना॒रं॒। ना॒म॒न्मो॒ बृ॒ह॒त्वा॒ द॒धा॒या॒ धृ॒ष॒ता॒। ग॒नी॒रं॒। य॒क्षं॒।
 धृ॒षं॒। प्र॒य॒सा॒। स॒त्रः॒ धा॒तु॒। तं॒। इ॒त्वा॒नु॒। ए॒वा॒। स॒म॒ना॒। स॒मा॒नं॒। अ॒ग्नि॒। क॒त्वा॒। पु॒न॒ती॒॥
 धी॒तिः॒। अ॒श्याः॒। स॒स॒स्यो॒। च॒र्म॒न्। अ॒धि॒। चा॒रु॒। पृ॒श्नेः॒। अ॒ग्ने॒। रु॒पः॒। अ॒रु॒पि॒तं॒। ऊ॒
 वा॒रु॒। पु॒ऽवा॒च्यं॒। व॒च॒सः॒। किं॒। मे॒। अ॒स्या॒। गु॒हा॒। हि॒तं॒। उ॒प॒। नि॒णि॒कू॒। व॒दं॒ति॒। य॒त्वा॒नु॒
 स्त्रि॒या॒णं॒। अ॒प॒। वाः॒। इ॒वा॒। व॒न्। पा॒ति॒। वि॒यं॒। रु॒पः॒। अ॒ग्रं॒। प॒दं॒। वे॒रि॒ति॒वेः॒। इ॒दं॒। ऊ॒
 इ॒ति॒। त्य॒त्वा॒। म॒हि॒। म॒हं॒। अ॒नी॒कं॒। य॒त्वा॒। उ॒स्त्रि॒या॒। स॒च॒त॒। पू॒र्व्यं॒। गोः॒। ऋ॒त॒स्य॒। प॒दे॒।
 अ॒धि॒। दी॒द्या॒नं॒। गु॒हा॒। र॒घुः॒स्य॒त्वा॒। र॒घुः॒प॒त्वा॒। वि॒वे॒दा॒। अ॒ध॒। कृ॒ता॒नः॒। पि॒त्रोः॒॥

सचा॥ आसा॥ अमनुतागुह्यं॥ चारु॥ एश्वर्यं॥ मातुः॥ पदे॥ परमे॥ अंति॥ सत्॥ गो॥
 वृक्षः॥ शोचिषः॥ प्र॥ यतस्या॥ जिह्वा॥ २॥ रुतं॥ बोचो॥ नमसा॥ ए॥ व्यमानः॥ तव॥
 आ॥ शसा॥ ज्ञातः॥ वेदः॥ यद्वि॥ दूदं॥ त्वं॥ अस्य॥ क्षयसि॥ यत्॥ हा॥ विश्वं॥ दि॥ वि॥
 यत्॥ कुंदति॥ द्रविणं॥ यत्॥ पृथिव्यां॥ किं॥ नः॥ अस्य॥ द्रविणं॥ कत्॥ हारत्वं॥
 वि॥ नः॥ बोचः॥ ज्ञातः॥ वेदः॥ चिकित्वा॥ न॥ गुहा॥ अधनः॥ परमं॥ यत्॥ नः॥ अस्य॥
 रे॥ कु॥ दूदं॥ ना॥ निदानाः॥ अगन्मा॥ का॥ मूर्षा॥ दा॥ व॥ युना॥ कत्॥ हा॥ वामा॥ अ॥ वृ॥ ग॥
 मे॥ रा॥ घ॥ वः॥ न॥ वाजं॥ क॥ दा॥ नः॥ दे॥ वी॥ अ॥ मृतस्य॥ पत्नीः॥ सूरः॥ वर्णेन॥ वृत्त॥

अनायुधासः आस्ततामवतां सवतां मासतानायुधास्तः आस्तता
सवतां आस्तता
सवतां

ननः। उषसः। अनिरेणा वचसा। फल्लेवनी। प्रतीत्येन। कृधुना। अतृपासः॥
अधः। तो। अग्ने। किं। इहा वदंति। अनायुधासः। असता। सवतां। अस्य। श्रिये।
सः। इधानस्या वसः। वसोः। अनीकं। दमे। आ। रुरोच। रुशत्। वसानः। सुद
शीकः। रूपः। क्षितिः। न। राया। पुरुः। वारः। अधोत्। ३॥०॥ अधरस्य। होतः।
अग्ने। तिष्ठ। देवः। ताता। यजीमान्। त्वं। हि। विश्वं। अग्नि। असि। मन्मा। प्रावेधसः।
चित्। तिरसि। मनीषां। अमूरः। होतानि। असादि। विष्णु। अग्निः। मंडः। विद
येषु। प्रः। वेताः। कुर्ह्यं। जानुं। सविताः। इवा। अश्वेत। मेताः। इवा। धूर्म। स्ततायत्।

३० उपाद्यां। यता। सुः जूतिः। रातिनी। घृताची। प्रः दक्षिणिता देवः तातिं। उराणः।
 उता। कुंडति। स्वसः। नवः जाः। न। अकः पश्वः। अनक्ति। सुः धितः। सुः मेकः। स्त्री
 ली। बर्हिषि। संः दधाने। अग्नौ। कृर्हः। अधुर्पुः। जुनुषाणः। अस्थात्। परि। अ
 निः। पशुः पाः। न। होता। निः विष्टि। एति। प्रः दिवः। उराणः। परि। त्मना। धितः दुः॥
 नि। होता। अग्निः। मंडः। मधुः वचाः। अतः वा। द्रवंति। अस्या। वाग्निनः। न। शोकाः।
 नवंते। विश्वा। जुवना। पत्र। अत्राद्। ६॥ नद्राते। अग्ने। सुः अनीका। संः दृक्। धो
 रस्या। सतः। विषुणस्य। चारुः। न। यताते। शोचिः। तमसा। वरंता। न। धस्मानः। तन्नि।

६८

रकः॥ आ॥ धरि॒ति॒धुः॥ ना॒यस्य॑॥ सा॒नुः॥ ज॒नि॒तोः॥ अ॒वा॒रि॒। ना॒मा॒त॒रा॒पि॒त॒रा॒नु॑॥ वि॒
 दू॒ष्टो॑॥ अ॒र्ध॒मि॒त्रः॥ ना॒सु॒धितः॥ पा॒व॒कः॥ अ॒ग्निः॥ दी॒रा॒या॒मा॒नु॒षी॒षु॒वि॒क्षु॒ष्टिः॥
 या॒पं॒चा॒जी॒र्जन॑न्॥ सं॒व॒सा॒नाः॥ स्व॒सा॒रः॥ अ॒ग्नि॑॥ मा॒नु॒षी॒षु॒वि॒क्षु॒ष्टिः॥ बु॒धं॑॥ अ॒
 ध॒र्मः॥ ना॒दं॒तं॑॥ शु॒क्रं॑॥ सु॒आ॒सं॑॥ प॒र॒शु॑॥ ना॒ति॒ग्मं॑॥ त॒वा॒त्ये॑॥ अ॒ग्ने॑॥ ह॒रि॒तः॥ घृ॒तः॒स्ना॑
 रो॒हि॒ता॒सः॥ स॒नुः॒अ॒चः॑॥ सु॒अ॒चः॑॥ अ॒रु॒षा॒सः॥ वृ॒ष॒णः॥ रु॒नुः॒मु॒ष्ठाः॥ आ॒दे॒वः॑
 ना॒ति॑॥ अ॒दं॒तः॒द॒स्माः॥ यो॒हा॒त्ये॑॥ तो॒स॒ह॒मा॒नाः॥ अ॒या॒सः॥ त्वे॒षा॒सः॥ अ॒ग्ने॑॥ अ॒र्च॒यः॑
 च॒रं॒ति॑॥ श्ये॒ना॒सः॥ ना॒दु॒व॒स॒ना॒सः॥ अ॒र्थी॑॥ तु॒विः॒स्व॒न॒सः॥ मा॒रु॒तं॑॥ ना॒श॒र्द्धः॑॥ अ॒का॒रि॑॥

ब्रह्म। संऽइ धाना तु न्यो शंसाति। उक्तां यजता वि। कुंदति धाः हो तारां। अग्निं। मनु
 षः नि। से दुः। नमस्यंतः। उ शिञः। शंसां आयोः। ॥ ५ ॥ अयं। इह। प्रथमः। पापि। धा
 तः निः। होता। यज्ञिष्ठः। अधरेषु। ईड्यः। पां। अन्नवानः। नृगवः। विः रु रुचुः। वने
 षु। वित्रं। विः चं। विशेः विशे। अग्ने। कदा। ते। आनुषक। जु वत्। देवस्य। चेतनं। अ
 धाहि। त्वा। जगत्त्रिरे। मत्तसिः। विस्तु। ईड्यं। सतः वाने। विः चेतसां पश्यंतः। द्यां
 इवास्तुः निः। विश्वेषां। अधराणां। हस्वर्तारं। दमेः दमे। आशुं। विवस्वतः। विश्वा
 यः। चर्षणीः। अग्नि। आ। हनुः। केतुं। आयवः। नृगवाणं। विशेः विशे। तां ई। होता

दूतं १९

रं। आनुषक। चिकित्वां सं। नि। से० दि० रा० ए० वा० पा० व० क० शो० वि० षं। यदि षं। सु० धा० म० ऽ नि०
 ॥ ६ ॥ तां शश्वतीषु। मातृषु। वने। आ० वी० तां अ० श्रि० तां वि० नं। सं० तां गु० हा० हि० तां सु० वे० दा० कू०
 चि० तः अ० र्चि० नं। सु० स० स्या० यत्। वि० यु० ता० स० स्मि० न० उ० ध० न० रु० त० स्या० धा० म० न० रा० ण० य० त० ॥
 दे० वाः। म० हा० न० अ० निः। न० म० सा० रा० तः ह० व्यः। वेः। अ० ध० रा० य० स० दा० इ० त० रु० तः वा० वेः। अ०
 ध० र० स्या० दू० त्या० नि०। वि० दू० न०। उ० ने० इ० ति०। अ० नै० रि० ति०। रो० द० सी० इ० ति०। सं० चि० कि० त्वा० न० दू० तः। इ०
 य० से०। प्र० दि० वः। उ० रा० णः। वि० दुः। तै० रः। दि० वः। आ० रो० ध० ना० नि०। क० ला० ता० ए० म०। रु० श० तः। पु० रा०
 नाः। च० रि० लु०। अ० र्चिः। व० पु० षां। इ० त०। ए० कां। यत्। अ० प्र० वी० ता० द० ध० ता० ह०। ग० नी० स० द्यः। चि० त० ॥

६०

ज्ञातः न वसि। इत्। कुं इति। दूतः सद्यः। ज्ञातस्य। ददृशानं। ओजः। यत्। अस्या। वातः।
 अनुः वाति। शोचिः। वृणक्ति। निष्मां। अतसेषु। द्विद्रां। स्थिरा। चित्। अन्ता। दयते। वि।
 जं नैः। तेषु। यत्। अन्ता। तेषु। वृक्ष। तेषु। दूतं। कृणुते। यद्वः। अग्निः। वातस्य। मे
 लिं। सचते। निः। ज्वेन। आशुं। ना। वातयते। हि। वै। अर्वा। आ। दूतं। वः। विश्वः। वेदसं।
 हव्यः। वाहं। अमर्त्यं। यज्ञिषां। संजसे। गिरा। सः। हि। वेद। वसुः। धितिं। महान्। आः। रोध
 नं। दिवः। सः। वेद। देवः। आः। नमं। देवान्। जतं। यते। दमे। दाति। प्रियाणि। चित्। व
 सु। सः। होता। सः। इत्। कुं इति। दूत्यं। चिकित्वा। अतः। ईयते। विद्वान्। आः। रोधनं।
 ॥ स दे वा ए ह व ॥

७०

दिवः। ते। स्यामा। ये। अग्नये। ददाशुः। हव्य दातिः। निः। योर्दु। पुष्यंतः। दंधुते। ते। रायाः।
 ते। सुः। वीर्यैः। ससः। वांसः। वि। शृण्विरे। ये। अग्ना। दधिरे। दुवः। अस्मेदति। रायः॥
 दिवेः। दिवो। सां। चरंतु। पुरुः। स्पृहः। अस्मेदति। वाजांसः। ईरतां। सः। विप्रः। वर्षणीनां।
 शवसा। मानुषाणां। अति। क्षिप्राः। इवाविध्यति॥ ८॥ अग्ने। मृल। महान्। असि। पः।
 ई। आ। देवः। पुं। ऊनो। इयेथा। बर्हिः। आः। सदा। सः। मानुषीषु। दुः। दनः। विक्षु। प्रः। अ
 वीः। अमर्त्यः। दूतः। विश्वेषां। जुवतासः। सदा। परि। नीयते। होता। मंदः। दिविष्टिषु। उ
 त। पोता। नि। सीदति। उतागताः। अग्निः। अध्वरो। उतोदति। गृहः। पतिः। दमो। उत। ब्रह्मा। नि।

ह०
३१

सीदति। वेषि। हि। अधरिः। यता। उपः। वृक्ता। जनानां। हव्या। च। मानुषाणां। वेषि। इत्य॥
कुंदति। अस्यादूयं। यस्य। तु नोषः। अधरं। हव्यं। मर्त्तस्य। बोलूवे। अस्माकं। जो
षि। अधरं। अस्माकं। यज्ञं। अंगिरः। अस्माकं। शृणुधि। हवं। परि। ते। दुः। दंनः। रथः।
अस्मान्। अश्रोतुं। विश्वतः। येन। रक्षसि। दाशुषः॥ ए॥ अग्ने। तं। अध्या। अश्वं॥
न। स्तोमैः। कर्तुं। न। नृदं। हृदिः। स्पर्शं। रुध्यामि। ते। ओहैः। अधहि। अग्ने। क
तोः। नृदस्य। दक्षस्य। साधोः। रथीः। रुतस्य। बृहत्तः। वजूयै। एनिः। नः। अर्क्कैः। न
वा। नः। अर्वाङ्। स्वः। ना। ज्योतिः। अग्ने। विश्वे। निः। सुमनाः। अनीकैः। आनिः। ते॥

७१

अद्यामीऽनिः। गृणंतः। अग्ने। दाशेमा प्रातो दिवः। नास्तनयंति। शुभाः। तव।
 स्वादिष्ठा। अग्ने। संऽदृष्टिः। इदा चित्। अद्गः। इदा तं चित्। अतोः। श्रियो। रुक्मः।
 नारो चते। उपाके। घृतां नापूतां तनूः। अरेपाः। शुचि। हिरण्यं। तदा तो। रुक्मः। न।
 रोचता। स्वधाऽवः। कृतां चित्। हि। स्म। सनेमि। द्वेषः। अग्ने। इनोषि। मतीत्। इत्था।
 यज्ञमानात्। रुतऽवः। शिवा नः। सख्या। संतु। आना। अग्ने। देवेषु। युष्मदिति। सा।
 नः। नानिः। सदने। सस्मिन्। ऊधन॥ १०॥ नदं। तो। अग्ने। सह सिन्। अनीकं। उपा
 के। आरोचते। सूर्यस्या। रुशत्। दृशे। ददृशे। नक्तऽया चित्। अरुक्षितं। दृशे। आ।

ह०

७२

रूपे। अन्तो। वि। संहि। अग्ने। गृणते। मनीषां। खं। वेपसा। तुविः। ज्ञाता। स्त वानः। विश्वे
 निः। यत्। वं वनः। शुक्रा। देवैः। तत्। नः। रास्त्रा। सुः। महः। नूरि। मन्मा। त्वत्। अग्ने। का
 व्या। त्वत्। मनीषां। त्वत्। उक्ता। ज्ञायते। राध्यानि। त्वत्। एति। द्विर्ण। वीरः। पेशाः।
 इत्था। धियो। दाशुषे। मत्तीया। त्वत्। वाजी। वाजंः। नरः। विःहायाः। अनिष्टिः। क
 ता। ज्ञायते। सत्यः। शुभ्रः। त्वत्। रयिः। देवः। कृतः। मयः। नुः। त्वत्। आशुः। कूडुः। वान्।
 अग्ने। अवी। त्वां। अग्ने। प्रथुमं। देवः। यंताः। देवः। मत्ती। अमृता। मंद्रः। द्विर्ण। देवः। यु
 तौ। आ। विवासंति। धीनिः। दमूनसां। गृहः। पतिं। अमूरं। आरे। अस्मत्। अमर्ति।

CC-0. Mrugendra Vinod Collection. Digitized by eGangotri

हि। ते। पुरुषः। ज्ञा। यविष्ठ। अचिन्तिः। निः। चक्रमां कत। चित्। आगः। कृधि। सुं। अ
 स्मान्। अदिनेः। अनागन्। वि। एनां। सि। शि। श्रुयः। विष्ठक। अग्ने। महः। चित्। अ
 ग्ना। एनसः। अनीके। ऊर्वात्। देवानां। उता। मर्त्यानां। मा। ते। सखायः। सदं। इत्य। रिषा
 मा। यच्छ। तो। काया। तनयाया। शं। योः। यथा। हा। त्यत्। वसवः। गोर्ष्यं। चित्। पदि। सि
 तां। अमुं चत। यज्ञज्ञाः। एवोदृति। सुं। अस्मत्। मुं चत। वि। अंहः। प्रा। तारि। अग्ने। प्र
 तरं। नः। आयुः। १२॥ प्रति। अग्निः। उषसां। अयं। अख्यत्। विः। ज्ञातीनां। सुः। मनाः। र
 त्नुः। धेयं। पातं। अश्विना। सुः। कृतः। दुरोणं। उत। सूर्यः। ज्योतिषा। देवः। एति। ऊर्ध्वं।

अनु०। सविता। देवः। अश्वेत्। दुषं। दविधत्। गोः। दुषः। ना। सत्वा। अनु०। वृत्ता। वरुणः।
 यंति। मित्रः। यत्। सूर्यं। दिवि। आः। रोहयंति। यं। सी। अकृण्वन्। तमसा। विः। एवे।
 ध्रुवः। क्षेमाः। अनवः। स्पंतः। अर्थी। तं। सूर्यं। हरितः। सप्त। यक्षीः। स्पशं। विश्वस्या।
 जगतः। वहंति। वहिष्ठेनिः। विः। हरन्। पासि। तं। तं। अवः। व्ययन्। असितं। देव। व
 स्म। दविधत्। रश्मयः। सूर्यस्या। चर्मः। इवा। अवा। अधुः। तमः। अप्रः। सु। अंतरि
 ति। अनायतः। अनिः। बद्धः। कथा। अयं। न्यङ्। उत्तानः। अवा। पद्यतोना। कया। पा
 ति। स्वयया। कः। ददर्श। दिवः। स्क्। नः। संः। कृतः। पाति। नाकं। १३॥ ना। जातः। वेदाः।

ग० श्रुतिताडे अंशे ० ग० आग्राद्या ०

६०
७४

अस्य तदेवः। रोचमानाः। महः। निः। आ। ना। सत्सु। उरुः। गा। यारयेना। इंसं।
यज्ञं। उप। नः। मातं। अछ। कुर्हं। केतुं। ०। कृण्वन्। ०। वि। सूर्यः। रश्मिः। निः। वे
कि। तानः। आः। वहंती। अरुणीः। ज्योतिषा। आ। अगात्र। मही। चित्रा। रश्मिः। निः।
चेकि। ताना। प्रः। बोधयेती। सुविताय। देवी। उषाः। ईयते। सुः। युजा। रयेना। आ।
लां। वहिष्ठाः। इहा। ते। वहंतु। रथाः। अश्वसः। उषसः। विः। उष्टो। इमे। हि। वां। मधुः
ययाय। सोमाः। अस्मिन्। पुष्टे। वृषणा। मादयेयां। ०। १४॥ अग्निः। होता। नः। अ
०। कृती। सन्। परि। नीयते। देवः। देवेषु। यद्विषः। परि। त्रिः। विष्टि। अध्वराया

७४

ति॥ अ॒ग्निः॥ र॒थीः॥ इ॒वा॒ आ॒ दे॒वे॒षु॒ । प्र॒यः॥ द॒ध॒त्वा॒ परि॒ । वा॒जः॥ प॒तिः॥ कु॒विः॥ अ॒ग्निः॥ ह॒
 व्या॒नि॥ अ॒क॒मी॒त्वा॒ द॒ध॒त्वा॒ र॒त्ना॒नि॥ द॒श॒मु॒षे॒ । अ॒पं॒ । यः॥ स्तृ॒ज॒ये॒ । पु॒रः॥ दे॒वः॥ वा॒ते॒ सं॒
 इ॒ध॒ते॒ । यु॒ग्मा॒न॒ । अ॒ग्नि॒नः॥ दं॒न॒नः॥ अ॒स्या॒घा॒ । वी॒रः॥ ई॒व॒तः॥ अ॒ग्नेः॥ ई॒शी॒ता॒म॒
 त्यः॥ ति॒ग्मः॥ जं॒न॒स्या॒मी॒लु॒षः॥ ॥ ५॥ तां॒ अ॒र्व॒तां॒ ना॒सा॒न॒सिं॒ । अ॒रु॒षां॒ ना॒दि॒वः॥ शि॒
 शुं॒ । म॒र्म॒ज्यं॒ते॒ । दि॒वे॒ । दि॒वो॒ बो॒ध॒त्वा॒ प॒त्न्या॒मा॒ । ह॒रिः॥ न्यां॒ । कु॒मा॒रः॥ सा॒ह॒ दे॒वः॥ अ॒र्वा॒
 ना॒ ह॒तः॥ उ॒त्ता॒ अ॒रं॒ । उ॒ता॒त्या॒ । य॒ज॒ता॒ ह॒री॒ इ॒ति॒ । कु॒मा॒र॒त्वा॒ सा॒ह॒ दे॒व्या॒त्वा॒ प्र॒य॒ता॥
 स॒द्यः॥ आ॒ द॒दे॒ । ए॒षः॥ वां॒ दे॒वो॒ । अ॒श्वि॒ना॒ । कु॒मा॒रः॥ सा॒ह॒ दे॒वः॥ दी॒र्घः॥ आ॒युः॥ अ॒

ह०
२५

स्त० सोम० कः॥ तं० युवं० देवौ० । अ० श्विना० कु० मारं० । सा० ह० दे० वा० दी० र्घः० । अ० श्वि० पं० ह० णो० त
न० ॥ १६ ॥ आ० स० त्यः० पा० तु० म० घः० वा० न० । रु० जी० षी० इ० वं० तु० । अ० स्या० ह० र० यः० उ० पा० नः० । त० स० मे०
इ० त० । अ० धः० । सु० सु० मा० सु० द० क्षा० इ० ह० । अ० निः० पि० त्वा० क० र० तो० ग० णा० नः० । अ० वा० स्या० मू० र०
अ० ध० नः० । ना० अ० न० । अ० श्वि० न० । नः० । अ० द्या० स० र्व० नि० म० द० ध्यै० । शं० सा० ति० । उ० क० ठा० उ० श० ना० इ०
इ० वा० वे० धाः० । पि० कि० तु० षे० । अ० सु० र्प्या० या० म० न्मा० । क० विः० । ना० नि० र्ण्य० । वि० द० था० नि० । सा० ध० न्मा० व०
वा० । य० त्वा० से० का० । वि० पि० षा० नः० । अ० र्चा० त्वा० दि० वः० । इ० त्वा० । जी० ऊ० न० त्वा० स० प्र० । का० र० न्मा० अ० न० । अ० न० ।
वे० त्वा० । व० कुः० । व० यु० नो० । ग० णं० तः० । स्वः० । य० त्वा० वे० दि० । सु० द० शी० का० । अ० र्चैः० । म० हि० । न्यो० नि० ।

२५

रु॒रु॒नुः॑ । प॒ता॒ह । व॒स्तोः॑ । अ॒न्धा॒ त॒मां॒ सि॒ । दु॒धि॒ता॒ । वि॒ऽ च॒क्षे॑ । नृ॒ऽ न्यः॑ । च॒का॒रा॒ नृ॒
 त॒मः॑ । अ॒नि॒ष्टो॑ । व॒व॒क्षे॑ । दं॒डः॑ । अ॒मि॒तं॒ । ऋ॒जी॒षी॑ । उ॒ने॒द॒ति॑ । आ॒प॒प्रो॑ । रो॒द॒सी॒ इ॒
 ति॑ । म॒हिः॒ त्वा॒ । अ॒तः॑ । चि॒त् । अ॒स्या॒ म॒हि॒मा॑ । वि॒रे॒त्रि॑ । अ॒नि॒पः॑ । वि॒श्वा॑ । नु॒व॒ना॒ व॒न॒
 वा॑ ॥ १७ ॥ वि॒श्वा॒नि॒ । श॒क्रः॑ । न॒यो॒णि॒ । वि॒द्वान् । अ॒पः॑ । रि॒रे॒च॒ । स॒खिः॑ । निः॑ । निः॑ । क॒मेः॑ ॥
 अ॒श्मा॒नां॑ । चि॒त् । यो॒ । वि॒नि॒दुः॑ । व॒चः॑ । निः॑ । वृ॒जं॑ । गो॒ऽ म॒तं॑ । उ॒शि॒जः॑ । वि॒ । व॒व्रु॒रिति॑
 व॒वुः॑ । अ॒पः॑ । वृ॒त्रं॑ । व॒विः॑ । वां॒सां॑ । प॒रा॒ । अ॒ह॒न् । प॒ । आ॒व॒ता॒ते॒ । व॒ज्रं॑ । पृ॒थि॒वी॒ । स॒ऽ चे॒ताः॑ ।
 प॒ । अ॒र्णो॒सि॒ । स॒मु॒द्रि॒पा॒णि॒ । ऐ॒नोः॑ । प॒तिः॑ । न॒व॒न् । श॒व॒सा॒ । शू॒रा॒ । धृ॒लो॒द॒ति॑ । अ॒पः॑

हृ०
७६

यत्। अर्दि। पुरुः हत। दर्दी। आविः। नुवत्। सरमा। पूर्व्य। तो। सः। नः। नेता। वाजं।
आ। दर्षि। नृरि। गोत्रा। रुजन्। अंगिरः३ निः। गृणानः। अष्टा। कुर्वि। नृ३ मनः॥
गाः। अन्निष्टौ। स्वः३ सांता। मधुः३ वृन्। नाधमानं। उतिः३ निः। तं। दूषणः। द्युम्नः३
हृत्तौ। नि। मायाः३ वान्। अबत्सा। दस्युः३ अर्त। आ। दस्युः३ घ्ना। मनसा। याहि॥
अस्तं। नुवत्। तो। कुत्सः३ सुरयो। निः। कामः३ स्वायोनौ। नि। स३ द३ तं। स३ रूपा। वि। वां।
विकि३ र३ त३ रुतः३ चित्। हानारी॥ १८॥ यासि। कुत्सेन। स३ रथं। अवस्युः३ तो। दः॥
वातस्या। द्युर्गः३ ईशानः३ रुद्रा। वाजं। नागध्यां। पुपूषन्। कुविः३ यत्। अहन्। णार्या

७६

या नृषां कुक्ष्यापः शुक्लं शुभ्रं निवर्हीः प्रपित्वे अर्कः कुयवं सह
 स्वाः सद्यः दस्यूनः प्रामृणः कुल्येनः प्रसूरः चक्रं बृहतात् अनीके त्वं पि
 पुं मृगं यं शुश्रुः वांसं रुद्रिश्चने वैदधि नार्यारंधीः पंचांशत् कृष्णानि वपुः
 सहस्वाः अर्कं नः पुरः रुद्रिमा विदद्दृरिति दद्दः सूरः उपाके तन्वा दधानः
 विपताते चेति अमृतस्या वर्षः मृगः न हस्ती तविषी उषाणः सिंहः न
 नीमः आयुधानि विच्रता इंदं कामाग वसुः यंतः अग्नन् स्वः मील्हे नः स
 वनो चकानाः श्वस्यकः शशमानासः उक्तेः ओकः नारणा सुदशीः इव

श्री गुरु सायना मा०

ह० पुष्टिः॥ १॥ तं इति वः॥ इंदं॥ सुहवं॥ हुवेमायः॥ ता॥ चकार॥ नय्यी॥ पुरुति॥ यः॥
२० मा॥ बतो॥ ऊरि॥ वे॥ ग॥ ध्यं॥ चित्॥ म॥ क्षु॥ वा॥ जं॥ न॥ र॥ ति॥ स्पर्ह॥ रा॥ धाः॥ ति॥ ग्मा॥ यत्॥ अं॥
तः॥ अ॥ श॥ निः॥ प॥ त॥ ति॥ क॥ स्मि॥ न॥ चित्॥ शूर॥ मु॥ हु॥ के॥ ऊ॥ न॥ नां॥ घो॥ रा॥ यत्॥ अ॥ र्प्य॥ सं॥
रु॥ तिः॥ न॥ वा॥ ति॥ अ॥ धा॥ स्म॥ नः॥ त॥ न॥ वः॥ बो॥ धि॥ गो॥ पाः॥ जु॥ वः॥ अ॥ वि॥ ता॥ वा॥ मः॥ दे॥ व॥ स्य॥
धी॥ नां॥ जु॥ वः॥ स॥ र॥ वा॥ अ॥ वृ॥ कः॥ वा॥ जः॥ सा॥ तौ॥ त्वां॥ अ॥ नु॥ प्रः॥ म॥ ति॥ आ॥ ऊ॥ ग॥ न्मा॥ उ॥ रु॥
शं॥ सः॥ ऊ॥ रि॥ ने॥ वि॥ श्व॥ धा॥ स्याः॥ ए॥ नि॥ नृ॥ निः॥ इ॥ दं॥ दू॥ त्वा॥ यु॥ निः॥ त्वां॥ म॥ घ॥ व॥ तः॥ निः॥
म॥ घः॥ व॥ नू॥ वि॥ श्वे॥ आ॥ जौ॥ द्या॥ वः॥ ना॥ द्यु॥ म्नेः॥ अ॥ नि॥ सं॥ तः॥ अ॥ र्प्यः॥ क्ष॥ पः॥ म॥ दे॥ मा॥ श॥

रदः॥ च। पू० वीः॥ ए० वा० इ० त्वा० इ० द्वा० पा० वृ० ष० ना० पा० वृ० स्म० ब्र० स्म० अ० क० र्म० नृ० ग० वः॥ नार० यं॥
 नु० वि० त्वा० म० यो० नः॥ स० र० व्या॥ वि० षो० ष० त॥ अ० स० त॥ नः॥ उ० ग्रः॥ अ० वि० ता॥ त० नू० षः॥ नु०
 स्त० तः॥ इ० द्वा॥ नु० गृ० ण० नः॥ इ० षं॥ इ० रि० त्रै० न० द्यः॥ ना० पी० पु० रि० ति० षी० षेः॥ अ० का० रि० ति० ह० रि०
 वः॥ ब्र० स्म० न० व्यं॥ धि० मा० स्या० म० र० ष्यः॥ स० दा० सा० ॥ २० ॥ तु० न्यं॥ हा० स्ताः॥ अ० नु० क्ष०
 त्रै० मं० ह० ना॥ म० न्य० ता० द्योः॥ त्वं॥ वृ० त्रै० श० व० सा॥ नृ० ष० च० ना॥ स्त० ऋ॥ सिं० धू० न॥ अ० हि० ना॥
 नृ० प्र० सा० ना० न॥ त० व॥ त्वि० षः॥ इ० नि० म० न॥ रे० इ० ता० द्योः॥ रे० इ० त॥ नृ० मिः॥ नि० य० सा॥ स्व० स्या० म०
 न्योः॥ इ० द्या० यं० ता० सु० च्वः॥ प० र्व० ता० सः॥ आ० र्द० ना० ध० न्वा० नि॥ स० र० व० ते॥ आ० पः॥ नि० न० त॥

६० गिरिं। शर्वसा। वज्रं। इक्ष्वाकु। आविः॥ कृष्णानः। सहस्रात्तां। ओजः। वधीत्। वज्रं।
 वज्रेणा। मंदसानः। सरन्। आपः। जवसा। हतः। वृक्षीः। सुःवीरः। ते। जनिता। मन्म
 ता। धौः। इन्द्रस्या। कर्ता। स्वपः॥ तमः। नृत्तापः। ई। ज्ञाना। स्वर्ग्यी। सुःवज्रं। अर्नप
 च्युतां। सदसः। ना। नृमा। यः। एकः। इत्ता। चवयति। प्रा। नृमा। राजा। कृषीनां। पुरु
 हतः। इन्द्रः। सत्यं। एनां। अनु। विश्वे। मंदति। रात्रिं। देवस्या। गृणतः। मघोनः॥ २१॥
 सुत्रा। सोमाः। अनुवन्। अस्या। विश्वे। सुत्रा। मदासः। बृहतः। मदिष्टाः। सुत्रा। अ
 नवः। वसुः। पतिः। वसूनां। दत्रे। विश्वाः। अपि। याः। इन्द्र। कृषीः। त्वं। अधा। प्रथमं।

जायमानः॥ अमो विश्वाः॥ अधिष्ठाः॥ इन्द्रः॥ कृषीः॥ त्वां प्रति॥ प्रवक्तुः॥ आशयानां॥ अ
 हि॥ वज्रेणा॥ मघः॥ वनः॥ विवृश्चः॥ सन्नाहनी॥ दधुषि॥ तुष्टं॥ इन्द्रं॥ महं॥ अपारं॥ वृष
 नं॥ सुवज्रं॥ हंता॥ यः॥ वृत्रं॥ सनिता॥ उता॥ वाजं॥ दाता॥ मघानि॥ मघः॥ वा॥ सुः॥ राधाः॥
 अयं॥ वृतेः॥ चातमते॥ सं॥ दुर्चीः॥ आजिषु॥ मघः॥ वा॥ शृण्वे॥ एकः॥ अयं॥ वाजं॥ नरति॥
 यं॥ सनोति॥ अस्या॥ विपासः॥ सख्ये॥ स्यामा॥ अयं॥ शृण्वे॥ अधा॥ जयन्ता॥ उता॥ घ्नन्ता॥
 अयं॥ उता॥ प्राकृणुते॥ युधा॥ गाः॥ पदा॥ सत्यं॥ कृणुते॥ मत्सुं॥ इन्द्रः॥ विश्वा॥ दल्लं॥ नय
 ता॥ एजता॥ अस्मात्॥ २२॥ सं॥ इन्द्रः॥ गाः॥ अजयता॥ सा॥ हिरण्या॥ सं॥ अश्विषा॥ मघः॥

६० वा॥ यः॥ ह॥ पूर्वीः॥ ए॥ निः॥ नृः॥ निः॥ नृः॥ तमः॥ अ॥ स्या॥ शा॥ कैः॥ रा॥ यः॥ विः॥ न॥ क्ता॥ संः॥ नृ
 ७० रः॥ च॥ व॥ स्वः॥ कि॥ य॥ त॥ स्वि॥ त॥ इ॥ द्रः॥ अ॥ धि॥ ए॥ ति॥ मा॥ तुः॥ कि॥ य॥ त॥ पि॥ तुः॥ क॥ नि॥ तुः॥ य॥ धा॥
 उ॥ ज्ञा॥ ना॥ यः॥ अ॥ स्या॥ शु॥ ष्मा॥ मु॥ हु॥ कैः॥ इ॥ य॥ त्ति॥ वा॥ त॥ श॥ ना॥ कृ॥ तः॥ स्त॥ न॥ य॥ तः॥ निः॥ अ॥ नैः॥
 क्षि॥ य॥ तं॥ त्वा॥ अ॥ क्षि॥ य॥ तं॥ कृ॥ णो॥ ति॥ इ॥ य॥ त्ति॥ रे॥ णु॥ म॥ घः॥ वा॥ संः॥ उ॥ हं॥ विः॥ नं॥ कृ॥ नुः॥ अ॥
 श॥ नि॥ मा॥ नृः॥ इ॥ वा॥ द्यौः॥ उ॥ ता॥ स्तो॥ ता॥ रं॥ म॥ घः॥ वा॥ व॥ सौ॥ धा॥ त॥ अ॥ र्य॥ च॥ कं॥ इ॥ ष॥ ण॥ ता॥ सृ॥
 ष्य॥ स्या॥ नि॥ ए॥ त॥ शं॥ री॥ र॥ म॥ त॥ स॥ स्त॥ मा॥ णं॥ आ॥ कृ॥ षः॥ ई॥ नृ॥ हु॥ ण॥ नि॥ इ॥ य॥ त्ति॥ त्व॥ च॥
 बु॥ धो॥ र॥ ज॥ सः॥ अ॥ स्या॥ यो॥ नौ॥ अ॥ सि॥ कृ॥ या॥ प॥ ज॥ मा॥ नः॥ न॥ हो॥ ता॥ २३॥ ग॥ न्य॥ तं॥ इ॥ द्रं॥ स॥

रव्याय। विप्राः। अश्वः पंतः। वृषणं। वारुपंतः। ऊनिः पंतः। ऊनिः दां। अक्षितः ऊतिं।
 आ। चवयामः। अवतोना। कोशं। ज्ञातानः। बोधि। ददृशानः। अपिः। अनिः रव्या
 ता। मर्दिता। सोम्यानां। सर्वा। पिता। पितृः तमः। पितृणां। कर्त्ता। ईं। ऊं। इति। लोकं।
 उशते। वयः। धाः। सखिः पंतः। अविता। बोधि। सर्वा। गृणानः। इंदु। स्तुवते। वयः।
 धाः। वयं। हि। आते। चकृम। सः बाधः। आनिः। शमीनिः। महयंतः। इंदुः। मघः वा।
 यत्। हा। वृत्रा। नूरीणि। एकः। अप्रतीनि। हंति। अस्या। प्रियः। ऊरिता। यस्य। शर्मन।
 नकिः। देवाः। वारयंतोना। मर्त्ता। एवानः। इंदुः। मघः वा। विः रशी। करत्। सत्या। च

नृप त ई. निरयाय निरियाः नृपा दुर्गहा दुर्गहा याया दुर्गहा।

५०

तु० षणिः धृतरा अनर्वात्वं। राजा। अनुषां। धेहि। अस्मेद्वति। अधि। श्रवः। माहिनं।
पतरा। ऊरिजे। ॥ २४ ॥ अयं। पंथाः। अनुः। वित्तः। पुराणः। यतः। देवाः। उतः। अजा
यंताविश्वे। अतः। चित्। आ। ऊनि। षीष्ट। प्रः। वृद्धः। मा। मातरं। अमुया। पत्तवे। क
रितिकः। ना। अहं। अतः। निः। अया। दुः। गहा। एतत्। तिरश्चता। पार्श्वात्। निः। ग
मानि। बद्धनि। मे। अकृता। कर्त्तानि। युच्ये। तेन। सं। तेन। पृष्ठे। पराः। पत्नी। मा
तरं। चै। अनु। अचष्ट। नान। अनु। गानि। अनु। नु। गानि। त्वष्टुः। गृहे। अपिब
त। सोमं। इंद्रः। शतः। धन्यं। चमोः। सुतस्य। किं। सः। शभका। कृणवत्। यं। सह

C-0. M. Jugendra Vinod Collection. Digitized by eGangotri

मासः। ज नार। शरदः। च। पूर्वीः। नहि। नु। अस्या प्रतिमानं। अस्ति। अंतः। जा
 नेषु। उताये। जनिः। त्वाः। अवद्यं। इव। मन्यमाना। गुहा। अकः। इंदं। माता। वीर्येण।
 रुष्टं। अथा। उह। अष्टात्। स्वयं। अत्वं। वसानः। आ। रोदसी। इति। अथा।
 त्। जायमानः। २५। एताः। अर्षति। अललाः। नवतीः। सुतवरीः। इव। सं। कोशमा
 नाः। एताः। वि। एतु। किं। इदं। ननंति। कं। आपः। अर्द्धि। परि। धिं। रुजंति। किं। कुंद
 ति। स्वित्र। अस्मै। निः। विदः। ननेत। इंदस्य। अवद्यं। दिधिषंते। आपः। ममा। एता
 न। पुत्रः। महता। वयेन। वृत्रं। जघ्नान्। अस्तु। उता। वि। सिंधून्। ममत्। चनात्वा।

बिन्नाइंरुः सहसा उता अति च न ममतरः २

हं
न

मुवतिः पुराऽ आसी ॥ कुषया जुगार ममा^र चित् आर्पः शिशवे ममृड्युः म
मता चनाते मघः वनू विः अंसः निः विविधान् अपाह नूडति जुघाने ॥
अधः निः विद्वः उत्तरः वनूवान् शिरः दासस्या सापिणक् वधेना गृ
ष्टिः ससूव स्ठविरं तवागां सापिणक् वधेना गृष्टिः ससूव स्ठविरं तवा ॥
मो अनाधृष्यं वृषनं तुमं इंदं अरीलं वत्सं चरथाया माता स्वयं गातुं ॥
तवै इच्छमानं उता माता महिषं अनु अवनेता अमी इति त्वा जुहति पु
त्रा देवाः अथा अबुवीह वृचं इंदं हनिष्यन् सखे विष्णो इति निःतरं वि ॥

क॒म॒स्त्रि॒कः॑। ते॒। मा॒तरं॑। वि॒ध॒वां॑। अ॒च॒क॒त्। श॒मु॒। क॒न॒त्वा॑। अ॒ग्नि॒घां॑ स॒त्य॒ च॒रं॑ तं॒ कः॑।
 ते॒। दे॒वः॑। अ॒धि॒। मा॒डी॒के॑। आ॒सी॒त्। य॒त्। प्रा॒। अ॒क्षि॒णाः॑। पि॒तरं॑। पा॒दः॑ ग॒ह्य॑। अ॒व॒त्य॑।
 शु॒नः॑। आ॒ना॒णि॒। पे॒त्रे॒। ना॒दे॒वेषु॑। वि॒वि॒दे॒। म॒डि॒तारं॑। अ॒प॒श्यं॑। ज्ञा॒यां॑। अ॒म॒ही॒य॒मा॒
 नां॑। अ॒र्ध॒। मे॒। श्ये॒नः॑। म॒धु॒। आ॒कृ॒त्। रा॒॥ २६ ॥ ॥ इ॒ति॒। तृ॒ती॒या॒ष्ट॒के॒ प॒ञ्च॒मो॒ऽध्या॒यः॑॥
 ए॒वा॒त्वां॑। इ॒न्द्र॒। व॒ज्रि॒न्। अ॒त्र॒। वि॒श्वे॑। दे॒वा॒सः॑। सु॒ः॒ ह॒वा॒सः॑। कृ॒माः॑। म॒हो॒। उ॒ने॒इ॒ति॑॥
 ऐ॒द॒सी॒इ॒ति॑। वृ॒ह॒न्। रु॒घा॒निः॑। ए॒कं॑। इ॒त्। वृ॒ण॒ते॑। वृ॒चः॑ ह॒त्ये॑। अ॒वा॒। अ॒सृ॒जं॒त्। जि॒
 व्र॒यः॑। ना॒दे॒वाः॑। जु॒वः॑। सं॒ः॒ रा॒ट्। इ॒न्द्र॒। स॒त्यः॑। यो॒निः॑। ॥ प्रा॒। वर्त॑नीः॑। अ॒र॒दः॑। वि॒श्वः॑

धेनाः अहणुवंतं विःपतं अनुभ्यं अबुध्यमानं सुसुपानं इंद्र तप्त
 प्रतिः प्रवतः आशमानं अहिं वज्रेणा विरिणा अपर्वना अक्षो दयताश
 वसा दामा बुध्रा वाः ना वातः त विषीनिः इंद्र दह्मनि औन्नात् उशमानः
 ओळः अवा अनिनत् ककुनः पर्वतानां अनि प्राददुः जनयः नागर्नी रथाः ५
 इवा प्राययुः साकं अद्रयः अतर्पयः विःसृतः उबुः कर्मीनि त्वं वतात ॥ २ ॥
 अरिणा इंद्र सिंधूना ॥ १ ॥ त्वं मही अवर्नि विश्वः धेनां तुवीतयो वयस्य ॥
 अरंती अरमयः नर्मसा एतत् अर्णीः सुत रणात् अकणोः इंद्र सिंधू

तु० जुनानया अविषीः ॥ १॥ आनुः इन्द्रः दूरात् आनुः आसात् अनि
 षिः कृत् अरिसो पासत् उयः ओजिषे निः नृः पतिः वज्रः बाहुः संऽगे स
 मत्ः सु। तुर्वणिः पृतन्यूनः ॥ हरिः निः यातु अरु। अर्वाचीनः अरिसो रा
 धसो च। तिष्ठाति वज्री। मघः वा। विः रश्मी। इमां यज्ञं। अनु। नः वाजः सातो। इ
 मां यज्ञं। त्वं। अस्माकं। इन्द्र। पुरः दधत्। सनिष्पसि। कर्तुं नः श्वघ्नीः इवा।
 नृनि। सनये। धनानां। त्वया। वयं। अर्यः। आदि। जयेमा उशना। उं दृति। सु। नः
 पत्नीः। उपाके। सोमस्यानु। सुः सुतस्या स्वयाः वः पाः इन्द्र। प्रतिः नृत

स्यान्मध्वः। सं। अंधसा। ममदः। पृथ्वेन। विपः। रुरो। रुविः। निः। नवेनिः। वृत्तः।
 नापृक्तः। स्तण्यः। नाजेता। मर्षः। न। योषा। अति। मन्यमानः। अष्ट। विवस्मि।
 पुरुः। हुता। इंद्रं॥३॥ गिरिः। नायः। स्वः। तवान्। रुक्मः। इंद्रः। सनात्। एवा सहंसे॥
 मातः। उग्रः। आः। दत्ती। वज्रं। स्तु विरं। नाजीमः। उद्गाः। ईवाकोशं। वसुना। निः।
 रुष्टं। नापस्यावर्ती। मुनुषा। नु। अस्ति। ना। राधसः। आः। मरीता। मघस्या। उत्तुः।
 ववृषाणः। तविषीः। वः। उग्र। अस्मन्यं। दद्वि। पुरुः। हुता। रायः। ईक्षी। रायः। दप
 स्या। चर्षणीनां। उता। वृजं। अपः। वर्ती। असि। गोनां। शिक्षाः। नरः। संः। इयेषु।

६८

प्रहाःवान्। वस्वः। राशिः। अग्निःनेता। अस्ति। नूरिः। कया। तत्। श्रुत्वा। शच्या।
शनिष्ठः। यया। कृणोति। मुहुः। का। चित्रा। रुक्मः। पुरु। दाशुषे। विः। चधिष्ठः। अं
हः। अथो। दधाति। द्विविंशः। ऋत्रिः। मानः। मन्दीः। आ। नरी। दद्वि। तत्। नः। प्रा। दा
शुषे। दातवे। नूरि। पत्ता। तो। नव्यो। देष्टो। शस्त्रो। अस्मिन्। तो। उक्ते। प्रा। ब्रुवाम्। व
यां। इन्द्र। स्तुवंतः॥ ४॥ आ। पातु। इन्द्रः। अर्वसो। उपानः। इह। स्तुतः। सधः। मा
ता। अस्तु। शूरः। वृधानः। तविषीः। यस्या। पूर्वीः। द्यौः। न। क्षत्रं। अग्निः। नूति। पु
ष्या। तस्या। इत्ता। इह। स्तवथा। वृक्षानि। तुविः। द्युम्नस्या। तुविः। राधसः। नृ

५०

५४

१० ज्ञाया ॥ १॥

नमः स्यो। कर्तुः। विद्वद्भ्यः। नासं। राट्। संक्षान्। तर्कः। अग्नि। अस्ति। कृष्टी।
॥ १॥ दिवः। आ। एषिव्याः। मक्षु। समुद्रात्। उतावा। पुरीषात्। स्वः। नरात्। अर्वा
॥ २॥ नमः। मुरु। त्वान्। परः। वतः। वासदनात्। शतस्य। स्वरस्य। रायः। बृहतः। यः। ईशे।
॥ ३॥ तं। नुं। इति। स्तु। वामा। विद्वेषु। इंद्रं। यः। वायुनी। जयति। गोः। मतीषु। प्राधुसु
॥ ४॥ यानयति। वस्यः। अक्ठ। उपायः। नमः। नमसि। स्तु। नायन्। इयति। वाचं। ऊन
॥ ५॥ यन्। यत्। यै। रुं। जसानः। पुरुः। वारः। उक्तेः। आ। इंद्रं। कृष्णीता। सदनेषु। होता।
॥ ६॥ धिषा। यदि। धिषु। एतः। सरण्यान्। सदंतः। अदि। ओशि। ऊस्य। गोहं। आ

दुरोषाः। पास्सस्य। होता। यः। नः। महान्। संः। वरणेषु। वद्विः। सन्ना। यत्तार्द्ध।
 नार्बरस्य। वृक्षः। सिसृक्ति। शुभः। स्तुवतो। नराया। गुहा। यत्तार्द्ध। ओशिऊ
 स्य। गोहे। प्रा। यत्त। धियो। प्रा। अयसो। मदाया। वि। यत्त। वरांसि। पर्वतस्य। वृण्वे।
 पयः। निः। किन्वे। अपां। ऊवांसि। विदत्। गो। रस्य। गवयस्य। गोहे। यदि। वा
 जाया। सुः। ध्यः। बहंति। नद्रातो। हस्ता। सुः। कृता। उता। पाणीद्विती। प्रुपंतारा।
 स्तुवतो। राधः। इन्द्रा। का। ते। निः। सन्तिः। किं। उंद्रति। नोद्विती। ममस्ति। किं। न। उ
 वः। उता। उंद्रति। हर्षसो। दातवै। उंद्रति। एवो। वस्वः। इन्द्रः। सत्यः। संः। गार्ह। हं
 नो। उद्रननो। उता। उद्रहर्षसो। हर्षसु। उद्रहर्षसो। उद्रहर्षसो। उद्रहर्षसो। उद्रहर्षसो।

१ नू०

ता॥ वृ० त्रं॥ वरि० वः॥ पू० रवो॥ क० रितिकः॥ पु० रु० स्त० ता० क० त्वा० नः॥ श० ग्धि॥ रा० यः॥ न० क्षी० यः॥
तो॥ अ० र्व० सः॥ दै० व्य० स्यो॥ ॥ ॥ द्वा॥ य० त्वा० नः॥ इ० द्रः॥ जु० जु० षो॥ य० त्वा० चा० व० षि॥ त० त्वा० नः॥ म० हा०
न० क० र० ति॥ शु० ष्मी॥ आ० चि० त्वा० ब० ह्म॥ स्तो० मं॥ म० घ० वः॥ सो० मं॥ उ० क० ण॥ यः॥ अ० र्मा० नं॥ श०
व० सा॥ वि० न्न० त्वा० ए० ति॥ वृ० षा॥ वृ० षं० धि० च० त्वा० अ० श्रि० अ० स्य० न॥ उ० ग्रः॥ बा० हु० ॥ नृ०
त० मः॥ श० ची० वान्॥ श्रि० यो॥ प० रु० स्त्री॥ उ० ष० मा० णः॥ उ० णं॥ य० स्याः॥ प० र्वा० णि॥ स० र० व्या० यः॥ वि०
व्यो॥ पः॥ दे० वः॥ दे० वः॥ त० मः॥ ज्ञा० य० मा० नः॥ म० हः॥ वा० जे० निः॥ म० ह० त्वा० निः॥ चा० शु० षो॥ द० धा०
नः॥ व० जं॥ बा० द्धो॥ उ० शं० तो० द्या॥ अ० मे० ना० रे० ज० य० त्वा० प्रा० नू० मा० वि० श्वा० रो० धा० सि० प्रः० व० तः॥

० तातु तै

ह०

६

चा॒पूर्वीः॑द्यौः॑रु॒ष्वा॒ता॒उ॒नि॒म॒न॒रे॒ज॒ता॒क्षाः॑आ॒मा॒तरा॑। न॒र॒ति॑। शु॒ष्मी॑॥
आ॒गोः॑। नृः॒व॒ता॒परिः॑। ज्म॒न॒नो॒नु॒वं॒ता॒वा॒ताः॑। ता॒। तु॒ति॑। दं॒द्र॒। म॒ह॒तः॑। म॒हानि॑।
वि॒श्वेषु॑। इ॒ता॒सर्व॑नेषु। प्रः॒वा॒च्यो॒य॒ता॒शू॒रा॒द्य॒ल्लो॒द॒ति॑। घृ॒ष॒ता॒द॒धृ॒ष्वान्। अ॒
हिं॑। व॒ज्रे॒ण॑। श॒व॒सा॑। अ॒वि॒वेषीः॑॥ आ॒या॒स॒त्या॒। तु॒विः॑। नृ॒म्णा॑। वि॒श्वो॑। प्रा॒ये॒न॒वः॑। सि॒
स्व॒तो॒। वृ॒ल्लः॑। उ॒ध्रः॑। अ॒था॒हा॒। त्व॒त्। वृ॒षः॑। म॒नः॑। नि॒या॒नाः॑। प्रा॒सि॒ध॒वः॑। उ॒व॒सा॑॥
च॒क्र॒मं॒ता॒अ॒त्र॑। अ॒हो॒तो॒। ह॒रिः॑। वः॒ताः॑। उ॒द्र॒ति॑। दे॒वीः॑। अ॒वः॑। निः॑। दं॒द्र॒। स्त॒वं॒ता॒स्व॒
सा॒रः॑। य॒ता॒सी॑॥ अ॒नु॒। प्रा॒मु॒चः॑। ब॒ह॒धा॒नाः॑। दी॒र्घा॑। अ॒नु॒। प्रः॑। सि॒ति॑। स्यं॒द॒य॒धौ॑॥

पिपीलो अं शुभः मद्यः न। सिंधुः आत्वा शमी। शशमानस्य। शक्तिः। अस्मद
 क्। शुशुवानस्य। यम्पाः। आशुः। न। रश्मि। तुविः उऊ सं। गोः। अस्मेदति। वधि
 षा। कृणुहि। ज्येष्ठा। नृमणा नि। सत्रा। सद्गुरो। सहसि। अस्मन्यं। वृत्रा। सुः हना
 नि। रंधि। ऊहि। वधः। वनुषः। मर्त्यस्य। अस्माकं। इत्। सु। शृणुहि। त्वं। इंदु। अस्म
 न्यं। विजान्। उपा। माहि। वाजान्। अस्मन्यं। विश्वाः। इषणः। पुरं। धीः। अस्माकं।
 सु। मघः। वन। बोधि। गोः। दाः। वा। कथा। महं। अरुधत्। कस्या। होतुः। पृश्नं॥
 जुं। जुषाणः। अनि। सोमं। रुधः। पिबन्। उशानः। जुषमाणः। अंधः। ववक्षो। रुषः।

ह० शुचते। धनोपा। कः। अस्य। वीरः। सधः। मादं। आप। सं। आनंश। सुमतिः
भिः। कः। अस्य। कत्। अस्य। चित्रं। चिकित्ते। कत्। ऊनी। वृधे। नुवत्। शशमान
स्य। पज्योः। कथा। शृणोति। हृयमानं। इंद्रः। कथा। शृण्वन्। अवसां। अस्य।
वेदाकाः। अस्य। पूर्वीः। उपः। मातयः। ह। कथा। एनं। आहुः। पपुरिं। जरित्रो। क
था। सः। बाधः। शशमानः। अस्य। नशत्। अनि। द्रविणं। दीध्यानः। देवः। नुव
त्। नवेदाः। मे। रुतानां। नमः। ऋगृचान्। अनि। यत्। नुजोषत्। कथा। कत्। अ
स्याः। उषसः। विः। उष्टो। देवः। मर्तस्य। सख्यं। नुजोष। कथा। कत्। अस्य। सख्यं।

बु२

सखिः न्यः पो अस्मिन् कामी सुः पुजं तत्स्वे ॥ ए ॥ किं आत् अमंत्रं सरं ।
सखिः न्यः कदा नुतो आत्रं प्रामाश्रिये सुः दशः वपुः अस्या सगीः खः ।
न विवः तमं दुषे आगोः दुहं जिघांसन् धरसं अनिद्रां तेति केति ग्मा तु
जसे अनीका कृणा चित् यत्र कृणः पाः नः उग्रः दुरे अद्राताः उषसः व
बाधे कृतस्य हि शुरुधः संति पूर्वीः कृतस्य धीतिः वृत्तिनानि हंति कृतस्य ।
श्लोकः बधि रा ततर्द् कणी बुधानः शुचमानः आयोः कृतस्य दल्हा ध
रुणानि संति पूरुणि चंद्रा वपुषो वपूंषि कृतेन दीर्घा इषसंता एक्षः कृतेन

५० दीर्घादुषण्ता एक्षः। ज्ञेतेनागवः। रुतं। आ। विवेषुः। रुतं। येमानः। रुतं। दा
 त्। ननोति। रुतस्य। शुष्मः। तुरः। याः। कुंदति। गयुः। रुताया। पृथ्वीदति। बहु
 लेदति। गनीरेदति। रुतायाधेनूदति। परमेदति। दुहातेदति। ०॥ १०॥ का। सु
 स्तुतिः। शवसः। सूनूं। दूंदं। अर्वाचीना। राघसे। आ। ववर्त्तता। दरिः। हि। वीरः। ग
 णतो। वसूनि। सः। गोः। पतिः। निः। सिंघा। नः। जनासः। सः। वृचः। हत्ये। हव्यः। स। ई
 दः। सः। सुः। स्तुतः। दूंदः। स्यः। राधा। सः। यामन। आ। मघः। वा। मर्त्याया। व
 ह्यप्यतो। सुस्वये। वरिवः। धात्वा। दत्ता। नरः। वि। दूयंते। सं। ईके। रि। रिंकांसे। तन्वः।

कृष्णवतां। मिथः। पत्न्यां। उन्नयासः। अग्नन्। नः। लोकस्य। तनयस्य। सा
 तो। कर्तुं। यंति। सितपः। योगे। उग्र। आशुषाणसः। मिथः। अर्णः। सातो। सं। प
 त्। विशः। अववृत्ता। पुध्माः। आत्मादत्त। नेमै। दुंदुयंते। अनीके। आत्मादत्त। ह
 नेमै। दुंदुयं। यजंते। आत्मादत्त। पृक्तिः। पुरेलाशं। रिद्व्यात्। आत्मादत्त। सोमः।
 वि। पृष्ट्यात्। सुस्वीना। आत्मादत्त। जुजोषा। वृषना। यजंथ्ये। ॥ ११ ॥ कृणोति।
 अस्मै। वरिः। यः। दुष्टा। दुंद्रायासोमै। उशते। सुनोति। सध्रीचीनेनामनसा। अ
 विः। वेनन्। तां। दत्त। सखायां। कृणुते। समतः। सु। यः। दुंद्राया। सुनवत्त। सोमै। अद्य।

२०
२०

पचात्। पत्नीः। उता। चृज्जाति। धानाः। प्रति। मनायोः। उचयानि। हर्ष्यन्। तस्मि
 न्। दधत्। वृषणं। शुष्मं। इंदुः। यदा। सः। मूर्ध्नि। वि। अचेत्। नृधावा। दीर्घं। य
 त्। अजिं। अजि। अर्यत्। अर्घ्यः। अचिकदत्। वृषणं। पत्नी। अष्टे। दुरोणे।
 आनिः। शि। तां। सोमसुतः। निः। नृपसा। वस्त्रं। अचरत्। कनीयः। अविः। कीतः।
 अकानिषं। पुनः। यन्। सः। नृपसा। कनीयः। न। अरिरेचीत्। दीनाः। दक्षाः। वि।
 दुहंति। वाणं। कः। दूमे। दशः। निः। ममा। इंदुः। कीणाति। धेनुः। निः। यदा। वृत्रा
 ति। जंघनत्। अथा। एनं। मे। पुनः। ददत्। ॥ २२ ॥ कः। अद्या। नर्ष्यः। देवः। कामः।

८५

उ॒श॒न॒। इ॒न्द्र॒स्य॒। स॒ख्य॒। त्रु॒जो॒षा॒कः॒। वा॒। म॒हे॒। अ॒व॒सो॒। पा॒य्मी॒य॒। सं॒ऽइ॒द्दे॒। अ॒ग्ने॒।
 सु॒तऽसो॒मः॒। ई॒द्दे॒। कः॒। न॒नो॒मा॒व॒च॒सा॒। सो॒म्या॒या॒म॒ना॒युः॒। वा॒। न॒। व॒त्ति॒। व॒स्ते॒। उ॒
 स्नाः॒। कः॒। इ॒न्द्र॒स्य॒। पु॒ज्यं॒। कः॒। स॒खिऽत्वं॒। कः॒। त्रा॒त्रा॒व॒ष्टि॒। क॒व॒यो॒। कः॒। उ॒ती॒। कः॒। दे॒
 वा॒नां॒। अ॒वः॒। अ॒द्य॒। वृ॒णी॒ते॒। कः॒। आ॒दि॒त्या॒न्। अ॒दि॒तिं॒। ज्यो॒तिः॒। ई॒द्दे॒। क॒स्य॒। अ॒ग्नि॒
 नो॒। इ॒न्द्रः॒। अ॒ग्निः॒। सु॒त॒स्य॒। अं॒शोः॒। पि॒वं॒ति॒। म॒न॒सा॒। अ॒विऽवे॒नं॒। त॒स्मै॒। अ॒ग्निः॒। ना॒
 र॒तः॒। श॒म्मी॒। पं॒स॒त्। ज्यो॒क्। प॒श्पा॒त्। सूर्य्य॒। उ॒त्तऽच॒रं॒ता॒यः॒। इ॒न्द्रा॒या॒सु॒न॒वा॒म॒। इ॒ति॒॥
 आ॒ह॒। न॒रो॒। न॒य्मी॒या॒नृऽत॒मा॒या॒। नृ॒णां॒। ना॒तां॒। जि॒नं॒ति॒। ब॒ह॒वः॒। ना॒द॒त्राः॒। उ॒रु॒। अ॒स्मे॒॥

ह.
ए.

अदितिः शर्मा पंसत् प्रियः सुः कृत् प्रियः इंद्रे मनायुः प्रियः सुप्रः अवीः
प्रियः अस्या सोमी ॥ १३ ॥ सुप्रः अयः प्राशुषाद् एषः वीरः सुस्वैः पक्तिः
एतौ केवला इंद्रे नः असुस्वैः अपिः नः सखा नः जामिः दुःप्रः अयः अ
वः हंता इत् अवाचः नारेवता पणिना सख्यं इंद्रे असुन्वता सुतः पाः सं
गृणीते आ अस्या वेदः खिदति हंति नृनां वि सुस्वयो पक्षयो केवलः नृत्वा इ
दं परे अवरो मध्यमासः इंद्रे यातः अवः सितासः इंद्रे इंद्रे क्षियंतः उत
मुध्यमानाः इंद्रे नरः वक्रः यंतः हवंते ॥ १४ ॥ अहं मनुः अनवं सूर्यः च

२०

अहं। क॒शी वा॒न॒। क॒विः। अ॒स्मि वि॒प्रः। अ॒हं। कु॒त्सं। आ॒र्जु॒ने॒यं। नि॒रं॒जे। अ॒हं। कु॒
 सं। आ॒र्जु॒ने॒यं। नि॒रं॒जे। अ॒हं। क॒विः। अ॒श॒नो॒। प॒श्य॒ता॒मा॒। अ॒हं। नृ॒मि॒। अ॒द॒क्षो॒। आ॒
 प्य॒या॒। अ॒हं। वृ॒ष्टिं॒। दा॒शु॒षे॒। म॒र्त्या॒या॒। अ॒हं। अ॒पः। अ॒न॒यं॒। वा॒व॒शा॒नाः॒। म॒मा॒ दे॒वा॒सः॒।
 अ॒नु॒। के॒तो॒। आ॒प॒न्। अ॒हं। पु॒रः॒। म॒द॒स्ना॒नः॒। वि॒ा॒ऐ॒रं॒। न॒वा॒सा॒का॒। न॒व॒तो॒। शं॒बर
 ३३ स्या॒श॒त॒ऽमां॒। वे॒श्या॒। स॒र्व॒ऽता॒ता॒। दि॒वः॒ऽदा॒सां॒। अ॒ति॒थिः॒। ग्वा॒। य॒ता॒। आ॒वां॒। प्रा॒सु॒। सः॒।
 वि॒ऽन्यः॒। म॒रु॒तः॒। विः॒। अ॒स्त॒। प्रा॒श॒ये॒नः॒। श॒ये॒ने॒न्यः॒। आ॒शुः॒। प॒त्वा॒। अ॒च॒क्र॒पा॒। य॒ता॒।
 स्व॒ध॒या॒। सु॒ऽप॒र्णः॒। ह॒यं॒। न॒र॒त्वा॒। म॒न॒वा॒दे॒वः॒। नृ॒ष्टं॒। न॒र॒त्वा॒। य॒दि॒। विः॒। अ॒तः॒। वे॒वि॒जा॒

हृ०
१०१

नः। पृथा। उरुणा। मनः३ जवाः। असर्जि। नृपा। पयो। मधुना। सोम्येन। उता। श्रवः। वि
विदे। श्येनः। अत्र। रुज्जीवी। श्येनः। ददमानः। अंशु। पुरः। वतः। शकुनः। मंद्र। मदे।
सोमं। नरता। ददहाणः। देवः। वानादिवः। अमुष्माता। उतः। तराता। आः। दापा। आः। दा
पा। श्येनः। अनरता। सोमं। सहस्वा। सुवान्। अपुतं। न। साकं। अत्र। पुरं३ धिः। अम
हाता। अरातीः। मदे। सोमस्य। मूरः। अमूरः॥ १॥ पागर्जी। नु। सन्। अनु। एषां। अवे
दं। अहं। देवानां। जनिमानि। विश्वा। शतं। मा। पुरः। आपसीः। अरक्षन्। अधा। श्ये
नः। जवसा। निः। अदीयं। ना। घा। सः। मां। अषा। जोषा। जनारा। अनि। ई। आसा। त

क्षसा। वीर्येण। ईर्म्मा। पुरं५ धिः। अ॒रुहा॒त्। अ॒रतीः। उ॒ता। वा॒ता॒न्। अ॒तर॒त्। शू॒शु॒
 वानः। अ॒वा॒य॒त्। श्ये॒नः। अ॒स्व॒नी॒त्। अ॒धा॒द्योः। वि॒य॒त्। य॒दि॒। वा॒। अ॒तः। उ॒हुः। पुरं५
 धिः। स॒ज॒त्। य॒त्। अ॒स्मै। अ॒वा॒हा॒दि॒प॒त्। ज्यो॑। क॒शा॒नुः। अ॒स्ता॑। म॒न॒सा॑। न॒र॒ण्य॒न्।
 स॒जि॒प्यः। ई॒। ई॒ड॒५ व॒तः। ना॒नु॒ज्युं॑। श्ये॒नः। उ॒न॒र॒। बृ॒ह॒तः। अ॒धि॒। स्तो॑ः। अ॒न्तरि॒ति॑।
 प॒त्। प॒त्। वि॒। अ॒स्या॑। प॒र्ण॑। अ॒धा॒या॒म॒नि॒। प्र॒५ सि॒त॒स्या॑। त॒त्। वे॒दि॒ति॒वेः॑। अ॒धा॒श्वे॒त॑।
 क॒ल॒शं। गो॒ति॑। अ॒क्तं॑। आ॒५ पि॒प्पा॒नां॑। म॒घः॒वा॑। शु॒क्रं॑। अ॒धः॑। अ॒ध्व॒र्युः॒निः॑। प्र॒५ य॒तं॑।
 म॒धः॑। अ॒ग्रं॑। ई॒डः॑। म॒दा॒या॒। प्र॒ति॒। ध॒त्। पि॒ब॒ध्वै॑। शू॒रः॑। म॒दा॒या॒। प्र॒ति॒। ध॒त्। पि॒ब॒ध्वै॑। १६॥

५३
 त्वा। युजा। तदा। तदा। सोम। सख्ये। इंद्रः। अपः। मनवा। सुः। सुतः। कृत्तिकः। अहवा।
 अहिं। अरिणात्। सप्त। सिंधून्। अप। अरुणोत्। अपिहिताऽइवा। खानि। त्वा॥
 युजा। नि। खिदत्। सूर्यस्य। इंद्रः। चक्रं। सहसा। सद्यः। इंद्रोदृति। अधि। सुना।
 बृहता। वर्तमानं। महः। दुहः। अप। विश्वः। आयु। धामि। अहेन। इंद्रः। अदहत्।
 अग्निः। इंद्रोदृति। पुरा। दंस्पृन्। मध्यंदिनात्। अनीको। दुः। गे। दुरोणे। कत्वा।
 न। मा। पुरा। सहस्वा। शवी। नि। बहीत्। विश्वस्मात्। सी। अधमात्। इंद्र। रस्य
 न। विशः। दासीः। अरुणोः। अपः। शस्त्राः। अवाधेयां। अमृतं। शत्रून्। अहि

देशाः अपः चितिः रध्वैः एवाः सत्यं मघः वानाः पुवाः तत्तु दंडः च सोमाः कु
 र्वः अश्वः गोः आः अदुर्दंतः अपिः हितानि अश्वः रिचयुः क्षाः चित्तात्
 तदना ॥ १० ॥ आतः स्तुतः उपावाजे निः कुती दंडायादि हरिः निः मंदसा
 नः तिरः चित्ता अर्षः सर्वना पुरुणि आंगुषे निः गृणानः सत्यः राधा आ
 हि स्मोयाति नर्षः चिकित्वा न ह्यमाः सोदः निः उपा मद्रा सुः अश्वः यः
 अनीरुः मन्यमानः सुस्वाने निः मदति साह वीरैः श्रुवया इत्ता अस्य का
 र्णा वाजयध्वैः जुष्टा अनु प्रादिश मंदयध्वैः उत्तु ववृषाणः राधसे तुवि

८०
८३

भान् करत्वा नः इन्द्रः सुतीर्थी अनेपं च अष्टौ यः गंतो नाधमानो कृती इ
त्वा विप्रं हवमानं गृणंतो उपोत्सनि दधानः फरि आशूना सहस्राणि शु
तानि वदुः वाहुः त्वाः कृतासः मघः वन इन्द्र विप्रो वयं तो स्याम सूरयः पृ
णंतः नेज्ञानासः बृहत् दिवस्य रायः आः काव्यस्य दावने पुरुक्षोः ॥ १८ ॥
न किं इन्द्र त्वत् उत त एना ज्यमाना अस्ति वृत्रः हनान किं एवा यथा ॥
त्वं सचा तो अनु कृष्टयः विश्वा चक्रा इवा ववृतुः सचा म्हा न्ना अस्ति
श्रुतः विश्वे च नो इत्ता अना त्वा देवासः इन्द्रा युमुधुः यत्ता अहो न तै आ ॥

८३

अतिरः। यत्र। उता। वाधिते न्यः। चक्रं। कुसोय। मुध्वतो। मुषायः। इंद्र। सूर्यः।
 च। देवान्। रुघायतः। विश्वान्। अयुध्याः। एकः। इत्तात्वं। इंद्र। वनूना। अहन्।
 यत्र। उता। मर्त्यामाकं। अरिणाः। इंद्र। सूर्यः। प्र। आवः। शचीनिः। एतशं। किं। आ
 त। उता। असि। वृत्रः। हन्। मघः। वन। मन्युमत्तः। तमः। अत्र। अहा। दानुं। आ। अ
 तिरः। एतत्ताघ। इत्ता। उता। वीर्यं। इंद्र। चकर्थी। पौंस्यं। स्त्रियां यत्। दुः। हन्। पुवं। व
 चीः। दुहितरं। दिवः। दिवः। चित्ताघ। दुहितरं। महान्। महीयमानं। उपैसं। इंद्र।
 सं। पिण्कु। अपा। उषाः। अनसः। सुरत्तासं। पिषात्। अह। विन्धुषी। नि। यत्तासं।

६०

शिश्रयत् वषा ॥ २० ॥ एतत् अस्याः अने शये सुः संपिष्टं विः पाशि आस
सारं सीं पराः वतः उता सिंधुं विः बाल्यं विः तरुणानां अधि क्षमि परि स्थाः ।
इंद्र मायया उता शुक्लस्य ध्रुवः या प्रामृक्षः अनि वेदनं पुरः यत् अस्य ॥
संः पिणक् उता दासं कौलिः तरं बृहत् पर्वतात् अधि अवे अहन् इंद्र शं व
रं उता दासस्य वर्चिनः सहस्राणि शता अवधीः अधि पंच प्रधीन् इंद्र ॥ २१ ॥
उता त्यं पुत्रं अयुक् पराः वक्तं शतः कतुः उक्तेषु इंद्रः आ अनृता त्या ॥
तुर्वशा यदूति अस्ना तारा शचीः पतिः इंद्रः विद्वान् अपारयत् उता त्या सुध ॥

आय्या॑ सुर॒योः॑ इ॒न्द्र॒ पार॒तः॑ अ॒र्णो॑ वि॒त्रर॒था॑ अ॒व॒धीः॑ अ॒नु॒ द्वा॒ज॒हि॒ता॒न॒याः॑
 अ॒धं॑ श्रो॒णं॑ च॒ वृ॒त्रः॑ ह॒न्ता॒ना॒ त॒रा॒ते॒ सु॒म्ना॑ अ॒ष्ट॒वे॒ श॒तं॑ अ॒श्म॒न् इ॒ध्या॑ना॒ पु॒रां॑ म॒२
 इ॒न्द्रः॑ वि॒ आ॒स्य॒त् दि॒वः॑ दा॒सा॒या॒ दा॒श्रु॒षे॑ ॥२२॥ अ॒स्वा॒प॒य॒त् द॒नी॒त॒ये॑ स॒ह॒स्वा॑ ॥
 विं॒श॒तं॑ ह॒थैः॑ दा॒सानो॑ इ॒न्द्रः॑ मा॒य॒या॑ स॒द्य॒ इ॒त्ता॒ उ॒ता॒ अ॒सि॒ वृ॒त्रः॑ ह॒न्ता॒ स॒मा॒नः॑ ॥
 इ॒न्द्र॒ गो॒र्प॒तिः॑ यः॒ ता॒ वि॒श्व॒नि॒ वि॒च्यु॒षे॑ उ॒ता॒ नू॒ना॒ य॒त्ता॒ इ॒न्द्रि॒यं॑ क॒रि॒ष्याः॑ इ॒न्द्र॒ ॥
 पौ॒ं स्यं॑ अ॒द्या॑ न॒र्किः॑ त॒त् आ॒ मि॒न॒त्ता॒ वा॒मं॑ वा॒मं॑ ते॒ आ॒ दु॒रे॒ दे॒व॒ द॒दा॒तु॑ अ॒यं॑
 मा॒ वा॒मं॑ पू॒षा॒ वा॒मं॑ ज॒गः॑ वा॒मं॑ दे॒वः॑ क॒रु॒ ल॒ती॑ ॥२३॥ क॒या॑ नः॒ वि॒त्रः॑ आ॒नु॒

८०

८५

वृत्। कुती। सदाऽवृधः। सरवा। कपो। शचिष्ठया। वृता। कः। त्वा। सत्यः। मदीनां। मं
हिष्ठः। मत्स्र। अंधसः। दल्हा। चित्र। आः। रुजे। वसु। अग्नि। सु। नः। सखीनां। अविता।
जरि। हृणो। शतं। नवासि। कुतिः। निः। अग्नि। नः। आ। ववृत्स्व। चक्रं। ना। वृत्तं। अर्ध
तः। निमुत्तः। निः। चर्षणीनां। प्रः। वतो। हि। कर्तृनां। आ। हौ। पदोऽइवागच्छसि। अन
क्षि। सूर्ये। सचा॥२॥ सायत्। ते। दृं। दृ। मन्यवः। सा। चक्राणि। दधन्विरे। अधात्वे
इति। अधा। सूर्ये। उत। स्म। हि। त्वां। आहुः। दृत्। मघः। वानं। शचीः। प्रतो। दातारं। अ
विः। दीधयुं। उत। स्म। सद्यः। दृत्। परि। शशमानाय। सुवृते। पुरा। चित्र। मंहसे। वसु।

८५

न॒हि। स्मा॒ तो॒ श॒ तं॒ च॒ ना॒ रा॒ धः॒ । व॒ रं॒ तो॒ आ॒ मु॒ रः॒ । ना॒ च्यो॒ त्ना॒ नि॒ । क॒ रि॒ व्यु॒ तः॒ । अ॒ स्मा॒ न् ।
 अ॒ वं॒ तु॒ । तो॒ श॒ तं॒ । अ॒ स्मा॒ न् । स॒ ह॒ स्वं॒ । **कु॒ त॒ यः॒** । अ॒ स्मा॒ न् । वि॒ श्वाः॒ । अ॒ नि॒ वृ॒ षः॒ ॥ २५ ॥ अ॒ स्मा॒
 न् । इ॒ ह॒ । वृ॒ णी॒ षु॒ । स॒ र॒ व्या॒ पा॒ । स्व॒ स्त॒ ये॒ । म॒ हः॒ । रा॒ ये॒ । दि॒ वि॒ त्म॒ ते॒ । अ॒ स्मा॒ न् । अ॒ वि॒ दि॒ । वि॒ श्व
 हा॒ । इ॒ द॒ । रा॒ या॒ । प॒ री॒ ण॒ सा॒ । अ॒ स्मा॒ न् । वि॒ श्वो॒ निः॒ । उ॒ तिः॒ निः॒ । अ॒ स्म॒ न्यं॒ । ता॒ न् । अ॒ पो॒ वृ॒
 धि॒ । व॒ र्ज॒ न् । अ॒ स्तो॒ । इ॒ वा॒ गो॒ । म॒ तः॒ । न॒ वा॒ निः॒ । इ॒ द॒ । उ॒ तिः॒ निः॒ । अ॒ स्मा॒ कं॒ । धृ॒ सु॒ । या॒ । रा॒
 यः॒ । द्युः॒ । मा॒ न् । इ॒ द॒ । अ॒ न॒ पः॒ । च्यु॒ तः॒ । ग॒ व्युः॒ । अ॒ श्वः॒ । पुः॒ । इ॒ प॒ ते॒ । अ॒ स्मा॒ कं॒ । उ॒ त् । त॒ मं॒ । कृ॒
 धि॒ । श्र॒ वः॒ । दे॒ वे॒ षु॒ । सूर्य॒ । व॒ र्षि॒ षं॒ । द्यौः॒ । इ॒ वा॒ । उ॒ परि॒ ॥ २६ ॥ । वृ॒ क॒ । ह॒ न् । अ॒ स्मा॒ कं॒ । अ॒ ई॒ ।

८०

८६

आ॥ ग॥ हि॥ म॥ ह॥ न॥ म॥ ह॥ निः॥ कृ॥ तिः॥ निः॥ नृ॥ मि॥ श॥ चि॥ त्वा॥ घा॥ अ॥ सि॥ त॥ तु॥
 क्रिः॥ आ॥ चि॥ त्वा॥ चि॥ वि॥ णी॥ पु॥ आ॥ चि॥ त्वा॥ कृ॥ णो॥ षि॥ कृ॥ त॥ ये॥ दु॥ ने॥ निः॥ चि॥ त्वा॥ श॥ शी॥ यां॥
 सां॥ हं॥ सि॥ वा॥ ध्रं॥ तं॥ ओ॥ ऊ॥ सा॥ स॥ खि॥ निः॥ ये॥ त्वे॥ इ॥ ति॥ स॥ चा॥ व॥ यं॥ दं॥ दू॥ त्वे॥ इ॥ ति॥ स॥ चा॥
 व॥ यं॥ वं॥ त्वा॥ अ॥ नि॥ नो॥ नु॥ मः॥ अ॥ स्मा॥ नू॥ अ॥ स्मा॥ न॥ इ॥ त्वा॥ उ॥ त्वा॥ अ॥ वा॥ सः॥ नः॥ चि॥ त्वा॥
 निः॥ अ॥ दि॥ वः॥ अ॥ न॥ व॥ द्या॥ निः॥ कृ॥ तिः॥ निः॥ अ॥ ना॥ धृ॥ षा॥ निः॥ आ॥ ग॥ हि॥ ॥ २॥ नू॥ या॥ मो॥
 इ॥ ति॥ सु॥ त्वा॥ व॥ तः॥ स॥ र॥ वा॥ यः॥ दं॥ दू॥ गो॥ म॥ तः॥ यु॥ ऊ॥ वा॥ ऊ॥ या॥ घृ॥ ष॥ ये॥ त्वां॥ हि॥ ए॥ कः॥ इ॥
 शि॥ वे॥ दं॥ दू॥ वा॥ ऊ॥ स्या॥ गो॥ म॥ तः॥ सः॥ नः॥ यं॥ धि॥ म॥ ह॥ इ॥ षं॥ ना॥ त्वा॥ व॥ रं॥ ते॥ अ॥ न्य॥ या॥ य॥ त्वा॥

८६

० अग्नि यागे

दित्सि। स्तुतः। मधं। स्तोतुः। न्यः। इन्द्र। गिर्वणः। अनूषता। प्रादावने। इन्द्र। वा
जाया। घृष्ये। प्राते। वोचाम। वीर्या। योमं। मंदसानः। आ। अरुजः। पुरः। दासीः।
अनिः। इत्ये। ताते। गुरुंति। वेधसः। यानि। चकैर्य। पौंस्या। सुतेषु। इन्द्र। गि
र्वणः। अवीवृचंता। गोतमाः। इन्द्र। त्वेदति। स्तोमः। वाहसः। आ। एषु। धाः। वीरः। व
त। यशः। शश्वतां। असि। इन्द्र। साधारणः। त्वं। तां। त्वा। वयं। ह्यामहे। अर्वाचीनः।
वसोइति। नवा। अस्मेइति। सु। मत्वा। अंधसः। सोमानां। इन्द्र। सोमः। पाः। अ
स्माकं। त्वा। मतीनां। आ। स्तोमः। इन्द्र। यच्छतु। अर्वाक। आ। वर्तय। हरीइति।

६०
६७

॥१॥ सहस्रं। वतीनां। युक्तानां। इंद्रं। इमं। शतं। सोमं। स्वा। खार्घ्यः। सहस्रांते।
शता। वयं। गवां। आ। चं। वयं। मसि। अस्मः। च। राधः। एतु। ते। दश। ते। कलशानां।
हिरण्यानां। अधीमहि। नूरिः। दाः। असि। वृत्रः। हन। नूरिः। दाः। नूरि। देहि। नः॥
मा। दचं। नूरि। आ। नरा। नूरि। घा। दत्ता। दं। द। दित्ससि। नूरिः। दाः। हि। असि। श्रुतः।
पुरुः। च। शूरा। वृत्रः। हन। आ। नः। नजस्व। राधसि। पाते। वृत्रदृष्टि। विः। वृक्ष
ण। शंसामि। गोः। सनः। नपात्ता। मा। आ। भ्यां। गाः। अनु। शिश्रयः। कनीनकाः। इव।
विद्धधे। नवे। दुः। पदे। अर्जको। वृत्रदृष्टि। यामेषु। शानेनेदृष्टि। अरामे। उस्वः। वा

अरं १९

मो॥ अनुस्वः याम्ने॥ वृचूदति॥ यामेषु॥ अस्त्रिधा॥ ३०॥ ॥ इति तृतीयाष्टके
षष्ठोऽध्यायः॥ ॥ प्राक्नुः न्यः॥ दूतं॥ इवा॥ वाचा॥ इष्ये॥ उपः॥ स्तिरे॥ श्वेतं॥ धेनुं॥ ई
ले॥ यो॥ वातः॥ जूताः॥ तरणिः॥ निः॥ एवैः॥ परि॥ द्या॥ सद्यः॥ अपसः॥ वृचूः॥ यदा॥ अ
रं॥ अकन॥ रुचवः॥ पितृः॥ न्यो॥ परिः॥ विष्टी॥ वेषणा॥ दंसना॥ निः॥ आत्मा॥ इत्ता॥ देवानां॥
उप॥ सख्यं॥ आपन्॥ धीरासः॥ पुष्टिं॥ अवहन्॥ मनायै॥ पुनः॥ यो॥ वृकुः॥ पितरा॥ पु
रा॥ ना॥ सना॥ यूपो॥ इवा॥ जरणा॥ शयाना॥ तो॥ वाक्॥ विः॥ वा॥ रुचुः॥ इंदुः॥ वंतः॥ मधुः॥
प्रसरसः॥ नः॥ अवंतु॥ यद्गं॥ यत्ता॥ सं॥ वत्सं॥ रुचवः॥ गां॥ अरक्षन्॥ यत्ता॥ सं॥ वत्सं॥ रु

नवः। माः। अपिंशन्। पत्नः। संः वत्सं। अन्नरन्। नासः। अस्याः। तानिः। शमीनिः।
 अमृतः। त्वं। आयुः। ज्येष्ठः। आह। चमसा। द्वा। कुरु। इति। कनीयान्। त्रीन्। कृष्ण
 वामा। इति। आह। कनिष्ठः। आह। चतुरः। कर्तुं। इति। त्वं। कुरु। नवः। तत्। पनपत्नः।
 वचः। वः। १॥ सत्यं। ऊचुः। नरः। एव। हि। चक्रुः। अनु। स्वधां। कुरु। नवः। कुरु। मुः। एतां। वि
 नाजमानान्। चमसान्। अहाः। द्वा। अवनत्। त्वं। चतुरः। द्दृश्वान्। द्वा। दश॥
 धून्। पत्नः। अगो। ह्यस्या। आनि। यै। रणन्। कुरु। नवः। ससंतः। सुः। सेना। अक्षयन्।
 अनयन्। सिधून्। भवन्। आ। कनिष्ठन्। ज्येष्ठन्। निम्नं। आपः। रयं। पो। चक्रुः। सुः

वृत्तं नरेऽस्त्वा[†]येनं विश्वऽजुवं विश्वऽरूपांते आतर्क्षतु रुनवऽरविं नः सु
 अवसः सुऽअपसः सुऽहस्ताः अपः हि एषां अनुषंता देवाः अनि कत्वा मन
 सा दीक्षं ध्यानाः वाजः देवानां अनवत् सुऽकर्मा इन्द्रस्य रुनुक्षाः वरुण
 स्य विऽन्वाये हरीदृति मेधया उक्ता मदंतः इन्द्राय चक्रुः सुऽपुत्राये अ
 श्वातो रायः पोषं इविणानि अस्मेदृति धत्ता रुनवः क्षेमऽयंतः न मित्रं इन्द्र
 अक्षः पीति उतावः मदं धुः न रुते श्रान्तस्य सख्याया देवाः ते नूनं अस्मेदृति
 रुनवः वसूनि तृतीये अस्मिन् सर्वे नो दधाता श रुनुः विऽन्वा वाजः इन्द्रः नः

अच्छ। इमां पृश्। रत्नः धेयो। उप। याता। इदा। हि। वः। धिषणो। देवी। अक्षा। अथा
तापीति। सं। मदां। अग्मतां वः। विदनां। आ। नपातः। शवसः। यातना उप। इमां पृ
श्। नमसा। हयमानाः। सः जोषसः। सूरपः। यस्य। च। स्था। मधः। पाता। रत्नः धाः। इ
दः वतः। सः जोषाः। इंदु। वरुणेन। सोमं। सः जोषाः। पाहि। गिर्बलः। मरुतः निः।
अथेः पानिः। रतुः पानिः। सः जोषाः। ग्नाः। पत्नी निः। रत्नः धानिः। सः जोषाः॥
सः जोषसः। आदित्यैः। मादपधां। सः जोषसः। रुनवः। पर्वते निः। सः जोषसः। देव
ना सुविना। सः जोषसः। सिंधुः निः। रत्नः धेनिः। पो। अश्विना। पो। पितरा। पो। कुती।
इति एतत्। गृहानाः। आ। वः। पीतयः। अक्षि। पितृ। अक्षा। इमाः। अस्मि। नवस्व

४६
 धेनुं। तत सुः। रुनवः। पो। अश्वा। पो। अंसत्रा। पो। रुधक्। रोदसी। दृति। पो। विः न्वः।
 नरः। सुः। अपत्यानि। चक्रुः। पो। गोः मंतं। वाजः वंतं। सुः वीरं। रधिं। धृत्वा। वसुः
 मंतं। पुरुः सुं। ते। अयेः पाः। रुनवः। मंदसानाः। अस्मे दृति। धत्त। पो। च। रातिं॥
 गृणंति। ना। अप। अनूत। नावः। अतीहृषामा। अनिः। शस्ताः। रुनवः। यद्वा। अ
 स्मिन्। सां। इं। दे। ण। मदथ। सां। मरुत्। निः। सां। राजः। निः। रत्नः। धेयायादेवाः॥ ४॥
 दूह। उपा। यात। शवसः। नपातः। सौधन्वनाः। रुनवः। मा। अप। नूत। अस्मिन्।
 हि। वः। सर्वने। रत्नः। धेयागमंतु। इं। दं। अनु। वः। मदासः। आ। अगन्। रुनूणां॥

इ० ह० रत्नः धेयं। अ० नू० त० सोम० स्या० सु० सु० त० स्या० पी० तिः। सु० कृ० त्य० पो० य० त० सु० अ०
प० स्य० पो० च० एकं० वि० च० क्र० च० म० सं० च० तुः० धा० वि० अ० कृ० णो० त० च० म० सं० च० तुः० धा०
स० खे० वि० शि० क्षा० इ० ति० अ० ब्र० वी० त० अ० थ० ऐ० त० वा० ज्ञाः० अ० मृ० त० स्य० पं० थो० ग० णो० दे० वा० नो०
रु० न० वः० सु० ह० स्ताः० किं० म० यः० स्वि० त्वा० च० म० सः० ए० षः० आ० सा० यं० का० वे० ना० च० तु० रः० वि०
च० क्र० अ० थ० सु० नु० धा० स० व० नं० म० दा० य० पा० ता० रु० न० वः० म० धु० नः० सो० म० स्य० श० च्या० अ० कृ०
त्ते० पि० त० रा० यु० त० ना० श० च्या० अ० कृ० त्ता० च० म० सं० दे० वः० पा० ना० श० च्या० ह० री० इ० ति० ध० नुः०
र० सो० अ० त० ष्टा० इ० द्रु० वा० हो० रु० न० वः० वा० ज्ञः० र० त्नाः० पा० यः० वः० सु० नो० ति० अ० नि० ऽपि०

त्वे। अक्रां। तीव्रां वाजासुः। सर्वनां मदपातस्मै। रपिं। रुचवः। सर्वः। वीरं। आ। त
 क्षतावृषणः। मंदसानाः। प्रातरिति। सुतं। अपिबः। हरिः। अश्व। माध्यंदिनं। सर्व
 नां केवलं। ते। सां। रुनुः। निः। पिबस्व। रत्नः। धेनिः। सेखीनायान्। दंडाचक्रवे।
 सुः। कृत्या। यो। देवासः। अनवतं। सुः। कृत्या। श्वेनाः। इवाइत्। अधि। दिवि॥
 निः। सेदाते। रत्नं। धाताशवसुः। नपातः। सौधन्वनाः। अनवता। अमृतासः। यत्।
 हृतीयं। सर्वनां। रत्नः। धेयं। अकणुधं। सुः। अपस्या। सुः। हस्ताः। तत्। रुचवः।
 परिः। सिक्तं। क। एतत्। सां। मदेनिः। दंडियेनिः। पिबधं॥ ६॥ ॥ उक्थ्यः। रथः।

१० त्रिः चक्रः परि वर्तते । रजः । महत् । तत् । वः । देव्यस्य । पुः । वाचनं । द्यौः । रुनुवः ।
 ११ पृथिवी । यत् । च । पुष्पं । यः । सुः । चेतसः । अविः । द्दुरंतः । मनसः । परि । ध्यमा । तान् ।
 ऊँ इति । नु । अस्य । सवनस्य । पीतये । आ । वः । वाजाः । रुनुवः । वेदयामसि । तत् ।
 वः । वाजाः । रुनुवः । सुः । प्रवाचनं । देवेषु । विः । न्वः । अनवत् । महिः । त्वनं । त्रिवी
 इति । यत् । संता । पितरा । सनाः । जुग । पुनः । युवाना । चरयाया । तक्षया । एकं । वि । च
 क्र । चमसं । चतुः । वयं । निः । चर्मणः । गां । अरिणीत । धीतिः । निः । अथा । देवेषु । अ
 मृतः । त्वं । नो शंयौ । आनश । श्रुष्टी । वाजाः । रुनुवः । तत् । वः । उक्थ्यौ । रुनुतः । रधि

प्रथमश्रवः॥ तमः॥ वाङ्॥ श्रुतासः॥ यं॥ अङ्गीजनन॥ नरः॥ विन्वः॥ तष्टः॥ विदधेषु॥
 वः॥ वाच्यः॥ यं॥ देवासः॥ अवयः॥ सः॥ विः॥ चर्षणिः॥ ॥ ॥ सः॥ वाङ्गी॥ अवी॥ सः॥ रु
 विः॥ वृचस्ययो॥ सः॥ शूरः॥ अस्ता॥ एतनासु॥ दुस्तरः॥ सः॥ रायः॥ पौषः॥ सः॥ सु
 वीर्यं॥ दधे॥ यं॥ वाङ्॥ विः॥ न्वा॥ रुचवः॥ यं॥ आर्विषुः॥ श्रेष्ठावः॥ पेशः॥ अधि॥
 धाधि॥ दर्शतं॥ स्तोमः॥ वाङ्गाः॥ रुचवः॥ तं॥ जुजुष्टन॥ धीरासः॥ हि॥ स्था॥ कवयः॥ विपः॥ वि
 तः॥ तान्॥ वः॥ एना॥ ब्रह्मणा॥ आवेदयामसि॥ यूयं॥ अस्मन्वाधिषणा॥ न्यः॥ पैरि॥ विद्वं
 सः॥ विश्वा॥ नर्प्याणि॥ चोङ्गना॥ द्युः॥ मन्ती॥ वाङ्गी॥ वृषः॥ शुष्मा॥ उत्तमं॥ आनः॥ रयिं॥ रु

नवः। तक्षत। आ। वयः। इह। प्रः। ज्ञा। इह। रयि। रराणाः। इह। श्रवः। वीरः। वत। तक्षत।
 नः। पेन। वयं। चितपेमा। अति। अन्यान्। तां। वाजं। चित्रं। रुचवः। दद। नः। ॥ उपानः।
 वाजाः। अधरं। रुचुक्षाः। देवाः। यातापयिः। निः। देवः। यानैः। यथा। यज्ञं। मनुषः। वि
 सु। आसु। दधि। रणवाः। सुः। दिनेषु। अक्रां। तोवः। हृदे। मनसे। संतु। यज्ञाः। जु
 षासः। अद्य। घृतः। निर्निर्जः। गुः। प्रावः। सुतासः। हरयंता। पूर्णाः। कर्त्तु। दक्षाया।
 हर्षयंता। पीताः। त्रिः। उदायं। देवः। हितं। यथा। वः। स्तोमः। वाजाः। रुचुक्षणः। ददेः।
 वः। जुह्वे। मनुष्यत। उपरासु। विस्तु। युषोदति। सचा। बृहत्। दिक्। सोमं। पीवः॥

१०२

अश्वाः शुचतः रथाः । हि । नूतः अयः । शिपाः वाजिनः । सुः निष्काः । इंद्रस्य । सू
 नोदति । शवसः । नपातः । अनु । वः । चेति । अग्निपं । मदापा । रुनु । रुनुक्षणः । रपिं ।
 वाजे । वाजिनः । तमं । युजं । इंद्रस्वंतं । हवामहे । सदाः । सातमं । अश्विनैः । २॥ सः । दूत ।
 रुनुवः । पं । अवथा । पूषं । इंद्रः । च । मर्त्यैः । सः । चीनिः । अस्तु । सनिता । मेधः । याता । सः ।
 अवता । वि । नः । वाजाः । रुनुक्षणः । पथः । चितना । यष्टवे । अस्मन्यं । सूरयः । स्तुताः ।
 विश्वाः । आशाः । तरीषणि । तं । नः । वाजाः । रुनुक्षणः । इंद्र । नासत्या । रपिं । सं । अश्वं ।
 चर्षणिः । न्यः । आ । पुरु । शस्त्रा । ममं । तयोः । १०॥ उतोदति । हि । वां । दात्रा । संति । पूर्वा । या ।

पुरुः न्यः। नैसदस्युः। निःतोशे। सेचः सां। ददशुः। उर्वराः सां। घनं। दस्युः न्यः।
अनिः नृतिं। उयं। उता वाजिनं। पुरुनिः। सिंधानं। दधिः कां। कुंदति। ददशुः।
विश्वः कृष्टिं। रुद्रिप्यं। श्येनं। पुषितः सुं। आशुं। चर्कत्यं। अर्घ्यः। नृः पतिं। नाशु
रं। पं। सीं। अनु। प्रवताः। द्वा। दवंतं। विश्वः। पुरुः। मदति। हर्षमाणः। पदः निः। गृ
यंतं। मे। प्रः युं। नाशूरं। रथः। तुरं। वातं। द्वा। धर्जंतं। पः। स्मा। आः। रुंधानः। गध्या।
वमतः। नु। सनुः। तरः। चरति। गोषु। गकृन्। आविः। कृजीकः। विदया। निः। चि
क्यत्। तिरः। अरुं। परि। आपः। आयोः। उता। स्मा। एनं। वस्त्रः। मयिं। न। तापुं। अ

तु। को शंति। सितयः। नरेषु। नीचा। अयमानं। ऊसुरि। नाशेना। शवः। चा। अक्ष
 पशुः। मत्त। चा। यूयं॥१॥ उता। स्म। आसु। प्रयुमः। सरिष्यन्। निवेवेति। श्रेणिः
 भेः। रथानां। स्वर्ग। कृण्वानः। जन्यः। नाशु। चारेणुं। रेरिहत्। किरणं। ददृश्वान॥
 उता। स्यः। वाजी। सहुरिः। रुतः। वा। शुश्रूषमाणः। तवा। सः। मर्ये। तुरं। यतीषु। तुर
 यन्। रुजिप्यः। अधि। नुवोः। किरते। रणुं। रुं। जन। उता। स्म। अस्या। तन्यतोः। इव
 द्यौः। रुघायतः। अनिः। युजः। नयंते। यदा। सहस्व। अनि। सी। अयोधीत्। दुः
 वर्तुः। स्म। नवति। नीमः। रुं। जन। पनयंति। रुनाः। मूर्ति। रुष्टिः। प्रः। अनिः। नृति।

६०

१०४

आशोः। उता एनं। आहुः। संऽद्वये। विऽयंतः। परो। दधिः। काः। असरत्। सहस्वैः।
 आ। दधिः। काः। शवसा। पंच। कृष्टीः। सूर्यः। इवा। ज्योतिषा। अपः। तताना। सह
 स्वः। साः। शतः। साः। वाजी। अर्वा। एलकु। मध्या। सं। दूमा। वचांसि। १२॥ आशुं
 दधिः। कां। तां। उंदति। नु। स्तवाम्। दिवः। एधियाः। उता चर्क। रामा। उच्छतीः। मां॥
 उषसः। सूदयंतु। अति। विश्वानि। दुः। दूतानि। पर्षन्। महः। चर्कमि। अर्वतः। क
 तुः। प्राः। दधिः। कावाः। पुरुः। वारस्या। वृल्लः। यं। पुरुः। न्यः। दीदिः। वांसं। ना। अग्निं।
 ददयुः। मित्रावरुणा। ततुरिं। यग। अश्वस्या। दधिः। कावाः। अकारीत्। संऽद्वेहे।

१०४

अग्ने० उषसः० वि० उ० शो० अनागसांत० अदितिः० कृणोतु० सः० मित्रेण० वरुणेन०
 स० जोषाः० दधि० काणाः० दुषः० ऊर्जः० महः० यत् अमन्महि० मरुतां० नामा नृदं०
 स्वस्तये० वरुणं० मित्रं० अग्निं० हवामहे० इंद्रं० वज्रं० बाहुं० इंद्रं० देवा इत्० उजये० वि०
 कयंतो० उ० इ० राणाः० यज्ञं० उ० प० प्रयंतः० दधि० कां० कुंडति० सूदनं० मत्सीया० ददधुः०
 मित्रावरुणा० नः० अश्वं० दधि० काणाः० अकारिषं० क्रिष्टोः० अश्वस्य० वाक्रिनः० सु
 रनि० नः० मुखो० क० रत्नं० प्रानः० आयूंषि० त० रिषत्॥ १३ ॥ दधि० काणाः० इत्० कुंडति०
 नु० चर्कि० रा० मा० विश्वाः० इत्० मां० उषसः० सूदयंतु० अ० पां० अग्नेः० उषसः० सूर्यस्य॥

ह
१०५

बृहस्पतेः। आंगिरसस्य। त्रिलोः। सत्वा। नरिषः। गोऽद्वयः। दुवन्यः सत्। श्रव
स्यात्। द्वयः। उषसः। तुरण्यः सत्। सत्यः। द्वयः। द्वरः। पतंगरः। दधिः कावा
द्वयः। ऊर्जः। स्वः। जनत्। उतास्मा। अस्या। द्वयतः। तुरण्यतः। पूर्ण। नावेः। अनु
वाति। प्रऽगर्दिनः। श्येनस्यऽद्वय। ध्रजतः। अंकसं। परि। दधिः कावाः। सह।
ऊर्जः। तरिचतः। उता। स्यः। वाजी। क्षिपणिं। तुरण्यति। ग्रीवायां। बद्धः। अपिः का
शे। आसनि। कर्तुं। दधिः काः। अनु। संः तवीत्वत्। पथां। अंकसि। अनु। आ
पनी फणत्। हंसः। शुचिः सत्। वसुः। अंतरिः सत्। होतावेदिः सत्। अति

१०५

धिः दु॒रो॒णः॑ स॒त्वा॒नृः॑ स॒त्वा॒वरः॑ स॒त्वा॒कृतः॑ स॒त्वा॒व्योमः॑ स॒त्वा॒अ॒र्षः॑ जा॒गोः॑
 जा॒गोः॑ कृतः॑ जा॒गोः॑ अ॒दिः॑ जा॒गोः॑ कृतं॑ ॥ १४ ॥ इं॒द्रा॒कः॑ वां॒ वरु॒णा॒ सु॒न्ना॒ आ॒षा॒ स्तोमः॑
 ह॒ वि॒ष्मा॒न् अ॒मृतः॑ ना॒हो॒ता॒ यः॑ वां॒ ह॒दि॒ क॒तुः॑ मा॒न् अ॒स्मत्॒ उ॒क्तः॑ प॒स्पर्श॑त्
 इं॒द्रा॒ वरु॒णा॒ नम॑स्त्वा॒न् इं॒द्रा॒ हा॒ यः॑ वरु॒णा॒ च॒क्रे॒ आ॒पी॒ इ॒ति॒ दे॒वो॒ म॒र्तः॑ स॒ख्या
 यो॒ प्र॒प॒स्वा॒न् सः॑ हं॒ति॒ वृ॒त्रा॒ सं॒ इ॒धे॒षु॒ श॒त्रू॒न् अ॒वः॑ निः॒वा॒ म॒ह॒त् निः॒सः॑
 प्रा॒शृ॒ए॒वा॒ इं॒द्रा॒ हा॒ र॒त्नं॑ वरु॒णा॒ धे॒ष्ठा॒ इ॒च्छा॒ नृः॑ न्यः॑ श॒श॒मा॒ने॒ न्यः॑ ता॒ यदि॑
 स॒खा॒या॒ स॒ख्या॒यो॒ सोमैः॑ सु॒ते॒ निः॑ सु॒प्र॒य॒सा॒ मा॒द॒यै॒ते॒ इ॒ति॒ इं॒द्रा॒ पु॒वं॑ वरु॒णा॒

६० दि॒द्युः। अ॒स्मिन्। अ॒ग्नि॒ष्टा॒ उ॒ग्रा। नि॒व॒धि॒ष्टा॒ व॒ज्रं॒ यः॒ नः॒ दुः॒ ए॒वः। वृ॒क॒तिः। द॒नी
 तिः। त॒स्मिन्। मि॒मा॒यां। अ॒ग्निः॒ नृ॒तिः। अ॒जः॒ नृ॒तां॒ अ॒स्याः॒ धि॒यः॒ प्रे॒ता॒रा। वृ॒ष
 नाः॒ इ॒व। धे॒नोः॒ सा॒नः॒ दु॒ही॒ य॒ता॒ य॒व॒साः॒ इ॒वा॒ ग॒त्वी। स॒ह॒स्वः॒ धा॒रा। प॒य॒सा॒ म
 ही॒ गोः॒ ॥ १५॥ तो॒के। हि॒तो॒ त॒न॒ये। उ॒र्व॒र॒सु। सूरः॒ द॒शी॒ के। वृ॒ष॒णः॒ नृ॒पो॒स्ये। इ॒न्द्रो॒
 नः॒ अ॒त्र॒ व॒रु॒णा। स्या॒तां॒ अ॒वः॒ अ॒ग्निः॒ द॒स्मा। प॒रिः॒ त॒ क॒म्पा॒यां॒ यु॒वां॒ इ॒त्ता॒ हि॒ अ॒व
 स॒ पूर्॒वा॒या॒ प॒रि॒ प्र॒ नृ॒ती॒ इ॒ति॒ प्र॒ नृ॒ती॒ गोः॒ इ॒षः॒ स्वा॒पी॒ इ॒ति॒ सुः॒ आ॒पी॒ इ॒ली॒ म॒हे॒ । १०६
 स॒ख्या॒या॒ वि॒या॒या॒ शू॒रा॒ मं॒हि॒ष्ठा॒ पि॒तराः॒ इ॒वा॒ शं॒ नृ॒ इ॒ति॒ शं॒ नृ॒ता॒ वां॒ धि॒यः॒ अ

वसो वाङ् यंतीः। आर्जि। ना। जग्मुः। पुवः पूः। सुदानूदति सुः दानू। श्रिये। ना। गा
यः। उपा। सोमो अस्तुः। इंद्रं। गिरः। वरुणं मे। मनीषाः। इंद्रमाः। इंद्रं। वरुणं। मे। म
नीषाः। अगमन्। उपा। इविणं। मे। मनीषाः। इंद्रमाः। इंद्रं। वरुणं। मे। मनीषाः। अ
गमन्। उपा। इविणं। इच्छमानाः। उपा। इंद्रं। अस्तुः। जोषारः। इवा। वस्वः। रघीः।
इवा। श्ववसः। निक्षमाणाः। अश्वस्य। त्मना। रथ्यस्या। पुष्टेः। नित्यस्या। रायः।
पतयः। स्वाम। ता। चक्राणो। कृतिः निः। नव्यसीनिः। अस्मः। चा। रायः। निः। यु
ते। सचंता। आ। नः। बृहंता। बृहसीनिः। कृती। इंद्रं। यातं। वरुण। वाङ् सातो।।

२०
१०३

यत्। दिद्यवः। एतन्नासु। प्रः कीलान्। तस्या। वां। स्यामा। सन्निता रः। आजेः। १६॥
ममा। द्वि। ता। रा। धं। क्षत्रियस्य। विश्वः। अयोः। विश्वे। अमृताः। पयानः। कर्तुं। स
चंतो। वरुणस्य। देवाः। राजा मि। कृषेः। उपः। मस्य। वृषेः। अहं। राजा। वरुणः॥
मह्यं। तानि। असुप्पीणि। प्रथमा। धारयंता। अहं। इन्द्रः। वरुणः। ते इति। म
हिः। त्वा। उर्वी इति। गनीरे इति। रजसी इति। सुमे इति। सुः। मेके। त्वष्टाः। इवा वि
श्वा। नुव नानि। विद्वान्। सां। ऐरयं। रोदसी इति। धारयं। च। अहं। अपः। अपि
त्रै। उक्षमाणाः। धारयं। दिवा। सदनो। रुतस्या। जतेन। पुत्रः। अदितेः। रुतः। वा

हं
१०८

इंद्रो नो वृत्रः तुरी। अर्द्धः देवं। पुरुः कुत्सो नी। हि। वां। अदशत्। हव्ये निः। इंद्राव
रुणा। नमःऽनिः। अथै। रात्रानं। त्रसदस्युं। अस्याः। वृत्रः हनीददयुः। अर्द्धऽदेवं। रा
या। वयं। ससऽवांसः। मदेमा। हव्ये नो देवाः। यवसेन। गावः। तां। धेतुं। इंद्रावरुणा। यु
वां नः विश्वाहा। धत्तां। अनपऽस्युरंती॥ १८॥ कः। कुं इति। श्रवत्। कतमः। यद्विधानां। वं
दारु। देवः। कतमः। जुषाते। कस्या। इमां। देवी। अमृतेषु। प्रेषां। हृदि। श्रेषाम। सुऽस्तुतिं।
सुऽहव्यां। कः। मृलाति। कतमः। आऽगमिषुः। देवानां। कुं इति। कतमः। शंऽनविषुः।
रशं। कं। आहुः। इवत्। अश्वं। आशुं। यं। सूर्यस्या। दुहिता। अवृणीतामस्तु। स्म। गच्छथः।

१०८

कि ९

इवः। द्यूना इन्द्रः। नाशक्तिः। परिः। तक्ष्मयायां। दिवः। आः। जाता। दिव्या। सुः। पणी। कया।
 शचीना। नवयुः। शविष्ठा। का। वां। नूत्। उपः। मातिः। कया। नः। आ। अश्विना। गमयः। ह
 यमाजा। कः। वां। मुहः। चित्। त्यजः। सः। अनीके। उरुष्यते। माधी इति। दस्त्रा। नः। कुती।
 उरु। वां। रथः। परि। नक्षत्रि। द्यौः। आ। यत्। समुद्रात्। अत्रि। वर्तते। वां। मध्या। माधी इति।
 मध्या। वां। पुषायन्। यत्। सी। वां। एक्षः। चुरजत। पक्षाः। सिंधुः। हा। वां। रसया। सिंचत्। अ
 श्वान्। घृणा। वयः। अरुषासः। परि। ग्मन्। तत्। कुं इति। सु। वां। अजिरं। चेति। यानां। येन।
 पती इति। नवयुः। सूर्यायाः। इहः। इहा। यत्। वां। समना। पृष्टे। सा। इयं। अस्म इति।

० सं द्या इ धं व थ ०

ह ०
१ ० १

सुः मतिः वाङ्मनः। उरुष्यतां कृत्तारं। पुवं हा श्रितः कामः नासत्या। पुवदिक॥
॥ १ ॥ ॥ ॥ पृथुः कृपं अश्विना। सं गतिं। गोः यः सूयं। वहति। वं धुरः पुः गिनीह
॥ पुः तमं। वसुः पुं। पुवं। श्रियं अश्विना। देवता। तां दिवः नपाता। वनयः। शय
निः। युवः। वपुः। अग्निः। पृथः। स चंते। वहंति। यत्। ककुहासः। रथे। वां। कः। वां। उ
करते। रतः। हव्यः। कृतयो। वा। सुतः। पेया। वा। अर्क्षः। रुतस्य। वा। वनुषा। पूषा। न
मः। देमानः। अश्विना। आ। ववर्तेत। हिरण्ययेन। पुरुनूदति। पुरुः। नूरयेन। इमं॥
यत्। नासत्या। उप। यातं। पिबा। यः। इत्। मधुनः। सोमस्य। दधयः। रत्नं। विधेता। इना

यः आ॥ नः॥ पातः॥ दिवः॥ अ॥ पृथिव्याः॥ हिरण्यमे॥ न॥ सुः॥ वृता॥ रथे॥ न॥ मा॥ वा॥ अ॥ नो॥ नि॥
 य॥ म॥ न॥ देवः॥ यंतः॥ सा॥ यत्वा॥ द॥ दो॥ ना॥ निः॥ पू॥ र्या॥ वा॥ न॥ नः॥ र॥ पिं॥ पु॥ रुः॥ वी॥ रं॥ वृ॥ हं॥ तो॥ द॥ स्वा॥
 मि॥ मा॥ धा॥ उ॥ न॥ ये॥ षु॥ अ॥ स्मे॥ इ॥ ति॥ न॥ र॥ यत्वा॥ वा॥ अ॥ श्वि॥ ना॥ स्ता॥ मां॥ आ॥ व॥ न॥ स॥ धः॥ स्त॥ ति॥ ॥
 आ॥ इ॥ मी॥ ल्हा॥ सः॥ अ॥ ग्म॥ न॥ ॥ २० ॥ ए॥ षः॥ स्थः॥ ना॥ नुः॥ उ॥ त्वा॥ इ॥ य॥ ति॥ पु॥ न्य॥ तो॥ र॥ थः॥ परि॥
 ज्मा॥ दि॥ वः॥ अ॥ स्थः॥ सा॥ न॥ वि॥ पृ॥ क्षा॥ सः॥ अ॥ स्मि॥ न॥ मि॥ धु॥ नाः॥ अ॥ र्घि॥ न॥ यः॥ द॥ ति॥ तुरी॥ यः॥
 म॥ धु॥ नः॥ वि॥ र॥ शू॥ तो॥ उ॥ त्वा॥ वा॥ पृ॥ क्षा॥ सः॥ म॥ धः॥ मंतः॥ ई॥ र॥ तो॥ र॥ थः॥ अ॥ श्वा॥ सः॥ उ॥ ष॥ सः॥ विः॥
 उ॥ षि॥ षु॥ अ॥ पः॥ कृ॥ णु॥ वंतः॥ त॥ मः॥ आ॥ परिः॥ वृ॥ तो॥ स्वः॥ ना॥ शु॥ कं॥ त॥ वंतः॥ आ॥ र॥ इ॥ म॥ धः॥ पि॥

८०
११

वृत्तं। मधुः पेनिः। आसः निः। उत। प्रियं। मधुने। पुंजायां। रथं। आ। वर्तनिं। मधुना।
जिनयः। पयः। दतिं। बहेयेदति। मधुः मंतं। अश्विना। हंसासः। योवां। मधुः मंतः। अ
स्त्रिधः। हिरण्यः पणीः। उहुवः। उषः। बुधः। उदुः। पुतः। मंदिनः। मंदिः। निस्पृशः। मधुः।
नामक्षः। सर्वनानि। गृध्रयः। सुः। अध्यासः। मधुः मंतः। अग्नयः। उस्त्रा। ऊरंते। प्रति।
यस्तोः। अश्विना। यत्नानि। क्तः। हस्तः। तरतिः। णिः। विः। चक्षणः। सोमं। सुसांवा। मधुः मं
तं। अद्रिः। निः। आकेः। निपासः। अहः। निः। दविधतः। गसूरः। चित्। अश्वान्। सुयुज
नः। इषतो। विश्वान्। अनु। स्वधया। चेतयः। पयः। प्रावां। अवां। अश्विना। धियं।

५०॥ र०॥ सु॥ अ०॥ अ०॥ य॥ अ०॥ स०॥ प०॥ र०॥ सि०॥ या०॥ ह०॥ वि०॥ तं॥ त०॥
 ॥ जो०॥ अ०॥ २॥ अ०॥ पि०॥ म०॥ धू०॥ ना॥ सु०॥ ता॥ वा०॥ यो०॥ इ०॥ ति०॥ दि०॥ वि०॥ वि०॥ पु०॥ त्वं॥ हि०॥ पूर्व०॥ पा०॥
 अ०॥ सि०॥ श०॥ ते०॥ न०॥ न०॥ अ०॥ नि०॥ वि०॥ नि०॥ नि०॥ पु०॥ त्वं॥ न०॥ इ०॥ इ०॥ स०॥ र०॥ धे०॥ वा०॥ यो०॥ इ०॥ ति०॥ सु०॥ त०॥ स्या०॥ त्वं॥ प०॥ तं॥
 आ०॥ वा०॥ स०॥ ह०॥ स०॥ ह०॥ र०॥ य०॥ इ०॥ इ०॥ वा०॥ यो०॥ इ०॥ ति०॥ अ०॥ नि०॥ प्र०॥ य०॥ व०॥ हं॥ तु०॥ सो०॥ म०॥ पी०॥ त०॥ यो०॥ र०॥ थं॥ हि०॥ र०॥ ए०॥ य०॥ वं॥
 धु०॥ रं॥ इ०॥ इ०॥ वा०॥ यो०॥ इ०॥ ति०॥ इ०॥ हं॥ सु०॥ अ०॥ धु०॥ रं॥ आ०॥ हि०॥ स्था०॥ य०॥ दि०॥ वि०॥ स्थ०॥ शं॥ र०॥ धे०॥ ना०॥ ए०॥ शु०॥ पा०॥ ऋ०॥ सा०॥
 दा०॥ श्वा०॥ सं॥ उ०॥ पा०॥ ग०॥ ऋ०॥ तं॥ इ०॥ इ०॥ वा०॥ यो०॥ इ०॥ ति०॥ इ०॥ ह०॥ आ०॥ ग०॥ तं॥ इ०॥ इ०॥ वा०॥ यो०॥ इ०॥ ति०॥ अ०॥ यं॥ सु०॥ त०॥ तां॥ दे०॥ वे०॥ नि०॥ स०॥
 जो०॥ प०॥ सा०॥ पि०॥ ब०॥ तं॥ दा०॥ शु०॥ ष०॥ गृ०॥ हे०॥ इ०॥ ह०॥ प्र०॥ या०॥ नो०॥ अ०॥ स्ता०॥ वा०॥ इ०॥ इ०॥ वा०॥ यो०॥ इ०॥ ति०॥ वि०॥ मो०॥ च०॥ नं॥ इ०॥ ह०॥

वा॥ सोमः पीतये ॥ २२ ॥ वायो इति शुक्रः अपामि ते मधः अग्रं दिविष्टिषु आयाहि
 सोमः पीतये स्पर्हः देवानियुत्वता इन्द्रः च वायो इति एषां सोमानां पीतिं अह
 यः पुवां हि पंति इन्द्रवः निम्नं आपः नास ध्रुक् वायो इति इन्द्रः च शुश्रिणा स
 रथं शवसः पत्नी इति नियुत्वता नः कुतये आयातां सोमः पीतये यां वा संति पुरु
 स्सह निः युतः दाशुषे नरा अस्मे इति तौ यद्वाहसा इन्द्र वायू इति निः पृच्छ
 तां ॥ २३ ॥ विहि होत्राः अवीताः विषः नरायः अर्म्यः वायो इति आचंद्रेण रथेन
 याहि सुतस्थापि निः युवानः अशस्तीः नियुत्वान् इन्द्र सारथिः अजुः

CC-0. Mumukshu Bhawan Varanasi Collection. Digitized by eGangotri

६०

१११

पिवतां। राशुषः। गृहे। मादयेयां। तत्। उकसा॥ २५॥ यः। तस्तेन। सहसा। विज्मः। अंता
 न्। बृहस्पतिः। त्रिः। संधुः। रवेणातं। प्रत्नासः। ऋषयः। दीध्यानाः। पुरः। विप्राः। दधि
 रोमंडः। त्रिदं। धुनः। दूतयः। सुः। प्रकेतं। मदंतः। बृहस्पते। अत्रि। योनिः। तत्स्वे। पृषंतं।
 सुषं। अदधं। ऊर्वी। बृहस्पते। रक्षतात्। अस्या। योनिं। बृहस्पते। या। परमा। पराः। वत्।
 आतः। आते। रुतः। स्पृशः। नि। सेदुः। तुन्यं। खाताः। अवताः। अद्रिः। दुग्धाः। मध्वः।
 ज्योतिः। अनितः। विरशं। बृहस्पतिः। प्रथमं। जायमानः। महः। ज्योतिषः। परमे। दि
 मन्। सप्तः। आस्यः। तुविः। जातः। रवेणा। वि। सप्तारिभिः। अधमत्। तमां। सि। ॥ २६ ॥

नमो नो वलं। कुरु। फलिः। गं रवेण। बृहस्पतिः। उस्विताः। हव्यः। सूर्यः। कर्त्तिकः।
 नावशतीः। उत। आहुता। २६॥ एवापित्रो। विश्वः। देवाया। हव्ये। पद्मैः। विधेम। न
 ता। हविः। निः। बृहस्पते। सुः। प्रजाः। वीरः। वंशः। नयं। स्यामा। पतयः। रवीणां। सः।
 इत। राजा। प्रतिः। जन्यानि। विश्वा। शुभेण। तस्मै। अत्रि। वीर्येण। बृहस्पति। पः॥
 सुः। नृतां। विनत्ति। वल्गुः। पति। वंदते। पूर्वः। नाजं। सः। इत। क्षेति। सुः। धितः। उकसि।
 स्वा। तस्मै। इत्ता। पिबते। विश्वः। दानी। तस्मै। विशः। स्वयं। एवा। नमंते। यस्मिन्। ब्रह्मा।
 राजनि। पूर्वः। एति। अप्रतिः। इतः। जयति। सं। धनानि। प्रतिः। जन्यानि। उताया। सः।

हं
११३

न्या॥ अ॒व॒स्प॒वे॒। यः॑ व॒रि॒वः॑ क॒णो॒ति॒। ब॒स्म॒णे॒। रा॒ज्ञा॒। तां॑ अ॒व॒न्ति॒। दे॒वाः॑ इ॒न्द्रः॑ च॒। सो॒मं॑।
पि॒व॒तां॑। वृ॒ह॒स्प॒तो॑। अ॒स्मि॒न्। य॒ज्ञे॒। म॒न्द॒सा॒ना॒। वृ॒ष॒णू॒सू॒इ॒ति॒ वृ॒ष॒णः॑ व॒सू॒। आ॒वां॒। वि॒शुं॒
तु॒। इ॒न्द्र॒वः॑ सु॒ः आ॒नु॒वः॑ अ॒स्मे॒द॒ति॒। र॒पिं॑। स॒र्वः॑ वी॒रं॑। नि॒। य॒च्छ॒तां॑ वृ॒ह॒स्प॒तो॑ इ॒न्द्र॒। व॒द॒तां॑।
नः॑ स॒चा॒। सा॒। वां॒। सु॒ः म॒तिः॑ नू॒तु॒। अ॒स्मे॒द॒ति॒। अ॒वि॒ष्टं॑। धि॒पः॑। जि॒गृ॒तां॑। पु॒रं॑ धीः॑ **उ॒त**
र॒क्षः॑ अ॒र्घ्यः॑ व॒नु॒षां॑। अ॒रा॒तीः॑॥ २७॥ ॥ इ॒ति॒ तृ॒ती॒या॒ वृ॒के॒ स॒प्त॒मो॒ ध्या॒यः॑॥ ॥ इ॒न्द्रो॒ इ॒न्द्र॒
॥ य॒त्। पु॒रुः॑ त॒मं॑। पु॒र॒स्ता॒त्। जे॒मा॒तिः॑ त॒म॒सः॑। व॒यु॒ने॒। व॒त्। अ॒स्था॒त्। नू॒नं॑। दि॒वः॑। दु॒
॥ त॒रः॑। वि॒ऽजा॒ती॒। गा॒तुं॑। क॒ण॒व॒न॒। उ॒ष॒सः॑। ज॒ना॒या॒। अ॒स्तुः॑। इ॒ति॒। चि॒नाः॑। उ॒ष॒सः॑॥

११३

॥ श्रीरामः । पिताः । इवास्वरः । अधरेषु । वि । इति । ब्रह्मस्य । तमसः । द्वासी । उच्छंती ।
 न । शुचयः । पावकाः । उच्छंतीः । अद्यावित्तमंता । नो ज्ञान् । एधः । देया । उषसः ।
 ॥ अवित्रे । अंतरिति । पण्यः । ससंतु । अबुध्यमानाः । तमसः । वि । मध्यो । कुम्भी ।
 सः । देवीः । सनयः । नवः । वा । यामः । बें । नूपात् । उषसः । का । अद्यापेन । नवः । नवः ।
 ॥ गिरि । दशः । गो । सप्तः । अस्थिरेवतीः । रेवती । उषा । यूपा । हि । देवीः । रुतयुक् । निः ।
 ॥ अश्वैः । परिः । पुयाथा । नुवनानि । सद्यः । पुः । बोधयंतीः । उषसः । ससंतं । द्विः । पात् । चतुः ।
 पात् । चरथाया । जीवां । ॥ ॥ क । स्विता । आसां । कतमा । पुराणी । यथा । वि । धाना । वि । इ

ह०
१४

धुः॥ सु॥ नू॥ णा॥ शु॥ न॥ प॥ त॥ शु॥ च॥ ऋ॥ उ॥ ष॥ सः॥ च॥ रं॥ ति॥ ना॥ वि॥ द्वा॥ यं॥ ते॥ सः॥ द॥ शीः॥ अ॥ नु॥ र्प्यः॥
ताः॥ धा॥ ताः॥ न॥ द्राः॥ उ॥ ष॥ सः॥ पु॥ रा॥ आ॥ सुः॥ अ॥ नि॥ विः॥ द्यु॥ म्नाः॥ कृ॥ त॥ ज्ञा॥ तः॥ स॥ त्याः॥ या॥
सु॥ इ॥ ज्ञा॥ नः॥ श॥ श॥ मा॥ नः॥ उ॥ क॥ छेः॥ स्त॥ व॥ न॥ शं॥ स॥ न॥ द्र॥ वि॥ णं॥ स॥ द्यः॥ आ॥ पा॥ ताः॥ आ॥
च॥ रं॥ ति॥ स॥ म॥ ना॥ पु॥ र॥ स्ता॥ त॥ स॥ मा॥ न॥ तः॥ स॥ म॥ ना॥ प॥ प्र॥ या॥ नाः॥ कृ॥ त॥ स्य॥ दे॥ वीः॥ स॥ द॥ सः॥
धु॥ धा॥ नाः॥ ग॥ वा॥ ना॥ स॥ गीः॥ उ॥ ष॥ सः॥ उ॥ रं॥ ते॥ ताः॥ द्र॥ ता॥ नु॥ ए॥ वा॥ स॥ म॥ ना॥ स॥ मा॥ नीः॥ अ॥ मी॥ तः॥
ताः॥ उ॥ ष॥ सः॥ च॥ रं॥ ति॥ गृ॥ हं॥ तीः॥ अ॥ न॥ अ॥ सि॥ तं॥ रु॥ शं॥ तः॥ निः॥ शु॥ क्राः॥ त॥ नू॥ निः॥ शु॥ च॥
रु॥ च॥ नाः॥ र॥ धिः॥ दि॥ वः॥ दु॥ हि॥ म॥ रः॥ वि॥ ज्ञा॥ तीः॥ प्र॥ ज्ञाः॥ वं॥ तं॥ प॥ कु॥ ता॥ अ॥ स्मा॥ सु॥ दे॥ वीः॥

१२

स्यानात्। आ। वः। प्रतिः। बुध्यं। मा। नाः। सुः। वी। र्पे। स्या। पतयः। स्या। मा। तत्। वः। दिवः।
 दु। हि। तत्। विः। चा। तीः। उ। प। बु। बो। उ। वः। सः। के। तुः। वः। यं। स्या। मा। य। श। सः। जने। षु। तत्।
 विः। उ। वः। तां। ए। धि। वी। च। दे। वी। ॥ २॥ प्रति। स्या। सू। नरी। जनी। विः। उ। वः। ती। परि। स्व। सुः।
 दिवः। अ। दर्शि। दु। हि। ता। अ। श्वाः। इ। वः। चि। त्वा। अ। रु। षी। मा। ता। ग। वी। रु। तः। वरी। सखा। अ।
 नू। त्वा। अ। श्वि। नोः। उ। षोः। उ। ता। सखा। अ। सि। अ। श्वि। नोः। उ। ता। मा। ता। ग। वी। अ। सि। उ। ता। उ। षः।
 व। स्वः। ई। शि। षे। य। व। यत्। षे। षसं। त्वा। चि। कि। त्वा। सू। नृ। ताः। वरि। प्रति। स्तो। मेः। अनु।
 स्महि। प्रति। नृ। द्राः। अ। दृ। क्ष। ता। ग। वी। सर्गः। नार। श्मयः। आ। उ। षाः। अ। प्राः। उ। रु। ज्ञः।

उ। षा। उ। षाः। उ। षा। अ। प्रा। अ। प्रा। उ। षा। उ। षा। अ।
 अ। प्रा। उ। षा। उ। षा। अ। प्रा। उ। षा।

ह० यः। आः प॒प्रुषी॑ वि॒ज्ञाः॑ व॒रि॑ । वि॒। आ॒वः॑ ज्योतिषा॑ । त॒मः॑ उ॒षः॑ अ॒नु॒स्व॒धां॑ । अ॒वा॒ आ॑ ॥
५५ द्यां॑ । त॒नो॒ वि॒। र॒श्मिः॑ निः॑ आ॑ । अ॒न्तरि॑ क्षां॑ उ॒रु॑ । प्रि॒यां॑ उ॒षः॑ । शु॒के॒ण॑ शि॒विषा॑ ॥ ३॥ त॒त॒
दे॒वस्य॑ । स॒वि॒तुः॑ वा॒य्व्यं॑ । म॒ह॒त॒ । वृ॒णी॒महे॑ । अ॒सु॒रस्य॑ । प्रः॑ चे॒त॒सः॑ । कृ॒द्दिः॑ ये॒ना॒ द॒शु
षो॒य॒ कृ॒ति॒। त्म॒ना॑ । त॒त॒ नः॑ । म॒ह॒न॒ । उ॒त॒ । अ॒या॒ न॒ दे॒वः॑ । अ॒क्तुः॑ निः॑ दि॒वः॑ । धृ॒ती॑ । नु
व॒न॒स्य॑ । प्र॒जाः॑ प॒तिः॑ पि॒शं॒गा॑ । द्रु॒पिं॑ । प्र॒ति॑ । मुं॒च॒ते॑ । क॒विः॑ विः॑ च॒क्ष॒णः॑ । प्र॒थ॒म॒न॒ । आ ५
वृ॒ण॒न॒ । उ॒रु॑ । अ॒जी॒जन॒त॒ । स॒वि॒ता॒ । सु॒न्ना॑ उ॒क्थ्यं॑ । आ॑ । अ॒प्र॒ । र॒जं॑ सि॒ दि॒व्यानि॑ ॥ १५
गार्थि॑ वा॒ श्लो॒कं॑ । दे॒वः॑ । कृ॒णु॒तो॒ स्वा॒यं॑ । ध॒र्मी॒णो॑ । प्रा॒वा॒ह॒द॒ति॑ । अ॒स्त्रा॒क् । स॒वि॒ता॑ ॥

सर्वमिनि। निः वे शयन। प्रः सुवन। अतुः निः। ऊगता अदा न्यः। नुर्वनानि। प्रः
 शत। वतानि। देवः। सविता। अनिरक्षते। प्रा। अस्नाक। बाहू इति। नुर्वनस
 न्यः। धृतः वतः। महः। अज्मस्य। रातुति। त्रिः। अंतरिक्षं। सविता। म
 ना। नी। रज्जं। सि। परिः नूः। नी। रोचना। तिस्रः। दिवः। एषिवीः। तिस्रः। इन्वति।
 निः निः। वृतेः। अनि। नः। रक्षति। त्मना। बृहत्। सुमन्तः। प्रः सविता। निः देशन।
 ऊगतः। स्छातुः। उ नयस्यायः। वशी। सः। नः। देवः। सविता। शर्मा। पृच्छतु। अस्मद
 ति। क्षपाया। निः वसुध। अंहसः। आ। अगनादेवः। रतुः निः। वद्धतु। क्षयादधातु। १६

नः। सविता। सुः प्रजा। द्रुषं। सः। नः। क्षपानिः। अहः। निः। च। किंचतु। प्रजाऽवंतं। रा
यिं। अस्मेदति। सं। द्रुचतु॥ ४॥ अनूता। देवः। सविता। वंद्यः। नु। नः। ददानीं। अर्कः।
उपः। वाच्यः। नृः। निः। वि। पः। रत्ना। नर्जति। मानवेन्यः। अष्टानः। अष्टा। द्रुविता। य
था। दधं। देवेन्यः। हि। प्रयुमं। यद्वियेन्यः। अमृतः। त्वं। सुवसि। नागां। उत्तरं। नमः॥
इत्ता। दत्ता। मानं। सवितः। वि। ऊर्णुषे। अनूचीना। जीविता। मानुषेन्यः। अवि। शी॥
चक्रम। देव्ये। ऊने। दीने। दक्षैः। प्रः। नृजी। पुरुषत्वता। देवेषु। च। सवितः। मानुषे
षु। च। त्वं। नः। अज्ञः। सुवतात। अनागसः। मिषे। सवितुः। देव्यस्या। तत्तापयः॥

एवैवैवैवैवैव। एवतत्तुस्तसुरेवैव

चुवनं धारयिष्यति यत् एयिमाः वरिप्रना आसुः अंगुरिः वर्ष्मना दिवः
वति सत्यं अस्या तत् इन्द्रः ज्येष्ठान् बृहत् न्यः पर्वते न्यः क्षयान् एन्यः सु
वसि पस्त्यः वतः यमाः यथा पुनर्यतः विः मे मिरे एवा एवा तस्तुः सवितरिति सु
वायो तोयो तोत्रिः अहन् सवितरिति सुवासः दिवेः दिवि सौ नगं आः सुदंति इन्द्रः
द्याव एयि वीदति सिंधुः अतः निः आदित्येः नः अदितिः शर्मा यं सत्ता पा कः
कः ज्ञाता वसवः कः वरुता द्यावा नमीदति अदिते वासीया नः सहीयसः वरु
ण मित्रा मतीत् कः वः अधुरे वरिवः धाति देवाः प्रायो धामानि पूर्वलि अर्वा

८०
८१

नवि। पत्र। उच्छान्। विःयोत्तरः। अमृताः। विःधातारः। वि। तो। दधुः। अजस्ताः। कृत
यीतयः। रुरुवंत। दस्माः। प्रापस्यो। अदि। ति। सिंधु। अर्धैः। स्वस्ति। ईले। सुरव्या
य। देवी। उनेइति। यथा। नः। अहनीइति। निःपातः। उषसानक्त। करता। अह
इति। नि। अर्यमा। वरुणः। चेति। पंथो। दुषः। पतिः। सुवितं। गतुं। अग्निः। इंद्र
नृःवत्। कुंइति। सु। स्तवना। शर्म। नः। यंतं। अमःवत्। वरुथं। आपव
मुरुगां। अवांसि। देवस्य। नातुः। अत्रि। नगस्य। पात्र। पतिः। ऊन्यात्। अह
नः। मित्रः। मित्रिवात्। उतानः। उरुषोत्तरात्। नृ। रोदसीइति। अहिना। बुधोन

१२

क॒वी॒ता॒दे॒वी॒इति॑। अ॒प्ये॒ति॒ः। इ॒है॒ः। न॒नु॒दु॒ना॒सं॒ चर॑ण॒। स॒नि॒ष्य॒वः॒। घ॒र्म॒
 १०॥ न॒द्यः॒। अ॒पा॒व॒न्। ग॒न॒हि॒मि॒व॒स्य॒। व॒रु॒ण॒स्य॒। धा॒सि॒। अ॒ह्नी॒म॒सि॒। प्र॒
 ११॥ न॒नु॒। अ॒ग्नेः॒। अ॒ग्निः॒। इ॒शो॒। व॒स॒व्य॒स्य॒। अ॒ग्निः॒। म॒हः॒। सो॒न॒ग॒स्य॒। त॒मि॒॥
 १२॥ अ॒म॒न्य॒। रा॒स॒तो॒। उ॒षः॒। म॒घो॒नि॒। आ॒व॒हा॒सू॒नृ॒तो॒। वा॒य्मी॒। पु॒रु॒। अ॒स्म॒न्य॒। वा॒
 १३॥ त॒ता॒सु॒। नः॒। स॒वि॒ता॒। न॒ग॒। नः॒। रा॒ध॒सा॒। आ॒ग॒म॒हा॒॥ ग॒। म॒ही॒इति॑। वा॒
 १४॥ वा॒य॒मि॒वी॒इति॑। इ॒हा॒। ज्ये॒ष्ठे॒इति॑। रु॒चा॒। न॒व॒ता॒। शु॒च॒य॒त॒इति॑। अ॒र्क्षे॒। य॒ता॒सी॒। व॒
 १५॥ रि॒ष्टे॒इति॑। वृ॒ह॒ती॒इति॑। वि॒मि॒न॒व॒न्। रु॒व॒त॒। हा॒उ॒स्ता॒। प॒प्र॒था॒ने॒ति॑। ए॒वै॒ः। दे॒वी॒इति॑। ११३

सु०
१५

देवेभिः। यज्ञतेदति। यज्ञैः। अग्निनतीदति। तस्त्तुः। उक्षमाणेदति। रुतवरीदत्यु
तः वरी। अदुहादेवपुत्रेदतिदेवः पुत्रे। यज्ञस्य। नेत्रीदति। शुचपतः। अर्धैः।
सः। इत्ता। सुः। अपाः। नुर्वनेषु। आसायः। इमेदति। द्यावापृथिवीदति। ज्ञान। उ
वीदति। गनीरेदति। रऊसीदति। सुमेकेदति। सुमेके। अवंशो। घीरः। राच्या। सांष्ट
रत्ता। सु। रोदसीदति। बृहत्तः। निः। नः। वस्तुथैः। पत्नीवत्तः। निः। दूषयंतीदति। सुः
जोषाः। ठरूचीदति। विश्वेदति। यज्ञतेदति। निपातां। प्रावां। महि। द्यवीदति। अ
भि। उपः। स्तति। नरामहे। सुचीदति। ठपा। पः। शस्तये। पुनानेदति। तन्वा। मिथः।

१५
धिया श्यामं.

विनीदक्षेण। राजयुः। कृत्ययेदति। सुनायुः। महीदति। मित्रस्य। साधुयुः।
महीदति। पिप्रतीदति। सुतं। परि। पद्मं। नि। सेदयुः॥८॥ क्षेत्रस्य। पतिना।
द्ववा। कृया। मसि। गां। अश्वी। पोषयितु। आसः। न। मृलाति। ईदृशं।
स्य। वते। मधुः। मंतं। कुर्मि। येनुः। द्ववा। पयः। अस्मासु। धुस्वामधुः। शुली।
दुः। सुः। पूतं। सुतस्य। नः। पतयः। मूलयंतु। मधुः। मतीः। ओषधीः। द्याव। आपः।
धुः। मत्। नः। नवतु। अंतरिक्षं। क्षेत्रस्य। पतिः। मधुः। मानः। नः। अस्तु। अरिधतः।
अनु। एनं। चरेम। शुनं। वाहः। शुनं। नरः। शुनं। कृषतु। लंगलं। शुनं। वरत्रा। बध्

तां। शुनां अष्टां। उता दंगया शुनां सीरो। दुमां। वाचां। जुषेयां। यत्। दिवि। चक्रयुः।
 पयः। तेना। दुमां। उपा। सिंचतां। अर्वाची। सुः। नगो। नवासीतो बंदामहे। त्वा। यथा॥
 नः। सुः। नगो। अससि। यथा। नः। सुः। फलो। अस्मि। दूंदः। सीतां। निगृह्णातु। तं॥
 पूषा। अनु। पृच्छतु। सा। नः। पयस्वती। दुहां। उतरांः। उतरां। समौ। शुनां। नः। फालाः।
 दि। कृषंतु। नूमीं। शुनां। कीनाशाः। अनि। पंतु। बोहेः। शुनां। पर्जन्यः। मधुना। पयः।
 निः। शुनां। सीरा। शुनां। अस्मासु। यत्तां॥ ए॥ समुद्रात्। कृर्मिः। मधुः। मान्। उता॥ ११॥
 आरत्। उपा। अंशुना। सां। अमृतः। त्वं। आवह। वृत्तस्य। नामागुह्यं। यत्। अस्ति।

दे॒वा॒नां॑ अ॒नृ॒त॒स्या॒ना॒निः॑ व॒षा॒ना॒ना॒प्र॒ब्र॒वा॒म॒घृ॒त॒स्य॑ । अ॒स्मि॒न् ।
 नमः॑ ॐ निः॑ उ॒प॒ । ब्र॒ह्मा॒ । शृ॒ण्व॒ता॒श॒स्य॒मा॒ना॑ । च॒तुः॑ ॐ शृ॒ंगः॑ ।
 ए॒त॒त् । च॒त्वा॒रि॒शृ॒ंगा॒ । न॒यः॑ । अ॒स्या॒पा॒दाः॑ । द्वे॒द॒त्ति॒शी॒र्षे॒द॒त्ति॒ । स॒प्त॒ ।
 अ॒स्या॒वि॒धौ॒ । ब॒द्धः॑ । वृ॒ष॒नः॑ । ऐ॒र॒वी॒ति॒ । म॒हः॑ । दे॒वः॑ । म॒र्त्या॒ना॒ । आ॒वि॒वेश॒ । नि॒धौ॒ ।
 हि॒ । अ॒णिः॑ निः॑ । गु॒ह्य॒मा॒ना॑ । ग॒र्वि॒दे॒वा॒सः॑ । घृ॒ता॑ । अ॒नु॒ । अ॒वि॒न्द॒न् । इ॒न्द्रः॑ । ए॒को॒ ।
 ए॒को॒ । ज॒ज्ञा॒न॒ । वे॒ना॒त् । ए॒को॒ । स्व॒ध॒मा॒ । निः॑ । त॒त॒ । सु॒ । ए॒ताः॑ । अ॒र्ष॒ति॒ । ह॒द्या॒त् । स॒मु॒द्रा॒
 त॒ । श॒तः॑ । ब्र॒ह्माः॑ । पि॒प॒ला॒ । न॒ । अ॒वः॑ । च॒क्षो॒ । घृ॒त॒स्य॑ । धा॒राः॑ । अ॒नि॒ । चा॒क॒शी॒मि॒ । हि॒र॒ण्य॒

हृ०
१२०

ना०

यः वेतसः। मध्ये। आसां॥ १०॥ सम्यक्। स्ववन्ति। स्वरितः। नाधेनाः। अंतः। हृदा। मनसा।
पूयमानः। एते। अर्षन्ति। कुर्मयः। घृतस्य। मृगाः। इवाक्षिपणोः। ईषमाणः। सिंधोः।
इवाप्रः अधुने। शूषनासः। वातः प्रमियः। पतयन्ति। यद्वाः। घृतस्य। धाराः। अरुषः।
नावाही। काष्ठाः। निंदन। कुर्मिः। निः। पिबमानः। अग्नि। प्रवन्त। समनाः। इवायोषाः।
कुल्याणमः। स्मयमानासः। अग्नि। घृतस्य। धाराः। संः। इधः। न संत। ताः। नुषाणः। हृष्य
नि। जातः। वेदाः। कन्याः। इवावहन्तु। एतवै। कुंदति। अग्नि। अज्ञानाः। अग्नि। चाक्रीमि।
सोमः। सूर्यतो। यत्र। यद्वाः। घृतस्य। धाराः। अग्नि। तत्र। प्रवन्ते। अग्नि। अर्षन्त। सः।

१२०

अथ यो अग्निं अन्नासु। न द्राव विष्णु नि। न तादृमाय इं। न पता देवता न। सु
 मन्मथः मत्पवंतो। चामन्तो। विश्वं। नुवन्। अधि। श्रितं। अंतर्। तित्ति। समुद्रे। ह
 शि। अयुषि। अपां। अनी। को। संऽ। इ। यो। यः। आऽ। नृ। तः। तं। अश्या। म। मधुऽ। मं। तं।
 ॥ इति पंचमं मंडलं ॥ ॥ अबोधि अग्निः संऽ। इधा। जनानां। प्रति। धे
 इवा। आऽ। यती। उषसं। युक्ताऽ। इवा। प्रावृषां। उत्ऽ। क्रिहानाः। प्रा। नानवः। सिस्त्र
 वा। नदी। अछा। अबोधि। होता। युक्था। या। देवान्। रुर्द्धः। अग्निः। सुऽ। मनाः। प्रातः। अ
 स्थाता। संऽ। इदं। स्या। रुशत। अदर्शि। पाऊः। महान्। देवः। तमः। सः। निः। अमोनि। यत॥

ई। गणस्यै रशनां। अजीगुरिति। शुविः अद्गु। शुविः निः। गोनिः अग्निः। आत्। द
 क्षिणा। पुज्यते। वाक्ऽयं ती। उता नां। उद्गुः। अधयता। जुहनिः। अग्निः। अक्छादेवऽ
 यतां। मनांसि। चक्षुषिऽद्वा सूर्ये। सा चरंति। यतां ई। सुवातेदुति। उवसा। विरूपेदु
 निदिऽरूपे। श्वेतः। वाजी। अजायते। अग्रे। अक्छा। अनिष्ट। हि। जे न्यः। अग्रे। अक्छा। हि
 नि। हि। पुः। अरुषः। वनेषु। दमेऽदमो सप्तारत्ना। दधानः। अग्निः। होता। नि। ससादु।
 जीयान्। अग्निः। होता। नि। असीदत्। यजीयान्। उपऽस्था। मातुः। सुरनौ। कुंडति।
 पुवा। कविः। पुरुनिः। स्कं। लनऽवा। धर्ता। कक्षीनां। उता मध्ये। दुद्गुः॥ १२॥

ननु। त्वां विप्रं। अद्भुतेषु। साधुं। अग्निं। होतारं। ईलते। नमः॥ निः। आ। पः। त। तान। रोद
 सीदति। कृतेनानित्यं। मृजंति। वाहिनां। घृवेना। मार्जाल्पः। मृज्यते। स्वादमूनाः। कविः
 अतिथिः। शिवः। नः। सहस्रः। शृंगः। वृषः। नः। तत्। उजाः। विश्वान्। अग्ने। स्त
 हन्। प्रा। असि। अन्यान्। प्रा। सद्यः। अग्ने। अति। एषि। अन्यान्। आकि। पस्मै। चरुः
 तपः। अर्जुनैर्दलेन्यः। वपुष्यः। विनाः। वा। प्रियः। विशां। अतिथिः। मानुषीणां। तुभ्यं। न
 रं। सिधितयः। पविष्ठ। बलिं। अग्ने। अतितः। आ। उता। दूरात्। आ। नंदिषु स्या सुमतिं॥
 चिकिद्भि। बृहताते। अग्ने। महि। शमी। नदं। आ। अद्यारयं। नानुः। मः। नानुः। मं। तं॥

२०
२

अग्ने॥ तिष्ठो य॒ज्ज॒ते॒जिः॑। संः॒ अ॒न्ता॒ वि॒द्वान् प॒थी॒नां॒ उ॒रु॒। अ॒न्तरि॑क्षं॒ आ॒ इ॒ह॒ दे॒वान्। ह॒वि॒
अ॒क्ष॒य॒म॒क्षि॒। अ॒नो॒च॒मा॒ क॒व॒यो॒ मे॒ध्या॒या॒व॒चः॒। व॒न्दा॒रु॒। वृ॒ष॒ना॒या॒ वृ॒क्षे॒। ग॒वि॒ष्टि॒रः॒। न
म॒मा॒ लो॒भे॒। अ॒ग्ने॒। दि॒विः॒ इ॒वा॒रु॒क्मां॒ उ॒रुः॒ व॒न्च॑। अ॒श्वे॒त॒॥ १३॥ कु॒मा॒रां॒ मा॒ता॒ पु॒त्रि॒
सं॒। अ॒गु॒हा॒ वि॒ज॒र्त्ति॒ना॒ द॒क्ष॒पि॒त्रे॒। अ॒नी॒कां॒ अ॒स्या॒ना॒ मि॒न॒ता॒ ज॒ना॒सः॒।
अ॒निः॒हि॒तं॒। अ॒र॒तौ॒। का॒ह॒तां॒ त्वे॒। पु॒त्रे॒। कु॒मा॒रां॒ पे॒षी॒। वि॒न॒र्षि॒। म॒हि॒षी॒। ज॒ज्ञा॒
पू॒र्वीः॒। हि॒। ज॒नी॒। श॒र॒दः॒। व॒व॒र्द्ध॑। अ॒प॒र॒यं॒। अ॒न्ता॒म॒रा॒ अ॒सू॒ता॒। मा॒ता॒ हि॒। ए॒यः॒ द॒न्ता॒शु॒
आ॒र॒त्ता॒ क्षे॒त्रा॒त्। अ॒प॒श्या॒। आ॒यु॒धा॒भि॒ना॒। द॒द॒नः॒। अ॒स्मे॒। अ॒मृ॒ता॒ वि॒ष्टि॒

३३

कि॒त्तुः॑ इ॒हा तु॑ निः॒स॒द्य॑ ह॒णी॒य॒मा॒नः॑ अ॒प॒हि॒म॒त्रा॒ऐ॒येः॑ प्र॒मे॒दे॒वा॒नां॑ ब्र॒
ह॒म॒पा॒ः उ॒वा॒च॑ इ॒न्द्रः॑ वि॒द्वान् अ॒नु॒हि॒त्वा॒ च॒च॒क्ष॑ते॒न॒ अ॒हं॑ अ॒ग्ने॒ अ॒नुः॑ शि॒
श॒ आ॒ अ॒गां॑ वि॒ज्योति॑षा॒ बृ॒ह॒ता॒ ना॒ति॒ अ॒ग्निः॑ अ॒विः॑ वि॒श्वानि॑ कृ॒णु॒ते॒ महि॑
म॒ अ॒दे॒वीः॑ मा॒याः॑ स॒ह॒तो॒ दुः॑ ए॒वाः॑ शि॒शी॒ते॒ शृ॒ंगे॒ दु॒ति॒ रक्ष॑से॒ वि॒नि॒क्षे॑ उ॒त॒
तः॑ दि॒वि॒ सं॒तु॒ अ॒ग्नेः॑ ति॒ग्मः॑ आ॒पु॒चा॒ रक्ष॑से॒ ह॒त॒वै॒ ऊ॒द॒ति॒ म॒दे॒ वि॒त्त॑
म॒त्रा॒ प्र॒ह॒र॒न्ति॑ ना॒माः॑ ना॒ व॒र॒न्ते॑ प॒रि॒ः क॒थः॑ अ॒दे॒वीः॑ ए॒तां॑ स्तो॒मं॑ तु॒वि॒
र॒थं॑ ना॒धी॒तुः॑ अ॒पाः॑ अ॒त॒तां॒ यदि॑ इ॒त्य॒ अ॒ग्ने॒ प्र॒ति॒ त्वा॒ दे॒वा॒ ह॒व्यः॑

इति विमयितातीनी

अपः एनोऽनुमेमातुविः प्रीवः। वृषनः दवृषानः अशानु। अर्धः सं। अ
वेदः। इति। इमां पेंडो। अग्निः। अमृताः। अकोचनः। बर्हिषते। मनवे। शमी। य
मते। मनवे। शमी। यंसता। १५॥ त्वं। अग्ने। वरुणः। कार्यसो। यत्। त्वं। मित्रः। ननु
द्वेदः। वेदः। विश्वे। सहसः। पुत्रादेवः। त्वं। इन्द्रः। दाशुषे। मर्त्याय। त्वं
यज्ञः। अश्विः। यत्। कुनीनां। नामा। स्वधाः। वृत्रा। गुह्यं। विनर्षि। अंति। मित्रं। सु
नाना। गोविन्। यत्। दंपती। इति। दं। पत्नी। सः। मनसा। कृणोषि। तवा। श्रियो। मरुतः। मरु
तारुद्रा। यत्। ते। ऊनिमा। चारु। चित्रं। पुदं। वृत्। विलो। उपः। मं। निः। धाधि। तेन। पासि।

१. तस्य यो ता पू र्यै ऋतु म जी या न

१०. हो ती र संति म नु वे नि षे द

६०. ३४. ॐ ह्यो नामो गो नां त रा श्रि या सु द शः दे वा दे वाः पु रु द धा नाः अ मृ तैः स पं ता ॥ १ ॥
द श स्यं तः ॥ १ ॥ ना का यैः परः अ स्ति स्व धाः वः वि शः च य स्योः अ ति थिः
ज यो सि सः पृ ष्ठे ना व न व त्ता दे वा म र्त्ता न् व यं अ ग्ने व नु या म त्वा इ उ ता व नु
प वः ह वि षो बु ध्ये मा नाः व यं सः म र्प्ये वि द ये षु अ क्ता व यं रा या सह सः
पु नः म र्त्ता न् ॥ १ ६ ॥ यः नः आ गः अ ति ए नः न रा ति अधि इ त्वा अ धं अ ग
शं सः द धा ता ऋ हि वि कि त्वः अ निः श स्ति ए ता अ ग्ने यः नः म र्च य ति दृ षे ना तां
अ स्याः वि उ षि दे वा पू र्वे दू ता क ण नाः अ य नं ता इ यैः सं स्ते ग्ना अ ग्ने दे वा

१४
 यीणां। देवामर्तैः। वसुः निः। दुध्यमानः। अवा। स्पृधि। पितरं। पोधि। विद्वान्। पुः
 यः। ते। सहसः। सूनो इति। जुहे। कदा। चिकित्वा। अग्नि। चक्षसे। नः। अग्ने। कदा। सत
 चित्वा। यातयासे। नृश। नामा। वंदमानः। दधाति। पिता। वसो इति। मदि। तत्। ओषधे
 कुबिन्। देवस्य। सहसा। चकानः। सुम्ना। अग्निः। वनते। वृधानः। त्वं। अंगा। ऊरि। तं
 पृषि। पृष्वानि। अग्ने। दुः। दुता। अति। पृषि। स्तेनः। अदश्न। नृ। रिपवः। ऊनासः। अ
 द्रोतः। केताः। वृद्धिनाः। अनूवन्। इमो। यमासः। त्वडिक्। अनूवन्। वसेवा। वा। तत्। इत्
 आगः। अवाचि। ना। अह। अयं। अग्निः। अग्निः। शस्तये। नः। नारिषतो। वृधानः। परा।

[illegible]

पाहि। विद्वान् विश्वाः अग्ने। अग्निः पुञ्जं विहृत्य शत्रुः पतां आ नरं नो
 नि। अग्ने। वधेना दस्युं। प्राहि। चातय स्वावयः। कृत्वा नः। तन्वो स्वायै। विष्वि पतां स्त
 देवान्। सः। अग्ने। पाहि। नृः तमा वजे। अस्मान्। वयांते। अग्ने। उक्ते। विदेम
 विदेम। पावका नदुः शोचो। अस्मेदति। रयिं। विश्वः वारं। सां दून्वा। अस्मेदति। विश्व
 वि। इविणानि। धेहि। अस्माकं। अग्ने। अधरं। जुष स्वा सहसः। सूनोदति। त्रिः संधस्तु। हव
 पां देवेषु। सुः कृतः। स्पामा शर्मणा नः। त्रिः वरुथेना। पाहि। विश्वानि। नः। दुधमहा॥
 ज्ञातः वेदः। सिंधुं। नाना वा। दुः। दूता। अति। पर्वि। अग्ने। अत्रिः वरुनमसा। गृणानः।

इति तोम्रं शुभ्रायु ६१

अस्माकं बोधि। अवितातनूनां। यः। त्वा। हृदा कीरिणा। मन्यमानः। अमर्त्यः। मर्त्यः।
ओहवीमा ज्ञातः वेदः। यशः। अस्मासु। धेहि। प्रः। जज्ञि। अग्ने। अमृतः। त्वं। अमृतः।
यस्मै। त्वं। सुः। कृते। ज्ञातः वेदः। कुं। इति। लोकं। अग्ने। कृण्वी। स्यानां। अग्निः।
विता। वीरः। वंता। गोः। मंतं। रुषि। न। सता। स्वस्ति। ॥ १॥ सुः। समि। द्रुमा। शोभि।
पुहोतना। अग्ने। ज्ञातः वेदः। नराशंसः। सु। सुदति। इमां। यु।
हस्ति। न। सुः। सै। धि। भि। उ। यै। कृण्वी। स्यानां। अग्निः।
अनुनु। नवी। सु। सुदति। इमां। यु। सुदति। अमृतः। सु। सुदति।

如也

CC-0. Mrugendra Vinod Collection. Digitized by eGangotri

[illegible]

सः॥ स्मृ॥ कृ॥ णो॥ ति॥ के॥ तु॥ आ॥ न॥ तौ॥ चि॥ त॥ दू॥ आ॥ सु॥ ते॥ पा॥ व॥ कः॥ प॥ त॥ व॥ न॥ स्प॥ ती॥ न॥
 पा॥ स्म॥ मि॥ ना॥ ति॥ अ॥ ज॥ रः॥ अ॥ व॥ स्म॥ य॥ स्य॥ वे॥ ष॥ णो॥ स्वे॥ दं॥ प॥ थि॥ षु॥ जु॥ द॥ ति॥ अ॥ जि॥ ई॥
 अ॥ ह॥ र॥ दः॥ ज्ञे॥ न्यं॥ नू॥ म॥ पृ॥ षाः॥ इ॥ वा॥ रु॥ रु॥ हुः॥ २॥ ४॥ यं॥ म॥ त्प॥ यः॥ पु॥ रुः॥ स्पृ॥ हं॥ वि॥ द॥ त॥ वि॥
 म्यः॥ धा॥ य॥ से॥ पा॥ स्वा॥ द॥ नं॥ पि॥ तृ॥ नं॥ अ॥ स्तः॥ ता॥ तिं॥ चि॥ त॥ आ॥ य॥ वे॥ सः॥ हि॥ स्म॥ ध॥ दं॥
 ताः॥ ति॥ ता॥ रा॥ ता॥ ना॥ दा॥ ति॥ आ॥ प॥ शुः॥ हि॥ रिः॥ श्म॥ शुः॥ शु॥ चिः॥ द॥ न॥ रु॥ नुः॥ अ॥ नि॥ नृ॥
 वि॥ ति॥ शु॥ चिः॥ य॥ य॥ सै॥ अ॥ त्रिः॥ व॥ त॥ प्रा॥ स्व॥ धि॥ त्रिः॥ इ॥ वा॥ री॥ य॥ ते॥ सुः॥ सुः॥ अ॥ सु॥ त॥
 अ॥ कृ॥ णो॥ ति॥ के॥ तु॥ आ॥ न॥ तौ॥ चि॥ त॥ दू॥ आ॥ सु॥ ते॥ पा॥ व॥ कः॥ प॥ त॥ व॥ न॥ स्प॥ ती॥ न॥

शरपु। युनाउता श्रवः। आ। निता। मर्त्येषु। पाः। इति। विना। मर्त्येषु। विना।
 लाः। दत्ता। आ। पशु। ददे। आता। अग्ने। अष्टणतः। अत्रिः। ससह्याता। रस्युता। इषः।
 ला। नृना। २५। ला। अग्ने। रुतः। पवः। सार्द्धधिरः। प्रता। प्रलासः। कुतः।
 रुता। पुरुः। चंद्रा। यज्ञता। विश्वः। धायसा। दमूनसा। गृहः। पति। वरेण्यं। ला। अग्ने। अ
 तिथि। पूर्व्यं। विशः। शोचिः। केशं। गृहः। पति। नि। सेदिरे। बृहत्। कैतुं। पुरुः। रूपं। धनः।
 स्पृता। सुः। शम्मी। लां। सुः। अवसां। ऊरत्। विषं। लां। अग्ने। मानुषीः। ईलतो। विशः। होना।
 विदा। विविचिं। रत्नः। धातमं। गुहा। संतां। सुः। नग। विश्वः। दर्शतां। तुविः। स्वनसां। सुः। प

[illegible]

॥ १२६ ॥ ॥ इति ह गीताष्टकेऽथ नो व्याख्या ॥ श्री...

॥ पा. नारायणाय नमः

राम देव

॥ पा. कृष्णदेवदेव दीप्यते

महादेव

२०

॥ श्री ॥

॥ आनन्द रीमन रु
॥ हरीक्रीम देवनी छे

मेहरा लखनगोष्टि। यो ध

तये। या। सु० रथा। रथि० तमा। उना। देवा। दिवि० स्त० शो। अश्विना। ता। हवामाह। या। वां। क० शो। मधु०
 मती। अश्विना। सु० रता० वती। तया। य० जं। मि० मि० श्रुतं। नहि। वां। अ० स्ति। इ० र० क। य० त्र। रथे० न। ग० व
 थः। अश्विना। सो० मि० नः। इ० हं। हि० र० ण्य० पा० णि। अ० तये। स० वि० तारं। उ० प। क० ये। सः। चेत० ता। दे० वता। प०
 दं॥ ४॥ अ० पां। न० पा० तं। अ० व० से। स० वि० तारं। उ० प। सु० हि। त० स्य। व० ता० नि। उ० म० सि। वि० न० क्तारं। ह० वा० म
 हे। व० सोः। वि० त० स्य। रा० ध० सः। स० वि० तारं। वृ० च० द० सं। स० र० वा० यः। आ० नि। सी० द० त०। स० वि० ता। स्तो० म्यः॥
 उ० न० दा० ता। रा० ध० सं० सि। अ० न० ति। अ० ग्रे। प० न्नीः। इ० ह०। आ० व० ह०। दे० वा० नां। उ० म० ता०। उ० प। व० द्य० रं। सो
 म० पी० ता० ये। य०। आ० ग्राः। अ० ग्रे। इ० ह०। अ० व० से। हो० त्रं। य० वि० ष। ना० र० ती। व० स्त० त्रं। वि० ष० णं। व० ह०॥ ५॥ अ

२३

१९

सा मा नि । सु व ते । ए कं ० ए कं । सु श स्ति ० ति । अ धी र यं त । व क्र यः । अ न जं त । सु ० कृ त यो । आ गं । दे वे
 षु । य क्षि यं ॥ १ ॥ इ ह । इं द्रा ग्री इ ति । उ प । क्ष ये । त योः । इ त् । स्तो मं । उ व्र म सि । ता । सो मं । सो म ० पा
 त मा । ता । य क्षे षु । प्र । शं स त । इं द्रा ग्री इ ति । शु न्न त । न रः । ता । गा य त्रे षु । गा य त । ता । मि त्र स्य । प्र ०
 शं स्त ये । इं द्रा ग्री इ ति । ता । ह वा म हे । सो म ० पा । सो म ० पी त ये । उ या । सं ता । ह वा म हे । उ प । इ दं
 स व नं । सु तं । इं द्रा ग्री इ ति । आ । इ ह । ग च्छ तां । ता । म हा ता । स द स्य ती इ ति । इं द्रा ग्री इ ति । र क्तः
 उ व्र तं । अ यं जाः । सं उ । अ वि णः । ते न । स त्पे न । जा गृ तं । अ धि । प्र ० वे उ ने । प दे । इं द्रा ग्री इ ति ॥
 श मी । य च्छ तं ॥ ३ ॥ प्रा तः । श यु जा । वि । बो ध य । अ श्वि नौ । आ । इ ह । ग च्छ तां । अ स्य । सो म स्य । पा

नि। नः। देवीः। अर्वसा। मुहः। शर्मणा। वृ० पत्नीः। अविन्न० पत्राः। सचंतां। इह। इंद्राणी। उप। कये। व
 रुणानी। स्वस्तये। अग्राद्याम्। सोम० पीताये। मही। द्यौः। पृथिवी। वानः। इमे। यज्ञां। मिमिक्षतां। वि
 दतां। नः। नरीम० निः। तयोः। इतः। दृत० वतः। पयः। दिवाः। रिहंति। धीनि० निः। गंधर्वस्य। ध्रुवे। पदे। स्पे
 ना। पृथिवि। नवा। अट्टकुरा। नि० वेशनी। यज्ञानः। शर्म। सु० प्रथः॥ ६॥ अतः। देवाः। अवंतु। नः। यत
 :। विष्णुः। वि० वक्रमे। पृथिव्याः। सप्त। क्षम० निः। इदं। विष्णुः। वि० वक्रामात्रेक्ष। नि। दधे। पदे। सं० ज
 त्। अस्य। पांसुरे। श्रीणि। पदा। वि० वक्रमे। विष्णुः। गोपाः। अदान्यः। अतः। धर्माणि। क्षरयन्। वि
 लोः। कर्माणि। पश्यतः। यतः। वृत्तानि। पश्यन्। इंद्रस्य। युज्यः। सखा। ततः। विष्णोः। परमं। पदे। स

दा। पन्नपति। सूरयः। दिविइव। वसुः। आ० ततं। तत्। विप्रः। सः। विपत्तवः। जा० वंसः। सं। इंधते। वि
 स्तोः। यत्। परमं। पदं॥७॥ तीव्रः। सोमसः। आ० गहि। आशीः। र्वंतः। सुताः। इमे। वायोइति। तान्।
 प्र० स्वितात्। पिव। उन्ना। देवा। दिवि० सृष्टा। इंधवायूइति। हवामहे। इंधवायूइति। मनः। रजुवा।
 विप्रः। हवंते। कृतये। सहस्र० अक्षा। धियः। पतीइति। मित्रं। वयं। हवामहे। वैरुणं। सोम० पी
 तये। अज्ञाना। इत० दक्षसा। कृतन। यो। कृत० वृक्षे। कृतस्य। ज्योतिषः। पतीइति। ता। मित्रावरु
 णा। ऊवे॥८॥ वरुणः। प्र० अविता। उवत्। मित्रः। विश्वानिः। कर्त्ता। नः। सु० रावसः। मरुवंतं। ह
 वामहे। इंधं। आ० सोम० पीतये। सु० नृः। गणेन। वंपत्त। इंध० ज्येष्ठाः। मरुत्० गणाः। देवासः। पृष०

अ॒भि॒न॒रः॑ । र॒यि॒ । स॒ह॒स्वः॑ । अ॒भि॒न॒रः॑ । सः॑ । प॒ष॒य॒त् । सः॑ । प॒ष॒य॒त् । चू॒व॒त् । वा॒ज॒स्य॑ । सा॒त॒ये॑ । उ॒त॑ । ए॒धि॒ । ए॒
 त॒प॒सु॑ । नः॑ । वृ॒धे॑ ॥ १॥ उ॒ । अ॒भि॒न॒रः॑ । जि॒ष्ठे॑ । अ॒भि॒न॒रः॑ । द॒क्ष॒स्य॑ । अ॒स्म॒न्त्य॑ । अ॒धि॒णा॑ इ॒त्य॒धि॒ । गो॑ । प्र॒ानः॑ । रा॒या॑ । प॒
 रा॒ण॒सा॑ । र॒सि॒ । द्या॒जो॒य॑ । पं॒थो॑ । व॒नः॑ । अ॒ग्ने॑ । अ॒नु॒त॑ । क॒वो॑ । द॒क्ष॒स्य॑ । म॒ह॒ना॑ । वे॒द॒ति॑ । अ॒सु॒यो॑ । अ॒सु॒ह॒त॑ ।
 का॒णा॑ । अ॒भि॒न॒रः॑ । ना॒य॒हि॒यः॑ । ए॒षा॑ । ग॒य॑ । पु॒ष्टि॑ । व॒व॒र्ध॒य॑ । ये॑ । स्तो॒मै॒भिः॑ । प्र॒ । सूर॒यः॑ । न॒रः॑ । म॒द्या॒नि॑ । अ॒
 न॒सुः॑ । ये॑ । अ॒ग्ने॑ । व॒न्द॒ते॑ । गि॒र॒सु॑ । अ॒न॒ति॑ । अ॒श्व॑ । रा॒ध॒सः॑ । शु॒भे॒भिः॑ । शु॒भि॒णाः॑ । न॒रः॑ । दि॒वः॑ । चि॒त॑ । ये॒षो॑ । वृ॒
 ह॒त॑ । सु॒का॒न्तिः॑ । बो॒ध॒ति॑ । न॒म॒ना॑ । प्रा॒ज॒तः॑ । यं॒ति॑ । धृ॒तु॒या॑ । परि॒ज्मा॒नः॑ । द॒क्ष॒तः॑ । स्त्वा॒नः॑ । र॒थः॑ । न॒
 र॒वा॒ज॒सुः॑ । उ॒त॑ । अ॒ग्ने॑ । न॒त॒ये॑ । स॒वा॒ध॒सः॑ । व॒रा॒त॒ये॑ । अ॒स्मा॒का॒सः॑ । व॒ । सूर॒यः॑ । वि॒श्वाः॑ । अ॒

आदि

लै नो १

शाः। तुरीषणि। अंगिरः। सुतः। सदानः। आ। नर। होतः। विन्व० सहं। शयिं। स्तोत्र० न्यः। सर्वसे। वानः। ॥ ॥
 ॥ जनस्य। गोपाः। अजुनिष्ट। जारुविः। अग्निः। सु० दक्षः। सुविताय। नवसे। दृत० प्रतीकः। दृहता। दिवि० स्थ
 शा। द्यु० मत्। विनाति। नरतेन्यः। शुधिः। यज्ञस्य। केतुं। प्रथमं। पुरः। रहितं। अग्निं। नरः। त्रि० सधस्त्रे। सं। ई
 धिरे। ईश्वरेण। देवैः। सु० रथं। सः। बर्हिषि। सीदत्। नि। होता। यजयाय। सु० क्रतुः। असं० मृष्टः। जायसे। मा।
 त्रोः। शुचिः। मेघः। कविः। उत्। अतिष्ठः। विवस्वतः। दृतेन। वा। अवर्धयन्। अमे। आ० कृत। धूमः। तो। के
 उः। अमवत्। दिवि। स्थितः। अग्निः। नः। यज्ञं। उप। वेत्तु। साधु० या। अग्निं। नरः। वि। नरंते। दृहे० दृहे। अग्नि
 ॥ दूतः। अमवत्। हव्य० वाहनः। अपि। वृणानाः। वृणते। कवि० क्रतुं। उन्म। इदं। अमे। मधुमत्० तमं। व

वः॥ उम्ये॥ मनीषा॥ इयं॥ असु॥ वा॥ हृदे॥ वा॥ गिरः॥ सिंधु॥ इव॥ अवनीः॥ महीः॥ आ॥ एणंति॥ शर्वसा॥ वर्द्धयति॥ वा॥
 वा॥ अग्ने॥ अंगिरसः॥ गृहो॥ हितं॥ अत्र॥ अविंदन्॥ शिश्रियाणं॥ वने॥ ष्वने॥ सः॥ जायसे॥ मय्यमानः॥ सहः॥ म॥
 हत॥ वा॥ आहुः॥ सहसः॥ उत्रं॥ अंगिरः॥ वा॥ प्रा॥ अमये॥ दृहते॥ यक्षियाय॥ कृतस्य॥ वृक्षे॥ असुराय॥ मन्म॥ दृ॥
 तं॥ न॥ यज्ञे॥ आस्ये॥ सु॥ पूतं॥ गिरं॥ नरे॥ दृषनाय॥ प्रतीवां॥ कृतं॥ विकिवः॥ कृतं॥ इत॥ विकिधि॥ कृतस्य॥ धाराः॥
 अत्र॥ वं॥ धि॥ सुवीः॥ न॥ अहं॥ यात्रं॥ सहसा॥ न॥ द्येन॥ कृतं॥ सपा॥ मि॥ असुषस्य॥ वृक्षः॥ कया॥ नः॥ अग्ने॥ कृत॥
 यन्॥ कृतेन॥ उवः॥ नवेदाः॥ अवथस्य॥ नव्यः॥ वेद॥ मे॥ देवः॥ कृत्तु॥ पाः॥ कृतूनां॥ न॥ अहं॥ पतिं॥ सन्निभः॥ अ॥
 स्य॥ रायः॥ के॥ ते॥ अग्ने॥ रिपवे॥ बंधनासः॥ के॥ पायवः॥ सन्निषत॥ द्यु॥ मंतः॥ के॥ धासिं॥ अग्ने॥ अतृतस्य॥

रुम

पांति। के। असंतः। ववसः। संति। गोपाः। सखायः। ते। विष्णुणाः। अग्ने। एते। शिवसः। संतः। अशिवाः। अनुवन्।
 अध्वर्युः। स्वयं। एते। ववः। रमिः। रु० सुयते। वज्रिना नि। क्वंतः। यः। ते। अग्ने। नमसा। यज्ञं। ईदु। कृतं। सः। पा
 ति। अरुषस्य। वल्लः। तस्य। दयः। पृथुः। आ। साधुः। ए० पु० सस्त्रीणस्य। न ऊषस्य। शेषः। ॥ ४ ॥ अर्वतः। वा।
 हवामहे। अर्वतः। सं। इधीमहि। अग्ने। अर्वतः। रुतये। अग्नेः। स्तोमं। मनामहे। सिधे। अद्यादिवि० स्पृशः। दे
 वस्य। इविणस्यवः। अग्निः। ऊषत। नः। गिरः। होता। यः। मातृषे० आ। सः। यक्षत। देव्यं। जनै। वं। अग्ने
 । स० प्रथोः। असि। ऊष्टः। होता। वरेण्यः। वया। यज्ञं। वि। तवते। वां। अग्ने। वाज० सातमे। विप्रः। वक्षति।
 सु० सुतं। सः। नः। रास्व। सु० वीर्यं। अग्ने। नेमिः। अग्रान्। इव। देवान्। वं। परि० नूः। असि। आ। राधः। वि०

। कुंजसे ॥ ५ ॥ अग्निं । स्तोमेन । बोधय । सं । इक्षनः । अमर्त्यं । हव्या । देवेषु । नः । दधत् । तं । अधरेषु । इलेते । दे
 वं । मन्त्रीः । अमर्त्यं । यमिषं । मातुषे । जनो । तं । हि । शम्यतः । इलेते । स्क्रवा । देवं । घृतं । श्रुता । अग्निं । हव्याय ।
 वो । नृवे । अग्निः । जातः । अरोचत । घ्नन् । दस्मन् । ज्योतिषा । तमः । अविदत् । गाः । श्रुपः । स्वरितिस्वः । अग्नि
 । इलेत्यं । कविं । घृतं । पृच्छं । सपर्यतावेत्त । मे । शृण्वत । हवं । अग्निं । घृतेन । वष्टधुः । स्तोमेनिः । विश्वं चर्यणि
 । सु० आधीनिः । वचसु० निः ॥ ६ ॥ प्रावेधसे । कवये । वेद्याय । गिरं । नरे । यज्ञसे । हव्यं । घृतं । प्रसतः ॥
 असुरः । सु० शर्वः । रायः । धृती । धरुणः । वस्वः । अग्निः । क्रुतेन । क्रुतं । धरुणं । क्षरयन्त । यज्ञस्य । शाके । पर
 मे । वि० उमन् । दिवः । धर्मन् । धरुणो । मेदुषः । नृन् । जातैः । अजातान् । अग्नि । ये । ननुक्षुः ॥ अंहः । श्रुवः । त

वेः॥तुवते॥वि॥वयः॥महत्॥उत्तरं॥श्रुयि॥सः॥सं०वर्तः॥नर्व०जातः॥उत्तुयात्॥सिंहं॥न॥ऊर्ध्वं॥अभितः॥परि
 स्तुः॥माताइव॥यत्॥नरसे॥पुष्ट्या॥नः॥जनं०जनं॥क्षयसे॥वर्धसे॥व॥वयः॥श्रवयः॥जुरसे॥यत्॥दक्षनः॥
 एरि॥त्मना॥विभु०रूपः॥जिगासि॥वाजः॥उ॥ते॥रावसः॥पात्र॥अंतं॥उरुं॥दोद्यं॥धरुणं॥देव॥रायः॥पदं
 ॥ना॥तायुः॥गुहा॥दक्षनः॥महः॥राये॥चितयत्॥अत्रिं॥अस्परित्यस्यः॥॥॥॥वृहत्॥वयः॥हि॥नानर्व॥अवी
 देवाय॥अग्रये॥यं॥सिन्धुं॥न॥प्रगस्ति०निः॥मतीसः॥दधिरे॥पुरः॥सः॥हि॥क्षुपनिः॥जनानां॥होता॥दर्श
 स्या॥वाकोः॥वि॥हयं॥अग्निः॥आ॥उषक्॥नगः॥न॥वारं॥रुण्वति॥अस्य॥स्त्रोमे॥मुद्योने॥सरये॥वृद्ध०शो
 विषः॥विष्वा॥यस्मिन्॥उ॥वि०स्वनि॥सं॥अये॥अ०दधुः॥अधा॥हि॥अग्ने॥एषां॥सु०वीर्यस्य॥महत्

ध

त्रिकुण्ड

अमर्त्यः। हव्यामर्त्येभ्यः। रणपतिः। धिताय। मृकण्वारसे। स्वस्य। दक्षस्य। मुहना। इडं। सः। धात्रे। आउषक। स्तो
 ता। वितर। ते। अमर्त्यः। तं। वः। दीर्घायुः। शोविषं। गिरा। ऊवे। मद्योनां। अरिष्टः। येषां। रथः। वि। अश्वपदावन्। ई
 यते। विना। वा। येषां। दीर्घनिः। आसन्। उक्ता। पांति। ये। स्त्री। ली। बहिः। स्वः। शनरे। अवांसि। दक्षिरे। परि। ये। मे।
 पंचाशतं। दुडः। अश्वानां। सुध० सुति। द्यु० मत्। अग्ने। महि। श्ववः। दृहत्। रुधि। मद्योनां। वृषवत्। अमृत। वृणा
 ॥१०॥ अग्नि। अश्व० स्त्राः। प्र। जायंते। प्र। वृत्रेः। वविः। विकेत्। उप० स्ते। माउः। वि। वृष्टे। ऊजुरे। वि। धातयंतः॥
 अग्नि० मिषं। वृक्षं। पांति। आ। दृन्हां। वरं। विविशुः। आ। श्वेत्वेयस्य। जंतवः। द्यु० मत्। वर्धंत। रुष्टयः। निष्क० श्री
 वः। दृहत्० उक्कः। एना। मध्वी। नावाजु० युः। प्रियं। दुग्धं। नाकाम्यं। अजामि। जाम्योः। सवा। घर्मः। नावाज० ज

हरः। अर्द्धः। शश्वतः। दन्तः। कालान्नः। रश्मे। आ। उवा। सं। भस्मना। वायुना। वेर्विद्वान्। ताः। अस्य। सन्।
 धृषजः। न। तिग्माः। सु० संशिताः। वक्ष्यः। वक्षणे० स्थाः॥ १॥ यं। अग्ने। वाजु० सातमाचं। वित्। मन्यसे। रयिं।
 ते। नः। गीः। शनिः। अवाय्यं। देवु० चा। पुन्य। युजं। ये। अग्ने। न। ईरयंति। ते। वृक्षाः। उग्रस्य। शर्वसः। अपादे
 वेषः। अप। करः। अन्य० व्रतस्य। सश्चिरे। होतारं। वा। वृणीमहे। अग्ने। दक्षस्य। साधनं। यज्ञेषु। मूर्ध्नि। गिरा।
 प्रयस्वन्तः॥ हवामहे। इन्द्रा। यथा। ते। जुतये। सहसा० वन्। दिवे० दिवे। राये। रुताय। सुकृतो इति सु० कृतो। गो
 मिः। स्याम। सध० मादः। वीरैः। स्याम। सध० मादः॥ १॥ मनुष्यतः। वा। नि। धीमहि। मनुष्यतः। सं। इधीमहि। अग्ने।
 मनुष्यतः। अंगिरः। वा। हि। मा उषे। जने। अग्ने। सु० प्रीतः। इध्यसे। स्कवः। वा। यंति। आनुषक। सु० जात। स

पिंश्चासुते। वां। विश्वे। सु० जोषसः। देवासः। हुतं। अकृत। सपयंतः। वा। कवे। यजेषु। देवं। इलते। देवं। वः। देव० य
 ज्यया। अग्निं। इलीत। मर्त्यः। सं० इधः। शुक्र। दीदिहि। कृतस्य। योनिं। आ। असदः। सुसस्य। योनिं। आ। अस
 दः॥१३॥ प्र। विश्व० सामन। अत्रि० वत। अर्च। पावक० गोविषे। यः। अध्वरेषु। ईयः। होता। मंडपतमः। विशि।
 नि। अग्निं। ज्ञात० वेदसं। दक्षता। देवं। कविजं। प्रायज्ञः। पुत्र। आउषक्। अद्य। देवव्यवः। रतमः। विकिचितपम
 नसं। वा। देवं। मर्त्यसः। जतये। वरेण्यस्य। ते। अवसः। इयानासः। अमन्महि। अग्ने। विकिधि। अस्य। नः। इ
 दं। देवः। सहस्य। तं। वा। सु० शिष। दं० पते। स्तोमैः। वर्द्धति। अत्रयः। गीः। रनिः। शुभंति। अत्रयः॥१४॥ अग्ने
 । सहंतं। आ। नर। युमस्य। प्र० महा। रयिं। विश्वाः। यः। वर्षणीः। अग्नि। आसा। वाजेषु। सुसहतातं। अग्ने।

दृततापसहं।रयिं।सहस्वः।आ।नर।वं।हि।सत्यः।अर्जुतः।दाता।वाजस्य।गोमतः।विश्वे।हि।वा।सञ्जो
षसः।जनासः।दृक्।वर्हिषः।होतारं।समन्।सु।प्रियं।यंति।वार्या।पुरुसः।हि।स्म।विश्व।चर्षणिः।अग्नि
माति।सहः।देधे।अग्ने।एष।क्षयेष।आ।रवेत्।नः।शुक्र।दीदिहि।ह्रमत्।पावक।दीदिहि॥१५॥ ॥
अग्ने।वं।नः।अन्तमः।उत।त्राता।शिवः।नव।वरुथः।वसु।अग्निः।वसु।अवा।अन्व।नदि।ह्रमत्
तमं।रयिं।दासः।नः।वोधि।श्रुधि।हवं।उरुथः।नः।अयपयुतः।समस्मात्।तं।वा।शोविष।दीदिवः।
सुम्राय।ननं।ईमहे।सखिन्त्यः॥१६॥अन्व।वः।अग्निं।अवसि।देवं।गसि।सः।नः।वसु।रासत्।पुत्रः।
रुपूणा।रुत।वा।पुषति।द्विषः।सः।हि।सच।यं।पुर्वे।वित्।देवासः।चित्।यं।ईधिरे।होतारं।मंद्र

जिह्वा। इतर। सुदति० निः। विना० वसु०। सः। नः। धीती। वरिषया। श्रेष्ठया। वासु० मृत्या। अग्ने। रायः। दिदाहि।
 नः। सुवृत्ति० निः। वरेण्य। अग्निः। देवेषु। राजति। अग्निः। मर्तेषु। आ० विशन्। अग्निः। नः। हव्य० वाहनः।
 अग्निं। धीनिं। सपयत। अग्निः। उविश्रवः। इतमं। उवि० व्रत्माणं। उत्० तमं। असन्नी। अवयत्० परिंति। पुत्रं
 । ददाति। दास्यते॥ १॥ अग्निः। ददाति। सत्० पतिं। सुसाह० यः। युधा। नृ० निः। अग्निः। अत्यं। रघु० स्पृह
 । जेतारं। अपरा० जितं। यत्। बहिष्ठा। तत्। अग्नये। बृहत्। अर्वा। विनावसो इति विना० वसो। महिषी इवावत। स
 यिः। वत्। वाजाः। उत्। ईरात्। तव। द्यु० मन्तः। अर्चयः। आर्वा इवा उच्यते। बृहत्। उत्तो इति। ते। तन्युः। यथा
 । स्वानः। अर्त्तात्मना। दिवः। एव। अग्निं। वसु० यवः। सहसानं। ववदिम। सः। नः। विश्वाः। अति। विषः। पर्व

त्। न्नावा इव। सु० ऋतुः॥१४॥ अग्ने० पावक० रोषिषा० मंडया० देव० जिहया० आ० देवान्। वक्षि० यक्षि० वा० तं० वा०
 । हत० स्तो० इति० हत० स्तो० इमहे० वि० नानो० इति० वि० नानो० स्वः० शृ० नो० देवान्। आ० वी० तये० वह० वी० ति० हो० त्रं०
 वा० कवे० ध्रु० मंतं० सं० इ० धी० महि० अग्ने० वृ० हंतं० अधरे० अग्ने० वि० श्वे० मिः० आ० गृ० हि० दे० वे० मिः० हव्य० दा० तये०
 हो० तारं० वा० वृ० णी० महे० यज० माना० य० सु० वृ० ते० आ० अग्ने० सु० वी० र्या० वि० हा० ॥१५॥ सं० इ० ध्वा० नः० सह० सु० जि० त० अ०
 ग्रे० ध० र्मा० णि० पु० थ० सि० दे० वा० नो० हु० तः० उ० ऋ० ॥ हो० त्र० वा० हं० य० वि० ष्यं० ॥ सु० णी० त० वृ० हिः० आ० स० दे० आ० इ० दं० म०
 सु० तः० अ० श्वि० ना० मि० त्रः० सी० दं० उ० व० रु० णः० दे० वा० सः० स० र्व० या० वि० श्वा० ॥१६॥ अ० र्धः० ॥ ॥ अ० न० र० सं० ता० स० त०
 प० तिः० म० म० हे० मे० गा० वा० चि० ति० षः० अ० सु० रः० म० धो० नः० त्रै० वृ० षः० अ० ग्रे० द० श० निः० सह० स्रै० वै० श्वान० र० वि० अ० रु० णः०

न्य० मि०

दे० वा०

चिकेत। यः। मे। शता। च। विंशतिं। च। गोर्ना। हरी इति। च। युक्ता। सु० धुरा। ददाति। वैश्वानर। सु० सुतः। वृद्ध
 नः। अग्ने। यत्न। त्रि० अरुणा य। शर्मा। एव। ते। अग्ने। सु० मति। चकानः। नविषाय। नवमं। त्रसदस्फः। मे।
 गिरः। उवि० जातस्य। वृषीः। युक्तेन। अग्नि। त्रि० अरुणः। गृणाति। यः। मे। इति। प्र० वोचति। अश्व० मेध
 य। सूरये। ददत्। कृत्वा। सुनि। यते। ददत्। मेधं। कृत० युते। यस्य। मगापुसुषाः। शतं। उत० हर्षयति।
 उरुणः। अश्व० मेधस्य। दानाः। सोमाः। इव। त्रि० आशिरः। इंद्राग्नी इति। शत० दात्रि। अश्व० मेध। सु० वीर्यं
 । कृत्रं। क्षरयते। वृहत्। दिवि। स्तूर्यं। इव। अजरं॥ १॥ सं० इक्षुः। अग्निः। दिवि। शोचिः। अश्व० प्रत्यङ्। उष
 सं। उर्विया। वि। नाति। एति। प्राची। विश्व० वीरा। नमः। शनिः। देवान्। ईलोना। हविषा। वृताची। सं० इध्यमा

यः। २

८

नः। अमृतस्य। राजसि। हविः। कृण्वतं। सवसे। सुस्तये। विष्णं। सः। धुते। इविणं। यं। इर्वसि। आतिथ्यं। अ
 मे। नि। व। धुते। इत्। पुरः। अग्ने। शर्द्ध। मद्गते। सौतगाय। तव। कुन्नानि। उत्तमानि। संतु। सं। ज्ञाः। पत्यं
 सु० यमं। आ। कृणुष्व। शत्रु० युतां। अग्नि। तिष्ठ। महंसि। संपद्दस्य। प्र० महसः। अग्ने। वंदे। तव। श्रियं
 वृषतः। कुम्भ० वार। असि। सं। अध्वरेष्ठ। इध्यसे। संपद्दः। अग्ने। आ० ऊत। देवान्। यक्षि। सु० अध्वरावै
 हि। हव्य० वाट्। असि। आ। ऊहोत। इवस्यत। अग्निं। प्र० यति। अध्वरे। वृणाध्वं। हव्य० वाहनं॥ ११॥ त्री। अ
 यमा। मनुषः। देव० ताता। त्री। रोचना। दिव्या। क्षरयंत। अर्धंति। वा। मरुतः। पुत० दक्षाः। वं। एषां। कृषिः।
 इन्द्र। असि। धीरः। अत्र। यत्। ई। मरुतः। मंदसानं। आर्चन्। इन्द्रं। पपि० वांसं। सुतस्य। आ। अदत्तावज्ञं। अ

नि।यत्।अहिं।हन्।अपः।युक्ताः।असृजन्।सर्तुवे।अंइति।उत।वृत्ताणः।मरुतः।मे।अस्य।इंद्रः।सोमस्य
 ।सु० सुतस्य।पेयाः।तत्।हि।हव्यं।मनुषे।गाः।अविदत्।अहन्।अहिं।पपि० वान्।इंद्रः।अस्य।आत्।रोदसीः
 इति।वि० तं।वि।स्फुभायत्।सं० विद्यानः।वित्।नियसे।मृगं।करितिकः।जिगत्तिं।इंद्रः।अप० जर्गणः।प्र
 ति।असंतं।अर्वा।दानवं।हन्तिहन्।अर्धा।ऊवा।मय्य० वृत्।उभ्यं।देवाः।अर्वा।विष्टे।अदुः।सोम० पेयं।यत्।
 सूर्यस्य।हरितः।पत्तंतीः।पूरः।सतीः।उपराः।पतञ्जो।करितिकः।॥२॥ नव।यत्।अस्य।नवतिं।वा।भोगान्
 ।साकं।वज्रेण।मय्य० वा।वि० वृश्चत्।अद्वंति।इंद्रः।मरुतः।सु० ध० स्ते।त्रैसुभेन।ववसा।बाधताद्यां।सखा।स
 र्व्ये।अपवत्।तयं।अग्निः।अस्य।ऊवा।महिषा।त्री।ज्ञातानि।त्री।साकं।इंद्रः।मनुषः।सरांसि।सुतं।पिबन्।वृ

३० हत्पाय। सोमं। त्री। यत्। श्रुता। महिषाणां। अद्यः। माः। त्री। सरांसि। मध० वा। सोम्या। अर्पाः। कारं। न। विधे
 । अकंत। देवाः। नरं। इंद्रं। यत्। अहिं। जुघान। उशना। यत्। सहस्रैः। अयातं। एहं। इंद्र। जज्जवानेभिः।
 अश्वैः। वचानः। अत्रास० रथं। युयायु। ऊसेन। देवैः। अवनोः। हा। शुभं। प्र। अन्यत्। चक्रं। अष्टहः। सूर्यस्य
 । ऊसाय। अन्यत्। वरिवः। यातवे। अकरित्यकः। अनासः। दस्युः। अष्टणः। वधेन। नि। दुयोणे। अष्टणकः।
 मृध० वाचः। १५॥ स्तोमासः। वा। गौरि० वातेः। अवर्द्धन्। अरंधयः। वेदयिनाय। पिडु। आ। वां। रुजिष्वा।
 सरयाय। चक्रे। पर्वन्। पक्तीः। पं० अपिबः। सोमं। अस्य० नव० वासः। सुत० सोमासाः। इंद्रं। दश० वासः। अ
 नि। अश्वेति। अर्केः। गर्भं। चित्। अर्धं। अपिधान० वतं। चित्। नरा। शत्रुमाना। अर्पा। इन्। कथोइति। उ। ते।

वि-क-प-

३०

परि। वराणि। विद्वान्। वीर्या। मघ० वर। या। वृकथी। या। वोइति। उ। नव्या। कृणवः। प्राविष्ट। प्रा। इतर। अंइति। ता
 । ते। विदयेष। अवाम। एता। विश्वा। वरु० वान्। इंदु। नृरि। अपरिपइतः। जुजुषा। वीर्येण। या। वित। उ। वज्रिन्।
 कृणवः। दधुषान्। नाते। वृत्ता। तविथाः। अस्त्रि। तस्याः। इंदोवत्। क्रियमाण। जुषस्व। या। ते। शविष्ट। नव्याः।
 अकर्म। वस्त्राश्च। मडा। सु० कृता। वसु० युः। रथं। नाधीरः। सु० अर्पाः। अतर्कः। शपा॥ क। स्यः। वीरः। कः। अ
 पुष्पत्। इंदो। सुख० रथं। इयमानं। हरि० न्या। यः। राया। वज्री। सुत० सोमं। इच्छन्। तत्। उर्कः। गंता। उरुपल
 तः। जती। अर्वा। अवचक्षुं। पदं। अस्य। सस्त्रः। उग्रं। निपक्षपतः। अजो। आयं। इच्छन्। अष्टं। अन्यात्। उत।
 ते। मे। आजुः। इंदो। नरः। उबुक्षनाः। अरोमु। प्रउ। वयं। सुते। या। ते। कृतानि। इंदो। ब्रवीम। यानि। नः। उजोषः।

वेदत। अविद्वान्। शृण्वन्। विद्वान्। वहते। अयं। मृद्वन्। सर्वन्। सेनः। स्थिरं। मनः। चक्षुषे। जातः। इन्द्र। वेदि
 । इत। एकः। सुधये। नृयसः। चित्। अश्मानं। चित्। शवसा। दिक्कतः। वि। विदः। गवां। जर्वे। उस्त्रियाणां। पुरः।
 यत्। वं। पुरमः। आ० जनिष्ठाः। पुरा० वति। श्रुत्यं। नाम। विव्रत। अतः। चित्। इन्द्रात्। अतयन्त। देवाः। विष्वा
 ॥ अपः। अजयत्। दास० पत्नीः॥ इह। उभय। इत। एते। मरुतः। सु० शेवाः। अवेति। अकं। सुवन्ति। अंधः। अ
 हि। उहानं। अपः। आ० शयानं। प्र। मायात्रिः। मायिनो। मरुतः। इन्द्रः। वि। सु। मृधः। जुषा। दानं। इवन्। अ
 हन्। गवा। मद्य० वन्। संप्वकानः। अत्र। दासस्य। नमुवेः। शिरः। यत्। अवर्तयः। मनवे। गात्रं। इवन्। सुजं
 । हि। मां। अरुथाः। आत्। इत। इन्द्र। शिरः। दासस्य। नमुवेः। मद्यायन्। अश्मानं। चित्। स्वयं। वर्तमानं। प्र।

धुक्रियां श्वारोदसा इति। मस्तपनीः। स्त्रियः। हि। दासः। आयुधनि। वुके। किं। मा। करत्। अवलाः। अस्य। सि
 नाः। अस्त्यैतः। हि। अर्यात्। उमे इति। अस्य। वेने इति। अथ। अप। प्रा। ऐत्। सुधये। दस्तु। इंदः। सं। अत्र। गाव
 । अत्रितः। अनुवंत्। इह० इह। वसैः। वि० युताः। यत्। आसत्। सं। ताः। इंदः। अस्त्यत्। अस्य। शाकैः। य
 त्। ई। सोमासः। सुषुताः। अमंदत्। २७। यत्। ई। सोमाः। वक्र० धताः। अमंदत्। अरोरवीत्। वृषनः। सदेनेषु।
 पुर० दुरः। पपि० वान्। इंदः। अस्य। उनः। गवां। अददात्। अस्त्रियाणां। नृदं। इदं। रुशमाः। अमे। अक्रत्। गवां
 । ववारि। ददत्। सहस्रा। कृणं० वयस्य। प्र० यत्। मद्यानि। प्रति। अयुनीष्म। व० तमस्य। वृणां। सु० पेनां सं। मा।
 अर्वा। स्तृजंति। अस्तं। गवां। सहस्रैः। रुशमासः। अमे। तीवाः। इंदः। अममंदुः। सुतासः। अक्तोः। वि० उष्टौ। प

रि० तक्मायाः। अठत्। सा। रात्री। परि० तक्मा। या। कृणं० वये। राजनि। रुशमानां। अत्यः। न। वाजी। रघुः। अ
जधंमानः। वक्रः। चवारि। असनत्। सहसा। वतः। सहसं। गवस्य। पुश्वः। प्रति। अयनीश। रुशमेष। अये। व
म्भः। वित्। तमः। पु० वजे। यः। आसीत्। अयस्मयः। तं। अं इति। आदीम। विष्ठाः। ॥ २८ ॥ इन्द्रः। रथाय। प्र० वतं
रुणेति। यं। अधि० अस्मात्। मद्य० वा। वाज० यंतं। युथाइव। पुश्वः। वि। उनेति। गोपाः। अरिष्टः। याति। प्रथ
मः। सिसासन्। आ। प्र। इव। हरि० वः। मा। वि। वेनः। पिशंग० राते। अन्ति। नः। सवस्व। नहि। वत। इन्द्र। वस्यः। अ
नत्। अस्ति। अमेनान्। वित्। जनि० वतः। वकर्ष्य। उत। यत। सहः। सहसः। आ। अजनिष्ट। देदिष्ट। इन्द्रः। इ
न्द्रियाणि। विश्वा। प्र। अवोदयत्। सु० दुषाः। व० प्रवे। अतः। वि। ज्योतिषा। सं० वष्टवत्। तमः। अवरित्यवः। अ

नवः। ते। रथं। अश्वाया। तक्षन्। वधो। वज्रं। उरु० कृत। ध्रु० मंतं। ब्रह्माणः। इंद्रं। मुहयन्। अर्कैः। अवर्धयन्। अह
 ये। हन्तवै। अं इति। वस्त्रे। यत। ते। वषणः। अर्कं। अर्वादि। इंद्रं। यावाणः। अदितिः। सु० जोषाः। अनश्वासः। ये। प
 वयः। अरथाः। इंद्र० इषिताः। अग्नि। अवर्तन्त। दस्मन्। रथाः। प्र। ते। पूर्वाणि। करणानि। वोधं। प्र। हतना। मघ० व
 न्। या। वकर्था। शक्ति० वः। यत। वि० नराः। रोदसी इति। उन्ने इति। जयन्। अपः। मनवे। दातु० विनाः। तत। इ
 त। उ। ते। करणं। दस्म। विप्र। अहिं। यत। घ्नन्। उज्जः। अत्रे। अमिमीयाः। अलस्य। वित्। परि। मायाः। अष्टना
 :। पु० सिधं। यन्। अप। दस्मन्। असेधः। वं। अपः। यदेवे। उर्वशाया। अरमयः। सु० दुद्याः। पुरः। इंद्र। उयं। अ
 यातं। अवहः। हा। ऊसं। सं। हा। यत। वां। उग्राना। अरत्त। देवाः। इन्द्राऊसा। वहमाना। रथेना। आ। वां। अत्याः।

अवि

कलौ। वहुंउ। निगसी। अत० न्यः। धर्मयः। निः। सुध० स्तोत्र। मद्योनः। रुदः। वरयुः। तमोसि। वातस्य। युक्ता।
न। सु० भुजः। वित। अश्वान्। कुविः। त्वित। एषः। अजगुन्। अवस्फः। विश्वे। ते। अत्री। मरुतः। सर्वायः। इन्द्र
। ब्रह्माणि। तविषी। अवर्धन्॥ ३०॥ स्तरः। वितारयं। परि० तक्म्यायां। पूर्वी। कुरुत। उपरं। ह्यजु० वांसं। भरत
चक्रं। एतशः। सं। रिणाति। पुरः। दधत। सनिष्ठति। क्रउं। नः। आ। अयं। जुनाः। अग्नि० चक्षे। जगाम। इन्द्रः।
सर्वायं। सुत० सोमं। इच्छन्। वदन्। यावा। अवा। वेदिं। प्रियाते। यस्य। जीरां। अध्वर्यवः। चरन्ति। ये। वाक
नन्। वाकनन्। उते। मर्ताः। अमृत। मोदति। ते। अहः। आ। अरन्। ववन्धि। यज्मन्। उत। ते। उ। धेहि। उजः।
जनेषु। येषु। ते। स्याम॥ ३१॥ अदहः। असं। अमृजः। वि। खानि। वं। अल्वान्। ववधनान्। अरुन्ताः॥

महात्तं। इन्द्रा पर्वतं। वि। यत्। वरितिवः। सृजः। वि। क्षराः। अर्वा। दानवं। हनिर्तिहन्। वं। उसात्। रुच० निः
 । बुद्धिमान्। अरिः। हः। जर्धः। पर्वतस्य। बुद्धिर्। अहिः। चित्। अग्र। प्र० युतं। शयानं। जघनान्। इन्द्र। तवि
 षी। अर्धुत्वाः। त्वां। स्या। चित्। महत्तः। निः। सुगस्य। वधः। जघान्। तविषीनिः। इन्द्रः। यः। एकः। इत्। अप्रतिः
 । मर्यामान्। आत्। अस्मात्। अत्यः। अजनिष्ट। तद्यात्। त्वां। चित्। एषां। स्वधया। मदंतं। मिहः। नपातं। सु०
 दधं। तमः। शगां। दृष्ट० प्रनर्मा। दानवस्य। नामं। वज्रेण। वज्री। निजघान्। शुक्लं। त्वां। चित्। अस्म्य। रुच० नि
 । नि० संत्रां। अमर्माणाः। निदत्। इत्। अस्या। मर्मा। यत्। ई। सु० दत्तं। प्र० नृता। मदस्य। सुयुसंतं। तमसि। हर्मो।
 क्षः। त्वां। चित्। इत्वा। कृत्यं। जयानं। असूर्ये। तमसि। दृष्टानं। तं। चित्। मंदानः। दृष्टन्। सुतस्य। उच्येः। इन्द्र

३२
 ३:। अ॒प॒ण॒य॒यि॒। अ॒घा॒न॒॥ ^{३२}३॥ उ॒त॒। य॒त॒। इ॒न्द्रः॒। म॒ह॒ते॒। दान॒वा॒ण॒। व॒धः॒। य॒मि॒ष्ट॒। स॒हः॒। अ॒प्र॒ति॒० इ॒त॒ं। य॒त॒। इ॒व
 ज्ञा॒स्य॒। प्र॒० नृ॒तौ॒। द॒दा॒न॒। वि॒श्व॒स्य॒। ज॒न्तोः॒। अ॒ध॒मं॒। च॒का॒रा॒त्। य॒० दि॒त॒। अ॒र्षि॒। म॒धु॒० पं॒। श॒यानं॒। अ॒सि॒वं॒। व॒वं॒। म॒हि
 । ला॒द॒त॒। उ॒यः॒। अ॒पा॒दं॒। अ॒त्रं॒। म॒ह॒ता॒। व॒धे॒न॒। नि॒। दु॒यो॒णे॒। अ॒वृ॒ण॒क॒। मृ॒ध॒० वा॒घं॒। कः॒। अ॒स्य॒। शु॒भं॒। त॒वि॒षी॒॥
 व॒रा॒ते॒। ए॒कः॒। ध॒ना॒। न॒र॒ते॒। अ॒प्र॒ति॒० इ॒तः॒। इ॒मे॒इ॒ति॒। वि॒त॒। अ॒स्य॒। ज्ञा॒य॒सः॒। उ॒। दे॒वी॒इ॒ति॒। इ॒न्द्र॒स्य॒। उ॒ज॒सः॒। नि॒य
 सा॒। जि॒हा॒ते॒इ॒ति॒। नि॒। अ॒स्मै॒। दे॒वी॒। स्व॒० धि॒तिः॒। जि॒हा॒ते॒। इ॒न्द्रा॒य॒। गा॒त्रः॒। उ॒रा॒ती॒इ॒दा॒ये॒मे॒। सं॒। य॒त॒। उ॒जः॒। यु॒व
 ते॒। वि॒श्वं॒। आ॒भिः॒। अ॒त्र॒। स्व॒धा॒० त्रै॒हि॒त॒यः॒॥ न॒म॒त्रा॒ए॒कं॒। उ॒। वा॒। स॒त्॒० प॒ति॒। पं॒च॒० ज॒न्यं॒। ज्ञा॒तं॒। शृ॒णो॒मि॒। य॒श
 सं॒। ज॒ने॒षु॒। तं॒। मे॒। ज॒य॒त्रे॒। आ॒० श॒सः॒। न॒वि॒षं॒। दो॒षा॒। व॒स्त्रोः॒। ह॒व॒मा॒न्तः॒॥ इ॒न्द्रं॒। ए॒वा॒हि॒वां॒। कृ॒तु॒० य॒॥ या॒त

यंतं। मुघा। विप्रेत्यः॥ ददंतं। शृणोमि। किं। ते। वृत्ताणः॥ गृहते। सर्वाद्यदये। वा० या। नि० दधुः॥ कामं। इंदु॥ र
 ३॥ पंचविंशतिमो० ध्मायः॥ व॥ ॥ व॥ ॥ महि। महे। तवसे। दीधो। वृत्। ईजाय। इच्छा। तवसे। अ
 तव्यान्। यः॥ अस्मै। सु० मतिं। वाज० सांतौ। सुतः॥ जने। सु० मयः॥ विकेता। सः॥ वानः॥ इंदु। धियसानः॥ अकैः
 हरीणां। वृषन्। योक्त्रं। अश्रेः॥ याः॥ इच्छा। मय० वृन्। अजोषां। वक्षः॥ अग्नि। प्रा० अर्यः॥ सद्भि। जनान्। न।
 ते। ते। इंदु। अग्नि। अस्मत्। रुधु। अयुक्तासः॥ अवृत्तता। यत्। असन्। तिष्ठ। रथं। अधितां। वृत्त० हस्ता। आ
 । रश्मिं। देव। यमुसे। सु० अश्वः॥ पुंस्यत्। ते। इंदु। सन्नि। उक्ता। गवे। वकथी। उर्वरासु। युध्यान्। ततुक्षे। स
 र्वाय। चित्। अकसि। स्वे। वृषा। समतपः॥ शसस्य। नाम। धित्। वयं। ते। ते। इंदु। ये। वानरः॥ नार्धः॥ जुष्टा।

नाः। याताः। वारथाः। आ। अस्मान्। जगम्यात्। अहिः। शुभ्रः। सखा। नगः। न। हव्यः। प्र० नृये३। वारुः। ॥ १॥
पृष्ठेणं। इन्द्रावेति। हि। उजः। दृक्कानि। च। दृतमानः। अमर्तः। सः। नः। एनी। वसवानः। शयि। दाः। प्र।
अयः। सुषे। उवि० मघस्य। दानं। एव। नः। इन्द्र। अतिपतिः। अव। पाहि। यणतः। शूर। कासूर। उत। वचं। द
दतः। वाजपसातौ। पिप्रीहि। मधः। सु० सुतस्य। चारोः। उत। त्ये। मा। पौरु० ऊर्यस्य। सूरः। नसदस्योः।
हिरणिनः। रराणाः। वहवृभा। दश। श्रेतासः। अस्य। गैरि० क्षितस्य। ऊ० निः। उ। सु० श्रे। मासुत० अ।
श्वस्य। शोणाः। कवा० मघासः। विदुष्यस्य। रातौ। सहस्रा। मे। चवतानः। ददानः। आतृकं। अयः। वषषे।
ना। अर्चत्। ०। धन्यस्य। उषाः। लक्ष्मणस्य। सु० रुवः। यतानाः। मन्ना। रायः। सं० वरणस्य। ऋषेः। वृजं।

न।गावः।प्र०यताः।अपि।गुन्।॥अजातपराङ्मुखा।अजरा।स्वःश्वती।अउ।स्वधा।अमिता।दस्मं।ईयते।सु
 नोतन।पर्वत।वसन्वाहसे।उरु०सुताय।प्र०तरं।दक्षतन।आ।यः।सोमेन।ज्वरं।अपिप्रत।अमदत।
 मय०वा।मधः।अधसः।यत्।ई।मृगाय।हंतवे।महा०वधः।सहस्र०वृष्टिं।जगाना।वधं।यमतायः।अस्मे
 ।धुंसे।उत।वा।यः।रुधनि।सोमं।सुनोति।नवति।क०मात्।अह।अप०अपाशकः।ततउष्टिं।अहति।त
 नू०श्रुं।मय०वा।यः।कव०सखः।यस्या।अवधीत।पितरं।यस्या।मातरं।यस्या।शक्रः।वातरं।ना।अतः।
 ईषते।वेति।इत्।जुंइति।अस्या।प्र०यता।यत०करः।ना।किन्विधात्।ईषते।वस्त्वः।आ०करः।ना।पञ्च०त्रिः।
 दश०त्रिः।वृष्टि।आ०रत्नं।ना।असुवता।सुवते।प्र०यता।चन।जिनाति।वा।इत्।असुया।हति।वा।धुनिः।आ। २५

देव० सु० न० ज० ति० गो० म० ति० वृ० जे० ॥ ३ ॥ वि० व० क्ष० णः॥ सं० क० तौ० च० क० आ० स० ज० अ० स० स० तः॥ वि० ष० णः॥ सु० वृ०
तः॥ इ० धः॥ इ० षः॥ वि० श्व० स्या० द० मि० ता० वि० नी० ष० णः॥ य० थ्या० व० शं० न० य० ति० दा० सं० आ० र्यः॥ सं० इ० प० णे० अ० ज० ति० नो०
ज० नं० सु० षे० वि० दा० अ० षे० न० ज० ति० स्तु० न० रं० व० सु० दुः॥ र० गे० वृ० न० धि० य० ते० वि० श्वः॥ आ० ष० रु० ज० नः॥ यः॥ अ० स्या० त० वि०
षी० अ० वृ० क० ध० त० सं० य० त० ज० नौ० सु० ध० नौ० वि० श्व० ण० श० ष० सौ० अ० वे० त० इ० षः॥ म० ध० वा० गो० ष० अ० त्रि० ष० यु० जे० हि०
अ० न्यं० अ० र्त० त० प्र० प० दे० पु० नी० उ० त० इ० ग० व्यं० सृ० ज० ते० स० र्व० निः॥ धु० निः॥ स० ह० स्तु० सां० आ० श्रि० वे० शिं॥ शृ० णी० षे० रा०
वि० अ० ग्रे० उ० प० मां० के० उं० अ० र्यः॥ त० स्मै० आ० पः॥ सं० य० तः॥ पी० प० य० त० त० स्मि० रा० क्ष० त्रं० अ० म० वृ० त० चे० षं० अ० सु० ॥ ४ ॥
यः॥ ते० सा० धि० षः॥ अ० व० से० इ० षः॥ क० उं० तं० आ० न० रा० अ० स० म० न्यं० ष० ष० णि० स० हं० स० स्ति० वा० जे० ष० दु० स्त० रं० य० त०

इंद्र। ते। वर्त। सः॥ यत्। श्र। म। त्रि। ति। अ॥ यत्। वा। प। ज्वा। क्षि। ती। नां। अ। व॥ तत्। सु। न॥ आ। म। र। आ। ते। अ। व॥ वरे
णं। वृष। न्॥ त। म। स्य। कृ। म। हे। वृष॥ ज्ञ। ति॥ हि। ज। ज्ञि। षे। आ॥ भू। मि॥ इंद्र। उर्व। णि॥ वृष। हि। अ। सि। रा। ध। से। ज। ज्ञि। षे
वृ। स्मि। ते। श। व॥ स्व॥ क्ष। त्रे। ते। वृष। त। म। न॥ स। न्ना॥ हं। इंद्र। पौ। स्यं। वं। तं। इंद्र। म। य्यं। अ। मि। त्र॥ य। त्रं। अ। दि॥ व॥ स
र्व॥ र। था। श। त। कृ। तो। इ। ति। श। त॥ कृ। तो॥ नि। या। हि। श। व। सु॥ प। ते॥ प॥ वां। इ। त। वृ। त्र। हृ। त। त। म। ज। न। स॥ वृ। क्ल॥ व। हि
ष॥ उ। यं। वृ। वी। ष्ठ। वृ। वी। ह। वे। त्रे। वा। ज॥ सा। त। ये। अ। स्मा। कं। इंद्र। उ। स्तरं। उ। र॥ य। वा। नं। आ। जि। ष्ठ। स॥ वा। वा। नं। ध। ने
ध। ने। वा। ज॥ य। त्रं। अ। व। र। थं। अ। स्मा। कं। इंद्र। आ। इ। हि। न॥ र। थं। अ। व। उ। रं॥ ध। स। व। यं। श। वि। ष्ठ। वा। यं। दि। वि। अ। व
॥ द। धी। म। हि। दि। वि। स्त्रो। मं। म। ना। म। हे॥ द॥ स॥ आ। ग। म। त। इंद्र॥ य॥ व। सू। नां। वि। के। त। त। दा। उं। दा। म। न॥ र। थी। णी॥

ध्वं चरः न वंसगः दृषाणः वकुमानः पिवु दुग्धं अंशं आते हृद इति हरि वुः शूर शिपे इति रु
हत् सोमः न पर्वतस्य दृष्टे अवा राजन् अर्वतः न हिवन् गीः शनिः मदम उरु कृत विश्वे चक्रं
न दृत्तं उरु कृत वेपते मनः नियामे अमृते इत अदि वः रथात् अधि वा जरिता सदा दृषा ऊ
वित उ स्तोषत् मघ वन् उरु वसुः एषः यावो इव जरिता ते इन्द्र इयन्ति वार्च दृहत् आशुषाणः
प्र सव्येन मद्य वन् यंसि रायः प्र दक्षिणि हृदि वुः मा वि वेनः दृषा वा दृषणां वर्धु द्यौः दृषा
दृष न्यां वहसे हरि न्यां सः नः दृषा दृष रथः सु शिप्र दृष कृतो इति दृष कृतो दृषा वज्रिन् नरे
ध्वः यः रोहितौ वाजिनौ वाजिनां वान् त्रि निः श्रुतैः सर्वमानौ अदिष्ट यूने सं अस्मै क्षितयः न

मुतां। श्रुत० रथाय। मरुतः। उवः० या॥ ग॥ सं। मनुना। यतते। सूर्यस्य। आ० जलानः। घृत० दृष्टः। सु० अ।
न्वा॥ तस्मै। अष्ट० ध्रुवः। उषसः। वि। उच्चारायः। इंद्राय। सुनवाम। इति। आह। समिद्ध० अग्निः। वनवत। स्त्री० स।
वर्हिः। युक्त० ग्रावा। सुत० सोमः। जराते। आवाणः। यस्य। इषिरां। वदंति। अयं। अध्वर्युः। हविषा। अवा। सि।
धुं। वधः। इयं। पति। इच्छंती। एति। यः। इंद्र। वहाते। महिषी। इषिरां। आ। अस्य। अवस्थातु। रथः। आच। घोषा।
न। उरु। सहस्रा। परि। वर्तयते। न। सः। राजा। मथते। यस्मिन्। इंद्र। तीव्रं। सोमं। पिबति। गो० सखायं।
आ। सुवनैः। अजति। हन्ति। वृत्रं। क्षेति। क्षितीः। सु० नगः। नाम। उषन्। उद्यात्। क्षेम। अनि। योगे। नवाति।
उने। इति। वृत्तौ। संयुता। इति। सं। यती। सं। जयाति। प्रियः। सूर्ये। प्रियः। अग्ना। नवाति। यः। इंद्राय। सुत० सो

कस्य

मः। ददाशत॥८॥ उरोः। ते। इन्द्र। राधसः। वि० न्वा। रातिः। शतक्रतो इति शत० क्रतो। अध० नः। विश्व० वर्ष
णे। द्युम्ना। सु० रुद्र। मंहय। यत। इन्द्र। श्रवाय्यं। इषा। शविषा। दधिषे। पृथये। दीर्घश्रुत० तमं। हिरण्य०
वर्मा। दुस्तरं। शुष्मासः। ये। ते। अदि० वः। मेहना। केत० सायः। उना। देवो। अनिष्टये। दिवः। न्व। गमः। च। रा
ज्यः। उतो इति। नः। अस्य। चित्। दक्षस्य। तव। वृ० हन्। अस्मभ्यं। वृ० हन्। आ। नर० अस्मभ्यं। वृ० मनस्यस्य
। उ। ते। आनिः। अनिष्टि० तिः। तव। शर्मन्। शतक्रतो इति शत० क्रतो। इन्द्र। स्याम। सु० गोपाः। शूर। स्या।
म। सु० गोपाः॥९॥ यत। इन्द्र। चित्र। मेहना। अस्मि। वा० दाते। अदि० वः। राधः। तत। नः। विदवसो इति
विदत० वसो। उन्नयो हस्ति। आ। नरा। यत। मन्यसे। वरेण्यं। इन्द्र। द्यु० हन्। तत। आ। नरा। विद्याम। तस्य। ते

वयं। अरूयारस्य। दावने। यत्। ते। दिशु। प्र० राध्यं। मनः। अस्ति। श्रुतं। वृहत्। तेन। वृत्ता। वित्। अदि० वः। आ।
 वाजं। दधि। मातये। मंहिष्ठं। वः। मद्योनां। राजानं। वर्षणीनां। इंदं। उप। प्र० शस्त्रेये। पुवीनिः। जुजुषे। गिरः।
 अस्मै। इत्। कामं। ववः। उक्तं। इंदोय। शंस्यं। तस्मै। अं इति। वत्स० वाहसे। गिरः। वदंति। अत्रयः। गिरः। शुभ्रं
 ति। अत्रयः॥ १०॥ आ। याहि। अदि० निः। सुतं। सोमं। सोमपुपुत्। पिव। वृषन्। इंद। वृष० निः। वृत्रहन्० तम्।
 वृषा। यावा। वृषा। मदः। वृषा। सोमः। अयं। सुतः। ०। वृषा। वा। वृषणं। ऊवे। वज्रिन। वित्रानिः। ऊति० निः।
 ०। ऊजीषी। वज्रा। वृषन्ः। उरुषाद्। शुभ्री। राजा। वृ० हा। सोमपुपावा। युक्ता। हरि० न्यां। उप। यासुत।
 अवाङ्। माध्यंदिने। सर्वने। मसुत। इंदः। यत्। वा। सूर्य। स्वः। शत्रुः। तमसा। अविध्यत। आसुरः। अक्षेत्र०

वित्। यथा। सुग्धः। सुवमानि। अदीक्षुः॥१॥ स्वः। शनानोः। अध। यत्। इन्द्र। मायाः। अवः। दिवः। वर्तमाना
 :। अवुण्णहन्। सुहन्। सूर्ये। तमसा। अपवृतेन। उरीयेण। वसन्। अविद्वत्। अत्रिः। मा। मां। इमं। तव
 । सत्तं। अत्रे। इरस्या। सुग्धः। निवसा। नि। गारात्। वं। मित्रः। असि। सत्य० राक्षः। तो। मा। इह। अवतं। वरु
 णः। ध। राजा। गार्हः। वृत्ता। युयुजानः। सपर्यन्। किरीणा। देवान्। नमसा। उप० विद्वन्। अत्रिः। सूर्यस्यादि
 वि। चक्षुः। आ। अक्षत। स्वः। शनानोः। अप। मायाः। अबुद्धत। यं। वै। सूर्ये। अत्रयः। तं। अत्रे। अविद्वन्। न
 हि। अन्ये। अशकुवन्॥२॥ कः। उ। वां। मित्रावरुणे। कृत० यन्। दिवः। वा। महः। पार्थिवस्यावा। दे। कृतस्य
 । वा। सदसि। त्रासायां। नः। यज्ञ० यते। वा। पशुणसः। न। वाजान्। ते० जुषत। नमः० शनिः। वा। दधते। सु०

स्वनाउ३

वा० यो० दधते० सु० वृत्तिं० स्तोमं० रुशय० मी० नृषे० सु० जोषाः० आ० वा० येषा० अ० शिना० ऊ० वा० ध्ये० वा० तस्य० प० त्म
 म्० र० ण्यस्य० उ० षे० उ० त० वा० दिवः० असु० राय० म० न्न० प्र० अ० भ्यो० सि० इ० व० य० ज्य० वे० न० र० धुं० प्र० स० रू० णः० दि० वः० क
 ण्व० हो० ता० वि० तः० दि० वः० सु० जो० षाः० वा० तः० अ० मिः० शु० षा० न० र्गः० दु० नृ० षे० वि० श्व० नो० जाः० आ० जिं० न० ज० सुः॥
 आ० श्व० श्व० त० माः० प्र० वः० र० यिं० यु० क्त० अ० श्वं० न० र० धुं० रा० यः० ए० षे० अ० व० से० द० धी० त० धीः० सु० शी० वः० ए० वैः० अ०
 वि० ज० स्य० हो० ता० ये० वः० ए० वाः० म० रु० तः० उ० रा० णां॥ १२॥ प्र० वः० वा० सुं० र० ण्य० यु० जं० रु० णु० धुं० प्र० दे० वं० वि० षं० पु० नि
 ता० रं० अ० कैः० इ० शु० ध० वः० रु० त० सा० पः० पु० रं० धीः० व० स्त्रीः० नः० अ० त्र० प० नीः० आ० धि० ये० धु० रि० ति० धुः० ने० व० द्यो० निः
 शू० षेः० प्र० य० क्तो० इ० ति० दि० वः० वि० त० य० त० निः० अ० कैः० उ० ष० सा० न० क्ता० वि० दु० षी० इ० वे० ति० वि० दु० षी० इ० वा० वि० श्वं० आ० हा०

वहतः। मर्त्याय। यज्ञः। अग्निः। वः। अर्धोपोष्ठा० वतः। दन्। वास्तोः। पतिः। वष्टरं। रराणः। धन्या। सु० जोषा
 ॥ धिषणा॥ नमः॥ शनिः॥ वनस्पतीन्। उषधीः। रायः। एषे। उजे। नः। तने। पर्वताः। संतु। स्व० एतवः। ये। वसवः।
 न। वीराः। पुनितः। आत्यः। यजतः। सदा। नः। वर्धात। नः। शंसं। नर्यः। अग्निष्टौ। वृक्षः। अस्तोषि। नृम्यस्य। ग
 नी० वितः। नपातं। अपां। सु० वृक्ति। टणीते। अग्निः। एतर्गिन। शूषेः। शोधिः॥ शकेशाः॥ नि। रिणाति। वना॥
 १४॥ अर्धः॥ ॥ कथा। महे। रुडियाय। ब्रवाम्। कत। राये। विकिउषे। नगाय। आपः। उषधीः। उ
 त। नः। अवतु। द्यौः॥ वना। गिरयः॥ वृक्ष० केशाः॥ शृणोउ। नः॥ अर्जो। पतिः। गिरः। सः। नत्तः। तरियात्
 । इषिरः। परि० ज्मा। शृण्वन्तु। आपः। उरः। न। शुभ्राः। परि। स्तवः। ब्रह्माणस्य। अर्धः॥ विद। धित। उ।

म॒हा॒तः॑।ये।वः॑।ए॒वाः॑।ब्र॒वा॒म।द॒स्माः॑।वा॒र्य॑।द॒क्ष॒नाः॑।व॒यः॑।च॒न।सु॒न्वः॑।आ॒।अ॒व॒।यं॒ति।कु॒ना।म॒र्त॑।अ॒व
 ०॒य॒तं।व॒ध॒०॒स्तेः॑।आ॒।दे॒व्या॒नि।पा॒रि॒वा॒नि।ज॒न्म।अ॒पः॑।व॒।अ॒व॒।सु॒०॒म॒खा॒य।वो॒वं।व॒र्ध॒तां।घो॒वः॑।गि॒रः॑।च
 ०॒अ॒ग्राः॑।उ॒दा।व॒र्ध॒तां।अ॒नि॒०॒सा॒ताः॑।अ॒र्माः॑।प॒दे॒०॒प॒दे॒।मे।ज॒रि॒मा॒।नि।ध॒यि॒।व॒सू॒त्री।वा॒।वा॒क्रा॒।या।
 पा॒यु॒०॒निः॑।व॒।सि॒स॒क्त॒।मा॒ता।म॒ही।र॒सा॒।नः॑।स्म॒त॒।सू॒रि॒०॒निः॑।रु॒जु॒०॒ह॒स्ता॒।रु॒जु॒०॒व॒निः॑॥१५॥क॒था॒।दा
 शे॒म।न॒म॒सा॒।सु॒०॒दा॒र॒न्।ए॒व॒०॒या।म॒रु॒तः॑।अ॒व॒०॒उ॒क्तौ।प्र॒०॒अ॒व॒सः॑।म॒रु॒तः॑।अ॒व॒०॒उ॒क्तौ।मा॒।नः॑।अ॒हि
 ॥बु॒ध्नः॑।रि॒षे।क्ष॒त॒।अ॒स्मा॒कं।नू॒त॒।उ॒प॒मा॒ति॒०॒व॒निः॑।इ॒ति॒।वि॒त॒।सु॒।प्र॒०॒जा॒यै।प॒शु॒०॒म॒त्यै।दे॒वा॒सः॑।व॒न
 ते॒।म॒र्त्यः॑।वः॑।आ॒।दे॒वा॒सः॑।व॒न॒ते॒।म॒र्त्यः॑।वः॑।आ॒।दे॒वा॒सः॑।व॒न॒ते॒।म॒र्त्यः॑।वः॑।अ॒त्र॒।शि॒वां॒।त॒र्वः॑।क्ष॒सिं॒ २०

अस्याः। जरां। धिर। मे। निः। शक्तिः। जयसीत। तां। वः। देवाः। सु० मतिः। जर्जयंती। इषां। अत्रणम। वसवः।
। रासा। गोः। सा। नः। सु० दातुः। मृजयन्ती। देवा। प्रति। इवन्ती। सुविताय। गम्याः। अनि। नः। इत्ता। यूथस्य
। माता। स्मर। नदीनिः। उर्वशी। वा। शृणातु। उर्वशी। वा। दृहत्० दिवा। शृणाना। अति० जएवनि। प्र० नृ।
यस्य। आयोः। सिसृक्तु। नः। जर्जयस्य। पुष्टेः॥१६॥ प्राश० तमा। वरुणं। दीधिता। गीः। मित्रं। नगं। अ
दिति। तनं। अरुपाः। दृषत्० योनिः। पञ्च० होता। शृणोतु। अर्त० पंथाः। असुरः। मयः। शत्रुः। प्रति। मे।
स्त्रोमं। अदितिः। जयन्ती। सु० शोवां। वस। प्रियं। देव० हितं। यत। अस्ति। अहं। मि
त्रे। वरुणो। यत। मयः। शत्रु। उत। ईश्या। कवि० तमं। कवीनां। उनत्। एनं। अनि। मधो। दृतेन। सः। नः। व

सृनि। प्र० यता। हितानि। वृक्षाणि। देवः। सविता। सुवाति। सं। इंदु। नः। मनसा। नेषि। गोतिः। सं। सुरि० निः।
 हरि० वः। सं। स्वस्ति। सं। व्रतणा। देव० हितं। यत्। अस्ति। सं। देवानां। सु० मत्या। यज्ञियां। देवः। नर्गः।
 सविना। रायः। अंगः। इंदः। वृत्रस्य। सं० जितः। धनानां। क्रुद्धाः। वाजः। उत। वा। उरं० धिः। अवबु। नः।
 अष्टतासः। उरासः। १७॥ मरुवतः। अप्रति० दतस्य। जिह्मोः। अक्षयतः। प्र। वृवाम। दृतानि। नाते। प्रवे
 । मद्य० वृत्तः। अपरासः। नावीर्यं। वृत्तनः। कः। वृत्तः। आप। उप। सुहि। प्रथमं। रत्न० धेयं। वृहस्पतिः। सु
 नितारं। धनानां। यः। शंसते। सुवते। शं० नविषः। वरु० वसुः। आ० गमत्। जोऊवानं। तव। अति० नि
 ॥ सर्वमानाः। अरिष्टाः। वृहस्पते। मद्य० वानः। सु० वीराः। ये। अश्व० दाः। उत। वा। संति। गो० दाः। ये।

वसुन्दाः। सुनगाः। तेऽरायः। विपुसर्माणा। कृणुहि। विहं। एषां। ये। उच्यते। अष्टातः। नः। उक्तेः। अप
 पवताम्। प्रसवे। वष्टक्षान्। वलपद्विषः। सूर्याति। यवयुस्त्रयः। उहते। रुक्षसः। देववीतौ। अवक्रेनि। तां
 मसुतः। नि। यात। यः। वः। शर्मो। शशमानस्ये। निदत्त। उच्यते। कामान्। करते। सिस्विदानः। ॥ १५ ॥ तं
 जंघति। सुहि। यः। सु० दुष्टः। सु० धवो। यः। विश्वस्य। क्षयति। नेषजस्य। यक्ष। मेहे। सोमनसाया। रुद्रा
 नमः। इतिः। देवं। असुरं। दुवस्य। दध्नसः। अपसः। ये। सु० हस्ताः। वृक्षः। पत्नीः। नद्यः। विवृणुतथाः। स
 रस्वती। वृहत्पदिवा। उत। राका। दशस्यत्रीः। वरिवस्युत्तु। शुत्राः। प्र। स। महे। सु० शरणाय। मेक्षं। गि
 रं। नरे। नद्यसी। जायमानां। यः। आहनाः। दुहिउः। वृक्षणासु। रूपा। मितानः। अक्षणेत्। इहानः। प्र।

सु० सुतिः॥ सुनयनं॥ सुवर्त॥ इलः॥ पतिं॥ जुरितः॥ नूनं॥ अरुणः॥ यः॥ अदि० मान॥ उदनि० मान॥ इयति० प्र॥ वि
 ॥ कता॥ रोदसु॥ इति॥ उक्षमाणः॥ एषः॥ स्तोमः॥ मारुतं॥ गार्धः॥ अर्वा॥ रुद्रस्य॥ सुत॥ सुवत्स॥ अत॥ अरुण
 ॥ कामः॥ राये॥ हवते॥ मा॥ सुस्ति॥ उप॥ सुहि॥ एष॥ अश्वा॥ अयामः॥ प्र॥ एषः॥ स्तोमः॥ एधि० वी॥ अंत
 वि० वन॥ स्याता॥ उषधीः॥ राये॥ अरुणः॥ देवः॥ इदेवः॥ सु० हवः॥ नू० उ॥ म० मा॥ नः॥ माता॥ एधि० शी॥ उः॥ शम
 तौ॥ क्षत॥ उरौ॥ देवाः॥ अनि० बाधे॥ स्याम॥ सं॥ अश्विनोः॥ अवसा॥ रते॥ नेन॥ मयुः॥ शु० वी॥ सु० प्र० नी० ती॥ गु
 म॥ अ॥ नः॥ रयि॥ बृह० तं॥ आ॥ अत॥ वी० रा॥ अ॥ विश्वानि॥ अष्ट॥ सौ० न० गानि॥ ॥ १॥ ॥ आ॥ धे० न० वः॥ य
 यसा॥ रु० मि० अ० र्थाः॥ अ० म० र्ध० ती॥ उप॥ नः॥ य० वृ॥ म० ध० म० हः॥ गु० ये॥ वृ० ह० तीः॥ सु० म॥ वि० प्रः॥ म० युः॥ शु० वः॥ ॥ २॥

ज॒रि॒ता। ज॒ह॒वी॒ति। आ॒सु॒० सु॒ती। न॒म॒सा। व॒र॒य॒ध्वे। द्या॒वा। वा॒जा॒य। इ॒ष्टि॒वी॒इति। अ॒मृ॒धे॒इति। पि॒ता। मा॒ता।
 म॒धु॒० व॒वाः। सु॒० ह॒स्ता। न॒रे॒० न॒रे। नः। य॒वा॒सौ। अ॒वि॒ष्टां। अ॒ध्व॒य॒वः। व॒सु॒० वा॒ंसः। म॒ध॒नि। प्र॒वा॒य॒वे। न॒रु॒
 त॒। वा॒सु॒०। अ॒क्रं॒। हो॒ता॒इ॒वा॒नः। प्र॒थ॒मः। पा॒हि। अ॒स्य॒। दे॒व॒। म॒ध्वः। र॒रि॒म॒। ते॒। म॒दा॒य॒। द॒श॒। क्षि॒पः। सु॒ज्ज॒ते॒
 । वा॒सु॒इति। अ॒दि॒। सो॒म॒स्य॒। द्या॒। श॒मि॒ता॒रा॒। सु॒० ह॒स्ता। म॒ध्वः। र॒सं॒। सु॒० ग॒न॒स्ति॒। गि॒रि॒० स्त्वां॒। व॒नि॒श्च॒द॒त॒। दु॒
 दु॒हे॒। अ॒क्रं॒। अ॒ंशुः॒। अ॒सा॒वि॒ते॒। ज॒ज॒षा॒णाय॒। सो॒मः॒। ऋ॒वे॒। द॒क्षा॒य॒। वृ॒ह॒ते॒। म॒दा॒य॒। ह॒री॒इति॒। र॒थे॒। सु॒० धु॒
 र॒म॒यो॒गे॒। अ॒र्वा॒क॒। इ॒न्द्र॒। प्रि॒या॒। क्ष॒ण॒हि॒। क॒य॒मा॒नः॒॥ १०॥ आ॒॒नः॒। म॒ही॒। अ॒र॒म॒तिं॒। सु॒० जो॒षाः॒। द्या॒। दे॒वा॒।
 न॒म॒सा॒। रा॒त॒० ह॒व्यां॒। म॒ध्वे॒। म॒दा॒य॒। वृ॒ह॒ती॒। क॒त॒० ज्ञां॒। आ॒। अ॒मे॒। व॒ह॒। प॒थि॒० तिः॒। दे॒व॒प॒यानैः॒। अ॒ज्जे॒ति॒॥

यं प्रथयन्तः॥ न विद्याः॥ वपा० वंत्त॥ न॥ अग्निना॥ तपन्तः॥ पित्रः॥ न॥ पुत्रः॥ उपसि॥ प्रेषः॥ आ॥ घर्मः॥ अग्नि॥ क्र
 तयन्॥ असादि॥ अर्च॥ मही॥ दृहती॥ शं० तमा॥ गीः॥ द्रुतः॥ न॥ गुं॥ अश्विना॥ ऊवधै॥ मयः॥ उवा॥ सु० रथा
 ॥ आ॥ यातं॥ अर्वाक॥ गुत्तं॥ नि० धिं॥ धुरं॥ आणिः॥ न॥ नानि॥ प्र॥ तव्यसः॥ नर्मः॥ उक्तिं॥ उरस्य॥ अहं॥ सुस्तः॥
 उत॥ वायोः॥ अदिक्षि॥ या॥ राधसा॥ वोदिता॥ मतीना॥ या॥ वाजस्य॥ द्रविण॥ द्यौ॥ उत॥ त्मन्॥ आ॥ नाम
 ० निः॥ मरुतः॥ वृद्धि॥ विश्वान्॥ आ॥ रूपेर्निः॥ जात० वेदः॥ ऊवानः॥ यज्ञं॥ गिरः॥ जग्निः॥ सु० सुति॥ वा॥
 विश्वे॥ गन्त॥ मरुतः॥ विश्वे॥ ऊती॥ ॥ १॥ आनः॥ दिवः॥ दृहतः॥ पर्वतात्॥ आ॥ सरस्वती॥ यजुता॥ गुत्त॥ यज्ञं
 ॥ हवं॥ देवी॥ ऊजुषाणा॥ दृतावी॥ शम्भो॥ नः॥ वाचं॥ उगती॥ शृणो॥ आ॥ वेधसं॥ नील० पृष्ठं॥ दृहन्तं॥ दृ

हस्पतिः। सदनः। सादयध्वः। सादतपयोनिः। दमे। आ। दीदि० वांसो हिरण्य० वल्ली० असुषं। सयेम। आ। ध
 र्मासिः। दृहत० दिवः। रराणः। विश्वेनिः। गुंतु। उम० निः। ऊवानः। आः। वसानः। उषधीः। असृधः। निक्ष
 उ० शृङ्गः। दृषतः। वयः० श्वाः०। युक्ते। आयोः। विष्णुवः। रास्त्रिरासः। अगमन्। सु० श्रेयं। नमसा। रा
 त० हव्याः। विश्वं। मृजन्ति। आयवः। नावासे। दृहत० वयः। दृहते। उभयं। अग्ने। धिया० ऊरः। मिथुना
 सः। सचन्त०। ॥ १२॥ तं। प्रन० या। सुर्व० या। विश्व० या। इम० या। ज्येष्ठ० तातिं। बृहि० सदां। स्वः० विदं।
 प्रतीचीनं। दृजनं। दोहमे। गिरा। आशुं। जयन्तं। अत्रु। यासु। वर्धस। श्रिये। सु० दृवाः। उपरसायाः। स्व
 ॥ वि० रोचमानः। ककुभां। अचोदते। सु० गोपाः। असि। न। दनाय। सुक्रतो इति सु० क्रतो। परः। माया

देवो देवः०

निः। कृते। आस। नाम। ते। अत्यं। हविः। सुवते। सत्। वा। भव। वा। अरिष्टं। गात्रः। सः। होता। सहः। अनरिः। पु०
सर्माणिः। अर्च। बर्हिः। दृषा। शिशुः। मध्ये। सुवा। अजरः। वि० सुहा। हितः। प्र। वः। एते। सु० युजः। यामन। इ
ष्टये। नीवाः। अशुभै। युम्यः। कृत० दृधः। सुयत्न० निः। सर्व० शासेः। अनीशु० निः। किविः। नामानि। प्रव।
णे। सुषायति। सं० जर्जराणः। तरु० निः। सुते० गृभं। वय्या किमो वित्त० गर्भासु। सु० स्वरुः। क्षरपवा केशु
। कुजु० गाथ। गोत्रसे। वर्धस्व। पत्नीः। अनि। जीवः। अधरे। रश। यादक्। एव। ददृशो। तादक्। उव्यते। सां
वायया। दक्षिण। सिधया। अ० सु। आ। मही। अस्मभ्यं। उरु० सां। उरु। ज्ञयः। ददत्। सु० वीरा। अनप० क
तं। सहः। वेति। अशुः। जनि० वान्। वै। अति। स्थधः। स० मर्यता। मनसा। स्तयः। कविः। घुंसं। रक्षंतं। परि।

२४

विश्वतः। गयं। अस्माकं। वाम्। वनवत्। स्व० वसुः। ज्ञायामं। अस्म। यजुतस्य। केतना। कृषि० स्वरं। वरति। या
सु। नामाति। यादृक्मित्रं। क्षयि। तं। अपस्यया। विदत्। यः। जंइति। स्वयं। वहते। सः। अरं। करत। सुषुषं। आ।
सां। अव। तस्ते। अग्निमा। न। रिष्टति। सर्वनं। यस्मिन्। आ० यता। अत्रो। न। हादि। कवणस्य। रेजते। यत्र।
मतिः। विद्यते। श्रुत० बंधनी। सः। हि। क्षत्रस्य। मनसस्य। चिति० निः। एवुषवदस्य। यजुतस्य। मधेः। अवे० सा
रस्य। स्थण्वाम। रण्व० निः। शविष्ठां। वाजं। विडुषा। चित्। अर्धं। रथा। उपेनः। आसा। अदितिः। कृद्व्यः। म
दः। विश्व० वारस्य। यजुतस्य। मायिनः। सं। अन्यं० अन्यं। अय्यति। एतवे। विडुः। विमानं। परि० पानं। अ
त्रि। ते। सदापष्टाः। यजुतः। वि। विषः। वधीत। वाज० वृक्तः। अत० वित्। तयः। वं। सर्वा। उना। सः। वरा।

प्रति। एति। नानि। व। यत्। ईगणं। न जने। सुप्रयाव० तिः। सुतं० नरः। यजमानस्य। सत्० पतिः। विश्वो मां।
 नधः। सः। धियां। उत० अश्वनः। नरत्। धेवः। रस० वत्। शिष्ये। पयः। अत० कृवाणः। अधि। एति। नास्व
 पत्नयः। जागार० तं। रुवः। कामयुते। यः। जागार० तं। जेइति। सामानि। यन्ति। यः। जागार० तं। अयं। साम
 :। आह। तव। अहं। अस्मि। सख्ये। नि० उकाः। अग्निः। जागार० ॥ २५ ॥ विद्वाः। दिवः। वि० स्पन्। अदिः।
 उक्तेः। आपयत्याः। उषसः। अर्विनः। युः। अप। अष्टत। इजिनीः। उत। स्वे। गात्। वि। डरेः। माउषीः। देवः।
 आवरित्यावः। वि। सूर्यः। अमति। न। श्रियं। सात्। आ। न्वीत्। गवो। माता। जानती। गात्। धव० अर्लसः।
 नयः। स्वादः। अर्णाः। स्तूणा इव। सु० मित्याता। दृहत्। द्यौः। अस्मै। उक्ताये। पर्वतस्य। गर्तः। महीनां। ज

उर्षे। पूर्याय। वि। पर्वतः। जिहीत। साधत। द्यौः। आ० विवांसः॥ तः॥ दसयत्त। नृम। सु० उक्तेनिः॥ वः॥ वचः॥ रनिः॥
 देव० जंष्टैः॥ इन्द्रो॥ उ॥ अग्नी इति॥ अवसे। ऊवधे॥ उक्तेनिः॥ हि॥ स्म। कवयः॥ सु० यज्ञाः॥ आ० विवांसतः॥
 मरुतः॥ यजंति। एतो इति॥ उ॥ अथ। सु० ध्वः॥ नवाम। प्र। दुबुनाः॥ मिनवाम। वरीयः॥ आरे। देषांसि। सुउत
 ॥ दक्षम। अयाम। प्राच्वः॥ यजमानं॥ अच्वे॥ ॥ २६॥ आ॥ इत। धियं। कृणवाम। सुखायुः॥ अप। या। माता। कृ
 णुत। उजं। गोः॥ यया। मउः॥ विशि० शिप्रं। जिगाय। ययो। वृणिकु। वंऊः॥ आप। उरीषं। अन्नोत। अ।
 त्रे। हस्त० यतः॥ अदिः॥ अर्चन्। येन। दना। मासः॥ नव० आ॥ कृते। यती। सरमो। गाः॥ अविदुत। विष्वा नि
 । सत्या। अंशिरा॥ वकार। विष्टे॥ अस्याः॥ वि० उषि। माहिनायाः॥ सायत। गोतिः॥ अंगिरसः॥ नवत। उ

मः॥ आसा। पुरमे। सध० स्वे। कृतस्य। पथा। सरमा। विदत। गाः॥ आ। सूर्यः॥ या३। सप्त० अश्वः॥ क्षेत्रे। यत्। अ
 स्य। उर्विया। दीर्घ० या३। रबुः॥ अपेनः॥ पतयन्। अन्धः॥ अर्च। युवा। कविः॥ दीदयत्। गो३। ग३न्। आ। सूर्यः
 । असुहृन्। शुक्र० अर्षः॥ अयुक्त। यत्। हरितः॥ वीत० पृश्नाः॥ उज्जान। नावो। अनयत्। धीराः॥ आ० शृण्वती
 । आपः॥ अर्वाक। अतिष्ठन्। धियं। वः॥ अ३० सु। दधिषे। स्वः। रसा। ययाः॥ अतरन्। दशमासः॥ नव० या
 । अया। धिया। स्माम। देव० गोपाः॥ अया। धिया। उ३यामि। अति। अहः॥ १७॥ हयः॥ न। विधान। असु
 जि। स्वयं। धुरि। तां। हवामि। प्रवतरणी। अवस्फवं। न। अस्याः। वग्निम। वि० कुवं। न। आ० हर्त। उनेः॥ विधा
 न। पथः॥ उरः॥ रणता। रुद्रा। नेषति। अग्ने० इन्द्र। वरुण। मित्र। देवाः॥ नार्धः॥ प्रायत्। मारुत। उत। विलो३

ति। उमा। नासत्या। रुद्रः। अधः। आः। पुषा। नगः। सरस्वती। जुषत। इन्द्राग्नी इति। मित्रावरुणा। अदिति
 । स्व। रितिस्वः। पृथिवी। द्यां। मरुतः। पर्वतान्। अपः। ऊवे। विष्णुं। पुषणं। ब्रह्मणः। पतिं। नगं। उ। शंसं
 । सवितारं। नूतये। उत। न॥ विष्णुः। उत। वातः। अस्मिधः। इविणः। श्वाः। उत। सोमः। मयः। करत। उत।
 रुतवः। उत। राये। नः। अश्विना। उत। चष्टा। उत। वि०न्वा। अत्र। मंसते। उत। त्यर। नः। मारुतं। शर्धः। आ
 । गमत्। दिवि०द्रुयं। यजुतं। बर्हिः। आ० सदे। वृहस्पतिः। शमी। पुषा। उत। न॥ यमत्। वरुथ्यं। वरुण
 । मित्रः। अर्यमा। उत। त्ये। नः। पर्वतासः। सु०शस्तयः। सु०दीतयः। नद्यः। शर्मणे। उवन्। नगः। वि०
 भक्ता। शर्वसा। अर्वसा। आ० गमत्। उरु० व्यर्वाः। अदितिः। ओ३। मे। हवें। देवानां। पत्नीः। उ०शतीः। अ

धनुः। नः। प्र। अवनुः। उजये। वाजं। सातये। याः। पार्थिवासः। याः। अपां। अपि। वृते। ताः। नः। देवीः। सु० हवा
 । शर्मा। यत्नत। उत्त। ग्राः। व्यनु। देव० पत्नीः। इन्द्राणी। अमाया। अश्विनी। राट्। आ। रोदसी इति। वरुणा
 नी। शृणोउ। व्यंउ। देवीः। यः। कुतः। जनीनी॥ २७॥ षड्विंशतिमोक्षायः॥ २८॥ ॥ ३॥ प्र० सु० ज्ञेती। दिवः
 । एति। क्वाणा। मही। माता। पुहिउः। बोधयन्त्री। आ० विवासंती। युवतिः। मनीषा। पिट० न्यः। आ। सद
 ने। जोजवाना। अजिरासः। तत० अपः। इयमानाः। आतस्त्रि० वांसः। अष्टतस्य। नाभिः। अनन्तासः। उर
 वः। विश्वतः। सी। परि। यावाष्टिबी इति। यन्त्रि। पन्थाः। उक्षा। सप्तद्वः। अरुषः। सु० पुर्लः। पूर्वस्य। योनि
 । पिउः। आ। विवेना। मध्ये। दिवः। नि० हितः। पृश्निः। अश्वमा। वि० चक्रमे। रजसः। पाति। अन्नौ। चवारः।

ई० वि० त्रि० । हेम० त्रि० । द० । ग० । चर० से० । क्ष० प्र० य० त्रि० । त्रि० । धा० त० वः । प० र० माः । अ० स्य० । गा० वः । दि० वः । च० रं० ति० । प० रि०
 । स० द्यः । अ० त्रि० नः । इ० दं० । व० उः । नि० । व० व० नं० । जु० ना० सः । च० र० त्रि० । य० त० । न० द्यः । त० सु० । आ० पः । दि० इ० ति० । य० त० । ई० वि० नृ०
 तः । मा० उः । अ० न्ये० इति० । इ० ह० । इ० ह० । जा० ते० इति० । य० म्या० । स० र्व० भू० इति० स० व० न्स्व० । वि० । त० व० ते० । धि० यः । अ० स्मे० । अ० यो० ।
 सि० । व० स्त्रा० । पु० त्रा० य० । मा० त० रः । व० य० त्रि० । उ० प० । प्र० क्षे० । वृ० ष० णः । आ० द० मा० नाः । दि० वः । प० य्या० । व० धः । यं० ति० । अ० च० । त०
 त् । अ० सु० । मि० त्रा० व० रु० णा० । त० त० । अ० ग्रे० । त्रा० । योः । अ० स्म० न्यं० । इ० दं० । अ० सु० । श० स्तं० । अ० ग्री० । म० हि० । गा० धं० । उ० त० । प्र० ति० । स्त्वां० ।
 न० मः । दि० वे० । वृ० ह० ते० । स० द० ना० य० ॥ १ ॥ क० त० । जं० इति० । प्रि० या० य० । क्ष० म्ने० । म० ना० म० हे० । स्व० । दं० त्रा० य० । स्व० । य० श० से० । म० हे० ।
 व० यं० । आ० । मे० न्य० स्य० । र० ज० सः । य० त० । अ० ग्रे० । आ० । अ० पः । वृ० णा० ना० । वि० । त० नो० ति० । मा० यि० नी० । ताः । अ० त्रि० त० । व० यु० नं० ।

यद० च० २० च० य० घ० द० च० । अ० त्रि० । प्रो० । प्र० प० २० य० । अ० च० २० च० । प्रो० । प्र० पः । प्र० पो० वृ० णा० ना० वृ० णा० ना० पो० २० पो० वृ० णा०

वीर० वृक्षाणं । समा न्या । वृत्त या । विश्वं । आ । रजः । अपो इति । अपा वीः । अपरा । अप । ईजते । वा पृथ्वी निः । तिरुते
देव० युः । जनः । आ । याव० निः । अहर्नो निः । अक्तु० निः । वरिष्ठं । वज्रं । आ । जिह्व त्रि । मायि निः । नातं । वा । यस्य
प्र० चरन् । स्वे । देमे । सं० वर्तयन्तः । वि । च । वर्तयन् । अहा । तां । अस्य । रीति । पुरुषो । इव । प्रति । अनीकं । अ
रयं । भुजे । अस्य । वर्षसः । सर्वा । यदि । पिबुमन्तं इव । क्षयं । रत्नं । दक्षति । नर० । क्षतये । विशो । सः । जिह्वया
चिउः । अनीकं । कुंजते । चारु । वसानः । वसुणः । यतन् । अवि । ने । तस्य । विभ्र । पुरुषवता । वयं । यतः
भगः । सवि । ता । दाति । वार्या ॥ २ ॥ देवं । वः । अथ । सवितारं । आ । ईष । भगं । चारन् । वि० भजन् । आयो
आ । वां । नरा । पुरु० भुजा । ववृत्त्यां । दिवे० दिवे । वित । अश्विना । सखि० यन् । प्रति । प्र० यानं । असुर

स्या। वि॒वा॒न॒। सु॒० उ॒क्तैः॑। दे॒वा॒। सु॒वि॒ता॒रा॒। ड॒व॒स्य॑। उ॒प॒। बु॒वी॒त॒। न॒म॒सा॒। वि॒० जा॒न॒न्। ज्ये॒ष्ठे॒। च॒। र॒त्नं॑। वि॒० न॒ज॒तं॑।
 आ॒योः॑। अ॒द॒व॒० या॒। द॒य॒ते॒। वा॒य॒ाणि॑। पु॒षा॒। न॒गः॑। अ॒दि॒तिः॑। व॒स्त्रे॑। उ॒स्रः॑। इ॒न्द्रः॑। वि॒ष्णुः॑। व॒स॒णः॑। मि॒त्रः॑। अ॒।
 मि॒त्रः॑। अ॒हा॒नि॒। न॒डा॒। ज॒न॒य॒न्। द॒स्माः॑। त॒त्। नः॑। अ॒न॒वा॒। स॒वि॒ता॒। व॒रू॒थं॑। त॒त्। सि॒ध॒वः॑। इ॒ष॒य॒न्। अ॒नु॑।
 ग॒म॒न्। उ॒प॒। य॒त्। वो॒धे॑। अ॒ध॒र॒स्य॑। हो॒ता॒। रा॒यः॑। स्या॒म॒। प॒त॒यः॑। वा॒ज॒ण॒र॒त्नाः॑। प्र॒। ये॒। वि॒सु॒० न्यः॑। इ॒व॒त्। अ॒।
 न॒मः॑। डः॑। ये॒। मि॒त्रे॒। व॒स॒णे॒। सु॒क्त्वा॒चः॑। अ॒व॒। ए॒त॒। अ॒न॒वा॒। रु॒ण॒त॒। व॒री॒यः॑। दि॒वः॑। इ॒ष्टि॒योः॑। अ॒व॒सा॒।
 म॒दे॒म॒॥ अ॒॥ वि॒ष्णुः॑। दे॒व॒स्य॑। ने॒। उ॒ः॑। म॒र्तः॑। उ॒री॒त॒। स॒र॒य॒। वि॒श्वः॑। रा॒ये॒। इ॒ष्ट॒य॒ति॒। कृ॒म॒। इ॒णी॒। त॒। उ॒प॒से॑
 ते॒। ते॒। द॒वा॒ने॒तः॑। ये॒। च॒। इ॒मा॒न्। अ॒नु॒० रा॒से॑। ते॒। रा॒या॒। ते॒। हि॒। आ॒० ष॒वे॒। स॒चि॒म॒हि॒। स॒व॒थ्यैः॑। अ॒र्तः॑। नः॑।

आ। दृ। अति। यार। अतः। पत्रीः॥ दशस्यत। अरे। विश्वं। पुये० स्त्रां। द्विषः। युयोउ। युयुविः। यत्र। वक्रिः॥ अ
 नि० हितः। उड्वत। जोएः। पञ्चः॥ ८० मनाः। वीरपस्यः। अर्मा। धीराइव। सनिता। एषः। ते। देव। नेतरिति।
 रयः। पतिः। शं। रयिः। शं। राये। शं। स्वस्तये। इषः। सुतः। मनामहे। देवपुसुतः। मनामहे॥ ४॥ अग्ने। सुत
 स्य। पीतये। विश्वेः। अमेभिः। आ। गृहि। देवेभिः। हव्य० दातये। कृत० धीतयः॥ आ। गत। सत्य० धर्माणः।
 अध्वरं। अग्नेः। पिवत। जिकया। विप्रैः। विप्र। सत्य। प्रातर्याव० निः॥ आ। गृहि। देवेभिः। सोम० पीतये।
 अयं। सोमः। चक्षति। सुतः। अमत्रे। एरि। सिच्यते। प्रियः। इंद्राय। वायवे। वायोइति। आ। याहि। वीतये।
 जषाणः॥ हव्य० दातये। पिव। सुतस्य। अभसः। अग्नि। प्रयः॥ ५॥ सुतानां। पीति। अर्हयः। तान्।

ऊषेयां। अरेपसौ। अग्नि। प्रयः। सुताः। इंद्राय। वायवे। सोमांसः। दधि। आशिरः। निमं। न। यत्रि। सिन्धु
 वः। अग्नि। प्रयः। सु० हः। विश्वेनिः। देवनिः। अग्नि० न्यां। उषसा। सु० हः। आ। याहि। अग्ने। अग्नि० वत्
 । सुते। रण। सु० हः। मित्रावरुणाभ्यां। सु० हः। सोमेन। विष्णुना। सु० हः। आदित्यैः। वसु० निः। सु०
 हः। इंद्राय। वायुना। सु० हः। स्वस्ति। नः। मिमानां। अश्विना। भगः। स्वस्ति। देवी। अदितिः। अनर्वणः।
 स्वस्ति। पूषा। असुरः। दक्षत्रानः। स्वस्ति। द्यावापृथिवी इति। सु० वेनुना। स्वस्तये। वायुं। उप। ब्रवाम
 हि। सोमांसुस्ति। उर्वनस्यायः। पतिः। बृहस्पतिः। सर्व० गणं। स्वस्तये। स्वस्तये। आदित्यासः। भवंतु।
 नः। विश्वे। देवाः। नः। अद्य। स्वस्तये। वैश्वानरः। वसुः। अग्निः। स्वस्तये। देवाः। अवतु। रुतवः। स्वस्त

ये। स्वस्ति। नः। रुद्रः। पात्रः। अहंसः। स्वस्ति। मित्रावरुणा। स्वस्ति। पृथ्वी। रेवति। स्वस्ति। नः। इन्द्रः। वः। अग्निः।
 वा। स्वस्ति। नः। अदिते। रुधि। स्वस्ति। पत्न्यां। अत्र। चरे मे। सूर्याव रुमसौ इव। पुनः। ददता। अघ्नता। जान
 ता। सं। गमे महि॥७॥ प्र। ऋषाव० अश्व। धृषु० या। अर्ध। मरुत० निः। कंक० निः। ये। अद्रोघं। अत्रु० स्वधे। प्र
 वः। मदति। यज्ञियाः। ते। हि। स्थिरस्य। शवसः। सन्नि। धृषु० या। ते। यामन्। आ। धृषुत्० विनः। त्मना। पा
 ति। शश्वतः। ते। स्पन्दासः। न। उक्षणाः। अति। स्कृदति। शर्वरीः। मरुतां। अध। महः। दिवि। रुमा। वः। मन्म
 हे। मरुत० सु। वः। दुधी महि। स्तोमं। यज्ञं। वः। धृषु० या। विष्टे। ये। मातृषा। युगा। पात्रि। मत्स्यं। रिषः। अहंतः। ये
 । सु० दानवः। नरः। आसामि पशवसः। प्र। यज्ञं। यज्ञियेभ्यः। दिवः। अर्ध। मरुत० न्यः॥८॥ आ। रुक्मेः। आ।

युष्मन् नरः। रुषाः। रुषीः। असुरकृतः। अत्र। एनान्। अष्टैह। वि० द्युतः। मरुतः। जर्कतीः। इव। नात्रः। अत्र
 । त्मना। दिवः। ये। वृं धत्त। पाथिवाः। ये। उरौ। अत्र रिक्ते। आ। वृजने। वा। नदीनां। सध० स्वे। वा। महः। दिवः। रा
 धीः। नास्तं। उत। रांस। सत्य० रावसं। कन्वसं। उत। स्माते। अत्रे। नरः। प्र। स्युः। युजत। त्मना। उत। स्म।
 ते। परुस्त्रां। अस्मा। वसत। अंधवः। उत। पय्या। रथानां। अद्रिं। निदंति। उजसा। आ० पथयः। वि० पथ
 यः। अत्रः। शपथाः। अत्र० पथाः। एतेनिः। मसं। नाम० निः। द्युतं। वि० स्तारः। उहते॥ ए॥ अध। नरः। नि। उ
 हते। अध। नि० द्युतः। उहते। अध। पारावताः। इति। चिना। रूपाणि। द्रुपी। चंद्रः। सुनः। ऊन० न्यवः। उमं।
 आ। कारिणः। वृत्तः। ते। मे। के। धित्। न। ताववः। अमाः। आसन्। दृशि। विषे। ये। रुषाः। रुषि० विद्युतः

कवयः॥ संति॥ विधसः॥ ते॥ क्रुषे॥ मारुतं॥ गुणं॥ नमस्य॥ रमय॥ गिरा॥ अश्व॥ क्रुषे॥ मारुतं॥ गुणं॥ दाना॥ मि
त्रं॥ न॥ योषणा॥ दिवः॥ वा॥ धृस्त्रवः॥ उजसा॥ सुताः॥ धीनिः॥ इषण्यत॥ उ॥ मवानः॥ एषां॥ देवान्॥ अश्व॥
न॥ वक्षणा॥ दाना॥ सवेत॥ सुरि० निः॥ याम० श्रुतेनिः॥ अज्जिनिः॥ प्राये॥ मे॥ वन्धु० एषे॥ गां॥ वेचत्त॥ रू
रयः॥ एभिं॥ वोवत्त॥ मातरं॥ अध॥ पितरं॥ इभिणं॥ रुदं॥ वोचंत॥ शिर्कसः॥ सां॥ त॥ मि॥ स॥ म॥ वा॥ किनः॥ ए
कं० एका॥ शता॥ द्रुदुः॥ ययुना॥ यां॥ अधि॥ श्रुतं॥ उर॥ राधः॥ गव्यं॥ पृजे॥ नि॥ राधः॥ अश्व्यं॥ पृजे॥ ॥ ॥ क
॥ वेद॥ जानं॥ एषां॥ कः॥ वा॥ उरा॥ सुप्रेष॥ आस॥ मरुतां॥ यत्त॥ युयुजे॥ किलास्यः॥ आ॥ एतान्॥ रथेषु॥
तसुवः॥ कः॥ शुश्राव॥ कथा॥ ययुः॥ कस्यै॥ ससुः॥ सु० दासे॥ अज॥ आपयः॥ इलानिः॥ वृष्टयः॥ सहाते॥

मे। आजः। ये। आ। युयुः। उप। द्व। निः। वि। निः। मदे। नरः। मर्याः। अरेपसः। इमान। पश्य। इति। सु
हि। ये। अन्निषाये। वाशा। स्व। नानवः। स्रक्ष। रुक्मे। खादि। आयाः। रथे। धर्व। स। युष्माकं। स्म
रथा। अत्र। सुदे। दधे। मरुतः। जीर। दानवः। वृष्टी। द्यावः। युतीः। इव। आ। यं। नरः। सु। दानव
ददा। अथे। दिवः। कोश। अत्र। यत्र। वि। पुजं। सृज। नि। रोदसा। इति। अत्र। धर्वना। युति। वृष्टयः। त
दानाः। सिंधवः। क्षोदसा। रजुः। प। सक्रुः। धेनवः। यथा। स्युनाः। अर्थाः। इव। अध्वनः। वि। मोवने। वि। य
त। वर्तन्ते। एन्यः। आ। यात। मरुतः। दिवः। आ। अंतरिक्षात। अमात। उत। मा। अव। स्वात। परा। वतः।
मा। वः। रसा। अनितना। ऊना। ऊसु। मा। वः। सिंधुः। नि। रीमेत। मा। वः। परि। स्वात। सरयुः। उरी। पि

णी। अस्मे इति। इत। सुमं। असु। वः। तं। वः। शर्द्धी। रथानां। वेधं। गणं। मारुतं। नव्यसीनां। अउ। प्र। यति। वृष्ट
यः॥१॥ श। शर्द्धी० शर्द्धी। वः। पुषां। वातं० वातं। गणं० गणं। सुशस्त्रि० मिः। अउ। कामेम। धीति० मिः। कस्मे। अ
द्य। सु० जीताय। रात० हव्याय। प्र। युयुः। एना। यामेन। मरुतः। येन। तो। काय। तनयाय। धन्यो। बीजं। वह
धे। अक्षितं। अस्मभ्यं। तत। धत्तन। यत। वः। ईमहे। राधे॥ विश्व० आयु। सौमगं। अति। इयाम। निदः। तिरः। सु
स्ति० मिः। हिवा। अवद्यं। अरातीः। वृष्टी। शो। योः। आपः। उस्त्रि। लेषजं। स्याम। मरुतः। सह। सु० देवः। सम
ह। असति। सु० वीरः। नरः। मरुतः। सः। मर्त्यः। यं। त्रायधे। स्याम। ते। सुहि। नो जाश। सुवतः। अस्या। याम
नि। रणश। गावः। न। यवसे। यतः। पूर्वाह्न। सरवीश। अउ। कय। गिरा। टणाहि। कामिनः॥१॥ प्र। श

दीय। मारुताय। स्व० नानवे। इमां। वाचं। अनज। पर्वत० कर्त०। घर्म० सुने। दिवः। आ। एष० यज्ञेने। द्युम० म
 वसे। महि। वृक्षं। अर्चत। प्र। वः। मरुतः। तविषाः। उदन्यवः। वयः। रवधः। अश्व० युजः। परि० ज्ञयः। सं।
 वि० कर्ता। दधति। वात्राति। वितः। स्वरति। आपः। अवना। परि० ज्ञयः। वि० कर्त० महसः। नरः। अत्रम० दिद्यव
 :। वात० विषः। मरुतः। पर्वत० कर्तः। अष्ट० या। धित। अजः। आ। प्रादुनि० वतः। स्तनयत० अमाः। रनसाः।
 उत्० जसं। वि। अत्तुन। रुद्राः। वि। अहानि। शिक्कसः। वि। अत्ररिक्तं। वि। रजोसि। धूतयुः। वि। यत्। अ
 ज्ञान्। अजय। नावः। दीयथा। वि। दुः। शगानि। मरुतः। न। अह। रिष्यथा। तत्। वीर्यं। वः। मरुतः। महि० वृत्
 दीर्घं। ततान। सूर्यः। न। योजनं। एताः। न। यामे। अष्टमात० शेविषः। अनम्वपदां। यत्। नि। अयातन।

गिरिं॥१४॥ अत्राजि। शर्धः। मरुतः। यत्। अर्धसं। मोषय। दृढं। कपना इव। वेधासुः। अधः। स्मानः। अरमति।
संजोषसुः। वहुः। इव। यत्। अत्र। नेषु। सुगं। न। सः। जीयते। मरुतः। न। हन्यते। ने। स्नेधति। न। व्यथते। न
। रिष्टति। न। अस्य। रायः। उप। दस्यति। न। जतयः। कृषिं। वा। यं। राजानं। वा। सुस्तदय। निवृत्तः। ग्रामं
जितः। यथा। नरः। अयमर्णः। न। मरुतः। कवंधिनः। पिबन्ति। उमं। यत्। इनासः। अस्वरश्। वि। उदन्ति। दृ
ष्टिवां। मध्वः। अंधसा। प्रववती। इयं। दृष्टिवा। मरुतः। न्यः। प्रववती। द्यौः। नवति। प्रयत्नः। न्यः। प्रववतीः। प
थ्याः। अन्नरिद्ध्याः। प्रववन्तः। पर्वताः। जीरं। दानवः। यत्। मरुतः। स० नरसः। स्वः। शनरः। स्तये। उत्त० इते। म
दय। दिवः। नरः। न। वः। अश्वाः। अथुयत्। अरं। निस्तरः। सद्यः। अस्या। अध्वनः। पारं। अफ्रय॥१५॥ अ

सै॒ष्ठ।वः॑।कृष्टयः॑।पुत्र०।सु।खादयः॑।वक्षः॑।रुक्माः॑।मरुतः॑।रथे॑।सुभः॑।अग्नि०।त्राजसः॑।वि०।कृतः॑।गत्
स्त्रोः॑।शिप्राः॑।गार्ध०।सु।वि०।तताः॑।हिरण्यदाः॑।तानाकं॑।अर्यः॑।अर्यनीत०।शोविषं॑।रुक्मा॑।पिप्पलं॑।मरुतः॑।
वि०।ध्रुव्यु॑।सं०।अव्यंत॑।दृजना॑।अतिविषन्न॑।यत्।स्वरत्नि॑।द्योषं॑।वि०।ततं॑।कृत०।यवः॑।सुभ्रा०।दत्तस्य॑।मरु
तः॑।वि०।चेतसः॑।रायाः॑।स्याम॑।रथ्यः॑।वयस्वतः॑।न।यः॑।उच्छति॑।तिथ्यः॑।यथा॑।दिवः॑।अस्मेदति॑।ररत्ता॑।मरु
तः॑।सहस्रिणं॑।यूयं॑।रयिं॑।मरुतः॑।स्यार्ह०।वीरं॑।यूयं॑।रुषि॑।अवध्या॑।साम०।विप्रं॑।यूयं॑।अवन्तं॑।मरुताय॑।
वानं॑।यूयं॑।धृष्ट॑।राजानं॑।अष्टि०।मन्त्रं॑।तत्।वः॑।यामि॑।प्रविणं॑।सद्यः॑।रुक्मयुः॑।येनास्वः॑।न।ततनाम॑।दत्त
अग्नि॑।इदं॑।सु।मे॑।मरुतः॑।हय॑।त।वचः॑।यस्य॑।तरेम॑।तरसा॑।ज्ञातं॑।हिमाः॑॥१६॥अर्धः॑॥ ॥प्र०॥य०॥भवः॑॥

मरुतः। अजन्तः कष्टयः। दृढतः। वयः। दधिरे। रुक्मः। वक्षसः। ईयते। अश्वैः। सु० यमेजिः। आशु० निः। अमोय
तां। अउ। रथाः। अष्टमत्। स्वयं। दधिधे। तविषी। यथा। विद। दृढतः। महान्तः। उर्विया। वि। राजय। उत। अन्नरि
हं। ममिरे। वि। उजसा। साकं। जाताः। सु० चः। साकं। उक्षिताः। श्रिये। चित्। आ। प्र० तरं। वृधुः। नरः। वि०
रोकिणः। सूर्यस्यैव। रश्मयः। यः। आ० नृषेण्यं। वः। मरुतः। महि० वनं। दिदक्षेण्यं। सूर्यस्यैव। चक्षेण
उतो इति। अस्मान्। अष्टत० वे। दक्षतन। उत। ईरयथा मरुतः। समुद्रतः। यूयं। दृष्टिं। वर्षयथा। उरीषि।
णः। न। वः। दस्त्राः। उप। दस्पति। धेनवः। ॥ १॥ यत। अश्वान्। धुः। रश्मि। दृष्टतीः। अशुधं। हिरण्यान्। प्रति
अक्रान्। अशुधं। विद्याः। इत। सृष्टः। मरुतः। वि। असाय। पंन। पर्वताः। नानद्यः। वरतावः। यत्र। अवि

धं। मरुतः। गव्यं इति। अं इति। तत। उत। द्यावा पृथिवी इति। या एतन्। परि। यत्। इत्यं। मरुतः। यत्। च।
 नूतनं। यत्। उद्यते। वसवः। यत्। च। शस्यते। विश्वस्य। तस्य। नवस्य। नवेदसः। मृत्तत। नः। मरुतः। मा
 । वधिष्टन। अस्मन्। शमी। बज्रतं। वि। यत्तन। अधि। स्तोत्रस्य। मरुतस्य। गतन। ययं। अस्मान्। नयत।
 वस्यः। अन्निः। अंहति। न्यः। मरुतः। एणानाः। जुषधं। नः। हव्यं। दाति। यजत्राः। श्रग्रे। शर्धेतं। यत्।
 आ। गणं। पिष्टं। रुक्मेतिः। अन्निः। विशः। अद्य। मरुतां। अर्वा। कये। यथा। चित। मन्यसे। रुदा।
 तत। इत्। मे। नृपुः। आ। शसः। ये। ते। नेदिष्टं। हवनानि। आपगमन्। तान्। वृद्ध। नीमं। संदशः। मी। ऊ
 म्नी। इव। पृथिवी। परां। हता। मदती। एति। अस्मत्। आकुरुः। न। वः। मरुतः। शिमीं। वान्। अमः। इषः।

यत्।

अस्मान्नि. १

प्रच्यावय. १

४३१६२७

२५३१७

गौः॥ इव। नीम० सु॥ नि। ये। रिगति। उजसा। दृष्टा। गावः। न। दुः। श्वरः। गोपर्वतं। गिरिं। उत। तिष्ठ। सुनं। एषां।
स्तोमैः॥ सं० उक्षितानां। मरुतां। उरु० तमं। अप्रव्यं। गवां। मर्गं इव। क्रये॥ १॥ युद्धं। गोयुद्धं। रथे० रोहितः॥
युद्धं। हरी इति। अजिरा। धुरि। वोल्हवे। वहिषो। धुरि। वोल्हवे। उत। स्पः। वाजी। अरुषः। उवि० स्वनिः। इह। स्म।
क्षयि। दृष्टिः॥ मा। वः। यामेषां। मरुतः॥ चिरं। कुरुत। प्रातं। रथे० वोदत। रथं। उ। मरुतं। वयं। अवस्फं॥
आज्जवामहे। आ। यस्मिन्। तस्मै। सुपरणानि। विव्रती। सचा। मरुत० सु। रोदसी। तं। वः। वधं। रथे० सुनं
। वेषं। मनस्यं। आ। ऊवे। यस्मिन्। सु० जाता। सु० नगा। महीयते। सचा। मरुत० सु। मी। ऊषा। १०॥ आ। रुद्रास
॥ इदं० वत्तः॥ स० जोषसः॥ हिरण्य० रथाः॥ सुविताय। गतन। इयं। वः॥ अस्मत्। प्रति। हव्यते। मतिः॥ वृत्त० जे। न

हरुजी०
१२५३

दिवः॥ उमाः॥ उदयवे॥ वाशी॥ मन्त्रः॥ कृष्टि॥ मन्त्रः॥ मनीषिणः॥ सु० धन्वा॥ इष्ट० मन्त्रः॥ निषेगिणः॥ सु० अश्वः॥
 ॥ सु० रथः॥ एभि० मातरः॥ सु० आयुधः॥ मरुतः॥ यायन॥ शुभं॥ धुव्या॥ द्या॥ पर्वता॥ दा॥ अषे॥ वसु॥ नि॥ वः॥
 वना॥ जिहते॥ यामनः॥ निया॥ कोपय॥ द्युि० वी॥ एभि० मातरः॥ शुभे॥ यत॥ उयाः॥ एषतीः॥ अयुधं॥ वान
 ० विषः॥ मरुतः॥ वर्ष० निर्मिजः॥ यमाः॥ इव॥ सु० स० दशाः॥ सु० पेशा॥ मः॥ पिशांग० अश्वः॥ अरुण० अश्वः॥ अरे
 पसः॥ प्र० वक्षसः॥ महिना॥ द्यौः॥ इव॥ उरवः॥ उरु० इमाः॥ अग्नि० ममेतः॥ सु० दानवः॥ वैष० स० दशाः॥ अन्
 वत्र० राधसः॥ सु० जातासः॥ जजुषा॥ रुवन० वक्षसः॥ दिवः॥ अर्काः॥ अष्टतो॥ नामा॥ नेजिरे॥ ॥ २१ ॥ कृष्टय
 ॥ वः॥ मरुतः॥ अस्योः॥ अधि॥ सहः॥ उजः॥ वाकोः॥ वन० वलं॥ हितं॥ दृक्ता॥ शीर्ष० सु० आयुध॥ रथे० उ॥ वः॥

विष्वा॥वः॥ श्रीः॥ अधि॥ तृ॥ पि॥ पि॥ गो॥ म॥ अ॥ व॥ र॥ य॥ व॥ सु॥ वी॥ वं॥ व॥ रा॥ धः॥ म॥ रु॥ तः॥ १६॥ नः॥ प्र
०॥ रा॥ सि॥ नः॥ रु॥ तः॥ रु॥ द्रि॥ या॥ सः॥ न॥ क्षी॥ या॥ वः॥ अ॥ व॥ सः॥ दै॥ व्य॥ स्या॥ ह॥ ये॥ न॥ रः॥ म॥ रु॥ तः॥ १७॥ नः॥ उ॥ वि॥ म॥ द्या॥ स
ः॥ अ॥ व॥ ताः॥ क॥ तः॥ साः॥ स॥ त्य॥ श्र॥ तः॥ क॥ व॥ यः॥ यु॥ वा॥ नः॥ १८॥ ह॥ तः॥ गि॥ र॥ यः॥ १९॥ उ॥ द॥ मा॥ णाः॥ २०॥ तं॥ अं॥ इ॥ ति
॥ इ॥ नं॥ त॥ वि॥ षी॥ म॥ त्रं॥ ए॥ षां॥ सु॥ षे॥ गु॥ णं॥ मा॥ रु॥ तं॥ न॥ व्य॥ सी॥ नां॥ ये॥ आ॥ श्रु॥ अ॥ श्वाः॥ अ॥ म॥ व॥ तः॥ व॥ ह॥ त्रे॥ उ॥ तः॥ ई॥ शि॥ रे
॥ अ॥ व॥ त॥ स्या॥ स्व॥ रा॥ जः॥ वे॥ षं॥ गु॥ णं॥ त॥ व॥ सं॥ र॥ वा॥ दि॥ ह॥ सं॥ धु॥ नि॥ व॥ तं॥ मा॥ यि॥ नं॥ दा॥ ति॥ वा॥ रं॥ म॥ यः॥ २१॥ वः॥ ये॥
अ॥ मि॥ ताः॥ म॥ हि॥ वा॥ व॥ द॥ स्व॥ वि॥ प्र॥ उ॥ वि॥ रा॥ ध॥ सः॥ २२॥ आ॥ वः॥ यं॥ उ॥ उ॥ द॥ वा॥ हा॥ सः॥ अ॥ द्या॥ वृ॥ षि॥ ये॥ वि॥ श्वे॥ म॥
रु॥ तं॥ ज॥ न॥ त्रि॥ अ॥ यं॥ यः॥ अ॥ निः॥ म॥ रु॥ तः॥ सं॥ २३॥ ए॥ तं॥ ज॥ ष॥ धं॥ क॥ व॥ यः॥ यु॥ वा॥ नः॥ यु॥ यं॥ रा॥ जा॥ नं॥ ई॥ र्यं॥ ज॥ ना॥ य

विचु० त०। ज० न० य० य०। य० ज० त्रा०। यु० म० र०। ए० ति०। सु० छि० ण०। वा० ऊ०। ज० त०। यु० म० र०। स० त०। अ० श्व०। म० रु० त०। सु० वी०
र०। अ० रा०। इ० वे०। इ० त०। अ० व० र०। मा०। अ० ह०। इ० वा०। प्र० प्र०। जा० य० त्रे०। अ० क० वा०। म० ह०। र० नि०। ए० श्व०। पु० त्रा०। उप०। मा० स०। र० नि०
षा०। स्व० यो०। म० त्वा०। म० रु० त०। सं०। मि० मि० छु०। य० त०। प्र०। अ० या०। सि० ष०। ष० ती० नि०। अ० श्वै०। वी० उ० प० वि० नि०। म० रु० त०। र०
ये० नि०। सो० द० त्रे०। आ० प०। रि० ण० ते०। व० ना० नि०। अ० व०। उ० सि० य०। ह० व० न०। क० दृ० उ०। द्यौ०। प० र्थि० ष०। या० म० न०। ए० श्वि० वी०। वि० त०
। ए० षा०। न० त्री०। इ० व०। ग० म०। स्व०। इ० त०। वा० व०। धु०। वा० ता० न०। हि०। अ० श्वो० न०। धु० रि०। आ० ण्यु० यु० जे०। व० र्ष०। स्वे०। व० क्रि० रे०। रु० द्रि० या०
स०। ०। १२३। प्र०। व०। स्प० ट्। अ० क० रु०। सु० वि० ता० य०। दा० व० ने०। अ० वी०। दि० वे०। प्र०। ए० श्वि० ये०। कृ० तं। न० रे०। उ० द० म० त्रे०। अ० श्वो० न०।
त० रु० ष० त्रे०। आ०। र० ज०। अ० उ०। स्व०। ना० उ०। अ० य० य० त्रे०। अ० र्त्वि०। अ० म० न०। ए० षा०। नि० य० सा०। भू० मि०। ए० ज० ति०। नौ०। न०। प्र०

साक्षरति। व्यधिः। यती। हरे० दशः। ये। वितयन्ने। एम० निः। अंतः। महे। विदधे। येतिरे। नरः। गवां इव। श्रिया
से। शुगं। उत्० तमं। सूर्यः। न। वलुः। रजसः। वि० सज्जने। अत्याः इव। सु० वः। वारवः। स्तन। मर्याः इव। श्रिया
से। धेतय। नरः। कः। वः। महान्ति। महतां। उत्। अश्ववत्। कः। काया। मरुतः। कः। ह। पौ० स्या। दूयं। ह। नृमि।
किरणं। न। रेजयः। प्र। यत्। नरधि। सुविताय। दावने। अश्वाः इव। इ। इत। अरुषासः। स० बंधवः। मूराः। इ
व। प्र० युधः। प्र। उत्। युयुधुः। मर्याः। इव। सु० वधः। वृद्धुं। नरः। सूर्यस्य। वलुः। प्र। मिनुत्ति। वृष्टि० निः। ने।
अज्येष्ठाः। अकनिष्ठासः। उत्० निदः। अमध्यमासः। महसा। वि। वृद्धुः। सु० जातासः। जुजुषा। दृष्टि० मा
तरः। दिवः। मर्याः। आ। नः। अ० च। जिगातुन। वयः। न। दो। अ० र्णाः। प० तुः। उजसा। अ० तार। दिवः। वृहतः। सा

उ॒नः। प॒रि। अ॒श्वा॒सः। ए॒षां। उ॒न॒यो॒ यथा॒। वि॒दुः। प्र। प॒र्व॒त॒स्य। न॒म॒त॒न्। अ॒नु॒व॒य॒तुः। मि॒मा॒उ। द्यौः। अ॒दि॒तिः।
 वा॒त॒ये। नः। सं। दा॒तु॒० वि॒त्राः। उ॒ष॒सः। य॒त॒तां। आ। अ॒नु॒व॒य॒तुः। दि॒व्यं। को॒शं। ए॒ते। ऋ॒षे। रु॒द्र॒स्य। म॒रु॒तः। ए॒
 णा॒न॒भः। र॒धा। इ॒ले। अ॒ग्निं। सु॒० अ॒व॒सं। न॒मः। र॒तिः। इ॒ह। प्र॒० स॒तः। वि॒च॒य॒त॒। क॒त॒नः। र॒थैः। इ॒वा॒प्र। न॒रे। वा॒ज॒
 य॒त॒० मिः। प्र॒० द॒क्षि॒णि॒त॒। म॒रु॒तां। स्तो॒मं। रु॒ध॒मं। आ॒ये। त॒सुः। ए॒ष॒ती॒षु। अ॒ता॒सु॒। सु॒० रे॒ष॒। रु॒द्राः। म॒रु॒त॒
 : र॒थे॒षु। व॒ना॒। वि॒त॒। उ॒ग्राः। जि॒ह॒ते। नि॒वः। नि॒द्या॒। ए॒धि॒वी। वि॒त॒रे॒ज॒ते। प॒र्व॒तः। वि॒त॒। प॒र्व॒तः। वि॒त॒। म॒हि॒। इ॒धः।
 वि॒भ॒ना॒य॒। दि॒वः। वि॒त॒। सा॒तु॒रे॒ज॒त॒। स्व॒ने॒वः। य॒त॒। क्री॒ल॒य॒। म॒रु॒तः। ऋ॒ष्टि॒० म॒तः। आ॒पः। इ॒वा॒। स॒ध्वं॒वः। व॒
 धे॒। व॒राः। इ॒वा॒। इ॒त॒। र॒व॒ता॒मः। हि॒र॒ण्यैः। अ॒ग्नि॒। स्व॒ध॒निः। त॒वः। पि॒पि॒त्रे॒। अ॒ग्नि॒ये॒। अ॒ग्नौ॒सः। त॒व॒सः। र॒थे॒षु।

सुत्रा। महोसि। वक्रिरे। तत्रुष। अज्येष्टासः। अर्कनिष्ठासः। एते। सं। घातरः। वृद्धुः। सौमगाय। युवा। पिता। सु०
अपाः। रुद्रः। एषा। सु० दुष्वा। श्रिः। सु० दिना। मरुत० न्यः। यत। उत० तमे। मरुतः। मध्यमे। वा। यत। वा। अ
वुमे। सु० नगासः। दिवि। स्व। अतः। नः। रुद्राः। उत। वा। उ। अस्या। अग्ने। विनात। हविषः। यत। यजाम।
अग्निः। व। यत। मरुतः। विश्व० वेदसः। दिवः। वहध्वे। उत० तरात। अधि। सु० निः। ते। मन्दसानाः। धुनयः। रि
शादसः। वामं। धन्ना। यजमानाय। सुव्रते। अग्ने। मरुत० निः। शुतयत० निः। कर्क० निः। सोमं। पिव। मद्दसा
नः। गणश्रि० निः। पावकेनिः। विश्व० द्वेभिः। आयु० निः। वैश्वानराप्र० दिवा। केउना। स० हः। शप०। कोस्त
। धनरः। श्रेष्ठ० तमाः। ये। एकः। शकः। आ० युया। पुरमस्याः। पुरा० वरः। कावः। अथाः। के। प्रनीतोवः। रुथे।

शोक। कथा। युयु। एषे। सदः। नमोः। यमः। जुघने। रोदः। एषा। वि। सुक्तानि। नरः। युयुः। पुत्रः। रुये। न। जनय
 विरुषः। परा। वीरसः। इतन। मयासः। नदं। जानयः। अग्निः। तपः। यथा। असंय। सनर। सा। अश्व। पुष्टं। उत। ग
 यं। शतं। अवेयं। अपावाश्च। सुताय। या। दोः। वीरय। उप० बर्हदत्॥ रदा। उत। वा। स्त्री। वाशीयसी। पुंसः।
 नवति। वस्यसी। अदेव० त्रात। अराधसः। वि। या। जानाति। जसुरिं। वि। रघ्यंतं। वि। कामिनं। देव० त्रा। दृष्ट
 ते। मनः। उत। व। नेमः। असुतः। उमात्र। इति। क्रवे। पणिः। सः। वैरुदेये। इत। समः। उत। मे। अरुपत। युव
 तिः। ममंडुषी। प्रति। अपावाय। वर्तनिं। वि। रोहिता। पुष्ट० मी। हाय। येमत्रः। विषाय। दीर्घ० यत्रासे। यः। मे।
 धुननां। वेदत० अश्विः। यथा। ददत। रतुरतः। इव। मंहना॥ रणाये। दीवहंते। आशु० निः। पिबंतः। मदिरांम
 रातं।

धु। अत्र। अवांसि। दधिरे। येषां। श्रिया। अधि। रोदसी इति। वि० ब्राजते। रथे३। आ। दिवि। रुक्मः इव। उपगियु
 वा। सः। मारुतः। गुणः। विष० रथः। अनेद्यः। शुभं० यावा। अप्रति० कृतः। कः। वेद। नूनं। एषां। यत्र। मदंति। धू
 तयः। कृत० जाताः। अरेपसः। द्यूयं। मर्त०। विषन्ववः। प्र० नेतारः। इच्छा। धिया। श्रोतारः। याम० कृति३। ॥ १५
 ॥ ते। नः। वसूनि। काम्या। उरु० वडाः। रिशादसः। आ। यज्ञियासः। वृष्टन० एतं। मे। स्तोमं। ऊर्ध्वे। दान्या
 य। परा। वह। गिराः। दिवि। रथीः। इव। उत। मे। वोवतात्। इति। सुत० सोमे। रथ० वीतौ। न। कामः। अप।
 वेति। मे। एषः। क्षेति। रथ० वीतिं। मद्य० वा। गो० मतीः। अत्र। पर्वति३। अप० श्रितः। ॥ १६ ॥ कृतेन। कृतं। अ
 पि० हितं। क्रवं। वा। स्वर्यस्या। यत्र। वि० अत्रवि। अश्वानादना। शता। सह। तस्तुः। तत। एकं। देवानां। श्रेष्ठं।

वडुषां। अयं पतितः। सावां। मित्रावरुणा। महि० वं। ईमर्तिस्त्रुषीः। अह० निः। डडुके। विद्याः। पिवथः।
 स्वैरस्य। धेनौ। अत्रुवां। एकः। पविः। आ। ववर्त्त। अधारयतं। एषिवी। उत। द्यां। मित्रराजाना। वरुणा। महः।
 निः। वर्धयतं। अधीः। पिवतं। गाः। अवा। वृष्टिं। स्त्रुत। जीरदात्रुति। जीरदात्रु। सु० युजः। वहव। यत०
 रश्मयः। उप। यं। अवाक। घृतस्य। निः। शनिक। अत्रु। ववर्त्तते। वां। उप। सिंधवः। प्र० दिवि। करति। अत्रु
 । अतां। अमर्ति। वर्धत। उवा। बहिः। इवा। यजुषा। रक्षमाणा। नमस्वत्रा। धृत० दक्षा। अधि। गत्रे। मित्र।
 आसाधे इति। वरुणा। इनासु। अत्ररिति। ॥ ३० ॥ अक्रवि० हस्ता। सु० कर्ते। परः। रपा। यं। आसाधे इति। व
 रुणा। इनासु। अत्ररिति। राजाना। कत्रं। अहणीयमाना। सहस्र० स्त्रुणं। विवथः। महादौ। हिरण्य० नि

नि॒क। अ॒र्यः। अ॒स्य। स्तू॒र्णा। वि॒त्रा॒ज॒ते। दि॒वि। अ॒था॒ज॒नी॒श्व। भ॒दे। क्षे॒त्रे। नि॒र्मि॒ता। ति॒ब्बि॒ने। वा। स॒ने॒म। म
 धः। अ॒धि॒ग॒र्त॒स्य। हि॒र॒ण्य॒प॒ङ्क॒य। उ॒ष॒सः। वि॒प॒उ॒ष्टौ। अ॒र्यः। श॒स्त्रू॒णं। उ॒त्। इ॒ता। स॒र्य॒स्य। आ॒रो॒ह॒युः। व॒रु॒ण
 । मि॒त्र। ग॒र्त॒। अ॒तः। च॒क्षा॒ये॒इति॒। अ॒दि॒ति॒। दि॒ति॒। वा॒य॒त्। व॒हि॒ष्ठा॒ना। अ॒ति॒वि॒धे॒। सु॒दा॒व॒इति॒सु॒दा॒व॒। अ॒वि॒
 दं। श॒र्मा। उ॒व॒न॒स्य। गो॒पा॒ते॒न। नः॒। मि॒त्रा॒व॒रु॒णो॒। अ॒वि॒ष्ट॒। सि॒सो॒स॒न्तः॒। जि॒गा॒वां॒सः॒। स्या॒म॒॥३॥ इति॒सप्त
 विंश॒ति॒मो॒ऽध्या॒यः॒॥४॥ ॥३॥ क॒त॒स्य। गो॒पो॒। अ॒धि॒ति॒ष्ठ॒यः॒। रथं॒। स॒त्य॒ध॒र्मा॒णा। प॒र॒मे॒। वि॒३म॒नि
 । यं। अ॒त्र। मि॒त्रा॒व॒रु॒णा। अ॒व॒थः। उ॒वं॒। न॒स्मै॒। वृ॒ष्टिः॒। म॒धु॒म॒न्त॒। पि॒ब॒ते॒। दि॒वः॒। स॒ं॒प॒रा॒जौ॒। अ॒स्य। उ॒व॒न॒स्य। रा॒
 ज॒युः॒। मि॒त्रा॒व॒रु॒णा। वि॒द॒थे॒। स्वः॒। श॒द॒गा॒। वृ॒ष्टि॒। वा॒। रा॒धः॒। अ॒म॒त॒॒वा॒। इ॒म॒हे॒। द्या॒वा॒पृ॒थि॒वी॒इति॒। वि॒च॒र॒न्ति॒।

तन्यवः। सं० राजौ। उग्रा। वृषात्ता। दिवः। पत्नी इति। वृष्टिमाः। मित्रावरुणा। विवर्षणा इति वि० वर्षणा। वित्रे
निः। अत्रैः। उर्षा। तिष्ठथः। रवं। द्यां। वर्षयथः। असुरस्य। मायया। माया। वां। मित्रावरुणा। दिवि। श्रिता
। सूर्यः। ज्योतिः। चरति। वित्रं। आयुधं। तं। अत्रेण। वृष्ट्या। गृह्यथः। दिवि। पर्जन्या। इन्द्राः। मधु० मत्तः। ईराते।
रथं। युञ्जते। मरुतः। अत्रे। सु० रवं। शूरः। न। मित्रावरुणा। गो० इष्टिष्ठ। रजांसि। वित्रा। वि। चरति। तन्यवः। दि
वः। सं० राजा। पयसा। नः। उक्षतं। वाचं। सु। मित्रावरुणो। इरा० वती० पर्जन्यः। वित्रां। वदति। विषि० मती
। अत्रा। वसत। मरुतः। सु। मायया। द्यां। वर्षयत। अरुणा। अरेपसं। धर्माणा। मित्रावरुणा। विपः। श्रिता
। वृता। रक्षेथे इति। असुरस्य। मायया। कृतेन। विष्वं। अवनं। वि। राज्ञ्यः। सूर्यः। आ। धृष्टः। दिवि। वित्रं। रथं॥

पुष्पस्य ॥३॥

॥॥ वरुणां । वः । रिशादसं । रुवा । मित्रं । हवामहे । परि । वृजा इव । वाकोः । जुगुत्वा सो । स्वः । अनरं । ता । वाहवा । सु । वेउ
ना । प्र । यंते । अस्मै । अर्चते । शोर्व । हि । जाये । वा । विश्वा । सु । हा सु । जो उवे । यत् । नृनं । अरुणं । गतिं । मित्रस्य । व्याया
। पृथा । अस्य । शर्मणि । अहिमानस्य । सश्विरे । युवान्यो । मित्रावरुणा । उप । मं । धेया । रुवा । यत् । हा । अये । म ।
घोनां । स्तोत्रुणा । च । स्पर्धसि । आ । नः । मित्र । सुदोति । त्रिः । वरुणः । व । सध । स्त्री । आ । स्व । अये । मद्योतां । मरु
नां । च । वृधसे । युवानः । येषु । वरुणा । क्षत्रं । वृहते । च । विनयः । उरु । नः । वाज । मातये । वृत्तं । राये । स्वस्तये ।
उद्यंत्यो । म । यजता । देव । क्षत्रे । रुद्रात । गवि । सुतं । सोम । न । हस्ति । त्रिः । आ । पट । त्रिः । क्षवतं । नरा । वित्र
तो । अर्चनानसं ॥ रा । यः । विकेता । सः । लु । क्रतेः । देव । ना । सः । ब्रवीत । नः । वरुणः । यस्य । दर्शतः । मि

त्रः। वा। वनते। गिरः। ता। हि। श्रेष्ठः। दूर्ध्वा। राजाना। दीर्घश्रुतः। तमा। ता। सत्यती। इति सतः। पती। कृतः।
 दृक्षः। कृतः। वाना। जने। जने। ता। वा। इयानः। अर्वसे। श्वो। उप। क्रवे। सर्वा। सु। अश्वासः। सु। वेवना॥
 वाजोत्र। अग्नि। प्र। दावने। मित्रः। अंहोः। विर। आत। उरु। क्षयाय। गात्रं। वनते। मित्रस्य। हि। प्र०। र्वतः॥
 सु०। मतिः। अस्ति। विधुतः। वयं। मित्रस्य। अर्वसि। स्याम। सप्रथः। शतमे। अनेहसः। वा०। जतयः। सात्रा। वरु
 ण०। शेषसः। युवं। मित्रा। इमं। जने। यतथः। सं। च। नयथः॥ मा। मद्योनेः। परि। ग्युतं। मोइति। अस्मा।
 कं। कृषीणां। गो०। पीथे। न। उरुष्यतं॥ आ। वि। कितान। सुकृतुइति सु०। कृत। देवो। मृतरिशादसा। व
 रुणाय। कृतः। पेशे। दधीत। प्रयसे। महे। ता। हि। क्षत्रे। अवि०। कृतं। सम्पक्। असुर्ये। आशातेइति। अ

धा॥ वृता इव॥ मातुषं॥ स्व॥ न॥ क्षयि॥ दर्शितं॥ ता॥ वा॥ एषे॥ रथानां॥ उर्वी॥ गमूति॥ एषा॥ गत॥ हव्यस्य॥ सु॥ सु॥
 ति॥ दधक॥ स्तोमैः॥ मनामहे॥ अध॥ हि॥ कार्या॥ सुर्व॥ दक्षस्य॥ पूः॥ शनिः॥ अद्भुता॥ नि॥ केवना॥ जनानां॥ विकेष्टा॥
 इति॥ पुत॥ दक्षसा॥ तत॥ कृतं॥ पृथिवि॥ बृहत्॥ श्वः॥ रक्षणे॥ कृषीणां॥ जयसा॥ नो॥ अर॥ पृथु॥ अति॥ क्षत्रि॥
 याम॥ निः॥ आ॥ यत्॥ वा॥ इय॥ चक्षसा॥ मित्रा॥ वयं॥ वा॥ सूरयः॥ व्यविष्टे॥ बह्व॥ पाथ्ये॥ यते॥ महि॥ सु॥ राज्ञे॥
 धा॥ बह्व॥ इन्द्रा॥ देवा॥ निः॥ श्रुतं॥ आदित्या॥ यजतं॥ बृहत्॥ वरुणा॥ मित्रा॥ अयमन्॥ वर्षिष्ठं॥ क्षत्रं॥ आशाथे॥
 इति॥ आ॥ यत्॥ योति॥ हिरण्ययं॥ वरुणा॥ मित्रा॥ सदयः॥ धनरा॥ चर्षणीनां॥ यत्नं॥ सुप्तं॥ रिज्ञा॥ दसा॥ विश्वे॥
 हि॥ विश्व॥ वेदसः॥ वृता॥ पदा इव॥ सञ्चिरे॥ पाति॥ मय्यै॥ रिषः॥ ते॥ हि॥ सत्याः॥ कृत॥ सृष्टाः॥ कृत॥ पवीनः॥

जने० जने। सु० नीथासः। सु० दानवः। अंहोः। चित्रा। उरु० चक्रयः। कः। उ० वां। मित्रा। अस्तुतः। वरुणः। वा। त०
 नां। त०। सु० वां। आ। ईषते। मतिः। अत्रि० न्यः। आ। ईषते। मतिः॥ ५॥ प्रवः। मित्राय। गायत। वरुणाय। विषा।
 गिरा। महि० क्षत्रो। कृतं। वृहत्। सं० राजा। या। दृतयोनी इति दृत० योनी। मित्रः। व० उ० मा। वरुणः। च० देवा। दे
 वेभ्यः। प्र० शुक्ता। ता। नः। शक्तं। पार्थिवस्य। महः। रायः। दिव्यस्यामहि० वां। क्षत्रं। देवेभ्यः। कृतं। कृतं। सप
 ता। इषि० रं। दक्षं। आशाते इति। अउहा। देवो। वर्धते इति। वृष्टि० द्यावा। रीति० आपा। इषः। पत्नी इति। दाउ
 ० मत्याः। वृहत्। गत्तं। आशाते इति॥ ६॥ त्री। रोचना। वरुण। त्रीर। उत। घन। त्रीणि। मित्रा। क्षरयुधः। रा
 जांसि। वृक्षानो। अमर्ति। क्षत्रियस्य। अउ। वृत्तं। रक्षमाणो। अउ० द्यं। इरा० वतीः। वरुण। धेनवः। वां।

मधु० मर० वा० सिंधवः॥ मित्रा० इन्द्रे० त्रयः॥ तसुः॥ वृषनासः॥ तिसृणां॥ विषणानां॥ रेतः॥ रक्षः॥ वि० क० मंतः॥ प्रा
तः॥ देवा॥ अदिति॥ जोहवीमि॥ मध्यंदिने॥ उत० इता॥ सूर्यस्य॥ राये॥ मित्रावरुणा॥ सर्व० ताता॥ इने॥ तोक
॥ या॥ तनयाया॥ वा० यो० या० धर्तारा॥ रजसः॥ रोचनस्य॥ उत॥ आदित्या॥ दिव्या॥ पार्थिवस्य॥ न० वा० देवाः॥ अ
मृताः॥ आ॥ मिनंति॥ व्रतानि॥ मित्रावरुणा॥ क्षवाणि॥ ७॥ पुरु० उरुणा॥ चिरा॥ हि॥ अस्मि॥ अवः॥ नून० वा० व
रुणा॥ मित्रा॥ वसि॥ वा० सु० मति॥ ता० वा० समक॥ अद्भुताणा॥ इषं॥ अरुणाम॥ क्षयसे॥ वयं॥ ते॥ रुद्रा॥ स्या
म॥ पातं॥ नः॥ रुद्रा॥ पायु० भिः॥ उत॥ त्रायेथां॥ सु० त्रात्रा॥ उर्याम॥ दस्मन्॥ तत्र० निः॥ मा॥ कस्य॥ अद्भुतक
रुद्रत्यद्भुत० कर॥ यक्ष॥ उजेम॥ तत्र० निः॥ मा॥ रोषसा॥ मा॥ तनसा॥ ८॥ आ॥ नः॥ गंतं॥ रिशादसा॥ वरु

ण। मित्रं। बर्हणा। उपे। इमं। वारुं। अध्वरं। विश्वस्य। हि। प्र० वेतसा। वरुणा मित्रं। राज्ञथः। ईशाना। पितृ।
 तं। धियः। उपे। न। सुतं। आ। गतं। वरुणा। मित्रं। दाशुषः। ॥ १॥ आ। मित्रे। वरुणे। वयं। गीः२ निः॥ ऊ
 ऊमः॥ अत्रि० वत॥ नि। बर्हिषि। सदतं। सोम० पीतये। वृतेन॥ स्तः। क्रव० देमा। धर्मणा। यातयत्०
 जना॥ मित्रः। चान॥ वरुणाः। च। ऊषतां। यत्नं। इष्टये। नि। बर्हिषि। सदतां। सोम० पीतये॥ १०॥ या
 त। अदा। स्तः॥ पुरा० वति। यत्नं। अर्वा० वति। अश्विना। यत्नं। वा। पुरु० पुरु० जुजा। यत्नं। अत्ररिक्ते।
 आ। गतं। इह। त्या। पुरु० नूतमा। पुरु० दंसासि। विव्रता। वरुणा। यासि। अधि० इत्यधि० यू। ऊवे।
 उविः२ तमा। जुजे। ईमा। अन्यत्। वषुषे। वषुः। चक्रं। रथस्य। येमथुः॥ परि। अन्या। नाऊषा। सु

गा। म॒क्रा। स्नांसि। दी। य॒द्युः। त॒त्। ज॒इति। सु। वां। ए॒ना। क॒तं। वि॒श्वा। य॒त्। वां। अ॒नु। स॒त्वे। ना॒ना। जा॒तौ। अ॒
 रे॒प॒सा। सं। अ॒स्मे॒इति। व॒धुः। आ। इ॒द्युः। आ। य॒त्। वां। स॒ूर्या। र॒थं। ति॒ष्ठ॒त्। र॒द्यु० स॒दं। स॒दा। परि॒वां। अ॒सु
 षाः। व॒द्यः। घृ॒णा। व॒रं॒ते। आ० त॒पः। ॥ १॥ यु॒वोः। अ॒त्रिः। वि॒के॒त॒ति। न॒रा। सु॒म॒न॒वे॒त॒सा। घ॒र्म॒। य॒त्। वां। अ॒
 रे॒प॒सं। ना॒स॒त्मा। आ॒स्ना। उ॒र॒ण॒प॒ति। उ॒ग्रः। वां। क॒ऊ॒हः। य॒यिः। शृ॒ण्वे। या॒मेषु। सं० त॒निः। य॒त्। वां। दं॒
 सः॒२॒तिः। अ॒श्वि॒ना। अ॒त्रिः। न॒रा। आ० व॒व॒र्त॒ति। म॒धुः। ज॒इति। सु। म॒धु० यु॒वा। रु॒द्रा। सि॒स॒क्ति। पि॒थ
 षी। य॒त्। स॒मु॒द्रा। अ॒ति। प॒र्ष॒थः। प॒क्ताः। १६॒क्षः। न॒रं॒त॒वां। स॒त्यं। इ॒त्। वै। ज॒इति। अ॒श्वि॒ना। यु॒वां। आ॒ऊः।
 म॒द्यः॒२॒नु॒वा। ता। या॒म० क॒त॒मा। या॒म॒२॒। आ॒ष्ट॒ल॒य॒त्। त॒मा। इ॒मा। व॒स्त्रा॒णि। व॒र्ध॒ना। अ॒श्वि॒न्यां। सं॒नु॒।

शं० तमा० या० तक्षाम० रथान् इव० अवो वाम० दृहन् नमः॥१॥ कृ० स्वः॥ देवो० अश्विना० अद्य० दिवः॥
 मनावस्त इति० तत० अवयुः॥ दृषण्वस्त इति० दृषण्वस्त० अत्रिः॥ वा० आ० विवासति० ऊह० त्या० ऊहाउ
 ॥ श्रुता० दिवि० देवा० नासत्या० कस्मिन्० आ० यतयुः० जने० कः॥ वा० नदीना० सवा० कं० द्यायुः० कं० ह॥
 गवयः० कं० अन्न० युंजाये इति० रथ० कस्य० वस्त्राणि० रणयुः० वय० वा० उन्नमसि० इष्टये० पौरा० वित०
 हि० उद० पुतं० पौरा० पौराय० जिवयुः० यत० ई० यमीत० तौतये० सिंहं इव० दुहः० पदे० प्र० व्यवनात्०
 जुजुसुषः॥ वृत्रि० अर्क० न० सुवयुः० युवा० यदि० क्षुधः० पुनः० आ० काम० कृण्वे० वधः॥१॥ अस्ति॥
 हि० वा० इह० स्तोता० स्मसि० वा० स० दृशि० श्रिये० उ० श्रुतं० मे० आ० गतं० अवः० शनिः० वाजिना० वस्तु

इति वाजिना० सू० कः॥ वां॥ अद्य॥ उरुणा॥ आ॥ वने॥ मत्पानि॥ कः॥ विप्रः॥ विप्र० वाहसा॥ कः॥ युनै॥ वाजि॥
 नीवसू इति वाजिनी पवस्तु॥ आ॥ वा॥ रथः॥ रथः॥ रथानां॥ येषः॥ यात्र॥ अश्विना॥ उरु॥ वित॥ अस्म० युः॥
 तिरः॥ आ॥ युषः॥ मत्पे० आ॥ वां॥ अं इति॥ सु॥ वां॥ मधु० सु॥ वा॥ अस्माकं॥ असु॥ वृक्षतिः॥ अर्वा० वीना॥ वि०
 वेतसा॥ वि० निः॥ श्पेना॥ इव॥ दीयते॥ अश्विना॥ यत्॥ हा॥ कर्हि॥ वित॥ शुक्रयात॥ इमं॥ हवं॥ वस्वीः॥ अं इति॥
 सु॥ वां॥ नुजः॥ एवंति॥ सु॥ वां॥ एवः॥ ॥ १४॥ प्रति॥ प्रिय० तमं॥ रथं॥ वृषणा॥ वसु० वाहनं॥ स्तोता॥ वी॥ अ॥
 श्विनौ॥ ऋषिः॥ स्तोमेन॥ प्रति॥ नृषति॥ माधी इति॥ मम॥ अकृतं॥ हवं॥ अति० आयातं॥ अश्विना॥ तिरः॥ वि॥
 द्याः॥ अहं॥ मना॥ दस्मा॥ हिरण्यवर्तनी इति॥ हिरण्य० वर्तनी॥ सु० सु० मा॥ सिंधु० वाहसा॥ ॥ आ॥ नः॥ रनी॥

नि। बिभ्रतौ। अश्विना। गच्छतं। सुवं। रुद्रा। हिरण्यवर्तनी इति हिरण्य० वर्तनी। जघाणा। वाजिनी वसू इति
 वाजिनी वसू०। सु० सुमे०॥ वां। दृषण्वसू इति दृषण्व० वसू। रथे। वाणीवी। आ० हिता। उत। वां। कुरुह
 ॥ मृगः। दृक्षः। क्षणति। वा उषः० बोधित० मनसा। रथ्या। इषिरा। हवन० अता। वि० त्रि० च वानं। अ०
 श्विना। नि। यायुः। अदया विनं। १५॥ आ० वां। नरा। मनः। युजः। अश्वसिः। पुषित० संवः। वयः। वहंउ
 पोतये। महा सुमेनिः। अश्विना० अश्विनौ। आ० इहा गच्छतं। ना सत्या। मा। ति। वेनतं। तिरः। वित्। अ
 यु० या। परि। वर्तिः। यातं। अदाम्या०। अस्मिन्। युजे। अदाम्या। जरितारं। शुभः। पती इति। अवस्फ। अ
 श्विना। सुवं। गच्छतं। उषा। नृषयः०। अनृत्। उषाः। रुद्रात्० पशुः। आ० अग्निः। अक्षयि। रुविद्यः० अ

योजि। वां। वृषण्वसूतिवृषण्वसू। रथः। दसौ। अर्मर्त्यः॥॥१६॥ आ। नाति। अग्निं। उषसो। अनीकं। उत। वि
 प्राणां। देव० याः। वाचः। अस्तुः। अर्वावा। नूनं। रथ्या। इह। यातं। पीपि० वांसं। अश्विना। घर्मो। अर्वा। न। संसूतं
 । प्र। मिमीतः। गमिषा। अग्निं। नूनं। अश्विना। उप० सुता। इह। दिवा। अग्नि० पिवे। अर्वासा। आ० गमिषा। प्रति
 । अर्वाग्निं। दाशुषे। शं० नविषा। उत। आ। यातं। संपगुवे। प्रातः। अर्कः। मध्यंदिने। उत० इता। सूर्यस्य। दि
 वा। नक्तं। अर्वासा। शं० तमेन। न। इदानीं। पीतिः। अश्विना। आ। ततान्। इदं। हि। वां। पु० दिवि। स्थानं। उर्कः॥
 इमे। इहाः। अश्विना। इदं। पुरोणं। अत० न्यः। यातं। इषं। ऊर्जं। वहंता॥॥१७॥ प्रातः। श्यावाना। प्रथमा
 । यजध्वं। पुरा। यज्जातं। अरुषः। पिबतः। प्रातः। हि। युजं। अश्विना। दक्षते इति। प्र। शंसति। कवयः॥

सर्वनामः॥ प्रातः॥ यजुध्वं॥ अश्विना॥ हिनोत॥ नासायं॥ अस्ति॥ देव॥ याः॥ अजष्टं॥ उता॥ अन्यः॥ अस्मत्॥
 यजते॥ वि॥ च॥ आवः॥ पूर्वः॥ श्वः॥ यजमानः॥ वनीयान्॥ हरिण्य॥ वक्र॥ मधु॥ वसः॥ घृत॥ सुः॥ पृक्तः॥ व
 हन्॥ आ॥ रथः॥ वर्तति॥ वा॥ मनः॥ रजवाः॥ अश्विना॥ वार्त॥ रंहाः॥ येन॥ अति॥ याथः॥ दुः॥ शतानि॥ विश्वा
 यः॥ नृयिष्ठं॥ नासत्यान्त्या॥ विवेक॥ चनिष्ठं॥ पिवः॥ ररति॥ वि॥ नागे॥ सः॥ तोका॥ अस्य॥ पीयरत्॥ नामीतिः॥
 अश्विना॥ सदा॥ इत॥ उच्यते॥ ॥ ॥ ॥ ॥ हंसो॥ इव॥ पुतत॥ आ॥ सुतान्॥ उप॥ अश्विना॥ हरिणौ॥ इव॥
 गोरे॥ इव॥ अश्विना॥ यवसं॥ अश्विना॥ वाजिनी॥ वसु॥ इति॥ वाजिनी॥ वसु॥ ऊषेया॥ यज्ञं॥ इष्टये॥ अत्रि॥ यत॥ वा॥
 अव॥ रोहन्॥ रुवीसां॥ अजो॥ हवीत॥ नाध॥ माना॥ इव॥ योषा॥ श्रेणस्य॥ चित्॥ जवसा॥ नृतेनो॥ आ॥ अश्विना॥ न॥ १

तं। अश्विना। शं० तमेन॥ १५॥ वि। जिहीष। वनस्यते। योनिः। सूर्यं त्याः इव। अतं। मे। अश्विना। हवं। सप्त०
 वधिं। सु० वतं। नीताया। नाधमानाय। कर्षये। सप्त० वधये। मायात्रिः। अश्विना। सु० वं। वृक्षं। सं। व। वि। व।
 अच्यः। यथा। वार्तः। उक्तरिणी। सं० इंगयति। सर्वतः। एव। ते। गर्भः। एज० त्रिः। श्रे० त्रि। दश० मास्यः।
 यथा। वार्तः। यथा। वनं। यथा। सु० सु० इः। एजति। एव। वं। दश० मास्यः। सह। अर्वा। इहि। जरायुणा। दश०
 मासोत्। शशयानः। कुमारः। अधि। मातरि। निः। श्रे० त्रि। जीवः। अर्द्धतः। जीवः। जीवत्याः। अधि॥ २०॥ स
 हे। नः। अद्य। बोधय। उपः। राये। दिवित्मती। यथा। वित्। नः। अबोधयः। सत्य० अर्वासि। वाये। सु० जति
 । अश्व० सूर्यते। या। सु० नीये। शोचत० रथे। वि। अर्वा। इहितः। दिवः। सा। वि। उवा। सहीयसि। सा। नः।

अद्य। आ। नरत्० वसुः। वि। उ० व० इ० हितः। दिवः। यो० इति। वि। अ० व०। अ० नि० ये। वा। वि० न० व० रि० स्तो० मै०। गृ०
 णंति। व० क्र० यः। म० घे०। म० घो० नि०। सु० अ० यः। दा० म० न० व० तः। सु० रा० त० र्यः। ग० णाः। इ० मे०। उ० द० य० ति०। म० घ० त०
 ये। परि०। चि० त०। व० द० यः। द० धुः। द० द० तः। रा० धः। अ० क्र० यः। आ० ए० षु०। वी० र० व० त०। य० नो०। उ० षः। म० घो०
 नि०। सु० रि० षा० ये। नः। रा० ध० सि०। अ० क्र० य०। म० घ० व० नः। अ० रा० स० त०। ते० न्यः। द० न०। वृ० ह० त०। य० नो०। उ० षः। म०
 घो० नि०। आ० व० ह०। अ० ष्या०। ग० म्या०। न० ज० त०। सु० र० यः। उ० त०। नः। गो० म० तीः। इ० षः। आ० व० ह०। इ० हितः। दिवः। सा०
 क०। सु० र्य० स्या०। र० मि० ति०। शु० क्रैः। शो० व० त० ति०। अ० र्वि० नि०। वि० उ० व०। इ० हितः। दिवः। मा०। चि० रं। त० उ० य्याः
 । अ० पः। न०। इ० त०। वा०। स्ते० न०। य० य्या०। रि० षं। त० पा० ति०। सु० रः। अ० र्वि० षा०। ए० ता० व० त०। वा०। इ० त०। उ० ष०। वा०। न० र्यः।

वा। दाउं। अहसि। या। स्तोत्रं। न्यः। विना। वरि। उवन्ती। न। प्र० मीयसे। ॥ २॥ द्रुतत० यामानं। दृहती। कृतेन
 । रुत० वरी। अरुणपुष्पं। वि० नातो। देवी। उषसं। स्वः। आ० वहती। प्रति। विप्रसः। मति० निः। जरंते। एषा
 । जनै। दर्शिता। बोधयंती। सु० गार्। पृथः। रुएवता। याति। अग्रे। दृहत्० रथा। दृहती। विश्वं० इवा। उषाः।
 ज्योतिः। युवति। अग्रे। अक्रां। एषा। गोनिः। अरुणेनिः। युजाना। अस्वेधंती। रयिं। अप्र० आयु। वक्त्रे। पृथ
 ॥ रदंती। सुविताय। देवी। प्रु० सुता। विश्व० वारा। वि० नाति। एषा। वि० एनी। न्वति। वि० बही। आविः।
 दृएवाना। तवें। प्ररस्ताति। ॥ एषा। शुभ्रा। न। तवः। विदना। जर्वादिवा। स्नाती। दशये। नः। अस्नात। अपा।
 धेषः। बाधमाना। तर्मासि। उषाः। दिवः। इहता। ज्योतिषा। आ। अगात्। एषा। प्रतीची। इहता। दिदः। दृ

न। योषीइव। नृप्रा। नि। रिणाते। अस्मः। वि० नृ० एवती। दाशुबो। वादी। नि। पुनः। ज्योतिः। युवतिः। श्व० या। अ
 करित्यकः॥३॥ अर्ध॥ ॥ युंजते। मर्मः। उत। युंजते। धियः। विप्राः। विप्रस्यः। दृढतः। विप्रः। श्वित
 ॥ वि। होत्राः। दधे। वयुन० वित० एकः। इत० महा। देवस्य। सवित्रः। परि० सुतिः। विश्वा। रूपाणि। प्रति। सुव
 ते। कविः। प्रा० असादीत। नृप्रा। डि० पदे। चउ० शपदे। वि। नाका। अस्मत्। सविता। वारेणपः। अउ० प्र० याने।
 उर्धसः। वि। राजति। यस्य। प्र० याने। अउ० अन्ये। इत० ययुः। देवस्य। मुहि० मामे। उज० सा। यः। पार्थिवानि
 ॥ वि० ममे। सः। एत० रा। रजीसि। देवः। सविता। मुहि० वना। उत। यासि। सवित० रि० ति। त्रीणि। रोव० ना। उत
 ॥ सूर्यस्य। रश्मि० त्रिः॥ सं० श्वे० य० सि। उत। रात्री। उ० न० यतः। परि० नृ० य० से। उत। मि० त्रः। न० व० सि। देव० धर्म०

देवाः॥३॥

निः। उत। इजिषे। प्रसुवस्य। च। एकः। इत। उत। शुषा। नवसि। देवो। यामं। निः। उत। इदं। विश्वं। उर्वनं। वि। राजसि।
 ऋषावपश्चः। ते। सवितरिति। स्तोमं। आनजो। ॥१४॥ तत। सवित्रः। वृणीमहे। वयं। देवस्यो। नोर्जनं। अथे। सर्वं धा
 तमं। उरं। नगस्य। धीमहि। अस्य। हि। स्वयं। शतं। सवित्रः। कतु। चन। प्रियं। न। मिनंति। स्वराज्यं। सः। हि।
 रत्नानि। दाशुषे। सुवाति। सविता। नगः। तं। नगं। चित्रं। इमहे। अद्यमिः। देव। सवितरिति। प्रजा० वत। सावीः
 । सोमं। परा। दुःस्वप्नं। सुव। विश्वानि। देव। सवितः। दुःस्वप्नानि। परा। सुव। यत। न। तत। नः। आ। सु
 व॥१५॥ अनागसः। अदितयो। देवस्य। सवित्रः। सवे। विश्वो। वामानि। धीमहि। आ। विश्व० देवं। सत० पति।
 सु० उक्तेः। अद्य। वृणीमहे। सत्य० सवां। सवितारं। यः। इमे इति। उजे इति। अहनी इति। उरः। एति। अत्र०

वृते। एषिवी। नन्नमीति। यस्य। वृते। शफ० वत्। जर्जराति। यस्य। वृते। उषधीः। विश्व० स्तूपाः। सः। नः। पर्जन्या। महि
 । शर्मा। युष्म०। दिवः। नः। दृष्टिं। मरुतः। ररीध्वं। प्र। पिबत। वृत्तः। अश्वस्या। धाराः। अवीड्। एतेन। स्तनयितु
 ना। आ। इहि। अपः। नि० सिं० वन्। असुरः। पिता। मेनः। अग्नि। क्रंद। स्तनय। गर्भे। आ। धः। उदन्० वता। परि
 दीय। रथेन। दत्ति। सु। कर्षी। वि० सितं। न्यं०। सुमाः। नव० उ०। उत्० वतः। नि० पादाः। मुहूर्त। कोशं। उत्। अ
 वानि। सिं०। स्पंदतां। कुल्याः। वि० सिताः। पुरस्तात्। एतेन। द्यावा। एषिवी इति। वि० धि। सु० प्रयानं। नव
 उ०। अघ्नान्। यत्। पर्जन्या। कनि० कदत्। स्तनयन्। हंसि। डः। रक्षतः। प्रति। इदं। विश्वं। मोदते। यत्। किं।
 व०। एषिवां। अधि। अवर्षीः। वर्षे। उत्। अ० इति। सु। श्नाय। अर्कः। ध्वानि। अति० पुन० वै। अ० इति। अजीजनः॥ ५०

उषधीः। नो जताय। कं। उत। प्र० जात्रः। अविदः। मनीषां। शृणु। बट्। इच्छा। पर्वतानां। खिद्रं। विनृषि। पृ
 थिवि। प्राया। नृमि। प्रवृत्ति। मुक्ता। जिनोषि। महिनि। स्तोमोसः। वा। वि० वारिणि। प्रति। स्तोमंति। अकु
 ० निः। प्राया। वाजं। न। हेर्षतं। पेक्षं। अस्यसि। अजुनि। दत्ता। वित्। या। वनस्पतीन्। स्मया। दधर्षि। अजसा
 यत्। ते। अत्रस्य। वि० द्यतः। दिवः। वर्षति। दृष्टयः। शृणु। प्रा० सु० राजे। दृहत्। अर्चु। गुनीरं। ब्रह्म। प्रियं।
 वरुणाय। श्रुताय। वि० यः। जद्यान। शमिताश्च। वर्मा। उप० स्मिरे। दृष्टिवा। सूर्याय। वनेषु। वि० अंतरिक्षं।
 ततान। वाजे। अर्चत्। पृष्ठ। पयः। अस्त्रियासु। हत० सु। क्रुजं। वरुणः। अ० सु। अग्निं। दिवि। सूर्या। अद
 क्षत। सोमं। अ० प्रौ। नीचीन० वारं। वरुणः। कवंधं। प्रा० समुज्ज। रोदसी इति। अंतरिक्षं। तेन। विषस्य। नु

वनस्य। राजा। यदं। न। वृष्टिः। वि। उन्नति। भूमि। उन्नति। भूमि। वृष्टि। उत। द्यां। यदा। इगुं। वरुणः। वृष्टि।
 आत। इत। सं। अत्रेण। वसता। पर्वतासः। तविषी० यंतः। अथयंत। वीराः। इमां। अं इति। सु। आसुरस्य। अ
 तस्य। महां। माया। वरुणस्य। प्र। वोचं। मानेन इव। तस्त्रि० वान्। अंतरिक्षे। वि। यः। मेमे। वृष्टि। सूर्येण
 । वना। इमां। अं इति। उ। कुवि० तमस्य। मायां। महां। देवस्य। नकिः। आ। दधर्ष। एकं। यत। उन्ना। न। वृष्टंति।
 एनां। आपस्त्रि० वतीः। अवनयः। सस्रुडं। अयम्यं। वरुणः। मित्रं। वा। सखायं। वा। सदा। इत। आतरं। वा।
 वेशं। वा। नित्यं। वरुणः। अरणं। वा। यत। सीं। आगः। वरुम। शिश्रयः। तत। कितवासः। यत। रिरिषः
 । न। दीवि। यत। वा। द्यु। सत्यं। उत। यत। न। विभ्र। सर्वा। ता। वि। स्प। शिथिराईदेव। अधाते। स्यां। वरुणः।

प्रियासः॥३॥ इंद्राग्नी इति। यं। अर्चयः। उन्ना। वाजेष्ठ। मस्यो। दन्हा। वित्। सः। प्रानेदति। द्रुमा। वाणाः
 इवा। वितः। या। एतेनां सु। पुस्तरा। या। वाजेष्ठ। अवाया। या। पंच। वर्षणाः। अग्नि। इंद्राग्नी इति। ता। हवाम
 हो। तयोः। इत। अर्म० वत। रावः। तिग्मा। दिक्कत। मद्यो नोः। प्रति। फणा। गनेत्स्योः। गवां। हृन्० घे। आ।
 ईषते। इंद्राग्नी इति। हवामहे। पती इति। उरस्य। राधसः। विवांसा। गिर्वं। इतमा। ता। हृध० दौ। अत्र।
 यत्। मर्ताय। देवो। अदना। अर्हता। वित्। उरः। दधे। अशा इव। देवो। अर्चत। एव। इंद्राग्नि० न्यां। अहावि
 हव्यं। शूथं। एते। न। मृतं। अदि० निः। ता। सूरिष्ठ। अवः। इहतर। रयिं। गुणत० सु। दि। तं धृतं। इषं। दृष्टात०
 सु। दिधृतं॥३॥ प्र। वः। महे। मतयः। यं। विष्मव। मसुवत। गिरि० जाः। एवयामरुत। प्रा। वासीय। प्र० य

ज्यवे। सु० खादये। तवसे। नंदत० दृष्टये। धुनि० वताय। शर्वसे। प्राये। ज्ञाताः। महिना। ये। वा। उ। स्वयं
 । प्र। विभता। क्ववते। एवयामरुत। क्वा। तत। वः। मरुतः। न। आ० ध्वे। शर्वः। दोना। मन्ता। तत। एषां
 । अध्वयसः। न। अध्वयः। प्राये। दिवः। दृहतः। शृष्टिरे। गिरा। सु० अक्तानः। सु० चः। एवयामरुत। न।
 येषां। इरी। सध० स्वे। ईष्टे। आप्रयः। न। स्व० विद्यतः। प्रास्यंजसः। धुनीनां। सः। चक्रमे। महतः। निः।
 उरु० क्रमः। समानस्मात्। सदसः। एवयामरुत। यदा। अक्तात्मना। स्वात्। अधि। सु० निः। वि०
 स्पृष्टसः। वि० महसः। जिगाति। बो० दृष्टः। दृ० निः। स्वनः। न। वः। अम० वान्। रेजयत्। दृष्टा। विषः। ययि
 । तद्विषः। एवयामरुत। येन। सहंतः। कंजत। सू० रोविषः। स्वाः। शरश्मानः। हिरण्ययाः। सु० आयुक्षसः।

इष्टिणः॥३३॥अपारः॥वः॥महिमा॥ष्ट०शवसः॥वेषं॥शुर्वः॥अवउ॥एवयामरुत॥स्वातारः॥हि॥प्र०सि॥
 तौ॥सं०दशि॥सुन॥ते॥नः॥उरुथत॥निदः॥शुशुक्रांसः॥न॥अनयः॥ते॥रुद्रासः॥सु०मखाः॥अनयः॥यथा
 ॥उवि०कुन्नाः॥अकुंउ॥एवयामरुत॥दीर्घं॥ष्टु॥पुष्ये॥सम्रा॥पाथिदं॥येषां॥अश्रेष्ठ॥आ॥महः॥शर्धासि॥
 अद्भुत०एनसा॥अवेषः॥नः॥मरुतः॥गाउं॥आ॥इतना॥श्रोत॥हवं॥जरिउः॥एवयामरुत॥विलोः॥महः॥स०
 मन्यवः॥युयोतन॥स्मत्॥रथ्यः॥न॥दंसना॥अप॥वेषांसि॥सुउतरिति॥गंतानः॥यजं॥यज्ञियाः॥सु०श
 मि॥श्रोत॥हवं॥अरुतः॥एवयामरुत॥ज्येष्ठांसः॥न॥पर्वतासः॥वि०३मनि॥यूयं॥तस्य॥प्र०वेतसः॥स्पा
 ता॥दुःश्वतवः॥निदः॥३४॥पंचमंमंडलं॥ ॥३॥ ॥३॥वा॥हि॥अग्ने॥प्रथमः॥सुनोता॥अस्याः॥

धियः॥ अतवः॥ दस्मा॥ होता॥ वा॥ सं॥ दृष्टुः॥ अक्षुणोः॥ दुस्तरा॥ सहः॥ विश्वस्मे॥ सहसे॥ सहध्वे॥ अध॥ होता॥ नि॥
 असीदः॥ यजीयात्॥ इजः॥ पदे॥ इषयत्॥ ईयः॥ सन्त॥ वा॥ नरः॥ प्रथमं॥ देव॥ यंतः॥ महः॥ राये॥ वितयंतः॥
 अत्र॥ गमन्॥ दृता॥ इव॥ यंतं॥ वज्र॥ निः॥ वसव्यैः॥ वेदति॥ शयिं॥ जाय॥ वांसः॥ अत्र॥ गमन्॥ रुद्रात्॥ अग्निं॥ दश
 तं॥ दृहंतं॥ वपा॥ वंतं॥ विश्वहा॥ दीदि॥ वांसं॥ पदं॥ देवस्य॥ नमसा॥ व्यंतः॥ अवस्पवः॥ आपन्॥ अष्टकं॥ न॥ अवं॥
 प्रायां॥ ते॥ रणयंत॥ सं॥ दृष्टे॥ वा॥ वृद्धति॥ हितयः॥ दृष्टिमां॥ वा॥ रायः॥ उन्नयासः॥ जनानां॥ वा॥ नाता॥ त
 रणे॥ चेत्यः॥ नृः॥ पिता॥ सदं॥ इत॥ मातृवाणां॥ नृ॥ सपद्येण्यः॥ सः॥ प्रियः॥ विह्वु॥ अग्निः॥ होता॥ मंदः॥ नि॥
 ससाद॥ यजीयात्॥ तं॥ वा॥ वयं॥ दमे॥ आ॥ दीदि॥ वांसं॥ उप॥ दु॥ बाधः॥ नमसा॥ सदेम॥ सु॥ ध्यः॥ नव्ये॥ पर

अग्ने॥ सु० यवः॥ इमहे॥ देव० पयंतः॥ वां॥ विशाः॥ अनयः॥ दी० घानः॥ दिवः॥ अग्ने॥ बृ० हता॥ रो० चनेन॥ वा
 श्वतीनां॥ नि० तो० शने॥ वृष० ने॥ वर्ष० णीनां॥ प्रेति० इष० णिं॥ इष० यंतं॥ पा० वकं॥ रा० जंतं॥ अग्निं॥ य० जंतं॥ र० यी० णां
 सः॥ अग्ने॥ इ० जे॥ रा० ग्रामे॥ च॥ म० र्तः॥ यः॥ ते॥ आ० न० द॥ सं० इ० क्षा॥ ह० व० द० दा० ति॥ न० मः॥ र० निः॥ वि० श्वा॥ इ० त॥ स
 ॥ वा० मा॥ द० ध० ते॥ वा० ज० तः॥ अ० स्मे॥ ज० इ० ति॥ ते॥ म० हि॥ म० हे॥ वि० ध० म॥ न० मः॥ र० निः॥ अग्ने॥ सं० इ० क्षा॥ उ० त॥ ह० व०
 ॥ वे० दी॥ स्त० नो० इ० ति॥ स० ह० सः॥ गीः॥ र० निः॥ उ० क्तैः॥ आ० ते॥ न० ज्ञा० यां॥ सु० म० तौ॥ य० त० म॥ आ० यः॥ त० त० य॥ रो
 द० सा॥ इ० ति॥ वि० ज्ञा० सा॥ अ० वः॥ र० निः॥ च॥ अ० व० स्यः॥ त० रु० नः॥ वृ० ह० त० निः॥ वा० जैः॥ स्व० वि० र० निः॥ अ० स्मे॥ इ० ति॥ र
 व० त० प० निः॥ अग्ने॥ वि० त० रं॥ वि० ज्ञा० हि॥ वृ० व० त॥ व० सो॥ इ० ति॥ स० दं॥ इ० त॥ धे० हि॥ अ० स्मे॥ इ० ति॥ चू० रि॥ तो० का० यी० त॥

यज्ञादिति

नयाय। पश्यः। श्रुवीः। इषः। बृहतीः। आरे० अद्यारे०। अस्मे इति। नृडा। सौश्रवसानि। संव। पुस्तुणि। अग्ने।
पुरुष। वा० या। वसूनि। राजन्। वसुता। ते। अश्व। पुस्तुणि। हि। वे इति। पुरु० वार। संति। अग्ने। वसु। वि
धते। राजन्। वे इति। ॥ ३६ ॥ वा॥ ॥ अथ विंशतिमोऽध्यायः ॥ वा॥ ॥ वा॥ हि। क्षेते० वत। यज्ञां। अ
ग्ने। मित्रः। न। पत्यसे। वा॥ वि० वर्षण। अथः। वसो इति। पुष्टिं। न। पुष्ट्यसि। वा॥ हि। स्म। वर्षणयः। यज्ञेनिः।
गीः। शनिः। ईजात। वा॥ वाजी। याति। अष्टकः। रजः। श्रं। विश्व० वर्षणिः। स० जोषेः। वा॥ दिवः। नरः। यज्ञ
स्य। केउं। इधते। यत। ह। स्पः। माउषः। जनः। सुम० युः। जुके। अधूरे। ऊर्ध्वत। यः। ते। सु० दानवो। धिया।
मर्त्तः। शशमते। अती। सः। बृहतः। दिवः। धिषः। अंहः। न। तरति। सं० इक्ष्वायाः। ते। आ० ऊति। नि० श्रिति। ५४

मर्त्यः। नशात। वया० वंता। सः। उथति। क्षयं। अग्ने। शात० आयुषं॥१॥ चेषः। ते। धूमः। कृण्वति। दिवि। सन्।
शुक्रः। आ० ततः। सूरः। नाहि। कृता। वं। रुपा। पावक। रोवसे। अक्षा। हि। विस्तु। ईयः। असि। प्रियः। नः॥
अतिथिः। रणवः। उरिश्च। नृयः। सुतुः। तात्रययायः। कृत्वा। हि। प्रोणे। अज्यसे। अग्ने। वाजी। ना। सच्य
। परिज्माश्च। स्वक्षा। गयः। अत्य॥ न। क्षायः। शिञ्जुः। वं। त्या। क्षित। अय्यता। अग्ने। पशुः। ना। यवसे।
क्षमा। हा। यत। ते। अजरा। वना। वृश्चति। शिक्कसः। न। अग्ने। होता। दमे। विशां। सं० कृधः। विष्पते। क्षणु। वेपित०
जुषस्व। हव्यं। अगिरः। अर्वा। नः। मित्र० महः। देवा। देवान्। अग्ने। वोचः। सु० मति। रोदस्योः। वीहि। स्व
स्ति। सु० ह्रिति। दिवः। वृन्। विषः। अंहांसि। दुः। श्रुता। तरेम। ता। तरेम। तव। अवेसा। तरेम॥१॥ अग्ने।

सः। क्षेपुः। कृतपः। कृते० जाः। उरु। ज्योतिः। नृशते। देव० युः। ते। यं। वा। मित्रेण। वरुणः। स० जोषाः। देव।
पासि। त्यजेसा। मर्त्त० अर्हः। ईजे। यजेभिः। शशमे। शमीनिः। रुधर० वाराय। अनये। दक्षत्र। एव। वन। तं।
यशसां। अजहिः। ना। अर्हः। मर्त्त० नृशत। ना। प्र० दक्षिः। सरः। ना। यस्म। दृशतिः। अरेणः। नीमा। यत्। एति।
शुवतः। ते। आ। धीः। हे। पस्वतः। शुसुधः। ना। अयं। अक्रोः। ऊत्र। चित्। रणवः। वसतिः। वने० जाः। तिग्म। चित्।
। एम। महि। वर्षः। अस्म। नसत। अश्वः। ना। यमुमानः। आसा। वि० जेहमानः। पुरुषुः। ना। जिक्ता। प्रविः। ना।
प्रवयति। दारु। धक्षतः। सः। इतः। अस्माद्व। प्रति। क्षतः। असिथर। शिशीत। तेजः। अयसः। ना। क्षरा। चि
त्र० ध्रजतिः। अरतिः। यः। अक्रोः। वेः। ना। दु० सधा। रघुपत्न० जंहाः। रा। सः। ई। रेनः। ना। प्रति। वस्त्रो।

उमाः। शोषिषा। ररपीति। मित्रं० महाः। नक्तं। यः। ई। असुषः। यः। दिवा। दृत्। अमर्त्यः। असुषः। यः। दिवा। दृ
 र। दिवः। न। यस्या। विधत्तः। नतीनोत्। दृषा। रुक्षः। उषधीः। दृनोत्। दृणा। न। यः। ध्रुवसा। पत्नना। यं
 र। आ। रोदसीइति। वसुना। दं। सुपत्रीइतिसु० पत्री। क्षयः। रन्निः। वा। यः। युज्येनिः। अर्केः। वि० द्रुत
 न। दविद्योत्। स्वेनिः। शुभैः। शर्द्धः। वा। यः। मरुतां। ततर्द्ध। कुत्रः। न। वेषः। रनमानः। अद्योत्॥४॥
 यथा। होतः। मउषः। देव० ताता। युजेनिः। सूनोइति। सहस्रः। यजोसि। एवानः। अद्य। समना। समा
 नार्। उशार्। अग्ने। उशतः। युहि। देवान्। सः। नः। विना० वा। चक्षणिः। न। वस्तोः। अग्निः। वंदास। वेद्य
 ॥ चनः। क्षत्। विश्व० आ। युः। यः। अमृतः। मर्त्येः। उषः। श्रुत। रूत। अतिथिः। जात० वेदाः। द्यावः। न। यः

यः वारुणं । अन्नं । अ । ति । वायुः । न । राष्ट्री । अति । एति । अ ।
के न । अयमि । ३

स्य । पनयति । अन्नं । नासां सि । वस्त्रे । सूर्यः । न । अक्षः । वि । यः । इति । अजरः । पावकः । अश्वस्य । वित । शिष्य
न । पुष्पाणि । वग्ना । वग्ना । यथा । संहितेः । हि । स्तनो इति । असि । अमणसदा । वक्त्रे । अग्निः । जुषुषा । अज्म । अन्नं
। सः । वं । नः । अर्जुनः । सने । अर्जुनः । क्षः । राजा इव । अष्टके । द्वेषि । अन्नरिति । नि । तिति । क्रि । यः । ते । आणदि
शो । अरातीः । अत्यः । न । इतः । पततः । परि । फल । पा । आ । सूर्यः । न । नात्रुमत् । निः । अर्कैः । अग्ने । ततं य । रो
दसी इति । वि । नासा । वित्रः । नयत् । परि । तमां सि । अक्षः । शोषिषा । पत्नम् । अग्निः । न । दीयन् । वां । हि । मं
इ । तमं । अर्कः । शोकेः । वृष्टमहे । महि । नः । शोषि । अग्ने । इन्द्र । न । वा । शर्व । सा । देवता । वायुं । दृष्टंति । राधसा
। इ । तमं । अ । नः । अग्ने । अष्टके निः । स्वस्ति । वेषि । रायः । पथि । निः । पथि । अहः । ता । सूरि । न्यः । दृष्टते ।

रुसि। सुभ्रं। मदैम। शत० हिमाः। सु०। वीराः॥६॥ ऊजुवे। वः। सु०। सहसः। युवातं। अशेषवाचं।
 मति० निः। यविष्ठं। यः। इवति। इविणानि। प्र० चैताः। विश्व० वाराणि। उरु० वारः। अक्रक। वेदति। वस्तु
 नि। उरु० अनीक। होतः। दोषा। वस्तोः। आ। ईरिं। यज्ञियासः। क्षामश्च। विश्वा। उवेनानि। यस्मिन्।
 सं। सौतगाति। दुधिर। पावके। वं। विष्णु। प्र० दिवः। सीदः। आसु। ऊवा। रथीः। अमुः। वायीणां। अतः।
 इनोषि। विधुते। चिकित्वाः। वि। आनुषक। जात० वेदः। वस्तुनि। यः। नः। सवेत्यः। अतिपदासतः। अग्रे। यः।
 अन्नरः। मित्र० महः। वृद्ध्यात्। तं। अजरैतिः। दृष० निः। तव। स्वेः। तप। तपिषा। तपसा। तपस्वान्। यः।
 ते। यस्तेन। स० इक्ष्वायुः॥ उक्तेः। अर्कैतिः। सूनो इति। सहसः। ददाशत। सः। मत्स्यैः। अष्टत। प्र० चैताः।

राया। कमेन। अवसा। वि। जाति। सः। तत्। रुधि। इषितः। वर्य। अग्ने। सुधः। वाधस्व। सहसा। सहस्वान।
 यत्। सस्यसे। क० निः। अक्तः। अधः। रनिः। तत्। जषस्व। जरिउः। द्वेषि। मन्म। अश्पाम। तं। कामं। अ।
 ने। तव। जती। अश्पाम। रयि। रयि० वः। सु० वीरं। अश्पाम। वाजे। अनि। वाजयंतः। अश्पाम। कमे।
अजर। अजरे। ते॥ ग। प। नव्यसा। सहसः। सूत्रं। अच्चायतेन। गाउं। अवः। इच्छमानः। हृश्चत० वने।
रुल्ल० यामं। सरंते। वीती। होतारं। दिव्यं। जिगाति। सः। श्चिनानः। तन्नु० उ। रोचन० पस्थाः। अजरेनिः।
नानदत्० निः। यविष्ठः। यः। पावकः। पुरु० तमः। पुरु० णि। ष्टयूनि। अग्निः। अनु० याति। अर्वेत्। वि। ने।
विधक्। वात० ज्ञातासः। अग्ने। ज्ञामासः। शुवे। शुवयः। चरंति। उवि० प्रक्षासः। दिव्याः। नव० वा। वना। व

न॒ति। धृ॒ष॒ता। रु॒ज॒तः। ये। ते। शु॒क्रा॒सः। शु॒र्व॒यः। शु॒वि॒भूः। क्षा॒। व॒प॒ति। वि॒० सि॒ता॒सः। अ॒श्वः। अ॒ध॒। अ॒मः। ते
 । उ॒र्वि॒या। वि॒। ना॒ति। या॒त॒य॒मा॒नः। अ॒धि॒। सा॒उ॒। ए॒श्वेः। अ॒ध॒। जि॒ह्वा। पा॒प॒ती॒ति। प्र॒। ह॒स्तः। गो॒३० सु॒धः। ना॒
 अ॒त्रा॒निः। सृ॒जा॒ना। शू॒र॒स्य॒इ॒व। प्र॒० सि॒तिः। क्षा॒तिः। अ॒श्वेः। ३० श॒व॒र्तुः। नी॒मः। द॒य॒ते। व॒नी॒नि। आ॒। ना॒उ॒न
 । पा॒थि॒वा॒नि। ह॒यो॒सि। म॒हः। तो॒द॒स्य॒। धृ॒ष॒ता। त॒त॒य॒। सः। वा॒ध॒स्व॒। अ॒प॒। न॒या। म॒हः। र॒जिः। सृ॒धः। व॒वृ॒ष॒न
 । व॒वृ॒षः। नि॒। ह॒वी॒मः। वि॒त्र॒। वि॒त्र॒। वि॒त॒य॒त॒। अ॒स्मे॒इ॒ति। वि॒त्र॒० ह॒त्र॒। वि॒त्र॒० त॒म॒। व॒यः। श॒क्ष॒०। च॒ंद्र॒। र॒यि॒। उ॒रु॒०
 वी॒र॒०। ह॒ह॒त॒०। च॒ंद्र॒। च॒ंद्रा॒निः। ए॒ण॒ते। यु॒व॒स्व॒॥ ७॥ मू॒र्ध॒नि॒। दि॒वः। अ॒र॒ति॒०। ए॒धि॒व्याः। वै॒श्वान॒र॒०। क॒ते। आ॒। जा॒त॒
 । अ॒ग्नि॒०। क॒वि॒०। सं॒०। रा॒ज॒०। अ॒ति॒धि॒। ज॒न॒ना॒०। आ॒स॒न॒०। आ॒। पा॒त्र॒०। ज॒न॒य॒त॒। दे॒वाः। ना॒नि॒०। य॒ज्ञा॒ना॒०। स॒द॒न॒०। र

याणां।महा।आहावं।अनि।सं।नवंत।वैश्वानरं।रथं।अधुराणां।यज्ञस्य।केतुं।जनयंत।देवाः।वत।विप्रः।
 जायते।वाजी।अग्ने।वत।वीरसः।अनिमाति०सहः।वैश्वानर।वं।अस्मास्तु।धेहि।वसूनि।राजन्।सृष्ट्या
 व्याणि।वा।विष्टे।अष्टत।जायमानं।शिष्टं।न।देवाः।अनि।सं।नवंते।तव।ऋतु०निः।अष्टत०वं।आयन्
 वैश्वानर।यत्।पित्रोः।अदीदेः।वैश्वानर।तव।तानि।वृतानि।महानि।अग्ने।नकिः।आ।दधर्ष।यत्।जा
 यमानः।पित्रोः।उप०स्त्रे।अविंदः।केतुं।वयुनेषु।अक्रां।वैश्वानरस्य।वि०मितानि।चक्षसा।सानूनि।
 दिवः।अष्टतस्य।केतुना।तस्य।इत्।अंइति।विश्वा।भुवना।अधि।मूर्धनि।वयाः।इव।रुरुजः।सुप्त।वि०
 क्रहः।वि।यः।रजोसि।अमिमीत।सु०ऋतुः।वैश्वानरः।वि।दिवः।रावना।कविः।परि।यः।विश्वा।भुव

नानि। पृथुये। अदञ्जः। गोपाः। अष्टतस्य। रक्षिता॥ ए॥ वृक्षस्य। वृक्षः। अरुषस्य। उ। सहः। प्रा। उ। वोचं। वि
 दद्या। जात० वेदसः। वैश्वानराय। मतिः। नमसी। अविः। सोमः। इव। पवते। चारुः। अमये। उ। वतामि। अ
 मिः। वत० पाः। अरक्षत। वि। अत्ररिक्तं। अमिमीत। सु० क्रतुः। वैश्वानरः। महिना। नार्कं। अष्टज्ञान। वि।
 अस्तन्ना। सोदसी इति। मित्रः। अहुतः। अंतः। श्वावत। अरुणोत्। ज्योतिषा। तमः। वि। चर्मणी इवे
 ति चर्मणी इव। धिषणे इति। अवर्तयत। वैश्वानरः। विमं। अधत्त। वृष्यं। अपां। उप० स्ते। महिषाः। अष्टक
 त। विशाः। राजानं। उपः। सुः। क्रमिये। आ। हतः। अग्निं। अनरुत्। विवस्वतः। वैश्वानरं। मातरिष्य। परा
 वतः। युगे० युगे। विदध्यं। एतं० न्यः। अग्ने। रयिं। यशसं। धेहि। नमसी। पृथा इव। राजन्। अथ०

सहाम

शंसं। अजरा। नीचा। नि। दृष्ट्वा। वनिनं। न। तेजसा। ॥ धारय। अनामि। क्षत्रं। अजरा। सु० वीर्यं। वयं। जयेम। शति।
 नं। सहस्रिणं। वैश्वानरा। वाजं। अग्ने। तवे। नति० निः। अदक्षेभिः। तवे। गोपातिः। इष्टे। अस्माकं। पाहि। त्रि० सध
 स्त्र। सूरिन्। रक्ष। च। नः। ददुषां। शर्द्धः। अग्ने। वैश्वानरा। प्रा। च। तारीः। स्ववानः॥ १॥ अहरिति। वा। नृत्ता। अ
 हः। अर्जुनं। च। वि। वर्त्तेते इति। रजसी इति। वेद्याभिः। वैश्वानराः। जायमानः। न। राजा। अव। अतिरत्। न्योति
 पा। अग्निः। तमोसि। न। अहं। तं उं। न। वि। जानामि। उ उं। न। यं। वयंति। सं० अरे। अतमानाः। कस्य। स्विन्
 । पुत्र॥ इह। वक्त्रानि। परः। वदाति। अचरेण। पिसः। इत्ता तं उं। सः। वि। जानाति। उ उं। सः। वक्त्रानि। क्रुतु०
 धा। वदाति। यः। ई। विकेतत्। अमुं स्या गोपाः। अवः। चरन्। परः। अन्येन। पश्यन्। अयं। होता। प्रष्टुमः॥ पश्य

किं। त। इमे। इदं। ज्योतिः। अष्टतं। मर्त्यैः। अयं। सः। जज्ञे। क्रवः। आ। नि० सत्तः। अमर्त्यः। तत्रा। वर्धमानः। क्र
 वं। ज्योतिः। नि० हितं। द्वाये। कं। मनः। जविष्ठं। पतयत्० सु। अत्ररिति। विष्टे। देवाः। स० मनसः। स० केता
 ॥ एकं। ऊतं। अग्निं। वि। यंति। साधु। वि। स। कर्मा। पतयत्० वि। लुहः। वि। इदं। ज्योतिः। हृदये। आ० हि
 तं। यत्। वि। मे। मनः। चरति। हरे० आधीः। स्विता। वक्ष्यामि। किं। ज्ञंति। उ। मुनिष्ये। विष्टे। देवाः। अनम
 स्यत्। नित्यानाः। वा। अमे। तमसि। तस्त्रि० वांसां। वैश्वानरः॥ अवत्। नृतये। नः। अमर्त्यः। अवत्। नृतये
 । नः॥ ११॥ उरः। वः। मंदां। दिव्यं। सु० वृत्तिं। प्र० यति। युज्ञे। अग्निं। अधरे। दधिधुं। उरः। उक्तेनिः। सः। हितः।
 विना० वा। सु० अधरा। करति। जात० वेदाः। तं। ज्ञंति। द्य० मः। उरु० अनीक। होतः। अग्ने। अग्नि० निः।

मनुष्यः। इक्ष्वरः। स्तोमोऽयं। अस्मै। ममता इव। ^{शु}पुं। एतं। न। अवि। मृतयः। पवते। पीणय। सः। अश्वसा। मयैष।
यः। अमये। ददाश। विप्रः। उक्तेः। चित्राभिः। तं। नृति० निः। चित्र० शोविः। वृजस्य। साता। गो० मृतः। दक्षति
। आ। यः। पप्रौ। जायेमानः। उर्वी इति। दूरे० दशा। नासा। कृत्स्न० अध्व अध्ववृज। चित्र। तमः। नम्यायाः। तिर
। नोविषा। ददृशे। पावकः। उ। नः। चित्रं। उरु० वाजाभिः। जुती। अग्ने। रयि। मद्यवत्० न्यः। च। धेहि। ये। रा
धसा। अश्वसा। च। अति। अन्यान्। सु० वीर्येभिः। च। अनि। संति। जनान्। इमां युतं। चनः। धः। अग्ने। उग्रान्
। यं। ते। आसानः। जुजुते। हविष्मान्। मरुत्० वाजेषु। दधिषे। सु० वृत्तिं। अवीः। वाजस्य। गधस्य। सातो। वि
। धेषां सि। इउहि। वर्धय। इलां। ॥ १२॥ यजस्व। होतः। इधितः। यजीयान्। अग्ने। बाधः। मरुतो। न। प्र० युक्ति। ६०

आ॥ नु॥ मित्रावसुणा॥ नासत्या॥ द्यावा॥ होत्राय॥ पृथिवी इति॥ वष्ट्याः॥ वं॥ होता॥ मुं० तमः॥ नु॥ अ० फ० क० अ० त०
 ॥ देवः॥ विदथा॥ म० यै० उ० पा० व० क० द्या॥ जु० क्ता॥ व० क्रिः॥ आ० सा॥ अ० ग्रे॥ य० ज० स्व॥ त० वं॥ त० व॥ स्वा॥ ध० न्या॥ वि० त॥ हि॥ वे० इति॥
 ॥ धि० ष० णा॥ व० षि॥ प्र॥ वे० वा० न॥ ज० न्मो॥ पृ० णा० ते॥ य० ध० न० ध्ये॥ वे० पि० षः॥ अ० गि० र० सा॥ य० त॥ हा॥ वि० प्रः॥ म० धु॥ वं० दः॥ न० न० ति॥ रे० नः॥ इ०
 ध्ये॥ अ० दि० क० त० त॥ सु॥ अ० णा० कः॥ वि० ना० वा॥ अ० ग्रे॥ य० ज० स्व॥ रो० द० सी॥ इति॥ उ० रु० वी॥ इति॥ उ० रु० वी॥ इति॥ आ० यु० न॥ यं॥ न० म०
 सा॥ रा० त० ह० व्याः॥ अ० ज० न० ति॥ सु० प्र० य० सं॥ पं० वा॥ ज० नाः॥ वृ० ज्जे॥ हा॥ य० त॥ न० म० सा॥ ब० र्हिः॥ अ० ग्रे॥ अ० य० मि॥ सु० क॥ पृ० त० व० ती॥
 ॥ सु० व० क्रिः॥ अ० म्य० क्षि॥ स० म्र॥ स० र्द० ने॥ पृ० थि० व्याः॥ अ० ग्रा० यि॥ य० नः॥ स० र्ये॥ न॥ व० ह्युः॥ द० वा० स्या० नः॥ उ० रु० अ० नी० का॥ हो०
 तः॥ दे० वे० निः॥ अ० ग्रे॥ अ० नि० निः॥ इ० क्ष० नः॥ रा० यः॥ स० नो॥ इति॥ स० ह० सः॥ व० व० सा० नाः॥ अ० ति॥ स० से० म॥ वृ० ज० नो॥ न॥ अ० हः॥ इति॥

मध्ये । होता । डुरोणे । बर्हिषः । राट् । अग्निः । तोदस्य । रोदसी इति । यजध्वै । अयं । सः । सूतः । सहसः । कृतं वा । दुरा
 त् । सूर्यः । न । गोविषा । ततान । आ । यस्मिन् । वेति । सु । अपाके । यजत्र । यक्षत । राजन् । सर्वताता इव । उ । धौ । धि
 पसुधस्वः । तत्ररुषः । न । जहः । हव्या । मद्यानि । मात्रुषा । यजध्वै । तेजिष्ठा । यस्य । अरतिः । वृने । राट् । तौदः । अध्वन् ।
 नादधसानः । अद्यौर । अद्योद्यः । न । प्रविता । वेति । नमः । अमर्त्यः । अवर्चः । उषधीषु । सः । अस्माके निः । एत
 रि । न । सुषैः । अग्निः । स्रवे । दमे । आ । जातं । वेदाः । क्र० अन्नः । वृचन् । कवो । न । अर्वा । उन्नः । पिता इव । जारयायि ।
 यज्ञैः । अधः । स्म । अस्य । पनयंति । नामः । दद्या । यत् । तक्षन् । अत्रु० पाति । दृष्टी । सद्यः । यः । स्पृङ् । विपसितः ।
 धवीयान् । शुणः । न । ताद्युः । अति । धव । राट् । सः । वं । नः । अर्वन् । निदायाः । विश्वे निः । अग्ने । अग्नि० निः । इक्ष

६१

[illegible]

कोयः अरये। जसुरये। वभा। स्तुनो इति। सहसः। न। वि० हाया। अग्ने। तोकं। तनयं। वाजिनः। दाः। विश्वानिः।
 गीः शक्तिः। अनि। गीः शक्तिः। अग्ने। न। शप॥ ॥ अर्द्धः॥ ॥ अग्नायः। मर्त्यः। दुर्वाः। धियं। ज्ञा।
 जोष। धीति० निः। न सप्त। उ। सः। प्र। पूर्यः। इषं। दुरीत। अवसे। अग्निः। इत्त। हि। प्र० धेताः। अग्निः। वेधः।
 रतमः। ऋषिः। अग्निं। हो। तारं। इलते। यज्ञेषु। मनुषः। विशाः। नाना। हि। अग्ने। अवसे। स्पृधत। रायः।
 अर्यः। त्वेतेतः। दस्युं। आयवः। वृतेः। सीक्षतः। अवृतं। अग्निः। अग्नां। ऋवि० सहं। वीरं। ददाति। सत० प०
 ति। यस्य। त्रसंति। शर्वसः। सं० वक्षि। शत्रवः। निया। अग्निः। हि। विप्रना। निदः। देवः। मर्त्यं। उरुयति।
 सहपवा। यस्य। अष्टतः। रयिः। वाजे० अष्टतः। न। शप॥ इमं। जं इति। सु। वः। अतिथिं। उषः। श्रुधं॥

दृ

विष्णुमां। विशां। पतिं। कृत्स्नमे। गिरा। देति। इत। दिवः। ज्ञुषा। कर्त। दित। आ। अविः। ज्योक्। चित
। अत्रि। गर्भः। यत। अर्कत। मित्रं। न। यं। सु० धितं। नृगवः। दधुः। वनस्यतौ। ईयं। रुर्ध० गोविषं। स।
वं। सु० प्रीतः। वीत० हवे। अद्भुत। प्रज्ञास्ति० निः। मह्यमे। दिवे० दिवे। सः। वा० दक्षस्य। अष्टकः। दृधः।
नूः। अर्यः। परस्य। अवरस्य। तर्षः। रायः। सूनोइति। सहसः। मर्त्ये० आ। वृद्धिः। युष्ठावीत० हव्या
य। सु० प्रथः। नरत० वाजाय। स० प्रथः। कृतानं। वः। अतिथिं। स्वः। शनरं। अग्निं। होतारं। मनुषः। सु
० अध्वरं। विप्रं। न। दक्ष० ववसं। सुवृत्ति० निः। हव्य० वाहं। अरतिं। देवं। कृत्स्नमे। पावकाया। यः। ति
तयैत्या। क्षपा। क्षामेन्। रुसुवे। उषसः। न। ना० उना। त्वर्वन्। नायामेन्। एतशस्य। उरणे। आ। यः॥

दृणे। न। तट्टाणः। अजरः॥१॥ अग्निं० अग्निं० वः। सं० इक्ष्म। दुवस्यत। प्रियं० प्रियं० वः। अतिथिं। दृणीषणि।
 । उपावः। गीः। शनिः। अष्टतं। विवासत। देवः। देवेषु। वनते। हि। वार्ये। देवः। देवेषु। वनते। हि। वार्ये। देवः। देवेषु
 । वनते। हि। नः। उवः। सं० इक्ष्म। अग्निं० सं० इक्ष्म। गिरा। दृणे। अवि। पावकं। उरः। अध्वरे। क्रवं। विषं। होतारं।
 उरु० वारं। अफहं। कविं। सुमैः। इमहे। जात० वेदसं। वां। इतं। अग्ने। अष्टतं। युगे० युगे। हव्य० वाहं। दधिरे।
 पायुं। इयं। देवासः। च। मर्त्तसिः। च। जायविं। वि० उं। विष्टपतिं। नमसा। नि। सेदिरे। वि० नृषन्। अग्ने। उम
 यान्। अउ। वता। इतः। देवानां। रजसी इति। सं। इयसे। यत। ते। धीतिं। सु० मतिं। आ० दृणीमहे। अध।
 स्म। नः। त्रि० वस्त्यः। शिवः। नव। तं। सु० प्रतीकं। सु० द्वां। सु० अन्वं। अविषं। सः। विडः। रतरं। सपेम।

६३

सः। यक्षः। विश्वा। वयुनानि। विद्वान्। प्र। हंयं। अग्निः। अमृतं। वोचत॥ १८॥ तं। अग्ने। पाप्मि। उत। तं।
प्रियर्षिः। यः। ते। आनेरु। कवये। सुराधीति। यज्ञस्य। वा। नि० श्रिति। वा। उत० इति। वा। तं। इत०। एणक्षि
। शर्वसा। उत। राया। वा। अग्ने। वउथतः। नि। पाहि। वा। जंइति। नः। सहस्र० वत्। अवद्यात। सांवा। ध्व
स्मन्० वत्। अग्नि। एउ। पायः। स०। रयिः। सहयाय्यः। सहस्त्रा। अग्निः। होता। गृह० पतिः। सः। राजा। वि
श्वा। वेद। जनिम। जात० वेदाः। देवानां। उत। यः। मर्त्यानां। यजिष्ठः। सः। प्रायजतां। कृत० वा। अग्ने। रा
त०। अथः। विवाः। अध्वरस्य। होतरिति। पावक० शोधे। वेः। वां। हि। यक्षा। कृता। यजासि। महिना। वि। यत०।
नः। हव्या। वह। यविष्ठ। या। ते। आद्या। अग्नि। प्रयांसि। सु० धितानि। हि। रव्यः। नि। वा। दधीत। रोदसीइति। य

नभो॥ अ॒र्कः॒ नः॥ म॒द्य० व॒रः॒ वा॒ज० सा॒तौ॒ अ॒ग्ने॒ वि॒श्वानि॥ ० ॥ १५ ॥ अ॒ग्ने॒ वि॒श्वे॒ निः॥ सु० अ॒नी॒कं॒ दे॒वैः॥ अ॒सी
 ० व॒तं॒ प्र॒द्य॒मः॥ सी॒दा॒यो॒निं॒ ऊ॒ना॒पि॒नं॒ घृ॒त० व॒तं॒ स॒वि॒त्रे॒ य॒ज्ञं॒ न॒य॒ य॒ज॒मा॒ना॒य॒ सा॒ध॒ इ॒मं॒ ज॒इति॒ त्या॒ अ
 य॒र्व० व॒त॒ अ॒ग्निं॒ म॒न्य॒ति॒ वे॒ध॒सः॒ यं॒ अ॒ंकु॒ य॒तं॒ अ॒॥ अ॒न॒य॒न् अ॒मू॒रं॒ अ॒पा॒म्या॒न्यः॒ अ॒नि॒षा॒दे॒व० वी॒त॒ये॒ स
 र्व० ता॒ता॒ सु॒स्त॒ये॒ आ॒ दे॒वा॒न् व॒ह्नि॒ अ॒मृ॒ता॒न् कृ॒त० व॒धः॒ य॒ज्ञं॒ दे॒वेषु॒ पि॒ष्ट॒शः॒ व॒यं॒ ज॒इति॒ वा॒ गृ॒ह० प
 ते॒ ज॒ना॒नां॒ अ॒ग्ने॒ अ॒र्क॒म॒सी॒ सं॒ इ॒धा॒ वृ॒ह॒तं॒ अ॒स्व॒रि॒नः॒ गा॒र्ह० प॒त्या॒नि॒ सं॒ उ॒ ति॒ग्मे॒न॒ नः॒ तज॒सा॒ सा॒ शि
 शा॒धि॥ १० ॥ वं॒ अ॒ग्ने॒ य॒ज्ञा॒नां॒ हो॒ता॒ वि॒श्वे॒षां॒ हि॒तः॒ दे॒वे॒निः॒ मा॒नु॒षे॒ ज॒ने॒ सः॒ नः॒ मं॒ ज॒निः॒ अ॒ध॒रे॒॥
 जि॒ह्वा॒निः॒ य॒ज॒ म॒हः॒ वे॒दः॒ हि॒ वे॒धः॒ अ॒ध॒नः॒ प॒थः॒ च॒ दे॒वा॒ अ॒ज्ज॒सा॒ अ॒ग्ने॒ य॒ज्ञे॒षु॒ सु॒कृ॒तो॒ इति॒ सु०

कतो। वां। ईले। अधा। धिता। नरतः। वाजिनिः। शुनं। ईजे। यरेष्ठ। यज्ञियं। वां। इमा। वायी। उरु। दिवः। रदासा
 य। सुवृत्ति। नरतणवाजाय। दाशुषे। १॥ वां। इतः। अमर्त्यः। आ। वह। दैव्यं। जनं। शृण्वन्। विप्रस्य। सु० सुति।
 वां। अग्ने। सु० आधः। मर्त्तसिः। देव० वीतये। यरेष्ठ। देवं। ईलते। तव। प्रायक्षि। संपदं। उत। क्रतुं। सु० दा।
 नवः। विष्टे। जषता। कामिनः। वां। होता। मउरहितः। वन्निः। आसा। विदुः। रतरः। अग्ने। यक्षि। दिवः। वि
 वाः। अग्ने। आ। याहि। वीतये। एणानः। हव्य० दातये। नि। होता। ससि। बर्हिषि। १॥ तां। वा। समित० निः।
 अङ्गिरः। एतेन। वर्धयामसि। बृहत्। जोष। यविष्टा। १॥ सः। नः। एषु। अवाय्यं। अन्वादेव। विवाससि। बृहत्
 अग्ने। सु० वीर्यं। वां। अग्ने। उक्तरत्। अधि। अथर्वा। निः। अमंयत। मूर्धः। विष्टे। वाद्यतः। तां। जं० इति।

वा। दध्यर्०। कृषिः। पुत्रः। ईध। अथर्वाणः। हृन्० हनं। पुरं० दरी० पाथ्यः। वृषा। सं। ईधे। दस्फहन्० तमं। धनं० जयं
 । रणे० रणे॥ २३॥ आ। इहि। अंइति। सु। ब्रवाणि। ते। अग्ने। इन्ना। इतराः। गिरेः। एभिः। वर्धासे। इंदु० मिः। यत्र
 । क्व। व। ते। मनः। दक्षं। दधसे। उत्० तरं। तत्र। मदः। कृणवसे। नहि। ते। वृत्तं। अक्षि० पत। उवत। नेमानां।
 वसोइति। अथ। पुद। वनवसे। आ। अग्निः। अगामि। तारतः। हृन्० हा। उरु० चेततः। दिवः। रदासस्य। स
 त० पतिः। सः। हि। विश्वा। अति। पार्थिवा। रयिं। दार्शत। महि० वना। ववर्। अवातः। असृतः॥ २४॥ सः
 । पुत्र० वत। नवीयसा। अग्ने। कृन्नेन। सं० यता। हृहत्। ततंयु। जाउना। प्र। वः। सखायः। अग्रये। स्तोमं।
 युस्तं। व। धृष्टु० या। अर्वा। गाय। व। वेधसे। सः। हि। यः। माउषा। युगा। सीदत। होता। कवि० कृतः। इतः। व।

हम्वाहनः। ताराजाना। शुवि० वता। वसो इति। यक्षि। इह। रोदसी इति। वस्वी। ते। अग्ने। सं० दृष्टिः। इष० य
 ने। मर्त्याया। अर्क्षः। नपात्। अष्टतस्य॥ १५॥ ऋचा। दाः। असु। श्रेष्ठः। अद्या। वा। ववत्। सु० रेक्ताः। मर्तः। अ
 नात्रा। सु० वृत्तिः। ते। ते। अग्ने। वा० जताः। इषयंतः। विश्वं। आयुः। तरंतः। अर्यः। अरतीः। ववत्। अर्यः।
 अरतीः। अग्निः। तिग्मेने। गोविषा। यासंत। विश्वं। नि। अत्रिणं। अग्निः। नः। वनते। रयिं। सु० वीरं। रयिं। आ
 न्नर। जात० वेदः। वि० र्वर्षी। जुहि। रक्षांसि। सु० कृतो इति सु० कृतो। वं। नः। पाहि। अंहसः। जात० वेदः। अथ
 पयतः। रक्षा। नः। वसुणः। कवे॥ १६॥ यः। नः। अग्ने। इः। शर्वः। आ। मर्तः। चक्षयः। दाशति। तस्मात्। नो० पा
 हि। अंहसः। वातं। देवा। जिह्वया। परि। बाधुस्व। इः। रक्षतं। मर्तः। यः। नः। जिघांसति। नरत्० वाजाय। सु०

पणः। शर्मा। युद्ध। सुहृत्। अग्ने। वरेण। वसु। अग्निः। वृत्राणि। जंघनत। प्रविण्णसुः। विपन्या। सं५५। शु
क्रः। आ० ऊतः। गर्भे। मातुः। पित्रः। पिता। वि० दिद्युतानः। अक्षरे। सीदन्। कृतस्य। योनिं। आ॥ २७॥ वसु।
पुत्रा० वह। आ। भूर। जात० वेदः। वि० वृक्षणे। अग्ने। यत। दीदयत। दिवि। उप० वा। रुण० संदश०। प्रयस्वतः। स
हः रक्त। अग्ने। ससृज्महे। गिरः। उप० वायां इव। ष्टणेः। अंगन्म। शर्मा। ते। वयं। अग्ने। हिरण्ण० संदशः। य
उग्र। त इव। शर्य० हा। तिग्म० ष्टंगः। नावं संगः। अग्ने। प्ररः। सूरो जिय। आ। यं। हस्ते। न। स्वादिनं। शिशुं।
जातं। न। वित्रति। वित्रां। अग्निं। सु० अध्वर॥ २८॥ प्र० देव० वीतये। भरत। वसुवित० नमं। आ। स्वे। योनौ। नि
सीदु०। आ। जातं। जात० वेदसि। प्रियं। शिवात्। अनिथिं। स्योने। आ। गृह० पतिं। अग्ने। युद्ध। हि। ये। त

६६

वा अथासः देवः साधवः अरं वहति मनवे अठानाः याहि आ वहा अग्निः प्रयांसि वीतये ॥ उत अग्ने
भारतः क० मत्तः अजस्तेण दविद्धततः शोवा विनाहि अजरः ॥ श्या वीतीयः देवः मर्तः ॥ उवसेतः अग्निः
ईलीत अधरे हविष्मार् होतारं सत्यं यजे रोदस्यो ॥ उन्नानं हस्तः नमसा आ विवासेतः ॥ रुदा तष्टं
नरामसि ते ते नवंबु उक्षणेः कृषनासः ॥ वशाः ॥ उत अग्निं देवासः अग्नियं इंधते ॥ उन्नहन् तमे
येन वसेनि आ नृता ॥ रुद्रा रक्षांसि वाजिनो ॥ ववा एको न विंशतिमोऽध्यायः ॥ ७ ॥ ॥
उः पिव सोमं अग्निं यं उग्र तर्हः ॥ नर्वी गव्यं महि शृणानः ॥ इन्द्रा विद्यः ॥ धृष्टो इति यवधिषः ॥ वज्रं
हस्तं विश्वा ॥ रुद्रं अमित्रिवा शवः ॥ शनिः सः ॥ ईपाहिय ॥ कृजीषी तस्तत्रः ॥ यः ॥ शिषं वान् ॥ रुद्रः ॥

यः। मतीनां। यः। गोत्र० नित० वृज० च० यः। हरि० स्थाः। मः। इन्द्र० वि० नान्। अ० नि० वृ० धि० वा० जी० न्। ए० व० पा० हि०
 । प्र० न० य०। म० दं० उ०। वा०। अ० धि०। वृ० स्त०। वृ० ध० स्व०। उ० त०। गीः। अ० निः। अ० विः। स्त० य०। कृ० पु० हि०। पी० पि० हि०। प्र० षः। ज० हि०।
 श० न्। अ० नि०। गाः। इन्द्र०। वृ० धि०। ते०। वा०। म० द०। वृ० ह० त०। इन्द्र०। स्व० ध० वः। इ० मे०। पी० ताः। उ० क० यं० त०। द्य० मं० तं। म० हा०। अ० र० नं
 । त० व० स०। वि० नू० ति०। म० स० रा० सः। ज० ह० षं० त०। प्र० स० हं। ये० निः। स्त० य०। उ० ष० स०। म० द० स० नः। अ० वा० स० यः। अ० प०। द० ह्या० नि०
 । द० इ० त०। म० हा०। अ० दि०। परि०। गाः। इन्द्र०। सं० तं। उ० न्नाः। अ० र्क० तं। स० द० सः। परि०। स्वा० त०॥१॥ त० व०। कृ० वा०। त० व०। त० त०
 । दं० स० ना० मिः। आ० मा० स०। प० कं०। श० य०। नि०। दी० ध० रि० ति० दी० धः। अ० र्लो०। उ० रः। उ० स्त्रि० या० च्यः। वि०। दृ० ह्या०। उ० त०। मु० व०
 ति०। माः। अ० स्तृ० ज०। अ० गि० र० स्वा० न्। प० प्रा० य०। क्ता०। म० हि०। दं० सः। वि०। उ० वी०। उ० प०। द्या०। कृ० षः। वृ० ह० त०। इन्द्र०। स्व० ना० यः।

CC-0. Mrugendra Vinod Collection. Digitized by eGangotri

तासां। अत्र। प्र० वतः। इन्द्रायेथा। प्र। आर्दयः। नावी॥ अपसः। ससुद्धं। एवाता। विष्वा। वक्तु० वां सें। इन्द्रं। महा
 । उग्रं। अजय्य। सहः। रदो। सु० वीरं। वा। सु० आयुधं। सु० वद्धं। आ। वस्र। नयं। अवसे। वृहत्यात्। सः। नः। वा
 जाय। अवसे। इषे। च। राये। धेहि। कृ० मतः। इन्द्र। विप्रान्। अरत्० वाजे। वृ० वतः। इन्द्र। सूरिन्। दिवि। च।
 स्म। एधि। पाये। नः। इन्द्र। अया। वाजं। देव० हितं। सनेम० वा॥ ॥॥ अनिभूति० उजाः। ववन्। अवातः। उरु
 ० हतः। इन्द्रः। अषाहं। उग्रं। सहमानं। आनिः। गीः। रनिः। वृद्धी। वृषभं। वर्षणीनां। सः। युध्यः। सवा। खज
 ० कृत्। समत्० वा। उवि० प्रक्षेः। नद० उ० मान्। कृजीषी। वृहत्परेणुः। अवनः। मातृषीणां। एकः। रुष्टीनां
 । अनवत। सह० वा। वं। हा। उ। त्यत। अदमयः। दस्सन्। एकः। रुष्टीः। अवनोः। आर्याया। अस्ति। स्थित्।

उ।वीर्यं।तत्।ते।इंद्र।न।स्वित्।अस्ति।तत्।कुरु०या।वि।बोवः।सत्।इत्।हिते।उवि०जातस्य।मन्ये।स
ह॥सहिष्णु।उरुतः।उरस्य।उयं।उयस्य।तवसः।तवीयः।अरधस्य।रध०उरः।बृहदा।तत्।नः॥पुनः।
सस्य।असु।युमेइति।इत्वा।वदत्०निः॥वलां।अंगिरः॥रनिः॥हनु॥अक्कत०क्कत।दस्म।इषयंतं।
कृणोः॥उरः॥वि।उरः॥अस्य।विश्याः॥॥॥सः॥हि।धीनिः।हव्यः॥अस्ति।उयः॥ईशान०इत्।महति।
वृ०व्ये।सः॥तोक०साता।तनये।सः॥वज्री।वितंतसाय्यः।अनवत्।समत्०सु।सः॥मन्मना।
जनिम।माउषाणां।अमर्त्येन।नाम्ना।अति।प्र।सस्त्रे।सः॥कृमेन।सः॥शर्वसा।उत।राया।सः॥वीर्ज
येण।द०तमः॥सं०उकाः॥सः॥यः॥न।उहे।न।मिद्यु।जनः॥चूत्।सुमं०नामा।उसुरिं।धुनिं।चा॥वृ

एक। पिङ्ग। शंवरं। शुक्लं। इन्द्रः। पुरां। यौनार्थ। शयथाय। उ। चित्र। उत्पञ्चवता। वरुसा। पन्यसा। च। वृत्र-
 हत्याय। रथं। इन्द्र। तिष्ठा। धिष्ठा। वज्रं। हस्ता। आदक्षिणन्ना। अनि। प्र। मंद। पुरु० दन्। मायाः। अग्निः। न। शुक्लं
 । वनं। इन्द्र। हेतिः। रक्षः। नि। धक्षि। अत्रानि॥ न। नीमा। गम्भीरया। रुषया। यः। रुरोज। अधनयत। उः। श-
 द्भता। दंनयत। व॥ प॥ आ। सहस्रं। पृथि० मिः। इन्द्र। राया। उवि० क्षम। उवि० वाजेतिः। अर्वाक। याहि
 । स्तुनोदति। सहस्रः। यस्य। उ। चित्र। आदवः। ईरो। पुरु० रुत। योतोः॥ प्र। उवि० क्षमस्य। स्तुर्विरस्य।
 घृष्टेः। दिवः। ररज्ञो। महिमा। पृथिव्याः। न। अस्य। शत्रुः। नो। प्रति० मानं। अस्ति। न। प्रति० स्तिः। पुरु०
 मायस्य। सद्योः। प्र। तत। ते। अद्य। करणं। क्षतं। नूत। ऊसं। यत। आयुं। अतिथि० यं। अस्मै। पुरु० स

हस्त्रा॥ नि॥ शि॥ शि॥ अ॥ मि॥ कां॥ उ॥ त॥ र॥ व॥ या॥ लं॥ ध॥ पु॥ ता॥ नि॥ ने॥ थ॥ अ॥ उ॥ वा॥ अ॥ हि॥ द्यो॥ अध॥ दे॥ वा॥ दे॥ वा॥ म॥ द॥ न॥
 वि॥ श्वे॥ क॥ वि॥ न॥ मे॥ क॥ वी॥ नां॥ क॥ रः॥ य॥ त्र॥ वं॥ रि॥ वः॥ वा॥ धि॥ ता॥ य॥ दि॥ वे॥ ज॥ ना॥ या॥ त॥ वे॥ य॥ णा॥ नः॥ अ॥ उ॥ वा॥ वा॥ य॥ थि॥
 वी॥ इ॥ ति॥ त॥ त॥ ते॥ अ॥ जः॥ अ॥ म॥ त्याः॥ जि॥ ह॥ ते॥ इ॥ द्रा॥ दे॥ वाः॥ रु॥ ध॥ रु॥ नो॥ इ॥ ति॥ अ॥ न॥ तं॥ य॥ त॥ ते॥ अ॥ स्ति॥ उ॥ क्ते॥ न॥
 वी॥ यः॥ ज॥ न॥ य॥ स्त्वा॥ य॥ सैः॥ ॥ द॥ ॥ म॥ हा॥ न॥ इ॥ द्रः॥ रु॥ व॥ त॥ आ॥ च॥ ष॥ णि॥ ॥ प्राः॥ उ॥ त॥ वि॥ व॥ र्हाः॥ अ॥ मि॥ नः॥ स॥ हः॥
 र॥ तिः॥ अ॥ स्म॥ य॥ क॥ व॥ द॥ धे॥ वी॥ र्या॥ य॥ अ॥ रुः॥ ॥ प॥ थुः॥ सु॥ न॥ तः॥ क॥ र्त्त॥ निः॥ च॥ त॥ इ॥ द्रं॥ ए॥ वा॥ धि॥ ष॥ णा॥ सा॥ त॥ ये॥
 धा॥ त॥ व॥ ह॥ तं॥ रु॥ धं॥ अ॥ ज॥ रं॥ यु॥ वा॥ नं॥ अ॥ धा॥ ल्हे॥ न॥ श॥ व॥ सा॥ अ॥ य॥ वं॥ सं॥ स॥ द्यः॥ वि॥ त॥ यः॥ व॥ द॥ धे॥ अ॥ मी॥ मि॥ ॥
 य॥ इ॥ ति॥ क॥ र॥ स्ना॥ व॥ ज॥ ला॥ ग॥ म॥ स्ती॥ इ॥ ति॥ अ॥ स्म॥ य॥ क॥ सं॥ मि॥ मी॥ हि॥ अ॥ वा॥ सि॥ य॥ या॥ इ॥ वा॥ य॥ न्वः॥ प॥ थु॥ ॥ पाः॥

दस्रननाः॥ अस्मात् इन्द्रा अमि आ वृत्तु अजौ तावः॥ इन्द्रा वृत्तिनं अस्मात्ता कैः॥ इन्द्रा नृनां वाज्रं दंतः॥ ऊ
 वेम यवथा वित्तं ध्वे जितारः॥ आसुः अनेद्याः अनवद्याः अरिष्टाः धृतं वृतः॥ धनं दाः सोमं दधः॥ सः
 हि वामस्य वसुनः॥ पुरुं ह्युः॥ सं जग्मिरे पृथ्याः॥ रायः॥ अस्मिन् ससुपे न सिंधवः॥ यादमानाः॥ ७॥ वा
 विधं नः॥ आ नरा शूरा वादः॥ उजिष्ठं उजः॥ अति नृते उग्रं विधा कृन्ना वृत्त्या माउषाणां अस्मन्मं दाः
 हरिं वः॥ मादयध्वै यः॥ ते मदः॥ एतनाषाद् अष्टधः॥ इन्द्रा नः॥ आ नरा शूशुषवांसं येन लोकस्य तन
 यस्य सा नो मंसी महि जिगीकंसः॥ वा नृताः॥ आ नः॥ नरा वृषाणां अग्रं इन्द्रा धनं पश्यते॥ शूशुषवांसं
 सुंदहं येन वंसा म एतनासु वा नृत्तं तवा नृतिणिः॥ उत नामीन् अजमीन् आ ते शुभ्रः॥ वृषतः॥

तां ३

७०
५

ए३। प॒थात्। आ॒। उ॒तरात्। अ॒धरात्। आ॒। उ॒रस्तात्। आ॒। वि॒श्वतः॥ अ॒ग्नि॒सं। ए३। अ॒वडि॒। इ॒न्द्र॒क्ष्मं। स्वः॒२वत्
धेहि॒। अ॒स्मे॒दति॒। इ॒० व॒त्। ते॒। इ॒न्द्र॒। इ॒० त॒मा॒ग्निः॥ न॒ती॒। वं॒सी॒महि॒। वा॒मं॒। अ॒मे॒ते॒निः॥ ई॒क्षे॒। हि॒। व॒स्वः॥ उ॒न्न
य॒स्य॒। रा॒ज॒न्। ध॒राः॥ र॒त्रे॒। म॒हि॒। स्व॒रं॒। व॒ह॒तं॒। ज॒नं॒। व॒ज्रि॒न्। म॒हि॒। वि॒त्। म॒न्य॒मा॒नं॒। ए॒न्यः॒। इ॒० न्यः॒। इ॒न्द्र॒या॒ये
३। अ॒स्मि॒। अ॒ध॒। हि॒। वा॒। इ॒ष्टि॒या॒। शू॒रं॒। सा॒तौ॒। ह॒वी॒महे॒। त॒न॒ये॒। गो॒ष॒। अ॒र॒० सु॒। व॒यं॒। ते॒। ए॒भिः॒॥ उ॒रु॒० क॒त॒।
स॒र॒भ्यैः॒॥ रा॒त्रोः॒॥ रा॒त्रोः॒॥ उ॒त॒० न॒रे॒। इ॒तर॒। स्या॒म॒। घ्न॑तः॒॥ इ॒त्रा॒णि॒। उ॒न्न॒या॒नि॒। शू॒रा॒। रा॒या॒। म॒दे॒मा॒। इ॒ह॒ता॒। वा॒० ज॒।
तां॒। व॒० म॒मोः॒॥ ७॥ द्यौः॒। न॒। यः॒। इ॒न्द्र॒। अ॒ग्नि॒। म॒। अ॒र्यः॒। त॒स्तो॒। रु॒चिः॒। रा॒व॒सा॒। इ॒त्० सु॒। ज॒न॒न्। रा॒तं॒। नः॒॥
स॒ह॒। स॒० न॒रं॒। उ॒र्व॒रा॒० सा॒। द॒धि॒। सु॒नो॒दति॒। स॒ह॒स॒॥ इ॒त्र॒० उ॒रं॒। दि॒वः॒। न॒। उ॒न्यै॒। अ॒त्र॒। इ॒न्द्र॒। स॒त्रा॒। अ॒सु॒

यं। देवेभिः। क्षयि। विश्वं। अहिं। यत्। द्वं। अपः। ववि। वांसं। हस्। ऊनीषिन्। विष्णुना। सवानः। हर्वन्। उजीया
न्। तवसः। तवीयान्। तुत। वत्सा। इंद्रः। दृध। महा। राजा। अनवत्। मधुनः। सोमास्य। विश्वं। सां। यत्। उ
रां। दर्वु। आवत्। ज्ञातैः। अपद्न्। पणयः। इंद्र। अत्र। दर्श। उणये। कवये। अर्क। सांतौ। वाधैः। अस्मिन्
अशुषस्य। मायाः। पिवः। ना। अरिरेचीत्। किं। वन। प्र। महः। क्रहः। अप। विश्व। आयु। क्षयि। वज्रस्य।
यत्। पतने। पादि। शुक्लः। उरु। सः। स। रथं। सारथ्ये। कः। इंद्र। ऊर्माय। सूर्यस्य। सांतौ। ए। प्र। ये
नः। न। मदिरं। अंशु। अस्मै। शिरः। हसस्य। नधुवे। मद्यायन्। प्र। आवत्। नमी। सायं। ससत्तं। एणक
राया। सां। इषा। सां। स्वस्ति। वि। पित्री। अहि। मायस्य। दन्हा। उरः। वज्रिन्। शवसा। न। दद्वरिति। दा

दः। सु० दीमन्। तत्तरेक्कः। अ० प्र० पृष्णं। रुजिश्चने। दात्रं। दाशुषे। दाः। सः। वेत्तुं। दन्ना० माये। दन्ना० उलि
 । रउजिं। इन्द्रः। स्वनिधि० सुमः। आ० उग्रं। शम्भुत० इन्द्रं। द्योतनाय। माउः। नासी। उर्षा० सृज० इपध्वै। सः।
 इ० स्पृधः। वनते। अप्रति० इतः। विप्रत० वः। इन्द्रं। हनं। गन्तौ। तिष्ठत० हरी इति। अधि० अस्ता इव। गा
 त्री। वचः। शुजा। वहतः। इन्द्रं। रुषे। सनेम। ते। अवसा। नव्यः। इन्द्रा प्र। पूरवः। स्रवते। एना। यज्ञैः। सप्त। य
 त० उरः। शर्मा। शारदीः। दत्त० हन्। दासीः। प्र० रु० ऊसाय। शिर्क्षन्। वा० इधः। इन्द्र० सूर्यः। नूः। वरिवस्य
 त० उग्राने। काव्याय। परा। नव० वास्व० अ० उ० देयं। महे। पित्रे। देदाय० स्व० नपातं। तवा० हात्यत० इन्द्र०
 विश्वं। आजौ। सस्तः। धनी। उ० उ० रा इति। या० ह० सिस्व० दीदयत० इत० उ० न्य० सोमिनि० सुव० दन्तीति०

८३

णि। प्र॒ता। ते। इ॒न्दा॒श्र॒त्या। अ॒त्र। ये॒सुः॥ अ॒र्वा॒म॒सि। वी॒रा। व॒स॒न्। वार॒हः॥ या॒त॒। ए॒व। वि॒म॒। ता॒न्। वा। म॒हा॒
 तं॥ १॥ अ॒नि॒। वा। पा॒जः॥ रु॒क्ष॒सः॥ वि॒। त॒स्त्रे॒। म॒हि॒। ज॒ज्ञा॒नं॥ अ॒नि॒। त॒न्। स॒। ति॒ष्ठ॒। त॒वा॒। प्र॒त्ति॒न॒। अ॒ज्ये॒न॒। स॒
 र॒व्या॒। व॒ज्रे॒ण॒। धृ॒स्त्रो॒इति॒। अ॒प॒। ता॒। उ॒द॒स्त्र॒। सः॥ उ॒। अ॒धि॒। इ॒न्दा॒। त॒त॒न॒स्य॒। उ॒त्प॒ण॒तः॥ वी॒रा॒। का॒रु॒० ध॒युः॥
 वं॒। हि॒। आ॒पिः॥ प्र॒० दि॒वि॒। पि॒ट्ट॒णां॒। न॒। अ॒थ॒त॒। व॒न॒य॒। सु॒० ह॒वः॥ आ॒० इ॒ष्टो॒। प्र॒। न॒त॒ये॒। व॒स॒णं॒। मि॒त्रं॒। इ॒न्दा॒० म॒
 स॒तः॥ रु॒ष॒। अ॒व॒से॒। नः॥ अ॒द्य॒। प्र॒। दू॒ष॒णं॒। वि॒ष्टं॒। अ॒ग्निं॒। उ॒रं॒० धिं॒। स॒वि॒तारं॒। उ॒ष॒धीः॒। प॒र्व॒ता॒न्। च॒। इ॒मे॒।
 ज॒इति॒। वा॒। उ॒रु॒० शा॒क॒। प्र॒य॒ज्यो॒इति॒प्र॒० य॒ज्यो॒। ज॒रि॒तारः॒। अ॒ग्नि॒। अ॒र्व॒ति॒। अ॒र्कैः॒। अ॒धि॒। ह॒वः॒। आ॒। ज॒व॒
 तः॥ ज॒व॒मः॒। न॒। वा॒प॒वा॒न्। अ॒न्यः॒। अ॒ष्ट॒ता॒व॒न्। अ॒स्ति॒। उ॒। मे॒। आ॒। वा॒वं॒। उ॒प॒। या॒हि॒। वि॒घ्न॒न्। वि॒श्वे॒निः॒।

सुनो इति। सहस्रः। यज्ञत्रैः। ये। अग्निः। जिह्वाः। कृतः। मायः। असुः। ये। मर्तुः। वक्रः। उपरं। दसा। यः। सः। नः। बोधि।
उरः। शता। सु० गेषु। उता। दुः। र्गेषु। पथि० क्षतः। विदानः। ये। अश्रमासः। उरवः। वहिष्ठाः। तेनिः। नः। इन्द्र। अग्नि
। दक्षि। वाजम्॥१॥॥यः। एकः। इत। हव्यः। वर्षणीनां। इन्द्रं। तं। गीः। रनिः। अग्नि। अर्धे। आनिः। यः। पत्यते।
वृषभः। वृष्ण० वारः। सत्यः। सवा। पुरु० मायः। सहस्वान्। तं। ज्ञं इति। नः। इन्द्रोपितरः। नव० वाः। सप्त॥
विप्रासः। अग्नि। वाजयंतः। नक्षत्र० दानं। तत्र रिं। पर्वत० स्त्रां। अज्ञेय० वाचं। मति० निः। शर्विष्ठं। तं। इमहे
। इन्द्रं। अस्य। रायः। पुरु० वीरस्य। वृ० वतः। पुरु० क्षोः। यः। असूक्ष्मेयुः। अजरः। स्वः। श्वान्। तं। आ। भरः।
हरि० वः। मादयाधोतत्। नः। वि। वोचुः। यदि। ते। उरा। धित। जरितारः। आनशुः। सुमं। इन्द्र। कः। ते। ना

गः॥ किं वयः॥ दुःखं सिद्धः॥ उरु० कृत॥ उरुवसो इति उरु० वसो॥ असुर० घ्नः॥ तं॥ दृष्टंती॥ वज्र० हस्तं॥ रथेण॥
 स्वा॥ इन्द्रं॥ वेपी॥ पक्वरी॥ यस्या॥ उ॥ गीः॥ उ॥ वि० ग्रातं॥ उ॥ वि० कर्मि॥ रत्नः॥ शदा॥ गात्रं॥ इषे॥ नक्षते॥ उ॥ घ्नं॥ अ॥ च॥
 १२॥ अ॥ द्वी॥ ॥ अ॥ या॥ हा॥ त्यं॥ मा॥ यया॥ व॥ दृ॥ क्षनं॥ म॥ नः॥ श॥ ज॥ वा॥ स्व० त॥ वः॥ प॥ र्व॥ त॥ न॥ अ॥ र्क॥ ता॥ वि॥ त॥
 वी॥ जि॥ ता॥ सु० उ॥ जुः॥ रु॥ जः॥ वि॥ दृ॥ हा॥ धृ॥ ष॥ ता॥ वि० र॥ श्चि॥ त॥ तं॥ वः॥ धि॥ या॥ न॥ य॥ स्या॥ त्रा॥ वि॥ धं॥ प्र॥ नं॥ प्र॥ न० व॥ त॥
 परि० तं॥ स॥ य॥ धि॥ सः॥ नः॥ व॥ क्ष॥ त॥ अ॥ नि० मा॥ नः॥ सु० व॥ सा॥ इन्द्रः॥ वि॥ श्वा॥ ति॥ अ॥ ति॥ दुः॥ श॥ ग॥ हा॥ नि॥ आ॥ ज॥ ना॥ य॥
 दु॥ क॥ णे॥ पा॥ र्थि॥ वा॥ नि॥ दि॥ व्या॥ नि॥ दी॥ प॥ यः॥ अ॥ न॥ रि॥ क्षा॥ त॥ प॥ दृ॥ ष॥ न॥ वि॥ श्व॥ तः॥ शो॥ वि॥ षा॥ ता॥ न॥ व॥ र॥ त॥ धि॥ षे॥ शो॥ व॥ य॥
 हा॥ अ॥ पः॥ व॥ उ॥ वः॥ ज॥ न॥ स्या॥ दि॥ व्य॥ स्या॥ रा॥ जा॥ पा॥ र्थि॥ व॥ स्या॥ ज॥ ग॥ तः॥ श्रे॥ षः॥ स॥ दू॥ क॥ धि॥ षा॥ व॥ ज्ञा॥ द॥ क्षि॥ णे॥ इ॥ द॥

ह। स्ते। विश्वाः। अजय। दयसे। वि। मायाः। आ। सं० यतं। इन्द्रः। नः। स्वस्ति। शत्रु० रययि। वृहता। अश्व० धां। यया। दासा
 नि। आर्याणि। वृत्रा। करः। वज्रिन्। सु० उक्ता। नाज्जपाणि। सः निः। नियुत० निः। पुरु० कृत। वेधः। विश्व० वीरा।
 निः। आ। गहि। प्रयज्यो इति प्र० यज्यो। नायाः। अदेवः। वरते। नादेवः। आ। आनिः। याहि। रयं। आ। मयदिक
 ॥ २४ ॥ सुते। इत। वं। नि० मिश्रः। इन्द्र। सोमे। स्तोमे। वसणि। शस्यमाने। उक्ते। यत। वा। युक्ताभ्यां। मघ० वर० ह
 रि० न्यां। विप्र० र। वज्रं। वाक्त्रोः। इन्द्र। यासि। यत। वा। दिवि। वार्ये। सुस्वि। इन्द्र। वृत्र० हते। अवसि। शूर० सा
 तौ। यत। वा। दक्षस्य। विन्कषः। अविन्यत। अरंधयः। शर्द्धतः। इन्द्र। दम्पून्। पाता। सुतं। इन्द्रः। असु। सो
 मे। प्र० नेनीः। उयः। जरितारं। नृती। कर्त्री। वीराय। सुस्वये। नृ० इति। लोकं। दाता। वसु। सुवते। कीर्ये।

इत्याना वा.
२५६२

वित्। रांता। इयंति। सर्वना। हरि० म्यां। वप्रिः। वज्रं। पपिः। सोमं। ददिः। गाः। कर्त्ता। वीरं। नयं। सर्व०
वीरं। श्रोता। हवं। एणतः। स्तोम० वाहाः। अस्मै। वयं। यत्। ववान्। तत्। विविष्मः। इन्द्राय। यः। नः। प्र
० दिवः। अपः। करितिकः। सुते। सोमे। सुमसि। शंसत्। उक्ता। इन्द्राय। वस। वर्धनं। यथा। अमत्। १५।
वस्राणि। हि। वक्ष्म। वर्धनानि। तावत्। ते। इन्द्र। मति० निः। विविष्मः। सुते। सोमे। सुत० पाः। शं० तमा।
नि। रांज्या। क्रियास्म। वक्ष्णानि। यज्ञैः०। पुराणां। रराणः। पिब। उ। सोमं। गो० ऊजीकं। इन्द्रा०।
उरुं। रुधि। वा० यतः। अं इति। लोकं। सः। मंदस्व। हि। अउ। जोषं। उग्र। प्रावा। यज्ञासः। इमे। अक्र
वंउ। प्रा। इमे। हवासः। उरु० रुक्मं। अस्मे इति। आ। वा। इयं। धीः। अर्वसो। इन्द्र। यम्याः। तं। वः। स

३९६६
३१२८

स्वायः। सं। यथा। सुतेषु। ओजवित्। तस्मै। असति। नः। नराय। न। सुस्वि। इंद्रः। अर्वसे। पृक्षति। एव। इत। इंद्रः।
सुते। अस्तावि। सोमे। नरत्। वजेषु। क्षयत्। इत। मघोनः। असत्। यथा। जरित्रे। उत। सूरिः। इंद्रः। रायः।
विश्वं। वारस्य। दाता। ॥६॥ वृषा। मदः। इंद्रे। श्लोकः। उक्ता। सवा। सोमेषु। सुत० पाः। ऊजीषी। अर्वयः। म
घ० वा। वृ० नः। उक्तेः। द्रुहः। राजा। गिरां। अक्षित० नृतिः। तउरिः। निर्यः। वि० वेताः। श्रोता। हव० एणतः।
उर्वि० नृतिः। वसुः। शंसः। नरां। कारु० क्षयाः। वाजी। सुतः। विदथे। दाति। वाजं। अक्षः। न। वक्र्योः। मूरः।
वृहत्। प्र। ते। मन्त्रा। रिरिवे। रोदस्योः। वृहत्स्य। उ। ते। पुरु० हृत। वयाः। वि। ऊतयः। सुरुजः। इंद्रः। पृषी
ः। शवी० वतः। ते। पुरु० शाक। शाकाः। गंवां। इव। सुतयः। सं० वरणीः। वसानां। न। तंतयः। ते। इंद्रः। दा

नरः।

मन्वंतः। अदामानः। सुदामानः। अन्यतः। अद्य। कर्वरं। रं। अन्यतः। जंइति। श्वः। असन्। च। सतः। सुजः।
आ० वक्रिः। इंदः। मित्रः। नः। अत्र। वरुणः। च। शुषा। अर्यः। वरास्य। परि० एता। अस्ति। ॥ ७ ॥ वि० चतः। आ
पः। न। पर्वतस्य। पृष्ठात्। उक्तेतिः। इंदः। अनयंत। यज्ञैः। तं। वा। आतिः। सुसुति० मिः। वाजयेत॥ आजिं
। न। जसुः। गिर्वाहः। अश्वः। नायं। जरंति। शूरदः। न। मासाः। न। घावः। इंदः। अव० कर्त्तयंति। वृक्षस्य। वि
त। वृक्षतां। अस्य। ततः। स्मोमेनिः। उक्तेः। व। शस्यमाना। न। बीजवे। नर्मते। न। स्त्रियाय। न। शर्द्धते।
दम्फ० ज्ञताय। स्तवान्। अज्ञाः। इंदस्य। गिरयः। वित० कृषाः। गंभीरे। वित० नवति। गाधं। अस्मै। गंभी
रेण। नः। उरुणा। अमत्रिन्। प्रा० शुषः। यंधि। सुत० पावन्। स्त्राः। जंइति। सु। जर्द्धः। जती। अरिषण्णन्।

अक्तोः। वि० उष्टौ। परि० तक्मायां। सर्वस्व। नायं। अवसे। अनीके। इतः। वा। तं। इंद्र। पाहि। रिषः। अमा। वा। एनं।
अरण्ये। पाहि। रिषः। ॥ १८ ॥ या। ते। अतिः। अवमा। या। परमा। या। मध्यमा। इंद्र। सुभिर्। अस्ति। तानि।
जं इति। सु। द्व० हते। अवाः। नः। एनिः। वा। वाजैः। महान्। नः। उय। आनिः। स्थः। मिथुनी। अरिषण्य।
अमित्रस्य। यथय। नन्। इंद्र। आनिः। विश्वाः। अति। युजः। विश्वी। आर्याय। विश्वी। अवा। तारी।
दासी। इंद्र। जामयः। उत। ये। अजामयः। अवादीनासः। वृषः। युयुजे। वां। एषां। विद्युरा। गवांसि।
जहि। दृष्ट्यानि। रुणहि। परावः। शूरः। वा। शूरं। वृते। शरीरैः। तत्। रुवा। तस्मि। यत्। नृपैव। ते इति।
तोके। वा। गोष्ठ। तनये। यत्। अश्व। सु। वि। ऋदसी इति। उर्वरा। सु। ब्रवते इति। नहि। वा। शूरः। न। उरः। न। ॥ १९ ॥

म
ह
न। वा। योधः॥ मन्यमानः युयोधः॥ इन्द्रा न किं॥ वा। प्रति। अस्ति। एषां। विश्वा। जातानि। अति। असि। तानि॥ १५॥
सः॥ पत्यते। उन्नयोः॥ रुक्मं। अयोः॥ यदि। वेधसः॥ सं० इये। हवति। वृत्रे। वा। सहः॥ वृ० वति। क्षये। वा। अच
स्वता। यदि। वितंतसेते इति। अधः। स्म। ते। वर्षणायः॥ यत। एजा न। इन्द्र। नाता। उत। भव। वस्तुता। अस्मा
कासः॥ ये। वृ० तमासः॥ अर्यः॥ इन्द्र। सूरयः॥ दधिरे। उरः॥ नः॥ अत्र। ते। दायि। महे। इन्द्रियाय। सुत्रा। ते।
विश्वं। अत्र। वृत्र० हत्ये। अत्र। क्षत्रं। अत्र। सहः॥ यजत्र। इन्द्र। देवेभिः॥ अत्र। ते। वृ० सहो। एवानः॥ स्थधः॥
सं। अत्र। समत० सु। इन्द्र। रंधि। मिथुतीः॥ अदेवी॥ नरत्न० वाजाः॥ उत। ते। इन्द्र। नूनं॥ १६॥ अश्विनः॥
इन्द्र। कयामसि। वा। महः॥ वाजस्य। सातौ। ववृषाणाः॥ सं। यत। विशः॥ अयंत। मूर० सातौ। उग्रानः॥

अवः। पाथे। अहन्। दाः। वा। वाजा। हवते। वाजिनेयः। मृदः। राजस्य। गधस्य। सातौ। वा। वृत्रेष्ठ। इन्द्र। सतः।
 पति। तहत्रं। वा। वष्टे। सुष्टि। हा। गोष्ठ। युध्यन्। वा। कवि। वोदयः। अर्क। सातौ। वा। ऊमाय। सुस्तौ। दाशु
 षे। वक्तावा। विरः। अमर्मणः। परा। अहन्। अतिथि। याया। जस्यं। करिष्यन्। वा। रथं। प्रा। भरः। योध। सु
 धं। आवः। युध्यन्ते। वृषन्। दश। धं। वा। उग्र। वेतुसवे। सवा। अहन्। वा। उजि। शृणुंते। इन्द्र। हतोरिति
 तोः। वा। तत्। उज्जं। इन्द्र। बर्हणा। करितिकः। प्रायत्। शता। सहस्रा। मूर। दधि। अव। गिरेः। दासं। श
 म्बरं। हन्। प्रा। आवः। दिवः। दासं। वित्राणि। नृतीः। श। वा। मघाणि। मदमानः। सोमैः। दन्तीतये। वृष
 णि। इन्द्र। सिस्वश। दे। रजि। पिगीनसे। दशस्यन्। षष्टि। सहस्रा। शय्या। सवा। अहन्। अहं। चन। तत्। सूरि

मतिः॥ ज्ञानरूपं। तव। ज्ञायः। इन्द्र। सुमनः। उज्ज्वल। वया। यत। स्तवैते। सध० वीर। वीराः। त्रि० वस्तुयेन। न
 जषा। शविष्ठ। वये। ते। अस्मा० इन्द्र। सुमनः। कृतौ। सखायः। स्याम। महिना। प्रेक्षाः। प्रातर्दनिः। क्षत्र० श्रीः।
 असु। श्रेष्ठः। घने। दृवाणां। सनये। धनानां॥ यश॥ किं। अस्य। मदी। किं। जंइति। अस्य। पीतो। इन्द्रः। किं
 । अस्य। सख्ये। वकार। रणाः॥ वा। ये। नि० सदि। किं। ते। अस्य। पुरा। विविदे। किं। जंइति। कृतनासः।
 सत। अस्य। नहि। उते। महिमनः। समस्य। न। मद्य० वर। मद्यवत० वस्य। विप्र। न। रासः। शराधस
 ॥ कृतनस्य। इन्द्र। नकि॥ ददशो। इन्द्रियं। ते। एतत। त्यताते। इन्द्रियं। अवेति। येन। अवधीः। वर० शि।
 स्वस्य। शेषः। वज्रस्य। यत। ते। नि० हतस्य। अस्मात्। स्वनात। वित्। इन्द्र। परमः। ददश। वधीत। इन्द्रः। व

मदेस० २

६५

र० शिखरस्य। शेषः। अग्नि० आवर्तिने। वायुमानाय। शिखरं। वृवीवतः। यत्। हरि० दूषीयीयां। हन्। पूर्वी० अ
 धी० नियता। अपरः। दर्श०॥ १३॥ त्रिंशत्० शतं। वस्मिन्। इन्द्र० साकं। यथा० वत्यां। उरु० कृत० अवस्था। वृ
 वीवतः। शरवे। पतमानाः। पात्रा। निदानाः। नि० अथानि। आयत्। यस्य। गावौ। अरुषा। सुयवस्सु०
 तिसु० यवस्सु। अन्नः॥ नं० इति। सु। वरतः। रे। रिहाणा। सः। सृजयाय। उर्वशं। परा। अदत्त। वृवीवतः। देव
 ० वाताय। शिखरं। द्यान्। अग्ने। रथिनः। विंशतिं। गाः। वधू० नतः॥ मद्य० वा। मस्य० सं० राह० अग्नि० आ
 वर्ती। वायुमानः। ददाति। इन्द्र० नशा। इयं। दक्षिणा। पार्थिवानां॥ १४॥ आ। गावः। अग्नन्। उत० नृ० इन्द्र० अ
 क्रन्। सीदं० गो० स्ते। रणयं० अस्मे इति। प्रजा० वतीः। उरु० स्तुपाः। इह० स्फु० इन्द्राय। सुवीः। उष

सः। डहानाः। इडः। यक्षने। एणते। व। शिञ्जति। उप। इतू। ददाति। न। स्व। सुषायति। नृयः। रनृयः। रथि। इ
त। अस्या। वर्धयन्। अमित्रे। खिल्ये। नि। दक्षति। देव० युं। न। ताः। नशंति। न। दन्ताति। तस्करः। न। आसां।
आमित्रः। व्यथिः। आ। दधर्षति। देवान्। वा। यान्निः। यजते। ददति। वा। ज्योक्। इत। तानिः। सवते। गो०
पतिः। सह। ना। ताः। अवीरेण० ककाटः। अफ्रते। न। संस्तुत० नं। उप। यंति। ताः। अति। उरु० गाव्यं।
अनयं। तस्य। ताः। अत्र। गावः। मर्तस्य। वि। वरति। यक्षनः। गावः। नगः। गावः। इडः। मे। अग्नः। गावः
। सोमस्य। प्रथमस्य। नक्षः। इमाः। द्याः। गावः। इच्छामि। इत। रुदा। मनसा। विन। इडः। यय। गावः। मे
दयथ। नरा। वित्। अशीरं। वित्। सुपुथ। सु० प्रतीकं। नडं। एहं। नपुथ। नड० दाचः। एहत्। वः। व

सङ्गना
२६१

यः। उच्यते। सनासु। प्रजा० वतीः। सु० यवसं। रिशंतीः। शुद्धाः। अपः। सु० प्रपाने। पिबंतीः। मा० वः। ०। परि। वः।
हेतिः। रुद्रस्य। वृज्याः। उप। इदं। उप० पर्वनं। आसु। गोष्ठ। उप। वृद्धतां। उप। कृषनस्य। रेतसि। उप। इन्द्रात्
व। वीदे। १५॥ ॥ त्रिंशतिमोऽध्यायः॥ ॥ ७॥ ॥ ३। इन्द्रो वः। नरः। सखाय। मेघः। महः। यंतः।
सु० मतये। वक्रानाः। महः। हि। दाता। वज्र० हस्तः। अस्ति। महां। नंदति। रणवं। अवसे। यज्रध्वं। आ। यस्मिन्
। हस्ते। नयाः। मिमिक्षुः। आ। रथे। हिरण्यये। रथे० स्वाः। आ। रश्मयः। गनस्तपोः। सूरयोः। आ। अध्वरुः।
अश्वसिः। वृषणः। युजानाः। श्रिये। ते। पादा। इवः। आ। मिमिक्षुः। धृष्टुः। वज्री। वावसा। दक्षिण० वान्।
वसानः। अकं। सुरनि। दृशे। कं। स्वः। न। दृतो इति। इषिरः। वज्रय। सः। सोमः। आमिक्ष० तमः। सुतः। च

त्रयस्मिन् पक्त्रिः पच्यते। संति। क्षनाः। इन्द्रं नरः। सुवंतः। वृक्षः। कारः। उक्ता। शंसंतः। देववातः। तमाः। न
 ते। अत्रः। शवसः। क्षयि। अस्या। वि। उवावधे। रोदसी इति। महिः। वा। आता। स्तरिः। पणति। रउजानः। य
 था इव। अशुः। सु। सं। ईजमानः। नृती। एव। इत। इन्द्रः। सु। हवः। क्रधः। अशु। नृती। अशुती। हिरिः। शिप
 :। सवा। एव। हि। जातः। असमातिः। उः। उरु। वा। वृत्रा। हनति। निदस्मन्। ॥॥ त्रयाः। इत। वृधे। वीयाय। ए
 कः। अजयः। दयते। वसुनि। प। रिरिवे। दिवः। इन्द्रः। पृथिव्याः। अर्धः। इत। अस्या। प्रति। रोदसी इति। उने।
 इति। अध। मने। वृहत्। असुयं। अस्या। यानि। दाधरानकिः। आ। मिनाति। दिवे। दि। वे। सूर्यः। दर्शतः। नृ
 त। वि। समानि। उर्विया। सु। क्रउः। क्षत। अद्य। चित। उ। चित। तत। अपः। नदीनां। यत। आन्यः। अरदः।

५५

गात्रं। इन्द्र। नि। पर्वताः॥ अम्र० स्रदः॥ न। सेदुः। वया। दृष्टानि। सुक्रतो इति सु० क्रतो। रजोसि। सत्यं। इत्त। तत्।
 न। वा० दान्। अन्यः। अस्ति। इन्द्र। देवः॥ न। मर्त्यः। ज्यायार्०। अर्वा। असृजुः॥ अपः। अर्वा। ससुद्रं। चं। अपः।
 वि। डुरः। विष्ववीः। इन्द्र। दहं। अरुजुः॥ पर्वतस्य। राजा। अमवः। जगतः। वर्षणीनां। साकं। सूर्ये। जनयन्।
 द्यां। उषसं॥ २॥ अर्धः। एकः। रयि० पते। रयीणां। आ। हस्तयोः। अधिधा॥ इन्द्र। दृष्टीः॥ वि। तोके। अशु०
 सु। तनये। व। सूर्ये। अर्वा। चंत। वर्षणयः॥ वि० वा। वत। निया। इन्द्र। पार्थिवानि। विश्वा। अम्रता। धिता
 यवयन्ते। रजोसि। द्यावाक्षा मा। पर्वतासः॥ वनानि। विश्वं। दृष्टं। नयते। अज्मन्। आ। ते। चं। क्रसेन। अग्नि।
 सुप्तं। इन्द्र। अशुषं। युध्वा। ऊयवं। गो० इष्टौ। दश। प्र० पित्रे। अध। सूर्यस्य। सुवायः। वक्रं। अविदे।॥ र

पंसि। वं। शतानि। अव। शस्त्रस्य। पुरः। जयंथ। अप्रतानि। दस्योः। अशिक्षः। यत्र। शया। शवी० वुः। दि
 वः। शदासाय। सुवृते। सुत० के। नरत० वीजाय। टणते। वसूनि। सः। सत्य० सवन्। महते। रणा० य। रथं।
 आतिष्ठ। उवि० वृक्ष। नीमं। याहि। प्र० पथिन्। अवसा। उप। मद्रिक्। प्रावा० श्रुत। अवय। चर्षणि० न्यः॥
 ३॥ अक्षयो॥ पुरु० तमानि। अस्मै। महे। वीराय। तवसे। उराय। वि० रा। शिने। वज्रिणे। श० तमानि। क्वां।
 सि। आसा। स्वविराय। तक्षं। सः। मातरा। सूर्येण। कवीनां। अव। सयत्। रुजत्। अद्रि। टणानः। सु० आ
 धीनिः॥ रुक्० तिः॥ वावसानः॥ उत्तु। उ। स्रियाणां। असृजत्। नि० दानं। सः। वक्रि० निः॥ रुक्० निः॥ गोत्र
 शश्वत्। मितज० निः॥ पुरु० रुक्वा। जिगाय। पुरः॥ पुरः॥ शहा। सखि० निः॥ सखि० यत्। दन्हाः। रुरोज।

कवि० निः॥ कविः॥ सन्॥ सः॥ नीया० निः॥ जरितारं॥ अब॥ महः॥ वज्रै० निः॥ महत्० निः॥ च॥ शुभ्रैः॥ पु० वीरानिः॥ वृ
 धन॥ क्षितीनां॥ आ॥ गिर्वणः॥ सुविताय॥ प्रा॥ याहि॥ सः॥ स० गी० शर्वसा॥ त० क्तः॥ अ० तैः॥ अपः॥ इ० इ॥ दक्षिणतः॥
 उ० रा० पाद्॥ इ० ब्रा॥ सृ० जानाः॥ अन० प० प० ह० त॥ अ० र्थे॥ दि० वे० दि० वे॥ वि० दि० वृ०॥ अ० प्र० वृ० ष्यं॥ ४॥ यः॥ उ० जि० ष्टः॥ इ० इ॥
 तं॥ सु० नः॥ दाः॥ म० दः॥ वृ० षन्॥ सु० अ० नि० ष्टिः॥ दा० स्त्री० न॥ सौ० व० श्यं॥ यः॥ व० न० व० त॥ सु० अ० श्वः॥ वृ० त्रा॥ स० म० त० सु०
 । स० स० ह० त॥ अ० मि० त्रा० न॥ वां॥ हि॥ इ० इ॥ अ० व० से॥ वि० दा० वः॥ ह० व० ते॥ वृ० ष्ण० यः॥ श्र० र० सा० तौ॥ चं॥ वि० निः॥ वि० प० णि
 न॥ अ० शा० यः॥ चा० ण० क्तः॥ इ० त॥ स० नि० ता॥ वा० जं॥ अ० र्वा० वं॥ ता० न॥ इ० इ॥ उ० न० या० न॥ अ० मि० त्रा० न॥ दा० सा॥ वृ० त्रा० णि॥ अ०
 यी॥ च॥ श्र० र॥ व० धीः॥ व० न॥ इ० व॥ सु० धि० ते० निः॥ अ० कैः॥ आ० ह० त० सु० । द० र्षि० । वृ० णां॥ वृ० न० म॥ सः॥ चं॥ नः॥ इ० इ॥ अ०

प्रे ५

७१

क॒वा॒निः॑॥ न॒ती॑॥ स॒खा॑॥ वि॒श्व॑० अ॒द्युः॑॥ अ॒वि॒ता॑॥ वृ॒धे॑॥ नुः॑॥ स्वः॑॥ श॒सा॒ता॑॥ य॒त॑॥ क॒या॑ म॒सि॑॥ च॒ा॒ यु॒धं॑ तः॑॥ ने॒म॑०
 धि॒ता॑॥ ए॒त॑० सु॒भृ॒त॑॥ न॒नं॑॥ नः॑॥ इ॒न्द्र॑॥ अ॒प॒रा॒य॑॥ च॒ा॒ स्याः॑॥ न॒व॑॥ म॒नी॒कः॑॥ उ॒त॑ नः॑॥ अ॒नि॒ष्टौ॑॥ इ॒वा॒ म॒ण॑ तः॑॥ म
 हि॒न॑ स्या॒ शर्म॑ न॒ दि॒वि॑॥ स्या॒ म॒ पा॒यी॑ गो॒ स॒प॒ते॒माः॑॥ पा॑॥ स॒ं॒ च॒ वे॒ इति॑॥ ज॒मुः॑॥ गि॒रः॑॥ इ॒न्द्र॑॥ स्व॒वीः॑॥ वि॒वा॒व
 त्॑॥ यं॒ ति॑॥ वि॒न्वः॑॥ म॒नी॒षा॑॥ यु॒गा॑॥ न॒नं॑॥ च॒ा॒ सु॒त॒यः॑॥ रु॒षा॑णा॒ प॒स्प॒धे॑॥ इ॒न्द्रे॑॥ अ॒धि॑॥ उ॒क्त॑० अ॒र्का॑॥ उ॒रु॑०
 रु॒तः॑॥ यः॑॥ उ॒रु॑० यु॒र्तः॑॥ रु॒न्वा॑॥ ए॒कः॑॥ उ॒रु॑० प्र॒श॒स्तः॑॥ अ॒स्ति॑॥ य॒क्षैः॑॥ रथः॑॥ न॒ म॒हे॑॥ श॒व॒से॑॥ यु॒जा॒नः॑॥ अ॒स्म
 निः॑॥ इ॒न्द्र॑॥ अ॒त्र॑० मा॒द्यः॑॥ न॒त॑॥ ता॒यं॑॥ हिं॒सं॒ ति॑॥ धी॒त॒यः॑॥ न॒ वा॒णीः॑॥ इ॒न्द्रं॑॥ न॒दी॑ क्षं॒ति॑॥ इ॒त॑॥ अ॒ग्नि॑॥ व॒र्ध॒यं॒ ती
 ॥ य॒दि॑ स्तो॒तारः॑॥ श॒तं॑॥ य॒त॑॥ स॒ह॒स्रं॑॥ ए॒णं॒ ति॑॥ गि॒र्व॒ण॑ सं॒ शं॑॥ त॒त॑॥ अ॒स्मै॑॥ अ॒स्मै॑॥ ए॒त॒त॑॥ दि॒वि॑॥ अ॒र्वा॒ इ॒वा॑॥

मासा। मिमिक्षः। इन्द्रो। नि। अयानि। सोमः। जतं। न। धवर्। अग्नि। सं। यत। आपः। सत्रा। वृधुः। हवर्नानि।
 द्युनेः। अस्मै। एतत्। महि। आशुषं। अस्मै। इन्द्राय। स्तोमत्रं। मनिष्ठमिः। अवावि। असत्। यथा। महति। वृत्र०
 रये। इन्द्रः। विश्व० आयुः। अविता। वृधः। वा॥ द॥ कदा। पुवर्। रथ० क्षयाणि। वस्र। कदा। स्तोत्रे। सहस्र०।
 योषं। दाः। कदा। स्तोमं। वासयः। अस्म। राया। कदा। धियः। कर्त्तुमि। वाज० रत्नाः। कही। स्वित्र। तत्। इन्द्र०
 यत्। यत्। दृ० निः। दृन्। वीरैः। वीरान्। वीतयासे। जय। आजीन्। त्रिष्वक्षत्राणाः। अधि। जयासि। गोषु। इ
 षा। द्युम्नं। स्वः। रवत। धिहि। अस्मेइति०। जरित्रे। विश्व० शु० ब्रह्म। क्षणवः। राविष्ठ। कदा। धियः। न। नि
 ० युतः। युवासे। कदा। गो० मद्यो। हवर्नानि। गवाः। सः। गो० मद्याः। जरित्रे। अश्व० चंद्राः। वाज० अवसः।

अधि। धि। दृष्ट। पीपिहि। इषः। सु० उद्यो। इन्द्राधेनुं। नरत० वाजेश। सु० सुवः। रुसुव्याः। तं। आ। वृनं। वृजनं।
 अन्यथा। चित्। शूरः। यत्। शक्र। दि। दुरः। गृणीषोमा। निः। अरं। अक्र० उद्यस्य। धेनोः। आंगिरसान्। वृत्ता
 ला। दिप्र। जिघ्र॥ ॥ सत्रांमदासः। तवा। विश्व० जन्माः। सत्रा। रायः। अक्षये। पार्थिवास॥ सत्रा। वाजा।
 नां। अनवः। वि० नक्ता। यत्। देवेषु। क्षरयथाः। असुर्यं। अत्राप्र। योज। जनः। उजः। अस्य। सत्रा। देधि
 रे। अत्र। वीर्याय। सृम० गृन्ते। दुधये। अर्वते। च। क्रुते। वृजंति। अपि। वृत्र० हत्ये। तं। सधीवीः। नृतयः। वृ
 त्त्वा। नि। पौ० स्यानि। नि० युःतः। स० सुः। इन्द्रां। समुद्रां। त। सिंधवः। उक्त० शुभाः। उरु० यवसं। गिरः। आ।
 विशंति। सः। रायः। स्वां। उप। सृज॥ गृणानः। उरु० चंद्रस्य। वां। इन्द्रावस्वः। पतिः। वभूय। असमः। जना।

ना॥ एकः॥ विश्वस्य॥ उवनस्य॥ राजा॥ सः॥ उ॥ अ॥ धि॥ अ॥ त्पा॥ यः॥ इ॥ वः॥ श्रुः॥ द्यौः॥ न॥ न॥ म॥ अ॥ मि॥ रा॥ यः॥ अ॥ यः॥
 अ॥ सः॥ य॥ था॥ नः॥ श॥ व॥ सा॥ व॥ कानः॥ यु॥ गे॥ यु॥ गे॥ व॥ य॥ सा॥ वे॥ कि॥ तानः॥ ॥ ॥ अ॥ र्वा॥ क॥ र॥ यः॥ वि॥ श्व॥ वा॥ रं॥ ते॥ उ॥ य॥
 इ॥ दं॥ यु॥ क्त॥ सः॥ ह॥ र॥ यः॥ व॥ हं॥ उ॥ की॥ रिः॥ वि॥ त॥ हि॥ वा॥ ह॥ व॥ ते॥ स्वः॥ श्वा॥ न॥ क॥ धी॥ म॥ हि॥ स॥ ध॥ मा॥ दः॥ ते॥ अ॥ द्य॥
 प्रो॥ इ॥ ति॥ प्रो॥ णे॥ ह॥ र॥ यः॥ क॥ र्म॥ अ॥ म॥ न॥ क॥ र्ज्यं॥ तः॥ अ॥ नृ॥ व॥ न॥ इ॥ दं॥ नः॥ अ॥ स्य॥ श्र॥ यः॥ य॥ पी॥ या॥ त॥ क॥ र्क॥ नः॥ म॥ द॥
 स्य॥ सो॥ म्य॥ स्य॥ राजा॥ अ॥ स॥ म॥ ग्रा॥ णा॥ सः॥ श॥ व॥ सा॥ नं॥ अ॥ व॥ इ॥ दं॥ सु॥ व॥ के॥ र॥ य्या॥ सः॥ अ॥ श्वाः॥ अ॥ मि॥ अ॥ वः॥
 क॥ र्ज्यं॥ तः॥ व॥ हे॥ युः॥ उ॥ वि॥ त॥ उ॥ वा॥ योः॥ अ॥ मृ॥ तं॥ वि॥ द॥ स्ये॥ त॥ व॥ रि॥ षः॥ अ॥ स्य॥ द॥ क्षि॥ णां॥ इ॥ य॥ त्ति॥ इ॥ दं॥ म॥ द्यो॥
 नां॥ उ॥ वि॥ कृ॥ मि॥ न॥ त॥ मः॥ य॥ था॥ व॥ त्ति॥ वः॥ प॥ रि॥ या॥ सि॥ अ॥ हः॥ म॥ वा॥ वा॥ धृ॥ त्स्त्रो॥ इ॥ ति॥ द॥ य॥ से॥ वि॥ सृ॥ गी॥ न॥

इन्द्रः। वाजस्य। स्वविरस्य। दाता। इन्द्रः। गीः। शनिः। वर्धतां। वृद्धं महाः। इन्द्रः। वृत्रं। हनिषः। असु। सवा। अ
 ता। सुरिः। पणति। वृजानः। ॥ १५ ॥ अपात। इतः। उत। जेदति। नः। चित्रं। तमः। मही। नृषीत्। द्युमती
 इन्द्रं। कृतिं। पनसो। धीतिं। दैवस्य। यामन। जनस्य। रातिं। वनते। सु० दाउः। दूरत। वित। आ। वसतः।
 अस्य। कर्मा। द्योषात। इन्द्रस्य। तचति। कुवाणः। आ। इयं। एनं। देव० कृतिः। वृत्त्यान। मद्यक। इन्द्रः।
 इयं। रुचमाना। तं। वः। धिया। परमया। उरा० जां। अजरं। इन्द्रं। अनि। अतृषि। अकैः। वस। च। गिरः
 । दधिरे। सं। अस्मिन्। महान्। च। स्तोमः। अविधि। वर्धत। इन्द्रं। वर्धति। यं। यतः। उत। सोमः। इन्द्रं। व
 र्धत। वस। गिरः। उक्ता। च। मन्म। वृद्ध। अह। एनं। उषसः। यामन। अक्तोः। वर्धन। मासाः। शरदः॥

द्यावः। इन्द्रं। एव। जज्ञानं। सहस्रे। अस्मि। वृक्षानं। राधसे। व। अफताय। महां। उग्रं। अर्वसे। विम। हुनं। आ।
 विवासेम। हृत्त० र्येष्ठ॥ १०॥ मंडस्य। कवेः। दिव्यस्य। वक्त्रेः। विप्र० मन्मनः। वचनस्य। मधः। अपाः। नः। त
 स्य। सवनस्य। देव। इषः। युवस्व। एणते। गो० अयाः। अयं। उज्ञानः। परि। अदि। उस्माः। कृतधीति० मिः
 । कृत० युक्। युज्ञानः। रुजत्। असक्तं। वि। वलस्य। सात्रं। पणीन्। ववः। रनिः। अग्नि। योधत्। इन्द्रः। अ
 यं। द्यातयत्। अहृतः। वि। अहृत। दोषा। वस्त्रोः। शरदनं इन्द्रः। इन्द्र। इमं। केतुं। अदधुः। उ। वित्। अ
 क्तं। अवि० जन्मनः। उषसः। वकार। अयं। रोवयत्। अरुवः। रुवानः। अयं। वासयत्। वि। कृतेन। पू
 र्वीः। अयं। इयत्। कृतयुक्० मिः। अश्वैः। स्वः। श्विदा। नाभिना। वर्षणि० प्राः। उ। एणानः। एणते। प्र

न। राजन। इषः। पिव। वसु० देयाय। सुवीः। अर्वपः। उषधीः। अविषा। वनानि। गाः। अर्वतः। नृन्। कवसे
 । रिरिहि। ॥ १॥ इन्द्र। पिव। उन्मं। सुतः। मदाय। अवा० स्या। हरी इति। वि। सुवा। सखाया। उत। प्रा। गाया। गणे।
 आ। नि० सद्य। अथ। यज्ञाय। गणते। वयंः। क्षः। अस्या। पिव। यस्या। जज्ञानः। इन्द्र। मदाय। कवे। अपिवः।
 वि० रश्निन्। तं। अं इति। ते। गावः। नरः। आपः। अद्रिः। इन्द्रं। सं। असुन्। पीतये। सं। अस्मै। सं० इन्द्रे। अ
 न्नो। सुते। इन्द्र। सोमे। आ। वो। वहं० उ। हरयः। वहिष्ठाः। वा० यता। मनसा। जोहवीमि। इन्द्र। आ। याहि।
 सुविताय। महे। नः। आ। याहि। शश्वत्। उजाता। ययाय। इन्द्र। महा। मनसा। सोम० पेयं। उषा। अस्मा
 नि। शृणवः। इमानः। अथ। ते। यज्ञः। तवे। वयः। क्षत्। यत्। इन्द्र। दिदि। प्रादी। यत्। रुधक्। यत्।

वा।स्वे।सदने।यत्र।वा।अभि।अतः।नः।यज्ञं।अवसे।नियुवान्।स०।जोषाः।पाहिः।शिवणः।मरुत०।निः॥
 १॥अहेनमानः।उप।याहि।यज्ञं।उभ्यो।पवंते।इंदवः।सुतासः।गावः।न।वह्निर्।स्व।उकः।अव।इंद्र।अ॥
 गहि।प्रथमः।यज्ञियानां।या।ते।काकृत।सु०।रुता।या।वरिष्ठा।यया।त्राश्वत्।पिबसि।मधः।नमि
 ।तया।पाहि।पाते।अध्वर्युः।अस्वात।सं।ते।वज्रः।वर्ततां।इंद्र।गव्यः।एषः।इन्द्र।वृषजः।विश्व०।रु
 पः।इंद्रोय।वृक्षे।सं।अकारि।सोमः।एतं।पिब।हरि०।वः।स्वातः।उग्र।वस्य।इतिषि।प्र०।दिवि।यः।ते।अ
 न्नं।सुतः।सोमः।असुतात।इंद्र।वस्यान्।अयं।अयान्।विक्रिउषे।रणाय।एतं।तितिर्वः।उप।याहि।य
 ज्ञं।तेन।विश्वः।तविषाः।आ।एणस्व।कयामसि।वा।आ।इंद्र।याहि।अव।इन्द्र।अरं।ते।सोमः।तवो०।न

वाति। शतं। ऋतो इति शतं। ऋतो। मादयस्व। सुतेषु। प्र। अस्मान्। अव। शतं नासु। प्र। विष्णु। ॥ १३ ॥ प्रति।
 अस्मै। पिपीषात। विश्वानि। विडुषे। नरा। अरं। गमाय। जग्मये। अपश्चात्। दधने। नरे। आ। ई। एनं। प्रति।
 एतन। सोमेनिः। सोमं पातमं। अमत्रेनिः। ऊजाषिणं। इंद्रं। सुतेनिः। इंद्रं निः। यदि। सुतेनिः। इंद्रं निः।
 सोमेनिः। प्रति। नृष्य। वेद। विश्वस्य। मेधिरः। धृषतातं। तं। इत्। आ। ईषते। अस्मै। अस्मै। इत्। अधसः।
 अधयो इति। प्र। नरा। सुतं। ऊवित। समस्य। जेन्यस्य। शर्दतः। अनि। शस्ते। अव। स्परत। ॥ १४ ॥ यस्य। त्यत्
 । शस्वरं। मदे। दिवः। शदासाय। रुन्धयः। अयं। सः। सोमः। इंद्रं। ते। सुतः। पिब। यस्य। तीव्रं। सुतो मदं। म
 ध्यं। अतं। व। रक्षसे। यस्य। गाः। अत्रः। अश्मेनः। मदे। दृष्टाः। अव। असृजः। ॥ १५ ॥ यस्य। मंदानः। अन्धसः।

माघोनं।दधिषे।त्रावः॥०॥१५॥यः।रयि०वः।रयि०तमः।यः।ह्रस्वे॥ह्रस्ववत्०तमः॥सोमः॥सुतः।सः॥
 इन्द्र।ते।अस्ति।स्वध०यति।मदः॥यः।शग्मः।उवि०उमग्म।ते।रायः।दामा।मतीनां॥०॥येन।वृद्धः
 ।न।शवसा।उरः।न।स्वानिः।नृति०निः॥०॥त्यं।भृंइति।वः।अप्र०हने।गृणीषे।शवसः।पति।इंद्रं।
 विश्व०सहं।नरं।मंहिष्ठं।विश्व०वर्षाणि॥यं।वर्द्धयंति।इत्।गिरः।पति।उरस्य।राधसः।तं।इत्।उ।
 अस्य।रोदसीइति।देवीइति।शुभ्रं।सुपूर्यतः॥१६॥तत्।वः।उक्त्स्य।वर्द्धणा।इंद्राय।उप०सृणी
 षणि।विपः।न।यस्य।नृतयः।वि।यत्।रोहंति।स०क्षितः॥अविदत्।दक्षं।मित्रः।नवीया।यान्।य
 पानः॥देवेभ्यः।वस्यः।अवैत्।सम०वान्।स्तौ।नाभिः।क्षेत्रीनिः।उरुथा।पायुः।अनवत्।स

वि० न्यः। कृतस्य। पथि। वेक्षः। अपयि। प्रिये। मनांसि। देवासः। अकृत। दक्षनः। नाम। महः। ववः। २ नि
 । ववः। दशये। वेन्यः। वि। आवरित्योवः। कुमत्० तमं। दक्षं। धेहि। अस्मे इति। सेध। जनानां। पूर्वीः। अरा
 तीः। वर्षीयः। वयः। कृणुहि। शचीनिः। धनस्य। सातौ। अस्मात्। अविहि। इन्द्र। उभ्यं। इत। मद्य० वन।
 अनुम। वयं। दात्रे। हरि० वः। मा। वि। वेनः। नकिः। आपिः। दृष्टो। मर्त्यना। किं। अरु। रूध० वोदनं। वा।
 अरुः। ॥ ७ ॥ मा। जस्वने। दृष्टन। नः। ररीयाः। मा। ते। रेवतेः। सख्ये। रिषाम। पूर्वीः। ते। इन्द्र। निः। श्मि
 धः। जनेषु। जहि। असुसीन्। पादृहा। अष्टणतः। उत। अत्राणि इव। सनयन्। इत्यर्त्ति। इन्द्रः। राक्षसि।
 अश्यानि। गव्या। वं। असि। प्र० दिवः। कास० क्षयाः। मा। वा। अदामानः। आ। दनन्। मघोनः। अध्वर्यो

इति। वीरा। प्र। महे। सुतानां। इंद्राय। नमः॥ हि। अस्य। राजा। यः। रूपाभिः। उत। शतनाभिः। गीः॥
 निः। वृद्धे। यत्नतां। ऋषीणां। अस्य। मदे। उरु। वर्याभिः। विद्वान्। इंद्रः। वृत्राणि। अप्रति। जयानातं। जं
 इति। पाहोषि। मधु० मंतं। अस्मै। सोमं। वीराशिपिणे। पिवध्वे॥ गं हन्ता॥ गन्ता॥ यज्ञं। पर० वतः॥ वि
 त्। अथ। वसुः॥ धीनां। अविता। कारु० क्षयाः॥ ॥ १७ ॥ अर्धः॥ ॥ इदं। त्वत्। पात्रं। इंद्र० पानं। इंद्रस्य
 । प्रियं। अहृतं। अपायि। ममत्। यथा। सौमनसाय। देवं। वि। अस्मत्। देवः॥ उद्युयवतः। वि। अर्धः॥ प
 ना। मंदानः। जहि। शूर। शत्रून्। जामिम्। अजामिम्। मघ० वस्। अमित्रान्। अनित्रान्। अग्नि० सन्ता
 न्। अग्नि। आ० देदिशानान्। परावः। इंद्र। प्र। वृत्त॥ जहि। च। आसु। स्म। नः॥ मघ० वस्। इंद्र। वृत्त० सु०

अस्मभ्यो महि वरिवः सु० गं करितिकः अपां तोकस्य तनयस्य जेवे इंद्रे सरीरा रुप्रहि स्मा
 नः अर्धं आवा हरयः वृषणः सुजानाः वृषपरथासः वृष० रश्मयः अत्याः अस्मत्राज्वः वृषणः
 वृज्ज० वाहः वृस्ते मदायः सुपयुजः वरुवु आतो वृपत्र वृषणः जोणं अस्तुः वृत० वृषः नः नर्म
 यः मदंतः इंद्रा प्राउभ्यो वृष० निः सुतानां वृस्ते नरंति वृषनाय सोमं ॥ १५ ॥ वृषा असि दिवः वृ
 षनः वृथिव्याः वृषा सिधूनां वृषनः स्त्रियानां वृस्ते ते इंदुः वृषन पीपाय स्वाडुः रसः मधु० पे
 यः वरोय अयं देवः सहसा जायमानः इंद्रेण सुजा पणिं अस्मनायत अयं स्वस्य पितुः आ
 युधानि इंदुः असुलात अशि वस्य माया ॥ अयं अरुणोत उषसः सु० पत्रीः अयं स्वर्ग्य अ

दक्षतरा ज्योतिः। अन्नरिति। अयं। त्रि० क्षत्र। दिवि। रोचनेषु। त्रित्तु। विंदत। अष्टतं। नि० रूहं। अयं। द्यावापृथिवि।
 वीइति। वि। स्फुनायुत। अयं। रथं। अयुनक। सप्त० रश्मिं। अयं। गोषु। शम्भा। पृक्। अन्नरिति। सोमः। दाक्ष
 रादक्ष० यत्रं। उमं॥ १०॥ इति रव्यलंबसुस्यस्त्रोत्रं च मनव्यवाचप्राणपात्रं। दहइदं शरीरं। यः। आ। अना
 यत्। पुरा० वतः। सु० नीती। उर्वरां। यदुं। इंदः। सः॥ नः॥ युवा। सखा। अविप्रो। चित्। वयः। दधतर। अना
 शुनो। चित्। अर्धता। इंदः॥ जेता। हितं। धनं। महीः। अस्या। प्र० नीतयः। पूवीः॥ उत। प्र० शस्तयः॥ न। अस्य
 । क्रीयंते। नृतयः॥ सखायः॥ वस्म० वाहसे। अर्धत। प्रा० गायत। सः॥ हि। नः॥ प्र० मतिः। मतिः। मही। द्वे। ए
 कस्य। वृत्र० हत्। अविता। वयोः॥ असि। उत। ईदृशे। यथा। वयं॥ ११॥ नयसि। यैइत्। नंइति। अति। विषः।

तं मुवा स
२

रुणोषि। उक्त्वां सिनः। वृ० निः। सु० वीरः। उच्यसे। वस्मान्। वस्त्रं० वाहसं। गीः शनिः। सखायं। रुग्मियं
। गां। नाद्येहसे। जवेयस्य। विष्मनि। हस्तयोः। ऋतुः। वस्त्रनि। नि। द्विता। वीरस्य। एतना० सहः। विद्वानि।
चित। अदि० वः। जनानां। शची० पुते। वृह। मायाः। अनानत। तं। जइति। वा। सत्य। सोमपणाः। इन्द्र। बाजा
नां। पुते। अस्तमहि। अवस्यवः। रश्मि० यः। पुरा। आसि। यायः। वा। वृनं। हिते। धने। हव्यः। सः। अवि। हव्यं
। धीभिः। अवत० निः। अवतः। बाजा। इन्द्र। अवाय्यान्। चया। जेष्ठा। हितं। धनं। अन्तः। उइति। वीर। गिर्वर्णं।
महान्। इन्द्र। धने। हिते। नरे। विततसायः। अमित्र० हन्। महुजवः। रतमा। अमति। तया। नः। हिउहि
। रथं। सः। रथेन। रथि० तमः। अस्माकेन। अनि० युयना। जेवि। जिहोइति। हितं। धनं। रथं। रुष्टीना।

दि० वर्षाणिः। पतिः। जज्ञे। दृष्टं० कृत्तुः। यः। शृणुतां। इत्। आसिथ। अपिः। जृती। शिवः। सखा। सः। वं। नः। इन्द्र।
 मृलय। धिष। वज्रं। गनस्योः। रक्षः। रहत्याय। वज्रि० वः। समहीषाः। अनि। मृधः। प्रनं। रयीणां। युजं। स
 खायं। कीरि० चोदनं। व्रमवाहः। रतमं। ऊवे। सः। हि। विष्मनि। पार्थिवा। एकः। वसूनि। पत्यते। गिर्वणः। र
 तमः। अधि० गः। श्रध॥ सः। नः। निघुत० निः। आ। दणा। कामं। वाजेनिः। अस्थि० निः। गोमत्० निः। गो० प
 ते। धृषत। तत। वः। गाय। सुते। सवा। ध्रु० कृताय। सवने। शं। यत। गवे। न। राकिने। द्य। वसुः। नि। यम
 ते। दानं। वाजस्य। गो० मतः। यत। सी। उप। अवेत्। गिरः। ऊवित० सम्य। प्र। हि। व्रजं। गो० मंतं। दस्य० हा।
 गमत्। राचीनिः। अप। नः। वरत्। इमाः। नृ० इति। वा। रातकृतो इति रात० कृतो। अनि। प। नोउवुः। गिरः।

न। ३

८५

इन्द्रावसं। न। मातरः॥ १५॥ दुःश्नत्रां। सख्यं। तवागौः। असि। वीरागंयुते। अश्वः। अश्वंयुते। नवान्। इउवा
 उ। सुते० सुते। नक्षते। गिर्वणः। गिरः। वसं। गावः। न। धेनवः। उरु० तमं उरुणां। स्त्रोहणां। वि० वाधि। वाजे
 निः। वाजु० युतां। अस्माकं। इन्द्रावुवाते। स्त्रोमः। वाहिष्ठः। अन्नमः। अस्मान्। राये। महे। हिउ। अधि। वृ
 बुः। पुणीनां। वविष्ठे। हृदन्। अस्त्रात्। उरुः। कः। द्यः। न। गांयः। यस्या। वायोः। इव। इवत। नृपा। राति
 । सहस्रिणी। सद्यः। दानाय। मंहते। तत्। सानः। विष्टे। अर्यः। आ। सदा। एणति। कारवः। वृष्टे। सहस्र०
 दातमं। सूरिः। सहस्र० सातमं॥ १६॥ वां। इत। हि। हवामहे। साता। वाजस्य। कारवः। वां। वृष्टे। इन्द्राव
 त० पति। नरः। वां। काष्ठासु। अर्वतः। सः। वानः। चित्रावृष्टे। हस्त। धृष्टु० या। महः। स्तवानः। अद्रि० वः।

गो॥ अ० अ०। रथो॥ इ० इ०। सं० किरा॥ स० स०। वा० जं०। न० जि० फ० य०। स० स०। हा० वि० च० र्ष० णि०। इ० इ०। तं० क० म० हे० व० यं०। स० ह०
 प्र० प्र० क० उ० वि० द० क० स० त० प० ते०। न० व०। स० म० न०। सु० न०। द० धे०। द० धे० स०। ज० न०। द० धे०। द० धे०। म० न०। द० धे०। मी० दे०।
 रु० ची० ध० म०। अ० स्मा० कं०। बो० धि०। अ० वि० ता०। म० ह०। हा० ध० ने०। त० न०। अ० प्र०। सु०। स० र्ये०। इ० इ०। ज्ये० षं०। न०। आ०। न०। उ० जि० षं०
 । प० उ० रि०। अ० व०। ये० न०। इ० मे० इ० ति०। वि० त्र०। व० ज्ञ०। ह० स्त०। रो० द० सी० इ० ति०। आ०। उ० ने० इ० ति०। सु०। शि० प्र०। श०। ॥ २७॥ च०। उ० ग्रं०
 अ० व० से० व० र्ष० णि०। स० हं०। रा० ज० न०। दे० वे० ष०। क० म० हे०। वि० श्वा०। सु० न०। वि० यु० रा०। पि० द० ना०। व० सो० इ० ति०। अ० मि० त्र०। सु० स०
 हा० न०। रु० धि०। य० त०। इ० द०। ना० क० षी० ष०। आ०। उ० ज०। द० क०। वा० रु० षि०। य० त०। वा०। प० व०। क्षि० ती० ना०। क० म०। आ०। न०। स०।
 न०। वि० श्वा० नि०। पौ० स्या०। य० त०। वा०। द० कौ०। म० व०। क० स्यो०। आ०। ज० ने०। य० त०। पू० रौ०। क० त०। वा०। द० क्यो०। अ० स्म० न्यो०। त०।

रा॥ स्वा॥ किल॥ अयं॥ मधु॥ मान्॥ उत॥ अयं॥ ताव॥ किल॥ अयं॥ रस॥ वान्॥ उत॥ अयं॥ उतो॥ इति॥ उ॥ अस्य
 । प॥ पि० वां॥ सं॥ इ० दं॥ न॥ कः॥ वन॥ सहते॥ आ० ह० वे० भ॥ अयं॥ स्वा॥ इ० ह॥ म० दि० ष॥ आ० स॥ य० स्या॥ इ० दं॥ इ० न० ह० ते
 म० मा० द॥ पु० रु० णि॥ यः॥ यो० न॥ श० म्ब० र० स्या॥ वि॥ न० व० ति॥ न्व॥ व॥ दे० ह्यः॥ ह० त्॥ अयं॥ मे० पी० तः॥ उ० त्॥ इ० य० त्ति॥ वा
 वं॥ अयं॥ म० नी० षां॥ उ० ग० श० ती॥ अ० नी० ग० रि० ति॥ अयं॥ ष० ट्॥ उ० र्वी॥ अ० मि० मी० त॥ धी० रः॥ न॥ वा० न्यः॥ उ० व० नं॥ क० त्
 । व० न॥ आ० रे॥ अयं॥ सः॥ यः॥ व० रि० मा० णं॥ दृ० षि० व्याः॥ व० ष्मी० णं॥ दि० वः॥ अ० र्क्ष० णो० त्॥ अयं॥ सः॥ अयं॥ पी० द्य० धं॥
 ति० स्त० ष॥ पु० व० त्० सु॥ सो० म० ः॥ दा० क्ष० रा॥ उ० रु॥ अ० त्ति० रि० दं॥ अयं॥ वि० द० त्॥ वि० त्र० दृ० शी० कं॥ अ० र्त्ति० सु० क० स० भ्रा०
 नां॥ उ० ष० सं॥ अ० नी० के॥ अयं॥ म० हा० श० म० ह० ता॥ स्क्० ष्म० ने० न॥ उ० त्॥ द्या॥ अ० स्त० न्ना० त॥ दृ० ष० नः॥ म० रु० वी० न्॥ ॥ २० ॥

धृषत। प्रिवा। कलशो। सोमै। इन्द्र। वृत्र० हा। सुरा। सं० आर। वसुनां। माध्वं। दिने। सर्वे। आ। दृषस्व। रयि० स्त
 नः। रयिं। अस्मासु। धेहि। इन्द्र। प्रानः। प्ररणा इवा। पश्य। प्रानः। नय। प्र० तरं। वस्यः। अष्ट। नवा। सु० पारः। अति
 ० पारयः। नः। नवा। सु० नीतिः। उत। वाम० नीतिः। उरुं। नः। लोकं। अत्र। नेषि। विद्वान्। स्वः। एवत। ज्योतिः।
 अनेयं। स्वस्ति। रुषा। ते। इन्द्र। स्वर्गिरस्य। वारु इति। उप। स्वेयाम्। शरणा। दहन्ता। वरिष्ठानः। इन्द्र। वंधु
 रीक्षः। वहिषयोः। शत० वृन्। अश्वयोः। आ। इषं। आ। वद्धि। इषां। वर्षिष्ठां। मानः। तारीत। मधु० वृन्। राय
 ॥ अयः। इन्द्र। मृतामस्य। जीवाजं। इच्छ। बोदय। धियं। अयसः। नाक्षरां। यत। किं। वा। अहं। वा० युः। इदं। व
 दामि। तत्। जपस्व। क्षुधि। मा। देव० वंते॥ वरा॥ त्रुतारं। इन्द्र। अवितारं। इन्द्र। हवे। सु० हवीं। शूरां। इन्द्र। कदा

हवे० १

मि। शक्रं। पु० कृतं। इन्द्रं। स्वस्ति। नः। मघ० वा। धा० इन्द्रः। इन्द्रः। सु० नामा। स्व० वान्। अ० वेः। शनिः। सु० पत्नीक
 । नव० वि० वेदाः। बा० धतां। धे० षः। अ० नयं। कृ० णो०। सु० वीर्यस्य। पत० यः। स्या० म। सः। सु० नामा। स्व०
 वान्। इन्द्रः। अ० स्मे० इति। आ० रा० त। वि० त। धे० षः। स० उ० तः। यु० यो०। अ० वा० वे० इति। इन्द्रः। प्र० वतः। न। नृ० मिः। गिरः।
 व० स्तो० णि। नि० यु० तः। ध० वं० ते। उ० रु० न। रा० धीः। स० व० ना। प्र० कृ० णि। अ० पः। गाः। व० जि० न। यु० व० से। सं। इन्द्रः। कः। इन्द्रः।
 स० व० तः। कः। इन्द्रः। कः। यु० जा० ते। य० तः। उ० यं०। इ० तः। मघ० वा। वि० श्व० हा। अ० वी० तः। पा० दौ० इ० वः। प्र० ह० र० नः। अ० न्यं०
 अ० न्यं०। अ० न्यं०। कृ० णो० ति। इ० र्वी०। अ० प० रं०। रा० वी० मिः। ॥ ३॥ श० ष्वे०। वी० रः। उ० यं०। उ० यं०। द० म००। य० नः। अ० न्यं०। अ० न्यं०।
 अ० ति००। ने० नी० य० मा० नः। ए० ध० मा० नः। वि० तः। उ० न० य० स्य। रा० जा०। वि० कृ० य० ते। वि० नः। इन्द्रः। म० उ० य० शः। प० रा०। इ० र्वे० धा०। ए०

सरमा। दृष्टा। वि०। तर्जरा। अपरे। एति। अनउ०। नृती। अव०। ध्वान। पूर्वी। इंद्र। शरद।
तर्जरा। सुप०। सुप०। प्रति०। रूप। बहुव। तत्। अस्य। रूप०। प्रति०। वक्षणा। इंद्र। माया। प्रति०। उरु०। रु।
प०। इयते। युक्ता। हि। अस्य। हरय। गुता। दश। युजान। हरिता। रथे। नृशि। वर्षा। इह। राजति। क। वि।
याहा। विषत। परु। आसते। उता। आसीने। सुरिषा। अगवृत्ति। क्षेत्रे। आ। अगुन्म। देवा। उवी। स।
ती। नृमि। अं। रुणा। अभूत। दृहस्पते। प्र। विक्रि। गो०। इष्टो। इष्टा। सते। ज। रित्रे। इंद्र। पंथा। इष्ट। दि।
वे०। दिवे। स०। दशी। अन्य। अर्ध। क्षमा। असेधुत। अप। सप्रन। जा। अहन्। दासा। वृषन। वस्तु। यं।
ता। उद०। व्रजे। वर्चिने। शंवरं। व। प०। स्तोक। इत। उ। राधस। ते। इंद्र। दश। कोशायी। दश। वाजिन।

अदात्। दिवः। शदासात्। अतिथि० चस्य। राधः। शोबरं। वसु। प्रति। अग्रनीम्ना। दश। अश्वान्। दश। कोशा
 न्। दश। वस्त्रा। अधि० नोजना। दशोदति। हिरण्य० पिं० डान्। दिवः। शदासात्। अमानिषं। दश। रथान्। पृष्टि०
 तमः। शतं। गाः। अर्थ० ध० न्यः। अश्वयुः। पायवे। अदात्। महि। राधः। विश्व० जन्यं। दधानान्। नरत० वा
 जान्। साज्जयः। अग्नि। अयष्ट। रथ०। कनस्पते। वीजु० अङ्गः। हि। नूयाः। अस्मत्० सखा। प्र० तरणः। सु
 ० वीरः। गोत्रिः। सं० नक्षः। असि। वीलयस्व। आ० स्वाता। ते। जयउ। जवानि। दिवः। पृथिव्याः। परि। उजः।
 उत्० नृतं। वनस्पति० न्यः। परि। आ० नृतं। सहः। अवां। उज्मानं। परि। गोत्रिः। आ० वृतं। इन्द्रस्य। वज्रं। ह
 विषा। रथं। यज। इन्द्रस्य। वज्रः। मरुतां। अनीकं। मित्रस्य। गर्जः। वरुणस्य। तानिः। सः। इमां। नः। हव्य० दा

तिं। ज। षा। णः। दे। वा। र। थ। प्र। ति। ह। व्मा। य। न। य। उ। प। श्वा। स। य। ए। थि। वी। उ। त। द्यां। पुरु। त्रा। ते। म। उ। तां। वि। ०। स्ति।
 ते। ज। ग। त। सः। पुं। दु। ने। सु। ०। ज्ञः। इं। ज। ०। ण। दे। वैः। ह। रा। त। द। वी। यः। अ। प। मे। ध। रा। ह। न। आ। क्रं। द। य। ब। लं। उ। जः।
 नः। आ। क्षः। निः। स्त। नि। हि। दुः। श्। त। वा। ध। मा। नः। अ। प। प्रो। य। पुं। दु। ने। दु। बु। नाः। इ। तः। इं। प्र। स्य। सु। ष्टिः। अ।
 सि। वी। न। य। स्व। आ। अ। ष्टः। अ। ज। प्र। ति। आ। व। र्त्त। य। इ। माः। के। उ। ०। म। त। पुं। दु। निः। वा। व। दी। ति। सं। अ। श्च। ०। प।
 त्ताः। च। रं। ति। नः। न। रः। अ। स्मा। कं। इं। द्र। र। थि। नः। ज। यं। उ। ॥ २५। ॥ ए। क। त्रि। श। ति। मो। ०। ध्म। यः। ॥ २६। ॥
३। य। ज्ञा। ०। य। ज्ञा। वः। अ। न। ये। गि। रा। ०। गि। रा। व। द। क्ष। से। प्र। ०। प्र। व। यं। अ। ष्ट। नं। जा। त। ०। वे। द। सं। प्रि। यं। मि। त्रं। न।
शं। मि। षं। ०। ज्ञः। न। पा। तं। सः। हि। ना। अ। यं। अ। स्म। ०। युः। दा। शो। म। ह। व्य। ०। दा। त। ये। उ। व। त्। वा। जे। षु। अ। वि। ता।

उर्वर। दृधः। उत। ज्ञाता। तन्नना। दृषा। हि। अग्ने। अजरः। महार। विपनासि। अर्विषा। अजसेण। शो
 विषा। शो अवर। अचे। सुदाति० निः। सु। दीदिहि। महः। देवान्। यजसि। यक्षि। आउषक्। तव। कवा
 उत। दसना। अवविः। सी। कृणुहि। अग्ने। अवसे। रास्व। वाजा। उत। वंस्व। यं। आयः। अद्रयः। व
 ना। गर्जं। कृतस्य। पिपति। महसा। यः। मथितः। जायते। दृ० निः। दृष्टिमाः। अधि। सानवि॥१॥
 आ। यः। प्रपौ। नाउना। रोदसी इति। उमे इति। धूमेन। क्षवते। दिवि। तिरः। तमः। ददशे। नृम्यसि
 आ। श्पावासा। अरुषः। दृषा। आ। श्पावाः। अरुषः। दृषा। दृहत्० निः। अग्ने। अर्वि० निः। अक्रे
 ए। देव। शो विषा। नरत्० वाजे। सं० इक्षनः। यविष्य। रिवतानः। अक्र। दीदिहि। द्र० महत्। पाव।

एध

कीदीदिहि। विश्वासां। गृह० पतिः। विशां। असि। वं। अग्ने। मातृषीणां। शतं। पुः। रनिः। यविष। पाहि। अं
 सं० एकारं। शतं। हिमाः। स्तोत्र० न्यः। ये। च। ददति। वं। नः। वित्रः। नृत्त्या। वसो इति। राक्षं। सिचि। द
 यं। यं। अस्या। रायः। वं। अग्ने। रथीः। असि। विदाः। गांधं। उ। नः। पर्वि। तोकं। तनयं। पृष्टं० निः। वं। अ
 दवैः। अप्रयुच० निः। अग्ने। हेलांसि। देव्या। युयोधि। नः। अदेवानि। करं। सि। च। आ। सखायः। स
 वः। श्रुद्यां। धेउं। अजधं। उर्प। नमसा। ववः। स्तजधं। अनप० सुरां। या। शर्दयि। मास्तया। स्व० नानवे।
 अवः। रत्न। धस्त। या। मृजीके। मस्ततां। उराणां। या। सुमैः। एव० यावरी। तुरत० वाजाय। अवा॥
 धस्तत। धिता। धेउं। च। विश्व० दोहसं। इषं। च। विश्व० नोजसं। तं। वः। इन्द्रं। न। सु० ऋतं। वसुणं। इवा। मा।

धिनं। अर्यमणं। न। मंदं। सुप्र० नो न सं। विष्णुं। न। सुषे। आपदिशे। वेधं। शर्धः। न। मारुतं। उवि० स्वनि। अन
 वाणं। सुषणं। सं। यथा। शता। सं। सहस्रा। कारिषत्। वर्षणि० न्यः। आ। आवि। गृह्णा। वसु। करत्। सु०
 वेदा। नः। वसु। करत्। आ। माश्वत्। उप। द्रव। शंसिषं। उ। ते। अपि० कर्मे। आघृणे। अवाः। अर्यः। अरा
 तयः। ॥ ३॥ मा। का। कक्षीरं। उत। वृहः। वनस्पतिं। अशस्त्रीः। वि। हि। नीनशः। मा। उत। सूरः। अहरिति।
 एव। चन। गीवाः। आ० दधते। वेरितिवेः। दृतेः। इद्व। ते। अष्टकं। असु। सख्यं। अविद्रस्य। दधन० वतः। सु
 ० धर्मस्य। दधन्० वतः। परः। हि। मर्त्यैः। अमि। समः। देवैः। उत। श्रिया। अनि। रयः। सुषत्। एतनासु।
 नः। वं। अवा। नूनं। यथा। उरा। वामी। वामस्य। धृतयः। प्र० नीतिः। असु। स्मृतता। देवस्य। वा। मरुतः।

मर्त्यस्य। वा। ईजानस्य। प्र० यज्यवः॥ सद्यः। क्षितायस्य। चरति॥ परि। घांदिवः॥ नाएति। स्वर्यः॥ वेपं। शवः
॥ दधिरे। नामे। यज्ञियं। मरुतः॥ ह० हं। शवः। ज्येष्ठं। ह० हं। शवः। सक्तत। हाद्यौ॥ अजायत। सक्ततः
नृमिः॥ अजायत। दृष्ट्याः॥ दुग्धं। सक्तत। पयः॥ तत्। अन्यः॥ न। अजायते॥ ॥ सुषे। जनं। सु० व्रतं।
नम्यसाभिः॥ गीः। रतिः॥ मित्रावरुणा। सुम्र० यतां। ते। आ। गमं३। ते। इह। अ० वं३। सु० रुत्रासेः॥ वरुणाः॥
मित्रः॥ अग्निः॥ विशः। रविः॥ ईश्वरः॥ अध्वरे३। अदस० कृत्वा॥ अरतिं। युवत्योः॥ दिवः॥ शिञ्जं। सहसः॥ सु
३। अग्निः। यज्ञस्य। के३। अरुषं। यजध्वं। अरुषस्य। इतिरा। विरूपे३। इतिवि० रूपे। स्त० मिः॥ अन्वा। पिपि
त्रो। स्वरः॥ अन्वा। मिथेः॥ रत्नरा। विवरंती॥ इतिवि० वरंती। पावके३। इति। मन्म० अ० तं। नक्ततः॥ रुच्यमाने३

ति। प्र। वासु। अत्र। दृहती। मनीषा। दृहत्। रयिं। विश्वं। वारं। रथं। प्रा। कृततप्यामा। नि० युतः। पत्यमानः। क
 विः। कविं। इयुक्षसि। प्रयुज्यो इति प्र० यज्यो। सः। मे। वपुः। अदयत्। अश्विनोः। यः। रथः। विरुद्वान्। मनसा
 । युजानः॥०॥५॥ पर्जन्यवाता। दृषन्। दृष्टिमाः। उरीषाजिणि। निवृतं। अथानि। सत्यं० श्रुतः। कवयः॥
 यस्यः। गीः॥२॥ निः। जगतः। स्नानः। जगत्। आ। सपुधं। पावीरवी। कन्या। विन० आयुः। सरस्वती।
 वीर० पत्नी। धियं। कर्तु। नानिः। अर्चिदं। शरणं। स० जोषाः। दुःश्चाधर्षं। शृणुते। नान्मि० यंसत्। पथः॥
 शपथः। परि० पति। वचस्या। कामेन। हृतः। अनि। आनदः। अर्कः। सः। नः। रासत्। श्रुधः। दे० अग्नीः॥
 धियं० धियं। सीसक्षति। प्र। पूषा। प्रथम० नाजं। यशसं। वयः। रक्षं। सु० पाणिं। देवं। सु० गे० निस्ति। रुचं॥

ए६

होता। यक्षत। यजत। पत्न्यानां। अग्निः। वधरं। सु० हवे। विना० वा। उवनस्यापितर। गीः शनिः। आनिः। रु
 प्र। दिवा। वधय। रुद्रं। अक्तौ। दहतं। रुधं। अजरं। सु० सुभं। कधक। ऊवमाकविना। इषितासः॥६॥ आ।
 युवानः। कवयः। यज्ञियासः। मस्तः। गंत। दृष्टतः। धरस्यां। अवित्रं। वित। हि। जिवथ। दधंतः। इच्छा। नहं
 तः। नरः। अक्रिस्वन्। प्र। वीराय। प्र। तवसे। उराय। अज। यथा इव। पशु० रक्षिः। अस्तं। सः। पिष्टरा
 ति। तवि। फ्रतस्य। सृ० निः। न। नाकं। वचनस्य। विपः। यः। राजासि। वि० ममे। पार्थिवानि। त्रिः। दित। वि
 लुः। मनवे। बाधिताय। तस्य। ते। शम्भे। उष० दद्यमाने। राया। मदेम। तवा। तना। च। ततानः। अहिः।
 बुध्प। अत्र० निः। अर्कैः। तत। पर्वतः। तत। सविता। वनः। क्षत। तत। उषधीनिः। राति० सावः। नगः॥

[illegible]

यत्। इ०। अ०। महति। वा। हितासः। बाधे। मरुतः। अक्रामादेवान्। मिमक्षायेषां रोदसी। उ०। देवी। सिम।
 क्रि। सुषा। अ०। य०। य०। अ०। ह०। मरुतः। यत्। हायाथा। नृमारेजंते। अधनि। प्र०। विके। ॥ ८॥ अ०। नि।
 त्या। वीरं। गिर्वृणसं। अ०। इ०। अ०। ज०। रितः। न०। अ०। इ०। ह०। उप०। व०। स्त०। वा०। नः। ग०। स०।
 वा०। ज०। उप०। म०। ह०। ए०। नः। उ०। मा०। न०। आ०। प०। मा०। उ०। षी०। अ०। वृ०। क०। क्ष०। त०। तो०। का०। य०। त०। न०। या०। य०। श०। योः। यू०। यं।
 हि। स्व०। नि०। ष०। ज०। मा०। ष०। त०। मा०। वि०। श्व०। स्य०। स्ता०। उ०। ज०। ग०। तः। ज०। नि०। त्री०। आ०। नः। दे०। वः। स०। वि०। ता०। त्रा०। य०। मा०। णः।
 हि०। र०। ण्य०। ण्य०। णिः। य०। ज०। तः। ज०। ग०। म्या०। त०। यः। द०। त्र०। वा०। नः। उ०। ष०। सः। नः। प्र०। ती०। कं। वि०। नृ०। षु०। ते। दा०। शु०। षे। वा०। य०।
 णि०। उ०। त०। वं। सू०। नो०। इति०। सह०। सः। नः। अ०। द्य०। आ०। दे०। वा०। नः। अ०। स्मि०। नः। अ०। ध०। रे। वृ०। द्य०। त्वाः। स्या०। अ०। हं। ते। स०। दं।

इत्त। शतौ। तव। स्या। अग्ने। अवसा। सु० वीरः। उत। त्या। मे। हवं। आ। जगम्यातं। नासत्या। धीनिः। युवं। अङ्ग।
 विप्रा। अत्रि। न। मरुः। तमसः। अउउक्तं। सर्वतं। नरा। दुः। इत्तात। अनीके। ए। ते। नः। रायः। द्य० मत
 ॥ वाज० वतः। दातारः। नृत। व० वतः। उरु० द्योः। दशस्यतः। दिव्याः। पार्थिवामः। गो० जाताः। अथाः। पृत्त
 त। व। देवाः। ते। नः। रुद्रः। सरस्वती। स० जोषाः। मी० कुमंतः। विष्णुः। पृत्त३। वायुः। क्रुत्तुक्षाः। वाजः।
 दैव्यः। वि० धृता। पुर्जन्यावाना। पिथतां। इषो० नः। उत। स्यः। देवः। सविता। नगः। नः। अपा० नपात। अव
 उ। दाउ। पप्रिः। वृषा। देवेनिः। इथिवी। सउद्रैः। उत। नः। अहिः। बुध्नः। शृणोउ। अजः। एक० पात। इथिवी
 । सउद्रः। विष्टे। देवाः। कृत० वृधः। जवानाः। सुताः। मंत्राः। कवि० शस्त्राः। अव३। एव। नपातः। मम० त

उ नि० निः। स० जोषाः। द्योः। देवे निः। ॥ २

स्मः धीमिः नरतः वाजाः अमिः अर्चति अर्केः आः ऊतासः वसवः अध्याः विद्ये सुतासः नृतः य
 जत्राः ॥ १० ॥ उतः जेदति त्पतः वहुः महिः मित्रयोः आः एति प्रिये वसुणयोः अदब्धे कृतस्य शुविः द
 रतिः अनीकं रुक्मः नः दिवः ॥ उतः इता विः अद्यौतः वेदायः ॥ त्रीणि विदयानि एषां देवानां जन्मः सउतः
 आः विषः क्रुजः मर्तेषां वृजिनाः च पश्यन् अमिः वृष्टेः सूरः अर्यः एवानां सुषेः जेदति वः ॥ महः क
 तस्य गोपातः अदितिः मित्रा वसुणं सुः जातान् अर्यमणं नगं अदब्धं धीतीन् अर्चः वोवे सः धन्य
 ॥ पावकान् रिवा दसः सत्पत्नीन् अदब्धान् महः ॥ राज्ञः सुवसनस्य दाहृन् मूतः सुः क्षत्रान्
 रुयतः ॥ दिवः ॥ दृन् आदित्यान् यामिः अदितिः ॥ उवः श्रुः द्यौः ॥ पितरिति एषिविः मातः ॥ अर्धकः अ

मे। ज्ञातः। वसवः। मृतः। नः। विद्ये। आदित्याः। अदिते। स० जोषाः। अस्मन्मो। शर्मा। ब्रह्मन्। वि। यंत। ॥ १॥ मान
 :। वृकाय। वृको। समस्मे। अघ० पते। रीरधत। यजत्राः। रथ्याः। नः। तद्वनो। मूयं। दक्षस्य। वचसः। ब्रह्मव।
 मा। वः। एनः। अन्य० पुरुतं। उजेम। मा। तत्। कर्मा। वसवः। यत्। वयधे। विश्वेस्य। हि। क्षयय। विश्व० देवाः।
 स्वयं। रिषः। तव्वां। रिषीष्ट। नमः। इत्। उग्र। नमः। आ। विवासे। नमः। दाक्षर। पृथिवी। उता। द्या। नमः। दे
 वेभ्यः। नमः। ईशो। एषां। विव। एनः। नमः। आ। विवासे। कृतस्य। वः। रथ्याः। इत० दक्षार। कृतस्य। पस्त्य
 ० सदः। अद्वान्। तान्। आ। नमः। शनिः। उरु० वक्षसः। दन्। विद्यान। वः। आ। नमः। महः। यजत्राः। ते। शि
 श्रेष्ठ० वक्षसः। ते। ज्ञेति। नः। तिरः। विष्मनि। दुः। इत्ता। नयति। सु० क्षत्रासः। वरुणः। मित्रः। अग्निः। क्रु

त० धीतयः॥ वक्त्रराज० म० याः॥ ॥ २ ॥ तैमः॥ इन्द्रः॥ पृथिवी॥ क्षामा॥ वर्धन॥ सुषा॥ नगः॥ अदितिः॥ पंच॥ जनाः॥
 सु० शर्माणि॥ सु० अक्षमः॥ सु० नृथाः॥ नवंत्र॥ नः॥ सु० वात्रासः॥ सु० गोपाः॥ उ० सप्रानं॥ दिव्यं॥ नंशि॥ दे
 वाः॥ नारत्० वाजः॥ सु० म० ति० याति॥ होता॥ आसानेनिः॥ यजमानः॥ मियेधैः॥ देवानां॥ जन्म॥ वसु० युः॥
 ववंद॥ अप० त्य॥ वृजिना॥ रिषा॥ स्तेन॥ अग्नेः॥ इन्द्रा० धं॥ दविषं॥ अस्या॥ सत० पुते॥ क्षुधि॥ सु० गं॥ आदाणः॥
 सोम॥ नः॥ हि० क॥ सुस्वि० वनाय॥ वावृषुः॥ अहि० नि॥ अविणं॥ पणि॥ वृकः॥ हि० सः॥ ॥ इन्द्र० ज्येष्ठाः॥ अ
 नि० द्यवः॥ कर्त० नः॥ अध्व० न॥ आ॥ सु० गं॥ गोपाः॥ अमा॥ अपि० पंधां॥ अगन्महि॥ स्वस्ति० गां॥ अनेहसं॥
 येन॥ विश्वाः॥ परि० विषः॥ वृणक्ति॥ विदते॥ वसु॥ ॥ २ ॥ न॥ तत॥ दिवा॥ न॥ पृथिव्या॥ अत्र॥ म० यो॥ न॥ यजेन॥

पु यं

न।उत।शमीनिः।आनिः।उल्लंउ।तं।सु०न्वः।पर्वतासः।नि।हायतां।अति०याजस्य।यथा।अति।वा।यः।म
 सुतः।मन्यते।नः।वस।वा।यः।क्रियमाणं।निनिश्चात।तर्षि।तस्मै।हृजिनानि।संनु।वसपदिषोअनि
 ।तं।शोचु।द्यौः।किं।अद्ग।वा।वसतः।सोम।गोपां।किं।अद्ग।वा।आऊः।अनिशस्ति०पां।नः।किं।अ
 ङ्ग।नः।पश्यसि।निद्यमानान्।वसपदिषे।तप्रधिं।हेतिं।अस्य।अवंतु।मां।उवसः।जायमानाः।अव
 उ।मा।सिंधवः।पिवमानाः।अवंतु।मा।पर्वतासः।क्रवासः।अवंतु।मा।पितरः।देवपस्तुतौ।विश्व०
 दानी।सु०मनसः।स्याम।पश्येम।उ।सूयं।उत्०वरंतं।तथा।करतं।वसुपतिः।वसूनां।देवान्।उ
 हानः।अवसा।आग्निमिष्टः।१४।इंद्रः।नेदिष्ठं।अवसा।आ०ग्निमिष्टः।सरस्वतीः।सिंधु०दिः।पिवमा

१००

ना। यज्ञिनः। नः। उषधीनिः। मयः। शुभः। अग्निः। सु० शंसः। सु० हवः। पिता इवः। याविः। देवाः। वृत० सु
 ना। हव्येन। इति० भूषति। तं। विश्वे। उप। गच्छय। उपानः। सूनवः। गिरः। शृण्वन्। अष्टतस्य। ये। सु० मृजी
 काः। नदं३। नः। विश्वे। देवाः। कृत० वृधः। कृत० निः। हवन्० श्रुतः। जषता। दुज्यपयः॥ १५॥ स्तोत्रं। इव
 ॥ मरुत० गणः। चक्ष० मान० मित्रः। अयमा। इमा। हव्या। जषतानः। इमं। नः। अग्ने। अध्वरं। होतः। वसुन०
 वा॥ यज०। विक्किवान्। दैव्यं। जलं। विश्वे। देवाः। शृणुत। इमं। हव्यं। मे। ये। अन्नरिक्षे। ये। उप०। यवि। स्वाये।
 अग्नि० जिह्वाः। उत। वा। यजत्राः। आ० सद्यः। अस्मिन्। बर्हिषि। मादयधुं। विश्वे। देवाः। मम। शृण्वन्।
 यज्ञियाः। उमेइति। रोदसीइति। अपा० नपात्। वा। मन्म०। मा। वः। ववांसि। परि० चक्ष्याणि। वोचं। सुमे३।

ॐ इत्तवः अत्तमाः मदेमये केव ज्मा महिनः अहि मायाः दिवः जजिरे अपाः सध स्तेते अस्म
 न्यः इषये विश्वः आसुः क्षपः उस्त्राः वरिस्सुं उ देवाः अग्नीषजन्मो अवतं धियो मे अस्मिन् हवे सु
 द्या सु सुति नः इला अद्य जनयत गर्भं अन्यः प्रजावतीः इषः आ धनं अस्मे इति सु उ
 क्तं न म ह्रा नमसा आ विवासे अस्मिन् नः अद्य विदधे यजत्राः विश्वे देवाः हविषि मादयध
 ॥१६॥ अर्धः वा वयं न इति वा पृथः पते रथे नावाज सातये धियो एषन् अयुज्महि अति नः न
 र्या वसु वीरं प्रयतं दक्षिणं वामं गृह पतिं नय अदि संते वित् आहुणो एषन् दानाय वो दय पणे
 वित् दि प्रदा मनः वि पृथः वाज सातये विबुहि विरुधः त हि साधनं उय नः धियो परि च

आदि

धि।पणीनां।आरया।हृदया।कवे।अथ।इं।अस्मभ्यं।रेधय॥१७॥वि।शुषन्।आरया।उद।पणे॥इच्छ।
हृदि।प्रियं॥आ।रिख।किकिरा।क्षु।पणीना।हृदया।कवे॥यां।शुषन्।वृत्त०वोदनी।आरां।बिन्धि
।आष्टणे।तया।समस्य।हृदया॥या।ते।अष्टा।गो०उपशा।आष्टणे।पशु०साधनी।तस्याः।ते।सुभ्रं।
इमेहे।उत।नः।गो०सनि।धिया।अश्व०सां।वाज०सां।उत।रु०वत।रुणहि।वीतये॥१८॥सं।शुषन्।वि
दुषा।नया।यः।अज्जसा।अनु०शासति।यः।एव।इदं।इति।ब्रवत।सं।जंइति।इल्ला।गमेमृदि।यः।यह
न।अनि०शासति।इमे।एव।इति।य।ब्रवत।इल्लः।चक्रं।न।रिष्यति।न।कोशः।अव।पद्यते।नोइति।
अस्य।व्यथते।पविः।यः।अस्मै।हविषा।अविधत।नातं।इषा।अपि।पृष्याते।प्रथमः।विदते।वसु।इ

जिनं स्वर्गः यः जातः उच्यते मातुः दिधिधं अर्च्यं स्वर्गः जातः शृणोतु नः जातः इन्द्रस्य सखा
 मम आ अजासोः दूषणं रथे निःशृङ्गाः ते जम् अथियं देवं वहंतु विद्मः ॥ १ ॥ यः एनं अ
 दिदेशति करं अत इति दूषणं नातेन देवः आ दिशो उता घासः रथि नमः सखा स
 पतिं युजा इन्द्रः इत्राणि जिघ्रते उता अदः पुरुषे गवि स्तूरः चक्रं हिरण्यं निषेरयत रथि न
 मः यत अद्य वा पुरु सुत ब्रह्मा दस्र संतु मः तत सानः मन्त्रा साधय इमं वानः गो
 षणं सातये सीसधः गुणं आरात दूषत असि फलः आते स्वस्ति इमेह आरे अर्च्यं अप
 वसुं अद्य वा सर्वं तातये सीसधः वा सर्वं तातये ॥ २ ॥ इन्द्रो उ दूषणा वयं सखा यः स्वस्ति

यत् १२

ऊवेम। वाज० सायैते। सोमं। अन्यः॥ उप। असदत्। पार्तवे। वृषोः। सुतं। करम्रं। अन्यः। इच्छति। अजाः॥ अम्य
स्य। वक्रयः॥ हरी इति। अन्यस्य। संभृता। ताभ्यां। वृत्राणि। जिघ्रते। इंदः॥ अनेयत्। रितः। महीः॥ अपः॥ वृ
षन्० तमः॥ तत्र। वृषा। अनवत्। सवा। तां। वृक्षः॥ सु० मृतिं। वयं। वृक्षस्य। प्रावयांश्च। इंदस्य। वृ० आ। र
तामहे। उत्तर। वृषाणं। वृद्धामहे। अनीश्वर इव। सारथिः। मद्यैः॥ इंदं। स्वस्तये॥ यत्र॥ अक्रांते। अन्यत्। य
जतं। ते। अन्यत्। विष्णु रूपे इति विष्णु० रूपे। अहनी इति। घोः इव। अस्ति। विद्याः॥ हि। मायाः॥ अर्वसि। स्व
क्ष० वः॥ नृपा। ते। वृषन्। इह। रातिः॥ असु। अज० अम्यः॥ पशु० पाः। वाज० पत्न्यः॥ धियं पजिवः। उर्वने।
विद्ये। अर्थितः॥ अष्टौ। वृषा। शिथिरां। उत्तर० वरीहजत्। सं० चक्षाणः॥ उर्वना। देवः॥ इत्यते। याः। ते। वृष

१०३

नावः॥ अन्नरिति॥ सप्रदे॥ हिरण्ययीः॥ अन्नरिहे॥ त्वरंति॥ तामिः॥ यासि॥ इत्यां॥ सूर्यस्य॥ कामेन॥ दत्तः॥ प्र
 यः॥ इत्तमोनः॥ पूषा॥ सु० बंधुः॥ दिवः॥ आ॥ श्यिवाः॥ इतः॥ पतिः॥ मय० वा॥ दस्म० वच्चीः॥ यं॥ देवासः॥
 अदेउः॥ सूर्याय॥ कामेन॥ कृतो॥ तवसं॥ सु० अन्वो॥ इध॥ प्र॥ वा॥ वोच॥ सुते॥ वां॥ दीयीयानि॥ चक्र
 पुः॥ हतासः॥ वा॥ पितरः॥ देव० वा॥ नवः॥ ईद्रा॥ ग्री॥ इति॥ जीवथः॥ युव॥ बट॥ इत्ता॥ महिमा॥ वां॥ इंद्रा॥
 इति॥ एनिष्ठः॥ आ॥ समानः॥ वा॥ जनिता॥ प्रातरा॥ युवं॥ यमौ॥ इहेह० मातरा॥ चकिं० वांसा॥ सुते॥ सव
 ॥ अक्षा॥ सप्ती॥ इदो॥ आदने॥ इंद्रा॥ वा॥ अग्री॥ इति॥ अवसा॥ इह॥ वृद्धिणा॥ वय॥ देवा॥ हवामहे॥ वयः॥ इ
 माग्री॥ इति॥ सुते॥ वां॥ स्तवत॥ ते॥ कृत० वृक्षा॥ जोष० वा॥ क॥ वदतः॥ पु० ज्ञो॥ होषिणा॥ न॥ देवा॥ नमस्यः॥

तिसृष्वी ॥ इत्य ॥ २

रतः। इंद्राग्नी इति। कः। अस्स। वां। देवौ। मर्तः। विकेतति। विधूस्वः। अश्वात्। युयुजानः। ईदयते। एकः।
 सुमाने। आ। रथे। २५। इंद्राग्नी इति। अयात्। इयं। इवो। आ। अगात्। पत० वतीभ्यः। हिदी। शिरः।
 जिह्वा। दावदत्। वदत्। विंशत्। यदा। नि। अक्रमीत्। इंद्राग्नी इति। आ। हि। तवते। नरः। धवानि। वा।
 को। मा। नः। अस्मिन्। महापधने। परा। वृक्ते। गो० इष्टिषु। इंद्राग्नी इति। तपेति। मा। अबाः। अर्यः। अरा।
 तरयः। अप। इषोसि। आ। सुत। युयुतं। स्तयीत्। अधि। इंद्राग्नी इति। युवोः। अपि। वसु। दिव्यानि। पा।
 थिवा। आ। नः। इह। प्रायुवतं। रयि। विश्वायु० पोषमं। इंद्राग्नी इति। उक्क० वाहसा। स्तोमैनिः। हवन्।
 ऋता। विश्वानिः। गीः। रनिः। आ। गतं। ॥ २६॥ अथत्। वृत्रं। उत। सनोति। वाजं। इंद्रा। यः। अग्नी।

212130

म० पीतये। तं। ईनिष्ठ। यः। अर्धिषा। वना। विश्वा। परि० स्वजन्। रुक्मा। रुणोति जिह्वया॥ १८॥ यः। इहे
 । आ० विवासति। सुम्रं। इन्द्रस्य। मर्त्यः। द्युन्नाय। सु० तराः। अयः। ता० नः। वाज० वतीः। इषः। आ
 श्रुत्। पिष्टतं। अर्वतः। इन्द्रं। अग्निं। च। वो० हवे। उना। वां। इन्द्राग्नी इति। आ० ऊवध्वे। उना। राधा
 सः। सह। मादयध्वे। उना। दातारो। इषा। रयीणां। उना। वाजस्य। सातये। ऊवे। वां। आ० नः। गव्ये।
 मिः। अश्व्यैः। वसुध्वेः। उषा। गवतं। सर्वायौ। देवौ। सुत्पाय। शं० उवा। इन्द्राग्नी इति। ता। हवामहे। इ
 द्राग्नी इति। शृणुतं। हवं। यजमानस्य। सुवृतः। वीतं। हव्यानि। आ० गतं। पिबतं। सोमं। मधु॥ १९॥
 इयं। अददात्। रत्नसं। रुण० व्यतं। दिवः। श्वासं। वधि० अश्वाय। दाश्वषे। या। शश्वेतं। आ० च

स्वादे। अवसं। पणिं। ता। ते। दात्राणि। तविषा। सरस्वति। इयं। शुभेनिः। विसखाः। इव। असृजत। सा
 उ। गिराणां। तविषेनिः। नृमि० निः। पारावत० प्री। अवसे। सुवृक्ति० निः। सरस्वती। आ। विवासेम
 । धीति० निः। सरस्वति। देव० निदः। नि। बर्हया। प्र० जां। विश्वस्य। हसयस्य। मायिनः। उत। दिवि०
 नः। अवनीः। अविदः। विषं। पयः। अस्रवः। वाजिनी० वति। प्रानः। देवी। सरस्वती। वाजेनिः
 वाजिनी० वती। धीनां। अवित्री। अवउ। य॥ वा। देवि। सरस्वति। उप० ब्रूते। धने। हिते। इंदं। न।
 हृत्० हृयै॥ २०॥ वां। देवि। सरस्वति। अवा। वाजे० वाजिनि। रदा। हृषा। इव। नः। सनिः। उत। स्या। नः। स
 रस्वती। घोरा। हिरण्य० वर्तनिः। हृत्० प्री। वृष्टि। सु० सुति। यस्याः। अनंतः। अकृतः। वेधः। चरि

सुः॥ अर्क्षवः॥ अमः॥ चरति॥ रोसवत॥ सा॥ नः॥ विश्वाः॥ अति॥ विषः॥ स्वष्टः॥ अन्याः॥ कृत॥ वरी
 । अतर्॥ अहाइव॥ सूर्यः॥ उत॥ नः॥ प्रिया॥ प्रियासु॥ सप्त॥ स्वसा॥ सु॥ उष्टा॥ सरस्वती॥
 स्तोम्या॥ नूत॥ ॥ ३॥ आ॥ पृषुषी॥ पार्थिवानि॥ उरु॥ रजः॥ अंतरिक्षं॥ सरस्वती॥ निदः॥ पात्र॥
 त्रि॥ सधस्वा॥ सप्त॥ धातुः॥ पंच॥ जाता॥ वर्धयंती॥ वाजे॥ वाजे॥ हव्या॥ नूत॥ प्राया॥ महिमा
 । महिना॥ आसु॥ वेकिते॥ द्युमेनिः॥ अन्याः॥ अपसौ॥ अपः॥ रतमा॥ रथः॥ इव॥ वृहती॥
 वि॥ चने॥ कृता॥ उप॥ सुत्या॥ विक्रिउषा॥ सरस्वती॥ सरस्वति॥ अग्नि॥ नः॥ नेषि॥ वस्यः॥
 मा॥ अप॥ स्फुरीः॥ पयसा॥ मा॥ नः॥ आ॥ धृक्॥ जुषस्व॥ नः॥ सरव्या॥ वेश्पा॥ च॥ मा॥

वत्। क्षेत्राणि। अरणानि। गन्तु॥ ३३॥ ॥ इति द्वाविंशतिमोऽध्यायः॥ ॥ ११९॥
संवत् १७५५ वर्षे आश्विन मासे कृष्ण पक्षे नवमी तिथौ सोमवासरे अंशुकेन लिखितं॥ ॥

शु. काशीनाथदेवनाथनां ८

॥ शु. काशीनाथदेवनाथनेपोषिष्ठे च तुभाषवृषद ॥

०६

CC-0. Mrugendra Vinod Collection. Digitized by eGangotri

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ आ पुस्तक शैव अविचलजीनु । सर्वानुक्रमणिनुष्ठे ॥ श्री अंबा

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ अथ सर्वाऽनुक्रमणित्विखिते ॥ ॥ ॐ अथ रुच्येदाम्
येशाकलकेस्तुतप्रतीकरुक्संख्यरुषिदैवतछंदस्यनुक्रमिष्यामि यथा
पदेरां न ह्येतद्ज्ञानमृते श्रौतस्मार्तकर्मप्रसिद्धिर्मंत्राणां ब्राह्मणार्षयश्च
शेदैवतविद्याजनाध्यापनाभ्यां श्रेयोधिगच्छत्येताभ्यामेवानेव विदोयात
यामानि छंदसि न वंत्यधस्तुविपरीते स्थाणुं वश्यीति गर्त्तं वा पात्यते प्रमी
यते वा पापीयान् न वतीति विज्ञायते ॥ ॥ अथ रुच्यः शतत्रिंशद्भाघेमंड

लेते शुद्धस्तुतमहास्तुत मध्यमेषु माध्यमाः कचि कथं चिदविशेषितं ब्रह्म
विमस्त्रियमनुक्त गोत्रमांगिरसं विद्याद्यस्य वाक्यं सरूपि रीतेनोच्यते
सा देवता यदक्षर परिमाणं तच्छब्दो र्थे स वरुणो देवता म्बुदो निरूपाया
वंसि स एव देवताः हित्यंतरिक्षे स्थाना अग्निर्वायुः सूर्य इत्येवं व्याहृ
तयः प्रोक्ता व्यस्ताः समस्तानां प्रजापतिशंकरः सर्वदेवतो ब्राह्मो देव आ
ध्यात्मिक्यः पारमेष्ठ्यो वा तत्स्थाना अन्यास्तदिह तयः कर्मपृथक्कादिष्ट

थगमिधानस्तुतयोभवत्येकैववाप्रहानात्मादेवतासस्त्यइत्याचक्षते
 सदिसर्वभूतात्मातदुक्तमृषिणास्त्यमात्माजगतस्तस्युषश्चेतितद्विन्
 तयोन्यादेवतास्तदद्येतद्वचोक्तमिदंमित्रंवरुणमग्निमाहुरितियथाभि
 धानंत्वनुक्रमिष्यामः प्रायेणैरेप्ररुतोराज्ञांचदानस्तुतयः॥२॥अथ
 खंदांसिगायत्र्यक्षिगनुष्टुभृतीपक्षिस्त्रिष्टुभृतीतिजगतीशक्यति
 शक्येष्ट्यतिधृत्यतिधृतयःक्षतिःप्रत्यतिराक्षतिर्विद्यतिःसंत्यतिस

॥२॥

था। षष्ठीचाभिन्नतिर्नामसप्तम्यहतिरुच्यते॥ चतुर्विंशत्यक्षरादीनिचतु
रुत्तराण्येकेनोनाधिकेननिचुद्गुरिजौह्राम्। विराट्स्वराजौपादहरणार्थ
उद्देशप्रसंगयोगैकाक्षरीभावाच्चरुदाद्येऽसप्तवर्गेपादविशेषासंज्ञाविशेषा
स्ताननुक्रामंतएवोदाहरिथामोविराट्पाविराट्स्थानाश्चबहुनाऽपित्रि
ष्टुभएवेत्युद्देशस्तत्रदशैकादशाद्वादशाक्षराणांवैराजत्रिष्टुभंरतिसंज्ञा जागता
अनादेशोष्ठाक्षराःपादाश्चतुष्पदाश्चर्चः॥३॥ प्रथमंछंदस्त्रिपदागायत्रीपंच
काश्चत्वारःषड्क्षयैकश्चतुर्थश्चतुष्कोवापदपङ्क्तिःपंचक्रांषड्क्षयैकादशाउल्लि

गार्जस्त्रियः सप्तकाः पादनिचन्द्रमध्यमः षड्भ्येतिरे निचन्द्राकश्चेद्यवम
 ध्यायस्यास्तुषसप्तकाष्टकाः सावर्द्धमानाविपरीताप्रतिष्ठादौ षड्भ्यो
 सप्तकश्चेति कसीयसी ॥ ४ ॥ द्वितीयमुल्लिङ्गिपदां त्योद्वाद्वाक-आद्यश्चेत्तु
 रउल्लिङ्गमध्यमश्चेत्तु कुत्रैष्टुज जागतचतुष्काः कद्रुम्यं कुरिरेकादशि
 नोः परः षड्भ्यस्तनुशिरामध्येचेत्पिपीलिकमध्याद्यः पंचकस्त्रयोष्टका-म
 नुष्टुकाभ्यांचतुःसप्तकोल्लिङ्गेव ॥ ५ ॥ तृतीयमनुष्टुपंचपंचकाः षड्भ्यो
 कोमहापदपङ्क्तिर्जागतावष्टकश्चेत्तु मध्येचेदष्टकपिपीलिकमध्या

॥ ३ ॥

नवकयोर्मध्ये जागतः कावीराणववैराजत्रयोदशीनीष्टरूपादशकास्त्रा
योविरालेकादैशकावा॥६॥ चतुर्थं ब्रह्ती तृतीयोद्वादशकआद्यश्चेत्पुन
स्ताद्ब्रह्ती द्वितीयश्चेन्न्यंकुसारिएयुरोद्ब्रह्ती वास्वंधोग्रीवीवांत्यश्चेदुप
रिष्ठाद्ब्रह्ती ष्टिनोर्मध्येदशकौ विष्टारब्रह्ती त्रिजागतोर्ध्वब्रह्ती त्रयो
दशिनोर्मध्येष्टकः पिपीलैर्मध्यायुजावष्टकावयुजोनवैकादशिनौ
ब्रह्ती विषमपदाचतुर्नवकाब्रह्तीव॥७॥ पंचमं पङ्क्तिः पंचपदाश्चतु
ष्पदावैराजैर्विरालयुजौ जागतौ सतोद्ब्रह्ती युजौ च द्विपरीताद्यौ च

त्रस्तारपङ्क्तिरत्यौचेदास्तारपङ्क्तिराद्यांत्यौचेत्संस्तारपङ्क्तिर्मध्यमौचेदिष्ट
 रपङ्क्तिः ॥८॥ षष्ठं त्रिष्टुप्पुनपदाद्वैतुजागतौयस्याः सा जागतेजगतीत्रे
 पुमे त्रिष्टुप्पुनराजौ जागतौ चान्त्रिसारिणी नवकौ वैराजस्त्रिष्टुप्पुनश्चद्वैवा
 वैराजौ नवकस्त्रेष्टुप्पुनश्चविराड्छानैकादशिनस्त्रयोष्टकश्चविराड्छपाद्वादश
 नस्त्रयोष्टकश्चज्योतिष्मतीयतोष्टकस्ततो ज्योतिश्चत्वारोष्टकाजागतश्चमस
 हृतीमध्येचेद्यवमध्याद्यौदशकावष्टकास्त्रयः पङ्क्तुनराविराद्यूर्वावा ॥ ९ ॥
 सप्तमं जागती जागतपदाष्टिनस्त्रयः स्त्रौचद्वौमहासतो हृत्त्यष्टकौ सप्त

कः षड्दोदशको नवकश्च षल्लकावामहापद्भिः ॥१०॥ अथ प्रगाथा बृहती स
सतो बृहत्यौ बार्हतः ककुषेत्स्वाका कुनो महा बृहती महा सतो बृहत्यौ
महा बार्हतो स बृहती विपरीते विपरीतो तरो नु पुबाय यौ चानु पुनो
नु पुमुखा स्ति चा इत्युक्ते ॥११॥ सूक्त संख्या नुवर्तते - आन्यस्याः सूक्त
संख्यायां ऋषिश्चान्यस्मादेष रवा विशिष्टस्तु हि हवैतद्वच्च विशिष्टान्य
पि देवतछंदां सिद्धिं चतुः पंच षड्भूतानां जियथा संख्यमनिरुक्ता सं
ख्या विंशतिरनादेशे लिङ्गो देवता त्रिषु छंदः प्रगाथा बार्हता विंश

तिकादिपदाविराजस्तद्वैमेकपदादिदिपेदास्तु चसमामनंतयुक्त्वा
 त्यादिपदैवमंडलादिष्वाग्नेयमैंद्रात्रिष्टुब्धंतस्यस्तुक्तस्यशिष्टाजग
 त्यादौगायत्रंप्राग्धैरण्यस्तुपीयात् ॥ १२ ॥ जोधमद्योषाचिच्छारापा
 लोपनिषन्निषत् ॥ ब्रह्मजायाजुङ्गनामागस्त्यस्यस्वसायितिः । इन्द्रा
 णि चेंद्रमाता चसरमारोमशोर्वशी ॥ लोपामुद्रान्वनद्यश्चयमीनारीच
 राच्यती ॥ श्रीलक्ष्मीः सारपराज्ञी वाक्यश्रद्धामेधेव दक्षिणा ॥ राज्ञीस्तु
 चसावित्री ब्रह्मवादिन्यईरिताः ॥ १३ ॥ इतिपरिभाषासमाप्तः ॥ श्रीः अंबा

॥ ५ ॥

ॐ अग्निं नवमधुच्छंदसवैश्वामित्रो वायो वायव्यैंद्रवायवमैत्रावरुणा सृचा अश्विना
 द्वादशाश्विनैंद्रवैश्वदेवसारस्वता सृचाः सप्तैताः प्रउगदेवताः सुरूपमनुंद
 शेंद्रमानुसुं जं त्यादेहेत्येताः षण्मासस्यो वीजुचिदिंद्रेणेत्येन्द्रोचिंद्रमिदिंद्रसा
 नसिमिंद्रेहि गायंति द्वादशानुष्टुभं बिंद्रमष्टौ जेतामाधुच्छंदसोग्निं द्वादशामे
 धातिष्ठिः का एव आग्नेयमग्निनेति पादो द्वाग्निदेवतो निर्मथ्या हवनीयो सुस
 मिद्धरतीध्रः समिद्धो वा अग्निस्तन्नुपान्नराशंसइलो बर्हि देवीर्द्वौ रौ उषासा
 नक्ता देव्यो होतारौ प्रचेतसौ तिस्रो देव्यः सरस्वती जाभारत्यस्त्वष्टावनस्पतिः

स्वाहास्तय इति प्रत्युवदेवता एतदा प्रीस्तु तं मे तेना न्यान्यक्तदेवतान्येकाद
 शानि उ नाराशं सान्या प्रशब्दे कान्यत नून पां त्यै निर्वैश्वदेव मिंद्र सोम मृतव्यं
 तत्रैर्दौमारुती चाष्टाग्नेय्येन्द्री मैत्रावरुणी चतस्रो द्रवि णो दस आश्विन्याग्ने
 य उदेवताः सर्वत्रा चानवेन्द्रावरुणयो रैन्द्रावरु णां युवाकु पाद निचुतौ सोमा
 नमिति पंच ब्राह्मण स्पत्याश्च उथ्या मिंद्रश्च सोमश्च पंचम्यां ॥ दक्षिणा चान्याः सा
 दस स्पत्या नाराशंसी चांया प्रति च माग्निमारुतं ॥ १ ॥ अयमष्टावाच न विमिरुष
 त्वेन्द्राग्नें प्रातर्युजासे काचतस आश्विन्यस्तथा सा वित्र आग्नेय्योद्देवीना

॥६॥

CC-0. Mrugendra Vinod Collection. Digitized by eGangotri

चिसप्तपाङ्कमावोद्बुधिकास्मात्तुं पादनिचृच्छश्च त्रिष्टुप्परोहचावन्धिनौषस्योवमये
 द्यूनाहिरण्यस्तूप-आग्नेयं त्रिष्टुबं चाष्टमीषोडशौ चेंद्रस्य पंचोना ॥२॥ एतत्रि
 ष्टिद्वादशाधिनं नवम्यते त्रिष्टुभौद्ध्याम्येकादशासावित्रं नवमीजगत्याद्याच
 लिङ्गोक्तदेवतपादाः स्वयः प्रवेविंशतिः क एवोद्यौर-आग्नेयं प्रागायमृधुः
 योष्टौ क्रीलं पंचोनामारुतं हि गायत्रं तु क इप्रयद्दश प्रागायं तृतिष्ठाष्टौ ब्राह्म
 णस्पृशं यं रश्मंति नववरुणमित्राय म्भ्रां मध्येष्टव-आदित्येभ्यो गायत्रं हि संश्र ॥७॥
 य१ षट्शपोऽहं कद्रुद्रां हि नवरौद्रं तृतीया मित्रावरुणी चांय सृचः सोम्योऽयानु

शुचनेषल्लनाप्रस्कल्यंक्ताएव-आग्नेयं प्रागायमाधौहृवौ शुषसांचवम
 नेदशानुशुभमर्द्धर्चोद्योदैवएषोपंचोनाश्विनंतुगायत्रं॥३॥अयंदरा
 प्रागायंतुसहषोलशोषस्यंत्तषश्चउक्कमानुशुभंत्तुच्यंसप्तोनासो
 र्यंनवाद्यागायत्रोच्यसृचोरोघ्रगेउपनिषदंचोर्द्धर्चःशत्रुघ्नश्चाग्निच्यं
 पंचोनासच्योद्वित्रिष्टुवंतमंगिराइंद्रउच्यंपुत्रमिच्छन्नभ्यध्यायंसव्य
 इतींद्रएवास्यपुत्रो जायतच्यंसुत्रयोदश्यंतेत्रिष्टुभौन्यूषेकादशांचेति
 शुभौमानोच्यान्त्रिष्टुप्षष्टमीनवमीचदिवश्चिदष्टौ जागतं ह्येष प्र

पद्यमंहिषायन्तुचिन्नवनोधगौतमः आग्नेयंहिचउस्त्रिष्टुबंतंवयाइसप्त
 वैश्वानरीयंवङ्किंपंचास्माइडुषोलश॥४॥ प्रसतोनाचंनववृहस्पंचोमा
 मारुतंत्रिष्टुबंतंपरमाग्नेयमैन्द्रास्पधादशपराशरःशाक्र्योद्वैपदंतद्रयि
 र्वनेषुश्रीलंछुक्रोवनेमैकादशोपप्रदशानिकाथारयिनेपिप्रयंतोनव
 गौतमोराहूगणोगायत्रंतुजुषस्वपंचकतिकथात्रिचागायत्रंतुहिरण्यक्वे
 शोद्वादशाद्यौष्टवैत्रिष्टुमौलिहोह्रवोग्नयेवामध्यमायेच्चाचोलशैंद्रंपाङ्गं हि ॥८॥
 ॥५॥ इंद्रीनवोपोषुषड्गयंतमश्वावतिजागतप्रसाविचिंशतिःषलनुष्टु

त्रअहिहपांक्तगायत्रेष्टुमासृचाः प्रजायः प्रयेद्वादशमारुतंह पंचम्यंते त्रि
 षुजो मरुतो दशगायत्रं प्रवक्षसः षड्जागतमाविधुन्मद्भिराद्यांते प्रस्तारपं
 क्षीपंचमी विराड्भूपानो दशविश्वदेवं उ पंचाद्याः सप्तमी च जगद्यः षाष्ठी वि
 राड्भानरुजुनीतीनव गायत्रमंथानुष्टुप् सोमत्रयिका सोम्यं पंचम्यादिगा
 यत्रोद्वादशोऽसिक्वेता उत्थाद्भूषस्य च उर्जगयादिषलुस्तिगंतं त्रिचोत्रया
 धिनोग्रीषोमौद्वादशाग्नीषोमीयमाघास्तिस्त्रोनुष्टुभ उपांथास्तिस्त्रो गायत्रो
 ष्ठीमीजगतीवेमं षोडशकुस आग्नेयं द्वित्रिष्टुबंतं पूर्वदिवा स्त्रयः पादोदे
 ते

^{जा}
 वास्तनोमित्रोर्ध्वोर्लित्कोदेवतोयदेवचंवासुक्तं॥ द्वी। द्वेएकादशोषसायवाग्नये
 सप्रन्नयानवद्विणोदसेपनोष्टोचयेगायत्रं वैश्वानरस्यष्टचं वैश्वानरी
 यं जातवेदस एकाजातवेदस्य मेतदादीन्येकश्यांसिस्तुक्तसहस्रमेतकश्य
 पार्षस्योष्टचैकोनावाषागिराशुजाश्यांबरीषसहदेवभयमानसुराधसः
 प्रमंदिनएकादशकुसश्चउस्त्रिषुबंतमाद्यागर्भस्त्राविष्टुपनिषमौदि
 तेयात्रिष्टुप्ततेष्टोयोनिर्नवचंद्रमाएकोनात्यस्त्रितोवावेष्टदेवंहिपाङ्ग
 त्रिष्टुबंतमष्टमीमहाष्टहतीयवमध्येन्द्रमित्रंसप्तत्रिष्टुबंतंयज्ञस्तुचंयज्ञं

॥ ७ ॥

द्वाग्नीसप्तोत्रैन्द्राग्रं तु विह्यष्टौ ततं नवाग्रं वं तु पंचम्यं ते त्रिष्टुभौ तक्ष्मं चान्
 या त्रिष्टुब्जलि पंचाधिकांश्चिनमाद्यौ पादौ लिंगोक्तदेवता वं च त्रिष्टुभौ ॥
 ॥ ७ ॥ इदं विंशतिरुषस्यं द्वितीयोद्ब्रवीति त्रेष्टुभौ एकादशरौद्रं द्विष्टु
 बतं चित्रं षड्भूयं नानाभाषां पंचाधिकां कृद्वा न्देष्टुमस उशिष्यस्त
 आश्विनैर्मध्वः प्रावां रथ एकादश वां रथं दश जागतं काराधद्वादशां च्याडु
 स्वप्ननाशान्याद्या गायत्री द्वितीया चुरिकृत्तीया चतुर्थी का विराणष्टरूपै
 पंचमी तनुशिरा षष्ठांशुरैरुल्लिष्टिष्टां हतीति विराड्विस्त्रो गायत्र्यः क

मे

दिशा पंचोना वैश्वदेवं वा ॥ टी ॥ प्रवो वैश्वदेवं मा वो विराडू पे पृथुः स हो नो पस्य
 त्पा उच्छांती प्रातारन्नं सप्तस्वनयस्य दानस्तुतिरुपजगत्या वमं दानितिक
 क्षीवान् दान उष्टः पंचभिर्भावयव्यं उष्टावां ये अनुष्टुभौ भावयव्यरो मरा
 योर्दं पयोः संवाहो मिमेकादश परुष्टे पौ दिवो दासिराग्नेयं उपा रुष्टे पं सर्व
 मान्यं तत्राति धृतिः षष्ठ्ययं जायता श्येयं च मेकादश षष्ठ्ये र्वी प्र प्रा वो
 तिराक्या वष्टुं ते द्र्या हि दशां या त्रिष्टु बिं द्राय सप्त त्रया षष्ठ्यु वं तमे द्राण
 वतो ऋच उग्ने सप्तादौ त्रिष्टु तिस्रो नुष्टुभो गायत्री धृतिरा वा षड्वा यव्यं च

॥ १०१

ह

याष्टिस्तीर्णनिवचतुर्थाद्याः पंचैद्रश्चोपांयेऽष्टीप्रसुसप्तमैत्रावरुणं
चंयेलिङ्गोक्तदेवतेऽंयात्रिष्टुपं॥१॥ सुष्टुमष्टचमतिशाकरं प्रप्रचतुष्कं
पौल्लमस्तुष्टौषालकादशविश्वस्त्रीमेत्रावरुण्याश्चिन्यस्त्रिस्तैर्द्राग्नेयीमा
रुच्यैर्द्राग्नीबार्हस्पत्याविश्वदेव्यांयात्रिष्टुपंचमीबृहतीविश्वदेवमेतदेव
मन्यासामपिस्तुक्तप्रयोगैर्विश्वदेवचंस्तुक्तभेदप्रयोगैर्यज्ञिङ्गंसादेवतावि
दिषतेसप्तोनादीर्घतमाअचय्यः प्राग्ने^{यं}उद्दित्रिष्टुबंतंउत्रिष्टुबृशमीवाब
ष्टिष्ठासमिद्धः प्राप्रियः प्राणुष्टुभमंयिंदीप्रतयसीप्रशवाग्नेयंतुतत्रिष्टु

बतमेति प्रसन्न जागतं तं पृथ्वं तपंचायात्रिष्टुप्तिमूदीनंकथामयीधन्महः स
 वैराजं गुरुचमोक्षिहं मित्रं नव मित्रावरुणं हि जागतं मे त्रुधामुवं स त्रय जा
 महे च उक्कं विल्लोः षड्विहं हि प्रवो जागतं वै द्वाघसृचो नव पंचा बोधिष
 पलाश्विनं च ये त्रिष्टुभौ ॥ १० ॥ वस्तुं चानुष्टुपद्यावापंचघावाष्टयिवीयं तु
 जागतं तु ते हि किमु श्रेष्ठः पल्लना न्नं च त्रिष्टुबतं मानो ह्यधिकाम्यस्तुतिस्तु
 तीया षष्ठ्यो जगद्यो यदक्रंदसप्तो नास्यदिपंचाशदत्तं पस्तवचैत संशयो च
 पन प्रश्न प्रतिवाक्या न्यत्र प्रायेणं शान मोक्षाक्षर प्रशंसा च पंचपादं साकं जा

१११॥

नायकायत्रेयं स विद्धे सप्तादंगमगोरीरिति जगत् एतदं तं निश्चयेवं तस्या
 समुद्रा इति वाचः समुद्रा आपो रु रं सा प्रस्तार पद्भिः शक्रमयः ॥ १९ ॥ विशाक ध्व
 मउक्षाणं पृथ्विमिति सोमस्त्रयः क्रेरी न इ च ग्निवधुः सूर्यश्चिक्नेरिः तश्च चारि
 वाद्या च इंद्र मित्रं सोयै द्विदशेति संवत्सर संस्थं कालचक्रवर्णनं यस्ते स
 रस्वथैयज्ञेन साध्योभ्यः परानुष्टुप् सोरीपजन्त्याग्निदेवतावां च्यासरस्वते
 स्तययिवाक्यापंचोनासंवादीगस्तेन्द्रमरुतां च तीयाघयुजो मरुतां वाक्य
 मयं सृचोगस्तस्य शिष्टा इन्द्रस्यैकादशी च मरुचानिंद्रो देवता ॥ १९ ॥ तन्वग

ये

स्तोमासुतं हि द्वित्रिषु बतं मित्रावरुणाद्याही हितयो रु वशीमश्वरसंदष्टा
 वासती वरेकुं मेरे तो पतत्त तो गस्त्यव सिष्ठाव जायेतां सहस्रमेकादशा
 द्यौः द्रीयहाय द्वादश त्रित्रिषु बतं महोष्टौ द्वितीया विराएन नूनं पंचागस्त्ये
 नैरे हविषि मरुता मुघत इद्रागस्त्यायाः संवाद ऐंद्रस्रत्राया इतीया चेंद्र
 वाक्यं चतुर्थी चादौ हतीति सोनुष्टुभः प्रतिवर्ष एमासुतं तु चतस्रोऽयाम्
 रुवतीयाश्चित्रसृचंगायत्रंगायसतो नाचं राजा दशमसिषलानुष्टुभं
 उत्रिषु बतं वाघास्त्रंधी ग्रीवी मसिन आचर्षणि प्राः पंचयद्वस्याष्ट्वीः ष

॥२२॥

ज्ञायापयोर्लोपाभुद्रायाऽगस्त्यस्य च ह वाभ्यां रचयर्थं संवादं क्वांतेवासी
 ब्रह्मचार्यते हत्यादीऽपपश्यद्युवोदशाधि न वै कडुनवा नृदिदमष्टौ
 षष्ठ्यंते त्रिष्टुभो तंयुं जाथां षड् ॥ १२ ॥ तावां कृतरेकादशद्याव्याष्टयिवी
 यमानोविश्वदेवं पितुं न्वं नस्तुतिर्गायत्रं चाद्यानुष्टुब्जा नृतितीयापंच
 म्याद्याश्चतिस्त्रोनुष्टुभौ याचष्टहतीवासमिद्धाप्रियोग्नेनयाष्टवाग्ने
 यमनवीणं बाहस्पयं कंकतः पोलरोपनिषदा नुष्टुभमप्रियै ए सौर्यं वि
 षशं कावानगस्त्यः प्राब्रवीद्दशम्याद्यांस्तिस्त्रोमहापङ्क्तयोमहाबृहतीच

यथांगिरसः शौनहे त्रो नृचा भार्गवः शौनको नृवस्य सप्तमदो द्वितीयं
 उमपश्यत्त्वमग्ने जागतं तु यज्ञे न सप्तो नासमिद्ध एकादशां षष्ठ्यदिभ्यो
 योऽङ्गवेन वसोमाङ्गतिर्भार्गवो ह होताष्टवानुष्टुभमिमांमे गायत्रं हि श्रे
 ष्ठं षड्वाजयन्निवांश्चानुष्टुभ ॥ १३ ॥ निहोता जोऽङ्गः श्रद्धिसे कैदं विराड्वा
 नमृते चान्यो जातः पंचो नरुतः सप्तो नान्यत्रिष्टुबध्वर्यावा द्वादश प्रधदरा
 प्रवोनवांश्चान्त्रिष्टुप्तदस्मै द्वित्रिष्टुबंतं प्रातरपायिवयंतं सप्तो विराड्वा ॥ १३ ॥
 विश्वजितेषु द्विष्टुबंतं त्रिष्टुबंतं चतुष्टुबंतं मष्ट्यायति शाक्यं मंत्र्याष्टिवा

त्यंहवार्हस्प१

गणानामेकोनावास्त्रणस्पंथास्तु दृष्टलिंगाः पंचदश्यंते त्रिष्टुभौ ॥ १४ ॥
 सेमांषो लशांया त्रिष्टुब्हादशीचसैंद्रीचैधनः पंचजागतं वृजुश्चउक्कमिमा
 स्मनाकूर्मो गार्ग्यमदोहिवादित्येस्पइदमेका दशवारुणमुपांथादुःस्वप्ननाश
 नीधृतव्रताः सप्तविश्वदेवमृतमेकादशजगन्तं षष्ठ्येंद्रासोमीसरस्वतिव
 प्रितिसारस्वतोर्ध्वैर्योनोबृहस्पतिस्त्रवोऽयामारुच्यस्माकंसप्तवैश्वदेवं त्रि
 षुबंतमस्यमेष्टौजागतं चतुर्षुबंतं द्यावापृथिव्यैकादेऐं द्यौवाष्ट्रौवाद्दे
 इराकाशिनीवात्योरंथा लिंगोक्तदेवताते पंचो नारौ द्रंधरावरामारुतं त्रि

पुबंतमुपेमपोनश्रुतुम्यंषुतच्यंउजागतंतु॥१५॥ मंदस्त्रोदुथएकारःश
 सावित्रंग्रावाणेवाष्टावाधिनंसोमाहृषणाषद्भोमापौस्तमंशोद्ध्वेष्टिदितेवयि
 सैकागायत्रमुक्तादेवताःप्रउगेणाघेउष्टवेयैइवायवीघावाष्टिष्टिद्योयस्त्रुचो
 हाविष्मन्तोवाइतीयःपादेवाग्नेयोबितमेनुष्टुमोहृहतीचक्रनिक्रदृष्टचं
 प्रदिष्टिष्टिज्जागतंमध्येतिराक्यष्टिर्विताभ्यामृषिरधनिवाश्यमानंशकुं
 तंतुष्टावकुशिकस्त्रेपीरथिरिंद्रुल्यं पुत्रमिष्ट्वत्सचर्यंचचारतस्येइएव
 गाथीपुत्रोउडेगाथिनोविद्यामित्रःसहतीयंमंडलमपश्यसोमस्यअधि

॥१४

कावैश्वानरायपंचोनावैश्वानरीयंजगजतंतुवैश्वानरायैकादशसमिसमिदाप्रि
 यःप्रयग्निंप्रकारवदद्यान्नेययोरन्यासामपिनिपातोदृश्यते॥१६॥प्रयेजंतियूप
 स्तुतिःषध्याद्यानिर्बहवोद्यात्रश्चिन्यष्टमीवैश्वदेवीवाहतायासप्तम्यावनुष्टुनौ
 सखायोनवबार्हतंनिष्टुबंतंत्वामग्नअग्निहोतागायत्रैविद्राग्रीऐंद्राग्नै
 वंसप्तसप्तस्वानुष्टुनमाहोताविपाजसाकात्यउत्कीलस्त्वयमग्निषट्प्रागा
 यंसमिध्यमानपंचकतोवैश्वामित्रस्तुनवानौग्निहोतारंगायत्रीहोताग्निसुषसमा
 द्यातेवैश्वदेव्याविमंनउपाधेअनुष्टुनौविराडूपासतोबृहतीचात्यायंसनुपा

त्यानुष्टुप्पुंराषेऽग्निः ज्योतिर्मथितो देवश्च वा देव वा तश्च भ्रातौ तृतीया सतो बृ
 हयग्ने स हस्व गायत्रं माद्यानुष्टुबं गेदिवो वै राजं मुपां याग्ने इ विद्या न रं न व
 द्रचौ विद्या न रीयं मा रूतौ जा गतौ ह वा आत्म स्तुति^{वी} इ व त्मि जी तां यो पा ध्याय
 स्तुतिः प्र वः पंचो ना गायत्रं ह त आ वा याग्ने जुष स्व षड् तृतीया कृत्ति क्रि षु अ
 ग यो स्ती दं षो ल रा घा च उ थी द श मी द्रा द श्यो नु षु नः षष्ठो का द श्यु पां ये च ज
 ग यः पंच म्यु वि श्यो वा ॥१७॥ इच्छंति ह्यधि किं दं शा त कु शिको विद्या मित्र एव
 वा श्रु ते रिं द सो मं चू ना प्र प व ता नां स प्तो ना सं वा दो न दी न्नि विद्या मित्र स्यो नि

तीर्षोस्तिन्नदीवाक्यंचउर्याषष्ठाष्टमीदशम्यःषष्ठीसप्तम्योविंद्रस्तुतिरं
 चानुष्टुबिंद्रःपञ्चदशतिष्ठाहरीइमामृषपांचाघोरोपश्यसंनिदी
 स्यमानेतिश्रूयतेवात्रह्यायगायत्रमंचानुष्टुबन्धितष्टेवदशप्रजाप
 तिःसर्वेष्वामित्रोवाहोवातो नवैकोपींद्रं प्रतिर्नव॥१८॥इंद्रवागायत्रं
 ह्यान्नउपनुयास्यष्टावयंतेपंचबाहृतंचामंद्रैर्युधस्यमरुवान्मघोह
 संसामहामिंद्रस्वाहाचर्षणीधृतं द्वादशांघांशौचौजागतगायत्रौधना
 वंतमष्टौर्वाङ्गायत्रंषष्ठीजगतीद्रापर्वताचतुर्विंशतिराष्टौद्रापर्व

तीपंचदश्यादिदेवाचेससपयैर्वितसोरथांगस्तुतयोऽथाअग्निशापास्ता
 वसिष्ठद्वेषिण्योनवसिष्ठाःशृण्वन्तिदशमीषोलख्यौजगद्योत्रयोदशीगा
 यत्रीद्वादशीविंशीद्वाविंश्यानुशुभोद्वादशीबृहतीमंमहेद्बुधिकोक्तगो
 त्रःप्रजापतिर्हिवैद्यदेवहोषसः॥१९॥नताष्टौप्रमेषद्वेनुर्नवाश्विनंमि
 त्रामैत्रंचतुर्गायत्र्यंतमिहेह्वःसप्ताश्विंजागतंरचोद्योऽंश्चोषउषस्यमि
 माउद्धृतेन्द्रावरुणबाहस्पत्यपोऽस्रसावित्रस्यैम्यमैत्रावरुणसृचाऽं
 चोऽमदश्याषोविचतुर्थाधायत्रोऽधामदेवोगौतमश्चतुर्थीमंडलमप

॥१६॥

श्यवां ह्यग्ने विंशतिरश्रुतिजगती धृतय आद्या उ पाद्याश्चतस्रो वारुण्यश्च
 वा। यो मर्येष्वावः षोडशाद्या रौद्री ह्यष्टपंचो नाराहो घ्नां॥ २०॥ वैश्वानरा
 य विश्वानरीय मृध ऊषेका दशाय मिह दो जगती पंचानुष्टुप्त्रौ दत्तं वोष्टौ गा
 यत्रं व। अमृताग्ने तमघ पद पाङ्ग पंचमी महा पद पङ्क्ति र्योस्त्रिंश उथी
 षष्ट्युपां यावा सप्तम्याः पंचकौ मुखौ च तीयः सप्तको नवकश्चाष्टम्याः पंचक
 पादश्च उष्कः सप्तकस्त्रिंशु नश्च न दं षष्ट्युक्त्वां प्रयग्निः पंचलिं गोक्तु देवतौ
 चिके प्रयग्निरग्निर्होता दश गायत्रमृषिर्बोधिदिश्याभ्यां सोमकं सा हरेद्य

प्र ज्यवदस्पराम्यामस्याश्चिनावायुरयाचतासद्यःसैकैर्द्रवमहांअसिक्कामेक
 पदायंपंथाःसप्तोनासंवादइंद्रादितिवाप्रदेवानां॥२१॥एवैकादशानआया
 उयंनकथोपांयास्तिस्त्रुतदेव्योवाकासुष्टुतिरुपांयानुष्टुकोअघाष्टावहमनुः
 सप्ताधात्रिस्तिस्त्रुत्रिरिंद्रमिवात्मानमृषिस्तुष्टावंद्रोवात्मानपरा नवाष्टौवाश्ये
 नस्तुतिर्गर्जेनुपंचांयाशक्करीवायुजैद्रासोमवानस्तुतो नकिञ्चउर्विशतिदि
 वश्चित्तवउषसश्चगायत्रंह्यष्टम्यंतेअनुष्टुप्त्रौक्यापंचोनात्रीष्टुपादनिबुदाहर्नश्च
 उर्विशतिरंयाभ्यामिंद्राद्यौस्तुतौ॥२२॥प्ररुनुम्यएकादशान्नवंवा'रुनुविन्ने

॥१७॥

होपनवानश्यात्रिष्टुपनोष्टौचतुरनुष्टुबंतमुतोहिदशदाधिकं हिद्यावाष्टि
 धात्रुंषलं यानुष्टुदधिक्राकः पंचचतस्रोऽयाजगथोऽयासोरीद्राक्तेवामेकादशैद्रा
 वरुणं तु ममहितादशत्रस्यदस्यः पौरुकुस्थः पलाद्यात्मस्तवः कउश्रवन्मत्तपु
 रुमीह्नाजमीह्नीसौहौत्रौत्वाश्विनंहितं वामेषस्यत्रिष्टुबंतमग्रं वायव्याद्यैः
 वायव्यं तु गायत्रं वायोश्चतुश्च माघावायव्यानुष्टुभं तु विहिपंचवायव्यमिदं वांष
 लैः द्रा बाहस्पत्यं गायत्रं यस्तस्तत्रैकादशबाहस्पत्यमं यैः द्यौचोपां गायत्री
 ॥२३॥ इदमुषस्यं तु प्रतिष्ठासन्नगायत्रं तद्देवस्य सावित्रं तु जागते ममू

या १

च

देवः षड्विंशतं को वो दश वै श्वदेवं त्रिगायत्र्यंतं च महासप्तधा वा षड्विंशं च
 त्रस्याष्टौ तिस्रश्चैत्रपथाः शुनाद्यैकापरापुरउल्लिक्सां याचयुनासीराभ्यामुप
 त्वेसीतायैते चानुष्टुभावाद्याचउर्थौ च समुद्रादेकादशाग्नेयं जगद्यंतं सौर्धवा
 पंवागव्यं वाद्यतस्तुतिर्वानमोत्रिभ्योभौत्रिः पंचमेमंडले नुक्तगोत्रमात्रेयं वि
 द्यात्पंक्त्यंतस्य च स्तुतस्य शेषमानुष्टुभमबो^{धि}द्वादशबुधगविष्टिरौक्तमारंक्त
 मारोष्टोवा जानउभौ वाशक्यंतं कवीत्यचोस्तुष्टुषएवत्वमग्नेव सुश्रुत
 स्वा मग्न एकादशस्तुसमिद्धाया प्रगायत्रमग्निंतं दशपाङ्गं सखा च इषसं

धौ

तं चामग्ने सत्त जागतं ॥ २७ ॥ चामग्ने गयो यापं चम्यो पद्मी प्रमग्ने जिष्ठ मंथा च उ
यी च जनस्य षड्भुतं नरो जागतं प्राग्ने ये चंतो गायत्रं चग्निं स्तोमेन प्रवेधसे पंचां
गिर सोधरुणो बृहत्सरुः पद्भुतं ह्यायज्ञैः प्रातर्भुक्तवाहादितो न्यवस्थाववि
र्गायत्रा वनुष्टुभौ विराड्पायमग्ने च उक्ता प्रयस्वतः पद्भुतं ह मनुष्यसंसः
प्रविश्वसामन्विश्वसामाग्ने धुम्नो विश्व च र्षणि रग्ने च गौ पायना लौ पायना
वानंधुः सुबंधुः श्रुत बंधु विप्र बंधुश्चैकं च द्वै पदं मद्या वो न वव स्यव प्रा
नुष्टुभमग्ने गात्रमंथा वैश्वदेव न स्वता षाद्वि वृक्षिः पौरुकुस्थो द्वौ चरुण

त्रसदस्यूराजानौ भारतस्याध्वमेधेयासि सो नुष्टुभो नात्मात्मनेदघादिति सव
 स्वत्रिंशे विद्यैराग्नी समिद्धो विश्ववारा त्रेयात्रिष्टुभगती त्रिष्टुब नुष्टुभाय त्र्यौ
 चर्यमापंचो नागौरिवीतिः शाक्ये ऐन्द्रसुरा नायदो अनसौ वापादः कस्य बभ्रु रूपां
 च योथत्रराजास्तु त इन्द्रो रथाय सप्तो नावस्य रुग्रमिति कौश्योशनसौ वाह्नौ प
 रैरा कौश्याददक्षिणा गावः ॥ २५ ॥ महिदरा प्राजापत्यः संवरणो जातशत्रुं न
 वत्रिष्टुर्बतं यस्तेष्टो प्रभूवसुरांगिरसः पशून् तं स आगमत्य दृतीयाः उगती
 संभानुनां पंचात्रिंशो रा नुष्टुभं यद्विद्रपशून् तमायां नवः कृष्णि गाव्यां नुष्टुभ

पा ४

१२॥

ध्येचसासौरीतदा दैतिहासस्तुतिः कर्मत्रिदेवतैवकोनुविंशतिवैधदेवं
 वेतत्सोलस्याद्यतिजगत्यावंत्यैकपदाप्रशंतमाद्भूतैकादशीशैड्याधेनवस्त्र
 नैतयोरुपांयैकपदांतं प्रनया पंचोनाकाशपोवसारोन्त्येचरूपोत्रदृष्टिं प३
 गादित्रिष्टुबंतं विदाएकादशसदृशहयोष्टौप्रतिरुजोयोद्भूचोदेवपत्नीस्त
 वोयात्रिष्टुद्वितीयाच॥२६॥प्रयुंजतीसप्तप्रतिरथः कदु पंचप्रतिमानुजगितं
 दिवंवः प्रतिप्रजोयाटणपाणिर्विधिस्वस्थात्रेयः पद्भुतमग्रेपंचोनाचतस्रोगाय
 त्र्यःषलुसिहस्तिस्त्रोजगयस्त्रिष्टुभोवांयेअनुष्टुभौप्रश्यावाभ्यन्मूनाश्या

वाधो मारुतं हतपद्भिः पश्यन्ते च को वेदो लश ककुब्ब हयनुष्टुपुर उल्लिक्क
 कुस तोष्ट ह्यौ गायत्री स तोष्ट हती ककुब्जौ गायत्री स तोष्ट ह्यौ ककुब्ज स तोष्ट ह
 ती प्रशद्वयि पंचो ना जागत मुपां चान्निष्टु प्रयज्य वोदशां चान्निष्टु बग्नेन व
 बा हतेनृतीया सप्तम्यौ स तोष्ट ह्या वारुद्रा सोष्टौ द्विनिष्टु बतंतं तमुप्रवर्ष्प
 द्विष्टु बतंती लेद्विजगचंत माग्नेयं च वाक्निष्टौ को ना गायत्रं श्या वाश्वोत्रवेद
 दध्नीतरं त पुरुमीक्षौ द्यात्म्यं रथवीतिं मरुतश्च दान उष्ट प्रज्ञाशं स बुध्वा च
 तरंत महिषी शशी यसी पंचम्यनुष्टुम्न वमी स तोष्ट ह्युतेन न वश्रुत विन्ने

राज्ञी

त्रावरुणं वै तत् ॥ २७ ॥ रुतस्य सप्ताचनाना जाग तवरुणं पश्यांतं उय
 स्थिकेतषा तहच्य-आचिकितानानुष्टुभं उवलिच्छापंचयजतः प्र
 वो गायत्रं त्रीरोचनाचतुष्कसुरुचक्रिः पुरुषरुणा गायत्रं वानसृचं
 वाङ्मृक्तमामित्रअस्मिहयदद्यदशपौर-आस्थिनंतदानुष्टुभं उव
 छः प्रतिनवावस्युपाङ्गमात्रातिपंचात्रिः प्रातयविणास्थिनौ नवसप्त
 वध्रिस्त्रुफ्लिगादिचतुथीत्रिष्टुपंचानुष्टुभोऽथाः पंचगमस्त्राविण्यु
 पनिषन्महेदशसचश्रवाउषस्यंतुपाङ्गं घृतग्रामानं पश्यांतं उतेपं

नवः

च श्यां वाचः सा वित्रं उ जाग तं त स वि उ र्गा यं त्र मा द्या नु शु ब ह द शा त्रिः पा
ज न्य मु पा द्या स्ति सो ज ग य उ पां या नु शु ब ह द शा त्रि चं पा र्थि वि मा नु शु भं
प्र स म्रा जे ष्टि वा रु ण मिं द्रा ग्नी ष तै द्रा ग्म मा नु शु भं वि रा डू र्वी तं प्र वो न
वै व या म रु न्मा रु त म ति जा ग तं वा ह स्प त्यो न र द्वा जः ष षं मं उ त म
प श्य चं ह्य ग्ने स त्तो ना ॥ २१ ॥ चं ह्ये का द शा नु शु भं श क र्यं त म ग्ने ष्टो य
या हो त ऊ र्वे स प प्र न च सा मू र्ध्नि नै व्धा न री यं हि द्वि ज ग यं तं ए क
स्यां या त्रि शु ब ह द्वा उ रो वो द्वि प द्यं तं य ज स्त्र प ण्म ध्ये च द्वि द्वा ग्ना

२१॥

या यः प्रानुष्टुभं शक्यते तमिममष्टश्लोको नावीतहव्यरुषिर्वाजागतं प्राग्य
 म्मासृतीपंचदशैशक्यैषिष्यति शक्यते षुष्टुबृहया उपाये च मग्ने
 षु च चारिंशद्गायत्रं वर्द्धमानाद्या षष्ठी च सप्तविंशत् षुष्टु त्रिष्टुष्टु
 यं च ॥ २५ ॥ पितृपंचो नैदं त्रैष्टुभं द्विपदां तं तमुष्टुहिमसां सप्तो नाधो
 न विपिप्रो विरोहिमा उद्वादश नवम्येकादशैश्च वैश्वदेवैश्च एका
 दश सुतद्दश वृषायाते नवश्रद्धी नोष्टे त्रिमस्यां चायमानस्याभ्या
 वत्ति नोदानस्तुतिरा गावो गच्छन्ति तीर्थे इच्छां यश्च पादो यानुष्टुभा गंस्तु चो
 त्त

या

द्वितीः ॥३०॥ इदं षड्भूयः पञ्चाक्षरेकः सुहोत्रस्तु चतुर्थी शक्यं प्रव्यायञ्जिष्ठः
शुनाहोत्रस्तु संचत्येकदानरस्तु सत्रार्वागपान्मंद्रस्येन्द्रपिबाहेलमानः प्रथम्ये
चतुष्कमानुष्टुभं बहुयंतं यस्योक्तिदं योरयिवश्चतुर्विंशतिः शं युर्बाहं स्पृशो
द्यादौषधनुष्टुनस्तिस्त्रविंशजो मध्यमैव वासां यत्रानयं त्रयस्त्रिंशजाय
त्रं पुरतमूतिनिचुदं यानुष्टुष्टुचं येष्टुबुस्तदादेवतं त्वामिद्विषज्जनाप्रागाथं
स्वादुरेकत्रिंशद्गर्जः पञ्चादौ सौम्योगभू चर्द्धर्चो लिंगोक्तदेवतः प्रस्तोक इति
त्रिष्टुबनुष्टुभायत्रीदिपदासार्जयस्य प्रस्तोकस्य दानस्तुतिः परौ च चौरथदं

२२॥

दुर्निर्देव-यावेद्रोयोर्द्विभ्यो जानोबृहतीत्रिष्टुभ्रहिद्विपदादिवस्पृथिव्या जग
 ती॥३१॥ यज्ञायज्ञाद्वाधिकाशं युस्मृणपाणि वृष्टश्चिस्त्रक् प्रगाथोबृहती
 महासतोबृहतीमहाबाहृतबाहृतौ प्रगाथाविद्याग्नेय्यः काकुत्रः प्रगाथः
 पुरउल्लिक्त्रहतीति जगतीति मारुच्योऽथास्तिस्रो वासांति गोक्त्रदेवताः का
 कुत्रः प्रगाथः पुरउल्लिक्त्रहतीति पौष्णोबृहतीमहाबृहतीयवमध्यमनुष्टु
 म्मारुच्योऽथाद्यावा न्यूम्यो वाष्टिश्चेवास्तुषेपंचोनरुजिष्वाहवैश्वदेवं हश
 क्यतेतं कुवेवउदुयलो लशच्युल्लिगनुष्टुबंतं नतत्र्यूना सप्तम्याद्याः षड्

चतुर्

यच्चस्य उदरी जगती सुहोत्रादयो नृक गोत्रा भ रक्षा जाः पौत्रा वृहस्पतेर्दक्षि
तेवाग्निर तस्य वयं दरा पौष्णं तजायत्रं वैयां ऋषन्ननुष्टुप् सं ऋषन्नेहिवां ष
ड्य एनमं या नुष्टु बिंद्रान्वे द्रं च उष्मं द्वितीया जगती प्रनुदशैंद्राग्नं तु
बाह्वितं च उरनुष्टुवं तं श्रयत्पंचो ना गायत्रं उत्रि त्रिष्टुबादि त्रिष्टुबृह
त्यनुष्टुवं तं प्रियं षष्टना सा रस्वतं त्रिजगत्यादि जगती त्रिष्टुवं तं ॥ ॥
॥ ३२ ॥ स्तुष एकादशाश्विनं उक्कथैव पदां तं त्रिष्टुभं मुदुप्रिये च लुण
स्यं त्रिषास्या वडुन्वे द्रादश प्रारुतं विश्वेषां मैत्रावरुणं ऋषी वामे द्राव

२३॥

रुणमुपांये जगद्योसं वामशवेन्द्रावेक्ष्वं वृत्तवतीष ड्वावाष्टयिवीयं ज
 गतमुदुष्यसावित्रं त्रिष्टुबंतामिन्द्रासोमापंचैन्द्रासोमं योऽद्रिचित्र
 चं बार्हस्पत्यं सोमार्द्राचतुक्कंसोमारौद्रं जीमूतस्यैवेकोनापायु
 र्गौरद्वाजः संग्रामांगान्युक्छोनिउष्टाववर्मधनुर्ज्यामान्नीऽषुधिं जगद्य
 ३ र्धसारथिमर्द्दरश्मीनश्चान्नथं रथगोपां जगद्यां लिङ्गोक्तदेवता द्वाभ्या
 मिष्टः प्रतोदं हस्तघ्नं द्वाभ्यामिष्टः परः पंक्त्यादयो लिङ्गोक्तदेवताः संग्रा
 मारिषोऽयानुष्टु जीतश्चाजाक्तेति च द्वे द्वे सप्तमं मंडलं वसिष्ठो पश्य

दग्निं पंचाधिका विराजोऽष्टादशाद्याः ॥३३॥ जुषस्वेकादशा प्रमग्निवो द्वादशा
 वः प्राग्नयेन ववैश्चानरीयं तु प्रसंम्राजं । सप्त प्रवोदेव मिधे बोधिषत्तु
 षोडश पंचमहानगमृत् च प्राग्नये ववैश्चानरीयं समिधा बृहत्या शुपस
 द्याय पंचो नागा यत्र मेनावो द्वादशा प्रागा यमग्ने जवसप्त द्वैपदं त्रिष्टु
 भं चैह पंचाधिकैर्दं सुदासपैजवनस्यां याश्च तस्मिन् सोदानस्तुतिर्यस्ति ग
 मृत् एकादशा ॥३४॥ उग्रो दशासा विपिबनववैराजमृतेन्यामुदुष
 ओ निरातेन सोमः पंचैर्दं नरो ब्रह्मणो यं सोमज्ञानं प्रवो द्वादशा गा

॥२४॥

यत्र त्रिविज्ञं तं मोषु सप्ताधिकं प्रागायं तृतीया द्विपदा सौदा सैरमौ प्रद्विधमा
एः शक्रि रंयं प्रगायमारे मे सो द्ध्व उक्ते दह्यत तं पुत्रोक्तं वसिष्ठः समा
पयते तेशाद्यायनकं वसिष्ठस्येव हत पुत्रस्यापमिति तां उक्तं श्विचं व
षलूना संस्तवो वसिष्ठस्य स पुत्रस्येद्रेण वा संवादः प्रशुक्रापंचाधिका
वैश्वदेवं हया एकविंशति द्विपदा प्रह्णामहे रद्ध्व उत्तरो हिर्बुध्याय
शानः पंचो नाशांतिः ॥ ३५ ॥ प्रब्रह्म नवां वोष्टा उदुष्ट सा वित्रमये वाजि
न्यो जगमिति जा गोवा द्ध्व सितवैश्वदेवं चोक्रष्टिः प्रात जगिं जगत्ता

द्यालिं गोक्तदेवतां योषस्यां प्रब्रह्माणः षड्विंशदेवंतु प्रवः पंचदधिकं द्वादधि
 कंहि जगत्या द्यालिं गोक्तदेवतां देवश्च उक्तं सा वित्रमिमारौ द्रं त्रिंशु बंत
 मापोयमापमृन्मुत्सृण प्राञ्चवेमं यावेश्वदेवी समुद्रज्येष्ठा आपमामां प्रे
 त्रावरुण्याग्नेयी विश्वदेवी मदीस्तुतिर्जगितमं याति जगती शंकरा वा
 दित्यानां रुचमादिचं वादित्यासः प्रद्यावाद्यावाष्टयिवीयं वास्तोष्पते वा
 स्तोष्पत्यममी वहो शे वास्तोष्पत्याद्या गायत्री शेषास्तु परिष्टाद्बृहती द ॥ २५ ॥
 यो नुष्टु नः प्रस्वापिन्य उपनिषत्कं ई पंचाधिका भारुतं हाद्या एकादशदि

पदमधः सप्तप्रसाकमुहेषद्वयं त्रायधेदादशत्रिप्रगदिनवम्याद्याग
 यत्रोचानुष्टुबौद्धीमृचुविमोचनी ॥ ३६ ॥ यदद्यमैत्रावरुणं उवैसौया
 द्योद्वांसतोऽस्यः षष्ठाद्यास्तिस्रः सौयउद्देतीति चाडपंचमादिविपंच
 प्रतिवांप्रमित्रायारेकोनागायत्रंदशम्यादयस्त्रयः प्रगाथाः पुरउस्त्रि
 कउर्थाद्यादशादिचास्तिस्रः सौयः प्रतिवांदशाश्विनंतुतदाशुभान
 वसन्ताद्याविराजन्नावांरथोष्टावाविश्ववारासप्तापस्वसुः षष्ठागोम
 तापंचाऽतारिष्मेऽमाउवांषद्वागाथं वृषाअष्टाउषस्यंतुवाउदुसप्ता

पोरुचेप्रद्वतिपंचव्युषाः प्रतिष्ठं॥३७॥ प्रच्युषद्वागार्थमिद्राचरुणा
 दशैन्द्रावरुणं ह जागतं तु युवां नरावां पर्वतु नीषेधीराष्टौ वारुणं हरद
 सप्तप्रशुंधुवमं या पाशविमोचनी मोषु पंच गायत्रं जगद्यंतं प्रवीरया
 सप्तवायव्यं ह्यैंद्रश्च याद्विवदुक्ताः कुविदं गावायो पंच शुचिन्वष्टवैंद्रा
 ग्नं चियं वां द्वादश गायत्रमं त्यानुष्टुप् प्रहोदसा षड्धारस्वतं तुष्टु तीया
 सरस्वते वृहदुष्ट गायः प्रस्तारपद्भिः परास्तिस्त्रो गायत्राः सरस्वते य
 छेदशेन्द्रा दिवा ह स्पृच्यमं ये ईं च तृतीया नवम्या वैंद्रा ब्राह्मण स्पृच्ये

२६॥

अध्वर्यवः सप्तोक्तदेवतां आपरो विष्णवंतं रुमिथैन्द्रश्चतिस्त्रोन्मर्त्तः ॥ ५ ॥
 ॥ ३७ ॥ तिस्रं पद्यार्जन्यं उपर्जन्याय च गायत्रं मे ते कुमार-अग्नेयोप
 श्यदसिष्ठ एव वा वृष्टिक्रमः संवत्सरं दशपर्जन्यस्तुतिः संहृष्टान्मं
 इकंस्तुष्टावाद्यानुष्टुबिंद्रा सोमापंचाधिर्कैट्रा सोमं राक्षोघ्नं शापा
 निशापप्रायं षड्भक्तवाद्याजगद्येकविंशीत्रयोविंशो चाष्टादशी
 मारुती च दशमी च उद्दिश्यावाग्नेयौ दैव्ये द्वादश्यं साऽनुष्टुप्नवमी द्वाद
 शीत्रयोदशी सौम्यः सप्तदशी ग्रावण्यष्टमी षोडश्या वैज्यौ प्रवत्तयति

पंचेज्योमानोरक्ष इत्युषेरात्मानः प्राशीरुत्तरोर्ध्वः पृथिव्यांतरिक्षदैवतस्य
रंगायत्रं प्राञ्च सप्रियं स पिश्वानुक्त गोत्रः प्राञ्च स्यात्का एवौघोरः प्रगाथो
न्यैरुषिभिः साईमं मंडलं पश्यन्माचिबुडः स्त्रिंशन्मेधातिथिर्मे
ध्यातिथी ऐं ब्राह्मणं द्विप्रगाथादि द्वित्रिष्टुबंतमाद्यं द्रुवं प्रगाथो
पश्यत्यघोरः संभ्रातुः न एवस्य पुत्रतामगात्स्वायोगिश्चासंगोयस्त्री
भूवापुमानभूः समेध्यातिथयेदानंदवास्तुहिस्तुहीति चतसृजिरा
त्मानं तु शवपत्नी चास्यांगिरसी शश्वती तुंस्त्वमुपलभ्येनंप्रीतां

॥२७॥

अनुक्रमेण नान्येक इति ॥ दूरादेकां न चत्वारिंशत् ॥ १२ ॥ इति नान्येक
 न चत्वारिंशत् नवती ॥ त्वेकां न चत्वारिंशत् ॥ एकां न चत्वारिंशत् तिरियावत् ॥
 अथात्र श्रुतिं च सो द्विचत्वारिंशत् मेधातिथिरांगिरसश्च प्रियमेधः स्वा
 दवो नुशुबं चान्यां मेधातिथिर्विप्रिदोदनिं नुशुवपिब च उविंशतिमे
 धातिथिः प्रागाथं च नुशुकाय चोबुहती चांयाः कौरयाणस्य पाक
 स्थाम्नादानस्तुतिर्यदिंद्रसेवादेवातिथिसृचोचः पुरउक्षिगंतः बुसं
 गस्यदानस्तुतिस्तत्सर्वश्चित्सः पौष्टो वा ॥ ३५ ॥ दूरादेकां न चत्वा
 रिंशद्भस्मातिथिराश्विने द्विष्टहय नुशुबं तेयाः पंचाई च श्रैद्यस्य क
 शोद्निस्तुतिर्महोद्द्रोष्टा चत्वारिंशद्भस्मातिथिस्तिरिंदिरस्य पार
 एकादिश्चैकस्य च दूरात्वादुक्तं ॥ प्रकृतिना वेन ॥ एकां न चत्वारिंशत् य
 वदेव शब्दे एह एकां न शब्दे अत्रैकं कृतिना वेन ॥ लोप्य पत्र ११० था च्छा गति च्छा
 फराय ग्रह ११०

५३

राचस्यदानस्तुतिः प्रयच्छः षट्त्रिंशत्पुनर्वसोमारुतमानस्यधिवास
 धंस-आधिनं ह्यानुष्टुभं चान्ननं सैकाशशकलेत्येगायत्र्यानुपाद्ये च
 द्याचउथीषधीचउद्दृश्याद्येचबृहचः पंचमीककुब्जशम्याद्यास्त्रिष्टु
 ष्विराङ्गगयोयत्स्थः षड्गाथोपस्थः हृहतीमध्येज्योतिरनुष्टुबास्ता
 रपङ्क्तिः प्रगाथस्त्वमग्नेदशवस्यः आग्नेयेगायत्रेयात्रिष्टुबाद्याप्र
 छेपाद्यावर्द्धमाना ॥४०॥ यइंद्रत्रयस्त्रिंशत्पुनर्वतः अस्मिहंचिंद्रः
 सुतेषो नारदो यदिद्रपंचमीगोष्ठस्तयस्वस्तुक्तिनौका एवायनौत

म्वत्रिसप्तौ नौस्त्रिहं प्रसंम्राजं द्वादशेरि विडि रायाहि पंचो नाप्रगाथां
 तमिदं हृद्यधिक्रादि च मौस्त्रिहं मष्टम्यश्च न्यापराग्नि सौ यानि त्वा
 नांतं गृह्यधिक्रादि सप्त त्रिंशो नरिरामेयं ब्राह्मणः प्रागाथं ह पितृ
 नदि पदां येष्टु पुष्टी त्रसदस्यो ह निस्तुतिस्तत्त्वे उस्त्रिक्सतो
 ब्रह्मया वादिनेभ्यः प्रागंत षड्विंशति मां रूतम् ॥ ४१ ॥ वयमुद्भूनां
 येष्टु वेचित्रस्य दानस्तुरो यमाश्चिनं त्रि प्रागाथादि ब्रह्मयनुष्टु
 बेकादश्याश्चिष्टु मध्ये ज्योतिषीऽति त्रिंशद्विंशतमना वै यश्च प्रा

मेयमौलिहं हससायस्य चोत्पः सोषामगस्यवयोरोहनिस्तुतिरंया
 उष्टुशावांचउर्विश्रितिमैत्रावरुणंदशम्याद्यास्त्रिस्तोवैश्वदेव्योपां
 योस्त्रिगभयुवोः पंचाधिद्रव्यद्योवांगिरसः पाश्चिनां विंश्याद्यावा
 यव्यास्तत्पूर्वाश्चित्तसो गायत्र्योऽथैव विंश्यो चैव नुष्टुबनिरुक्ते विं४
 द्यधिशमनुचैविस्वतोविश्वदेवं ह प्रागाथां यत्रिंशतिपंचोपां यापु रउ
 स्त्रिंक्कनुदशैष्टुश्यपोवामारी चोद्विपदं न हिविश्चउष्टुं पुरउस्त्रिंष्टुह २५॥
 यनुष्टुबंतयोय जातिशुनात्रेयास्तथोयजमानप्रशंसाचयेयादि

३७

॥ सर्वानुक्रम

शक्यस्माकुपुदशवारुणं वस्तु ज्ञात्वा लक्ष्मीनावा त्रिष्टुभ्रमं च वाट
 मास्थिनमानुष्टुभ्रमपश्यद्विमेत्रयस्त्रिंशद्विरूप-आगिरस-आग्नेयं तु
 समिधाग्निं त्रिंशदावद्विचचारिंशं त्रिंशोक्त-आद्याग्नें दी ॥ ४३ ॥ चाव
 तस्त्रयस्त्रिंशद्विशोश्च-आस-आदिकानीतस्यष्टष्टुश्रवसोदानस्तु
 तिराद्यापादनिचुत्पंयम्यादिकृच्छ्रायत्रीष्टहृत्यनुष्टुप्तोष्टहती
 गायत्रीविपरीतोत्तरप्रगाथोद्विपदाचतुर्विंशतिक्वाष्टहतीपिपी
 लिङ्गमध्याक्कृच्छ्रम्यं कुरिशिराविराजुगत्युपरिष्टाष्टहतीष्टहृत्योवि

॥ ३० ॥

षमपदोत्तरापङ्की गायत्रीपङ्क्तिः प्रगाथौ वायव्यौ गायत्री द्विपदोऽस्त्रिक
 द्वि वीर्य आ गायत्री महि वोङ्गु नात्रितः प्रात्यः प्रादि च्येभ्योऽत्याः पंचो
 षसेपि महापाङ्गुः स्वप्नस्त्रं स्वादोः पंचो नाप्रगाथः सौम्यं त्रैष्टुभं
 पंचमीजगत्यन्ति प्रदश प्रस्त्र एवं प्रागाथितं त्रसुश्रुतं पुष्टिगुर्य
 ग्रामनोऽश्रुष्टिगुर्य ग्रामनावायु रूपमंत्राष्टोमेध्य एतत्ते मातरि श्वः
 आनो विश्व इति वैश्वदेवः प्रगाथो हरीत्पंचरुशः प्रस्त्र एव स्यदा
 नस्तुतिस्तु गायत्रं तुष्टतीया पंचम्या वलुष्टुभौ प्रतितेष्टपध्नीं ग्रामि

सोऽरीपङ्क्तिर्युवंदेवाच उष्मेध्यः प्राश्निनत्रैशु नैप्रिमानिवांसत्त
 सुपर्णैर्इन्द्रावरुणं जागतं मग्नं प्राविंशतिर्नृगं प्रागाथः प्राग्नेयं प्रा
 गाथं तृजयं ह्यूनां प्रोक्ष्मैर्इन्द्रावरुणं प्रागाथः पाङ्क्तं सप्तम्याद्यास्ति स्त्रो
 ष्टहयः सप्तव्यो गायत्रमाद्याच उष्यादिदेः सप्तमी चानुष्टुभोऽत्या
 दिवी त्रिष्टुभुवायदिन्द्रतरोभिः पंचोना वृत्तिः प्राथमं तानुष्टुभ्यानु
 सेक्रामस्यः सांमदो मैत्रावरुणिर्मन्यो वानहवो वामस्या जातनद्व
 आदित्या नस्तु वन्दशम्याद्यास्ति स्त्रोऽद्यदितेः ॥४४॥ प्रात्रेकोना

प्रागाथः

३१॥

गस्त्रे वा पाठ

प्रियमेध-आदावनुष्टुप्पुस्वास्त्यचाश्चचारोऽथाः षष्ठ्यं क्षास्वमेधयोऽ
 नस्तुतिः प्रप्रद्यूनानुष्टुप्पुस्वास्त्यचाश्चचारोऽथाः षष्ठ्यं क्षास्वमेधयोऽ
 गाय^{त्र} षोडशेकादश्यापङ्क्तिः अपाद्वैश्वदेवोर्ध्वं च स्त्रियो वारुणा यो
 राजा पंचोना पुरुहन्मावाहते त्रिप्रगाथाद्युस्तिगनुष्टुप्पुष्टुस्तिगं
 तं वनः सुदीति पुरुमीक्ष्योर्वान्यतर-प्राग्नेयं तं त्रिप्रगाथां तं हवि
 र्द्यूना हर्यतः प्रागाथो हविषास्तुतिर्वेदीराथांगो पवन-प्रात्रेयः स
 पवध्रिवाश्चिनं विशो विशो वपं चोनाग्नेयं चनुष्टुप्पुस्वास्त्यचाश्च

त्वारो^१या॥स्तिस्त्रो^२नुष्टुभ^३-आरु^४स्य^५श्रु^६तर्व^७णो^८दान^९स्तुति^{१०}र्यु^{११}श्वा^{१२}हिषो^{१३}
 त्रश^{१४}विरूप^{१५}इमं^{१६}नुष्टा^{१७}दश^{१८}कुरु^{१९}स्तुतिः॥आ^{२०}एवो^{२१}उ^{२२}ज्ञान^{२३}ए^{२४}का^{२५}दश^{२६}प्र
 गाथां^{२७}तं^{२८}पुरो^{२९}लाशं^{३०}दश^{३१}बृह^{३२}यंत^{३३}प्रयं^{३४}सं^{३५}भु^{३६}न^{३७}व^{३८}सं^{३९}भु^{४०}भगि^{४१}विः॥सौ^{४२}म्यं^{४३}
 मं^{४४}या^{४५}नुष्टुभ^{४६}ह्यन्यं^{४७}दशै^{४८}प्र^{४९}भू^{५०}नै^{५१}धिसो^{५२}गाय^{५३}त्रे^{५४}या^{५५}दिवी^{५६}त्रि^{५७}ष्टु^{५८}बाहू^{५९}
 नोन^{६०}व^{६१}कु^{६२}सी^{६३}दी^{६४}का^{६५}एवः॥५॥-आ^{६६}प्र^{६७}इ^{६८}व^{६९}दे^{७०}वानां^{७१}वि^{७२}श्व^{७३}दे^{७४}वं^{७५}त्रे^{७६}ष्ट
 भुश^{७७}ना^{७८}का^{७९}व्य-आ^{८०}ग्ने^{८१}य^{८२}मा^{८३}मे^{८४}रु^{८५}क्ता^{८६}धि^{८७}नं^{८८}ह्यु^{८९}मा^{९०}हि^{९१}पंच^{९२}वि^{९३}श्व^{९४}त्रो^{९५}का^{९६}लि^{९७}
 उ^{९८}ग^{९९}तं^{१००}द्यु^{१०१}म्नी^{१०२}ष^{१०३}ड्वा^{१०४}सि^{१०५}धो^{१०६}वा^{१०७}द्यु^{१०८}म्नी^{१०९}कु^{११०}र्जी^{१११}य^{११२}मे^{११३}धो^{११४}वा^{११५}प्रा^{११६}गा^{११७}थं^{११८}ह

३२॥

तं वोदस्मं नो धाबु हृदि दाय स तन मेधे पु रु मेधे धनु शु बु हस्यं त मा
 नो विश्वासु षड्गं न्यावाः सप्तात्रेय्य पालेति हा ऐं द्र आनु शु भं द्वि प ह्यादि
 पान्तं त्रयस्त्रिंशद्भुत कुरु सुत कुरु वाद्यानु शु बु द्व च उस्त्रिंश सु कुरु
 त्रैंश त्रिंश जौ द्वेयति द्वादश बिंदुः पूत दक्षो वा मारुत मात्वा न वतिर
 श्रीरांगिर स आनु शु भं मस्मै सै ब्राह्मता नो वा मारुत स्त्रै शु भं च उथी
 विरा लि ष्थामीति पादो मारुतः परे द्रा बाह् स्पत्या या इंद पंचो नारे
 नः काश्य पो बाह् तमति जगत्पु परिष्ठाद्बृहत्या वति जगती त्रि शु शु ग

तीत्यंततः॥४६॥ इन्द्राय द्वादशानुमेध अस्मिहं स तस्युपांत्ये च वक्रकुमोऽया
 नवम्योऽपुर उस्मिहो वा मिदाष्टौ प्रागाथ मयं ते द्वादशाने मो भ्रागविस्त्रेषु
 मंषष्ठीजगती परास्तिस्त्रोनुष्टुभोऽयमिति दृचेनेंद्र-आत्मानमस्तौ दष्ट
 प्रीसौपणी नवमी वज्रसंस्तुतिरुपांत्ये वा-व्यावृधक्वोऽजराजमदग्नि
 भर्गवो मे त्रावरुणं प्रागाथ त्रिजिष्टुवंतं रुतं यादि गायत्री सतो बृहती
 स्तोत्रं राजस्वकसपादादियाश्चिन्त्यो नायव्ये सौद्योष्टिह-यषस्यासूर्यप्र
 भास्तुतिर्वापावमाना गय्ये च मये द्वाधिरा भ्रागविः प्रयो गोवा हंस्य

॥३३॥

औवाग्निः पावकः सहसस्तुतयो वाग्म्योऽहपतियविश्वयो वान्यतरश्चा
 ग्नेयं च दर्शिषध्वना सोमरिर्वाहं तं पंचम्याद्ययुजः सतो बृहद्योऽष्टम्या
 दियुजः ऋबृसीयसी ऋबृबनुशुजोऽग्निमाकृती नवमं मंडलं पाव
 मानं सौम्यं स्वदिष्टया दशमधुच्छंदाः पवस्व मेधातिथिरेषश्च नः शेषः
 स न हिरण्यस्तूपः समिद्ध एकादशा द्वात्रिंशपोऽसितो देवलो वा विंशतिः
 स्तृक्कान्या घमा प्रियश्च उरनुशुबंतं मंद्रयानवा सृग्रमेते सोमाः परिप्रिया
 प्रस्वाना स उपास्मै सोमाः प्रसृगं ॥ ४७ ॥ सोमः परिप्राष्टा वेषधिया प्र

ते॑ प्र॒नि॒मे॒ने॒व॒ परि॒सु॒वा॒न॒स्स॒घ्न॒य॒सो॒म॒ प्र॒क॒वि॒रे॒ते॒धा॒वं॒चे॒ते॒ सो॒मा॒सः॑
 सो॒मा॒-अ॒सृ॒ग्रं॑ प्र॒सो॒मा॒सः॑ प॒व॒स्व॒ ष॒ड्ढ॒च्यु॒त॒-आ॒ग॒स्य॒स्त॒म॒मृ॒क्ष॒ते॒ ध्र॒वा॒
 हो॒दा॒ठि॒ष्ठु॒ त॒ए॒ष॒क॒वि॒न्म॑े॒ध॒ए॒ष॒वा॒जी॒ प्रि॒य॒मे॒धः॑ प्रा॒स्य॒न्म॑े॒धः॑ प्र॒
 धा॒रा॒बि॒ंदुः॑ प्र॒सो॒मा॒ सो॒गो॒त॒मः॑ प्र॒सो॒मा॒सः॑ श्या॒वा॒न्ध्र॒ प्र॒सो॒मा॒स॒स्त्रि॒तः॑
 प्र॒सु॒वा॒न॒-आ॒नः॑ प॒व॒स्व॒ प्र॒नू॒व॒सु॒र॒स॒र्जि॒स॒सु॒तो॒र॒ह्म॒ग॒र्णो॒ए॒ष॒उ॒स्य॑
 -आ॒शु॒र॒र्ष॒बृ॒ह॒न्म॒तिः॑ पु॒ना॒नः॑ प्र॒ये॒ग॒वो॒मे॒ध्या॒ति॒थि॒र्जि॒न॒य॒न्यो॒-अ॒त्य॒इ॒व॑॥
 ॥४४॥ प्र॒णो॒या॒स्यः॑ स॒प॒व॒स्वा॒सृ॒ग्रं॑ न॒या॒सो॒मः॑ प॒ंच॒क॒वि॒र्जा॒ग॒वि॒स्तं॒वा॑

॥३४॥

पवस्वोत्तेष्टुष्मासउचय्योध्योपरिष्टुत्तुत्तेचउक्कमवसारोस्यप्र
 त्नांयवयवंपरिसोमःप्रतेधारास्तरसपवस्वप्रगायत्रेलोपांयाशु
 रउस्मिगयावीतीत्रिंशदमहीयुरितिप्रसृगंजमदग्निरापवस्वनि
 ध्रुविःकार्यपोवृषासोमकर्यपः॥४८॥हिन्वंतिभृगुर्वक्रिणिर्भा
 गवीजमदग्निर्वापवस्वशतंवैरवानसाऽष्टदस्यनुष्टुप्परास्तिस्त्र
 ञ्माग्नेय्यस्त्वंसोमासिद्धाः॥२॥त्रिंशद्भरद्वाजःकर्यपोगोतमोत्रिर्वि
 श्वामित्रोजमदग्निर्वसिष्ठइतिहृत्वाःसप्तसप्तयःशेषेपचित्रोवसि

शो वो जि वा प व स्व सो मा स्ति सो नि न्य द्वि प द गाय त्र्यो वि ता न स्ति स्रः पौ
 स्थो वा य त्ते प वि त्रं पंचा ग्ने य्यः सा वि त्र्यग्नि सा वि त्री वै श्व दे वी वा सा
 मं या त्रिं शी पुर उ ल्लि क्त्वा विं श्य नु शु चं ये र व पा व मा न्य ध्ये र व स्तु
 ती जा ग त मूर्ध प्रा गु श न सः प्र दे व द श व स प्री तं द न स्त्रि शु च तं
 ही शु र्न हि र ए य स्तू पो यं त्रि शु भौ त्रि र स्मै रे णु रा द क्षि णा न व रु ष त
 स्तो वि श्वा मि त्रौ हरिं हरि मंतः स्त्रके प वि त्रः शि शु र्न क्त्वा वां स्त्रि शु च
 ष्ट म्यग्नि प्रि या णि पंच क विः ॥ ५० ॥ ध त्ते षि प्र रा जा वो द सः सो म स्य व

सुभरिडाजः प्रसोमस्यासा। वीतित्रिष्टुबंतेपवित्रंतेपवित्रः पवस्ववा
 च्यञ्जापतिरिंद्रायद्वादशनेमोत्रागवोद्वित्रिष्टुबंतंप्रतेशचचरिं
 ना राहृषिगणदशर्चाः प्रसृष्टाः प्राषाः प्रमेसिक्ता निवावरी द्वितीये य ३
 पुष्पियो जासृतीये त्रयश्चतुर्थे त्रिः पंचांश्या गृहसमदः प्रतुनवोशना
 यंसोमोष्टैप्रोस्य सप्तप्रहिन्वानः षसिं डूष् ॥ ५१ ॥ असर्जिक्कय
 पः परिसुवानः सात्रमुद्धः पंचनोधा अधियक्कएवः कनिकंतिप्रस्य
 एवः प्रसेनानीश्चतुर्विंशतिर्देवीदासिः प्रतर्द्धनोस्यप्रेषाष्टापंचा

शदाद्यं च वसिष्ठोपस्थदुतरान्नवदृथ ग्यसिष्ठा इन्द्रप्रमतिर्दृषगणे
 मन्थुरूपमन्थुर्वाघ्रिपाक्षत्रिः कण्डुन्मृलीकोवसुक इति च उद्दिशेप
 राशरोत्याः कुसोत्रिनोद्दशां बरीषरुजिम्बा जचानुष्टुमहब्रह्म
 पांयाहयतायाष्टौरेनसूक्तकार्यपौष्टहत्याघात्रीनवंतेनव॥५२॥
 पुरोडितीषोत्त शान्धीगुः श्यावाघ्रिर्ययातिर्नाडुषेनऊषोमानवो
 मनुः सांवरण इति च शेषेप्रजापतिरुपाये गायत्रौ काणाष्टौ
 त्रितअस्मिहं वै प्रपुनानायपडितन्यायः सखायः पर्वतनादौका
 र

१६॥

श्यपौ द्वे शीरवंडिन्यावाशुरसौ तं वइंद्रम^छ पल्लनामिश्यारूपश्च
 रुमानिबोमनुराश्वचइतिरुचाः पंचाग्निः परीतः षड्विंशतिः सप्त
 रुषयः प्रागाश्वं च तीयाषो लश्यौ द्विपदेऽष्टम्याद्ये बृहत्या पवस्व
 षो लशगौरिवीतिर्द्विचंशक्रिरेकासूरुर्द्विचो धसिद्धास्ततयश
 रुणं च यइत्युषयो द्विचास्ति सः शक्रिः काकुनाः प्रागाश्वः स सुन्वेग
 यत्रीयवमध्या परिप्रद्युधि काऽग्नयो धिष्ण्या ऐश्वर्यो द्वेपदं पर
 पुष्टादशमरुणत्रसदस्य राजानौ पिपीलि क्रमध्यास्ति सौऽनु

म३
सूचोच्य

दुःखसर्वद्वन्द्वं यस्मिन् अविराजो यारुचाश्च मनानतः पारुष्येऽपि रात्र्य
ष्टनानानं चतुर्कं शिरुःपाङ्गं हि शर्यणावयेकादशकश्यपोय इंदोश्चतुर्कं
दशमं मंडलं ग्रेसमन्त्रितः पिप्राहीनः प्रतएकः ॥ ५३ ॥ अयं स्वस्ति प्रकेतुनान
वन्निशिरात्वाष्ट्रं ऐंद्रं आपोहिंसिंधुद्वीपोवांबरीषः आपंगायत्रं धनुष्टुबंतं पं
चमीवर्द्धमानासप्तमीप्रतिष्ठौ चित्पल्लवावैव स्वतयोर्यमयम्योः संवादः
षष्ठ्ययुग्निर्यमीमिथुनार्थं यमंप्रोवाच सतां नवामीयुग्निरनिच्छन्न्याच
ष्टिष्टानवांगिरहाविर्दानः आग्नेयं च त्रिष्टुबंतं द्यावायुजपंचविव

३७॥

ष

स्वानादि चोद्भाविर्द्धनं जग च तं परे यिवांसं षोडशयमो यामं षष्ठी सिं
गोक्ते देवतां परास्ति स्त्रः पित्र्या वा दृचश्च न्यां परानुष्टु नो हृ ह च पां या
यामायनाः परे परे पंचो दीरतां लूना शंखः पित्र्यं जग ये कादशी मै नंद
मन आग्नेयं चतुरनुष्टु बंतं च षा देव अवा द्वे सरण्य देव ते पौ ष्ठश्च
तस्त्रः सारस्व च स्तिम्नः पंचा शो दश स्तिम्नः सौम्यो वां येऽनुष्टु ना वुपां
या पुरस्ता हृ हती वा परं मृ चो संकुम्भ कश्च तस्त्रो मृ च्यु देवताः पराधा
त्री परात्वाष्टी पराः पितृ मेधा एकादशी प्रस्तारं द्विर्जग युपां च्यां यानु

॥२६॥

पुप्राजापत्यावासानिरुक्ता॥५॥निवर्तधमष्टौमयितोभृगुर्वावारु
णिजागविश्यवनोवापवांगव्यंवाग्नीषोमीयोद्वितीयोर्द्विचानुष्टुभ
षष्ठीगायत्रीद्विचसप्तोत्तराष्ट्येदोविमदःप्राजापत्योवावासुक्तेव
सुहृद्भद्रं दशाग्नेयंउगायत्रमाद्यैकपदापादएववाशांत्यर्थःपरा
नुष्टुबंत्येविराद्रिष्टुभावाग्निनाष्टावास्तारपाङ्गंष्टुहपंचोनापुरस्ता
द्वाहंतं त्रिष्टुबंतं चंत्याचिदानस्त्वंनोनुष्टुभोयजामहेसप्ताष्टांत्ये
त्रिष्टुभोपंचम्यन्निसारिणीद्रसोमंषलास्तारपाङ्गंवाग्निन्योत्या

॥३६॥

स्तिसोनुष्टुभो नदमेकादशसौम्यं प्रहिनवपौलमानुष्टुभमाद्याच
 उष्णीउल्लिहावससुचउर्विशतिरैन्द्रोवसुकोविश्वोहिद्रादशिद्र
 वसुकुर्योः संवाद ऐंद्रः स्तुतस्य प्रथमयेन्द्रस्य स्तुषापरोक्षवदि
 द्रमाहेन्द्रस्य युजः शिष्टारुषेयश्च उष्णीचवनेनाष्टौ प्रदेवत्रापंचो
 नाकवषट्पृष आपमपोनप्रियंवान एकादशविश्वदेव प्रसुग्मंता
 नवपंचाद्याजगन्मः ॥५५॥ प्रमाद्या वैश्वदेव्यैन्द्रः प्रगाथः परागायत्र्यो
 इहुरुश्रवणस्य त्रासदस्य वस्य दानस्तुतिः परान्निर्मृते मित्राति

शौराहितस्नेहाद्विषिरूपमश्रवमं पुत्रमश्वव्यशोकयत्प्रावेपाःषष्ठ
 नमोजवान्वाहोऽक्षतपिप्रशंसाचाक्षेपितवनिंदाचमत्तमीजगत्त्यु
 ध्रं पुशोधानाकोवैश्वदेवंतुदित्रिष्टुबंतं तेषामानत्तानमोद्वादशमौयो
 नितपाःमौर्यंजागतं वैत्रिष्टुष्टराम्यस्मिन्नाःपंचमुष्कवानिंद्रोयोषांष
 ष्णाकाक्षीवतीघोषाधिनादित्रिष्टुबंतं रथंयातंममानं चंमुहस्त्यो
 घोषेयोमोवैकादशतल्लोछामेदित्रिष्टुबंतं त्वायात्रिनिष्टुबादि ॥३॥
 दिवस्परिद्वादशवसप्रीराग्नेयंतु ॥५॥ प्रहोतादशजगत्माहोमत्त

अङ्गुयं जपेत्तुं ब्रह्मविद्यां च विंशतिं दिनैर्दिनैः पंचवारं मविद्यापि विनश्यति॥ स गविधाने प्रायश्चित्ताध्यायः

इं४

गुर्वैकुंठं मिदं उच्छ्राव विष्णुं गानामासुरीद्रुत्थं पुत्रमिच्छतीतपस्तेषु
तस्याः स्वयमेवेन्द्रः पुत्रो जज्ञे स सप्तगुस्तुतिसं दृष्ट आत्मानमुत्तरैस्त्रि
मिस्तुष्टावाहं भुवमेकादशां ये त्रिष्टुत्रौ सप्तमी चाहं दामं योपाद्ये त्रिष्टु
त्रौ प्रवोमहे सप्तद्विजगर्त्यं केतो निसारिण्यौ वषट्कारेण वृक्केषु आ
ष्टषु सिचीक्रो ग्निरपः प्रविश्वदिवेः समवदुत्तरैस्त्रिभिर्महत्तनवतत्र
युजो ग्निवाक्यं विश्वश्च्युतरं च षट्कमयुजो देवानां यमैश्चामेच्युतरं चैकाद
शक्रंतदद्येति उद्धृचो ग्नेस्तं नु माद्या उगत्योष्टमीवर्जं तां सुषट्क हृदुच्छो वा

मदेव्योदरेऽष्टविदंते सप्तविंशदेवंतु च उर्याद्यास्ति स्त्रो जगत्यः पराणि
वास्ति स्त्रो कान्युक्ता रुषयोद्रे पदे च त्रिमंडले यहेद्वा क्रोराडा समातिगौपा
यनाब्धधादी न्युरोहितां स्य कान्यो मायाविनो श्रेष्ठतमौ प्रचापुरोदधेत
मितरे क्रुष्टाः प्रजिचरेयुः यतो मायाविनो सुबंधेः प्राणानाचिद्धि
पउरथा हास्यन्नातरस्त्रयो माप्रगामेति षड्ङ्गायत्रं स्वस्त्ययनं जपि
वायत्र इति द्वादशार्चमानुष्टुभं मनः प्रावर्तनं जेषुः प्रतारीति द्वादशार्च
च तस्त्रो निरुत्थि पनोदार्थं पुष्टि उर्यासोमं चास्तु वन्मृत्योरपगमायो

माप्रगामिति जपे संमृष्टे गते पथि। स्वस्तिमानेति पंधानं विंदते यपरं सुखं प्रियं विधाने।

तत्राभ्यां देवीमसुं नीतिं सप्तम्यां लिंगोक्तदेवताः शिष्टाग्निः पङ्क्तिर्मह
 पङ्क्तिपञ्चुतराग्निर्घावाष्टयिव्योऽसमिन्देतीदं चाद्वैतनाउनमिति द
 दशचक्रानुष्टुभं चतस्रस्त्रिरसमातिमस्तु वन्यचम्येदं षष्ठ्या गस्त्यस्य
 स्वसामातेषां राजानमस्तौ त्पराग्निः सुबन्धो जीवमाद्वयन्नन्यया
 अत्र संज्ञमस्पर्शान्पचाद्या गायत्रीऽष्टम्याद्ये पङ्क्तिरदमिच्छासत्ताधिक्य
 नाजानेदिष्टोमानवो वैश्वदेवतत् ॥ ५७ ॥ ये यज्ञेनेवा दशाग्नाः पलं
 गिरसां स्तुतिर्वीन्या त्रिष्टुप्पंचम्यनुष्टुप्प्रगाथोऽनुष्टुभौ गायत्री चतस्रो

सासने

पौ

याः सावर्णेद्विस्तुतिः परावतस्सुना गयः घातोद्विष्टुबंतं तुस्व
स्तिनस्त्रिष्टुबहं मे सोतरया पथ्या स्वस्तिदेवया कथायां मे त्रिष्टु
वस्तिरिद्रः पंचोनावसुक्लोवा सुक्लोस्त्रिष्टुबंतं तु देवान्दुवदमां
धियं द्वादशायास्यो बार्हस्पत्यं द्वादशप्रतोन्नदाः सुमित्रो वाध्यश्च
प्राग्नेयं द्विजगयादीमां प्र एकादशा प्रं बृहस्पते बृहस्पतिश्च नितुष्टा
वनवमी उगती ॥ पटी ॥ देवानां नव लोक्यो वा बृहस्पतिर्दक्षाय
एयदिति वान्मोदेवतमा बृष्टुत्तं उनिशा एकादशगौरिवीतिर्वस्सुनां

४९

षट्सूनवसिंधुद्विस्त्रियमेधोनदीस्तुतिर्जागतं वा वोष्टौ सर्पैरा
 वतो जरक्क एणियावर्गो स्तोदन्नशुषः स्यूमरश्मिर्भागवो मारुतं
 उपंचमी जगती विप्र सो द्वितीया पंचम्याः द्याश्च तिस्रो जगयो प
 श्यं सप्त सौची क्रो निर्वैश्चानरो वा सप्तिर्वा वा जं नर-आग्नि यं व
 ग्निः सप्तिं य इ मा विश्वं मा ग्नौ च नो वैश्च ब्र म एणं दु द्वितीया विराड्भू
 चक्षुषो यस्ते मन्यो मन्युस्तापसो मान्य वं वा द्या जगती च यामन्यो
 चतुर्जग्यं तां उं सद्येन सप्त च वारिंश आ वित्री सूर्यात्मदैवतमानु

मतावियुज्य
सवाज्ञातिज
मरुद्धाभ्य
मालन्यनित्य
शः॥ श्रुष्ट्य
रुद्धैर्नतो
दिनिपर्यंत

४

CC-0. Mrugendra Varad Collection. Digitized by eGangotri

सुश्रुतिना ॥ इति विष्णोर्नायकप्रत्येनरुक्तमत्र प्रयोज्यते ॥ गदितां नो द्युयोजे च इति विष्णोर्नायकप्रत्येनरुक्तमत्र प्रयोज्यते ॥
 यथायत्नीक्षणः ॥ यदि विष्णोर्नायकप्रत्येनरुक्तमत्र प्रयोज्यते ॥ देवयाने संप्रधाने पश्यत्यादि विष्णोर्नायकप्रत्येनरुक्तमत्र प्रयोज्यते ॥

सुश्रुतिना ॥ इति विष्णोर्नायकप्रत्येनरुक्तमत्र प्रयोज्यते ॥
 यथायत्नीक्षणः ॥ यदि विष्णोर्नायकप्रत्येनरुक्तमत्र प्रयोज्यते ॥ देवयाने संप्रधाने पश्यत्यादि विष्णोर्नायकप्रत्येनरुक्तमत्र प्रयोज्यते ॥

३३ मूर्ध्नि चामदेव्यो वा सौर्यविश्वानरीयमिंद्रं स्तवधूना रेणुपंच
 म्येन्द्रा सोमी सहस्रशीर्षा लशानारायणः पौरुमानुष्टुभं त्रिष्टु
 बंतं संजायवद्भिः पंचो नारुणो विहितहव्यं प्राग्नेयं यज्ञस्य शार्या
 तोमानवो वैश्वदेवं उजागतं महितान्वः पार्थः प्रस्तारपंडिं पु
 रस्ताहहयंतत्र यो दश्युपां ये चानुष्टुभो नवम्यक्षरैः पडिरेकादश
 न्यं बुसारिणी प्रितेष हूना सपेबुद्धः ब्राह्मवेयो ग्राहो स्तोत्रं चम्यं
 ये त्रिष्टुभो सद्यमीच ॥ ६० ॥ हये धूनार्वशी मैलपु रवाः पूर्वोपि
 इंद्रं स्तवतिरुक्तं तु जने च न विवर्धे ॥ पविना संपदि नो ह्युपे वनमुत्तमं ॥

पिता कामान्पुनरासाद्यावरोद्धुमैच्छसातमनिच्छंतीप्रयाचष्टेहयइष्ट
याकिदास्तुदेवोऽतरिदुप्रांसचेतितिस्रश्चैतवाक्यंशिष्टाउर्वर्याःप्रते
सप्तोनाबरुःसर्वहरिवेदोहरिस्तुतिर्दित्रिष्टुबतंयाउषधिकाथर्व
णौत्रिषगोषधिस्तुतिराबुष्टुमंष्टहस्पतेद्वादशाष्टिषेलादेवापि
वृष्टिनामोदेवांस्तुष्टावकंनोवम्रोवैखानसइंद्रदुवस्युर्मोदनोवे
श्वदेवंवंशान्निष्टुबुधुध्यधंबुधःसौम्यमृचिकस्तुतिर्वानवम्यंतेजगते
पंचमीबृहतीगायत्र्योर्मध्येप्रतेष्टुइलोभार्ग्यश्चरुषनेणदुषणेन

धीस्तु

४३५

चाजिंजिगायेति दौघणं वाद्याय तीयां याचवृहय-आशुः सप्तो नैंदोऽप्र
 तिरयश्च उथी बाहस्प-यो पां-या प्रादेव्यं या नुष्टु म्मा रुचसा व्ये प्राद
 शाष्टको विश्वामित्रः कदाचै स्यौ दुर्मित्रो नाम्ना सुमित्रो गुणत सुमि
 त्रो वा नाम्ना दुर्मित्रो गुणत अस्मिहं हरीव अं पिपीलि व मध्ये त्रिषु
 बं याया गायत्री वा ॥ ६१ ॥ उज्जौ भूतांशः ब्राह्मण-आश्विनमा विदि
 चोदक्षिणा वा प्राजाप-या दक्षिणा तद्वाच-वास्तौ च उथी जगती क्रि
 मिच्छंती परिनिरसुरै निरुक्ता गा-अन्वेष्टुं सरमा देवश्रुती देवा प्र

हिताता मयुग्निः पणयो मित्रीयंतः प्रोचुः सातान्युग्मांता निरनिष्ठंती
 प्रयाचष्टे ते वदं सप्तजुहूर्ब्रह्मजाया ब्राह्मो बोधनिना वैश्वदेवं चतुष्टु
 बंतं समिद्धं एकादशजमदग्निस्तस्युतो वारामप्राप्रियः परे च वारो
 वैरूपामनीषिणो दशाष्टदंष्ट्र इन्द्र पिब नम्र प्रजे दनस्तमस्य शिरः
 प्रजे दनस्त्रिष्टुबंतं घर्मसिद्धिस्तपसो वाघर्मो विश्वदेवं चतुर्थी उगती
 चित्र इन्नववाष्टिहृद्य उपस्तुतः प्राग्नेयं जागतं त्रिष्टुषं प्रशक्यंतं पि
 बस्वो लोमि यूतो ग्नि यूपो वानवा उन्निक्षुर्चनान्नदान प्रशंसा वा

॥४४॥

द्वे जगन्मातृहंस्युरुहया-जामहीयव-जाम्नेयराहो ध्वं गायत्रं चिति
 वै सप्तो नैरोलव-जाम्ना ननुष्टव ॥ ६२ ॥ तदिन्न वार्यं वर्णो बृहद्विवा
 हिरण्यगर्भो दिश हिरण्यगर्भः प्राजापत्यः कायं वसुं नाष्टौ चित्रमहा
 वासिष्ठ-जाम्नेय जागतमाद्यां पंचमी चर्त्तयं वेनो वेन्यमि प्रंनो नवे
 द्युतमानि हवोग्निवरुणसोमानामाद्या अग्नयीति स्रश्चाग्नेरात्म
 स्तवः शिष्टायथानि पातं सप्तमी जगन्महमष्टौ वागां नृणीनुष्टवात्मा
 नं द्वितीया जगती न तं शैलूषः कुल्लव बर्हिषो वा मदेव्यो वा होमुच्ये

श्वदेवमुपरिद्वारितमंत्र्यानिष्टुब्रात्राकशिकःसौनरोरात्रिवनिरदाजी
 रात्रिस्तवंगायत्रंममाग्नेनवविहव्योवैश्वदेवंजगद्यंतंनामममप्र
 जापतिःपरमेष्ठीनाववृत्तंत्रयोयज्ञोयज्ञःप्राजापत्योजगत्याद्याप
 प्राचःसुकीर्तिःकादीवतोमध्येदुष्टुश्चोत्तरास्वाग्निन्यावीजानंशकप्र
 तोनामैधोमैत्रावरुणन्यंऊसारिण्याधाविंजोक्तदेवतांयामहाभतोह
 रुयुपाद्योपांत्येचप्रस्तारपंडीशेषाविराडूपाप्रापुमुदाःपैजवनःशा
 करंमहापाङ्गावाद्यौटचावंयात्रिष्टुबुजेयन्माधातायोवनाद्योमहापा

त्रं पङ्क्तिरंयातामध्यद्विजोधापरयद्यस्मिन्कुमारोयामायनोयाममा
 नुष्टुन्नंहिकेशीमुनयोवातरशनाज्जतिर्वातज्जतिर्विप्रज्जतिर्वृषा
 एकःकरिक्ततएतशास्त्रष्यशृंगश्चैकचकैशिनमुतदेवाःसप्तश
 षयएकचवैश्वदेवंतवयेषलंगभरवो जागतं सूर्यरश्मिर्देवगंध
 र्वाविश्वावसुरात्मानमस्तौत्पूर्वार्धे सवितारमग्नेतवाग्निःपाव
 कःआग्नेयमाद्येविष्टारपङ्क्तिमःसतो बृहद्यनुपरिष्टाज्योतिर
 ग्रेत्रष्टानिष्ठापमोवैश्वदेवमानुष्टुन्नंह्ययमष्टौ दृचाःशागीजस्ति

शोणिः सारिस्तकस्तंबमित्रश्चाग्नेयमाद्ये जगद्यौ चतमश्च त्रिष्टुभः ॥

६३ ॥ चंषक्षांरव्योत्रिराश्विनमयंहिताह्यः पुत्रः सुपाण्यया मायनो

वोर्द्धुत्तरानोवागायत्री बृहती गायत्री मतो बभूविष्टारपङ्क्तिरिमा बृहती ३

मिद्राण्युपनिषसपत्नी बाधमानानुष्टुभं त्रुपं श्रुतं तमरण्यान्ये रश्मिदे

देवमुनिररण्यानी उष्टावश्रुते पंचसुवेदाः शिरीषस्त्रिष्टुभं तं सुधा

णसः पृथुर्वैन्यः सविता र्वहिरण्यस्तूपः सावित्रं समिद्धो मृलीको ॥ ४६ ॥

वासिष्ठः आग्नेयं बाह्वतमं चै उपरिष्टा ज्योतिषी जगत्पुपांश्चावाश्र

इयाम्भवाकामायनीश्चाहमानुष्टुभंउशासःशासोन्नरद्वाजईड्डुयंती
 दिवजामयइंद्रमातरोगायत्रंसोमोयमीजाववृत्तमानुष्टुभंचरायि
 शिरिंबिगेन्नरद्वाजःकालव्रणोपेतोऽलक्ष्मीघ्नद्वितीयाष्टतीयेबाह्म
 एस्पथेयाविश्वदेव्याग्निंकेतुराग्नेय-आग्नेयंगायत्रमिमानुभुवन
 आह्यःसाधनोवाजोवनोवैश्वदेवंद्वैपदंत्रिष्टुभंसूर्योनश्चक्षुःसौर्य
 :सौर्यंगायत्रमुदसोषधिलोमीशच्यात्मानंतुष्टावानुष्टुभंतीवस्य
 पंचष्टुरणोविश्वामित्रोमुंचामिप्राजापत्योयक्ष्मनाशनोराजय

क्षमघ्नमं चानुष्टुब्बह्रणाषट्वाहोरक्षोहागन्नसिंखावे प्रायश्चित्तमानु
 शुभ्रं ह्यक्षीभ्यां विवृहाकाशयपोयक्ष्मघ्नमपेहि पंचप्रचेतादुः स्वप्नघ्नं
 पशुंतं त्रिष्टुम्भध्यं देवानैर्ऋतकपोतः कपोतो पहनौ प्रायश्चित्तं वैश्वदेव
 मृषजमृषजो वैराजः शाकरो वासपत्न घ्नमानुष्टुभं मृषजं पशुंतं त्र्यज्येदं च
 उष्कं विधामित्र जमदग्नी जागतं हतीया त्रिं गोक्तं देवता वातस्या
 निलो वातायनो वायव्यं मयोक्षुरा वरुकाक्षी वतोगव्यं चित्रा
 द्विभ्राद्वोर्यः सौर्यं जागतमाक्षार पशुंतं त्वं च मिरो नार्गवो गाय

४७॥

नमायाहिसंवर्तजषस्यद्वैपदमात्वाषड्भुवोराशस्तुतिस्त्वानुष्टुभं
 त्वजीवर्तेनपंचानीर्तःप्रवश्यजकमूर्द्धग्रावावर्बुदयाक्षोस्तोद्राय
 नप्रसूनवस्तनुरार्जवआग्नेयमानुष्टुभं द्वितीयागायायार्ज
 वीपतंगंतंचंपतंगप्राजापत्योमायाजेदंजगत्यादिचमृष्टरि
 ष्ठनेमिस्ताह्यस्ताह्यमुत्तिष्ठतैकचक्षिप्तसपयएकचिवैश्वो
 शिविशैशीनरःकाशिराजःप्रतर्दनोरौशदधोवसुमनआद्यानु
 षुप्रससाहिषेगयऐद्रःप्रथश्चैकचाःप्रथोवासिष्ठःसप्रथो

भारद्वाजो घर्मः सौर्यो विश्वदेवं बृहस्पतिस्तु मूर्धा बाहस्पत्यो वाह
 स्पत्यमपश्यं प्रजावान्प्राजापत्यो वृचं यजमानपत्नी होत्रा शिषो वि
 सुस्त्वष्टा गार्भकृता विष्णुर्वाप्राजापत्यो गार्भध्याशी लिङ्गोक्तदेवत
 मानुषु भूमि महि सच धृतिर्वारुणिरादित्यं स्वस्त्ययनं गायत्रं वै
 वातो वातायन उलो वायवं प्राग्नेयं पंचाग्नेयो वस्त्रं प्राग्नेयं तु
 प्रह्ननं रुचमाग्नेयः श्येनो जातवेदस्य मायंगौः सार्षपाश्चात्मा देव
 तं सौर्यं वरुतं माधुच्छंदसो घर्मर्षणो भाववृत्तमानुषु भूतसंसं

४८॥

चतुष्कं संवननः स हानमाद्याग्नेयीष्टतीयात्रिष्टुतीयात्रिष्टु॥
 तदेतस्मत्सहस्रं सप्तदशकं स पादाधिकमष्टद्वेपाशयणपाठे
 शाकलेयैशरीषकेनमः शौनकायनमः शानकाय॥६४॥ श्रीअब्ज-
 एकपंचाशद्वेदे गायत्र्यः शाकलेयके॥ सहस्रद्वितयं चैव चत्वारि-
 ष्वेव शतानि३॥ त्रीणि शतानि सिकानि च चारिंशत्तथोक्लिहः॥ अत्र
 शुभांशतान्यष्टौ पंचाशत्संयुतं॥ बृहतीनां शतांशं यमेकाशी-
 चधिकं बुधैः॥ शतानि त्रिणिपद्मीनां द्वादशाष्टधिकानि३॥ पंचा

शत्रिष्टुभः प्रोक्तास्तिस्त्रैव ततो धिकाः॥ सहस्राण्येव च वारि विज्ञेयं
 उशतद्वयं॥ चवारिंश तथा षोच तथा चापि पञ्चतत्रयं॥ जगतीनामि
 यं संख्या सहस्रं तु प्रकीर्तितं॥ १॥ दशैवाति जगद्योपि तथा सप्तनसं
 शयः॥ शक्योपि तथैवोक्तास्तथा संज्ञनवविचक्षणेः॥ नवचैवाति
 शक्यः पलञ्चः परीकीर्तितः॥ अशीतिश्च तस्य च तथा यष्टि र्च स्मृतः॥
 धृतिद्वयं विनिर्दिष्टमेकाति धृतिरेव च॥ एकपदास्तु षड्वोक्ता विपदा ॥४॥
 दशसप्त च॥ प्रगाथा बाहतायेत्र तेषां शमुदाहृतं॥ चतुर्नवतिरेवो

३

कास्तद्वदणस्त्रसंशयः॥ काउमानांनुपंचाशद्वियापंचसंयुता॥ महा
 बाहते एवेत एवंसाईशतद्वयं॥ एवंदशसहस्राणिशतानांनुचतु
 ष्यं॥ रुचांघधिकमाख्यातमृषिनिस्तवदशिनिः॥२॥ पितृदेवर्षि
 साध्येभ्योबाहुरणेभ्यश्चसर्वशः॥ आचार्येभ्योऽरुभ्यश्चप्रणम्यप्र
 यतःशुचिः॥ मधुच्छंदप्रभृतिभिर्ऋषिभिर्हितपोबलात्॥ दृष्टानाम
 नुवाकानामृक्षुवक्ष्याम्यतंद्रितः॥ आदिस्तुक्तपरिमाणंसंख्यांच
 क्रममेवच॥ मंडलेमंडलेचैवयावंतोहिसमीरिताः॥ स्तुक्तसंख्या

नुवाकानां स्तुतानामुक्तमाहिताः। पदाक्षरसम्भो मोयं छंदस्यैव प्रतिष्ठि-
 तं। एकैकमनुवाकं तु खिलानि ब्राह्मणानि च। संवत्सरे संवत्सरे पठे-
 दहरहृषुचिः॥ श्रावणस्य उमासस्य पौर्णमास्यस्य मुपक्रमः। समा-
 यतर्पयेद्देवान् नृषीन् पितॄन्नुक्रमात्॥ रुग्णे देशे शरीयायां संहितायां
 यथाक्रमं॥ प्रमाणमनुवाकानां स्तुतैः शृणुत शाबलाः। कृत्वा गि-
 रोगस्त्यशौनको विध्वामि त्रिरेव च॥ वसिष्ठकश्यपवाध्वय ॥ ५० ॥
 जमदग्नि रथोत्तरं॥ १॥ अग्निमीलेत्रि सूक्तस्तु सुदूपां द्रंचतुष्कम्बै॥

अग्निं सोमानमिद्ये तोषङ्को कस्येति सप्तऋः। चमग्ने पंचत्रं विद्यात्प्रवो
 यक्रमथाष्टकौ॥ अग्ने विवस्वदग्निन्यनूचिते सप्तर्वास्त्रयः। पश्चा
 ननवकं विद्यादुपैकदशत्रं तथा। रैविकानामनादेशो नुवाकाना
 मिह स्मृतः। यस्तु च चर्यैते वेदे तस्य संख्येति न श्रुतिः। प्रये श्रुतं ते
 नवकमिमं द्वादशत्रं विदुः। इन्द्रं मित्रं दशैवाथ नासयाभ्यां तु पंचर्षी
 कदिष्ठा षड्रः सप्ताग्निमात्रा जुवश्च षड्॥२॥ वेदि षडे सप्तदशा बो
 धीत्येषोष्टसूक्तः॥ कयान्नि पंचसूक्तस्तु युवो द्विदशत्रं विदुः। इत्या

६

ये मंडले दृष्ट्वा च चारो विंशतिस्तथा। गोतमादौ शिजः बुधः परुषेपा
दृषेः परः। कुसादीर्घतमा इत्येष उवाक्कलकः क्रमः। वंयोगणानामाते दृष्ट्वा
उतीय एवा दशान्नयः परे॥ सोमस्य मातव संज्ञा दशोक्तं प्रवोदेवा
येति सप्तदशान्नं उचिधान्। इच्छंति नानवेन्द्रमिति स्त्रिः पंचदशेन वव
इमं महो॥ चां ह्यग्ने दशान्नं यन्नस्त्वेवा दशैका उवाचिमौ॥ त्रयोदशा
यं प्ररुभ्य ईरितो ग्रं पिबेत्येष चापि त्रयोदश॥ ३॥ अबोध्याग्निः समि
धा च उदशतिः परोष्टका दशान्नं प्रवोधसे। महिमहे द्वादशकोवि

बु

॥ ५९ ॥

दास्तुरुद्रासःषोडशयत्रिपंचकः। त्वं ह्यग्ने पंचदशत्वमष्टौ वृषाम् विंश
 तिर्योरियिवसुषट्कः। द्विः षट्कुवेस्तुषेथद्विसप्तकः षष्ठैः षष्ठे मंडले यो न
 वाकः। अग्निं नरः सप्तदशाः यषो जरावेहयत्पशुक्राद्युपिकाउविंशतिः। कंठी
 चक्राः पंचदशैर्नाविंशतिरपस्वसुः पंचदशप्रविीर्या॥ माचिन्महोदंडं
 सुतेषु पंचाय सप्ताष्टवयंद्विपंचकः। यो यजातिद्वदशैर्मेहषट्कोऽग्नेदशैर्का
 दशको यइत्यथ॥ त्रयोदशाह्न इंदुसुमंतमतः परीदशको जीर्इयचयं॥
 स्वादिष्ठयात्राष्टसूक्तः पवस्वत्रिंशद्वयं षट्कः परः सप्तको या॥ ४॥ प्राष्टादशै

कादशकः प्रतस्यत्रैषासहस्रसंकादशकः सखायः । अग्रेष्टुहन्वीषशकस्तयोद
 र्चविष्टाप्रदेवत्रेतिचाष्टादशाष्टा ॥ अष्टाविदंषोऽनशकस्तुभद्रः सन्धेनषट्सं
 नवेदत्रयोदश ॥ तमस्यधावापृथिवीद्यष्टकः परस्त्रयोविंशतिनासदासी
 त् ॥ रुध्रेदांयेद्वादशैवानुवानुवाकाश्चचारिंशत्सदृष्टेतिचास्मिन् ॥ अ
 येचतुर्विंशतिर्हानुवाका अतः परंमंडलंयच्चतुष्टयं ॥ ५ ॥ द्विपंचदेत्रीणिषट्का
 निचैवदशाष्टमंसप्तनवमंद्वादशांशं ॥ एकाधिकास्यानवतिः शतंचवदंतिवे
 मंडलमादितोयत् ॥ चचारिंशत्त्रिणिचाडुर्द्वितीयं सप्तानिषष्टिंचतृतीयमाडुः ॥

६१ अष्टापंचाशत्पियच्चतुर्थसप्ताधिकाशीतिरतः परं स्यात्। पंचाधिकासप्ततिम्
 त्ररंभुचचारिवासिष्ठमथोशतं च। द्वेचैवसुक्तेनवतिचविधादृष्टमंसप्तन
 वमयैशतं स्यात्। चतुर्दशचाक्रयाधिकान्याधेयः। दुक्तं दशमेतथैवैतस्म
 हसंदशसप्तचैवाष्टावतोवाक्कलकेधिकारे। पंचाशीतिर्दशतयेनुवाक्
 दृष्टाः पुराणैर्ऋषिभिर्महत्प्रभिः। तान्पारणेयाकलेशैशरीयेवदंतिशि
 ष्ठानखिलेषुविप्राः। यस्तान्दृष्टेदचैवाद्यधितेसनाक्रष्टुषंभजतेहराश्च पर
 त्। अध्यायानांचतुःषष्टिर्मेडलानिदशैवतु। चगणितांसहस्रेदिसंख्याते

चषणुतरे॥१॥सहस्रमेतस्यत्तानांनिश्चितंखेदिकैर्विना॥दशसप्तचप
 ऋंतेसंख्यातंवेपदक्रमं॥एकचएकधजश्चदेकश्चनवकिस्तथा॥द्वौवर्गे
 उद्युचोहेमोचानंदचशतंस्मृतं॥चउष्कंशतमेकंचचचारःसप्ततिस्तथा॥
 पंचक्रानांउं पंचांउदेचसप्तोत्तरेशते॥त्रीणिशतानिषड्क्रानांचचारिंश
 त्पट्वगि॥शतस्रनंविंशतिभिःसप्तक्रानांमृनाषष्टिरष्टक्रानां॥रुचां
 दशसहस्राणिरुचांपंचशतानिच॥रुचामशीतिपादश्चपारणंसंप्र
 कीर्तितं॥अर्द्धाणांसहस्राणामेकविंशतिकंवथा॥शतद्वयंउद्युविंशस

राहस्यं

५३

संहिताप्रथमोग्रंथोद्वाहयेवुद्वितीयकं॥ आरम्भकं रत्नं यस्याच्छिष्टाचातुर्विंशती प्रस्तावकं त्वस्तु पंचमो

पादं मुनिभिः पुरा॥ शाकल्यदृष्टे पदलक्ष्ममेकं सार्धं च वेदे त्रिसहस्रयुक्तं॥ प
दानि चाष्टौ दशकड्यं च पदानि च चेदिश च चितानि॥ एकं च शत सहस्रं
च दश सहस्रां सप्तशतानि॥ चर्चापदानि न्येयानि पदानि चान्यानि च
वारि॥ च चारिंश सहस्राणि द्वात्रिंश चाक्षर सहस्राणि द्वात्रिंश चाक्ष
र सहस्राणि॥ ७॥ इत्युद्येदे सवाञ्छि क्रमणि समाप्तः॥ श्रीरस्तु॥
स्वस्ती श्रीमसंवदष्टादशशतचतुस्त्रिंशतिमेव वर्षे वैशाखमासे
षष्ठे पक्षे षष्ठी खेवासरे श्रीमन्नर्मदायाः उत्तरे तटे श्रीदेवीरिसं गौमो

रुद्रोषष्ठ्याकरं प्रस्तोत्रं निबं रं सप्तमोद्वाहये
रुद्रोषष्ठ्याकरं प्रस्तोत्रं निबं रं सप्तमोद्वाहये
रुद्रोषष्ठ्याकरं प्रस्तोत्रं निबं रं सप्तमोद्वाहये
रुद्रोषष्ठ्याकरं प्रस्तोत्रं निबं रं सप्तमोद्वाहये
रुद्रोषष्ठ्याकरं प्रस्तोत्रं निबं रं सप्तमोद्वाहये
रुद्रोषष्ठ्याकरं प्रस्तोत्रं निबं रं सप्तमोद्वाहये
रुद्रोषष्ठ्याकरं प्रस्तोत्रं निबं रं सप्तमोद्वाहये
रुद्रोषष्ठ्याकरं प्रस्तोत्रं निबं रं सप्तमोद्वाहये
रुद्रोषष्ठ्याकरं प्रस्तोत्रं निबं रं सप्तमोद्वाहये
रुद्रोषष्ठ्याकरं प्रस्तोत्रं निबं रं सप्तमोद्वाहये

पकंडक एवाळ पुरि स्थिताऽभ्यंतरवृद्धनागरन्यात्युद्येदाध्यायिशैवम
 हिधरात्मजशैवश्रीऽअविचलजीसूतकुरातजीकेनलिखितं।
 ॥श्रीभ्यंवाजीप्रसन्नोऽस्तु॥श्रीइष्टदेवीसुपमाप्रसन्नव॥श्रीव
 मकल्याणीसद्यछे॥शैवकुरातजी॥श्रीकुबेरेश्वरसाद्यछे॥श्री
 श्रीमदनाकरनाम्नि सागरीपद्मं ददश एतटे श्रीसुभाईबिंदरेश्री
 बाहारकोटश्रीकुबेरेश्वरसमीपे जोशी-आशारंमहातियकंजे
 लियाद्याह एतस्यगृहे लिखितं शैवकुरातजीयेन स्वार्थे स्व

रुष्टे दास्रायेऽनुक्रमिथामरुषिदैवत छंदांस्युक्तं यंतान्येकविंशति
 मुक्ताद्येऽसप्तवर्गेपादविशेषासंज्ञाविशेषा इति प्रतिज्ञातत्वादास्राये
 मध्यसत्त्वाद्भुतमाभावात्तु राद्वाच्यमाध्यमिकस्य पादविशेषासंज्ञाविशे
 षानुक्रमाद्वक्ष्यामीत्यथा वाच्यं यथाकल्यमवितोसिसुवतो वृक्तबहिषः
 प्रेहं ब्रह्मवृत्रहृर्येष्वाविथेति पङ्क्त्यास्तेषां सप्तपदानि बहिषः कृतुं न वक्तु
 ति छंदाः सप्तपदा इति श्रुतेः संवादस्तु केषु षिदैवतानि लया नित्यं दे
 वंसवितारमीत्योः कविः कञ्जिकदुकेषु महिषो यवाशिरं उविशुभ इ

(वैराजी जागतस्योत्पन्नगणैर्त्येकादशकोनवकोऽ

तिष्ठतौ पादप्रतीकदर्शनात् ॥ १२ ॥ अथाष्टममतिजगती च उष्यदाऽथ पंचपदात्रै
हुजोगायत्रौ जागतौ च ज्योतिर्जगत् वैराजौ जागतोऽष्टकः सप्तकः सप्तकश्च जाग
तास्त्रयोगायत्रौ च द्वौ जागतस्त्रै हुजो जागतः सप्तकोऽष्टकश्च जागतास्त्रयोगायत्रः
सप्तकश्च जागतास्त्रयः सप्तको च द्वौ मुखजगत्त्येकादशकोनवको वैराजौ जागत
श्चांशजगत्त्येकादशकोनवको दशकोऽष्टको दशकश्च त्रयोदशं जागतावौ स्त्रिहो
जागताष्टको च वैराजौ त्रयस्त्रै हुजाः मुखपंक्तिः ॥ १३ ॥ नवमंशकरी पंचपदैकादश
जागतो वा द्वितीयस्त्रै हुजो जागतो वा त्रै हुज जागत गायत्राः ऋगपुछात्रै हुजो वैराजस्त्रै

स्मृते सये हु नो च पिपीलिक मध्यात्रे हु नो जगत स्त्रे हु नो च तनु शिरात्रे हु न
 जा गतो वैराज स्त्रि हु नो च तनु मध्या जा गतौ गायत्री वा जा गतौ वाद्यस्त्रे
 हु नो वात्रे हु नो दशकोत्रे हु नो च महत्यथ सप्तपदाः गायत्रा महापूर्वा ॥ १४ ॥
 दशममतिशकरी चतुष्पदा पंचदशकः षोडशको दशको लशको चाथ पं
 चपदा वैराजो जा गत षोडशक स्त्रे हु नो जा गतश्च जा गताः पंचैवाथ सप्त
 पदा गायत्राः पञ्चोर्जगितोश्च त्रे हु न वैराजो त्रयः सप्तकाः गायत्रौ च दशौश्च वारा
 गायत्रा स्त्रे हु नः सप्तकश्च ॥ १५ ॥ एका दशमष्टिश्च त्रुष्पदा षोडशकैरथ पं
 चपदा जा गत स्त्रयो दशक स्त्रयश्च जा गता तुरिगथ षट्पदा जा गतौ गाय
 त्री जा गतौ गायत्रश्च सप्तपूर्वा त्रे हु न जा गतौ गायत्र वा दतौ जा गतो च
 मध्यतिशक मष्टिवा ॥ १२ ॥

क

६

प्रवत्रिष्टुविपीलकमध्याऽथ सप्तपदावैराज। त्रेष्टुनौगायत्रः सप्त
 कोजागतौगायत्रश्चवैराजत्रेष्टुनौसप्तकोगायत्रौजागतौवैराजश्च
 निष्टुपूर्वाभिः॥ द्वादशमष्टयष्टिः सप्तपदाजागतौवैराजजागतौ
 वाजागतत्रेष्टुनौवात्रेष्टुनजागतौवागायत्राजागतएकादशकोवात्रयो
 दशकोवाऽष्टकश्चजागतावष्टकावोद्दिष्टोजागताष्टकोचजागताव
 ष्टकसप्तकोसप्तकोऽष्टकोवाजागतोऽष्टकश्चजागतोद्वादशकोसप्त
 कोऽष्टकोजागतोऽष्टकश्चजागतावोद्दिष्टोऽष्टकोत्रेष्टुनौऽष्टकद्वय
 त्रेष्टुनावष्टकः सप्तकोऽष्टकः जागताष्टकोचवैराजजागतावष्टकः
 सप्तकोत्रयोदशकोऽष्टकश्चत्रेष्टुनावष्टकः सप्तकोजागतोऽष्टकश्च

त्रैलोक्यः सप्तकोऽष्टकः सप्तकोऽष्टकः सप्तकोऽष्टकः सप्तकोऽष्टकः सप्तकोऽष्टकः ॥ १७ ॥ त्रयो
 दशं प्रतिः सप्तपदा जागता यत्राः पंचदशको नवकश्च त्रैलोक्य
 वष्टको जागता षको जागताऽष्टकश्च ॥ १८ ॥ चतुर्दशमतिशुक्ति
 षपदा जागत वैराजौ सप्तकोऽष्टको जागताऽष्टकः सप्तकश्चेति
 नदाशतयां लुप्यादयो दृश्यंते ॥ १९ ॥ स्तुत

वैराज जाग तो गायत्रा त्रैलोक्य अस्मिन् जागता वैष्णो गायत्रो जाग तो
 एकश्चात्रैष्टुन जाग तो गायत्र अस्मिन् जाग तो अष्टकश्च जाग तो गायत्रा वै
 ष्णो त्रैलोक्येष्टुनो एकश्च जागता वैष्णो होष्टको च चर्दशकोष्टकश्चै
 ष्टुन जाग तो गायत्रा त्रैलोक्येष्टुनोष्टकश्चैष्टुना वैष्णो हावष्टकश्चैष्टुनः
 सप्तकश्च जागत त्रैलोक्येष्टुनो गायत्रः सप्तकोष्टकश्चैष्टुनः सप्तकश्च जा
 गत त्रैलोक्येष्टुनो सप्तकोष्टको जागताष्टको च त्रैलोक्येष्टुना वैष्णो हो गायत्रो
 दशकोष्टकश्च वैराज जाग तो गायत्रा त्रैलोक्येष्टुनोष्टकश्च दशक

हस्ते लिखितं पटत्र ॥ ५५ ॥ यादृशं पुस्तकं दृष्ट्वा तादृशं लि
खितं मया ॥ यदि शुद्धमशुद्धं वा मम दोषो न दीयते ॥ १ ॥ श्री

॥ श्री ॥ श्री श्री ॥ श्री श्री ॥

तैलान्द्रहेज्जानाद्रहेरहेस्थितं बंधनात् ॥ परद्रुमनाद्रहेरैवं वदति प्रसिकाः ॥ १ ॥

जंभारामधुराक्षौ म्यापापहरापदे नृदे ॥ इति ह्येतानि निन्नाचक्षुः ५५
षष्ठी नमोस्तुते ॥ मामं यमो नरं न यमो कुरु यो धर्मात् ॥ अथादि
तं समायाति यथा मयुस्तथा धनं ॥ १ ॥

॥ इति सर्वानुक्रमणिसमाप्तः ॥

५५